शालिग्रामौषधशब्दसागर.
अर्थात्
आयुर्वैदीय-औषधीकोशः

श्रीः ।

शालिग्रामौषधशब्दसागर

अर्थात्

आयुर्वेदीय ओषधीकोष।

भारतभैषज्यभूषण, शालिग्रामनिघण्टुभास्कर, राजनिघण्टुदर्पण, और धन्वन्तरिचिकित्सादि ग्रन्थ रचयिता माथुरवैश्यवंशोद्भवकविकुलकुमुदकलानिधि "शालिग्राम" कर्त्तृक, सङ्कलित और हिन्दीभाषानुवादविभूषित ।

जिसको

वैद्य जनोंके हितार्थ

खेमराज श्रीकृष्णदासने

मुंबई.

स्वकीय "श्रीवेंकटेश्वर" यन्त्रालयमें

छापकर प्रसिद्ध किया.

फाल्गुन सं० १९५३ सन् १८९६ ईसवी.

श्रीराधाकृष्णाय नमः ।

दक्षहस्तकृताश्लेषां वामेनालिङ्ग्य राधिकाम् ।
कृतनाट्यो हरिः कुञ्जे पातु वेणुं विनादयन् ॥ १ ॥

लालाशालिग्रामजी.

श्रीः ।

धन्यवादः ।

सन्तु परमावधयो धन्यवादास्तस्मै विरचितविविधब्रह्माण्डकोशाय लीला-सृष्टमहासृष्टये सकलसारस्वतसारसर्वस्वमुषे श्रीमते भगवतेऽपरिमितनाम्ने । येन परमकारुणिकेन भविकजनानगदातुरान्निरीक्ष्यात्मन आर्तत्राणपरायणतां प्रकटयता धन्वन्तरि–दिवोदासादिलीलाविग्रहान्बिभ्रता शब्दरत्नाकराद्वेदपयो-निधेरायुर्वेदो विनिरमीयत । यदनुसारेणाद्यावधि भूयांसो वैद्यकशास्त्रग्रन्था यतस्त-

तः पण्डितवरैर्महर्ष्यादिभिर्विरच्य भविकभव्यभावुकभूतये भूतले प्रचारिताः सन्ति । स एष भगवत एव प्रथममार्गोपदेशकस्यैवोपकारानुभावोऽनुभूयतेतराम् ।

सत्यप्येवं वर्तमानकालीनस्थितिं निरीक्ष्य मनः सीदतीव ॥ यतःसंप्रति तत्तद्देशीयभाषावैचित्र्यं सुतरां चित्तोद्वेगकरम्, विशेषतश्च वैद्यजनानामालस्यं च. यतस्तेषामालस्यादौषधपरीक्षणे केवलं गान्धिका व्यापारिण एव शरणम् । सत्येवं का नामाशिक्षितानां गान्धिकानामौषधबलाबलपरीक्षा यथोचिता देशकालद्यपेक्षया ? । कानिचिदौषधानि स्वल्पवीर्याणि, कानिचिच्चिरवीर्याणि । कथं नामैते जानीरन्निदं चिरवीर्यमिदमचिरवीर्यमिति । तथापि तेषां तत्तद्देशवासिनां गान्धिकानां भूतलनिवासिनां सर्वेषामुपरि भूयानेवोपकारः । यतस्ते यथाकथंचित्प्रयत्नेन तानितान्यौषधानि यथासमयं संचिन्वते संगृह्णन्ति च । अतस्तेऽपि धन्या एवेति मन्यामहे । अथच ये वैद्यास्ता औषधीरुपयुञ्जते तानपि धन्यान्मन्यामहे ।

अथ च देशवैचित्र्याद्भाषावैचित्र्यापातस्यावश्यंभाव्यत्वात्तत्तद्देशवासिनां तत्तद्देशे भेषजनामविपर्यासे तत्तदौषधलाभोऽवश्यं दुःशक एव । यथा कश्चनान्यदेशस्थोऽन्यदेशे गत्वा रुग्णश्चेदौषधं जानाति परंतु तस्यौषधस्य तद्देशीयंन पर्यायं चेद्वेत्ति तदा निरुपायेन तेन किं कर्तव्यमिति निपुणं विचार्य परमकरुणावरुणालयैः श्रीमन्मुरादाबादनगरनिवासिभिः श्रीलालाशालिग्रामश्रेष्ठिभिः केवलं परोपकारबुद्ध्या नानाविधान्संस्कृतभाषोपनिबद्धाञ्छब्दकोशाननेकानायुर्वेदशास्त्रग्रन्थांश्च पर्यालोच्यायम् "**आयुर्वेदीयशब्दसागर**" नामाऽभिनवः संस्कृतभाषा–तत्तद्देशीयभाषा–प्रचार्यमाणशब्दाभिधानरूपो विनिर्मितः । अयमेतेषामस्मिन्भूतले परमश्लाघनीय उद्योगः कस्य सहृदयस्य मनसे न स्वदेतास्वदेत सर्वस्यापि मनस इत्यूर्ध्वबाहुरुद्घोषयामि। अनेन स्तुत्यपरिश्रमेणैभिर्भूतले तत्तद्देशवासिनां तत्तदौषधिनामाभिज्ञानेऽनन्यसाधारणः खलूपकारोऽकारीति हेतोर्यावन्तो धन्यवादा एभ्यो देयास्ते मन्मत्याऽपरिपूर्णा एवेति मत्वा मदात्मना सुप्रसन्नेन शश्वदभिकाङ्क्ष्यन्तेऽनन्तावधयो धन्यवादाः ।–अयं च"**आयुर्वेदीयौषधिशब्दसागर**" नामा कोश एभिः केवलं परोपकारबुद्ध्या निर्लोभेनैव विनिर्माय मत्सविधे प्रेषितः । स च मया बहूपकृतिरियमिति मत्वा सबहुमानं स्वीकृत्य स्वकीये "**श्रीवेङ्कटेश्वर**" मुद्रणालये मुद्रयित्वा प्रकाशितः । आशंसे च सर्वविद्वत्सु–एतेषां श्रेष्ठिवर्याणां श्रीशालिग्रामवैश्यवर्याणां वार्द्धक्येऽपि भूयान्परिश्रमो निरन्तरपरिशीलनेन सनाथीक्रियतामिति.

विद्वद्गुणप्रेमाभिलाषी–

खेमराज श्रीकृष्णदास,

"श्रीवेङ्कटेश्वर" छापाखाना–

मुंबई.

आरंभिकश्लोकाः।

आयुःप्रदातारमनन्तकीर्त्तिप्रख्यापकं वैद्यकसंहितायाः।
रोगानशेषान्विनिवर्तितारं धन्वन्तरिं ज्ञानकरं नमामि ॥ १ ॥
सिद्धान्तकर्त्रे गुरवेऽखिलस्य संकष्टहर्त्रे चरकाय भर्त्रे।
प्रख्यातवीर्य्याय च सुश्रुताय ध्वंसायलोकस्यरुजान्नमामि २॥
विलोक्य कोशान्बहुशोतिदुर्लभान्विचिन्त्यशास्त्राणिसुवैद्यकस्य वै॥
विरच्यते ह्योषधिशब्दसागरः सुसंग्रहो लोकहिताय पुष्कलः ॥ ३ ॥

रामगङ्गातटे पुण्ये मुरादाबादपत्तने।
नित्यं निवासिना तत्र दीनदारपुरे शुभे ॥
शालिग्रामेण वैश्येन नमस्कृत्य गजाननम्।
पादपद्मं गुरोर्नत्वाऽगदकोशो विरच्यते ॥

भूमिका।

धर्मार्थकाममोक्षाणामारोग्यं मूलमुत्तमम्।

इतिहास लिखनेवाले शास्त्रज्ञपण्डितगण, सम्पूर्ण बातोंको जानते हैं, कि संसारमें जितने प्रकारके उपचार हैं उन सबका मूल सनातन आयुर्वेद है, आयुर्वेदके ग्रन्थोंको साधारण मनुष्योंने नहीं रचा, वरन् जो महात्माजन ज्ञानके नेत्रोंसे भूत भविष्यत्को वर्त्तमानके समान जानतेथे, और अपने योगबलके प्रभावसे सारे संसारके कार्योंको जानलेतेथे, उन त्रिकालज्ञ ज्ञानियोंने अत्यन्त परिश्रमसे इन आयुर्वेदके ग्रन्थोंको निर्माण कियाहै; कोई कहै कि उन मुनियोंका क्या नाम था और इन ग्रन्थोंके रचनेसे उनका क्या प्रयोजन था क्योंकि इन ग्रन्थोंके रचनेसे कुछ भक्ति, वा परमेश्वरका भजन अथवा मुक्तिका साधन नहीं है, फिर इन ग्रन्थोंको उन्होंने क्यों रचा ? किन्तु उनका यह विचारथा–

अहिंसा परमो धर्म्मः प्राणरक्षा महत्तपः।

प्राणदान सदा मोक्षका देनेवाला है, ब्रह्माजीने प्रथम अथर्ववेदका सम्पूर्ण सार लेकर आयुर्वेद प्रकाश किया, और अपने नामसे एक लक्ष श्लोकोंमें "**ब्रह्मसंहिता**" नाम एक ग्रन्थ निर्माण किया, फिर उस आयुर्वेदको बुद्धिनिधान ब्रह्माजीने सब कर्मोंमें दक्ष दक्षप्रजापतिको परम चतुर जानकर आयुर्वेदके आठों अंग अत्यन्त स्नेहसे पढ़ाये; फिर बुद्धिविशारद दक्षप्रजापतिने, देवोत्तम सूर्य्यके पुत्र, अश्विनीकुमार देव वैद्यको महाविद्वान् जानकर आयुर्वेद पढाया; यह अश्विनीकुमार वैद्यक विद्यामें अद्वितीयथे, परन्तु देवताओंने इनको जातिसे पतितकर रक्खाथा, यज्ञमें भाग नहीं देतेथे, जब शिवजीने ब्रह्माका शिर काटा तब इन्हीं अश्विनीकुमारने अपनी विद्याके

बलसे जोड़ाथा, उसी दिनसे फिर यज्ञमें भाग पाने लगे, देवासुरसंग्राममें जितने देवताओंको दैत्योंने घायल किया, उन सब देवताओंको अश्विनीकुमारहीने अच्छा किया, इन्द्रको और चन्द्रमाकोभी इन्होंने रोगरहितकर परमसुख दिया, पूषादेवता, और भगदेवताका इन्हीं अश्विनीकुमारने उत्तम उपचार कियाथा; च्यवन ऋषिकोभी वृद्धावस्थामें इन्हीं अश्विनीकुमारने तरुणकर बलवान् और वीर्यवान् कर दियाथा; इस प्रकारके अनेक कर्म करके वैद्यशिरोमणि और अग्रिम कहलाये, और सब देवताओंमें पूज्यवर और माननीय हुए; जब इन्द्रने आयुर्वेदविद्याका चमत्कार देखा, तो शचीपति इन्द्रने अत्यन्त विनयपूर्वक अश्विनीकुमारसे आयुर्वेदके पढ़नेकी याचना की, तब दयालु अश्विनीकुमारने जिस प्रकार वैद्यकविद्या पढीथी, वह सब विद्या बुद्धिवान् इन्द्रको पढादी, इस प्रकार देवलोकमें आयुर्वेदका प्रचार हुवा; एक समय श्रीभगवान् मुनियोंमें श्रेष्ठ महात्मा आत्रेयजी, संसारमें रोगोंसे पीडित और व्याकुल मनुष्यादि ऋषियोंको देखकर अत्यन्त चिन्ता करने लगे, कि क्या करूँ? किस प्रकार यह लोग रोगके कष्टसे छूट निरोग हों? और आदिरूप अद्वैत भगवान्का ध्यान करैं? क्योंकि जब यह प्राणी रोगग्रसित रहे, तब कैसे भगवान् वासुदेवका भजन करेंगे? और विना भजन मोक्ष कहाँ? और रोगोंका समूह ऐसा बढ़ा है कि उनको अपने नेत्रोंसे देख नहीं सक्ता, क्योंकि मेरे हृदयमें अत्यन्त दयालुता है इसलिये मुझको बड़ा भारी क्लेश है, क्या उपाय करूँ? इन प्राणियोंकी दुर्दशा देखकर मेरा हृदय विदीर्ण होता है, इन दुःखियोंके दुःख दूर करनेका यहाँ कोई उपाय नहीं,मेरा जी चाहता है कि,इन्द्रके पास जाकर आयुर्वेद पढूं, क्योंकि पुरन्दर इस विद्यामें महाचतुर और देवताओंका शिरोमणि है, इसलिये सुरपतिसे आयुर्वेद पढकर इन प्राणियोंको नैरुज्य करूँ, यह बात मनमें ठान आत्रेयजी महाराज इन्द्रपुरीको गये, और वहां जाकर देखा, कि इन्द्र दिव्य सिंहासनपर विराजमान है, चारोंओर देवता खडे हुए चँवर ढोर रहे हैं, किन्नर और गन्धर्व यश बखान रहे हैं, इन्द्रके मुकुटकी मणियोंका दशोदिशाओंमें सूर्य्यकी किरणोंके समान प्रकाश हो रहाहै, सुरराज आत्रेयजीको देखतेही सिंहासनको छोड़ हाथ जोड़ मुनिके सन्मुख आया, और अत्यन्त आदर सत्कारसे आसनदे आत्रेयजीका पूजन किया, फिर कुशल क्षेम पूछकर विनयपूर्वक पूछा, कि स्वामिन्! आज कैसे इस दासके गृह आपकी कृपादृष्टि हुई? आत्रेयजीने इन्द्रके मधुर वचन सुनकर अपने आनेका कारण कहा, हे देवेन्द्र !आप केवल स्वर्गलोककेही राजा नहीं हो, ब्रह्माने आपको त्रिभुवनपति बनाया है, पृथ्वीमें व्याधियोंसे व्यथित,और रोगोंसे व्याकुल जिनके चित्त, ऐसे प्राणी घोर सन्तापसे ग्रसित हो रहे हैं, उनका कष्ट निवृत्त करनेके लिये मेरे ऊपर अनुग्रह करके मुझको आयुर्वेदका उपदेश कीजिये, जिससे उन दीनजनोंका दुःख दूर हो, और उनको सुख हो, तब इन्द्रने कहा बहुत अच्छा आप पढिये, यह बात कहकर इन्द्र आत्रेयजीको आयुर्वेद पढाने लगा, मुनीन्द्र इन्द्रसे वैद्यक विद्या अष्टांग सहित पढ, आशीर्वाद दे, इन्द्रको प्रसन्नकर, मर्त्यलोकमें आये और आनकर मुनिवर

भगवान् करुणानिधान, दयासागर जगत्उजागर, महातेजस्वी आत्रेयमुनिने अपने नामसे (आत्रेयसंहिता) रची, और अग्निवेश, भेड, जातूकर्ण, पराशर, क्षीरपाणि, और हारीत, इन छहों अपने शिष्योंको वही संहिता पढाई, इनमें तंत्रकर्ता अग्निवेश हुए, फिर इनके पीछे भेडादिकने अपने अपने ग्रन्थ रचे, इस प्रकार आत्रेयजीके छहों शिष्योंने अपने नामकी छःसंहिता निर्माण करके मुनिवृन्दवन्दित आत्रेयजीको सुनाई, उनके कियेहुए तंत्रादिक ग्रन्थोंको सुनकर आत्रेयजी अत्यन्त प्रसन्न हुए, और आशीर्वाद देकर कहा कि तुम्हारी छहों संहिता परमोत्तम हैं, यह सुन सब मुनि प्रसन्न हुए, और स्वर्गमें देवर्षि, और देवताभी इनकी प्रशंसा करने लगे, कि तुम धन्य हो, जो प्राणदान देनेवाली विद्या तुमने अध्ययन की; और तुम्हारेही लिये ब्रह्माजीने एक लक्ष श्लोककी संहिता रची है कि जिसमें एक सहस्र अध्याय हैं, और आगेको मनुष्योंके लिये इस आयुर्वेदके आठ अंग पृथक् पृथक् करदिये, कि कलियुगके मनुष्य अल्पायु और तुच्छ बुद्धि होंगे, और यह बात ब्रह्माजीने ऋषियोंके चित्तमें प्रेरणा की, इसमेंसे एक एक ग्रन्थका अवलम्बन कर, सब महर्षियोंने एक एक स्वतंत्र ग्रन्थ रचा, किसीने शल्य अर्थात् शस्त्रविद्याका उपचार, किसीने शालाक्य अर्थात् कण्ठसे ऊपरके रोगोंकी चिकित्सा, नेत्र कानादि, किसीने कायचिकित्सा अर्थात् ज्वर, अतिसार, शोष, अपस्मार, कुष्ठादि; किसीने भूतविद्या अर्थात् देव, असुर, गन्धर्व, यक्ष, राक्षस, पितृ, पिशाचादि, किसीने कौमारभृत्य अर्थात् बालकोंकी रक्षा, धायके दूधका शोधन, ग्रहोंसे उत्पन्न जो रोग उनकी शान्ति इत्यादि; किसीने अगदतंत्रका उपाय अर्थात् सर्प, कीडा, लूता, विच्छू, मूँसा इत्यादिके विषका यत्न, किसीने रसायन अर्थात् अवस्था और बल, बुद्धिका बढाना; और किसीने वाजीकरण तंत्र अर्थात् अल्पवीर्यका बढाना और दूषित वीर्यका शुद्ध करना; यह आयुर्वेदके आठ अंग हैं, इन सब रोगोंकी चिकित्सा भली भांति वर्णन की, और वैद्यकविद्यामें किसी रोगकी चिकित्सा नहीं छोडी, जहाँतक संसारमें मनुष्य, पशु, पक्षी इत्यादि जीव हैं सबका यथायोग्य उपाय लिखा है, कि जिससे संसारमें रोगबाधा न रहें, यह विचारकर भरद्वाज, चरक, धन्वन्तरि, और सुश्रुतादि ऋषियोंने सब संसारमें वैद्यके विद्याके प्रचार करनेका विचार किया, उनही ऋषियोंके द्वारा मनुष्योंको वैद्यकविद्या प्राप्त हुई, आजतक संसारमें वही परम्परा चली आती है, और विद्वान् वैद्योंके बनाये ग्रन्थ भी जगत्में इस समयतक विद्यमान हैं, उसी परम्पराकी रीति पर और भी अनेक नये नये ग्रन्थ संस्कृत और हिन्दी भाषामें बनाये गये, कि जिनके द्वारा प्राणियोंके सब रोग छूट जाँय, और वैद्यलोगभी उन ग्रन्थोंको पढकर तन मन धनसे प्राणियोंका उपचार करने लगें, और अपने चित्तमें यह निश्चय करलिया, कि अपने प्राण जायँ तो जायँ परन्तु संसारमें सहस्रों प्राणियोंका उपकार हो, यद्यपि उन प्राचीन वैद्योंको मरेहुए सहस्रों वर्ष बीत गये, परन्तु जब उनके ग्रन्थोंकी औषधीरचना देखनेमें आती है, और लिखी पढी जाती है, तब नयीही ज्ञात होती है, जैसे अमृत सदैवही गुणदायक होता है, जिन ऋषियोंने

उन ग्रन्थोंको रचा है उनका तो कहनाही क्या है ? परन्तु उन ग्रन्थोंमें जिनकी चर्चा मात्र भी लिखी है, उनकी कीर्त्ति और उनके नामको अचल कर दिया है, उन विद्वान् वैद्योंके अपूर्व गुण और महिमाको देख भालकर जिन प्राचीन राजाओंने विशेष करके भारतखण्डमें मार्तण्डकी समान अपने शुभ समाचारोंमें प्रकाशित किया है, और विनयपूर्वक आदर सम्मानसे उन विद्वान्लोगोंकी शुश्रूषा करते रहे, और उन विद्वान् वैद्योंनेभी उनको सत्कीर्तिको अपने ग्रन्थ रचनाके द्वारा अजर अमर कर मार्तण्डकी नाईं खण्ड खण्डमें प्रकाशित कर दिया, और जिन राजाओंकी आयुर्वेदमें प्रीति नहींथी, और अपने शरीरको निरोग रखना अच्छा नहीं समझा, उनका नाम मृत्युके होतेही संसारसें समाप्त हो गया, कोई कुलमें हुवा तो जलदान वा श्राद्धके समय अथवा पिण्डदानके देते हुए नाम स्मरण हुवा तो लेलिया, देखिये ! धन्वन्तरीका अवतार काशीराज दिवोदास, नकुल सहदेवादि राजाओंका आयुर्वेदमें कैसा स्नेह था, कि उन राजर्षियोंका नाम उन वैद्योंनें अपने अपने ग्रन्थोंमें लिखकर प्रसिद्ध किया, और उनके नामको सुमेरुकीसमान अचल कर दिया, और चरक, सुश्रुत, वाग्भट प्रभृति ग्रन्थोंका चमत्कार अत्यन्त ही विलक्षणताके साथ दरशाया है, देखो ! राजाहर्ष, चक्रदत्त, मदनपाल, बिक्रमादित्य, भोजका सुयश कैसा फैल रहा है, उनकी भेषनरचना, वैद्यमण्डली और प्रजागणोंमें माननीय है, उसीका वर्ताव आजतक उसी प्रकार चला जाता है, इसका मुख्य कारण यही है कि, उन्होंने वैद्योंको सर्वोपरि बुद्धिमान् जान कर, और आयुर्वेदको सुखनिधान मानकर, उनका अत्यन्त आदर सन्मान किया, और मुँह मांगा द्रव्य उनको दिया, उनहीके प्रभावसे राजनिघण्टु, राजवल्लभ, मदनपालनिघण्टु, वैद्योंके कंठाग्र होरहा था, जैसे महाराजाधिराज श्रीमान् राणा प्रतापसिंह सवाई जयपुर निवासी, वैकुण्ठवासीके नामसे वैद्योंने अमृतसागर नाम ग्रन्थ रचकर प्रसिद्ध किया, यह इस देशके पंडितोहींका प्रताप था, और यह देश ऐसा उत्तम था कि इसके समान संसारमें दूसरा देश नहीं था, इस भारतखण्डके वैद्य बडे चतुर थे, इन्होंसे फारिस, अरब, रूम, और युरपवालोंने वैद्यक विद्या सीखीथी, जो आज बात बातमें बालकी खाल निकाल रहे हैं, और इसी भारतखण्डमें सम्पूर्ण औषधियेंभी उत्पन्न होती थीं, इन भारतवासियोंको कभी किसी औषधिके लिये, अथवा उपचारके लिये किसी और दूसरे देशकी सहायता लेनी नहीं पडती थी, क्योंकि यह देश सर्वौषधियोंका भाण्डागार था, यहींसे फारिस, अरबस्तान, रूम, रूस, काबुल, कन्धार, जरमन, इंग्लेण्ड, एसिया, आफ्रीका, इटाली, पोर्टुगाल, और फ्रान्स आदि सब देशोंमें औषधिये जाती थीं, और आजतक जाती हैं, सनातन आयुर्वेदके प्रसादसेही लोग सम्पूर्ण रोगोंसे अनायास छूटे जाते थे, जहां एक वार प्राणीके शरीरसे रोग छूटा, फिर बहुत दिनतक रोगका मुख देखना नहीं पडता था, सब देशान्तरीय लोग जानते हैं, कि आयुर्वेदीय ग्रन्थोंमें बडे बडे कठिन और असाध्य रोगोंका उपचार लिखा है, इस देशकी प्रजाके ऊपर इस

देशकी औषधियेंभी भलीभाँति गुण करती हैं, फिर हमको और देशोंकी औषधियोंसे क्या प्रयोजन ? परन्तु बडे खेद की बात है, कि हिन्दुओंका राज्य जातेही हमारी परमप्रिय प्रयोजनीय आयुर्वेदीय चिकित्साओंकीभी अवनति होगई, और शनैः शनैः इन औषधियोंकी ऐसी दुर्दशा हुई कि, संस्कृतवैद्यकके ग्रन्थोंका नाम संसारसे उठ गया, केवल वैद्यमनोत्सव, वैद्यजीवन भाषा, दिल्लगनके चौबेले और अमृतसागरको बडा ग्रन्थ समझने लगे, और इन्हींको अमर मूल समझते थे, जिसको एक चूर्णभी स्मरण था, वह अपने आपको पूर्ण वैद्य समझता था, और वैद्योंको इन्ही छोटे छोटे ग्रन्थोंका बडा अभिमान था, यहांतक आलस्यने दबाया कि पढना लिखना सब छोंड दिया, केवल दश पन्द्रह औषधियोंके नाम रह गये, जैसे सोंठ, मिरच, गिलोय, हींग, पीपल, अजवायन, इत्यादि, और चरक, सुश्रुत, वाग्भटका तो नामही नाम रह गया, वैद्योंको यहभी सुधि न रही कि, इन ग्रन्थोंका आशय क्या है, और कितने श्लोक हैं, और पठन पाठनका तो कहनाही क्या है, और औषधियोंको तो पंसारी लोग ऐसे भूल गये कि उनका नामतकभी उनको स्मरण नहीं रहा, कैसे स्मरण हों ? जब कि सब औषधि वर्तनोंहीमें वर्षोंतक रक्खी रहैं, और रक्खी ही रक्खी सडजाँय, और कोई उनका ग्राहक न हो, फिर उनका क्या प्रयोजन ? जो नई औषधि और मोल ले, और हाटमें सैत कर रक्खें इस कारण पंसारी सारी संसारीकी चिकित्साओंको भूल गये, और जो कुछ पढे वे पढे वैद्य रह गये, वहभी ऐसे, जैसे प्रातःकालके तारे कहीं कहीं चमकते रहते हैं, परन्तु वहभी छविक्षीण और द्युतिहीन, इस प्रकार सब संसारवैद्य विद्यासे शून्य हो गया, डॉक्टर और यूनानी हकीमोंका सन्मान होने लगा, नये नये अंग्रेजी, फारसीके औषधालय खुल गये, ठौर ठौर शफाखाने बन गये, कौनेन और सोडा वाटर, का नाम सबके मुखसे निकलने लगा, नीलोंफर, गावजवा, गुलेबनुफशः माजून, फलासफा की सब सराहना करने लगे। धन्य है सर्वशक्तिमान् परमेश्वरकी गतिको, कभी तो वह चर्चा, और कभी यह वेसुधि, क्या था और क्या कर दिखाया, वैद्योंकी वह बात न रही, आयुर्वेदीय शास्त्रोपचारकी ओरसे लोगोंकी दृष्टिही फिर गई, उसका किञ्चिन्मात्रभी विश्वास नहीं रहा, केवल डॉक्टरोंही का स्थान स्थानपर धन्वन्तरीकी समान आदर सन्मान होने लगा, और वैद्य लोग जो कुछ औषधि बनानी जानतेभी थे, उनका बनानाभी उन्होंने छोंड दिया, क्योंकि कोई बूझा नहीं रहा, सब रोगोंकी औषधि वैद्योंके पास न रहनेसे साध्य रोगीभी अच्छे होनेसे रह गये, प्रथम तो वैद्य लोगोंकी बूझही नहीं थी, और दैवयोगसे कभी समय कुसमय कोई वैद्य किसी रोगीके देखनेको चलाभी जाता, तो कहता अमुक औषधि, वा अमुक रस, अथवा अमुक आसवकी इस रोगीके लिये आवश्यकता है, सो तुम बना लो, वा कहींसे मँगालो, बस! रस और आसवके बनानेही बनानेमें रोगकी वृद्धि होकर रोगी परमधामको चला जाता, कहीं कहीं औषधियोंकी पहिचानमें झमेला पडजाता, इसलिये रोगीकी इति श्री हो जाती,

इस महाकठिन हृदयविदारक अवस्थाको देखकर कलकत्ते और लाहोरमे बहुत से सज्जनोंने आयुर्वेदीय पाठशालायें बनाकर आयुर्वेदका पढाना प्रारम्भ किया, और दूरदूरसे औषधियोंके वृक्ष मँगा मँगाकर अपने अपने बागोंमें लगाये, और संसारका यहाँतक उपकार किया कि, जिसका वर्णन लिखनेमें लेखनीभी असमर्थ है. उसी अवसरमें वैश्यवंशअवतंस मुम्बईपत्तननिवासी श्रेष्ठि **खेमराज श्रीकृष्णदास** ने अत्यन्त पुरुषार्थके साथ, आयुर्वेदकी नौकाको डूबती देखकर झटपट अपनी भुजाओंके बलसे उबार लिया,और यहाँतक सहायता की कि,अपना तन, मन, धन, उसीके समर्प्पण कर दिया, और लाखों रुपैया व्यय करके लोप होतेहुवे आयुर्वेदके ग्रन्थोंको दूरदूरसे मँगामँगाकर बहुत धन दे भाषाटीका कराय, अत्यन्त सुगमकर, उनको निजमुद्रालयमें मुद्रितकराय, लोगोंका महान् उपकार किया, और जिस कार्यकी जैसी आवश्यकता समझी उसको वैसाही किया, किसी ग्रन्थको मूल और भाषानुवाद सहित, किसी ग्रन्थको संस्कृतटीका सहित, किसी ग्रन्थको केवल मूलहीमात्र छापकर प्रकाशित करदिया, इन महाशयने चरकका भाषानुवाद बनानेको पं० मेहेरचंदजीको कहा और सुश्रुतका भाषानुवाद करानेको पण्डितमुरलीधरजीसे कहा, वाग्भट, हारीतसंहिता, कालज्ञान,मदनपालनिघण्टु इत्यादि, वेरीनिवासी पण्डित रविदत्तजीसे भाषाटीका कराय प्रसिद्ध किया;बृहन्निघण्टुरत्नाकर,शार्ङ्गधर,माधवनिदान, वैद्यरहस्य योगतरंगिणीवयोगचिन्तामणि प्रभृति अनेक ग्रन्थ पण्डितदत्तरामचौबेमथुरानिवासीसे भाषानुवाद और संग्रहकराकर प्रकाशितकिये.इनके अतिरिक्त औरभी अनेक ग्रन्थ और और पण्डितोंसे भाषाटीका कराय प्रसिद्ध किये फिर दूसरीबार वाग्भटको पण्डित ज्वालाप्रसाद मुरादाबादनिवासीसे शुद्धकराके छापा, इन महाशयने कुछ वैद्यकहीके ग्रन्थ नहीं छापे किन्तु औरभी वेद, वेदाङ्ग,शास्त्र,पुराण,इतिहास,नाटकादि छापछापकर विख्यात कियेहैं, इसप्रकार ग्रन्थप्रकाश करते करते एकदिन उन महाशयके उदधिरूपी मनमें अभिलाषारूपी सुधाकर प्रगट होकर उदय हुवा, कि किसी वैद्यसे एक कोष ऐसा बनवाना चाहिये, कि जिसमें प्रायः सम्पूर्ण औषधियोंके संस्कृत और भाषानाम हों, और अकारादि क्रमभी हों, ऐसा विचारकर उस अभिलाषारूपी निशाकरको चतुर्दशी, कुहू प्रतिपदादिक पत्रावरण (लिफाफः) में बन्दकरके मेरी ओरको प्रेषित किया,इस प्रकारका एक कोष तुम निर्माण करो तो वह संसारके लोगोंको और वैद्योंके लिये परम हितकारी और भारी सुख उपजानेवाला होगा, उस अभिलाषारूपत्रिनेत्रचूडामणि (चन्द्रमा) को देखकर, मेरा हृदय समुद्ररूपी उमडा, और उमंगरूपी तरंगें उसमेंसे उठनेलगीं, उस समय उत्साहरूपी कलानिधि ने अपनी किरणोंसे अमृतवरसाना आरम्भकिया, उस अमृतकी तरीसे चित्तरूपी बन और पर्वतोंपर सब औषधिहरीभरी होगई, और मेरी दृष्टिके सामने तद्रूपदिखाई देनेलगीं, उस समय मैंने सेठजीकी आज्ञानुसार कोषरचनेका प्रबन्धकरदिया, और इसकोषकी सहायताकेलिये इतने कोष एकत्रकिये, अमरकोष, पर्यायरत्नमाला, शब्दचन्द्रिका, शब्दार्थचिन्तामणि, उणादिकोष, मेदिनीकोष, हेमकोष, हलायुधकोष,

धरणीधर, जटाधर, धनञ्जय, विजयरक्षित, अजयपाल, त्रिकाण्डशेष, हारावलि, वैद्यककोष, औषधिकोष, शब्दकल्पद्रुमकोष प्रभृति, और अनेककोष और चरक, सुश्रुत, भावप्रकाशादि ग्रन्थोंसे, वह द्रव्य जिनका आयुर्वेदचिकित्सामें व्यवहार कियाजाताहै, शारीरकके यंत्र और रोगादिकोंके नाम लिङ्ग और अर्थ लियेगयेहैं, सब शब्दोंका लिङ्ग जाननेके लिये, पु० स्त्री० क्ली० त्रि० यह चार संकेत चिह्न व्यवहार कियेगयेहैं, अर्थात् पुँल्लिङ्गके स्थानमें (पु०) स्त्रीलिङ्गके स्थानमें (स्त्री०) नपुंसकलिङ्गके स्थानमें (न०) (क्ली०) और त्रिलिङ्गके स्थानमें (त्रि०) चिह्न लिखदियाहै, एकार्थबोधक शब्दोंके बीचमें, (।) इसप्रकारका चिह्न है, और संस्कृत भाषा शब्दोंके बीचमें (॥) इस चिह्नका व्यवहार नियत कियाहै और जहाँ (ऐ) ऐसा चिह्न है वहां ऊपरवाले शब्दका अर्थ जानलेना जब यह ग्रन्थ सम्पूर्ण हुआ, तो सब मित्रोंकी सम्मतिसे इस कोषका नाम "**शालिग्रामौषधशब्दसागर**" रक्खा, और सर्वसाधारणके उपकारार्थ इसकोषको श्रीयुत–वैश्यवंशावतंससकलगुणागार, परमोदार, गोब्राह्मणहितकारी, सत्यव्रतधारी, सर्वविद्याविभूषित, श्रीमद्रत्नाकरसान्निकटमुम्बई पत्तननिवासी, श्रीमान् श्रेष्ठि **खेमराज श्रीकृष्णदास**जीको पूर्णप्रतापी जानकर मैंने यह कोष समर्पण किया, और उनको कोटिशः धन्यवाद है, कि जिन्होंने अपना धनव्यय करके इस शालिग्रामौषधशब्दसागरको अपने जगत्प्रसिद्ध "**श्रीवेंकटेश्वर" यंत्रालय**में मुद्रित करके मुझको कृतार्थ किया, और जिन वैद्योंको औषधियोंके अधिकपर्याय और गुणदोष देखनेहों वह वैद्य लोग मेरे निर्माण कियेहुए, शालिग्रामनिघण्टुभूषण, और भारतभैषज्यभास्कर में देखलें, तो उनकी भली भाँति तृप्ति होजायगी; अब मेरी सब महात्मा पुरुषोंसे यह प्रार्थनाहै कि, इस कोषको देखकर मेरा परिश्रम सफलकरें, और जहाँ कहीं अशुद्धि देखें तो मुझपर कृपाकरके एक कृपापत्र भेजदें;

आपका कृपाभिलाषी–

शालिग्रामवैश्य,

दीन्दारपुरा; मुरादाबाद–सिटी.

शालिग्रामौषधशब्दसागरकी वर्गानुक्रमणिका।

पुस्तक मिलनेका ठिकाना-

खेमराज श्रीकृष्णदास,

"श्रीवेंकटेश्वर" छापाखाना

मुंबई.

त्रैलोक्यपतयेनमः

शालिग्रामौषधशब्दसागर,

अर्थात् आयुर्वेदीय औषधिकोष.

अ

अ, पु० वासुदेव ॥ विष्णु ।

अंशुक, न० पत्र ॥ तेजपात ।

अंशुमत्फला, स्त्री० कदलीवृक्ष ॥ केलावृक्ष ।

अंशुमत्फली, स्त्री० कदलीवृक्ष ॥ केलावृक्ष ।

अंशुमती, स्त्री० शालपर्णी ॥ शालवन, शरिवन ।

अंङ्घ्रिस्कन्द, पु० गुल्फ ॥ पाँवकीघुट्टी ।

अकरा, स्त्री० आमलकी ॥ आमला ।

अकुप्य, न० स्वर्ण । रौप्य ॥ सोना । रूपा ।

अकोट, पु० गुवाक ॥ सुपारी ।

अक्रान्ता, स्त्री० बृहती ॥ कटाई ।

अक्लिका, स्त्री० नीलीवृक्ष ॥ नीलकावृक्ष ।

अखट्ट, पु० प्रियालवृक्ष ॥ चिरौंजीका वृक्ष ।

अखर, पु० कार्पासवृक्ष ॥ कपासकापेड, वाडी ।

अगज, न० शिलाजतु ॥ शिलाजीत ।

अगरी, स्त्री० देवताड़वृक्ष ॥ देवताडवृक्ष ।

अगरु, न० पु० अगुरु ॥ अगर ।

अगस्ति, पु० मुनिद्रुम ॥ हथियावृक्ष ।

अगस्तिद्रु, पु० वङ्गसेन ॥ अगस्तियावृक्ष=हथियावृक्ष ।

अगस्त्य, पु० स्वनामवृक्ष ॥ अगस्तियावृक्ष, हथियावृक्ष ।

अगुरु, न० शिंशपावृक्ष । कृष्णागुरु । स्वनामप्रसिद्धसुगन्धिकाष्ठ-विशेष ॥ सीसौंकावृक्ष । कालीअगर । अगर ।

अगुरुशिंशपा, स्त्री० शिंशपावृक्ष ॥ सीसौंकावृक्ष

अगूढगन्ध, न० हिङ्गु ॥ हीङ्ग ।

अग्नि, पु० चित्रकवृक्ष । रक्तचित्रकवृक्ष । भल्लातक । निम्बूक । स्वर्ण । पित्त ॥ चीतावृक्ष । लालचीतावृक्ष । भिलावेकावृक्ष नीबूकावृक्ष । सोना । पित्त ।

अग्निकाष्ठ, न० अगुरु ॥ अगर ।

अग्निगर्भ, पु० अग्निजारवृक्ष । सूर्य्यकान्तमणि ॥ अग्निजारवृक्ष । आतसी सीसा-फार्सीभाषा ।

अग्निगर्भा, स्त्री० महाज्योतिष्मती ॥ बड़ीमालकाङ्गनी ।

अग्निज, पु० अग्निजारवृक्ष ॥ अग्निजारका पेड़ ।

अग्निजात, पु० अग्निजारवृक्ष ॥ अग्निजारका पेड़ ।

अग्निजार, पु० वृक्ष-विशेष ॥ अग्निजारका वृक्ष ।

अग्निजाल, पु० अग्निजारवृक्ष ॥ अग्निजारका पेड़ ।

अग्निज्वाला, स्त्री० जलपिप्पली । धातकीवृक्ष ॥ जलपपिल. पनिसगा, । धावईके फूल ।

अग्निजिह्वा, स्त्री० लाङ्गलीवृक्ष ॥ कलिहारीवृक्ष ।

अग्निदमनी, स्त्री० क्षुप-विशेष ॥ अग्निदमनी ।

अग्निदीप्ता, स्त्री० महाज्योतिष्मतीवृक्ष ॥ बडीमालकाङ्गनी ।

अग्निनिर्य्यास, पु० अग्निजारवृक्ष ॥ अग्निजारका पेड़ ।

अग्निभ, न० स्वर्ण ॥ सोना ।

अग्निमणि, पु० सूर्य्यकान्तमणि ॥ आतसीसीसा फार्सी भाषा ।

अग्निमन्थ, पु० गणिकारिकावृक्ष ॥ अरणी, अगेथुवृक्ष ।

अग्निमुख, पु० चित्रकवृक्ष । भल्लातक ॥ चीतावृक्ष भिलावेकावृक्ष ।

अग्निमुखी, स्त्री० कलिकारीवृक्ष ॥ कलिहारीका पेड ।

अग्निरजाः [स]. पु० इन्द्रगोपनामरक्तवर्णकीट ॥ इन्द्रगोपनामवालालालरङ्गकाकीडा । वीरवहुट्टी ।

अग्निरुहा, स्त्री० मांसरोहिणी ॥ रोहिनी, मांसरोहिनी ।

अग्निवल्लभ, पु० सालवृक्ष । राल ॥ सखुखा. सालवृक्ष । राल । धूना ।

अग्निबीज, न० स्वर्ण ॥ सोना ।

अग्निवीर्य, न० स्वर्ण ॥ सोना ।

अग्निशिख, पु० कुसुम्भवृक्ष । कुङ्कुम ॥ कसूमका वृक्ष । केशर ।

अग्निशिख, न० स्वर्ण कुङ्कुम । कुसुम्भपुष्प॥ सोना । केशर । कसूमके फूल ।

अग्निशिखा, स्त्री० लाङ्गली । तण्डुलीयशाक ॥ कलिहारी । चौराईका शाक ।

अग्निशेखर, न० कुङ्कुम ॥ केशर ।

अग्निसम्भव, पु० अरण्यकुसुम्भ ॥ वनजातकसूम ।

अग्निसहाय, पु० वनकपोत ॥ वनपरेवा, घुघु ॥ जङ्गलीकबूतर ।

अग्निसार, न० रसाञ्जन ॥ रसोत ।

अग्रपर्णी, स्त्री० अजलोमावृक्ष । शूकशिम्बी ॥ किवाँचभेद । कौंछ, किवाँच ।

अग्रमांस न० हृदय ॥ कलेजा । फार्सीभाषा ।

अग्रलोहिता, स्त्री० चिल्लीशाक ॥ चिल्लीकाशाक ।

अग्रिमा, स्त्री० लवणीफल ॥ सीताफल ।

अङ्कलोड्य, पु० चिञ्चोटकतृण ॥ जलसमीपचिञ्चोटकतृण ॥

अङ्कोट, पु० स्वनामप्रसिद्धवृक्ष ॥ ढेरा, ढेरावृक्ष।

अङ्कोठ, पु० ऐ.

अङ्कोल, पु० ऐ.

अङ्कोलक, पु० ऐ.

अङ्कोल्लसार, पु० स्थावर-विषभेद ॥ अफीम, संखिया इत्यादिविष ।

अङ्गक, पु० अगरु ॥ अगर ।

अङ्गग्रह, पु०गात्रवेदना ॥ गात्रपीड़ा। अंगमें पीड़ा ।

अङ्गनाप्रिय, पु० अशोकवृक्ष ॥ अशोककावृक्ष ।

अङ्गरक्त, पु० वृक्षविशेष ॥ कवीला। कमीला ।

अङ्गलोड्य, पु० चिञ्चोटकतृण ॥ चिञ्चोटकतृण ।

अङ्गारक, पु० कुरण्टकवृक्ष । भृङ्गराज ॥ पीलीकटसरैया । भङ्गरा ।

अङ्गारकमणि, पु० प्रवाल ॥ मूँगा ।

अङ्गारपर्णी, स्त्री० ब्राह्मणयष्टि ॥ भारङ्गी ।

अङ्गारपुष्प, पु० इङ्गुदीवृक्ष ॥ गोंदीवृक्ष। हिंगोरवृक्ष

अङ्गारमञ्जी, स्त्री० करञ्ज-विशेष ॥ एकप्रकारकी करञ्ज ।

अङ्गारमञ्जरी, स्त्री० ऐ।

अङ्गारवल्ली, स्त्री० करञ्ज-विशेष । ब्राह्मणयष्टी । गुञ्जा ॥ एकप्रकारकीकरञ्ज । भारङ्गी । घुघुची, चौंटली, रत्ती ।

अङ्गारवल्ली, स्त्री० महाकरञ्ज । भार्गी ॥ बड़ीकरञ्ज । ब्रह्मनेटि । भारङ्गी ।

अङ्गारिका, स्त्री० इक्षुकाण्ड । पलासकलिका ॥ एकप्रकारके तृण । ढाकवापलासकीकली ।

अंघ्रि, पु० वृक्षमूल । चतुर्थांश ॥ वृक्षकीजड़। चौथाभाग ।

अंघ्रिपर्णी, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन ।

अंघ्रिवल्लिका, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन ।

अच्युतावास, पु० अश्वत्थवृक्ष ॥ पीपलकावृक्ष ।

अज, पु० छाग । माक्षिक धातु ॥ बकरा । माखीधातु । सोनामाखी ।

अजकर्ण, पु० असनवृक्ष ॥ विजयसार ।

अजकर्णक, पु० सालवृक्ष ॥ सालकापेड़ ।

अजगन्धा, स्त्री० वनयवानी ॥ अजमोद ।

अजगन्धिका, स्त्री० वर्वरीवृक्ष ॥ वनतुलसी ।

अजगन्धिनी, स्त्री०अजशृङ्गीवृक्ष ॥ मेढाशिङ्गी ।

अजटा, स्त्री० भूम्यामलकी ॥ भुईआमला ।

अजडा, स्त्री० शूकशिम्बी ॥ कौंछ । कौंच ।

अजथ्या, स्त्री० स्वर्णयूथिका ॥ पीलीजुही ।

अजदण्डि, स्त्री० ब्रह्मदण्डि ॥ ब्रह्मदण्डी औषधी ।

अजभक्ष, पु० वर्धूरवृक्ष ॥ बबूरवृक्ष ।

अजमोदा, स्त्री० वनयवानी । पारसीकयवानी । यवानी॥अजमोद।खुरासानीअजमायन।अजमायन।

अजमोदिका, स्त्री० यवानी ॥ अजमायन ।

अजया, स्त्री० विजया ॥ भाङ्ग, भङ्ग ।

अजरा, स्त्री० जीर्णफञ्जीलता । घृतकुमारी ॥ विधाराभेद । घीग्वार ।

अजलोमा [न्], पु० वृक्ष-विशेष ॥ अजलोमावृक्ष+शूकशिम्बी ॥ कौंछ । कौंच ।

अजहा, स्त्री० शूकशिम्बी ॥ कौंछ । कौंच ।

अजशृङ्गी, पु० वृक्ष-विशेष ॥ मेढाशिङ्गी ।

अजागर, पु० भृङ्गराजवृक्ष ॥ भाङ्गरावृक्ष ।

अजाजी, स्त्री० कृष्णजीरक। श्वेतजीरक । काकोदुम्बरिका ॥ कालाजीरा । सफेदजीरा। कटूम्बर ।

अजादनी, स्त्री० क्षुद्रदुरालभा ॥ छोटाधमासा। एकप्रकारकाजवासा ।

अजान्त्री, स्त्री० वृक्ष-विशेष॥ नीलवोना-वङ्गभाषा ।

अजिनपत्रा, स्त्री० चर्म्मचटिका ॥ चिमगादड़ ।

अजीर्ण, न० स्वनामख्यातरोग ॥ अजीर्णरोग ।

अजुटा, स्त्री० भूम्यामलकी ॥ भुईआमला ।

अञ्जन, न० सौवीराञ्जन । रसाञ्जन ॥ शुर्म्मा । रसोत ।

अञ्जनकेशी, स्त्री० हट्टविलासनीनामगन्धद्रव्य ॥ नखी।

अञ्जनी, स्त्री० कटुकावृक्ष। कालाञ्जनी ॥ कुटकीवृक्ष। कालीकपास।

अञ्जलिकारिका, स्त्री० लज्जालुलता ॥ छुईमुई--लाजवन्ती। लज्जावन्ती।

अञ्जलि, पु० परिमाण-विशेष ॥ ३२ तोले।

अञ्जीर, न० स्वनामख्यातफलवृक्ष--विशेष ॥ अञ्जीर।

अटरूष, पु० वासकवृक्ष ॥ अडूसावृक्ष। वसौंटा।

अटरूष, पु० ऐ।

अट्टहासक, पु० कुन्दपुष्पवृक्ष ॥ कुन्दपुष्पका पेड़।

अणु, पु० व्रीहि-विः। सूक्ष्मधान्य ॥ चीनाधान। छोटेधान। चैना।

अणुरेवती, स्त्री० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष।

अणुव्रीहि, पु० सूक्ष्मधान्य ॥ प्रसातिका। सट्ठीइत्यादिछोटीजातिके धान।

अण्ड, न० मृगनाभि। डिम्ब ॥ कस्तूरी। अण्डा।

अण्डक, पु० अण्डकोष।

अण्डकोटरपुष्पी, स्त्री० अजान्त्रीवृक्ष। नीलरास्ना ॥ नीलवोनावङ्गभाषा।

अण्डकोष, पु० स्वनामख्यातशरीरावयव--विशेष ॥ अण्डकोष।

अण्डजा, स्त्री० मृगनाभि ॥ कस्तूरी। मुश्क फारसी। मस्क इंग्रेजी।

अण्डाली, स्त्री० भूम्यामलकी ॥ भुईआमला।

अतसी, स्त्री० कृष्णपुष्प क्षुद्रवृक्षभेद ॥ अलसीमसीना। जवस मराठी भाषा।

अतिकन्दक, पु० हस्तिकर्ण ॥ हस्तिकन्द।

अतिकेशर, पु० कुब्जकवृक्ष ॥ कूँजावृक्ष।

अतिगन्ध, पु० भूतृण। चम्पक। मुद्गरवृक्ष। गन्धक ॥ भूस्तृण। चम्पा। मोगरावृक्ष। गन्धक।

अतिगन्धालु, पु० पुत्रदात्रीलता ॥ पुत्रदा।

अतिगुहा, स्त्री० पृश्निपर्णीविशेष ॥ छोटीपिठवन। कवरावृक्ष।

अतिचरा, स्त्री० पद्मचारिणीवृक्ष ॥ गैदेकावृक्ष।

अतिच्छत्र, पु० भूतृण। जलतृण। रक्तवर्णकोकिलाक्ष। शरवाण जलतृण। लालतालमखाना।

अतिच्छत्रक, पु० छत्रवृक्ष। भूतृण ॥ छतरियावृक्ष। शरवान।

अतिच्छत्रा, स्त्री० अवाक्पुष्पी ॥ सौंफ, वनसौंफ।

अतिजागर, पु० नीलकौञ्च ॥ नीलवर्णबगुलापक्षी।

अतितीव्रा, स्त्री० गण्डदूर्वा ॥ गाँडरदूब।

अतिदीप्य, पु० रक्तचित्रकवृक्ष ॥ लालचीतेकावृक्ष।

अतिपत्र, पु० हस्तिकर्ण ॥ हस्तिकन्द।

अतिबला, स्त्री० पीतवर्णबला। नागबला। सहदेई कंघइ। गुलसकरी। कंघी।

अतिमङ्गल्य, पु० बिल्ववृक्ष ॥ बेलकापेड।

अतिमुक्त, पु० माधवीलता तिनिशवृक्ष। माधवीपुष्पलता। तिरिच्छवृक्ष।

अतिमुक्तक, पु० तिनिशवृक्ष। तिन्दुकवृक्ष। पुष्पवृक्षविशेष ॥ तिरिच्छवृक्ष। तेंदुँवृक्ष। एकप्रकारके पुष्पोंकावृक्ष।

अतिमोक्षा, स्त्री० नवमल्लिका ॥ नेवारी।

अतिरसा, स्त्री० यष्टिमधु। मूर्वा। रास्ना ॥ मुलहठी। चुरनहार। रासना।

अतिरोग, पु० क्षयव्याधि ॥ क्षयरोग।

अतिरोमश, पु० वनछागल। बृहत्वानर ॥ वनकीबकरी, भेड। बडावन्दर।

अतिलोमशा, स्त्री० नीलावुह्ला ॥ नीलवोनो वङ्गभाषा।

अतिवर्तुल, पु० कलाय-विशेष ॥ मटर।

अतिविषा, स्त्री० शुक्ल, कृष्ण, अरुण वर्णकन्द विशेष ॥ अतीस। अतिविष मराठी भाषा।

अतिशुपर्णा, अतिशुपर्ण्या, स्त्री० मुद्गपर्णी ॥ मुगवत।

अतिसाम्या, स्त्री० लतायष्टिमधु ॥ वेलवाली मुलहठी।

अतिसार, पु० स्वनामख्यातरोग ॥ अतिसाररोग।

अतीसार, पु० ऐ।

अतुल, पु० तिलवृक्ष ॥ तिलवृक्ष।

अत्यन्तसुकुमार, पु० कङ्गुनीवृक्ष ॥ काङ्गुनीवृक्ष।

अत्यम्ल, न० वृक्षाम्ल ॥ विषावल, इमली।

अत्यम्लपर्णी, स्त्री० लता-विशेष ॥ एकप्रकारकीवेल।

अत्यम्ला, स्त्री० वनबीजपूर ॥ वनजातिविजोरा नीबु।

अत्याल, पु० रक्तचित्रकवृक्ष ॥ लालचीतेकावृक्ष।

अत्यूहा, स्त्री० नीलिका। शेफालिका ॥ नीलभेद। निर्गुण्डीभेद, सिह।

अदल, पु० हिज्जलवृक्ष ॥ समुद्रफल ।
अदला, स्त्री० घृतकुमारी ॥ घीग्वार घीकुआर ।
अद्भुतसार, पु० खदिरसार ॥ खैरसार ।
अद्रिकर्णी, स्त्री० अपराजिता ॥ कोइल । कृष्णकान्ता ।
अद्रिका, स्त्री० महानिम्ब ॥ वकाइननीम ।
अद्रिज, न० शिलाजतु ॥ शिलाजीत ।
अद्रिजा, स्त्री० सैंहलीपीपल, सिंहलीपीपल ॥ सिंहलद्वीपकीपीपल ।
अद्रिभू, पु० आखुकर्णीलता ॥ मूसाकानी ।
अद्रिसार, पु० लौह । ताम्र ॥ लोहा । ताँबा ।
अधःपुष्पी, स्त्री० गोजिह्वा । तृण—विशेष ॥ गोभी । एकप्रकारकेतृण । गोझिया
अधामागर्व, पु० धामागर्ववृक्ष । चिरचिरा ।
अधिमांसक, पु० दन्तरोग—विशेष ॥ आधिमांसकदन्तरोग ।
अधोघराटा, स्त्री० अपामार्ग ॥ चिरचिरा ।
अधोजिह्विका, स्त्री० तालुमूलस्थक्षुद्रजिह्वा ॥ उपजीब ।
अधोमुखा, स्त्री० गोजिह्वावृक्ष ॥ गोभी ।
अधोवायु, पु० अपानवायु ।
अध्यण्डा, स्त्री० कपिकच्छू । भूम्यामलकी ॥ कौछँ । भुईआमला ।
अध्यशन, पु० अजीर्णसत्वेभोजन ॥ अजीर्णकेऊपरपुनः पुनः भोजन ।
अध्यक्ष, पु० क्षीरिकावृक्ष ॥ खिरनीवृक्ष ।
अध्वगभोग्य, पु० आम्रातकवृक्ष ॥ अम्बाडावृक्ष ।
अध्वजा, स्त्री० स्वर्णुलीवृक्ष ॥ सोनूलीवृक्ष ।
अध्वशल्य, पु० अपामार्ग ॥ चिरचिरा ।
अध्वान्तशात्रव, पु० श्योनाकवृक्ष ॥ अरलु, टैटुँ ।
अतंशुमत्फला, स्त्री० कदली ॥ केला ।
अनककालिक, पु० वृश्चिपत्री ॥ वृश्चिकाली ।
अनडुजिह्वा, स्त्री० गोजिह्वा ॥ गोभी ।
अनघ, पु० गौरसर्षप ॥ सफेदसर्सों ।
अनन्त, पु० सिन्दुवारवृक्ष ॥ सिह्मालु ।
अनन्त, न० अभ्रक ॥ अभ्रक ।
अनन्ता, स्त्री० श्यामालता । अग्निशिखावृक्ष । दूर्वा । पिप्पली । दुरालभा । हरीतकी । आमलकी । गुडूची । श्वेतदूर्वा । नीलदूर्वा । अग्निमन्थवृक्ष । स्वर्णक्षीरी ॥ गौरीसर, कालीसर । कलिहारी । दूव । पीपल । धमासो । हर । आमला । गिलोय । सफेददूव । नील—हरीदूव । अगेथुवृक्ष । चोक ।

अनल, पु० चित्रक । रक्तचित्रक । भल्लातक । पित्त ॥ चीता । लालचीता । भिलावेकावृक्ष । पित्त ।
अनलप्रभा, स्त्री० ज्योतिष्मतीलता ॥ मालकाङ्गनी ।
अनलि, पु० अगस्त्यवृक्ष ॥ हथियावृक्ष ।
अनाक्रान्ता, स्त्री० कण्टकारी ॥ कटेहरी ।
अनार्यक, न० अगरुकाष्ठ ॥ अगर ।
अनार्यज, न० अगुरु ॥ अगर ।
अनार्यतिक्त, पु० भूनिम्ब ॥ चिरायता ।
अनिर्मल्या, स्त्री० पृक्का ॥ असवरग, पुरि ।
अनिलघ्नक, पु० विभीतक ॥ बहेड़ा ।
अनिला, स्त्री० अपराजिता ॥ कोइल । कृष्णकान्ता ।
अनिलान्तक, पु० इङ्गुदीवृक्ष ॥ गोंदीवृक्ष ।
अनिलामय, पु० वातरोग—विशेष ॥ वायुरोग ।
अनिष्टा, स्त्री० नागबला ॥ गंगेरन, गुलसकरी ।
अनिक्षु, पु० इक्षु—विशेष ॥ ईखभेद ।
अनुकूला, स्त्री० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष ।
अनुज, न० प्रपौण्डरीक नामगन्धद्रव्य ॥ पुण्डरिया ।
अनुजा, स्त्री० त्रायमाणा ॥ त्रायमान ।
अनुपान, न० औषधाङ्गपेय ॥ औषधके पूर्वमें वान्तिमें जोपी जाती है ।
अनुपुष्प, पु० शर ॥ सरपता ।
अनुबन्धी, स्त्री० हिक्का । तृष्णा ॥ हुचकी । प्यास ।
अनुवासन, न० बस्तिक्रिया—विशेष ॥ स्नेहबस्ति ।
अनुशयी, स्त्री० क्षुद्ररोग—विः ॥ पादरोग ।
अनुष्ण, न० उत्पल ॥ कुमुद ।
अनुष्णवल्लिका, स्त्री० नीलदूर्वा ॥ नीलीदूव ।
अनूप, न० जलबहुलस्थान ।
अनूपज, न० आर्द्रक ॥ अदरख ।
अन्तःकुटिल, पु० शंख ॥ शंख ।
अन्तकोटरपुष्पी, स्त्री० नीलवुह्नावृक्ष ॥ नीलवोना वङ्गभाषा ॥
अन्तःसत्वा, स्त्री० भल्लातक ॥ भिलावेकावृक्ष ।
अन्तिका, स्त्री० शातला ॥ सातला ।
अन्त्य, पु० मुस्ता ॥ मोथा ।
अन्त्र, न० पाकाशयांश नाडी ॥ पेटकीनाडी ।
अन्त्रवृद्धि, स्त्री० पु० रोग—विशेष ।
अन्धमूषिका, स्त्री० देवताडवृक्ष ॥ देवताडवृक्ष ।
अन्धुल. पु० शिरीषवृक्ष ॥ सिरसकापेड ।
अन्नमल, न० मद्य । विष्ठा ॥ मदिरा । मल ।
अन्येद्युष्क, पु० विषमज्वर—विशेष ॥ एकप्रकारकाविषमज्वर ।

अपतर्पण, न० लंघन ॥ लंघन । भूखारहना ।
अपत्यदा, स्त्री० गर्भदात्रीवृक्ष ॥ लक्ष्मणा ।
अपथ्य, न०पथ्यभिन्न ॥ अपथ्य । अहित
अपरा, स्त्री० जरायु ॥ आंबर ।
अपराजित, पु० क्षुद्रक्षुप–विशेष॥ लशुनियाघास।
अपराजिता, स्त्री० स्वनामख्यातपुष्पलता–विशेष॥ जयन्तीवृक्ष । अशनपर्णी । शेफाली । शमीभेद । शंखिनी । हपुषाभेद ॥ कृष्णकान्ताकोयल । जैती-वृक्ष । पटशन । हारसिंगार । छोंकर वृक्ष । शं-खवेल । हाऊवेर ।
अपरिम्लान, पु० रक्ताम्लानवृक्ष ॥ लालक-टसैरया ।
अपविषा, स्त्री० निर्विषीतृण ॥ निर्विषीघास ।
अपशोक, पु० अशोकवृक्ष ॥ अशोकवृक्ष ।
अपस्मार, पु० मूर्छाभेद ॥ मृगीरोग ।
अपांपित्त, न० चित्रकवृक्ष ॥ चीतावृक्ष ।
अपाक, पु० पाकाभाव ॥ अजीर्णपना ।
अपाकशाक, न० आर्द्रक ॥ अदरख ।
अपाङ्ग, पु० नेत्रान्त ॥ नेत्रका कोना ।
अपाङ्गक, पु अपामार्ग वृक्ष ॥ चिरचिरा ।
अपान, न० मलद्वार ॥ मलका द्वार ।
अपान, पु० गुह्यवायु ॥ विष्ठाद्वारकावायु । अपानवायु
अपामार्ग, पु० क्षुप–विशेष ॥ चिरचिरा ।
अपीनस, न० पीनसरोग ॥ पीनसरोग ।
अपुच्छा, स्त्री०शिंशपावृक्ष ॥ सीसोंका वृक्ष ।
अपुष्पफलद, पु० पनस । पुष्पव्यतीत जात फलवृक्षमात्र ॥ कटहर । पुष्परहित, फलवृक्षमात्र ।
अपूरणी, स्त्री० शाल्मलीवृक्ष । सेमरका वृक्ष ।
अपेतराक्षसी, स्त्री तुलसी । वर्वरी ॥ तुलसी । वनतुलसी ।
अपोदिका, स्त्री० पूतिकाशाक ॥ पोईकाशाक।
अप्पित्त, न० चित्रकवृक्ष ॥ चीतावृक्ष ।
अप्रिय, न० वेतस ॥ वेंत।
अप्रेतराक्षसी, स्त्री० तुलसी ॥ तुलसीकावृक्ष ।
अफल, पु० सातुकवृक्ष ॥ साऊवृक्ष ।
अफला, स्त्री० भूम्यामलकी । घृतकुमारी ॥ भुईआमला । घीकुमार ।
अफेन, न० अहिफेन ॥ अफीम ।
अवल, पु० वरुणवृक्ष ॥ वरनावृक्ष ।
अब्ज, न० पद्म । शंख ॥ कमल । शंख ।
अब्ज, पु० शंख । हिज्जलवृक्ष ॥ शंख । समुद्रफल ।
अब्जभोग, पु० पद्मकन्द ॥ भसींडा ।
अब्जिनी, स्त्री० पद्मलता ॥ कमलिनी ।
अब्द, पु० मुस्ता ॥ मोथा ।
अब्दसार, पु० कर्पूरभेद ॥ कपूरभेद ।
अब्धिकफ, पु० समुद्रफेन ॥ समुद्रफेन ।
अब्धिफेन, पु० ऐ ।
अब्धिमण्डूकी, स्त्री० शुक्ति ॥ मोतीकीसीप ।
अब्भ्र, न० मुस्ता । अभ्रक ॥ मोथा । अभ्रक ।
अभय, न० उशीर ॥ खस ।
अभया, स्त्री० हरीतकी ॥ हरड । अभयाहरड ।
अभिघार, पु० घृत ॥ घी ।
अभिमन्थ, पु० चक्षुरोग ॥ एकप्रकारका नेत्ररोग।
अभिन्यास, पु० सन्निपातज्वर विशेष ।
अभिषव, न० काञ्जिक ॥ काँजि ।
अभिषुत, न० ऐ ।
अभिष्यन्द, पु० नेत्ररोग–विशेष ।
अभीरु, स्त्री० शतमूली ॥ शतावर ।
अभीरुपत्री, स्त्री० ऐ ।
अभीष्टा, स्त्री० रेणुकानामगन्धद्रव्य ॥ रेणुका ।
अभेद्य, न० हीरक ॥ हीरा ।
अभ्यङ्ग, पु० अभ्यञ्जन ॥ तेलमलना ।
अभ्यञ्जन, न० अभ्यङ्ग ॥ तेलमलना ।
अभ्यंक्ष, पु० तिलकल्क ॥ तिलोंकीखल ।
अभ्युष, पु० अभ्यूष ॥
अभ्यूष, पु० पाकावस्थागतकलायादि । आर-ब्धपाकयवसर्षपादि ॥ पोलिका, रोटी ।
अभ्र, न० अभ्रक । मुस्तक । स्वर्ण ॥ अभ्रक । मोथा । सोना ।
अभ्रक, न० स्वनामख्यातधातु ॥ अभ्रक । स्वर्ण ॥ सोना ।
अभ्रपुष्प, पु० वेतसवृक्ष ॥ बेंत ।
अभ्रमांसी, स्त्री० आकाशमांसी ॥ आकाशमांसी ।
अभ्ररोह, न० वैदूर्यमणि ॥ वैदूर्य, लहसुनिया ।
अभ्रवटिक, पु० आम्रातक ॥ अम्बाडा ।
अमङ्गल, पु० एरण्डवृक्ष ॥ अण्डकापेड ।
अमण्ड, पु० ऐ।
अमर, पु० अस्थिसंहारवृक्ष ॥ हडसंकरी ।
अमरज, पु० दुष्खदिरवृक्ष ॥ दुर्गन्धखैर ।
अमरदारु, पु० देवदारुवृक्ष ॥ देवदारु ।
अमरपुष्पक, पु० काशतृण ॥ काँश ।
अमरपुष्पिका, स्त्री० अधःपुष्पी ॥ एकप्रका-रके तृण ।
अमररत्न, न० स्फटिकमणि ॥ फटिकमणि ।

अमरवल्लरी, स्त्री० आकाशवल्ली ॥ आकाशवेल ।

अमरा, स्त्री० दूर्वा । गुडूची । इन्द्रवारुणी । वट-वृक्ष । महानीलीवृक्ष । घृतकुमारी । वृश्चिकाली ॥ दूबघास । गिलोय । इन्द्रायण । वडकावृक्ष, नदीवड । वडानीलकावृक्ष। घीग्वारा। वृश्चिकाली।

अमल, पु० समुद्रफेन ॥ समुद्रफेन ।

अमल, न० अभ्र ॥ अभ्रक ।

अमलकी, स्त्री० भूम्यामलकी भुईआमला ।

अमला, स्त्री० सातलावृक्ष । भूम्यामलकी ॥ सातलावृक्ष-थूहरकाभेद । भूईआमला ।

अमूला, स्त्री० अग्निशिखावृक्ष ॥ कलिहारी ।

अमृणाल, न० वीरणमूल ॥ खस ।

अमृत, न० विषमात्र । शृङ्गीविष । वत्सनाभ । पारद । औषध । दुग्ध । घृत । स्वर्ण । जल ॥ विष । शृङ्गीविष । वच्छनाभ-विष । पारा । ओषधी । दूध। घी । जल ।

अमृत, पु० वाराहीकन्द । वनमुद्ग । गुडूची ॥ गेंठी । वनमूग । गिलोय ।

अमृतजटा, स्त्री० जटामांसी ॥ वालछड ।

अमृतफल, न० पु० स्वनामख्यातमिष्टफल ॥ नासपाती । पटोल ॥ परवल ।

अमृतफला, स्त्री० द्राक्षा । आमलकी ॥ दाख आमला ।

अमृतवल्ली, स्त्री० गुडूची ॥ गिलोय ।

अमृतरसा, स्त्री कपिलद्राक्षा ॥ भूरेरंगकीदाख ।

अमृतसम्भवा, स्त्री० गुडूची ॥ गिलोय ।

अमृतसारज, पु० गुड ॥ गुड ।

अमृतस्रवा, स्त्री० रुदन्तीवृक्ष ॥ रुदन्तीवृक्ष ।

अमृता, स्त्री० गुडूची । मदिरा । ज्योतिष्मती । अतिविषा । रक्तत्रिवृत । गोरक्षदुग्धा । दूर्वा। आमलकी । हरीतकी। तुलसी। पिप्पली। इन्द्रवारुणी॥ गिलोय। सुरा । मालकाङ्गुनी । अतीस । लालनिसोत । अमृतसञ्जीवनी। दूब। आमला । हर, हरड तुलसी ॥ पीपर(ल) । इन्द्रायण ।

अमृताफ , पु० पटोल ॥ परवल।

अमृतासङ्ग, पु० तुत्थ-विशेष ॥ खर्परितुत्थ ।

अमृताह्व, न लघुबिल्वफलाकृति-फल-विशेष ॥ नासपाती ।

अमृतोत्पन्न, न० खर्परितुत्थ ॥ खर्परिका ।

अमृतोद्भव, न० तुत्थ । खर्परितुत्थ ॥ तूतिया । खपरिया ।

अमोघा, स्त्री० पाटलावृक्ष । विडङ्ग । हरीतकी। पाडर । वायविडंग । हर ।

अम्बक, न० ताम्र ॥ तावाँ ।

अम्बर, न० कार्पास । गन्धद्रव्य-वि० । अभ्रक ॥ कपास । एकप्रकारका गन्धद्रव्य । अभ्रक ।

अम्बरीष, पु० आम्रातकवृक्ष ॥ अम्वाडा ।

अम्वलपिष्ट, पु० चाङ्गेरी ॥ अम्ललोनिया ।

अम्वष्ठकी, स्त्री० पाठा ॥ पाठ ।

अम्वष्ठा, स्त्री० क्षुप-विशेष । पाठा । चाङ्गेरी । यूथिका ॥ मोईयावृक्ष। पाढ। अम्ललोनिया। जुही।

अम्वष्ठिका, स्त्री० पाठा । यूथिका ॥ पाढ । जुही।

अम्वष्ठी, स्त्री० पाठा ॥ पाढ ।

अम्वा, स्त्री० अम्वष्ठा । पाठा ॥ मोईया । पाठ।

अम्वालिका, स्त्री० ऐ ।

अम्बिका, स्त्री० कटुका । अम्वष्ठा ॥ कुटकी । मोईया ।

अम्वु, न० जल । वालक ॥ पानी । नेत्रवाला, सुगंधवाला ।

अम्वुकेशर, पु० छोलङ्गनिम्बु ॥ विजोरानीबु ।

अम्वुचामर, न० शैवाल ॥ शिवार ।

अम्वुज, न० पद्म ॥ कमल ।

अम्वुज, न० हिज्जलवृक्ष ॥ समुद्रफल ।

अम्वुताल, पु० शैवाल ॥ शिवार ।

अम्वुद, पु० मुस्तक ॥ मोथा ।

अम्बुधिस्रवा, स्त्री० घृतकुमारी ॥ घिग्वार । धीकार ।

अम्वुप, पु० चक्रमर्दवृक्ष ॥ चकवड़ । पमार ।

अम्वुपत्रा, स्त्री० उच्चटातृण ॥ उच्चटाघास ।

अम्वुप्रसाद, पु० कतकवृक्ष ॥ निर्म्मलीफलवृक्ष ।

अम्वुभृत, पु० मुस्तक ॥ मोथा ।

अम्वुमात्रज, पु० शम्बूक ॥ घोंघां ।

अम्वुरुहा, स्त्री० स्थलपद्मिनी ॥ गैदाँवृक्ष ।

अम्वुवासिनी, स्त्री० पाटलावृक्ष ॥ पाड़र पाढ़ल ।

अम्वुवासी, स्त्री० ऐ ।

अम्वुवाह, पु० मुस्तक ॥ मोथा ।

अम्वुवेतस, पु० जलवेतस ॥ जलवैतँ ।

अम्वुशिरीषिका, स्त्री० जलशिरीषवृक्ष ॥ ढाढोनि

अम्वुसर्पिणी, स्त्री० जलौका ॥ जोकँ ।

अम्भः (स्) न० जल । वालक ॥ पानी। सुगंधवाला ।

अम्भःसार, न० मुक्ता ॥ मोती ।

अम्भाज, न० पद्म ॥ कमल।
अम्भोजिनी, स्त्री० पद्मलता ॥ पद्मिनी।
अम्भोद, पु० मुस्तक ॥ मोथा।
अम्भोधर, पु० ऐ।
अम्भोधिवल्लभ, पु० प्रवाल ॥ मूँगा।
अम्भोमुक् (च्), पु० ऐ।
अम्र, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमकापेड।
अम्र, न० आम्रफल ॥ आम।
अम्रात, पु० आम्रातक ॥ आंबाडा।
अम्रातक, पु० ऐ।
अम्ल, न० तक्र ॥ छाछ। मट्ठा।
अम्ल, पु० अम्लरस। अम्लवेतस। काञ्जिक। तक्र ॥ खट्टारस। अम्लवैंत। काँजि। छाछ।
अम्लक, पु० लकुचवृक्ष ॥ वडहर।
अम्लकाण्ड, न० लवणतृण ॥ लवणतृण।
अम्लकेशर, पु० मातुलुङ्ग वीजपूर ॥ विजोरानीबु।
अम्लचूड, पु० अम्लशाक ॥ चूकाशाक।
अम्लजम्वीर, पु० अम्लनिम्बूक ॥ खट्टानीबु।
अम्लनायक, पु० अम्लवेतस ॥ अम्लवैंत।
अम्लनिशा, स्त्री० शटी ॥ कचूर।
अम्लपंचफल, न० अम्लरसयुक्तपंचप्रकारफल। जैसै। वेर १ अनार २ इमली ३ चूका ४ अम्लवैंत ५ महान्तरेजम्वीर, जम्भीरी १ नारङ्गी २ आम्लवैंत ३ इमली ४ विजोरानीबु ५।
अम्लपत्र, पु० अश्मन्तकवृक्ष ॥ आबुटा देशान्तरीयभाषा।
अम्लपत्री, स्त्री० पलाशीता। क्षुद्रामलकी ॥ पलासीलता। अम्ललोना।
अम्लपिष्ट, न० शाक–विशेष ॥ चाङ्गेरी।
अम्लपूर, न० वृक्षाम्ल ॥ विषाविल, महादा।
अम्लफल, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमवृक्ष। न० वृक्षाम्ल
अम्लभेदन पु० अम्लवेतस ॥ अम्लवैंत।
अम्लरुहा, स्त्री० नागवल्लीभेद ॥ पानभेद।
अम्ललोणिका, अम्ललोणी, स्त्री० चाङ्गेरी ॥ अम्ललोनिया।
अम्लवती, स्त्री० क्षुद्राम्लिका ॥ अम्ललोना।
अम्लवर्ण, पु० अम्लगण–विशेष। चाङ्गेरी। लकुच। अम्लवेतस। जम्वीर। वीजपूर। नागरङ्ग। दाडिम। कपित्थ। अम्ल। वीजाम्लक। अम्वष्ठा। करमर्द्दक ॥ अम्ललोना। वड़हर। अम्लवैंत। जम्भीरीनीबु। विजोरानीबु। नारङ्गी। अनार। कैथ। अम्ल। विषाविल मोईया। करोंदा। नीबु।
अम्लवल्ली, स्त्री० त्रिपर्णिकानामक कन्द–विशेष।
अम्लवाटिका, स्त्री० नागवल्लीभेद ॥ पानभेद।
अम्लवास्तूक, न० शाक–विशेष ॥ चूकाशाक।
अम्लवीज, न० वृक्षाम्ल ॥ विषाविल।
अम्लवृक्ष, न० ऐ।
अम्लवेतस, पु० स्वनामख्यातवृक्ष–विशेष ॥ अम्लवैंत।
अम्लसार, न० काञ्जिक ॥ काँजि।
अम्लसार, पु० अम्लवेतस ॥ निम्बूक। हिन्ताल ॥ अम्लवैंत। नीबु। एकप्रकारका छोटा ताड।
अम्लहरिद्रा, स्त्री० शटी ॥ अम्वियाहलदी।
अम्लाङ्कुश, पु० अम्लवेतस ॥ अम्लवैंत।
अम्लातक, पु० अम्लानवृक्ष ॥ वाणपुष्प।
अम्लान, पु० महासहवृक्ष ॥ बाणपुष्प गौडादिप्रसिद्ध।
अम्लिका, स्त्री० तिन्तिडी। इमली।
आम्लिकावटक, पु० बडा–विशेष॥अम्लवडा।
अम्लिका स्त्री० तिन्तिडी ॥ इमली।
अम्लोटक, पु० अश्मन्तकवृक्ष ॥ आमरोडा।
अयः (स्), न० लौह ॥ लोहा।
अयस्कान्त, पु० कान्तलोह ॥ चुम्वकपत्थर।
अयुक्छद, पु० सप्तपर्णवृक्ष ॥ छतिवन।
अयुग्मच्छद, पु० ऐ।
अयोमल, न० लौहमल ॥ लोहेकामैलं।
अरक, पु० शैवाल। पर्प्पट ॥ शिवार। पित्तपापडा।
अरग्वध, पु० आरग्वध ॥ अमलतास।
अरडु, पु० श्योनाकवृक्ष ॥ अरलु, टैंटु।
अरणि, पु० गणिकारिकावृक्ष। दुरालभा ॥ अरणि। धमासो।
अरणी, स्त्री० अरणि ॥ अगेथु।
अरणिकेतु, पु० गणिकारिका ॥ अगेथु।
अरण्य, पु० कट्फलवृक्ष ॥ कायफल।
अरण्यकदली, स्त्री० गिरिकदली ॥ पर्वतीकेला।
अरण्यकार्पासी, स्त्री० वनकार्पासी ॥ वनकपास।
अरण्यकुलत्थिका, स्त्री० कुलत्थी ॥ वनकुल्थी।
अरण्यकुसुम्भ, पु० वनकुसुम्भ ॥ वनकसूम।
अरण्यघोली, स्त्री० पत्रशाक–विशेष ॥ वनघोली।
अरण्यजार्द्रका, स्त्री० वनभवार्द्रका ॥ वनअदरख।
अरण्यजीर, पु० वनभवजीर ॥ वनजीरा।
अरण्यधान्य, न० नीवार ॥ नीवारधान।

अरण्यमुद्ग, पु० बनमुद्ग ॥ वनमूग, मोठ ।
अरण्यवासिनी, स्त्री० अत्यम्लपर्णीलता ।
अरण्यवास्तूक, पु० वनवास्तूक ॥ वनवथुआ ।
अरण्यशालि, पु० नीवार ॥ वनधान ।
अरण्यशूरण, पु० वनजातशूरण ॥ जमीकन्दभेद।
अरत्नि,० पु कर्पूर ॥ कपूर ।
अरलु, पु० श्योनाकवृक्ष ॥ शोनापाठा ।
अरविन्द, पु० पद्म। रक्तकमल। नीलोत्पल । ताम्र॥ कमल । लालकमल । नीलेकमल । तावाँ ।
अराल, पु० सर्जरस । राल ।
अरि, पु० खदिरभेद ॥ तिक्तखैर ।
अरिन्ताल, न० हरिताल ॥ हरताल।
अरिम, पु० विट्खदिर ॥ दुर्गन्धखैर ।
अरिमर्द्द, पु० कासमर्द्दवृक्ष ॥ कसोंदी ।
अरिमाशत, पु० खदिरवृक्ष ॥ खैरकावृक्ष ।
अरिमेद, पु० विट्खदिर ॥ दुर्गन्धयुक्तखैर ।
अरिष्ट, पु० तक्र । निंब । लशुन । फेनिलवृक्ष । मद्य-विशेष ॥ छाछ । नीम । लशुन । रीठा । एक-प्रकारकी मदवालीवस्तु ।
अरिष्टक, पु० फेनिलवृक्ष । रीठाकञ्ज ॥ रीठा। रीठाकरञ्ज ।
अरिष्टा, स्त्री० कटूका ॥ कुटकी ।
अरुः [स्], पु० रक्तखदिर ॥ लालखैरकापेड़ ।
अरुज, पु० आरग्वध ॥ अमलतास ।
अरुण, पु० अर्कवृक्ष । पुन्नागवृक्ष । श्योनाकवृक्ष ॥ आककावृक्ष । पुन्नागकावृक्ष । अरलु, टैंटुँ, टैंटी ।
अरुण, न० कुङ्कुम । सिन्दूर ॥ केशर । सिन्दूर।
अरुणा, स्त्री० अतिविषा । श्यामालता । मञ्जिष्ठा । रक्तत्रिवृता । इन्द्रवारुणी । गुञ्जा । मुण्डितिका॥ अतीस । कालीसर, सालसा, करियावासाऊ । मजीठ । लालनिसोत । इन्द्रायण। घुघुची । मुण्डी।
अरुष्क, पु० भल्लातकवृक्ष ॥ भिलावेकावृक्ष ।
अरुष्कर, न० भल्लातकफल ॥ भिलावेकाफल। पु० भल्लातकवृक्ष । भिलावेकापेड़ ।
अरुहा, स्त्री० भूधात्री ॥ भुईआमला ।
अरोचक, पु० रोग-विशेष ॥ अरुचि।
अर्क, पु० ताम्र । स्फटिक । अर्कवृक्ष ॥ ताँबा। फटिक । आककावृक्ष ।
अर्ककान्ता, स्त्री० आदित्यभक्ता ॥ हुरहुर, हुलहुल ।
अर्कचन्दन, न० रक्तचन्दन ॥ लालचन्दन ।
अर्कपत्र, पु० आदित्यपत्रवृक्ष ॥ अर्कपत्र ।
अर्कपत्रा, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ ईशेलमूलवङ्गभाषा ।
अर्कपर्ण, पु० अर्कवृक्ष ॥ आककावृक्ष ।
अर्कपादप, पु० निम्बवृक्ष ॥ नीमकापेड़ ।
अर्कपुष्पिका, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ क्षीरवृक्ष ।
अर्कपुष्पी, स्त्री० कुटुम्बनीवृक्ष ॥ अर्कपुष्पी । सूरजमुखी । सूर्यमुखी ।
अर्कप्रिया, स्त्री० जवापुष्पवृक्ष ॥ ओडहुल, गुड़हर गुड़हल ।
अर्कभक्ता, स्त्री० आदित्यभक्ता ॥ हुरहुर, हुलहुल।
अर्कमूला, स्त्री० अर्कपत्रा ॥ ईशेलमूलवङ्गभाषा ।
अर्कवल्लभ, पु० बन्धूकवृक्ष ॥ दुपहारियाकावृक्ष । दुपहरियाकेफूल ।
अर्कवेध, न० तालीसपत्र ॥ तालीसपत्र ।
अर्कहिता, स्त्री० आदित्यभक्ता ॥ हुरहुर ।
अर्काह्व, पु० अर्कवृक्ष ॥ आककावृक्ष ।
अर्घ, न० मधु-विशेष ॥ एकप्रकारकामधु ।
अर्जक, पु० श्वेतपर्णास । शुक्लतुलसी । तेजपत्र वनतुलसीभेद । सफेदतुलसी । तेजपात ।
अर्ज्जुन, न० तृण । चक्षुरोग-विशेष ॥ तृण । नेत्ररोग-विशेष ।
अर्ज्जुन, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ कोह ।
अर्ज्जुनोपम, पु० वृक्षभेद ॥ शाकवृक्ष ।
अर्ण, पु० शाक ॥ शाकवृक्ष ।
अर्णः (स्), न० जल ॥ पानी ।
अर्णवज, पु० न० समुद्रफेन॥समुद्रफेन। समुद्रझाग।
अर्णवोद्भव, पु० अग्निजारवृक्ष ॥ अग्निजारकापेड़।
अर्णोद, पु० मुस्तक ॥ मोथा ।
अर्णोभव, पु० शंख ॥ शंख।
अर्त्तगल, पु० नीलझिण्टि ॥ नीलपुष्पकीकटसरैया ।
अर्थसिद्धक, पु० सिन्दुवारवृक्ष ॥ सँभालु सिंभालूकापेड ।
अर्थ्य, न० शिलाजतु ॥ शिलाजीत ।
अर्द्दित, न० वातरोग-विशेष ॥ पक्षाघात ।
अर्द्धचन्द्रा, स्त्री० कृष्णात्रिवृत ॥ कालानिसोत ।
अर्द्धचन्द्रिका, स्त्री० कर्णस्फोटालता ॥ कनफोडा ।
अर्द्धतिक्त, पु० नेपालनिम्ब ॥ नेपालदेशीयनिम्ब वा, चिरायता ।
अर्ब्बुद, पु० न० रोग-विशेष ॥ अर्ब्बुदरोग ।
अर्म्म, (न्) न० नेत्ररोग-विशेष ॥ एकप्रकारका नयनरोग ।
अर्म्मण, पु० द्रोणपरिमाण ॥ ३२ सेर ।
अर्य्यमा [न्], पु० अर्कवृक्ष ॥ आककावृक्ष ।

अर्शः [स्], न० स्वनामख्यातपायुगतरोगविशेष ॥ बवासीररोग ।
अर्शोघ्न, पु० शूरण ॥ जमीकन्द ।
अर्शोघ्नी, स्त्री० तालमूली ॥ मुषली ।
अर्शोहित, पु० भल्लातक ॥ भिलावेकावृक्ष ।
अल, न० हरिताल ॥ हरताल ।
अलक, पु० अलर्क ॥ श्वेतआक वा मन्दारवृक्ष ।
अलकप्रिय, पु० वृक्ष-विशेष ।
अलक्त, अलक्तक, पु० लाक्षा । लाक्षारस ॥ लाख । महावर ।
अलम्बुषा, स्त्री० लज्जालुभेद । मुण्डितिका+महाश्रावणिका ॥ लज्जालुकाभेद । छोटीबडीगोरखमुण्डी ।
अलर्क, पु० श्वेतार्क ॥ सफेद आक ।
अलस, पु० वृक्ष–विशेष । पादरोग--विशेष ॥ एकप्रकारका वृक्ष । पाँवरोग ।
अलसक, पु० अजीर्णजन्यरोग–विशेष ॥ अजीर्णरोगभेद ।
अलसा, स्त्री० हंसपदी ॥ लालरङ्गकालज्जालु ।
अलाबू, स्त्री० तुम्बी । तिक्ततुम्बी ॥ कदू, तोम्बी ॥ कडवी तोम्बी ।
अलिकुलसंकुल, पु० कुब्जकवृक्ष ॥ कूजावृक्ष ।
अलिजिह्वा, स्त्री० अलिजिह्विका ॥ जिह्वापर क्षुद्रजिह्वा तालुके ऊपर एक छोटीजीभ होती है ।
अलिदूर्वा, स्त्री० मालादूर्वा ॥ मालदूव ।
अलिपत्रिका, स्त्री० वृश्चिकाक्षुप ॥ विछ्वाघास ।
अलिपर्णी, स्त्री०वृश्चिकाली ॥ वृश्चिकाली ।
अलिप्रिय, पु० रक्तोत्पल ॥ लालकमल ।
अलिप्रिया, स्त्री० पाटलावृक्ष ॥ पाड़र । पाढल ।
अलिमक, पु० पद्मकेशर । मधूकवृक्ष ॥ कमल केशर । महुआवृक्ष ।
अलिमोदा, स्त्री० गणिकारीवृक्ष ॥ मदनमादनी ।
अलिम्बक, पु० पद्मकेशर ॥ कमलकेशर । कमलकाजीरा ।
अलिवाहिनी, स्त्री० केविकापुष्पवृक्ष । केवडेकेपुष्पवृक्ष ।
अलु, स्त्री० आलु ॥ आलु ।
अलोहित न० रक्तपद्म ॥ लालकमल ।
अल्पक, पु० यवासवृक्ष ॥ जवासा ।
अल्पकेशी ॥ स्त्री० भूतकेशी ॥ भूतकेश ।
अल्पगन्ध, न० रक्तकैरव ॥ लालकुमुद ।
अल्पपत्र, क्षुद्रपत्रतुलसी ॥ छोटे पत्तेकीतुलसी ।
अल्पपद्म, न० रक्तपद्म ॥ लालकमल ।
अल्पप्रमाणक, पु० अल्पप्रमाण ॥ छोटातरबूज, खर्बूजा ।
अल्पमारिष, पु० तण्डुलीय ॥ चौलाईशाक ।
अल्पदाह, न० उशीर ॥ खस ।
अल्पदाहेष्ट, न० ऐ ।
अल्पदाहेष्टकापथ, न० ऐ ।
अवनी, स्त्री० त्रायमाणालता ॥ त्रायमाण ।
अवम्भिसोम, न० काञ्जिक ॥ काँजि ।
अवरोहशाखि [न्], पु० प्लक्षवृक्ष ॥ पाखरवृक्ष । वा, पिलखनवृक्ष ।
अवरोहिका, स्त्री० अश्वगन्धा ॥ असगन्ध ।
अवरोहि [न्], पु० वटवृक्ष ॥ वड़कापेड ।
अवलेह, पु० लिह्यौषध ॥ लेह औषधी । चाटनेकी औषधि ।
अवल्गुज, पु० सोमराजी ॥ बावची ।
आवाक्पुष्पी, स्त्री० शतपुष्पा । मधुरिका अधःपुष्पी ॥ सौंफ । सोया । एकप्रकारकेतृण । चोरहुली देशान्तरीयभाषा ।
अवारिका, स्त्री० धन्याक ॥ धनिया ।
अविक, न० हीरक ॥ हीरा ।
अविगन्धिका, स्त्री० अजगन्धावृक्ष ॥ वर्वरी ।
अविघ्न, पु० करमर्द । पानियामलक ॥ करोंदा । पानीआमला ।
अवित्यज, पु० न० पारद ॥ पारा ।
अविद्धकर्णा, स्त्री० पाठा । भृङ्गराज ॥ पाठाभङ्गरा ।
अविद्धकर्णी, स्त्री० पाठा ॥ पाढ ।
अविप्रिय, पु० श्यामाक तृण ॥ समाकतृण ।
अविप्रिया, स्त्री० श्यामालता ॥ सारिवा, गौरीसर ।
अविषा, स्त्री० निर्विषीतृण ॥ निर्विषीघास ।
अब्द, पु० मुस्ता ॥ मोथा ।
अव्यण्डा, स्त्री० अध्यण्डा ॥ कौंछ ।
अव्यथा, स्त्री० हरितकी । पद्मचारिणी ॥ हरड । गैंदावृक्ष ।
अशकुम्भी, स्त्री० पानीयपृष्ठज ॥ जलकुम्भी ।
अशन, पु० अशनवृक्ष ॥ विजयसार ।
अशनपर्णी, स्त्री० वृक्ष–विशेष ॥ पटशण ।
अशाखा, स्त्री० शूलीतृण ॥ शूलीघास ।
अशिर, न० हीरक । हीरा ।
अशोक, न० पारद । पारा ।
अशोक, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ अशोकवृक्ष ।
अशोकरोहिणी, स्त्री० कटुरोहिणी ॥ कुटकी ।

अशोका, स्त्री० कुटका ॥ कुटकी ।
अशोकारि, पु० कदम्बवृक्ष ॥ कदम्बवृक्ष ।
अश्मकदली, स्त्री० कदली-विशेष ॥ केलभेद ।
अश्मकेतु, स्त्री० क्षुद्रपाषाणभेदीवृक्ष ॥ छोटापाखानभेद ।
अश्मघ्न, पु० पाषाणभेदनवृक्ष । हत्थाजोडी ।
अश्मगर्भज, न० मरकत ॥ पन्ना ।
अश्मज, न० शिलाजतु ॥ शिलाजीत ।
अश्मजतुक, न० ऐ ।
अश्मजतु, न० ऐ।
अश्मन्तक, पु० तृणविशेष । वृक्ष-विशेष ॥ एकप्रकारकेतृण । आवुटा देशान्तरीयभाषा ।
अश्मन्तक, न० दीपाद्धाराच्छादन ॥ दीपाद्धाराच्छादनवृक्ष ।
अश्मपुष्प, न० शैलेय ॥ भूरिछरीला ।
अश्मभाल, न० लौहभाण्ड ॥ हामिलदस्ता । फारसीभाषा ।
अश्मभित् [द्], पु० पाषाणभेदीवृक्ष ॥ पाखानभेदवृक्ष ।
अश्मयोनि, पु० मरकतमणि ॥ पन्ना ।
अश्मरी, स्त्री० मूत्रकृच्छ्रभेद ॥ पथरीरोग ।
अश्मरीघ्न, पु० वरुणवृक्ष ॥ वरनावृक्ष ।
अश्मरीहर, पु० धान्य-विशेष ॥ पुनेरा ।
अश्मसार, पु० न० लौह ॥ लोहा ।
अश्मकन्दिका, स्त्री० अश्वगन्धावृक्ष ॥ असगन्ध ।
अश्मोत्थ, न० शिलाजतु ॥ शिलाजीत।
अश्वकर्ण, पु० शालवृक्षविशेष ॥ एकप्रकारकाशाल, शालभेद, लताशाल ।
अश्वकर्णक, पु० शालवृक्ष ॥ सालवृक्ष ।
अश्वखुर, पु० नखीनामगन्धद्रव्य ॥ नखी ।
अश्वखुरा, स्त्री० अपराजिता ॥ कोयललता । विष्णुक्रान्ता ।
अश्वखुरी, स्त्री० अपराजिता ॥ कोयललता । विष्णुक्रान्ता ।
अश्वगन्धा, स्त्री० स्वनामख्यातक्षुद्रवृक्ष ॥ असगन्ध ।
अश्वघ्न, पु० करवीरपुष्पवृक्ष ॥ कनेरपुष्पवृक्ष ।
अश्वत्थ, पु० स्वनामख्यातवृक्ष-विशेष ॥ पीपलवृक्ष ।
अश्वत्थभेद, पु० स्थालीवृक्ष ॥ वेलियापीपलवृक्ष ।
अश्वत्थी, स्त्री० पिप्पलिकावृक्ष ॥ पीपलीवृक्ष ।
अश्वदंष्ट्रा, स्त्री० गोक्षुरवृक्ष ॥ गोखुरुवृक्ष ।
अश्वपुच्छी, स्त्री० माषपर्णी ॥ मषवन ।
अश्वपुत्री, स्त्री० शाल्मलीवृक्ष ॥ सेमरवृक्ष ।
अश्वपुष्प, न० शैलेय ॥ पत्थरकाफूल ।
अश्वबाल, पु० काश ॥ काँस ।
अश्वमार, पु० करवीरवृक्ष ॥ कनेरवृक्ष ।
अश्वमारक, पु० ऐ ।
अश्वरोधक, पु० ऐ ।
अश्वान्तक, पु० कुलत्थिका ॥ कुल्थी ।
अश्वारोहा, स्त्री० अश्वगन्धा ॥ असगन्ध ।
अश्वावरोहक, पु० ऐ ।
अश्वाह्वा, स्त्री० ऐ ।
अश्वाक्ष, पु० देवसर्षपवृक्ष ॥ सुरसर्सों+निर्जरसर्सों ।
अष्टपादिका, स्त्री० भद्रवल्ली ॥ मदनमाली ।
अष्टमान, न० कुडवपरिमाण ॥ ३२ तोले ।
अष्टमिका, स्त्री० शुक्ति ॥ चार ४ तोले ।
अष्टमी, स्त्री० क्षीरकाकोली ॥ अष्टवर्गप्रसिद्ध-ओषधी ।
अष्टमूत्र, न० छाग, मेष, गो, महिष, घोटक. हस्ती, गर्दभ, उष्ट्र ॥ वकरी, भेड, गाय, भैंस, घोडी, हाथिनी, गधी, और ऊंटनी इनके मूत्रको अष्टमूत्र कहतेहैं ।
अष्टक्षारि, न० छाग, मेष, गो, स्त्री, हस्ती, घोटक, उष्ट्र, महिष ॥ बकरी १ भेड २ गाय ३ स्त्री नारी ४ घोडी ५ ऊँटनी ६ हथिनी ७ भैंस ८ यह आठ प्रकारकेदूधहैं ।
अष्टलोहक, न० अष्टप्रकारधातु-विशेष ॥ यथा । सुवर्ण १ रजत २ ताम्र ३ रङ्ग ४ सीसक ५ कान्तलोह ६ मुण्डलोह ७ तीक्ष्णलोह ८ ।
अष्टवर्ग, पु० औषधाष्टक-विशेष ॥ यथा । जीवक १ ऋषभक २ मेदा ३ महामेदा ४ ऋद्धि ५ वृद्धि ६ काकोली ७ क्षीरकाकोली ८ यह अष्टवर्गहै ।
अष्टापद, पु०न० धुस्तूर । सुवर्ण ॥ धतूरा । सोना।
अष्टाम्लवर्ग, पु० जम्बीर १ बीजपूर २ मातुलुङ्ग ३ चुक्रक ४ चाङ्गेरी ५ तिन्तिडी ६ बदरी ७ करमर्द ८ ॥ जम्भीरीनीबु १ विजोरानींबु २ बडीजम्भीरी ३ विषाबिल, महादा ४ अम्बिलोना ५ इमली ६ वेर ७ करोंदा ८ ।
अष्ठीवान् [त्], पु० न० जानु ॥ घुटना ।
असन, पु० वृक्ष-विशेष ॥ विजयसार ।
असनपर्णी, स्त्री० वृक्ष-विशेष । अपराजिता ॥ पटशण, रसुनियाघास । कोयल ।
असरु, पु० वृक्ष-विशेष ॥ ककुरोंदा ।
असार, पु० अण्डवृक्ष ॥ अण्डकापेड ।
असार, न० अगरु ॥ अगर ।

असिता, स्त्री० नीलीवृक्ष ॥ नीलकापेड।
असितालु, पु० नीलालु ॥ नीलवर्णआलु।
असितोत्पल, न० नीलोत्पल ॥ नीलकमल।
असिपत्र, पु० इक्षु। गुण्डनामकतृण ॥ ईख। गुण्डतृण।
असिमेद, पु० विट्खदिर ॥ दुर्गन्धखैर।
असुरसा, स्त्री० वर्वरी ॥ वर्वरी, वनतुलसी।
असुराह्व, न० काँस्य ॥ काँसी।
असुरी, स्त्री० राजिका ॥ राई।
असृक् [ज्], न० रक्त। कुङ्कुम ॥ रुधिर। केशर।
अस्तमती, स्त्री० शालपर्णी॥ शरिवन, शालवन।
अस्थिकर्कटिका, स्त्री० वृक्ष–विशेष ॥ एकप्रकारका वृक्ष।
अस्थिशृंखला, स्त्री० अस्थिसंहार ॥ हडसंकरी।
अस्थिसंहार, पु० अस्थिशृंखला ॥ हडसंघारी-
अस्थिसंहारी, स्त्री० ग्रन्थिमान्‌वृक्ष ॥ हडसंकरी हडजुडी।
अस्थिसन्धिक, पु० अस्थिसंहारक ॥ हडसंकरी।
अस्निग्धदारु, न० देवदारुभेद ॥ देशीदेवदारु।
अस्रखादिर, पु० रक्तखदिर ॥ लालखैर।
अस्रपत्रक, पु० भिण्डावृक्ष ॥ भिण्डीवृक्ष।
अस्रपा, स्त्री० जलौका ॥ जोंक।
अस्रफला, स्त्री० सल्लकीवृक्ष। सालईवृक्ष।
अस्रबिन्दुच्छदा, स्त्री० लक्ष्मणानामकन्द ॥ लक्ष्मणकन्द।
अस्रयष्टिका, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ।
अस्ररोधिनी, स्त्री० लज्जालुलता ॥ छुईमुई, लज्जावन्ती।
अस्राजैक, पु० श्वेततुलसी ॥ सफेदतुलसी।
अहर्बान्धव, अहर्मणि, पु० अर्कवृक्ष ॥ आकका वृक्ष।
अहस्कर, अहस्पति, पु० ऐ।
अहि पु० सीसक। अहिफेन ॥ सीसा। अफीम।
अहिंस्रा, स्त्री० कुलिकवृक्ष ॥ काकादनीवृक्ष।
अहिका, स्त्री० शाल्मलीवृक्ष ॥ सेमरकावृक्ष।
अहिच्छत्र, पु० मेषशृङ्गीवृक्ष ॥ मेढशिङ्गीकापेड़।
अहिफेन, न० अफेन ॥ अफीम।
अहिभयदा, स्त्री० भूम्यामलकी ॥ भुई आमला।
अहिभुक् [ज्] पु० गन्धनाकुली ॥ नाकुली नकुलकन्द नाकुलीकन्द।
अहिमर्दनी, स्त्री० गन्धनाकुली ॥ नाकुलीकन्द
अहिमार, पु० अरिमेदकवृक्ष ॥ दुर्गंधखैर।
अहिमेदक, पु० ऐ।
अहिलता, स्त्री० गन्धनाकुली। ताम्बूली ॥ नाकुलीकन्द। पान।
अहेरु, स्त्री० शतमूली ॥ शतावर।
अह्ला, स्त्री० भल्लातकवृक्ष ॥ भिलावेकावृक्ष ॥
अक्ष, न० सौवर्चललवण। तुत्थ ॥ चोहारकोडा, कालानोन। तूतिया।
अक्ष, पु० बिभीतकवृक्ष। रुद्राक्ष। कर्षपरिमाण ॥ बहेडावृक्ष। रुद्राक्षकेबीज। २ तोलेपरिमाण।
अक्षक, पु० तिनिशवृक्ष ॥ ॥ तिरिछवृक्ष
अक्षत, न० लाजा ॥ खीलै।
अक्षत, पु० यव। आतपतण्डुल ॥ जो। मुरमुरे, खीलै, परमल, चौलेइत्यादि।
अक्षता, स्त्री० कर्कटशृङ्गी ॥ काँकडाशिङ्गी।
अक्षधर, पु० शाखोटवृक्ष ॥ सिहोरावृक्ष।
अक्षपीडा, स्त्री० यवतिक्तालता ॥ शंखिनी।
अक्षर, न० अपामार्ग ॥ चिरचिरा।
अक्षिक, पु० रञ्जनद्रुम ॥ आच्छुकवृक्ष।
अक्षिभेषज, पु० पट्टिकालोध्र ॥ पठानीलोध।
अक्षिव, न० सामुद्रलवण ॥ समुद्रनोन, पांगा।
अक्षिव, पु० शोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैजिनेकावृक्ष।
अक्षीक, पु० रञ्जनद्रुम ॥ आच्छुकवृक्ष।
अक्षीव, न० समुद्रलवण ॥ पांगा।
अक्षीव, पु० शोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैजिनेकावृक्ष।
अक्षोट, पु० अक्षोडवृक्ष ॥ अखरोटवृक्ष।
अक्षोड, पु० ऐ।
अक्षोडक, पु० ऐ।

इतिश्रीशालिग्रामवैश्यकृतेशालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने, अकाराक्षरे प्रथमस्तरङ्गः ॥ १ ॥

(आ)

आकरसम्भव, न० साम्भारलवण ॥ सामरनोन।
आकारकरभ, पु० वणिक्‌द्रव्य–विशेष ॥ अकरकरा।
आकाश, पु० न० अभ्रक ॥ अभ्रकधातु।
आकाशमांसी, स्त्री० सूक्ष्मजटामांसी।
आकाशमूली, स्त्री० कुम्भिका ॥ जलकुम्भी।
आकाशवल्ली, स्त्री० लता–विशेष ॥ आकाशवेल।
आकृतिच्छत्रा, स्त्री० कोशातकीवृक्ष ॥ तोरईभेद।
आखु, पु० उन्दुर। देवताडवृक्ष ॥ मूसा। देवताडवृक्ष।

आखुकर्णी, स्त्री० लता—विशेष ॥ मूसाकर्णी
आखुपर्णिका, स्त्री० ऐ ।
आखुपर्णी, स्त्री० ऐ ।
आखु, विषहा, स्त्री० देवताडवृक्ष । देवदाली-लता ॥ देवताडवृक्ष । घघरवेल, सोंदाल।
आखुस्कन्द, पु० क्षीरकञ्चुकीवृक्ष ॥ क्षीरीशवृक्ष ।
आखोट, पु० फलवृक्ष—विशेष ॥ अखरोट ।
आगमावर्त्ता, स्त्री० वृश्चिकालीवृक्ष ॥ वृश्चिकाली।
आग्नेय, न० स्वर्ण ॥ सोना ।
आघट्टक, पु० रक्तापामार्ग ॥ लालचिरचिरा ।
आघाट, पु० अपामार्ग ॥ चिरचिरा ।
आचित, न० दशभारपरिमाण ॥ २५ मन ।
आचारी, स्त्री० हिलमोचिका ॥ हुलहुलशाक ।
आच्छक, पु० पुष्पवृक्ष-विशेष ॥ रञ्जनद्रु ।
आजस्मसुरभिपत्र, पु० मरुबकवृक्ष ॥ मरु-आवृक्ष ।
आज्य, न० घृत । श्रीवास ॥ घी । सरलकागोंद ।
आञ्जिनेय, पु० जन्तु-विशेष ॥ आँजनो ।
आटि, पु० जलचरपक्षि-विशेष ॥ आडी ।
आडि, स्त्री० स्वनामख्यातमत्स्य ॥ आडी मछली।
आढक, न० पु० चतुःप्रस्थपरिमाण ॥ ८ सेर ।
आढकी, स्त्री० शमीधान्य-विशेष ॥ अड़हर ।
आतंक, पु० रोग ॥ रोग ।
आतृप्य, न० फल-विशेष ॥ सरीफा ।
आत्मगुप्ता, स्त्री० कपिकच्छु ॥ कौंछ ।
आत्ममूली, स्त्री० दुरालभावृक्ष ॥ धमासा ।
आत्मरक्षा, स्त्री० महेन्द्रवारुणी ॥ बडीइन्द्रवारुणी।
आत्मशल्या, स्त्री० शतमूली ॥ शतावर ।
आत्मोद्भवा, स्त्री० माषपर्णी ॥ मषवन ।
आदानी, स्त्री० घोषकलता ॥ तोरईभेद ।
आदित्य, पु० अर्कपृक्ष ॥ आकवृक्ष ।
आदित्यपत्र, पु० क्षुप-विशेष ॥ अर्कपत्र ।
आदित्यपुष्पिका, स्त्री० लोहितार्क ॥ ला-लमन्दारवृक्ष ।
आदित्यभक्ता, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ हुरहुर ।
आद्य, न० धान्य ॥ धान ।
आद्यमाषक, पु० माषकपरिमाण ॥ ५ रत्ति ।
आध्मान, पु० वायुरोग-विशेष ॥ पेटकाफूलना ।
आध्मानी, स्त्री० नलिका नामकगन्धद्रव्य॥नलिका।
आनन्दा, स्त्री० विजया ॥ भाङ्ग ।
आनन्दी, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥
आनाह, पु० मूत्रपुरीषरोधकरोग-विशेष ॥ म-लमूत्रकारोध ।
आनूप, पु० अनूपदेशस्थजन्तुमात्र ॥ भैसँ सूकरादि ।
आपस्तम्भिनी, स्त्री० लिङ्गिनीलता ॥ शिवलिंगी।
आपालि, पु० केशकीट ॥ वालोंकेकीडे, जूँ, लीख, डीङ्गर ।
आपिञ्जर, न० स्वर्ण ॥ सोना ।
आपीत, न० माक्षिकधातु ॥ सोनामाखी ।
आपूष, न० रङ्ग ॥ राङ्ग ।
आप्य, न० कुष्ठ ॥ कूठ । कूट ।
आफूक, न० अहिफेन ॥ अफीम ।
आबिलकन्द, पु० मालाकन्द ॥ मालाकन्द ।
आभा, स्त्री० बब्बूलवृक्ष ॥ बबूरवृक्ष । बबूरका पेड़ । कीकरकापेड ।
आम, न० अजीर्णरोग-विशेष-अपक्वअन्नरस॥आम ।
आमण्ड, पु० एरण्डवृक्ष ॥ अण्डकावृक्ष ।
आमय, न० कुष्ठ ॥ कूठ । कूट ।
आमय, पु० रोग ॥ रोग ।
आमलक, पु० वासकवृक्ष ॥ वाँसा, अडूसा । वसौंटा ।
आमलक, न० आमलकी—वि० ॥ कर्करा ।
आमलकी, स्त्री० स्वनामख्यातफलवृक्ष—विशेष ॥ आमला ।
आमवात, पु० रोग—वि० ॥ आमवातरोग ।
आमातीसार, पु० अतीसार—वि० ॥ आमस-हित अतिसार ।
आमाशय, पु० नाभिस्तनमध्यवर्तीस्थान ॥ नाभि-और स्तनोंके मध्यकास्थान ।
आमिषप्रिय, पु० कङ्कपक्षी ॥ वाजपक्षी ।
आमिषी, स्त्री० जटामांसी ॥ वालछड, कनुचर ।
आम्र, पु० स्वनामख्यातफलवृक्ष—विशेष ॥ आम ।
आम्रगन्धक, पु० समष्ठिलवृक्ष ॥ कोकुयावृक्ष ।
आम्रपेषी, स्त्री० शुष्काम्रखण्ड ॥ अमचूर ।
आम्रात, पु० आम्रातक ॥ अम्बाडा ।
आम्रातक, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ अम्बाडा ।
आम्रावर्त्त, पु० शुष्कआम्ररस ॥ आमका सत्व ।
आम्लवेतस, पु० अम्लवेतस ॥ अम्लवेंत ।
आम्ला, स्त्री० तिन्तिडीवृक्ष ॥ इमली ।
आम्लिका, स्त्री० ऐ ।
आम्लीका, स्त्री० ऐ ।
आयतच्छदा, स्त्री० कदलीवृक्ष ॥ केलावृक्ष ।
आयस, न० लौह । अगुरु ॥ लोहा । अगर ।
आयुधधर्म्मिणी, स्त्री० जयन्तीवृक्ष ॥ जैत ।
आयुर्द्रव्य, न० औषध ॥ औषधी ।

आयुर्वेद, पु० चिकित्साशास्त्रवि० ॥ वैद्यकशास्त्र ।
आयुर्योग, पु० औषध ॥ औषधी ।
आयुष्य, न० आयुर्हितकरपदार्थ ॥ पथ्यादि ।
आर, न० मुण्डलौह । पित्तल ॥ पीतल ।
आर, पु० न० पित्तल । वृक्ष–विशेष ॥ पीतल । रेफलवृक्ष ।
आरकूट, पु० पित्तल ॥ पीतल ।
आरग्वध, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ अमलतास ।
आरटी, स्त्री० स्थलपद्म । ब्राह्मणयष्टिका ॥ गेंदा । बह्मनेटि । भारंगी ।
आरण्यमुद्गा, स्त्री० मुद्गपर्णी ॥ मुगवन, मुगोन ।
आरनाल, न० काञ्जिक ॥ काँजि ।
आरनालक, न० ऐ ।
आरामशीतला, स्त्री० सुगन्धिपत्र–विशेष ॥ आरामशीतला ।
आरु, पु० वृक्षभेद ॥ एकप्रकारका वृक्ष ॥
आरूक, न० हिमाचलेप्रसिद्धोषधी विशेष ॥ आड देशान्तरीयभाषा ।
आरेवत, न० पारेवतवृक्षफल ॥ रैवताख्य कामरुदेशीयभाषा ।
आरेवत पु० आरग्वधवृक्ष ॥ अमलतास ।
आरोग्य, न० रोगाभाव ॥ रोगका अभाव ।
आरोग्यशाला, स्त्री० चिकित्सालय ॥ औषधालय ।
आर्ग्वध, पु० आरग्वधवृक्ष ॥ धनबहेरा, अमलतास ।
आर्घ्य न० अर्घमक्षिकोत्पन्नमधु ॥ एकप्रकारकामधु ।
आर्त्तगल, पु० नीलझिण्डी ॥ नीलीकटसरैया ।
आर्त्तव, न० स्त्रीरजः ॥ स्त्रीरज ।
आर्द्रक, न० स्वनामख्यातकन्द ॥ अदरख ।
आर्द्रमाषा, स्त्री० माषपर्णी ॥ मषवन ।
आर्द्रशाक, न० आर्द्रक ॥ अदरख ।
आर्द्रिका, स्त्री० आर्द्रक ॥ अदरख ।
आर्षभी, स्त्री० कपिकच्छूवृक्ष ॥ कौंछ ।
आल, न० हरिताल ॥ हरताल ।
आलाबु, ॥ स्त्री० अलाबु ॥ कद्दु, तुम्बी ।
आलाबू, स्त्री० ऐ ।
आलीनक, न० रङ्ग ॥ राङ्ग ।
आलु, न० स्वनामख्यातमूल–विशेष ॥ आलु ।
आलु, पु० कासालु ॥ कोंकणेप्रसिद्ध आलु ।
आलुक, न० मूल–वि० । एलवालुक ॥ आलु । एलुआ ।
आलुकी, स्त्री० दीर्घाकारसूक्ष्मरक्तवर्ण आलु ॥ धुँय्या, अरुई ।
आवर्त्त, न० माक्षिकधातु ॥ सोनामाखी ।
आवर्त्तकी, स्त्री० लता–विशेष ॥ भगवतवल्ली- कोकणेप्रसिद्ध ।
आवर्त्तिनी, स्त्री० अजशृङ्गीवृक्ष ॥ मेढाशिङ्गी ।
आविघ्न, पु० करमर्द । पानीयामलक ॥ करोंदा । पानीआमला ।
आबीरचूर्ण, न० फल्गु ॥ अबीर, गुलाल ।
आवेगी, स्त्री० वृद्धदारकवृक्ष ॥ विधारा ।
आशन, पु० अशनवृक्ष ॥ विजयसार ।
आशय, पु० पनसवृक्ष ॥ कटहरवृक्ष ।
आशापुरसम्भव, पु० भूमिजगुग्गुलु ॥ भूमिजगूगल ।
आशीः [स्], स्त्री० वृद्धिनामकओषधी॥ वृद्धि ।
आशु, पु० न० प्रावृट्कालोद्भवधान्य ॥ आशुधान
आशुपत्री, स्त्री० शल्लकीलता ॥ शल्लकीबेल ।
आशुव्रीहि, पु० आशुधान्य ॥ आशुधान ।
आश्रयाश, पु० चित्रकवृक्ष ॥ चीतावृक्ष ।
आश्वत्थ, न० अश्वत्थवृक्षफल ॥ पीपलकाफल ।
आसङ्ग, न० सौराष्ट्रमृत्तिका ॥ सोरठकीमिट्टी । गोपीचन्दन ।
आसन, पु० जीवकवृक्ष । असनवृक्ष ॥ जीवक अष्टवर्गओषधी । विजयसार ।
आसव, पु० मद्य–विशेष ॥ मैरेयमद्य ।
आसवद्रु, पु० तालवृक्ष ॥ ताडवृक्ष ।
आसुर, न० बिड्लवण ॥ बिरियासंचरनोन ।
आसुरफेन, न० अहिफेन ॥ अफीम ।
आसुरी, स्त्री० राजिका ॥ राई ।
आस्फोट, पु० आस्फोतवृक्ष ॥ आककावृक्ष ।
आस्फोटक, पु० पर्वतजपीलुवृक्ष ॥ अखरोट ।
आस्फोटा, स्त्री० नवमल्ली ॥ नेवारी ।
आस्फोत, पु० अर्कवृक्ष ॥ कोविदार । भूपलाशवृक्ष॥ आककावृक्ष । सफेदकचनार । विशालीवृक्ष ।
आस्फोतक, पु० अर्कवृक्ष ॥ आककावृक्ष ।
आस्फोता, स्त्री० अपराजिता । वनमल्लिका । शारिवावृक्ष । वनकार्पासी वृक्ष–वि० ॥ कोयल । मल्लिकाभेद । सरिवन,सालसा । वनकपास । मदनमाली ।
आस्यपत्र, न० पद्म ॥ कमल ।
आहकज्वर, पु० नासारोग–विशेष ॥ नासिकाज्वर ।
आहुल्य, न० क्षुप–विशेष ॥ रग ।

आक्षिक, पु० आच्छुकवृक्ष ॥ रञ्जनद्रुम ।
आक्षिव, पु० आक्षीव ॥ सैजिनेकावृक्ष ।
आक्षोट, पु० अक्षोटवृक्ष ॥ अखरोट ।
आक्षोड, पु० ऐ ।

इतिश्रीशालिग्रामवैश्यकृतेशालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधानेआकाराक्षरेद्वितीयस्तरङ्गः ॥ २ ॥

(इ)

इक्कट, पु० तृण-विशेष ॥ बहुमूलतृण ।
इङ्गुद, पु० इङ्गुदीवृक्ष ॥ गोंदीवृक्ष ।
इङ्गुदी, स्त्री० स्वनामख्यातवृक्ष-विशेष । ज्योतिष्मती ॥ हिङ्गोट, इङ्गुल । मालकाङ्गुनी ।
इङ्गुल, पु० न० इङ्गुदीवृक्ष ॥ गोंदीवृक्ष ।
इच्छुक, पु० बीजपूर ॥ विजोरानींबू ।
इज्जल, पु० हिज्जलवृक्ष ॥ समुद्रफल ।
इश्वाक, पु० मत्स्य-विशेष ॥ इश्वाकमच्छ ।
इडा, स्त्री० शरीरस्थावामभागस्थानाडी ॥ शरीरकेवामभागकीनाडी ।
इदंकार्य्या, स्त्री० दुरालभावृक्ष ॥ धमासा ।
इनानी, स्त्री० वटपत्रीवृक्ष ॥ वडपत्री ।
इन्दम्बर, न० नीलोत्पल ॥ नीलेकमल ।
इन्दिरालय, न० पद्म ॥ कमल ।
इन्दिरावर, न० नीलोत्पल । नीलकुमुद ॥ नीलकमल । नीलकमोदनी ।
इन्दिवर, न० नीलोत्पल ॥ नीलकमल ।
इन्दीवर, न० नीलपद्म ॥ नीलकमल ।
इन्दीवरिणी, स्त्री० उत्पलिनी ॥ कुमुदनी । कमलनी ।
इन्दीवरी, स्त्री० शतमूली ॥ शतावर ।
इन्दीवार, न० इन्दीवर ॥ नीलकमल ।
इन्दु, पु० कपूर ॥ कपूर ।
इन्दुक, पु० अश्मन्तकवृक्ष ॥ अश्मन्तक ।
इन्दुकमल, न० सितोत्पल ॥ सफेदकुमुद ।
इन्दुकलिका, स्त्री० केतकी ॥ केतकीवृक्ष ।
इन्दुकी, स्त्री० तिन्दुकवृक्ष ॥ तेंदूवृक्ष ।
इन्दुपुष्पिका, स्त्री० कलिकारीवृक्ष ॥ कलिहारीवृक्ष ।
इन्दुरत्न, न० मुक्ता ॥ मोती ।
इन्दुलेखा, स्त्री० अमृता । सोमवल्ली । यवानी । गिलोय । सोमलता । अजमायन ।
इन्दुलोहक, न० रौप्य ॥ रूपा ।
इन्दुवल्ली, स्त्री० सोमवल्ली ॥ सोमलता ।
इन्द्र, पु० कुटजवृक्ष ॥ कूडावृक्ष ।
इन्द्र, न० इन्द्रयव ॥ इन्द्रजौ ।
इन्द्रगोप, न० रक्तवर्णकीट-विशेष ॥ लालरङ्गकाइन्द्रगोपनामवालाकिडा अर्थात् वीरवहुट्टी ।
इन्द्रचन्दन, न० हरिचन्दन ॥ हरिचन्दन ।
इन्द्रचिर्भिटी, स्त्री० लता-विशेष ।
इन्द्रदारु, पु० देवदारुवृक्ष ॥ देवदारुवृक्ष ।
इन्द्रद्रु, **इन्द्रद्रुम**, पु० अर्ज्जुनवृक्ष । कुटजवृक्ष॥ कोहवृक्ष । कुडावृक्ष ।
इन्द्रपुष्प, न० लवङ्ग । इन्द्रयव ॥ लौंग । इन्द्रजो ।
इन्द्रपुष्पा, स्त्री० लाङ्गलकीवृक्ष ॥ कलिहारी ।
इन्द्रपुष्पिका, स्त्री० ऐ ।
इन्द्रभेषज, न० शुण्ठी ॥ सोंठ ।
इन्द्रयव, पु० न० स्वनामख्याततिक्तबीज-विशेष इन्द्रजो ।
इन्द्रलुप्त, न० केशरोग-वि० ॥ एकप्रकारका केशरोग गंज । वालोंका गिरजाना ।
इन्द्रवारुणिका, स्त्री० इन्द्रवारुणी ॥ इन्द्रायन ।
इन्द्रवारुणी, स्त्री० लता-विशेष ॥ इन्द्रायन ।
इन्द्रविषा, स्त्री० अतिविषा ॥ अतीस ।
इन्द्रवृद्धा, स्त्री० व्रणरोग-विशेष ॥ क्षुद्ररोगविशेष ।
इन्द्रवृक्ष, पु० देवदारु ॥ देवदारु ।
इन्द्रसुत, पु० अर्ज्जुनवृक्ष ॥ कोहवृक्ष ।
इन्द्रसुरस, पु० सिन्दुवार ॥ सह्मालुवृक्ष ।
इन्द्रसुरिस, स्त्री० ऐ ।
इन्द्रसुरी, स्त्री० ऐ ।
इन्द्रा, स्त्री० फणिज्झक ॥ जम्बीरभेद ।
इन्द्राणिका, स्त्री० सिन्दुवारवृक्ष ॥ सह्मालु ।
इन्द्राणी, स्त्री० सिन्दुवार । नीलसिन्दुवार । सूक्ष्मैला । स्थूलैला ॥ सह्मालुवृक्ष । निर्गुण्डीभेद । गुजरातीइलायची । स्थूलअर्थात्बडीइलायची ।
इन्द्राशन, पु० सम्विदावृक्ष । गुञ्जा ॥ भाङ्ग । घुँघुची ।
इभ, पु० नागकेशरवृक्ष ॥ नागकेशरवृक्ष ।
इभकणा, स्त्री० गजपिप्पली ॥ गजपीपर ।
इभकर्ण, पु० पलाश ॥ ढाक, पलास ।
इभकेशर, पु० ऐ ।
इभदन्ता, स्त्री० नागदन्तीवृक्ष ॥ हातीशुण्डवृक्ष ।
इभषा, स्त्री० स्वर्णक्षीरीवृक्ष ॥ ऊँटकटीराभेद ।
इभाख्य, पु० नागकेशरवृक्ष ॥ नागकेशर ।
इभोषण, न० गजपिप्पली ॥ गजपीपर ।
इरावती, स्त्री० वटवृक्ष । पाषाणभेदी-वि० ॥ वडपत्री । पाखानभेदीभेद ।

इरिवेल्लिका, स्त्री० मस्तकोत्पन्नव्रणजन्य पीडा-विशेष ॥ मस्तकमें जो फोडा उसकी पीडा ।
इर्वारु, पु० स्त्री० कर्कटी । इन्द्रवारुणी ॥ ककडी। इन्द्रायन ।
इर्वारुशुक्तिका, स्त्री० इर्वारु-वि० ॥ फूट ।
इर्वालु, पु० इर्वालु ॥ ककडी ।
इलीश, पु० इलिशमत्स्य ॥ इलीसमच्छ ।
इषीका, स्त्री० काशतृण ॥ काँश ।
इषुकाण्ड, पु० शर ॥ सरपता ।
इषुपुङ्खा, स्त्री० शरपुङ्खा ॥ सरफोका ।
इष्ट, पु० एरण्डवृक्ष ॥ अण्डकापेड ।
इष्टकापथ, न० वीरणमूल ॥ खस ।
इष्टगन्ध, न० वालुका ॥ वालु ।
इष्टा, स्त्री० शमीवृक्ष ॥ छोंकरावृक्ष ।
इष्टिकापथिक, न० लामज्जक तृण ॥ लामज्जतृण।
इक्षु, पु० स्वनामख्याततृण । कोकिलाक्षवृक्ष॥ईख। तालमखाना ।
इक्षुकाण्ड, पु० मुञ्जक । काशतृण ॥ शरमुञ्ज । काँस ।
इक्षुगन्ध, पु० काशतृण । क्षुद्रगोक्षुरक ॥ काँस । छोटागोखुरु वा देशीगोखुरु ।
इक्षुगन्धा, स्त्री० गोक्षुरी । कोकिलाक्षवृक्ष । काशतृण । शुक्लविदारी ॥ गोखुरु । तालमखाना । काँसतृण । सफेदाविदरीकन्द ।
इक्षुगन्धिका, स्त्री० भूमिकुष्माण्ड ॥ विलारीकन्द
इक्षुतुल्या, स्त्री० तृण-विशेष ॥ आनाखु देशान्तरीयभाषा ।
इक्षुदर्भा, स्त्री० तृण-विशेष ॥ इक्षुदर्भ ।
इक्षुनेत्र, न० इक्षुमूल ।
इक्षुपत्र, पु० यावनालनामकधान्य-विशेष ॥ जुआर
इक्षुप्र, पु० शरतृण ॥ रामसर ।
इक्षुवालिका, स्त्री० इक्षुतुल्या । काशतृण॥ काँस ।
इक्षुमूल, न० वृक्ष-विशेष ।
इक्षुयोनि, पु० पुण्ड्रकइक्षु ॥ सफेद ईख । धौल।
इक्षुर, पु० कोकिलाक्षवृक्ष । इक्षु । काशतृण । गोक्षुर ॥ तालमखाना । ईख । कांस । गोखरु ।
इक्षुरक, पु० कोकिलाक्ष । काशतृण ॥ तालमखाना । काँसतृण ।
इक्षुरस, पु० काशतृण ॥ काँस ।
इक्षुरसक्काथ, पु० गुड ॥ गुड ।
इक्षुवल्लरी, स्त्री० क्षीरविदारी ॥ दूधविदारी ।
इक्षुवल्ली, स्त्री० ऐ ।
इक्षुवाटिका, स्त्री० पुण्ड्रक ॥ ईखभेद ।
इक्षुवाटी, स्त्री० ऐ ।
इक्षुविदारी, स्त्री० भूमिकुष्मांड ॥ विदारीकन्द ।
इक्षुवेष्टन, पु० भद्रमुञ्ज ॥ रामसर ।
इक्षुसार, पु० गुड ॥ गुड ।
इक्ष्वाकु, स्त्री० कटुतुम्बी ॥ कडवीतोम्बी ।
इक्ष्वारि, पु० काशतृण ॥ काँसतृण ।
इक्ष्वालिक, पु० ऐ ।
इक्ष्वालिका, स्त्री० इक्षुतुल्या ॥ अनिक्षु ।

इतिश्रीशालिग्रामवैश्यकृतशालिग्रामौषधशब्द सागर द्रव्याभिधाने इकारस्वरे तृतीयस्तरङ्गः ॥ ३ ॥

ई

ईर्वारु, पु० स्त्री० स्फुटी ॥ फूट ।
ईर्वारुक, पु० कुष्माण्डविशेष ॥ विलायतीपेठा. कौला ।
ईश, पु० पारद ॥ पारा ।
ईशान, पु० शमीवृक्ष ॥ छोकरवृक्ष ।
ईशानी, स्त्री० ऐ ।
ईश्वर, पु० पारद ॥ पारा ।
ईश्वरी, स्त्री० लिङ्गिनीवृक्ष । वन्ध्याककर्कोटकी । रुद्रजटा । नाकुलीकन्द ॥ शिवलिंगी । बाझखखसा । वनककोडा । शंकरजटा । नाकुलीकन्द ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृतशालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने ईकारस्वरे चतुर्थस्तरङ्गः ॥ ४ ॥

उ

उखर्वल, पु० तृण-विशेष । ऊखलतृण ।
उग्र, न० वत्सनाभविष ॥ बछनाभविष ।
उग्र, पु० सोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैजिनेकावृक्ष ।
उग्रकाण्ड, पु० कारवेल्ल ॥ करेला ।
उग्रगन्ध, न० हिङ्गु ॥ हीङ्ग ।
उग्रगन्ध, पु० रसुन । कट्फल । अर्जकवृक्ष । चम्पक ॥ लशुन । कायफर । बर्बरीभेद।चम्पावृक्ष ।
उग्रगन्धा, स्त्री० अजमोदा । वचा । छिक्कनी । यवानी ॥ अजोमोद । वच । नाकछिकनी अजमायन ।
उग्रा, स्त्री० वचा । यवानी । छिक्कनी । धन्याक ॥ वच । अजमायन । नाकछिकनी । धनिया ।
उच्चटा, स्त्री० गुञ्जा । भूम्यामलकी । नागरमुस्ता । रसोनभेद । निर्विषीतृण ॥ धुँघुची चोटली । भुईआमला । नागरमोथा । लहशनभेद । निर्विषीघास ।

उच्चतरु, पु० नारिकेलवृक्ष ॥ नारियलवृक्ष ।
उच्चार, पु० पुरीष ॥ विष्ठा ।
उच्छिलीन्ध्र, न० छत्रिका ॥ भुँईफोड ।
उज्ज्वल, न० स्वर्ण ॥ सोना ।
उडुम्बर, न० ताम्र । कर्षपरिमाण ॥ ताबाँ । २ तोलेप्रमाण ।
उडुम्बर, पु० उदुम्बरवृक्ष ॥ गूलर ।
उडुम्बरपर्णी, स्त्री० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष ।
उड्र, पु० जवापुष्प ॥ ओडहुल, गुडहर ।
उत्कट, पु० शर । रक्तेक्षु ॥ सरपता ॥ लालईख लालगन्ने ।
उत्कट, न० गुडत्वक् । पत्रज ॥ दालचीनी । तेजपात ।
उत्कटा, स्त्री० सैंहली ॥ सिंहलीपीपल ।
उत्कता, स्त्री० गजपिप्पली ॥ गजपीपर ।
उत्खला, स्त्री० मुरानामकगन्धद्रव्य ॥ कपूरकचरी, एकाङ्गी ।
उत्तमफलिनी, स्त्री० दुग्धिकावृक्ष ॥ दूधियावृक्ष । दुद्धीवृक्ष ।
उत्तमा, स्त्री० दुग्धिका ॥ दुद्धीवृक्ष ।
उत्तमारणी, स्त्री० इन्दीवरी ॥ शतावर ।
उत्तरवारुणी, स्त्री० इन्द्रवारुणी ॥ इन्द्रायण ।
उत्तानक, पु० उच्चटातृण ॥ उच्चटातृण। निर्विषीघास
उत्तानपत्रक, पु० रक्तैरण्डवृक्ष ॥ लालअण्डकावृक्ष । जोगियावृक्ष ।
उत्तूष, पु० भृष्टधान्य ॥ खीलै ।
उत्पल, न० नीलपद्म । जलजपुष्पमात्र । कुष्ठ । पुष्प ॥ नीलवर्णकमल । कुमुद । कूठ । पुष्प। फूल ।
उत्पलगन्धिक, न० चन्दन–विशेष ॥ एकप्रकारकाचन्दन ।
उत्पलशारिवा, स्त्री० श्यामालता ॥ सालसा, करिआवासाउँ ।
उत्पलनी, स्त्री० जलजपुष्प–विशेष ॥ कुमुदनी ।
उत्पादिका, स्त्री० हिलमोचिका ॥ हुरहुर । उपोदिका ॥ पोईकाशाक ।
उत्क्षिप्त, पु० धुस्तूरफल ॥ धतूरेकाफल ।
उदक, न० जल । वालक ॥ जल । सुगंधवाला । नेत्रवाला ।
उदकीर्ण, पु० महाकरञ्ज ॥ बडीकरञ्ज ।
उदकीर्य्य, पु० करञ्ज–विशेष ॥ अरारी ।
उदधिमल, न० समुद्रफेन ॥ समुद्रफेन ।
उदर, न० नाभिस्तनयोर्मध्यभाग ॥ पेट ।
उदरग्रन्थि, पु० गुल्मरोग ।
उदरामय, पु० पेटमेंपीडा । उदरपीडा ॥
उदरीच्छदा, स्त्री० हस्तिकोलिवृक्ष ॥ बेरभेद ।
उदर्क, पु० मदनवृक्ष ॥ मैनफलवृक्ष ।
उदर्द, पु० त्वग्रोग–विशेष॥एकप्रकारकात्वचाकारोग ।
उदश्वित्, न० अर्द्धजलयुक्तघोल ॥ आधाजलका मट्ठा ।
उदान, पु० कण्ठस्थवायु ।
उदावर्त्त, पु० रोग–विशेष ॥ उदावर्त्त ।
उदीच्य, न० वालक ॥ सुगंधवाला नेत्रवाला ।
उदुम्बर, न० ताम्र ॥ तांबाँ ।
उदुम्बर, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ गूलर ।
उदुम्बरदला, स्त्री० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीकापेड़ ।
उदुम्बरपर्णी, स्त्री० ऐ ।
उदूखल, न० गुग्गुलु ॥ गूगल ।
उद्दाल, पु० बहुवारवृक्ष । वनकोद्रव । कुष्ठ ॥ लिसोडावृक्ष । वनकोदों । कूठ ।
उद्दालक, पु० बहुवारवृक्ष ॥ लिहसोडावृक्ष ।
उद्दीप्र, न० गुग्गुलु ॥ गूगल ।
उद्धारा, स्त्री० गुडूची ॥ गिलोय ।
उद्भिद, न० पांशुलवण ॥ पांशुनोन ।
उद्रेका, स्त्री० महानिम्ब ॥ बकायननीम ।
उद्वेग, न० गुवाकफल ॥ सुपारी ।
उन्दूरकर्णी, स्त्री० आखुकर्णीलता ॥ मूसाकर्नी ।
उन्नाह, न० काञ्जिक ॥ काँजि ।
उन्मत्त, पु० धुस्तूर । मुचकुन्दवृक्ष ॥ धतूरा । मुचकुन्द ।
उन्माद, पु० बुद्धिभ्रंशकरचित्तरोग–विशेष ॥ उन्मादरोग ।
उन्माद, पु० द्रोणपरिमाण ॥ ३२ सेर ।
उपकुञ्चि, स्त्री० सूक्ष्मकृष्णजीरक । कृष्णजीरक ॥ कलौंजी । कालाजीरा ।
उपकुञ्चिका, स्त्री० कृष्णजीरक । सूक्ष्मैला ॥ कालाजीरा । गुजरातीइलायची ।
उपकुल्या, स्त्री० पिप्पली ॥ पीपल ।
उपचक्र, पु० पक्षि–विशेष ॥ चकवाचकवी ।
उपचित्रा, स्त्री० मूषिकपर्णी । दन्तीवृक्ष ॥ मूसाकानी । दन्तीवृक्ष ।
उपदंश, पु० शिश्नरोग–विशेष । शिग्रुवृक्ष । समष्ठिलावृक्ष ॥ गरमीरोग । सैजिनेकावृक्ष । कोकुयावृक्ष ।
उपदा, स्त्री० वन्दाक ॥ बाँदा ।
उपद्रव, पु० रोगारम्भकदोषकोपजन्य अन्यथान्य विकार ॥ उपद्रव ।

उपधातु–पु० अष्टप्रधानधातुसदृशधातु । यथा । माक्षिक । तुत्थक । अभ्रक । नीलाञ्जन । मनःशिला । हरताल । रसाञ्जन । शरीरस्थधातुसम्भूतउपधातु । यथा । रससै–दूध । रक्तसै स्त्रीरजः । मांससै–वसा । मेदसै-घर्म्म । अस्थिसै–दन्त । मज्जासै–केश । शुक्रसै–ओज ।

उपमेत–पु० शालवृक्ष ॥ साल–सखुआ–सागोन वृक्ष ।

उपल–पु० करीष ॥ सूखागोबर– उपले ।

उपलभेदी[न्]–पु० पाषाणभेदीवृक्षः ॥ पाखानभेद ।

उपला–स्त्री० शर्करा ॥ चीनी ।

उपवट–पु० पियाल वृक्ष ॥ चिरोंजीकावृक्ष ।

उपवल्लिका–स्त्री० अमृतस्रवालता ॥ अमृतस्रवा लता ।

उपविष–न० कृत्रिमविष । अतिविशा ॥ विष–आककादूध– सेहुण्डकादूध– कलि हारी, कनेर- धुत्तूरा यह पांच उपविष हैं ॥ अतीस ।

उपविषा–स्त्री० अतिविषा ॥ अतीस ।

उपोती–स्त्री० पूतिका ॥ पोईकाशाक ।

उपोदकी–स्त्री० ऐ ।

उपोदिका,–स्त्री० ऐ ।

उपोदीका,–स्त्री० ऐ ।

उमा,–स्त्री० अतसी । हरिद्रा ॥ अलसी । हलदी ।

उरग–पु० सर्प । सीसक ॥ साँप । सीसा ।

उरणाख्य–पु० दद्रुघ्नवृक्ष ॥ पमार–चकवड ।

उरणाख्यक–पु० ऐ ।

उरणाक्ष–पु० ऐ ।

उरणाक्षक–पु० ऐ ।

उरुकाल–पु० लता–विशेष ॥ महाकाल वङ्गभाषा।

उरुकालक–पु० ऐ ।

उरुबुक–पु०एरण्डवृक्ष ॥ अण्डकावृक्ष ।

उरुवक–पु० एरण्ड । रक्तैरण्ड ॥ अण्ड । लाल अण्ड ।

उर्णा–स्त्री० मेषादिलोम ॥ भेडइत्यादिकोंकी ऊन–वा–वाल ।

उर्वारु–पु० इर्वारु ॥ ककडी ।

उलप–पु० विस्तीर्णलता । तृणविशेष ॥ दाख–पान इत्यादीकी वेल । खङ्गतृण ।

उलुप–पु०उलपतृण ॥ चटाईकीघास ।

उलूक–पु० पेचकपक्षी ॥ उल्लु ।

उलूखड–न० उदूखल । गुग्गुल ॥ धानकूटनेकी ओखली । गूगल ।

उलूखलक–न० गुग्गुल ॥ गूगल ।

उल्ब–न० जरायु॥ " माताके पेंटमे गर्भ जिसमेंलपेटारहताहै वह चमडा " ।

उशीर–पु० न० वीरणमूल ॥ खस ।

उशीरक–न० ऐ ।

उशीरी–स्त्री० लघुकाश ॥ छोटेकाँसा ।

उष–न० पांशुलवण ॥ रेहकानोन ।

उष–पु० गुग्गुल। क्षारमृत्तिका॥ गूगल। खारीमाटी।

उषण, न० मरिच ; पिप्पलीमूल ॥ गोल–कालीमिरिच । पीपरामूल ।

उषणा, स्त्री० पिप्पली । शुण्ठी । चविका ॥पीपल। सोंठ । चव्य ।

उषर्बुधः, पु० रक्तचित्रक ॥ लालचीता ।

उषीर, पु० न० उशीर ॥ खस ।

उष्ट्रकाण्डी, स्त्री० पुष्प–विशेष ॥ उटकटारादक्षिणी

उष्ट्रधूसरपुच्छिका, स्त्री० वृश्चिकाली ॥ वृश्चिकाली ।

उष्ट्रपादिका. स्त्री० भद्रवल्ली ॥ मदनमाली ।

उष्ट्रशिरोधर न० भगन्दररोग-विशेष ॥ उष्ट्रग्रीवभगन्दररोग ।

उष्ट्रिका,स्त्री० वृश्चिकालीवृक्ष॥ कञ्चुरि तामिलभाषा

उष्ण, पु० पलाण्डु ॥ प्याज ।

उष्णरश्मि, पु० अर्कवृक्ष ॥ आककावृक्ष ।

उष्णा, स्त्री० क्षयव्याधि ॥ क्षयरोग ।

उष्णिका, स्त्री० यवागू ॥ लपसीइत्यादि ।

उष्णोदक, न० तप्तजल ॥ उष्णपानी ।

उस्र, स्त्री० उपचित्रा ॥ मूसाकानी ।

इति श्री शालिग्रामवैश्यकृते शालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने उकारस्वरे पञ्चमस्तरङ्गः ॥ ५ ॥

ऊ

ऊरुस्तम्भ, पु० जङ्घोपरि बृहत्स्फोटक–विशेष ॥ गठिया ।

ऊरुस्तम्भा, स्त्री० कदलीवृक्ष ॥ केलावृक्ष ।

ऊर्ध्वकण्टी, स्त्री० महाशतावरी ॥ बडीशतावर ।

ऊर्ध्वसित, पु० कारवेल्ल ॥ करेला ।

ऊर्ध्वङ्ग, पु० शिलींध्रक । गोमयच्छत्रिका॥भुईफोड

ऊर्षा, स्त्री० देवताडकतृण ।

ऊष, पु० क्षारमृत्तिका ॥ खारीमिट्टी ।

ऊषण, न० मरिच ॥ मिरच ।

ऊषणा, स्त्री० पिप्पली ॥ पीपल ।

ऊषर, पु० क्षारभूमी॥ ऊषरभूमि–वा–खारीमिट्टी ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृते शालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने ऊकारस्वरे षष्ठःस्तरङ्गः ॥ ६ ॥

ऋ

ऋतु, पु० स्त्रीरज ॥ स्त्रीका रज ।
ऋद्धि, स्त्री० स्वनामख्यातअष्टवर्गान्तर्गतप्रसिद्धऔषधी ॥ ऋद्धि ।
ऋषभ, पु० अष्टवर्गान्तर्गतप्रसिद्धौषधि । कर्कटशृङ्गी ॥ ऋषभओषधी । काँकडशिङ्गी ।
ऋषभी, स्त्री० कपिकच्छू ॥ कौंछ ।
ऋषा, स्त्री० नागबला ॥ गुलसकरी, गंगेरन ।
ऋषिजाङ्गलिकी, स्त्री० ऋक्षगन्धावृक्ष ॥ ऋषिजाङ्गल ।
ऋषिप्रोक्ता, स्त्री० माषपर्णी ॥ मषवन ।
ऋष्यगता, स्त्री० माषपर्णी । शतमूली ॥ मषवन । शतावर ।
ऋष्यगन्धा, स्त्री० ऋषिजाङ्गलवृक्ष । क्षीरविदारी ॥ ऋषिजाङ्गलिकीवृक्ष । दूधविदारी ।
ऋष्यप्रोक्ता, स्त्री० शतमूली । शूकशिम्बी । अतिबला ॥ शतावर । कौंछ । कंघई कंघी ।
ऋक्ष, पु० स्योनाकवृक्ष ॥ आरलु टैंटु ।
ऋक्षगन्धा, स्त्री० वृक्ष-विशेष । वृद्धदारक । क्षीरविदारी ॥ ऋषिजाङ्गलवृक्ष । विधारावृक्ष । दूधविदारी ।
ऋक्षगन्धिका, स्त्री० क्षीरविदारी ॥ दूधविदारी ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृतशालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने ऋकारस्वरे सप्तमस्तरङ्गः ॥ ७ ॥

ए

एकपत्रिका, स्त्री० गन्धपत्रीवृक्ष ॥ वनकचूर । वनसटी ।
एकमूला, स्त्री० शालपर्णी । अतसी ॥ शालवन । अलसी ।
एकरज, पु० भृङ्गराज ॥ भङ्गरा ।
एकवीर, पु० वृक्ष-भेद ॥ एकलकंटो गु० भा० ।
एकाङ्ग, न० चन्दन ॥ चन्दन ।
एकाष्ठील, पु० अगस्तिद्रुम ॥ हथियावृक्ष ।
एकाष्ठीला, स्त्री० अगस्तिद्रुम । पाठा ॥ हथियावृक्ष । पाठ ।
एकोशिका, स्त्री० पाठा ॥ पाठ ।
एडगज, पु० चक्रमर्द ॥ चकवड पमार ।
एण, पु० स्त्री० मृग-विशेष ॥ हरिण-कालाहरिण ।
एरका, स्त्री० तृण-विशेष ॥ मोथीतृण ।
एरण्ड, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ अण्डकापेड ।
एरण्डक, पु० ऐ ।
एरण्डपत्रिका, स्त्री० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष ।
एरण्डफल, स्त्री० ऐ ।
एरण्डा, स्त्री० पिप्पली ॥ पीपल ।
एर्वारु, पु० कर्कटीभेद ॥ बडीककडी ।
एलवालु, न० एलवालुक ॥ एलुआ ।
एलवालुक, न० सुगन्धिवणिक्द्रव्यभेद॥ एलुआ ।
एला, स्त्री० फलवृक्ष-विशेष ॥ एलायची, इलायची
एलापर्णी, स्त्री० रास्ना ॥ रायसन ।
एलीका, स्त्री० सूक्ष्मैला ॥ छोटीइलायची ।
एषणिका, स्त्री० तुला ॥ स्वर्णतोलनेकाकाँटा ।
एषणी, स्त्री० शस्त्रभेद व्रणमार्गानुसारिणी । प्रोव इंग्रेजीभाषा । तुला ॥ काँटातोलनेका ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृते शालिग्रामौषधशब्दसागर द्रव्याभिधानेएकारस्वरे एकादशतरङ्गः ॥११ ॥

ऐ

ऐकाहिकज्वर, पु० एकदिनान्तर्गतज्वर ॥ एकदिनके अन्तर जोज्वर आताहै ।
ऐङ्गुद, न० इङ्गुदीफल ॥ गोंदनीका फल ।
ऐन्दवी, स्त्री० सोमराजी ॥ बापची ।
ऐन्द्र, पु० मूल-विशेष । वन अदरख ।
ऐन्द्री, स्त्री० इन्द्रवारुणी । एला ॥ इन्द्रायण । इलायची ।
ऐभी, स्त्री० हस्तिघोषा ॥ बडीतोरई ।
ऐरावत, पु० लकुचवृक्ष । नागरङ्गवृक्ष ॥ बडहरवृक्ष । नारङ्गीवृक्ष ।
ऐरावती, स्त्री० वटपत्रीवृक्ष ॥ वडपत्री ।
ऐरिण, न० पांसुलवण ॥ रेहगमानोन ।
ऐलवालुक, न० एलवालुकनामगन्धद्रव्य।एलुआ।
ऐलेय, न० ऐ ।
ऐक्षव, न० इक्षुभव ॥ गुडइत्यादि ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृते शालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने ऐकारस्वरे द्वादशस्तरङ्गः ॥१२॥

ओ

ओजः [स्], न० रसादिसप्तधातुसारांशसम्भूतधातु-विशेष ॥ ओज ।
ओडिका, स्त्री० धान्य-विशेष ॥ नीवार ।
ओडि, स्त्री० ऐ ।
ओड्र, पु० जपापुष्पवृक्ष ॥ ओंडहुल, गुड़हर ।
ओडाख्या, स्त्री० ऐ ।
ओदनाह्वा, स्त्री० महासमङ्गा ॥ कगहिया ।
ओदनिका, स्त्री० महासमङ्गा । बला ॥ कगहिया । खिरैंटी ।
ओदनी, स्त्री० बला ॥ खिरैंटी ।
ओल, पु० मूलविशेष ॥ जमीकन्द ।

ओल्ल, पु० मूलविशेष ॥ जमीकन्द।
ओषण, पु० कटुरस ॥ चरपरारस।
ओषणी, स्त्री० शाक–विशेष ॥
ओषधि, स्त्री० फलपाकान्तवृक्षादि ॥ फलपकनेपर जिस वृक्षका नाश होजाय वह वृक्ष। जैसै धान, केलाइत्यादि।
ओषधी, स्त्री० ऐ।
ओषधीश, पु० कर्पूर ॥ कपूर।
ओष्ठपुष्प, पु० बन्धूकपुष्पवृक्ष ॥ दुपहरियाका वृक्ष
ओष्ठी, स्त्री० बिम्बीफल ॥ कन्दूरी।
ओष्ठोपमफला, स्त्री० ऐ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृते शालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने ओकारस्वे रत्रयोदशस्तरङ्गः ॥ १३॥

(औ)

औदुम्बर, न० महाकुष्ठ रोगान्तर्गतरोग–विशेष। ताम्र ॥ एकप्रकारका कुष्ठरोग। तांबा।
औदश्वित, न० अर्द्धजलयुक्तघोल ॥ आधेजलका मट्ठा।
औदश्वितक, न० ऐ।
औद्दालक, न० मधु–विशेष ॥ एकप्रकारकामधु।
औद्भिज, न० पांशुलवण ॥ रेहका नोन।
औद्भिद, न० साम्भारलवण ॥ सामरनोन।
औपसर्गिक, पु० सन्निपातरोग–विशेष। संक्रामक रोग।
औषरक, न० मृत्तिकालवण ॥ खारीनोन।
और्व, न० पांशुलवण ॥ रेहका नोन।
औषध, न० रोगनाशकद्रव्य ॥ औषधी।
औषर, न० पांशुलवण ॥ रेहका नोन।
औषरक, न० मृत्तिकालवण ॥ खारीनोन।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृत शालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने औकारस्वरे चतुर्दशस्तरङ्गः ॥ १४ ॥

(क)

कंस, न० पु० आढकपरिमाण। ताम्ररङ्गमिश्रित धातु ॥ ८ सेर। काँसा।
कंसक, न० नेत्रौषध। धातु–विशेष ॥ पुष्पकसीस।
कंसास्थि, न० कांस्य ॥ कांसी।
कंसोद्भवा, स्त्री० सुगन्धिमृत्तिका–विशेष ॥ सोरठकी माटि, गोपीचन्दन।
ककन्द, पु० स्वर्ण ॥ सोना।
ककुद्मान् [त्], पु० ऋषभौषध ॥ ऋषभक औषधी।
ककुभ, पु० अर्जुनवृक्ष ॥ कोहवृक्ष।
ककुभादनी, स्त्री० नलीनामक गन्धद्रव्य ॥ नलिका।
कक्कोल, पु० न० सुगन्धिद्रव्य–विशेष ॥ शीतलचीनी।
कक्कोलक, न० ऐ।
कक्खटपत्रक, पु० वनस्पति–विशेष ॥ पांट।
कक्खटी, स्त्री० खटी ॥ खडियामाटी।
कङ्कर, न० तक्र ॥ छाछ।
कङ्करोल, पु० निकोचकवृक्ष। फललता–विशेष ॥ ढेरावृक्ष। काँकरोल–वङ्गभाषा।
कङ्कलोभ्य, न० अङ्कलोज्य ॥ चिश्चोटकमूल।
कङ्कशत्रु, पु० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन।
कङ्काल, पु० त्वङ्मांसरहितस्वस्थानावस्थितदेहास्थिसमूह ॥ पिंजर।
कङ्कु, पु० कङ्गुतृण ॥ कङ्गु।
कङ्कुष्ठ, न० हरितालवत्पाषाणभेद ॥ मुरदासंग–केचित्।
कङ्केलि, पु० अशोकवृक्ष ॥ अशोकवृक्ष।
कङ्केल्ल, पु० वास्तूकशाक ॥ वथुआशाक।
कङ्केल्लि, पु० अशोकवृक्ष ॥ अशोकवृक्ष।
कङ्गु, स्त्री० पीततण्डुला ॥ काङ्गुनीधान।
कङ्गुका, स्त्री० प्रियङ्गु। कङ्गु ॥ फूलप्रियङ्गु। काङ्गुनीधान।
कङ्गुनी, स्त्री० ज्योतिष्मती। कङ्गुधान्य ॥ मालकाङ्गुनी। कङ्गुनी।
कङ्गुनीपत्रा, स्त्री० पण्यान्धातृण ॥ पण्यन्धतृण।
कच, पु० वालक ॥ सुगंधवाला नेत्रवाला।
कचरिपुफला, स्त्री० शमीवृक्ष ॥ छोंकरवृक्ष।
कचामोद, स्त्री० वालक ॥ नेत्रवाला।
कचु, स्त्री० कच्वी ॥ अरुई।
कच्चट, न० जलपिप्पली। जलपीपर।
कच्चर, न० तक्र ॥ मट्ठा।
कच्छ, पु० तुन्नवृक्ष ॥ तुनवृक्ष।
कच्छप, पु० स्वनामख्यात जलजन्तु–विशेष। नन्दीवृक्ष ॥ कछुआ जन्तु। तुनवृक्ष।
कच्छपिका, स्त्री० क्षुद्ररोग–विशेष। प्रमेहपिडिका।
कच्छपी, स्त्री० कूर्म्मी। क्षुद्ररोग–विशेष ॥ कछुआकी स्त्री। क्षुद्ररोग।
कच्छरुहा, स्त्री० दूर्वा ॥ दूब।
कच्छु, स्त्री० रोग–विशेष।
कच्छुघ्नी, स्त्री० पटोल। हपुषाभेद ॥ परवल। हाऊवेर।

कच्छुरा, स्त्री० शूकशिंबी । शठी । दुरालभा । यवास ॥ कौंछ । कचूर । धमासा । जवासा ।

कच्छू, स्त्री० रोग-विशेष ॥ कोढ-ओंदीखुजली ।

कच्छूमती, स्त्री० शूकशिंबी ॥ किंवाच ।

कच्छोर, न० शठी ॥ कचूर ।

कच्ची, स्त्री० कन्द-विशेष ॥ अरुई ।

कश्वट, न० जलजशाक-विशेष ॥ जलचौलाई-कश्वट ।

कश्वटु, पु० कश्वटभेद ॥ छोटेपत्तोंका कश्वटशाक।

कञ्चुक, न० पु० सर्पत्वक् ॥ साँपकी काचली ।

कञ्चुकी, (न्), पु० यव । चणक । जोङ्गक द्रुम ॥ जो । चने । अगर ।

कञ्चुकी, स्त्री० क्षीरीषवृक्ष ॥ क्षीरकञ्चुकी ।

कञ्ज, न० पद्म ॥ कमल ।

कञ्जिका, स्त्री० ब्राह्मणयष्टिका ॥ भारङ्गीवृक्ष ।

कटक, पु० न० सामुद्रलवण ॥ समुद्र नोन ।

कटङ्कटेरी, स्त्री० हरिद्रा । दारुहरिद्रा ॥ हलदी । दारहलदी ।

कटभी, स्त्री० ज्योतिष्मतीलता । अपराजिता । वृक्ष-विशेष ॥ मालकाङ्गुनी । कोयललता कटभी।

कटम्बरा, स्त्री० कटम्भरा ॥ कुटकी ।

कटम्भर. पु० स्योनाकवृक्ष । कटभी । अरलु । करभीवृक्ष ।

कटम्भरा, स्त्री० कटुका । वर्षाभू । मूर्वा । राजबला । सहदेवी । कुटकी । पुनर्नवा। विषखपरा । चुरनहार । पसरन । सहदेई ।

कटशर्करा, स्त्री० गाङ्गेष्टीलता ॥ नाटा-वङ्गभाषा ।

कटा, स्त्री० कटुका ॥ कुटकी ।

कटायन, न० वीरण ॥ खस ।

कटि, पु० स्त्री० शरीरावयव-विशेष ॥ कमर ।

कटिल्लक, पु० कारवेल्ल ॥ करेला ।

कटी, स्त्री० पिप्पली ॥ पीपल ।

कटु, पु० रस-विशेष । चम्पकवृक्ष । चीनकपूर । पटोल । कट्वीलता ॥ चरपरारस । चम्पावृक्ष । चिनियाकपूर । परवल । कट्वीलता ।

कटु, स्त्री० कटुकी । प्रियङ्गुवृक्ष । राजिका ॥ कुटकी । फूलप्रियङ्गु वृक्ष । राई ।

कटुक, न० त्रिकटु ॥ सोंठ, मिरच, पीपल ।

कटुक, पु० पटोल । सुगन्धितृण-विशेष । कुटजवृक्ष । अर्कवृक्ष । राजिका ॥ परवल । एकप्रकारके सुगन्धितृण । कुडावृक्ष । आकका वृक्ष । राई ।

कटुकन्द, पु० शिग्रुवृक्ष । आर्द्रक । रसोन सैजिनेकावृक्ष । अदरख । लहशन ।

कटुकफल, न० कक्कोलक ॥ शीतलचीनी ।

कटुकरोहिणी, स्त्री० कटुकी ॥ कुटकी ।

कटुका, स्त्री० कटुकी । क्षुद्रचञ्चुवृक्ष । ताम्बूली कटुतुम्बी । लताकस्तूरी ॥ कुटकी । छोटाचञ्चुवृक्ष । पान । कडवीतोम्बी । मुष्कदाना-लताकस्तूरी ।

कटुकपाणि, पु० काकमाची ॥ मकोय ।

कटुकालाबु, पु० कटुतुम्बी ॥ कडवीतोम्बी ।

कटुकी, स्त्री० कटुका ॥ कुटकी ।

कटुग्रंथि, न० पिप्पलीमूल । शुण्ठी ॥ पीपरामूल । सोंठ ।

कटुचातुर्जातक, न० एला १ तेजपत्र २ गुडत्वक् ३ मरिच ४ ॥ इलायची १ तेजपात २ दालचीनी ३ मिरच ४ ।

कटुच्छद, पु० तगरवृक्ष ॥ तगरपुष्प वृक्ष ।

कटुतिक्तक, पु० शणवृक्ष । भूनिम्ब ॥ सनवृक्ष ॥ चिरायता ।

कटुतिक्तिका, स्त्री० कटुतुम्बी ॥ कडवी तोम्बी ।

कटुतुण्डी, स्त्री० लता-विशेष ॥ कडवीतोरई ।

कटुतुम्बी, स्त्री० तिक्तफललता-विशेष ॥ कडवीतोम्बी, तितलौकी ।

कटुत्रय, न० त्रिकटु ॥ सोंठ १ मिरच २ पीपल ३ ।

कटुदला, स्त्री० कर्कटी ॥ ककडीभेद ।

कटुनिष्पाव, पु० नदीनिष्पाव धान्य ॥ निष्पाव धानभेद ।

कटुपत्र, पु० पर्पट । सितार्जक ॥ दवनपापरा । पित्तपापरा सफेद तुलसी ।

कटुपत्रिका, स्त्री० कारीवृक्ष ॥ कण्टकारी वङ्गभाषा ।

कटुफल, पु० पटोल । परवल ।

कटुभङ्ग, पु० शुण्ठी ॥ शोंठ ।

कटुभद्र, न० शुण्ठी । आर्द्रक ॥ शोंठ । अदरख ।

कटुमंजरिका, स्त्री० अपामार्ग ॥ चिरचिरा ।

कटुमोद, न० सुगन्धिद्रव्य-विशेष ॥ जवादि ।

कटुम्बरा, स्त्री० कटुका । राजबला ॥ कुटकी । प्रसारणी ।

कटुर, न० तक्र घोल ।

कटुरोहिणी, स्त्री० कटुकी । कुटकी ।

कटुवार्त्ताकी० स्त्री० श्वेत कण्टकारी । सफेद कटेरी ।

कटुबीजा, स्त्री० पिप्पली ॥ पीपल ।

कटुशृगाल, न० गौरसुवर्णशाक ॥ चित्रकूट-देशप्रसिद्ध शाक ।

कटुस्नेह, पु० सर्षप । श्वेतसर्षप ॥ सर्सो । सफेदसर्सो ।

कटूत्कट, न० आर्द्रक ॥ अदरख ।

कटूत्कटक न० शुण्ठी ॥ सोंठ ।

कट्फल, पु० स्वनामख्यात फलवृक्ष–विशेष ॥ कायफल ।

कट्फल, न० कङ्कोलक ॥ शीतल चीनी ।

कट्फला, स्त्री० गम्भारीवृक्ष । बृहती । काकमाची । देवदाली । वार्त्ताकी । मृगेर्वारु ॥ कम्भारी, खुमेर । कटाई । मकोय । घघरवेल, वंदाल । कटेरी । सेँधिनी ।

कट्वङ्ग, पु० श्योनाकवृक्ष ॥ अरलु टेंटूँ ।

कट्वर, न० दधिसर । तक्र ॥ दहिकीमलाई । छाछ ।

कट्वी, स्त्री० कटुका ॥ कुटकी ।

कठिञ्जर, पु० तुलसीवृक्ष ॥ तुलसीकापेड ।

कठिना, स्त्री० गुडशर्करा ॥ चीनी ।

कठिनिका, स्त्री० खडी ॥ खडियामाटी वा सेलखडी ।

कठिनी, स्त्री० ऐ ।

कठिल्ल, पु० कारवेल्ल ॥ करेली ।

कठिल्लक, पु० कारवेल्ल । रक्तपुनर्नवा तुलसी ॥ करेला । गदहपूर्ना, साँठ । तुलसीवृक्ष ।

कडक, न० सामुद्रलवण ॥ समुद्रनोन ।

कडङ्ग, न० सुरा–विशेष ॥ एकप्रकारकीमदिरा ।

कडङ्गी, स्त्री० कलम्बिशाक ॥ कलम्बी, कलमीशाक ।

कण, पु० वनजीरक ॥ वनजीरा कालाजीरी ।

कणगुग्गुलु, पु० गुग्गुलभेद ॥ कणगूगल ।

कणजीर, पु० श्वेतजीरक ॥ सफेदजीरा ।

कणजीरक, न० क्षुद्रजीरक ॥ छोटाजीरा ।

कणा, स्त्री० जीरक । पिप्पली । श्वेतजीरक ॥ जीरा । पीपल । सफेदजीरा ।

कणिक, पु० शुष्कगोधूमचूर्ण ॥ सूर्जी–दाना ।

कणिका, स्त्री० अग्निमन्थवृक्ष ॥ अरणी ।

कणेर, पु० कर्णिकारवृक्ष ॥ कनेर ।

कणेरु, पु० ऐ ।

कण्टकद्रुम, पु० शाल्मलिवृक्ष ॥ सेमरकावृक्ष ।

कण्टकप्रावृता, स्त्री० घृतकुमारी ॥ घिकुवार ।

कण्टकफल, पु० पनसवृक्ष । गोक्षुरवृक्ष ॥ कटहर । गोखुरु ।

कण्टकवृन्ताकी, स्त्री० वार्त्ताकी ॥ कटाई ।

कण्टकश्रेणी, स्त्री० कण्टकारी ॥ कटेरी ।

कण्टकाढ्य, पु० कुब्जकवृक्ष ॥ कूँजावृक्ष ।

कण्टकारिका, स्त्री० कण्टकारी ॥ कटेरी ।

कण्टकारी, स्त्री० क्षुद्रवृक्ष–विशेष । शाल्मलिवृक्ष । विकंकतवृक्ष ॥ कटेरी । सेमरकावृक्ष । कण्टाई–विकङ्कतवृक्ष ।

कण्टकाल, पु० पनसवृक्ष ॥ कटहर कठैल ।

कण्टकालुक, पु० यवासवृक्ष ॥ जवासावृक्ष ।

कण्टकाष्ठ, पु० शाल्मलिवृक्ष ॥ सेमरकावृक्ष ।

कण्टकिनी, स्त्री० वार्त्ताकी । शोणझिण्टी । मधुखर्जूरी ॥ कटेरी । पीलेफूलकीकटसरैया । मिठीखजूर ।

कण्टकिफल, पु० पनसवृक्ष । समष्ठीलवृक्ष ॥ कटहर । कोकुआवृक्ष ।

कण्टकिल, पु० न० वंशविशेष ॥ बाँसभेद ।

कण्टकिलता, स्त्री० त्रपुषी ॥ क्षीरा–खीरा–बालमखीरा ।

कण्टकी [न्], पु० खदिरवृक्ष । बदरवृक्ष । मदनवृक्ष । गोक्षुरवृक्ष ॥ खैरकापेड । वेरीका पेड । मैनफलवृक्ष । गोखुरुवृक्ष ।

कण्टकी, स्त्री० वार्त्ताकी–विशेष ॥ कटेरीभेद ।

कण्टकीद्रुम, पु० खदिरवृक्ष ॥ खैरकापेड ।

कण्टकीफल, पु० पनसवृक्ष ॥ कठैलवृक्ष ।

कण्टकुरण्ट, पु० झिण्टी ॥ कटसरैयावृक्ष ।

कण्टतनु, स्त्री० बृहती ॥ कटाई ।

कण्टदला, स्त्री० केतकी ॥ केतकीवृक्ष ।

कण्टपत्र, पु० विकङ्कतवृक्ष ॥ कण्टाई ।

कण्टपत्रफला, स्त्री० ब्रह्मदण्डीवृक्ष ॥ ब्रह्मदण्डी औषधी ।

कण्टपाद, पु० विकङ्कतवृक्ष । कण्टाई ।

कण्टफल, पु० क्षुद्रगोक्षुर । पनस । धत्तूर । लताकरञ्ज । तेजःफल । एरण्ड ॥ छोटागोखुरु । कटहर । धत्तूरा । लताकरञ्ज । तेजवल । अण्डकावृक्ष ।

कण्टफला, स्त्री० देवदालीलता ॥ सोनैया, वंदाल ।

कण्टल, पु० तीक्ष्णकण्टकयुक्तवृक्ष–विशेष ॥ बबूर ।

कण्टवल्ली, स्त्री० शिववल्ली ॥ श्रीवल्लीवृक्ष ।

कण्टवृक्ष, पु० तेजःफलवृक्ष ॥ तेजवल ।

कण्टाफल, पु० पनसवृक्ष ॥ कटहर ।

कण्टार्त्तगला, स्त्री० नीलझिण्टी ॥ नीलकटसरैया ।

कण्टालु । पु० वंश । बृहती । वार्त्ताकी । बब्बूर ॥ बाँस । वरहण्टा । भटकटैया । बबूर ।

कण्टाह्वय, न० पद्मकन्द ॥ कमलकन्द ।
कण्टी [न्], पु० कलाप । अपामार्ग । खदिर । गोक्षुर ॥ मटर । चिरचिरा । खैर । गोखुरू ।
कण्ठ, पु० मदनवृक्ष ॥ मैनफलवृक्ष ।
कण्ठील, पु० शूरण ॥ जमीकन्द ।
कण्ठीरवी, स्त्री० वासकवृक्ष ॥ अडूसा-बाँसा ।
कण्डरा, स्त्री० महास्नायु । महानाडी ।
कण्डु, स्त्री० कण्डू ॥ सूखीखुजली ।
कण्डुर, पु० कारवेल्ललता ॥ करेला ।
कण्डुरा, स्त्री० अत्यम्लपर्णीलता । कपिकच्छू ॥ अत्यम्लपर्णी । कौंछ ।
कण्डू, स्त्री० रोग-विशेष ॥ सूखी-खुजली ॥
कण्डूकरी, स्त्री० शूकशिम्बी ॥ कौंछ-किवाँच ।
कण्डूघ्न, पु० आरग्वध । गौरसर्षप ॥ अमलतास । सफेदसर्सों ।
कण्डूरा, स्त्री० शूकशिम्बी ॥ कौंछ ।
कण्डूल, पु० शूरण ॥ जमीकन्द ।
कत, पु० कतकवृक्ष ॥ निर्म्मली ।
कतक, पु० बृक्ष-विशेष ॥ निर्म्मली ।
कतकफल, पु० कतकवृक्ष ॥ निर्म्मली ।
कत्तृण, न० सुगन्धितृण-विशेष । पृश्निपर्णी ॥ रोहिस सोधिया । पिठवन ।
कत्तोय, न० मद्य ॥ मदिरा ।
कदम्ब, पु० कदम्बवृक्ष । देवताडकतृण । सर्षप ॥ कदमका वृक्ष । देवताडकतृण । सर्सों ।
कदम्बक, पु० हरिद्रु सर्षप । कदम्ब ॥ हलदुआ वृक्ष । सर्सों । कदम्बवृक्ष ।
कदम्बद, पु० सर्षप ॥ सर्सों ।
कदम्बपुष्पा, स्त्री० मुण्डितिका ॥ गोरखमुण्डी ।
कदम्बपुष्पी, स्त्री० महाश्रावणिका वृक्ष ॥ बडी-गोरखमुण्डी ।
कदम्बी, स्त्री० देवदालीलता ॥ घघरबेल, सोंदाल ।
कदर, पु० श्वेतखदिर । क्षुद्ररोग-विशेष ॥ पपरिया-कत्था-सफेदखैर । कदर रोग ।
कदल, पु० कदलीवृक्ष । पृश्निपर्णी ॥ केलावृक्ष । पिठवन ।
कदलक, पु० कदलीवृक्ष ॥ केलावृक्ष ।
कदला, स्त्री० शाल्मलिवृक्ष । पृश्निपर्णी ॥ सेमरका वृक्ष । पिठवन ।
कदली, स्त्री० स्वनाम प्रसिद्ध औषधीवृक्ष-विशेष ॥ केलावृक्ष ।
कदाख्य, न० कुष्ठनामौषध ॥ कूठ ।
कनक, न० सुवर्ण ॥ सोना ।
कनक, पु० पलाशवृक्ष । नागकेसरवृक्ष । धुस्तूरवृक्ष । काञ्चनालवृक्ष । कालीयवृक्ष । चम्पकवृक्ष । कासमर्दवृक्ष । कणगुग्गुलुवृक्ष । लाक्षातरु ॥ ढाकवृक्ष । नागकेशर वृक्ष । धतूरेका वृक्ष । लालकचनारवृक्ष । कलम्बक पीलाचन्दन । चम्पावृक्ष । कसोंदीवृक्ष । कणगूगल । पलासभेद ।
कनकफल, न० जयपाल । धुस्तूरफल ॥ जमाल गोटा । धतूरेकेफल ।
कनकप्रभा, स्त्री० महाज्योतिष्मती ॥ बडीमाल-काङ्गनी ।
कनकप्रसवा, स्त्री० स्वर्णकेतकी ॥ केतकी ।
कनकरम्भा, स्त्री० स्वर्णकदली ॥ पीलाकेला ।
कनकरस, पु० हरिताल ॥ हरताल ।
कनकलोद्भव, पु० राल ॥ राल ।
कनकक्षार, पु० टङ्कण ॥ सुहागा ।
कनकारक, पु० कोविदारवृक्ष ॥ लालकचनारवृक्ष ।
कनकाह्व, न० नागकेशर पुष्पवृक्ष ॥ नागकेशर ।
कनकाह्वय, पु० धुस्तूरवृक्ष ॥ धतूरेकावृक्ष । नागकेशर ।
कनिष्ठक, न० शूकतृण ॥ शूकडितृण ।
कनीचि, स्त्री० गुञ्जा ॥ घुँघुची, चोटली ।
कनीयस, न० ताम्र ॥ ताबाँ ।
कन्थारी, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ कन्थारी ।
कन्द, पु० न० शूरण । पिण्डमूल । पद्मकन्द ॥ जमीकन्द । सलगम । भसीडा, कमलकन्द ।
कन्द, पु० योनिरोग-विशेष ॥ योनिकन्द ।
कन्दगुडूची, स्त्री० गुडूची-विशेष ॥ कन्दगिलोय ।
कन्दट, न० श्वेतोत्पल ॥ सफेदकुमुद ।
कन्दफला, स्त्री० क्षुद्रकारवेल्लि ॥ करेलीभेद ।
कन्दमूल, न० मूलक ॥ मूली ।
कन्दर, न० आर्द्रक ॥ अदरख ।
कन्दराल, पु० गर्द्दभाण्डवृक्ष । प्लक्षवृक्ष । आखोट वृक्ष ॥ पारिसपीपल । पाखरका वृक्ष । अखरोटका वृक्ष ।
कन्दरालक, पु० प्लक्षवृक्ष ॥ पाकुरवृक्ष ।
कन्दरोद्भवा, स्त्री० क्षुद्रपाषाणभेद ॥ छोटापाखानवृक्ष ।
कन्दर्पजीव, पु० कामवृद्धि क्षुप ॥ कामज कर्णाटक देशीयभाषा ।
कन्दलता, स्त्री० मालाकन्द ॥ मालाकन्द ।
कन्दली, स्त्री० कदली । पद्मबीज ॥ केला । कमल-गट्टा ।
कन्दलीकुसुम, न० कदलीपुष्प ॥ केलेकाफूल ।

कन्दवर्द्धन, पु० शूरण ॥ जमीकन्द ।
कन्दवल्ली, स्त्री० वन्ध्याककोंटकी ॥ वाँझखखसा । वनककोडा ।
कन्दबहुला, स्त्री० त्रिपर्णिका ॥ त्रिपर्णीकन्द ।
कन्दशूरण, पु० ओल्ल ॥ जमीकन्द ।
कन्दसंज्ञः, पु० योन्यर्श ॥ योनिरोग ।
कन्दार्ह, पु० शूरण ॥ शूरन ।
कन्दालु, पु० कासालु । धरणीकन्द । त्रिपर्णिका ।
कन्दिरी, स्त्री० लज्जालुवृक्ष ॥ लज्जावन्ती–छुईमुई ।
कन्दी [न्], पु० शूरण ॥ जमीकन्द ।
कन्दोट, न० नीलोत्पल ॥ नीलकमल ।
कन्दोट, पु० शुक्लोत्पल ॥ सफेदकमल ।
कन्दोत, पु० कुमुद ॥ कमोदनी ।
कन्धर, पु० मारिषवृक्ष ॥ मरसावृक्ष ।
कन्धरा, स्त्री० ग्रीवा ॥ गरदन ।
कन्या, स्त्री० घृतकुमारी । स्थूलैला । वाराहीकन्द । वन्ध्याकर्कोटकी ॥ घिकुवार । बडीइलायची । गेंठीवृक्ष । वाँझखखसा ।
कपटिनी, स्त्री० चीडानामगन्धद्रव्य ॥ चीढ ।
कपटेश्वरी, स्त्री० श्वेतकण्टकारी ॥ सफेदकटेरी ।
कपर्द, पु० वराटक ॥ कौडी ।
कपर्दक, पु० ऐ ।
कपाल, पु० न० शिरोअस्थि । कुष्ठरोग–विशेष ॥ सिरकीखोपडी । एकप्रकारकाकोढ ।
कपि, पु० करञ्ज–विशेष । सिह्लक ॥ एकप्रकारकीकरञ्ज । सिलारस ।
कपिक, पु० सिह्लक ॥ शिलारस ।
कपिकच्छु, स्त्री० शूकशिम्बी ॥ कौंछ ।
कपिकच्छुफलोपमा, स्त्री० जतुकालता ॥ पद्मावती ।
कपिकच्छुरा, स्त्री० कपिकच्छु ॥ कौंछ ।
कपिका, स्त्री० नीलासिन्दुबारवृक्ष ॥ निर्गुण्डी ।
कपिकोलि, पु० कोलि–विशेष ॥ वेरभेद ।
कपिचूडा, स्त्री० आम्रातकवृक्ष ॥ अम्बाडावृक्ष ।
कपिचूत, पु० ऐ ।
कपिज, पु० शिह्लक ॥ शिलारस ।
कपिञ्जल, पु० चातकपक्षी । तित्तिरीपक्षी ॥ पपिहा । तीतर ।
कपितैल, न० तुरुष्कनामगन्धद्रव्य ॥ शिलारस ।
कपित्थ, पु० वृक्ष–विशेष ॥ कैथ ।
कपित्थत्वक्, न० एलवालुक ॥ एलुआ ।
कपित्थपर्णी, स्त्री० वृक्षविशेष ।
कपिनामा [न्], पु० सिह्लक ॥ शिलारस ।
कपिपिप्पली, स्त्री० रक्तापामार्ग । सूर्य्यावर्त्तवृक्ष ॥ लालचिरचिरा । हुरहुज ।
कपिप्रभा, स्त्री० कपिकच्छु ॥ कौंछ ।
कपिप्रिय, पु० आम्रातक । कपित्थ ॥ अम्बाडा । कैथ ।
कपिल, पु० सिह्लक ॥ शिलारस ।
कपिलद्राक्षा, स्त्री० द्राक्षा–विशेष ॥ किसमिस् । वा अङ्गूर भूरेरङ्गकीदाख मुनक्का फार्सी ।
कपिलद्रुम, पु० काक्षीनामकसुगन्धिकाष्ठ ॥ काक्षी ।
कपिलशिंशपा, स्त्री० शिंशपावृक्ष–विशेष ॥ कपिलवर्णसीसोकावृक्ष ।
कपिला, स्त्री० भस्मगर्भाशिंशपा । रेणुकानामगन्धद्रव्य । घृतकुमारी । शिंशपा । राजरीति ॥ भूरेरङ्गकासीसोंकावृक्ष । रेणुका । घिकुवार । सीसोंवृक्ष । पीतलभेद ।
कपिलाक्षी, स्त्री० मृगेर्व्वारु । कपिलाशिंशपा ॥ सेधनी । सीसोंकावृक्ष ।
कपिलोमफला, स्त्री० कपिकच्छु ॥ कौंछ ।
कपिलोमा, स्त्री० रेणुका ॥ रेणुक, रेणुका ।
कपिलोह, न० पित्तल ॥ पीतल ।
कपिल्लिका, स्त्री० गजपिप्पली ॥ गजपीपर ।
कपिवल्ली, स्त्री० ऐ ।
कपिश, पु० सिह्लक । आम्रातक ॥ शिलारस । अम्बाडा ।
कपिशीर्षक, पु० हिङ्गुल ॥ हिङ्गुलु–सिङ्गरफ फार्सी ।
कपिहस्तक, पु० कपिकच्छु ॥ किवांच ।
कपीकच्छु, स्त्री० कपिकच्छु ॥ कौंछ ।
कपीज्य, पु० क्षीरिकावृक्ष ॥ खिरनीकापेड ।
कपीत, पु० श्वेतबुह्लावृक्ष ॥ श्वेतचोना व० भा० ।
कपीतन, पु० शिरीषवृक्ष । आम्रातकवृक्ष । बिल्ववृक्ष । अश्वत्थवृक्ष । गुवाकवृक्ष । गर्दभाण्डवृक्ष ॥ सिरसकापेड । अम्बाडावृक्ष । बेलवृक्ष । पीपलकावृक्ष । सुपरीकावृक्ष । पारिसपीपल ।
कपीष्ठ, पु० राजादनीवृक्ष । कपित्थ ॥ खिरनीवृक्ष । कैथवृक्ष ।
कपोत, पु० पारावत ॥ परेवा–कबूतर ।
कपोतक, न० सौवीराञ्जन ॥ सफेदशुर्म्मा ।
कपोतचरणा, स्त्री० नलिका ॥ नली ।
कपोतवङ्का, स्त्री० ब्राह्मी ॥ ब्रह्मीघास ।
कपोतवर्णा, स्त्री० सूक्ष्मैला ॥ गुजरातीइलायची ।

कपोतत्राणा, स्त्री० नलिकानामगन्धद्रव्य-विशेष॥ नली ।
कपोतसार, पु० स्रोतोंजन ॥ शुर्म्मा ।
कपोताङ्घ्रि, स्त्री० नलिका ॥ पवारी ।
कपोल, पु० गण्ड ॥ गाल ।
कफ, पु० शरीरस्थधातु-विशेष । अब्धिकफ ॥ कफ । समुद्रफेन ।
कफघ्नी, स्त्री० हपुषाभेद ॥ हाऊबेर ।
कफणि, पु० कफोणि ॥ कोनी ।
कफवर्द्धन, पु० पिण्डितगर, ॥ कोकणदेशकी तगर ।
कफरोधि [न्], न० मरिच ॥ मिरच ।
कफान्तक, पु० वर्घूरवृक्ष ॥ बबूरकावृक्ष ।
कफारि, पु० शुण्ठी ॥ सोंठ ।
कफोणि, पु० भुजमध्यग्रन्थि ॥ कोनी ।
कवित्थ, पु० कपित्थवृक्ष ॥ कैथकावृक्ष ।
कमण्डलु, पु० न० प्लक्षवृक्ष ॥ पाखरवृक्ष ।
कमण्डलुतरु, पु० ऐ० ।
कमन, पु० अशोकवृक्ष ॥ अशोकवृक्ष ॥
कमल, न० पद्म । जल । ताम्र । औषध । क्लोम ॥ कमलपुष्प । जल । तामा । औषधी । फुप्फुस् ।
कमला, स्त्री० मिष्टजम्बीर ॥ मीठानींबु-हिन्दि । कमलालेबु वङ्गभाषा ।
कमलोत्तर, न० कुसुम्भपुष्प ॥ कसूमकेफूल ।
कम्प, पु० गात्रादिचलन ॥ कंप-कंपना कांपना ।
कम्पिल, कम्पिल्ल, पु० गुण्डारोचनी ॥ कवीला ।
कम्पिल्लक, पु० वृक्ष-विशेष । गुंडारोचनी । एकप्रकारकावृक्ष । कवीलाऔषधी ।
कम्बु, पु० न० शंख ॥ शंख ।
कम्बुका, स्त्री० अश्वगन्धावृक्ष ॥ असगन्ध ।
कम्बुकाष्ठा, स्त्री० ऐ ।
कम्बुपुष्पी, स्त्री० शंखपुष्पी ॥ शंखाहुली ।
कम्बुमालिनी, स्त्री० ऐ ।
कम्भारी, स्त्री० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ कम्भारी, खुमेर ।
कम्भु, न० उशीर ॥ खस ।
कयस्था, स्त्री० काकोली ॥ काकोली अष्टवर्गमें की औषधी ।
करक, पु० दाडिमवृक्ष । करञ्जवृक्ष । पलासवृक्ष । कोविदारवृक्ष । बकुलवृक्ष । नारिकेलास्थि । करीरवृक्ष ॥ अनारवृक्ष । करञ्जुआ, कञ्जा । पलाश-ढाक । लालकचनारवृक्ष । नारियलोंकी माला । करीलवृक्ष ।
करकाम्भाः [स्], पु० नारीकेलवृक्ष ॥ नारियलवृक्ष ।
करङ्कशालि, पु० करङ्क नामकइक्षु॥ पुण्ड्रकईख।
करच्छद, पु० शाखोटवृक्ष ॥ सहोरावृक्ष ।
करच्छदा, स्त्री० सिन्दूरपुष्पीवृक्ष ॥ सिन्दूरियावृक्ष
करज, न० व्याघ्रनखनामकगन्धद्रव्य । नखी ।
करज, पु० करञ्जवृक्ष ॥ कञ्जावृक्ष ।
करजाख्य, पु० नखीनामगन्धद्रव्य ॥ नखी ।
करज्योडि, पु० हस्तजोडिवृक्ष ॥ हातजोडी । हत्थाजोडी । हत्थाजूडी ।
करञ्ज, पु० वृक्ष-विशेष ॥ करञ्जुआ, कञ्जा ।
करञ्जक, पु० करञ्जवृक्ष । भृङ्गराजवृक्ष ॥ कञ्जावृक्ष । भङ्गरावृक्ष ।
करञ्जफलक, पु० कपित्थवृक्ष ॥ कैथका वृक्ष ।
करट, पु० कुसुम्भवृक्ष ॥ कसूमकावृक्ष ।
करण्ड, पु० मधुकोष । मुहाल, सहतकी मक्खियोंकाघर ।
करद्रुम, पु० कारस्करवृक्ष ॥ कुचलावृक्ष ।
करपत्रवान् [त], पु० तालवृक्ष ॥ ताडकावृक्ष।
करपर्ण, पु० भिण्डावृक्ष रक्तैरण्ड ॥ भिण्डीकावृक्ष। लालअण्डकापेड ।
करभ, पु० नखनामकगन्धद्रव्य । सूर्य्यावर्त्त ॥ नख । हुरहुरवृक्ष ।
करभकाण्डिका, स्त्री० उष्ट्रकाण्डी ॥ ऊँटकाण्डवृक्ष ।
करभप्रिया, स्त्री० क्षुद्रदुरालभा ॥ छोटाधमासा ।
करभवल्लभ, पु० कपित्थवृक्ष । पीलुवृक्ष । कैथका वृक्ष । पीलुकापेड ।
करभादनी, स्त्री० क्षुद्रदुरालभा ॥ छोटाधमासा ।
करमद, पु० गुवाकवृक्ष ॥ सुपारीकावृक्ष ।
करमर्द, पु० करमर्दक ॥ करोंदा ।
करमर्दक, पु० ऐ ।
करमर्दी, स्त्री० करमर्दकवृक्ष ॥ करोंदा-दी ।
करम्भा, स्त्री० शतावरी । प्रियङ्गुवृक्ष ॥ शतावर । फूलप्रियङ्गु ।
करवी, स्त्री० हिङ्गुपत्री ॥ हीङ्गपत्री ।
करवीर, पु० स्वनामख्यातवृक्ष-विशेष ॥ कनेर ।
करवीरक, पु० अर्जुनवृक्ष । करवीरमूल ॥ कोहवृक्ष । कनेरकीजड ।
करवीरभुजा, स्त्री० आढकीवृक्ष ॥ अडहरवृक्ष ।
कररी, स्त्री० बर्बरी ॥ वनतुलसी ।
करहाट, पु० पद्ममूल । मदनवृक्ष । महापिण्डीतरु ॥ मैनफलवृक्ष । मैनफलभेद ।

करहाटक, पु० मदनवृक्ष ॥ मैनफल ।
करामर्द, पु० करमर्दवृक्ष ॥ करौंदा ।
कराम्बुक, पु० कृष्णपाकफल ॥ पानीआमला ।
कराम्लक, पु० करमर्दवृक्ष ॥ करोंदा ।
कराल, न० कृष्णकुठेरक ॥ कालीतुलसी ।
करालक, पु० कृष्णतुलसी ॥ कालीतुलसी ।
कराला, स्त्री० शारिवा॥ करियावासाऊं।कालीसर।
करिकणा, स्त्री० गजपिप्पली ॥ गजपीपल ।
करिकणावल्ली, स्त्री० चविकावृक्ष ॥ चव्य ।
करिपत्र, न० तालीसपत्र ॥ तालीसपत्र ।
करिपिप्पली, स्त्री० गजपिप्पली ॥ गजपीपल ।
करिर, पु० न० करीर ॥ करील ।
करीर, पु० न० वंशाङ्कुर ॥ बाँसकाछडका ।
करीर, पु० कण्टकयुक्तवृक्ष–विशेष ॥ करील ।
करीष, पु० न० शुष्कगोमय ॥ सूखागोबर ।
करुण, पु० वृक्ष–विशेष ॥ कन्नानीबू ।
करुणमल्ली, स्त्री० नवमाल्लिका ॥ नेवारी ।
करुणी, स्त्री० पुष्पवृक्ष–विशेष ॥ "ककरखिरुणी"। कोकणीभाषा ।
करेणु, पु० कर्णिकारवृक्ष ॥ कनेर ।
करेन्दुक, पु० भूस्तृण ॥ शरवान ।
करेवर, पु० तुरुष्क ॥ शिलारस ।
करोटि, स्त्री० शिरोअस्थि ॥ शिरकी खोपडी ।
कर्क, कर्कट, पु० वृक्ष–विशेष ॥ काकडाशिङ्गी।
कर्कटश्रृङ्गिका, स्त्री० कर्कटशृङ्गी ॥ काकडाशिङ्गी ।
कर्कशृङ्गी, स्त्री० ऐ ।
कर्कटाख्या, स्त्री० ऐ ।
कर्कटाह्व, पु० बिल्ववृक्ष ॥ बेलकावृक्ष ।
कर्कटाह्वा, स्त्री० कर्कटशृङ्गी ॥ काकराशिङ्गी ।
कर्कटि, स्त्री० कर्कटी । सपुरियाकूष्माण्ड ॥ ककडी । विलायतीपेठा–कौल ॥
कर्कटिनी, स्त्री० दारुहरिद्रा ॥ दारहलदी ।
कर्कटी, स्त्री० शाल्मलीफल । देवदालीलता । कर्कटशृङ्गी । एर्वारु । घोटिकावृक्ष । फललता–विशेष ॥ तेजःफल । घघरवेल-सोनैया । काकडाशिङ्गी । बडीककडी । घोटिकावृक्ष । ककडी ।
कर्कन्धु, पु० स्त्री० कोलिवृक्ष॥ बेरीकावृक्ष । छो। टाबेरीकावृक्ष ।
कर्कन्धू, पु० स्त्री० बदरीवृक्ष ॥ बेरीकावृक्ष ।
कर्कश, पु०कम्पिल्लवृक्ष। कासमर्द। इक्षु । वृश्चिकालीवृक्ष ॥ कबीलाऔषधी । कसोंदी । ईख । वृश्चिकाली ।
कर्कशच्छद, पु० पटोल । शाखोटवृक्ष ॥ परवल सहोरावृक्ष ।
कर्कशच्छदा, स्त्री० कोषातकी ॥ तोरई ।
कर्कशदल, पु० पटोल ॥ परवल ।
कर्कशदला, स्त्री० दग्धावृक्ष॥ कुरुई देशान्तरीय-भाषा ।
कर्कशा, स्त्री० वृश्चिकालीवृक्ष ॥ वृश्चिकाली ।
कर्कशिका, स्त्री० वनबदरी ॥ वनजातबेर।
कर्कारु, पु० कूष्माण्ड ॥ कोहडा ।
कर्कारुक, पु० कालिङ्गवृक्ष । भिलयाकद्दू पीत-कुष्माण्ड ॥ तखूज ।
कर्कोटक, पु० बिल्ववृक्ष । फललता–विशेष । इक्षु ॥ बेलकापेड । ककोडा । ईख ।
कर्कोटकी, स्त्री० पीतघोषावृक्ष।फलशाक–विशेष॥ नेनुआतोरई । ककोडा ।
कर्कोटिका, स्त्री० कर्कोटक ॥ कूष्माण्डी ।
कर्कोटी, स्त्री० कर्कोटकी ॥ ककोडा ।
कर्च्चूर, न० स्वर्ण ॥ सोना ।
कर्च्चूर, पु० वृक्ष–विशेष ॥ कचूर ।
कर्च्चूरक, पु० कर्बूरक ॥ आमियाहलदी ।
कर्णकण्डु, पु० कर्णरोग–विशेष॥कानकी खुजली
कर्णगूथ, न० कर्णमल ॥ कानकामैल ।
कर्णगूथक, पु० कर्णरोग–विशेष ॥ कर्णगूथक ।
कर्णपुष्प, पु० मोरट ॥ मोरटलता ।
कर्णपूर, पु० शिरीषवृक्ष । नीलोत्पल । अशोक-वृक्ष ॥ सिरसकावृक्ष । नीलकमल । अशोकका-वृक्ष ।
कर्णपूरक, पु० कदम्बवृक्ष ॥ कदमका वृक्ष ।
कर्णप्रतिनाह, पु० कर्णरोग–विशेष ॥ कर्णरोग ।
कर्णशूल, पु० कर्णरोग–विशेष ॥ कर्णशूल ।
कर्णसंस्राव, पु० कर्णरोग–विशेष॥ एकप्रकारका कानकारोग ।
कर्णस्फोटा, स्त्री० लता–विशेष ॥ कनफोडावेल।
कर्णक्ष्वेड, पु० कर्णरोग–विशेष ॥ कनछेडरोग ।
कर्णाटी, स्त्री० हंसपदीवृक्ष ॥ लालरङ्गकालज्वालु ।
कर्णाभरणक, पु० आरग्वधवृक्ष ॥ अमलतास ।
कर्णारि, पु० नदीसर्ज्जवृक्ष ॥ कोह ।
कर्णिका, स्त्री० पद्मबीजकोष । अग्निमन्थवृक्ष अजशृङ्गीवृक्ष ॥ कमलगट्टेका घर । अगेथुवृक्ष मेढाशिङ्गी ।
कर्णिकार, पु० वृक्ष–विशेष। स्थलपद्म।आरग्वध–विशेष ॥ कनेर । गेंदेकावृक्ष । अमलतासभेद ।
कर्दमी, स्त्री० मुद्गरवृक्ष ॥ मोगरावृक्ष ।

कर्पराल, पु० कन्दराल ॥ अखरोट ।
कर्परिकातुत्थ, न० तुत्थ-विशेष ॥ एक प्रकार का तूतिया ।
कर्परी, स्त्री० क्वाथोद्भवतुत्थ ॥ दारहलदीके क्वाथका-तूतिया । रसोत ।
कर्पास, पु० न० कार्पास ॥ कपास ।
कर्पासी, स्त्री० कार्पास ॥ कपास ।
कर्पूर, पु० न० स्वनामख्यात सुगन्धिद्रव्य ॥ कपूर कर्पूर ।
कर्पूरतैल, न० कर्पूरस्नेह ॥ कपूरकातेल ।
कर्बुदार, पु० कोविदार । श्वेतकाञ्चन । नीलझिण्टी ॥ लालकचनार । सफेदकचनार । नीली कटसरैया ।
कर्बुदारक, पु० श्लेष्मान्तकवृक्ष ॥ लिहसोडा ।
कर्बुर, न० स्वर्ण । धुस्तूरवृक्ष । जल ॥ सोना । धतूरेकावृक्ष । जल ।
कर्बुर, पु० शटी । नदीनिष्पावधान्य ॥ कचूर । नदीनिष्पावधान ।
कर्बूरफल, पु० साकुरुण्डवृक्ष ॥ सकुरुण्डर ।
कर्बुरा, स्त्री वर्वरी । कृष्णवृन्ता । वनतुलसी । पाडर ।
कर्बूर, न० स्वर्ण । हरिताल ॥ सोना । हरताल ।
कर्ब्बूर, पु० शटी । द्राविडक ॥ अमियाहलदी । काचाँहरिद्रावङ्गभाषा ।
कर्ब्बूरक, पु० हरिद्राभक्ष । कृष्णहरिद्रा । कर्पूरहरिद्रा॥ काँचीहलदी । कालीहलदी । कपूरहलदी ।
कर्म्मज, पु० वटवृक्ष ॥ वड़वृक्ष ।
कर्म्मफल, पु० कर्म्मरङ्ग ॥ कमरख ।
कर्म्मशूल, न० कुशतृण ॥ कुशाघास ॥
कर्म्मरङ्ग, पु० न० फलवृक्ष-विशेष ॥ कमरख ।
कर्म्मरी, स्त्री० वंशलोचना ॥ वंशलोचन ।
कर्म्मार, पु० वंश । कर्म्मरङ्ग ॥ बाँस । कमरख ।
कर्ष, पु० न० तोलकद्वय ॥ २ तोले परिमाण ।
कर्ष, पु० विभीतकवृक्ष ॥ बहेडावृक्ष ।
कर्षिणी, स्त्री० क्षीरिणीवृक्ष ॥ काञ्चनक्षीरी ।
कर्षफल, पु० विभीतकवृक्ष ॥ बहेडावृक्ष ।
कर्षफला, स्त्री० आमलकी । हरीतकी॥ आमला । हरड ।
कर्षिणी, स्त्री० क्षीरिणीवृक्ष ॥ काञ्चनक्षीरी ।
कल, न० शुक्र । कोलिवृक्ष ॥ वीर्य्य । बेरीकावृक्ष ।
कल, पु० सालवृक्ष ॥ सखुआवृक्ष, सागोनवृक्ष,
कलकल, पु० शालनिर्य्यास ॥ राल ।
कलञ्ज, पु० ताम्रकूट ॥ तमाखूकावृक्ष ।
कलधूत, न० रूप्य ॥ रूपा ।
कलधौत, न० स्वर्ण । रजत । सोना । चाँदी ।
कलन, पु० वेतसवृक्ष ॥ बेतकावृक्ष ।
कलन्धु, स्त्री० घोलीशाक॥घोलीकाशाक नोनियाभेद
कलभ, पु० धुस्तूरवृक्ष ॥ धतूरेकावृक्ष ।
कलभवल्लभ, पु० पीलुवृक्ष ॥ पीलुवृक्ष ।
कलभी, स्त्री० चञ्चु ॥ चेंचुनाशाक ।
कलम, पु० स्वनामख्यातशालिधान्य-विशेष ॥ कलमीधान ।
कलमोत्तम, पु० गन्धशालि ॥ गन्धयुक्तशालिधान।
कलम्ब, पु० शाकनाड़िका । कदम्ब । शर ॥ शाककाडंठा । कदम्ववृक्ष । रामसर ।
कलम्बक, पु० धाराकदम्ब । कलम्बीशाक ॥ धाराकदमवृक्ष । कलंबीशाक ।
कलम्बिका, स्त्री० कलम्बीशाक । ग्रीवापश्चान्नाडी॥ कलम्बीशाक । गरदनके पीछेकीनाड़ी ।
कलम्बी, स्त्री० जलजशाक-विशेष॥ कलमीशाक ॥
कलम्बुट, पु० नवनीत ॥ नैनीघी ।
कलम्बू, स्त्री० कलम्बीशाक ॥ कलमीशाक ।
कलल, पु० न० जरायु । गर्भवेष्टनचर्म्म ।
कललज, पु० राल ॥ राल ।
कललजोद्भव, पु० शालवृक्ष ॥ सालवृक्ष ।
कलविङ्क, पु० चटकपक्षी ॥ गौरापक्षी ।
कलशि, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन ।
कलशी, स्त्री० ऐ ।
कलस, पु० द्रोणपरिमाण ॥ ३२ सेर ।
कलसि, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन ।
कलसी, स्त्री० ऐ ।
कलहनाशन, पु० पूतिकरञ्ज ॥ दुर्गंधवालीकरञ्ज
कलाकूल, न० विष ॥ विष ।
कलापिनी, स्त्री० नागरमुस्ता ॥ नागरमोथा ।
कलापी, [न्] पु० प्लक्षवृक्ष ॥ पिलखनकावृक्ष ।
कलामक, पु० कलमधान्य ॥ कलमीधान ।
कलाय, पु० शमीधान्य-विशेष ॥ मटर ।
कलाया, स्त्री० गण्डदूर्व्वा । मञ्जिष्ठा ॥ गाँडरदूब मजीठ ।
कलि, पु० विभीतकवृक्ष ॥ बहेडावृक्ष ।
कलिका, स्त्री० अस्फुटितपुष्प ॥ पुष्पकीकली ।
कलिकारक, पु० पूतिकरञ्ज ॥ दुर्गंधवालीकरञ्ज ।
कलिकारी, स्त्री उपविषभेद ॥ कलिहारी ।
कलिङ्ग, न० इंद्रयव ॥ इन्द्रजो ।
कलिङ्ग, पु० पूतिकरञ्ज । कुटजवृक्ष । शिरीषवृक्ष ।

प्लक्षवृक्ष ॥ दुर्गंधवालीकरञ्ज । कुडावृक्ष । सिरसकावृक्ष । पाखरवृक्ष ।
कलिङ्गक, पु० इन्द्रयव ॥ इन्द्रजो ।
कलिङ्गा, स्त्री० त्रिवृत् ॥ निसोत ।
कलिद्रुम, पु० विभीतकवृक्ष ॥ बहेडावृक्ष ।
कलिन्द, पु० ऐ ।
कलिफल, न० ऐ ।
कलिमाल्य, पु० पूतिकरञ्ज ॥ दुर्गंधकरञ्ज ।
कलिवृक्ष, पु० विभीतकवृक्ष ॥ बहेडावृक्ष ।
कल्क, पु० न० विभीतकवृक्ष । तुरुष्क । घृततैलादिशेष । शिलापिष्टद्रव्य ॥ बहेड़ावृक्ष । शिलारस। घी,तेलसेरहित । शिलाकी पिसी औषधि ।
कल्कफल, पु० दाडिमवृक्ष ॥ अनारकावृक्ष ।
कल्पक, पु० कर्च्चूर ॥ कचूर ।
कल्पनी, स्त्री० कर्त्तनी॥ कैंची कपड़ाकतरनेकी।
कल्माष, पु० गन्धशालि॥सुगंधशालिधान-हंसराज बाँसमतीइत्यादि ।
कल्य, न० मधु ॥ सहत ।
कल्या, स्त्री० मद्य । हरीतकी ॥ मदिरा । हरड ।
कल्याण, न० स्वर्ण ॥ सोना ।
कल्याणबीज, पु० मसूर ॥ मसूर धान ।
कल्याणिका, स्त्री० मनःशिला ॥ मनशिल ।
कल्याणिनी, स्त्री० बला ॥ खिरैंटी ।
कल्याणी, स्त्री० माषपर्णी ॥ मषवन ।
कवचपत्र, न० भूर्ज्जपत्र ॥ भोजपत्र ।
कवड, कवडग्रह, पु० कर्षपरिमाण ॥ २ तोले ।
कवयी, स्त्री० मत्स्य-विशेष ॥ कवई मच्छ ।
कवर, पु० न० लवण । अम्ल ॥ नून । खट्टा ।
कवरा, स्त्री० खरपुष्पा ॥ वनतुलसी ।
कवरी, स्त्री० वर्व्वरी । हिङ्गुपत्री ॥ वनतुलसी । हीङ्गपत्री ।
कवल, न० पद्म ॥ कमल । पु० कुल्लि । ग्रास ।
कवाटवक्र, न० वृक्ष-विशेष ॥ किवाडवेटु देशान्तरीयभाषा ।
कवार, न० पद्म ॥ कमल ।
कविका, स्त्री० केविकापुष्प । कवयीमत्स्य ॥ केवड़ा । कवईमच्छली ।
कवेल, पु० कुवलय । उत्पल॥ कमोदनी कुमुदनी ।
कवोष्ण, न० ईषदुष्ण ॥ थोड़ागरम ।
कशा, स्त्री० मांसरोहिणी ॥ रोहिणी-मांसरोहिनी ।
कशेरु, पु० न० पृष्ठास्थि ॥ पीठके मध्यकी हड्डीका डंडा ।
कशेरु, न० स्वनामख्यात तृणकन्दविशेष ॥ कसेरु।
कशेरुका, स्त्री० पृष्ठास्थि । कशेरु ॥ पीठकी हड्डी का दंडा । कशेरु ।
कशेरू, स्त्री० कशेरुक ॥ कशेरुकन्द ।
कषाय, पु० न० रस-विशेष ॥ कषायरस ।
कषाय, त्रि० धववृक्ष ॥ धौंवृक्ष ।
कषाय, पु० श्योनाकवृक्ष ॥ सोनापाठा-अरलु-टैटुँ ।
कषायकृत, पु० रक्तलोध्र ॥ लाललोध ।
कषाया, स्त्री० क्षुद्रदुरालभा ॥ छोटाधमासो ।
कषायी, [त्रि.] पु० शालवृक्ष । लकुचवृक्ष । खर्जूरवृक्ष ॥ सालकावृक्ष । बड़हरवृक्ष । खजूरकावृक्ष ।
कषेरुका, स्त्री० पृष्ठास्थि ॥ पीठकी बीचकी हड्डीका डंडा ।
कसतोत्पाटन, पु० वासकवृक्ष ॥ अडूसा ।
कसेरु, पु० कशेरुक ॥ कशेरुकन्द ।
कसेरुका, स्त्री० पृष्ठास्थि ॥ पीठकीहड्डीका डंडा ।
कस्तीर, न० रङ्ग ॥ राङ्ग ।
कस्तुरिका, स्त्री० कस्तूरी । मृगमद, मुश्क फारसी भाषा ।
कस्तूरिका, स्त्री० ऐ ।
कस्तूरी, स्त्री० मृगनाभि ॥ कस्तूरी ।
कस्तूरीमल्लिका, स्त्री० मृगमद वासा । कस्तूरीके रहनेकास्थान ।
कल्हार, न० श्वेतोत्पल ॥ कमोदनी ।
कक्ष, पु० बाहुमूल ॥ कोख-बगल ।
कक्षरुहा, स्त्री० नागरमुस्ता ॥ नागरमोथा ।
कक्षोत्था, स्त्री० भद्रमुस्ता ॥ भद्रमोथा ।
कक्ष्या, स्त्री० गुञ्जा ॥ घुंघुची ।
कांसीय, न० कांस्य ॥ काँसी ।
कांस्य, न० काँस्य ॥ काँसी, काँसा ।
काँस्यनील, पु० नीलतुत्थ ॥ नीलोथोथा ।
काककङ्गु, स्त्री० चीनक ॥ चीनाधान ।
काककला, स्त्री० काकजङ्घावृक्ष ॥ मसी ।
काकघ्नी, स्त्री० महाकरञ्ज ॥ बडीकरञ्ज ।
काकचिञ्चा, स्त्री० गुञ्जा ॥ घुँघुची ।
काकचिञ्चि, स्त्री० ऐ ।
काकचिञ्ची, स्त्री० ऐ ।
काकजंघा, स्त्री० स्वनामख्यातवृक्ष । गुञ्जा ॥ मसी । घुँघुची ।
काकजम्बु, काकजम्बू, स्त्री० भूमिजम्बू ॥ क्षुद्रजम्बू ॥ भुई जामुन । छोटीजामुन ।
काकण, न० कुष्ठविशेष ॥ एकप्रकारकाकोढ ।
काकणन्तिका, स्त्री० गुञ्जा ॥ घुँघुची ।
काकतिक्ता, स्त्री० गुञ्जा । काकजङ्घा ॥ घुँघुची। मसी ।
काकतिन्दुक, पु० वृक्ष-विशेष ॥ मकरतैंदुआ ।

काकतुण्ड, पु० कालागुरु ॥ कालीअगर ।
काकतुण्डिका, स्त्री० काकचिञ्चा ॥ चोटली ।
काकतुण्डी, स्त्री० वृक्षविशेष। राजरीति। काकादनी॥कौआठोडी । राजरीतिपीतल । काकादनी।
काकनामा।[न्.],पु० अगस्त्यवृक्ष ॥ हथियावृक्ष ।
काकनास, पु० विकण्टकवृक्ष ॥ गर्जाफल ।
काकनासा,स्त्री० काकजङ्घावृक्ष॥मसी–काकजङ्घा।
काकनासिका, स्त्री० काकजङ्घावृक्ष। रक्तत्रिवृत् ॥ मसी । लालनिसोत ।
काकपर्णी, स्त्री० मुद्गपर्णी ॥ मुगवन ।
काकपीलु, पु० काकतिन्दुक । काकतुण्डी । श्वेत गुञ्जा ॥ मकरतैंदुआ । कौआठोडी । सफेदघुँघुची ।
काकपीलुक, पु० काकतिन्दुकवृक्ष ॥ कुचिला ।
काकपुष्प, पु० ग्रन्थिपर्ण ॥ गठिवन ।
काकफल, पु० निम्बवृक्ष ॥ नीमकावृक्ष ।
काकभाण्डी, स्त्री० महाकरञ्ज ॥ बडीकरञ्ज ।
काकमर्द, पु० महाकाललता ॥ महाकाललता इन्द्रायणभेद ।
काकमर्दक, पु० ऐ।
काकमाचि, स्त्री० काकमाची ॥ मकोय+कवैया।
काकमाची, स्त्री० ऐ।
काकमाता, स्त्री० ऐ।
काकमुद्रा, स्त्री० मुद्गपर्णीवृक्ष ॥ मुगवन ।
काकयव, पु० तण्डुलशून्यधान्य ॥ चावलरहित-धान–भूसीइत्यादि ।
काकरुहा, स्त्री० वन्दावृक्ष ॥ वाँदावृक्ष ।
काकलीद्राक्षा, स्त्री० निर्बीजद्राक्षा ॥ बीजरहितदाख अर्थात् किस्मिस् ।
काकवल्लरी, स्त्री० स्वर्णवल्ली ॥ स्वर्णवल्ली ।
काकशीर्ष, पु० बकपुष्पवृक्ष ॥ हथियावृक्ष ।
काकस्फूर्ज, पु० काकतिन्दुकवृक्ष ॥ मकरतैंदुआ।
काका, स्त्री० काकनासालता । काकोलीवृक्ष । काकजंघावृक्ष । रक्तिका । काकमाचीवृक्ष । मलपुवृक्ष ॥ कौआठोडी । काकोलीवृक्ष । मसी । घुँघुची–चिरमिटी । मकोय । काकोदुम्बरिका, कठूम्बर ।
काकाङ्गा, स्त्री० काकाङ्गी ॥ मसी ।
काकाङ्गी, स्त्री० काकजंघा ॥ मसी ।
काकाजालुक, पु० ऐ ।
काकाञ्ची, स्त्री० ऐ ।
काकाण्ड, पु० महानिम्ब । काकातिन्दु ॥ वकायननीम । मकरतैंदुआ–कुचला ।
काकाण्डा, स्त्री० कोलशिम्बी ॥ सुअरासेम ।
काकाण्डी, स्त्री० महाज्योतिष्मतीलता ॥ बड़ीमालकाङ्गनी ।
काकाण्डोला, स्त्री० कोलशिम्बी ॥ सुअरासेम ।
काकादनी, स्त्री० काकतुण्डी । गुञ्जा । श्वेतगुञ्जा । वृक्ष–विशेष ॥ कौआठोडी । घुँघुची । सफेदघुँघुची । काकादनीवृक्ष ।
काकायु, पु० स्वर्णवल्ली ॥ स्वर्णवल्ली ।
काकिणी, काकिनी, स्त्री काकमाची । गुञ्जा ॥ मकोय । घुँघुची ।
काकेन्दु, पु० कुलकवृक्ष ॥ कुचिला ।
काकेष्ट, पु० निम्बवृक्ष ॥ नीमकावृक्ष ।
काकेक्षु, पु० काश । खण्ड । कोकिलाक्षवृक्ष ॥ काँश । एकप्रकारके तृण । तालमखाना ।
काकोडुम्बर, पु० काकोदुम्बरिका ॥ कठूमर ।
काकोडुम्बरिका, स्त्री० ऐ ।
काकोदुम्बरिका, स्त्री० ऐ ।
काकोल, पु० न० कृष्णवर्णस्थावर–विषविशेष ॥
काकोल, पु० काकोली ॥ काकोली ।
काकोली, स्त्री० अष्टवर्गान्तर्गत स्वनामख्यात ओषधी ॥ काकोली ।
काकोल्यादिगण, पु० द्रव्यसमूह–विशेष ॥ यथा " काकोली क्षीरकाकोली जीवकर्षभकस्तथा । ऋद्धिवृद्धिस्तथा मेदा महामेदा गुडूचिका । मुद्गपर्णी माषपर्णी पद्मकं वंशलोचना । शृङ्गीप्रपौण्डरीकश्च जीवन्ती मधुयष्टिका । द्राक्षाचेति गणो नाम्ना काकोल्यादिरुदीरितः ॥
अर्थ ॥ काकोली, क्षीरकाकोली, जीवक, ऋषभक, ऋद्धि, वृद्धि, मेदा, महामेदा, गिलोय, मुगवन, मषवन, पद्माख, वंशलोचन, काकडाशिङ्गी, पुंडरिया, जीवन्ती वाडोडी, मुलहठी, दाख । यह काकोल्यादि वर्ग है ।
काङ्गा, स्त्री० वचा ॥ वच ।
काच, न० काचलवण । सिक्थक ॥ कचियानोन। कचलौन । मोम ।
काच, पु० मृत्तिका-विशेष । नेत्ररोग–विशेष ॥ काँच । एक प्रकारका नेत्ररोग ।
काचमल, न० काचलवण ॥ कचियानोन । कचलौन ।
काचलवण, न० लवण-विशेष ॥ कचियानोन–कचलौन ।
काचसम्भव, न० काचलवण ॥ कचियानोन । कचलौन ।

काचसौवर्चल, न० ऐ ।
काचस्थाली, स्त्री० पाटलावृक्ष ॥ पाडर । पाडल।
काचिम, पु० देवकुलोद्भववृक्ष ॥ भञ्जरु ।
काञ्चन न० स्वर्ण । पद्मकेशर । नागकेशर ॥ सोना कमलकेशर ।
काञ्चन, पु० स्वनामख्यात पुष्पवृक्ष-विशेष । नागकेशर । धुस्तूर । चम्पक । उदुम्बर ॥ लालकचनार, सफेदकचनार । नागकेशर । धत्तूरा चम्पावृक्ष । गूलर ।
काञ्चनक, न० हरिताल ॥ हरताल ।
काञ्चनक, पु० कोविदारवृक्ष ॥ लालकचनार ।
काञ्चनकदली, स्त्री० सुवर्णकदली ॥ चम्पैकेला, पीलाकेला ।
काञ्चनकारिणी, स्त्री० शतमूली ॥ शतावर ।
काञ्चनपुष्पक, न० आहुल्यपुष्पवृक्ष॥ "तखट" काश्मीर देशकी भाषा ।
काञ्चनपुष्पी, स्त्री० गणिकारी ॥ मदनमादनी ।
काञ्चनमाक्षिक, न० स्वर्णमाक्षिक ॥ सोनामाखी ।
काञ्चनक्षीरी, स्त्री० क्षीरिणीलता॥काञ्चनक्षीरी ।
काञ्चनार, पु० कोविदारवृक्ष ॥ सफेदकचनार ।
काञ्चनाल, पु० ऐ ।
काञ्चनाह्वय, पु० नागकेशरपुष्प ॥ नागकेशर ।
काञ्चनी, स्त्री० हरिद्रा । स्वर्णक्षीरी । गोरोचना॥ हलदी । ऊँटकटीरा । गौलोचन ।
काञ्चनीया, स्त्री० गोरोचना ॥ गौलोचन ।
काञ्चिक, न० काञ्जिक ॥ काँजि ।
काञ्ची, स्त्री० गुञ्जा ॥ घुँघुची चिरमिठी । त्तरी चौंटली ।
काञ्जिक, न० वारिपर्य्युषितान्नाम्लजल ॥ काँजि ।
काञ्जिकवटक, पु० वटक-विशेष ॥ कांजिबडा ।
काञ्जिका, स्त्री० जीवन्तीलता । पलाशीलता ।
काञ्जी, स्त्री० महाद्रोणा । काञ्जिक ॥ बडी द्रोणपुष्पी, बडागूमा । काँजि ।
काठिन्यफल, पु० कपित्थवृक्ष॥ कैथका वृक्ष ।
काण्ड, न० सन्धिविच्छिन्नैक खण्डास्थि । सन्धि विच्छिन्न एकखण्ड अस्थि ।
काण्ड, पु० न० तरुस्कंध । तृणादिगुच्छ । जल ॥ वृक्षोंका कन्धा । तिनकोंका गुच्छा । जल ।
काण्डकटुक, पु० कारवेल्ल ॥ करेलाँ ।
काण्ड काण्डक, पु० काशतृण ॥ काँस ।
काण्डकार, पु० गुवाक ॥ सुपारी।
काण्डकीलक, पु० लोध्र ॥ लोध ।
काण्डगुण्ड, पु० गुण्डनामक तृण ।
काण्डनी, स्त्री० सूक्ष्मपर्णीलता ॥ रामदूती तुलसी
काण्डतिक्त, पु० भूनिम्ब ॥ चिरायता ।
काण्डतिक्तक, पु० ऐ ।
काण्डनील, पु० लोध्र । लोध ।
काण्डपुङ्खा, स्त्री० शरपुंखा ॥ सरफोंका ।
काण्डपुष्प, न० क्षुद्रसुगन्धिपुष्प-विशेष॥ दोनापुष्प
काण्डरुहा, स्त्री० कटुका ॥ कुटकी ।
काण्डहीन, न० भद्रमुस्तक ॥ भद्रमोथा । नागरमोथा ।
काण्डिका, स्त्री० लङ्काधान्य । बालुकी कर्कटी ॥ लंकाधान । बालुकी ककडी ।
काण्डिर, पु० अपामार्ग । लता-विशेष ॥ चिरचिटा । काण्डवेल ।
कांडिरी, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ ।
काण्डेरी, स्त्री० नागदन्तीवृक्ष ॥ हाथीशुण्डवृक्ष ।
कांडेरुहा, स्त्री० कटुका ॥ कुटकी ।
कांडेक्षु, पु० कोकिलाक्षवृक्ष ॥ तालमखाना ।
कातर, कातल, पु० कातलमत्स्य ॥ कातरमछली ।
कातृण, न० रोहिषतृण ॥ गंधेज घास ।
कादम्ब, पु० कलहंस । कदम्बवृक्ष ॥ करवा । कदमका वृक्ष ।
कादम्बर, न० कदम्बपुष्पोद्भवमद्य । दधिसार । शीधु ॥ कदमके फूलोंकीमदिरा । दहीकीमलाई । एक प्रकारकी ईखसे बनाईहुई मदिरा।
कादम्ब, पु० दधिसर ॥ दधिकी मलाई ।
कादम्बरी, स्त्री० मदिरा ॥ सुरा–दारु । शराब फारसी भाषा ।
कादम्बरीबीज, न० सुराबीज॥मदीराबीज । गुड।
कादम्बर्य्य, पु० कदम्ब वृक्ष । कदमकावृक्ष ॥
कादम्बा, स्त्री० कदम्बपुष्पीवृक्ष ॥ गोरखमुण्डीवृक्ष
कानक, न० जयपालबीज ॥ जमालगोटेका बीज
कानकफल, न० जयपाल ॥ जमालगोटा ।
काननहर, पु० शमीवृक्ष । छोंकरवृक्ष ।
काननारि, पु० शमीवृक्ष ॥ छोंकर वृक्ष ।
कान्त, न० कुंकुम । लोहविशेष ॥ केशर । कान्तिलोह ।
कान्त, पु० हिज्जलवृक्ष ॥ समुद्रफल ।
कान्तपुष्प, पु० कोविदार वृक्ष ॥ लालकचनार ।
कान्तलक, पु० नन्दीवृक्ष ॥ तुनका पेड ।
कान्तलोह, पु० न० अयस्कान्त । लोहभेद ।
कान्ता, स्त्री० प्रियङ्गुवृक्ष । बृहदेला । रेणुका । नागरमुस्ता ॥ फूलप्रियङ्गु । बडी इलायची।

रेणुका । नागरमोथा ।
कान्ताङ्घ्रिदोहद, पु० अशोकवृक्ष॥ अशोकवृक्ष ।
कान्ताचरणदोहद, पु० ऐ ।
कान्तायस, न० अयस्कान्त । कान्तलोह ।
कान्तार, न० पद्म-विशेष ॥ एक प्रकारके कमल-ऊख । वांस ।
कान्तार, पु० इक्षु-विशेष । कोविदार । वंश ॥ कालीईख । लालकचनार । वांस ।
कान्तारक, पु० कृष्णेक्षु ॥ कालीईख ॥ काला गन्ना । कालापौंडा ।
कान्तारी, स्त्री० ऐ ।
कान्तिद, न० पित्त ॥ पित्तरोग ।
कान्तिदा, स्त्री० सोमराजी ॥ वावची ।
कान्तीदायक, न० कालीयकवृक्ष ॥ कलम्ब-कवृक्ष ।
कान्यजा, स्त्री० नलीनाम गन्धद्रव्य ॥ नलिका ।
कापाल, न० अष्टादशकुष्ठान्तर्गतवातजकुष्ठ ॥ कपालकोढ ।
कापाल, पु० कर्कटा ॥ एकप्रकाका पेड़ ।
कापाली, स्त्री० विडङ्गा ॥ वायविडङ्ग ।
कापिश, कापिशायन, न० मद्य॥मदिरा, दारु ।
कापोत, न० सौवीराञ्जन ॥ सफेदशुर्म्मा ।
कापोत, पु० सर्जिकाक्षार ॥ सज्जीखार ।
कापोताञ्जन, न० सौवीराञ्जन । श्रोतोञ्जन ॥ सफेदशुर्म्मा । कालाशुर्म्मा ।
काफल, पु० कट्फल ॥ कायफल । एक प्रका-रका फल ।
कामखड्गदला, स्त्री० स्वर्णकेतकी ॥ सुनहरी केतकी । पीली केतकी ।
कामदूतिका, स्त्री० नागदन्ती वृक्ष ॥ हस्तीशुण्डा वृक्ष ।
कामदूती, स्त्री० पाटलावृक्ष ॥ पाडर । पाढल ।
कामफल, पु० महाराजाम्र वृक्ष ॥ मालदये आम-का वृक्ष ।
कामरूपिणी, स्त्री० अश्वगन्धा वृक्ष ॥ असगन्ध ।
कामल, कामला, पु० स्त्री० रोग-विशेष ॥ कामला रोग ।
कामवती, स्त्री० दारुहरिद्रा ॥ दारुहलदी ।
कामवल्लभ, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमका पेड ।
कामवृद्धि, पु० क्षुप-विशेष ॥ " कामज " क-र्णाटे प्रसिद्ध ।
कामवृन्ता, स्त्री० पाटलावृक्ष ॥ पाडर । पाढल ।
कामवृक्ष, पु० वन्दाक ॥ बांदा ।
कामशर, पु० आम्र ॥ आम ।
कामाङ्ग, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमका वृक्ष ।
कामान्धा, स्त्री० कस्तूरी ॥ कस्तूरी । मुश्क फा-रसी भाषा ।
कामायुध, पु० महाराजचूत ॥ मालदये आम ।
कामारि, पु० विट्माक्षिकधातु ॥ विट्माखीधातु
कामालु, पु० रक्तकाञ्चन वृक्ष ॥ लालकचनारका वृक्ष ।
कामिनी, स्त्री० दारुहरिद्रा । वन्दा । मदिरा ॥ दारुहलदी । वाँदा । दारु ।
कामिनीश, पु० शोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैंजिनेका वृक्ष ।
कामी [न्] पु० ऋषभौषधी । चक्रवाक । पारा-वत । चटक । सारस ॥ ऋषभ औषधी । चक-वा । कबूतर । चिडा पक्षीगैरैया । सारसपक्षी ।
कामील, पु० रामगुवाक ॥ रामसुपारी ।
कामुक, पु० अशोकवृक्ष । अतिमुक्तक लता । चटक पक्षी ॥ अशोकवृक्ष । माधवीलता । गैरे-या पक्षी ।
कामुककान्ता, स्त्री० अतिमुक्तक लता ॥ म-ल्लिनीलता ।
काम्पिल्लय, पु० गुण्डा रोचनीनाम गन्धद्रव्य ॥ कबीला ।
काम्पिल्ल, पु० ऐ ।
काम्पिल्लका, स्त्री० ऐ ।
काम्पील, काम्पीलक, पु० ऐ ।
काम्बुका, स्त्री० अश्वगन्धा ॥ असगन्ध ।
काम्बोज, पु० सोमवल्क । पुन्नागवृक्ष ॥ पपरिया-कत्था । नागकेशरका पेड़ ।
काम्बोजी, स्त्री० माषपर्णी । खदिरभेद । गुञ्जा । वाकुची ॥ मषवन । पपरिया कत्था । घुघुची वावची ।
कायस्था, स्त्री० हरीतकी । धात्रीवृक्ष । एलाद्वय । तुलसी । काकोली ॥ हड । आमला वृक्ष । बडी इलायची।गुजराती इलायची । तुलसी । काकोली औषधी ।
कारम्भा. स्त्री० प्रियङ्गु वृक्ष ॥ फूलप्रियङ्गु ।
कारवल्ली, स्त्री, कारवेल्ल ॥ करेला ।
कारवी, स्त्री० मधुरा । शतपुष्पा । मयूरशिखा । कृष्णजीरक । क्षेत्रयवानी । हिङ्गपत्री । क्षुद्रकार वेल्ली ॥ सोया । सौंफ । मोरशिखा । कालाजीरा । अजमायन । हीङ्गपत्री । छोटी करेली (ला) ।
कारवेल्ल, न० पु० कठिल्लक ॥ करेला ।
कारवेल्लक, पु० ऐ ।
कारवेल्ली, स्त्री० क्षुद्रकारवेल्ल ॥ करेली ।

कारमिहिका, स्त्री० कर्पूर ॥ कपूर।
कारलक, पु० कृष्णतुलसी ॥ कालीतुलसी।
कारस्कर, पु० वृक्ष-विशेष ॥ कुचिला।
कारी, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ आकर्षकारी।
कारुज, पु० नागकेशर। गैरिक ॥ नागकेशर। गेरु।
कारुणा, स्त्री० पुनर्नवा ॥ विषखपरा।
कार्त्तस्वर, न० स्वर्ण। धुस्तूर ॥ सोना। धतूरा।
कार्पट, पु० जतु ॥ लाख।
कार्पासिका, स्त्री० कार्पासी ॥ कपास।
कार्पासी, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ कपास।
कार्म्मुक, पु० वंश। श्वेत खदिर। हिज्जल। महानिम्ब ॥ बांस। पपरियाकत्था। समुद्रफल बकायननीम।
कार्य्या, स्त्री० कारीवृक्ष॥ कण्टकारीवङ्गभाषा।
कार्श्य, पु० शालवृक्ष। कच्चूर। लकुच ॥ सालका वृक्ष। कचूर। बडहर।
कार्श्मरी, स्त्री० गाम्भारी वृक्ष ॥ कम्भारी-खुमेर। कुम्भेर वृक्ष।
कार्ष्णी, स्त्री० शतावरी ॥ शतावर।
कार्ष्य, पु० शालवृक्ष ॥ सालवृक्ष ॥
काल, न० लौह। कालीयक। कक्कोलक॥ लोहा। कलम्बक शीतलचीनी।
काल, पु० कासमर्द। रक्तचित्रक। राल ॥ कसौंदी। लालचीता। राल।
कालक, न० कालशाक। यकृत् ॥ नाडीकाशाक। यकृरोग
कालक, ु० जतुक ॥ जडुर-देहकातिल।
कालकुष्ठ, न० कङ्कुष्ठ ॥ मुरदासंग।
कालकूट, न० विष। कृष्णसर्पविष। काष्ठ-विष-विशेष। बोल।
कालकूट, पु० स्थावर विषभेद। कालकूट विष।
कालकूटक, पु० कारस्करवृक्ष ॥ कुचिला।
कालखञ्जन, **कालखण्ड**, न० यकृत् ॥ यकृत् कलेजके नीचे बाँईकोख।
कालङ्कत, पु० कासमर्द ॥ कसोंदीवृक्ष।
कालताल, पु० तमाल वृक्ष ॥ श्यामतमाल।
कालनिर्य्यास, पु० गुग्गुलु ॥ गूगल।
कालपर्ण, पु० तगरवृक्ष ॥ तगरका पेड।
कालपालक, न० कङ्कुष्ठ मृत्तिका ॥ मुरदासंग
कालपीलुक, पु० कुपीलु ॥ मकरतेंदुआ।
कालपेषी, स्त्री० श्यामलता। पाटलावृक्ष ॥ कालीसर। पाडरवृक्ष।
कालभाण्डिका, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ।
कालमान, पु० कृष्णार्जक ॥ कालीवन तुलसी
कालमुष्कक, पु० घण्टापाटलि वृक्ष ॥ कठपाडर
कालमूल, पु० रक्तचित्रकवृक्ष ॥ लालचीतेका वृक्ष।
कालमेशिका, स्त्री० कालमेषिका ॥ मजीठ कालानिसोत।
कालमेशी, स्त्री० ऐ।
कालमेषिका, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ कृष्णात्रिवृता ॥ मजीठ। श्यामपनिलर।
कालमेषी, स्त्री० सोमराजी। श्यामालता। मञ्जिष्ठा। त्रिवृत् ॥ वापची। करि आवासाऊँ। मजीठ। निसोत।
काललवण, न० विड्लवण ॥ विरिया संचरनोन।
काललौह, पु० कालायस ॥ इस्पात। एक प्रकारका लोहा।
कालवृन्त, पु० कुलत्थवृक्ष ॥ कुल्थी।
कालवृन्ती, स्त्री० पाटलावृक्ष ॥ पाडरवृक्ष।
कालशाक, न० शाकविशेष ॥ नाडीकाशाक।
कालशालि, पु० कृष्णशालि ॥ कालेधान।
कालशेय, न० तक्र ॥ छाछ ॥ मठ्ठा।
कालसार, न० पीतचन्दन ॥ कलम्बक, पीलाचन्दन।
कालसार, पु० स्वनामख्यातहरिण ॥ कालसार हरिण।
कालसेय, न० तक्र ॥ छाछ ॥ घोल।
कालस्कन्ध, पु० जीवकद्रुम। दुष्खदिर। उदुम्बर। तमालवृक्ष। तिन्दुकवृक्ष। जीवकवृक्ष। दुर्गंधखैर। गूलर। स्यामतमाल। तेंदुवृक्ष।
कालक्षत, पु० कासम्मर्द ॥ कसोंदी वृक्ष।
काला, स्त्री० नीलिनी। कृष्णात्रिवृता। मञ्जिष्ठा। कुलिकवृक्ष। अश्वगन्धा। पाटलावृक्ष। नीलकावृक्ष कालानिसोत। मजीठ। काकादतीवृक्ष। असगन्ध।
कालागुरु, पु० कृष्णागरु ॥ कालीअगर।
कालाञ्जनी, स्त्री० नीलाञ्जनी ॥ कालीकपास।
कालानुशारिवा, स्त्री० तगरपादिक। शीतली जटा ॥ तगर। शीतलीलता।
कालानुसारक, न० तगर। पीतचन्दन। पीलाचन्दन ॥
कालानुसारि, पु० शैलेयनामकगन्धद्रव्य ॥ भूरिछरीला।
कालानुसारिका, स्त्री० तगरपादिका ॥ तगर।
कलानुसार्य्य, न० शैलेय। कालीयक। शिंशपावृक्ष। तगर ॥ पत्थरकाफूल। कलम्बक। सीसोंकावृक्ष। तगर।

कालानुसार्य्यक, न० शैलेय ॥ पत्थरकाफूल ।
कालायस, न० लौह ॥ लोहा ।
कालिक, न० कृष्णचन्दन ॥ कालाचन्दन-कालीअगर ।
कालिङ्ग, न० फल-विशेष ॥ तरबूज ।
कालिङ्ग, पु० भूमिकर्कारु । कुटज ॥ विलायती कुम्हडा । कुडा
कालिङ्गिका, स्त्री० त्रिवृत ॥ निसोत ।
कालिङ्गी, स्त्री० राजकर्कटी ॥ चीनाककडी ।
कालिन्दक, न० कालिङ्ग ॥ तरबूज ।
कालिन्दी, स्त्री० रक्तत्रिवृत् ॥ लालनिसोत ।
काली, स्त्री० कालाञ्जनी । तुवरी । त्रिवृत् । अग्निशिखाभेद । वृश्चिकाली ॥ कालीकपास । गोपीचन्दन । निसोत । कलिहारीभेद । वृश्चिकाली ।
कालीय, न० कृष्णचन्दन ॥ कालाचन्दन ।
कालीयक, न० कालीयनामक पीतवर्ण सुगन्धिकाष्ठ । कृष्णागुरु । कृष्णचन्दन । दारुहरिद्रा ॥ कलम्बक, पीलाचन्दन । कालीअगर । कालाचन्दन । दारुहलदी ।
कालीयक, पु० दारुहरिद्रा ॥ दारुहलदी ।
कालीयलता, स्त्री० लता-विशेष ॥
कालेय, न० कालीयक नामक पीतवर्ण सुगन्धिकाष्ठ । यकृत् ॥ पीलाचन्दन । यकृत्-कलेजेसे बांई ओरकी कोष ।
कालेयक, न० कालीयक ॥ कलम्बक ।
कालेयक, पु० दारुहरिद्रा ॥ दारुहलदी ।
काल्प, पु० हरिद्रा-विशेष ॥ एक प्रकारकी हलदी
काल्पक, पु० ऐ ।
काल्यक, पु० ऐ ।
कावार, न० शैवाल ॥ शिवार ।
कावेर, न० कुम्कुम ॥ केशर ।
कावेरी, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
काश, पु० न० तृण-विशेष ॥ काँस ।
काशक, पु० ऐ ।
काशमर्द, पु० कासमर्दवृक्ष ॥ कसोंदीवृक्ष ।
काशा, स्त्री० काशतृण ॥ काँस ।
काशाल्मलि, स्त्री० कूटशाल्मलि ॥ कालासेमर
काशीश, न० उपधातु-विशेष ॥ कसीस ।
काश्मरी, स्त्री० गम्भारी ॥ कम्भारी ।
काश्मर्य्य, पु० न० ऐ ।
काश्मीर, न० पुष्करमूल । कुङ्कुम ॥ पुहकरमूल केशर ।
काश्मीरज, न० कुङ्कुम । पुष्करमूल । कुष्ठ ॥ केशर । पुहकरमूल । कूठ ।
काश्मीरजन्म [न्] न० कुङ्कुम ॥ केशर ।
काश्मीरसम्भवगन्धक, पु० गन्धक-विशेष ॥ आमलासार गन्धक ।
काश्मीरा, स्त्री० अतिविषा । कपिलद्राक्षा ॥ अतीस । अङ्गरीकिस्मिस् ।
काश्मीरी, स्त्री० गम्भारी ॥ खुमेर । कुम्भेरका पेड ।
काश्वरी, स्त्री० ऐ ।
काष्ठक, न० अगुरु ॥ अगर ।
काष्ठकदली, स्त्री० वनकदली ॥ काठकेला ।
काष्ठजम्बु, स्त्री० भूमिजम्बु ॥ भुईंजामुन ।
काष्ठदारु, पु० देवकाष्ठ ॥ देवदारु ।
काष्ठधात्रीफल, न० आमलक ॥ कठआमला ।
काष्ठपाटला, स्त्री० सितपाटलिका ॥ कठपाडर ।
काष्ठवल्लिका, स्त्री० कटुका ॥ कुटकी ।
काष्ठशारिवा, स्त्री० शारिवा ॥ सरिवन ।
काष्ठा, स्त्री० दारुहरिद्रा ॥ दारुहलदी ।
काष्ठील, पु० राजार्क ॥ सफेदआक ।
काष्ठीला, स्त्री० कदलीवृक्ष ॥ केलाकावृक्ष ।
कास, पु० रोगविशेष ॥ कासतृण । शोभाञ्जनवृक्ष। काँसी खाँसी । कांश । सैजिनेका वृक्ष ।
कासकन्द, पु० कासालु ॥ कोकणे प्रसिद्ध आलु
कासघ्नी, स्त्री० कण्टकारी ॥ कटेरी ।
कासजित्, स्त्री० भार्ङ्गी ॥ वह्ननेटि ।
कासनाशिनी, स्त्री० कर्कटशृङ्गी ॥ काकडाशिङ्गी
कासमर्द, पु० क्षुद्रवृक्ष-विशेष ॥ पटोल ॥ कसौंदी । पलवल ।
कासमर्द्दन, पु० पटोल पलवल ।
कासारि, पु० कासमर्द ॥ कसोंदीवृक्ष ।
कासालु, पु० आलु-विशेष ॥ कोकणे प्रसिद्ध आलु ।
कासीस, न० काशीश ॥ कसीस ।
कासीसत्रितय, न० धातुकासीस, पुष्पकासीस, कासीस ॥ धातुकसीस, पुष्पकसी, कसीस ।
काहलापुष्प, पु० धुस्तूर ॥ धत्तूरा ।
काही, स्त्री० कुटजवृक्ष ॥ कुडावृक्ष ।
काक्षी, स्त्री० तुवरिका । सौराष्ट्रमृत्तिका ॥ अडहर । गोपीचन्दन ।
काक्षीव, पु० शोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैजिनेका वृक्ष ।
काक्षीवक, पु० ऐ ।
किंशुक, पु० पलाशवृक्ष । नन्दीवृक्ष । ढाकवृक्ष । तुनवृक्ष ।

किंशुलुक, पु० पलाशवृक्ष-विशेष ॥ हस्तिकर्ण-पलासवृक्ष ।
किकि, पु० नारिकेल ॥ नारियल ।
किङ्किणी, स्त्री० विकङ्कतवृक्ष ॥ कण्टाई, विकङ्कत ।
किङ्किरात, पु० अशोकवृक्ष । रक्तझिण्टी । पुष्प-वृक्ष-विशेष ॥ अशोकवृक्ष । लालकटसरैया । किङ्किरात पुष्पवृक्ष यहभी कटसरैयाकाही भेदहै।
किङ्किराल, पु० बब्बूरवृक्ष ॥ बबूरका पेड ।
किङ्किरी [न्], पु० विङ्कितवृक्ष ॥ कण्टाई ।
किञ्चन, पु० पलाशवृक्ष-विशेष ॥ हस्तिकर्णपलास।
किञ्चिलक, किञ्चुलुक, पु० महीलता ॥ केंचुवा ।
किञ्जल्क, न० नागकेशरपुष्प ॥ नागकेशर ।
किञ्ज्वल्क, पु० केशर, पद्मकेशर ॥ केशर कमलकेशर ।
किट्ट, न० मण्डूर ॥ लोहेकामैल ।
किणि, स्त्री० अपामार्ग ॥ चिरचिरा ।
किणिहि, स्त्री० ऐ ।
किण्व, पु० न० मदिराबीज ॥ सुराबीज । गुड़ ।
कितव, पु० धुस्तूर ॥ चोरकनामक गन्धद्रव्य । धत्तूरा । भटेउर ।
किम्पाक, पु० महाकाललता ॥ महाकाल ।
किम्भरा, स्त्री० नलीगन्धद्रव्य ॥ नलिका ।
किरात, पु० भूनिम्ब ॥ चिरायता ।
किरातक, पु० ऐ ।
किराततिक्त, पु० ऐ ।
किरातादिगण, पु० "किराततिक्तको मुस्तं गुडूची विश्वभेषजम्" ॥ चिरायता, मोथा, गिलोय, सोंठ ।
किरातिनी, स्त्री० जटामांसी ॥ कनुचर, बालछड
किरिटि, न० हिन्ताल ॥ हिंतालका फल ।
किर्म्मीर, पु० नागरङ्गवृक्ष ॥ नारङ्गीका वृक्ष ।
किर्म्मीरत्वक् [च्] स्त्री० ऐ।
किलाट, पु० क्षीरविकृति ॥ खोहा, मावा ।
किलाटी [न्] पु० वंश ॥ वाँस ।
किलास, न० रोग-विशेष ॥ सेहुँवारोग ।
किलासघ्न, पु० वृक्ष-विशेष ॥ कर्कोटक, ककोडा ।
किलिम, न० देवदारु ॥ देवादारु ।
किशल, पु० न० पल्लव ॥ पत्ते ।
किशलय, पु० न० ऐ ।
किशोर, पु० तैलपर्णी ॥ तैलपर्णी औषधी ।
किष्कुपर्व्वा, [न्] पु० इक्षु । वेणु । पोटगल ॥ ईख। वांस । नरसल ।
किसल, किसलय, पु० न० पल्लव ॥ पत्ते ।
कीचक, पु० वंश-विशेष । नल ॥ छिद्रयुक्तवाँस नरसल ।
कीटघ्न, पु० गन्धक ॥ गन्धक ।
कीटजा, स्त्री० लाक्षा । मजफल ॥ लाख् । माजूफल ।
कीटपादिका, स्त्री० हंसपदीवृक्ष ॥ लालरङ्गका लज्जालु ।
कीटमाता, स्त्री० ऐ ।
कीटमारी, स्त्री० ऐ ।
कीटहारी, [न्] पु० न० विडङ्ग ॥ वायविडङ्ग ।
कीडेर, पु० तण्डुलीयशाक ॥ चौलाईकाशाक ।
कीरक, पु० वृक्षभेद ॥
कीरवर्णक, न० स्थौनेयकनामक सुगन्धिद्रव्य ॥ थुनेर ।
कीरेष्ट, पु० आम्रवृक्ष । आखोटवृक्ष । जलमधूकवृक्ष ॥ आमकावृक्ष । अखरोटकावृक्ष । जलमहुआवृक्ष ।
कीलसंस्पर्शा, पु० वृक्ष-विशेष ।
कीलाल, न० जल । अमृत । मधु । रक्त ॥ पानी। अमृत । सहत । रुधिर ।
कीशपर्ण, पु० अपामार्ग ॥ चिरचिरा ।
कीशपर्णी, स्त्री० ऐ ।
कुकभ, न० मद्य ॥ मदिरा ।
कुकाञ्चन, न० पित्तल ॥ पीतल ।
कुकुट, पु० सितावर ॥ शिरिआरीशाक ।
कुकुन्दर, न० नितम्बस्थकूपकद्वय ॥ पृष्ठवंशादधोगर्तद्वय ।
कुकुन्दर, पु० कुकुरद्रु ॥ कुकुरौंदा, कुकरौंदा ।
कुकूटि, पु० शाल्मलिवृक्ष ॥ सेमरकावृक्ष ।
कुकूणक, पु० कुतूणकबालरोग॥ कुकूणक बालकनेत्ररोग ।
कुकोल, न० कोलिवृक्ष ॥ वेरीवृक्ष ।
कुक्कुट, पु० स्त्री० पक्षि-विशेष ॥ मुरगा ।
कुक्कुटमस्तक, न० चव्य ॥ चव्य ।
कुक्कुटशिख, पु० कुसुम्भवृक्ष ॥ कसूमका वृक्ष ।
कुक्कुटपुट, न० औषधपाकार्थ पुटपाक-विशेष ॥ कुक्कुटपुट ।
कुक्कुटी, स्त्री० शाल्मलीवृक्ष ॥ सेमरका वृक्ष ।
कुक्कुर, न० ग्रन्थिपर्ण ॥ गठिवन ।

कुक्कुरद्रु, पु० वृक्ष-विशेष ॥ कुकुरौंदा ।
कुङ्कुम, न० स्वनामख्यातगन्धद्रव्य ॥ केशर-हिन्दी । जाफरान पारसी भाषा ।
कुङ्गनी, स्त्री० महाज्योतिष्मती ॥ बडीमालकाङ्गुनी
कुच, पु० स्तन ॥ स्तन ।
कुचण्डिका, स्त्री० मूर्व्वालता ॥ चुरनहार ।
कुचन्दन, न० रक्तचन्दन । पतङ्ग । कुङ्कुम ॥ लालचन्दन । पतङ्गकी लकडी । केशर ।
कुचफल, पु० दाडिमवृक्ष ॥ अनारकावृक्ष ।
कुचाङ्गेरी, स्त्री० चुक्रिका ॥ चूकाशाक ।
कुचेला, स्त्री० कुपीलु । विद्धकर्णी ॥ कुचिला । पाठ ।
कुचेली, स्त्री० अम्बष्ठा ॥ पाठ ।
कुच्छ, न० कुमुद ॥ कमोदनी ।
कुञ्चन, न० नेत्ररोग-विशेष ।
कुञ्चफला, स्त्री० कूष्माण्डी ॥ कुह्मडा ।
कुञ्चिका, स्त्री० गुञ्जा । कृष्णजीरक । मेथिका । वंशशाखा ॥ घुघुची । कालाजीरा । मेथी । वंश-की शाखै, कंधी ।
कुञ्चित, न० तगरपुष्प ॥ तगरकेफूल ।
कुञ्जरपिप्पली, स्त्री० गजपिप्पली ॥ गजपीपल ।
कुञ्जरक्षारमूल, न० मूलक ॥ मूला ।
कुञ्जरा, स्त्री० धातकी । पाटलावृक्ष ॥ धायके फूल । पाडरवृक्ष ।
कुञ्जरालुक, न० आलुकविशेष ॥ हस्तिआलु ।
कुञ्जराशन, पु० अश्वत्थवृक्ष ॥ पीपलवृक्ष ।
कुञ्जल, न० काञ्जिक ॥ काँजि ।
कुञ्जवल्लरी, स्त्री० निकुञ्चाम्लवृक्ष ॥
कुञ्जिका, स्त्री० कृष्णजीरक । निकुञ्चिकाम्लवृक्ष ॥
कुटच, पु० कुटजवृक्ष ॥ कुडावृक्ष ।
कुटज, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ कुडा ।
कुटजफल, न० इन्द्रयव ॥ इन्द्रजौ ।
कुटन्नट, न० कैवर्ती मुस्तक । कशेरू ॥ केवटी-मोथा । कशेरू ।
कुटन्नट, पु० श्योनाकवृक्ष ॥ अरलुवृक्ष ।
कुटरुणा, स्त्री० त्रिवृता ॥ निसोत ।
कुटिल, न० तगरपुष्प ॥ तगरकेफूल ।
कुटिला, स्त्री० स्पृक्कानामक गन्धद्रव्य ॥ अस-वरग ।
कुटी, स्त्री० मुरानामक गन्धद्रव्य ॥ कपूरकचरी, एकाङ्गी ।
कुट्टिम, पु० न० दाडिमवृक्ष ॥ अनारकावृक्ष ।
कुठिक, पु० कुष्ठ ॥ कूठ ।

कुठेर, पु० तुलसी । वर्व्वरी ॥ तुलसी । वनतुलसी
कुठेरक, पु० नन्दीवृक्ष । तुलसी, । वर्व्वरी ॥ तुन-वृक्ष । तुलसी । सफेदवनतुलसी ।
कुठेरज, पु० श्वेततुलसी ॥ सफेदतुलसी ।
कुडप, पु० कुडवपरिमाण ॥ ३२ तोलेका ।
कुडव, पु० द्विप्रसृत परिमाण ॥ ३२ तोलेका ।
कुडहुञ्ची, स्त्री० क्षुद्रकारवेल्ली ॥ करेली ।
कुणञ्जर, पु० शाक-विशेष ॥ वनवथुआ ।
कुणप, पु० शव । त्रि० पूतिगन्ध ॥ मृतदेह । दुर्गंध ।
कुणि, पु० तुन्नवृक्ष । नन्दीवृक्ष ॥ तुनकावृक्ष । वेलियापीपल ।
कुण्डगोलक, न० काञ्जिक ॥ काँजि ।
कुण्डलिनी, स्त्री० गुडूची । मिष्टान्न-विशेष ॥ गिलोय । जलेबी ।
कुण्डली, स्त्री० मिष्टान्न-विशेष । गुडूची । काञ्च-नक पुष्पवृक्ष । कपिकच्छु । सर्पिणीवृक्ष ॥ ज-लेबी-मिठाई । गिलोय । कचनारपुष्पवृक्ष । किं-वाँच । सर्पिणीवृक्ष ।
कुतप, पु० न० कुशतृण ॥ कुशाघास ।
कुतूणक, पु० बालनेत्ररोग-विशेष ॥ कुकूणक ।
कुतृण, न० कुम्भी ॥ जलकुम्भी ।
कुत्सला, स्त्री० नीलीवृक्ष ॥ नीलकावृक्ष ।
कुत्सित, न० कुष्ठ ॥ कूठ ।
कुथ, पु० कुशतृण ॥ कुशा ।
कुद्दाल, पु० कोविदारवृक्ष । वृक्ष-विशेष । कोद्रव॥ कचनारवृक्ष । बोहारीकावृक्ष सीक। कोंदोधान ।
कुद्रव, पु० कोद्रव ॥ कोंदो ।
कुनख, पु० क्षुद्ररोग-विशेष ॥ एक प्रकारका न-खरोग ।
कुध्यानिनी, स्त्री० सुदर्शना ॥ सुदर्शन ।
कुनट, पु० श्योनाकप्रभेद ॥ सोनापाठा ।
कुनटी, स्त्री० मनःशिला । धन्याक ॥ मनशिल । धनियाँ ।
कुनली [न्], पु० अगस्तियावृक्ष ॥ हथियावृक्ष ।
कुनाशक, पु० यवास ॥ जवासा ।
कुन्त, पु० गवेधुका ॥ गरहेडुआ ।
कुन्तल, पु० केश । वालक । यव ॥ वाल । सुगं-धवाला । जो ।
कुन्तलवर्द्धन, पु० भृङ्गराजवृक्ष ॥ भङ्गरावृक्ष ।
कुन्तलोशीर, न० ह्रीबेर ॥ सुगंधवाला ।
कुन्ती, स्त्री० गुग्गुलवृक्ष ॥ गूगलका वृक्ष ।
कुन्द, पु० न० स्वनामख्यात पुष्पवृक्ष-विशेष । कुन्दवृक्ष ।

कुन्द, पु० कुन्दुरुनामक गन्धद्रव्य। करवीरवृक्ष ॥ कुन्दुरू–लोबान फार्सी। कनेरकावृक्ष।
कुन्दक, पु० कुन्दुक ॥ कुन्दुरू–लोबान फार्सी।
कुन्दर, पु० तृण–विशेष ॥ कुन्दरतृण।
कुन्दु, स्त्री० कुन्दुरुनामक गन्धद्रव्य ॥ कुन्दुरू।
कुन्दुर, पु० ऐ।
कुन्दुरु, पु० स्त्री० ऐ।
कुन्दुरुक, पु० स्त्री० ऐ।
कुन्दुरुकी, स्त्री० शल्लकीवृक्ष ॥ शालईवृक्ष।
कुपीलु, पु० कारस्करवृक्ष। तिन्दुक–विशेष ॥ कुचला। मकरतैंदुआ।
कुप्य, न० सुवर्णरजतभिन्नधातु ॥ सोना चांदीसे अन्यधातु–ताँबा-जस्त।
कुब्ज, त्रि० वायुनोन्नतहृदय ॥ कुबडा, कूजा।
कुब्ज, पु० अपामार्ग ॥ चिरचिरा।
कुब्जक, पु० पुष्पवृक्ष-विशेष ॥ कूजावृक्ष।
कुब्जकण्टक, पु० श्वेतखादिर ॥ पपरियाकत्था, सफेदखैर।
कुमार, पु० वरुणवृक्ष ॥ वरनावृक्ष।
कुमारक, पु० ऐ।
कुमारजीव, पु० पुत्रजीववृक्ष ॥ जियापिता, जियापोता, पिताजिया।
कुमारिका, स्त्री० नवमल्लिका। बृहदेला। घृतकुमारी ॥ नेवारी। बडी इलायची। घीकुआर।
कुमारी, स्त्री० नवमल्लिका। घृतकुमारी। अपराजिता। वन्ध्याकर्कोटकी। स्थूलैला। मोदिनी पुष्प। तरुणीपुष्प ॥ नेवारी। घीकुआर, कोयललता। वाँझखखसा। वाँझककोड़ा। बडीइलायची। मल्लिकाभेद। सेवती।
कुमुत् [द्], न० चन्द्रकान्त। रक्तोत्पल ॥ कमोदनी। लालकमल।
कुमुद, न० श्वेतोत्पल। रक्तपद्म। रूप्य ॥ कँमोदनी। लालकमल। चाँदी।
कुमुद, पु० श्वेतोत्पल। कर्पूर ॥ सफेदकमल। कमोदनी। कपूर।
कुमुदबान्धव, पु० कर्पूर ॥ कपूर।
कुमुदा, स्त्री० धातकी वृक्ष। कुम्भिका। कट्फलवृक्ष। गम्भारीवृक्ष। शालपर्णी ॥ धायकेफूल। जलकुम्भी। कायफल। कम्भारी खुमेर। शरिवन।
कुमुदिका, स्त्री० कट्फलवृक्ष ॥ कायफर(ल) वृक्ष।
कुम्भ, न० गुग्गुलु। त्रिवृत् ॥ गूगल। निसोत।
कुम्भ, पु० द्रोणद्वयपरिमाण ॥ ६४ सेर।
कुम्भकारिका, स्त्री० कुलत्था ॥ वनकुल्थी।
कुम्भाकारी, स्त्री० मनःशिला। कुलत्थिका। कुलत्थाञ्जन ॥ मनशिल। कुल्थी। एक प्रकारकी नेत्रमें लगानेकी औषधी।
कुम्भतुम्बी, स्त्री० अलाबुभेद ॥ गोलतोम्बी।
कुम्भयोनि, पु० द्रोणयोनिपुष्पवृक्ष ॥ गूमा, गोमावृक्ष।
कुम्भला, स्त्री० मुण्डतिका ॥ गोरखमुण्डी।
कुम्भबीजक, पु० रीठाकरञ्ज ॥ रीठाकरञ्ज।
कुम्भाण्ड, पु० कूष्माण्ड ॥ कुम्हडा। पेठा।
कुम्भाडी, स्त्री० कूष्माण्डी। कुम्हडा।
कुम्भिका, स्त्री० वारिपर्णी। पाटलावृक्ष। द्रोणपुष्पी। नेत्ररोग–विशेष ॥ जलकुम्भी। पांडरवृक्ष। गूमा, गोमावृक्ष। कुम्भिका नेत्ररोग।
कुम्भिनीबीज, न० जयपाल ॥ जमालगोटा।
कुम्भिवाकी, स्त्री० कट्फलवृक्ष ॥ कायफरवृक्ष।
कुम्भी [न्], पु० गुग्गुलु ॥ गूगल।
कुम्भी, स्त्री० पाटलावृक्ष। वारिपर्णी। कट्फलवृक्ष। दन्तीवृक्ष। वृक्ष–विशेष ॥ पाडरका वृक्ष। जलकुम्भी। कायफर। दन्तीवृक्ष। कुम्भी कोंकणप्रसिद्ध।
कुम्भीक, पु० पुन्नागवृक्ष। कुम्भिका ॥ पुन्नागवृक्ष, नागकेशरकावृक्ष। जलकुम्भी।
कुम्भीबीज, न० जयपाल ॥ जमालगोटा।
कुरका, स्त्री० शल्लकीवृक्ष ॥ शालईवृक्ष।
कुरङ्गनाभि, पु० कस्तूरी ॥ कस्तूरी।
कुरङ्गिका, स्त्री० मुद्गपर्णी ॥ मुगवन।
कुरण्टक, पु० पीताम्लानवृक्ष ॥ पीलीकटसरैया।
कुरण्ड, पु० मुष्कवृद्धिरोग। साकुण्डवृक्ष ॥ अण्डकोषवृद्धिरोग। सकुण्डर गुजरातदेशकी भाषा।
कुरण्डक, पु० कुरण्टकवृक्ष ॥ पीलीकटसरैया।
कुरराङ्घ्रि, पु० देवसर्षप ॥ निर्जरसर्सो।
कुरव, पु० श्वेतमन्दार। रक्तझिण्टी ॥ पीतझिण्टी। सफेदमन्दार। लालकटसरैया। पीलीकटसरैया।
कुरबक, पु० रक्तझिण्टी ॥ लालकटसरैया।
कुरसा, स्त्री० गोजिह्वालता ॥ गोभी।
कुरी, स्त्री० तृणधान्यभेद।
कुरु, पु० कण्टकारिका ॥ कटेरी।
कुरुकन्दक, न० मूलक ॥ मूली।
कुरुट, पु० सितावरशाक ॥ शिरिआरीशाक।
कुरुण्ट, पु० पीतझिण्टी ॥ पीलीकटसरैया।
कुरुण्टक, पु० ऐ।
कुरुम्ब, न० कूलपालक ॥ मीठानीबू।

कुरुम्बा, स्त्री० द्रोणपुष्पी ॥ गूमा, गोमा ।
कुरुम्बिका, स्त्री० ऐ ।
कुरुम्बी, स्त्री० सैंहलीवृक्ष ॥ सिंहलीपीपल ।
कुरुबक, पु० रक्तझिण्टी । पीतझिण्टी ॥ लाल-कटसरैया । पीलीकटसरैया ।
कुरुविन्द, न० काचलवण ॥ कचियानोन ।
कुरुविन्द, पु० मुस्तक । माष ॥ मोथा । उडद ।
कुरुबिल्वक, पु० वनकुलत्थिका ॥ वनकुल्थी ।
कुरुप्य, न० रङ्ग ॥ राङ्ग ।
कुर्णज, पु० कुलञ्जनवृक्ष ॥ कुलञ्जनवृक्ष ।
कुर्पर, पु० कफोनि ॥ कोनी ।
कुलक, न० पटोललता ॥ परवेलकीवेल ।
कुलक, पु० काकतिन्दुक । मरुबकपुष्पवृक्ष । कुपीलु । पटोल । तिलपुष्प ॥ कुचिला । मरुआवृक्ष । मकरतेंदुआ । परवल । तिलपुष्प ।
कुलकर्कटी, स्त्री० चीनाकर्कटी ॥ चीनाककडी चित्रकूटे प्रसिद्ध ।
कुलञ्ज, पु० कुलञ्जनवृक्ष ।
कुलञ्जन, पु० स्वनामख्यात वृक्षविशेष ॥ कुलञ्जन।
कुलटी, स्त्री० मनःशिला ॥ मनशिल ।
कुलत्थ, पु० सस्यभेद ॥ कुल्थी ।
कुलत्था, स्त्री० वनकुलत्थ ॥ वनकुलथी ।
कुलत्थिका, स्त्री० कुलत्थाकाराञ्जन प्रस्तर-विशेष ॥ कुलत्थाञ्जन नीलाशुर्म्मा ।
कुलपत्र, पु० दमनकवृक्ष ॥ दवनावृक्ष ।
कुलपालक, न० कुरुम्ब ॥ मीठानीबू ।
कुलवर्णा, स्त्री० रक्तत्रिवृत् ॥ लालनिसोत ।
कुलसौरभ, न० मरुबकवृक्ष ॥ मरुआवृक्ष ।
कुलक्षया, स्त्री० शूकशिम्बी ॥ कौंछ ।
कुलाशक, पु० दुरालभा ॥ धमासा ।
कुलाहक, पु० रक्तकोकिलाक्षवृक्ष ॥ लालतालमखाना ।
कुलाहल, पु० क्षुद्रवृक्ष-विशेष ।
कुलि, स्त्री० कण्टकारी ॥ कटेरी ।
कुलिक, पु० काकादनीवृक्ष । कोकिलाक्षवृक्ष ॥ काकादनी । तालमखाना ।
कुलिङ्गाक्षी, स्त्री० पेटिकावृक्ष ॥ पिटारी ।
कुलिङ्गी, स्त्री० कर्कटशृङ्गी ॥ काकडाशिङ्गी ।
कुलिश, न० अस्थिसंहार ॥ हडशंकरी ।
कुलिशक, पु० मधुकवृक्ष ॥ मौआवृक्ष ।
कुली, स्त्री० कण्टकारी । बृहती ॥ कटेरी । कटाई ।
कुलीनक, पु० वनमुद्ग ॥ वनमूग, मोठ ।

कुलीरशृङ्गी, स्त्री० कर्कटशृङ्गी ॥ काकडाशिङ्गी ।
कुलीश, पु० न० कुलिश ॥ हाडसंघारी ।
कुल्माष, न० काञ्जिक ॥ काँजि ।
कुल्माष, पु० यावक । बोरवधान्य । कुल्थ । वनकुल्थ । राजमाष । अर्द्धस्विन्नगोधूम चणकादि ॥ यायू-बोरधान । कुल्थी । वनकुल्थी । लोविया । घुघुनी ।
कुल्माषाभियुत, न० काञ्जिक ॥ काँजि ।
कुल्या, स्त्री० जीवान्तकौषधी । स्थूलवार्त्ताकू ॥ जीवान्तक औषधी । बडेवेगुन ।
कुव, न० उत्पल । जलजपुष्पमात्र । कुमुद । जलपुष्प ।
कुवकालुका, स्त्री० घोलीशाक ॥ घोलीशाक ।
कुवङ्ग, न० सीसक ॥ सीसा ।
कुवज्रक, न० वैक्रान्त ॥ वैक्रान्तमणि ।
कुवल, न० उत्पल । बदरीफल । मुक्ताफल ॥ कुमुद । बेर । मोती
कुवलय, न० उत्पल । नीलोत्पल ॥ कमोदनी । नीलकमल-नीलकुमुद ।
कुवली, स्त्री० कोलिवृक्ष ॥ वेरीकावृक्ष ।
कुवृत्तिकृत्, पु० पूतिकरञ्ज ॥ दुर्गंधवालीकरञ्ज ।
कुबेर, कुबेरक, पु० नन्दीवृक्ष ॥ तुनवृक्ष ।
कुबेराक्षी, स्त्री० पाटलावृक्ष । लताकरञ्ज । श्वेतपाटलिकावृक्ष ॥ पाडरवृक्ष । लताकरञ्ज । सफेद (कठ) पाडरवृक्ष ।
कुवेल, न० कुवलय ॥ कमोदनी, नीलकमोदनी ।
कुश, न० पु० स्वनामख्याततृण ॥ कुशा ।
कुशपुष्प, न० ग्रन्थिपर्ण ॥ गठिवन ।
कुशली, स्त्री० अश्मन्तकवृक्ष । क्षुद्राम्लिका ॥ आबुटा इति देशान्तरीय भाषा । आवती ।
कुशा, स्त्री० मधुकर्कटिका ॥ चकोतरानीबू ।
कुशाल्मलि, पु० रोहितकवृक्ष ॥ रोहेडावृक्ष ।
कुशिंशपा, स्त्री० कपिलशिंशपा ॥ कपिल (भूरे) रङ्गका सीसोंकावृक्ष ।
कुशिक, पु० सर्ज्जवृक्ष । विभीतकवृक्ष । अश्वकर्णवृक्ष । सालवृक्ष । वहेडावृक्ष । सालभेद ।
कुशोद, न० रक्तचन्दन । लालचन्दन ।
कुशेशय, न० पद्म ॥ कमल ।
कुशेशय, पु० कर्णिकारवृक्ष ॥ कनेरवृक्ष ।
कुष्ठ, न० स्वनामख्यात रोग । औषध-विशेष । विषभेद । कोढ ॥ कूठ । विषभेद ।
कुष्ठकेतु, पु० भूम्याहुल्य ॥ भुञ्जितखड देशान्तरीयभाषा ।

कुष्ठगन्धि, न० एलवालुक ॥ एलुआ।
कुष्ठघ्न, पु० औषध-विशेष ॥ हितावली।
कुष्ठघ्नी, स्त्री० काकोदुम्बरिका ॥ कठूमर।
कुष्ठनाशनी, स्त्री० सोमराजी ॥ बायची।
कुष्ठसूदन, पु० आरग्वध ॥ अमलतास।
कुष्ठहन्ता, स्त्री० हस्तिकन्द ॥ हस्तिकन्द।
कुष्ठहन्त्री, स्त्री० वाकुची ॥ वायची।
कुष्ठहृत् पु० खदिरवृक्ष ॥ खैरकावृक्ष।
कुष्ठारि, पु० आदित्यपत्र। खदिर। गन्धक। विट्खादिर। पटोल ॥ अर्कपत्र। खैर। गन्धक। दुर्गंधखैर। पलवल।
कुष्माण्ड, पु० स्त्री० स्वनामख्यात बृहत् लताफल-विशेष ॥ कुम्हडा, कोहडा, पेठा-हिन्दी। कुमड वङ्गभाषा। पानीकखारु उडेभाषा। पदकोला गुजरभाषा।
कुष्मांडक, पु० ऐ।
कुष्मांडी, स्त्री० ऐ।
कुसिम्बी, स्त्री० शिम्बी ॥ सैम।
कुसुम, न० पुष्प। फल। स्त्रीरज ॥ फूल। फल। स्त्रीकारज अर्थात् मासिक धर्म।
कुसुममध्य, न० अम्लफल वृक्ष-विशेष।
कुसुमरस, पु० मधु ॥ सहत।
कुसुमाञ्जन, न० कुसुमाकार पित्तलसम्भूत + अञ्जन ॥ उष्णकिये पीतलसे जो मल निकलता है उससे बनाया हुवा सुर्म्मा।
कुसुमात्मक, न० कुङ्कुम ॥ केशर।
कुसुमाधिप, पु० चम्पकवृक्ष ॥ चम्पावृक्ष।
कुसुमाधिराट् [ज्] पु० ऐ।
कुसुमासव, न० मधु ॥ सहत।
कुसुम्भ, न० स्वर्ण। कुसुम्भपुष्प ॥ सोना। कसूमके फूल जिसके रंगसे वस्त्र रंगा जाता है।
कुसुम्भ, पु० महारजनवृक्ष ॥ कसूमका वृक्ष।
कुसू, पु० किञ्चुलुक ॥ केंचुवा।
कुस्तुम्बरी, स्त्री० धान्याक ॥ धनिया।
कुस्तुम्बरु, न० ऐ।
कुहलि, पु० पूगपुष्पिका ॥ पान।
कुहा, स्त्री० कटुका ॥ कुटकी।
कूच, पु० स्तन ॥ थन-वा स्त्रीके स्तन।
कूटक, पु० मुरा ॥ एकाङ्गी, कपूर कचरी।
कूटज, पु० कुटजवृक्ष ॥ कुडावृक्ष।
कूटपालक, पु० पित्तज्वर ॥ पित्तज्वर।
कूटशाल्मलि, पु० शाल्मलि-विशेष ॥ कालासेमर।
कूटस्थ, न० व्याघ्रनख नामक गन्धद्रव्य ॥ नख।
कूद्दाल, पु० कुद्दालवृक्ष ॥ लाल कचनार वृक्ष।
कूर्च्च, कूर्च्चक, न० मलापकर्षनार्थ केशादिमुष्टि।
कूर्च्च, पु० न० भ्रूद्वयमध्यवर्त्तिस्थान। श्मश्रु। अङ्गुष्ठतर्जनीस्थान।
कूर्च्चशिरः [स्], न० अङ्घ्रिस्कन्ध॥ पांवकी गाठ घुटना।
कूर्च्चशीर्ष, पु० अष्टवर्गान्तिर्गतजीवकवृक्ष ॥ जीवकओषधी।
कूर्च्चशेखर, पु० नारिकेलवृक्ष। नारियलवृक्ष।
कूर्च्चिका, स्त्री० क्षीरविकृति ॥ फटादूध।
कूर्प, न० भ्रूद्वयमध्यस्थल ॥ भौंहका बीचका स्थान।
कूर्म्म, पु० कच्छप ॥ कछुआ।
कूर्म्मपृष्ठ, पु० अम्लानवृक्ष ॥ अम्लान, बाणपुष्प-
कूष्मांड, पु० कुष्माण्ड ॥ पेठा।
कृकर, पु० चव्यक। करवीरवृक्ष ॥ चव्य। कनेर
कृकला, स्त्री० पिप्पली ॥ पीपल।
कृकाटिका, स्त्री० ग्रीवापश्चाग्भाग ॥ गरदनके पछिका भाग।
कृच्छ्र, न० मूत्रकृच्छ्र रोग ॥ सुजाक रोग, इसमें मूत्र चिनकसे आता है।
कृच्छ्रारि, पु० बिल्वान्तरवृक्ष॥ वेलन्तर, वरवेल।
कृतक, न० बड्लवण। यष्टिमधु ॥ विरिया संचरनोन। मुलहठी।
कृतच्छिद्रा, स्त्री० कोषातकीलता ॥ तोरई।
कृतत्रा, स्त्री० त्रायमाणालता ॥ त्रायमान।
कृतफल, न० कक्कोल ॥ शीतलचीनी।
कृतफला, स्त्री० कोलशिम्बी ॥ सुआरासैम।
कृतमाल, पु० आरग्वधवृक्ष। कर्णिकार वृक्ष ॥ अमतास। अमलतासभेद।
कृतवेधक, पु० घोषातकी ॥ घिया तोरई।
कृतवेधना, स्त्री० कोषातकी ॥ तोरई।
कृताञ्जलि, पु० लज्जालुवृक्ष ॥ लज्जावन्ती।
कृतान्ता, स्त्री० रेणुका ॥ रेणुका।
कृतिच्छत्रा, स्त्री० वृक्ष-विशेष।
कृतिरादनी, स्त्री० घोषकलता ॥ तोरईभेद।
कृत्रिम, न० विड्लवण। काचलवण। जवादि। रसाञ्जन ॥ विरिया संचरनोन। कचियानोन। जवादिगन्धद्रव्य रसोत।
कृत्रिम, पु० सिह्लक ॥ शिला रस।
कृत्रिमक, पु० ऐ।
कृमि, पु० क्रिमि। लाक्षा ॥ कीडा। लाख।
कृमिकण्टक, न० विडङ्ग। उदुम्बर ॥ वायविडङ्ग। गूलर।

कृमिकोष, पु० न० फल-विशेष ॥ माजूफल ।
कृमिघ्न, पु० विडङ्ग । पलाण्डु । कोलकन्द । पारिभद्र । भल्लातक ॥ वायविडङ्ग । प्याज । कोलकन्द । फरहद । भिलावा ।
कृमिघ्ना, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
कृमिघ्नी, स्त्री० धूम्रपत्रा । विडङ्ग ॥ तमाखु । वायविडङ्ग ।
कृमिज, न० अगुरु ॥ अगर ।
कृमिजग्ध, न० ऐ ।
कृमिजा, स्त्री० लाक्षा । मजफल ॥ लाख । माजूफल ।
कृमिरिपु, पु० विडङ्ग ॥ वायविडङ्ग ।
कृमिवृक्ष, पु० कोषाम्र ॥ कोशम ।
कृमिशङ्ख, पु०जीवशङ्ख ॥ जीव सहित शंख ।
कृमिशत्रु, पु०विडङ्ग ॥ वायविडङ्ग ।
कृमिशुक्ति, स्त्री० जलशुक्ति ॥ सीप ।
कृमीलक, पु० वनमुद्ग ॥ मोठ ।
कृशरा, स्त्री० तिलौदन । द्विदलमिश्रितान्न ॥ तिलोणी । खिचडी ।
कृशशख, पु० पर्पट ॥ पित्तपापडा ।
कृशाङ्गी, स्त्री० प्रियङ्गु वृक्ष ॥ फूलप्रियङ्गु ।
कृशानु, पु० चित्रक वृक्ष ॥ चीतावृक्ष ।
कृशिका, स्त्री० आखुकर्णीलता ॥ मुसाकर्णी ।
कृषीवल, पु० काकजंघावृक्ष ॥ मसी ।
कृष्ण, न० मरिच । लौह । कृष्णागुरु । सौवर्चल । कृष्णजीरक । नीलाञ्जन ॥ काली मिरच । लोहा काली अगर । कालानोन । कालाजीरा । शुर्म्मा ।
कृष्ण, पु० करमर्द्दक । पिप्पली ॥ करौंदा पीपल ।
कृष्णकंद, न० रक्तोत्पल ॥ लालकमोदनी ।
कृष्णकलि, कृष्णकेलि, स्त्री० स्वनामख्यात पुष्पवृक्ष-विशेष ॥ सन्ध्यामणि कुत्रचित् भाषा ।
कृष्णकाष्ठ, न० कृष्णागुरु ॥ काली अगर ।
कृष्णगन्धा, स्त्री० शोभाञ्जन ॥ सैजिनेका वृक्ष
कृष्णगर्भ, पु० कट्फल ॥ कायफल ।
कृष्णचञ्चुक, पु० चणक ॥ चने ।
कृष्णचूडा, स्त्री० स्वनामख्यातसकण्टक पुष्पवृक्ष ।
कृष्णचूडिका, स्त्री० गुञ्जा ॥ घुघुची ।
कृष्णचूर्ण, न० लौहमल ॥ लोहका मैल ।
कृष्णजटा, स्त्री० जटामांसी ॥ बालछड ।
कृष्णजीरक, पु० जीरक-विशेष ॥ कालाजीरा, कलौंजी ।
कृष्णतण्डुला, स्त्री० कर्णस्फोटालता । कानफोडावेल ।
कृष्णताम्र, न० चन्दन-विशेष ॥ गोशीर्षचन्दन-
कृष्णात्रिवृता; स्त्री० कृष्णवर्ण त्रिवृत् ॥ कालानिसोत, स्यामपनिलर ।
कृष्णदन्ता, स्त्री० काश्मरी वृक्ष ॥ गम्भारी, कम्भारी । कुम्भेर ।
कृष्णधुस्तूरक, पु० कृष्णवर्ण धुस्तूर ॥ कालाधत्तूरा ।
कृष्णपर्णी, स्त्री० कृष्णतुलसी ॥ श्यामतुलसी ।
कृष्णपाक, पु० करमर्द्द ॥ करौंदा ।
कृष्णपाकफल, पु० ऐ ।
कृष्णपाकला, स्त्री० प्राचीन आमलक ॥ पानीआमला ।
कृष्णपिण्डीतक,पु०वृक्ष- विशेष ॥ मैनफलभेद ।
कृष्णपिण्डीर,पु० कृष्णपिण्डीतक वृक्ष ॥ मैनफलभेद ।
कृष्णपुष्प, पु० कृष्णधुस्तूरक ॥ कालाधतूरा ।
कृष्णपुष्पी, स्त्री० प्रियङ्गुवृक्ष ॥ फूलप्रियङ्गु ।
कृष्णप्रातिफला, स्त्री० सोमराजी॥वायची ॥
कृष्णफल, पु०करमर्द्दक ॥ करौंदा ।
कृष्णफलपाक,, पु० ऐ ।
कृष्णफला, स्त्री० सोमराजी । ह्रस्व जंबु॥वायची । छोटी जातीकी जामुन ।
कृष्णभूमिजा,स्त्री०गोमूत्रिकतृण॥गोमूत्रकतृण ।
कृष्णभेदा, स्त्री० कटुका॥कुटकी ।
कृष्णभेदी, स्त्री० ऐ ।
कृष्णमुद्ग, पु० कृष्णवर्ण मुद्ग ॥ कालीमूँग ।
कृष्णमूली, स्त्री शारिवा-विशेष॥करिआवासाऊ ।
कृष्णमृत, [द्] न०कृष्णमृत्तिका॥कालीमिट्टी ।
कृष्णरुहा, स्त्री० जतुकालता ॥ पद्मावती ।
कृष्णालक, पुं० गुंज ॥ घुघुचो ।
कृष्णलवण, न० सौवर्चललवण ॥ कालानौन ।
कृष्णला, स्त्री०गुञ्जा । शिंशपावृक्ष ॥ रति । सीसोंकावृक्ष ।
कृष्णलौह, न० अयस्कान्त ॥ अयस्कान्तलोहा।
कृष्णवर्त्मा [न्], पु० चित्रकवृक्ष । चीतावृक्ष।
कृष्णवल्ली, स्त्री० कृष्णार्जक । सँरिवा-विशेष ॥ कालीबनतुलसी । श्यामालता-कालीसर ।
कृष्णवल्लिका, स्त्री०जतुकालता ॥ पर्पटी ।
कृष्णवर्व्वरक, पु० वर्वरकवृक्ष॥कालीवनतुलसी ।
कृष्णबीज, न० कालिङ्ग ॥ तरबूज ।
कृष्णबीज, पु० रक्तशिग्रुवृक्ष॥लालसौजनेकावृक्ष ।

कृष्णवृन्ता, स्त्री० पाटलावृक्ष । माषपर्णी ॥ पाडर-वृक्ष । मषवन ।
कृष्णवृन्तिका, स्त्री० गम्भारीवृक्ष । पेटिकावृक्ष माषपर्णी ॥ कुम्भेर, खुमेर । पिटारीवृक्ष । मषवन ।
कृष्णशालि, पु० धान्य–विशेष ॥ काले धान ।
कृष्णशालि, पु० शोभाञ्जनवृक्ष सैजिनेका वृक्ष।
कृष्णशिम्बिका, स्त्री० कृष्णशिम्बी ॥ कालीसिम।
कृष्णशैरिक, पु० सहाचर ॥ कटसैरैया ।
कृष्णसखी, । स्त्री० जीरक ॥ जीरा ।
कृष्णसर्षप, पु० राजसर्षप ॥ राई ।
कृष्णसार, पु० स्नुहीवृक्ष । शिंशपावृक्ष । खदिर-वृक्ष । मृग–विशेष ॥ सेहुण्डवृक्ष । सीसोका वृक्ष । कृष्णसारमृग–हिरन ।
कृष्णस्कन्ध, पु० तमालवृक्ष ॥ स्याम तमाल ।
कृष्णा, स्त्री० नीलीवृक्ष । पिप्पली । सोमराजी । कृष्णजीरक । पर्पटी । द्राक्षा । नीलपुनर्नवा । गम्भारी । कटुका । सारिवा–विशेष । राजसर्षप । काकोली ॥ नीलका वृक्ष । पीपल। वापची । कालाजीरा पद्मावती । दाख । नीली, सौंठ । कम्भारी । कुटकी । श्यामालता, कालीसर । राई । काकोली ।
कृष्णागुरु, पु० कृष्णअगुरु ॥ कालीअगर ।
कृष्णाञ्जनी, स्त्री० कालाञ्जनीवृक्ष । काली कपास ।
कृष्णाभा, स्त्री० ऐ ।
कृष्णामिष, न० कृष्णायस ॥ कालालोहा ।
कृष्णायस, न० कृष्णवर्ण लौह ॥ कालालोहा
कृष्णार्जक, पु० कृष्णवर्ण तुलसी ॥ काली तुलसी ।
कृष्णालु, पु० नीलालु ॥ नील आलु ।
कृष्णवास, पु० अश्वत्थवृक्ष ॥ पीपलका वृक्ष ।
कृष्णिका, स्त्री० राजिका ॥ राई ।
कृष्णेक्षु पु० कृष्णवर्णइक्षु ॥ कालीईख ।
कृष्णोदुम्बरिका, स्त्री० काकोदुम्बरिका ॥ कठूमर ।
कॢप्तधूप, पु० सिह्लक ॥ शिलारस ।
केचुक, न० नाडीचशाक ॥ नाडीकाशाक ।
केतक, पु० केतकीवृक्ष ॥ केतकीवृक्ष ।
केतकी, स्त्री० स्वनामख्यात पुष्पवृक्ष । खर्जूरी ॥ केतकीवृक्ष । खजूर ।
केतिसा, स्त्री० कम्पिल्लक ॥ कवीलाऔषधी ।
कचेर, पु०वृक्षविशेष ।
केदारकटुका, स्त्री० कटुका ॥ कुटकी ।
केदारज, न० पद्मक ॥ पद्माख ।
केन्दु, पु० तिन्दुकवृक्ष ॥ तेंदुवृक्ष ।
केन्दुक, पु० ऐ ।
केमुक, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ केमुआ ।
केलिक, पु० अशोकवृक्ष ॥ अशोकवृक्ष ।
केलिवृक्ष, पु० ऐ०
केलिवृक्ष, पु० कदम्ब-विशेष ॥ कदमभेद ।
केवलद्रव्य, न० मारिच ॥ मिरच ।
केविका, स्त्री० पुष्प-विशेष ॥ केवडा ।
केवुक, न० केमुक ॥ केउँआवृक्ष ।
केश, पु०ह्रीवेर ॥ सुगंधवाला । नेत्रवाला ।
केशकार, पु०इक्षुभेद ॥ एकप्रकारकी ईख ।
केशट, पु० शोणकवृक्ष ॥ अरलु ।
केशनाम, [न्], न० वालक ॥ नेत्रवाला ।
केशपर्णी, स्त्री० अपामार्ग ॥ चिरचिटा ।
केशमथनी,स्त्री० शमीवृक्ष ॥ छोंकरवृक्ष ।
केशमुषि, पु०विषमुष्टिवृक्ष । महानिम्ब ॥ डोडी । बकायननीम ।
केशर, पु०न० किञ्जल्क ॥ पुष्पकी केशर वा जीरा।
केशर, पु० नागकेशरवृक्ष । बकुलवृक्ष । पुन्नाग-वृक्ष । हिङ्गवृक्ष । नागकेशर । मौलसिरीवृक्ष । पुन्नागवृक्ष । हिङ्गका वृक्ष ।
केशरञ्जन, पु० भृङ्गराजवृक्ष ॥ भङ्गरा ।
केशराज, पु० भृङ्गराज ॥ भङ्गर ।
केशराम्ल, पु० मातुलुङ्गकवृक्ष ॥ विजोरानीबु।
केशरी, [न्] पु० पुन्नागवृक्ष । नागकेशरवृक्ष । बीजपूरकवृक्ष ॥ पुन्नागवृक्ष । नागकेशरवृक्ष । विजोरानीबु ।
केशरुहा, स्त्री० भद्रदन्तिका ॥ भद्रदन्ती ।
केशरूपा, स्त्री० वन्दाकवृक्ष ॥ बाँदावृक्ष ।
केशव,पु० पुन्नागवृक्ष ॥ पुन्नागवृक्ष ।
केशवर्द्धिनी, स्त्री० सहदेवीलता ॥ सहदेवी ।
केशवायुध, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमवृक्ष ।
केशवालय, पु० अश्वत्थवृक्ष ॥ पीपलका वृक्ष ।
केशवावास, पु० ऐ ।
केशहन्त्री, स्त्री० शमीवृक्ष ॥ छोंकरावृक्ष ।
केशारुहा, स्त्री० सहदेवी ॥ सहदेवी ।
केशार्हा स्त्री० महानीली ॥ बडानीलवृक्ष ।
केशिका, स्त्री० शतावरी ॥ शतावर ।
केशिनी, स्त्री० जटामांसी । चोरपुष्पी ॥ बालछड। चोरहूली ।
केशी, स्त्री० भूतकेशीवृक्ष । अजलोमावृक्ष । नीली। माचिका ॥ भूतकेशवृक्ष । अजलो-

मावृक्ष । नीलकावृक्ष । मोईयावृक्ष ।

केश्य, न० कृष्णागुरु । पु० भृङ्गराज ॥ काली अगर । भाङ्गरा ।

केसर, न० हिङ्गु । नागकेशरपुष्पवृक्ष । स्वर्ण । कासीस ॥ हिङ्ग । नागकेशर । सोना । कसीस ।

केसर, पु० नागकेशरवृक्ष । बकुलवृक्ष । किञ्जल्क । पुन्नागवृक्ष ॥ नागकेशर । मौलसिरीवृक्ष । फूलका जीरा । पुन्नागवृक्ष । नागकेशर ।

केसर, पु० न० किञ्जल्क ॥ फूलकीकेसर वा जीरा ।

केसर, पु० स्त्री० हिङ्गु ॥ हीङ्ग ।

केसरवर, न० कुङ्कुम ॥ केशर ।

केसराम्ल, पु० बीजपूर ॥ विजोरानीबु ।

केसरिका, स्त्री० सहदेवीलता ॥ सहदेई ।

केसरी, [स्] पु० नागकेशर । रक्तशिग्रु । पुन्नागवृक्ष ॥ नागकेशर । लाल सैजिनेका वृक्ष । पुन्नागवृक्ष ।

कैटज, पु० कुटजवृक्ष ॥ कुडावृक्ष ।

कैटर्य, पु० कट्फल । निम्ब । महानिम्ब । मदनवृक्ष ॥ कायफल । नीम । बकायन नीम । मैनफलवृक्ष ।

कैटर्य्यपार्थत, पु० महानिम्ब ॥ वकायन नीम ।

कैडर्य्य, पु० कट्फल । पूतिकरञ्ज । कटभीवृक्ष ॥ कायफरल । दुर्गंधवाली खैर । कटभीवृक्ष ।

कैतक, न० केतकीपुष्प ॥ केतकी ।

कैदर्य पु० महानिम्ब ॥ बकायननीम ।

कैदार, पु० शालिधान्य ॥ शालिधान ।

कैरव, न० कुमुद । श्वेतोत्पल ॥ कमोदनी । सफेदकमल ।

कैरवी, स्त्री० मेथिका ॥ मेथी ।

कैराटक, पु० स्थावरविषभेद । अफीम, कनेर सङ्खिया, इत्यादि ।

कैरात, न० भूनिम्ब । शम्बरचन्दन ॥ चिरायता । शम्बरचन्दन ।

कैराल, न० विडङ्ग ॥ वायविडङ्ग ।

कैराली, स्त्री० विडङ्ग ॥ वायविडङ्ग विडङ्ग ।

कैवर्त्तमुस्त, न० कैवर्त्तमुस्तक ॥ केवटी मोथा ।

कैवर्त्तमुस्तक, न० कैवर्त्तिमुस्तक ॥ केवटी मोथा ।

कैवर्त्तिका, स्त्री० मालवे प्रसिद्ध लताविशेष ॥ कैवर्त्तीलता ।

कैवर्त्तिमुस्तक, कैवर्तीमुस्तक, न० मुस्ता प्रभेद ॥ केवटी मोथा ॥

कैतल, न० विडङ्ग ॥ वायविडङ्ग ।

कोक, पु० खजूरवृक्ष ॥ खजूरका पेड ।

कोकनद, न० रक्तकुमुद । रक्तपद्म॥लालकमोदनी । लालकमल ।

कोकाम्र, पु० समष्ठिलवृक्ष ॥ कोकुआवृक्ष ।

कोकिलनयन, पु० कोकिलाक्षवृक्ष ॥ तालमखाना ।

कोकिलावास, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमका पेड ।

कोकिलाक्ष, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ तालमखाना ।

कोकिलाक्षक पु० ऐ ।

कोकिलेष्टा, स्त्री० मजाजम्बू ॥ बडीजामुन, राजजामुन ।

कोकिलेक्षु, पु० कृष्णेक्षु ॥ कालागन्ना ।

कोकिलोत्सव, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमका वृक्ष ।

कोटि, स्त्री० स्पृक्का ॥ असवरग ।

कोटिवर्षा, स्त्री० ऐ ।

कोटि, स्त्री० ॥ ऐ ।

कोटीवर्षा, स्त्री० ऐ ।

कोठ, पु० चक्राकार कुष्ठरोग ।

कोठर, पु० अङ्कोठवृक्ष ढेरावृक्ष ।

कोठरपुष्पी, स्त्री० वृद्धदारक ॥ विधारावृक्ष ।

कोथ, पु० नेत्ररोग ॥ एकप्रकारका नेत्ररोग ।

कोद्रव, पु० स्वनामख्यात तृणधान्य ॥ कोदोंधान ।

कोयनक, पु० चोरक ॥ भटेउर ।

कोयलता, स्त्री० कर्ण स्फोटालता ॥ कनफोडावेल ।

कोमलक, न० मृणाल ॥ कमलकी डंडी ।

कोमला, स्त्री०क्षीरिकावृक्ष ॥ खिरनी ।

कोरक, पु० न० कक्कोलक । मृणाल । चोरक ॥ शीतलचीनी । भसीडा । भटेउर ।

कोरङ्गी, स्त्री० सूक्ष्मैला । पिप्पली ॥ छोटीइलायची । पीपल ।

कोरदूष, पु० कोरद्रव ॥ कोदोंधान ।

कोल, तोलकपरिमाण ॥ एकतोला ।

कोल, पु०न०बदरीफल । तोलकपरिमाण । मरिच । कक्कोलक । चव्य ॥ बेर । एकतोला । मिरच । शीतलचीनी । चव्य ।

कोलक, न० कक्कोलक । मरिच ॥ शीतलचीनी । मिरच ।

कोलक, पु० अङ्कोटवृक्ष बहुवारवृक्ष ॥ ढेरावृक्ष। लिसोड़ावृक्ष।
कोलकन्द, पु० महाकन्द–विशेष ॥ सूकरकन्द।
कोलकर्कटिका, स्त्री० मधुखर्जूरिका ॥ मीठी वा मधुखर्जूर।
कोलदल, न० नखीनामगन्धद्रव्य ॥ नखी।
कोलनासिका स्त्री० वङ्किणिवृक्ष।
कोलमूल, न० पिप्पलीमूल ॥ पीपलामूल।
कोलवल्ली, स्त्री० गजपिप्पली। चविका ॥ गज-पीपल। चव्य।
कोलशिम्बी, स्त्री० लता–विशेष ॥ सुअराशैम
कोला, स्त्री० कोलिवृक्ष। पिप्पली। चव्य ॥बेरिका-वृक्ष। पीपल। चव्य।
कोलि, पु० स्त्री० कोलवृक्ष ॥ बेरीका वृक्ष।
कोली, स्त्री० ऐ।
कोल्या, स्त्री० पिप्पली ॥ पीपल।
कोविदार, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ लालकचनार। कचनारवृक्ष।
कोशकार, पु० इक्षु ॥ ईख।
कोशफल, न० कक्कोलक ॥ कङ्कोल, शीतल-चीनी।
कोशफला, स्त्री० महाकोशातकी। त्रपुषी ॥ नेनु-आतोरई। खीरा।
कोशातकी, स्त्री० घोषालता। ज्योत्स्निका ॥ झिमनीलता, गलका तोरई। तोरई।
कोषाम्र, न० फलविशेष ॥ कोशम।
कोषी, [न्] पु० आम्रवृक्ष ॥ आमका वृक्ष।
कोष्ठ, पु० आमाशय, अग्न्याशय, पक्काशय, मूत्राशय, रक्ताधार, हृदय, उण्डुक, फुप्फुस।
कोहल, पु० मद्य–विशेष ॥ मदिराभेद।
कौचिला, स्त्री० मर्कटतेन्दु ॥ कुचिला।
कौट, पु० कुटजवृक्ष ॥ कुडावृक्ष।
कौटज, पु० ऐ।
कौटिल्य, न० चाणक्यमूल ॥ छोटीमूली।
कौद्रविक, न० सौवर्चललवण ॥ कालानोन।
कौन्ती, स्त्री० रेणुका ॥ रेणुका गन्धद्रव्य।
कौन्तेय, पु० अर्जुनवृक्ष ॥ कोहवृक्ष।
कौमारी, स्त्री० वाराहीकन्द ॥ वाराही, गेंठी।
कौलीरा, स्त्री० कर्कटशृङ्गी ॥ काकडाशिङ्गी।
कौवल, न० कुवल। कोलिफल ॥ कमोदनी। बेर।
कौबेर, न० कुष्ठ ॥ कूठ।
कौशिक,पु० गुग्गुलु। अश्वकर्णवृक्ष ॥ गूगल। शालभेद।
कौशिकफल, पु० नारिकेलवृक्ष ॥ नारियलवृक्ष।
कौशिक्योज, पु० शाखोटवृक्ष ॥ सिहोरावृक्ष।
कौसुम, न० कुसुमाञ्जन ॥ एकप्रकारका अञ्जन।
कौसुम्भ, पु० अरण्यकुसुम्भ ॥ वनकसुम।
क्रकच, पु० न० ग्रन्थिलवृक्ष ॥ विकङ्कतवृक्ष।
क्रकचच्छद, पु० केतकीवृक्ष ॥ केतकीवृक्ष।
क्रकचपत्र, पु० शाकवृक्ष ॥
क्रकचा, स्त्री० केतकी।
क्रकर, पु० करीरवृक्ष ॥ करीलकापेड।
क्रथनक, न० श्वेतअगुरु ॥ सफेदअगर।
क्रमपूरक, पु० अगस्तियावृक्ष ॥ हथियावृक्ष।
क्रमिकण्टक, न० विडङ्ग। उदुम्बरवृक्ष। वाय-विडङ्ग। गूलरवृक्ष।
क्रमिघ्न, न० विडङ्ग ॥ वायविडङ्ग।
क्रमिज, न० अगरु ॥ अगर।
क्रमिजा, स्त्री० लाक्षा। मजफल ॥ लाख। मा-जूफल।
क्रमिशत्रु, पु० विडङ्ग ॥ वायभृङ्ग। विडङ्ग।
क्रमु, पु० गुवाकवृक्ष ॥ सुपारीकावृक्ष।
क्रमुक, पु० गुवाकवृक्ष। ब्रह्मदारुवृक्ष। भद्रमुस्तक। कार्पासिकाफल। पट्टिकालोध्र ॥ सुपारीकावृक्ष। सहतूतकावृक्ष। भद्रमोथा। कपासकाफल। पठा-नीलोध।
क्रमुकफल, न० गुवाक ॥ सुपारी।
क्रमुकी, स्त्री० गुवाकवृक्ष ॥ सुपारीकावृक्ष।
क्रान्ता, स्त्री० बृहती ॥ कटाई, वरहंटा।
क्रिमि, पु० कीट। रोगविशेष॥ कीडा। क्रिमिरोग।
क्रिमिकण्टक, न० विडङ्ग। उदुम्बर ॥ वाय-विडङ्ग। गूलर।
क्रिमिघ्न, पु० विडङ्ग। पलाण्डु। कोलकन्द ॥ वाय विडङ्ग। प्याज। सूकरकन्द।
क्रिमिघ्नी, स्त्री० सोमराजी ॥ वायची।
क्रिमिज, न० अगरु ॥ अगर।
क्रिमिजा, स्त्री० लाक्षा। मजफल। लाख। मा-जूफल।
क्रिमिरिपु, पु० विडङ्ग ॥ वायभृङ्ग। विडङ्ग।
क्रिमिशत्रु, पु० रक्तपुष्पक ॥ फर हद।
क्रिमिशात्रव, पु० विट्खदिर ॥ दुर्गंधवालीखैर।
क्रिया, स्त्री० चिकित्सा ॥ ओषधी।
क्रूर, पु० भूताङ्कुशवृक्ष। रक्तकरवीरवृक्ष ॥ भूतरा-जक्केचित्भाषा। लाल कनेर।
क्रूरकर्म्मा [न्], पु० कुटुम्बिनीवृक्ष ॥ अर्कपु-ष्पी-सूरजमुखी।

क्रूरगन्ध, पु० गन्धक ॥ गन्धक ।
क्रूरगन्धा, स्त्री० कन्थारीवृक्ष ॥ कन्थारीवृक्ष ।
क्रूरधूर्त्त, पु० कृष्ण धुस्तूरक ॥ कालाधत्तूरा ।
क्रूरा, स्त्री० रक्तपुनर्नवा ॥ सौंठ, गदहपूर्ना ।
क्रोड, पु० वाराहीकन्द ॥ वाराहीवागेंठी ।
क्रोडचूडा, स्त्री० महाश्रावणिका ॥ बडीगोरखमुण्डी।
क्रोडपर्णी, स्त्री० कण्टकारिका ॥ कटेहरी ।
क्रोडी, स्त्री० वाराहीकन्द ॥ गेंठी ।
क्रोड़ेष्टा, स्त्री० मुस्ता ॥ मोथा ।
क्रोधमूर्च्छित, पु० चोरनामक गन्धद्रव्य ॥ भटेउर नेपालदेशकीभाषा ।
क्रोष्टुकपुच्छिका, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन ।
क्रोष्टुधूसरपुच्छिका, स्त्री० वृश्चिकाली ॥ बिछवाभेद ।
क्रोष्टुपुच्छिका, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन ।
क्रोष्टुपुच्छी, स्त्री० ऐ ।
क्रोष्टुफल, पु० इङ्गुदीवृक्ष ॥ गोंदिनीवृक्ष ।
क्रोष्टुविन्ना, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन ॥
क्रोष्टिक्षु, पु० श्वेतेक्षु ॥ सफेदईख । धौल ।
क्रोष्ट्री, स्त्री० शुक्लविदारी । कृष्णविदारी॥ सफेदविदारी । कालाविदारी ।
क्रोश्वादन, न० मृणाल । पिप्पली । चिश्चोटक॥ कमलकन्द । पीपल । चिश्चोटकतृण ।
क्रौश्वादनी, स्त्री० पद्मबीज ॥ कमलगट्टा ।
क्लीतक, न० यष्टिमधु ॥ मुलेठी, जेठीमध ।
क्लीतकिका, स्त्री० नीलीवृक्ष ॥ नीलकावृक्ष ।
क्लेदन, पु० कफ । पञ्चविधश्लेष्मान्तर्गतश्लेष्मविशेष ॥ कफ । एकप्रकारका श्लेष्म ।
क्लोम [न्], न० फुप्फुस ॥ फेफडा ।
क्वङ्गु, पु० कङ्गु ॥ कङ्गुनीधान वा चीनाधान ।
क्वाथ, पु० निर्य्यूह ॥ काढा ।
क्वाथोद्भव, पु० अञ्जन-विशेष ॥ रसोत ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृतेशालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने ककाराक्षरो नामप्रथमस्तरङ्गः ॥ १ ॥

ख.

ख, न० अभ्रक ॥ अभ्रक ।
खग, पु० स्वर्णमाक्षिक ॥ सोनामाखी ।
खगवक्त्र, पु० लकुचवृक्ष ॥ वडहर ।
खगशत्रु, पु० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन ।
खगगड, पु० तृण-विशेष ।
खजप, न० घृत ॥ घी ।
खजल, न० नीहार । आकाशवारि ।
खञ्जकारि, पु० सुसा ॥ खिसारी ।
खट, पु० कत्तृण ॥ गंधेजघास ।
खटिका, स्त्री० खडी ॥ खडियामाटी ।
खटिनी, स्त्री० खटी ॥ खडियामाटी ।
खटी, स्त्री० ऐ ।
खट्टाश, पु० वनजन्तु ॥ वनमार्जार ।
खट्टास, पु० ऐ ।
खड, न० लघुतृण ।
खडिका, स्त्री० कठिनी ॥ सेलखरी ।
खडी, स्त्री० खटी ॥ सेलखरी वा खडियामाटी ।
खड्ग, न० लौह ॥ लोहा ।
खड्ग, पु० चोरनामक गन्धद्रव्य ॥ भटेउर ।
खड्ग, पु० बृहत्काश ॥ बडे काँश ।
खड्गपत्र, खड्गिमार, पु० खड्गकोष ॥ खड्गलता ।
खण्ड, न० बिडलवण । इक्षु विशेष ॥ विरियासंचरनोन । खाँड ।
खण्ड, पु० इक्षुविकार ॥ खाँड ।
खण्डक, पु० सिताखण्ड॥ मधुरचीनी श्वेतचीनी ।
खण्डकर्ण, पु० आलु-विशेष ॥ शकरकन्द [न्दी] आलु ।
खण्डकालु, पु० आलु-विशेष ॥ गोलआलु ।
खण्डज, पु० गुड । यवासशर्करा ॥ गुड शीरखिस्त फारसी भाषा ।
खण्डमोदक, पु० यवासशर्करा ॥ शीराखिस्त ।
खण्डलवण, न० बिडलवण ॥ विरियासंचरनोन ।
खण्डशाखा, स्त्री० महिषवल्ली ॥
खण्डशर, खण्डसर, पु० यवासशर्करा ॥ शीरखिस्त ।
खण्डिक, पु० कलाय ॥ मटर ।
खण्डी, [न्] पु० वनमुद्ग ॥ मोठ ।
खण्डीर, पु० पीतमुद्ग ॥ पीलीमूँग ।
खदिका, स्त्री० लाजा ॥ खीलें ।
खदिर, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ खैर + कत्था ।
खदिरपत्रिका, स्त्री० अरिमेदवृक्ष । लज्जालुलता ॥ दुर्गंधखैर । लज्जावन्ती ।
खदिरपत्री, स्त्री० लज्जालुवृक्ष ॥ छुईमुई ।
खदिरा, स्त्री० ऐ ।
खदिरिका, स्त्री० लाक्षा ॥ लाख ।
खदिरी, स्त्री० खदिरीक्षुप । लज्जालु । वराहक्रान्ता ॥ खैरीशाक-वङ्गभाषा । लज्जावन्ती, लजालुहिन्दीभाषा । वराहक्रान्ता साधारणभाषा ।
खदिरोपम, न० कदर ॥ पपरियाकत्था ।
खपुर, पु० गुवाका । भद्रमुस्तक ॥ सुपारी । भद्रमोथा ।

खमूलि, स्त्री० कुम्भिका ॥ जलकुम्भी ।
खमूलिका, स्त्री० ऐ ।
खर, पु० कण्टकिवृक्ष–विशेष ॥ एकप्रकारका कण्टकयुक्तवृक्ष ।
खरकाष्टिका, स्त्री० बला ॥ खिरैंटी ।
खरगद्रि, पु० देवताडवृक्ष ॥ देवताडवृक्ष ।
खरगन्धनिभा, स्त्री० नागबला ॥ गंगेरन ।
खरगन्धा, स्त्री० ऐ ।
खरघातन, पु० नागकेशर ॥ नागकेशर ।
खरच्छद, पु० भूमिसह । शाखोटवृक्ष । कुन्दरुतृण ॥ भुईंसह । सहोरावृक्ष । कुन्दराइति कलिङ्गदेशीयभाषा ।
खरत्वक्, स्त्री० अलम्बुषा ॥ लज्जालुभेद ।
खरदण्ड, न० पद्म ॥ कमल ।
खरदला, स्त्री० क्षेमाफला ॥ गूलर ।
खरदूषण, पु० धुस्तूर ॥ धत्तूरा ।
खरधन्ततिका, स्त्री० नागबला ॥ गंगेरन ।
खरनादिनी, स्त्री० रेणुका ॥ रेणुकागन्धद्रव्य ।
खरपत्र, पु० क्षुद्रपत्रतुलसी । शाकवृक्ष । यावनालशर । हरित दर्भ । मरुबक ॥ छोटेपत्तेकीतुलसी । शाकवृक्ष एकप्रकारका शर । मरुआवृक्ष । सेगुनवङ्गभाषा । हरितवर्णकुशा ।
खरपत्रक, पु० तिलकवृक्ष ॥ तिलकवृक्ष ।
खरपत्री, स्त्री० गोजिह्वावृक्ष । काकोदुम्बरिका ॥ गोभी । कठूमर ।
खरपादाढ्य, पु० कपित्थवृक्ष ॥ कैथवृक्ष ।
खरपुष्प, पु० मरुबकवृक्ष ॥ मरुआवृक्ष ।
खरपुष्पा, स्त्री० बर्व्वरीवृक्ष ॥ वनतुलसी ।
खरमञ्जरी, स्त्री० अपामार्ग ॥ चिरचिरा ।
खरवल्लिका, स्त्री० नागबला ॥ गंगेरन ।
खरशाक, पु० भार्गी ॥ भारङ्गी ।
खरस्कन्ध, पु० प्रियालवृक्ष ॥ चिरोंजीकावृक्ष ।
खरस्कन्धा, स्त्री० खर्जूरीवृक्ष ॥ खजूरकावृक्ष ।
खरस्वरा, स्त्री० वनमल्लिका ॥ नेवारी ।
खरा, स्त्री० देवताडवृक्ष ॥ देवताडवृक्ष ।
खरागरी, स्त्री० ऐ ।
खराश्वा, स्त्री० मयूरशिखा । वनयवानी ॥ मोरशिखा । अजमोद + क्षेत्रअजमायन ।
खराह्वा, स्त्री० अजमोदा ॥ अजमोद ।
खरिका, स्त्री० कस्तूरीभेद ॥ कस्तूरीभेद ।
खर्जु, पु० खर्जूरी । कण्डू ॥ खजूर । कण्डू (खुजली) रोग ।
खर्जुर, न० रौप्य ॥ चाँदी ।
खर्जू, स्त्री० कण्डू ॥ कण्डूरोग ।
खर्जूघ्न, पु० चक्रमर्द । धुस्तूर । अर्कवृक्ष ॥ चकवड । धत्तूरावृक्ष । आकका वृक्ष ।
खर्जूर, न० खर्जूफल । रौप्य । हरिताल ॥ खजूर । रूपा । हरताल ।
खर्जूर, पु० स्त्री० खर्जूरीवृक्ष ॥ खिजूरका वृक्ष ।
खर्जूरी, स्त्री० वनखर्जूर । खर्जूर ॥ वनखजूर खजूर । छुहारा ।
खर्पर, पु० न० उपधातु–विशेष ॥ खपरिया ।
खर्परी, स्त्री० न० खर्परीतुत्थ ॥ एकप्रकारकी आँखकी औषध ।
खर्परी तुत्थ, न० । ऐ ।
खर्व, पु० कुब्जकवृक्ष ॥ कूजावृक्ष ।
खर्व्वुरा, स्त्री० तरदीवृक्ष ॥
खर्व्बूज, न० स्वनामख्यातफल ॥ खर्बूजा ।
खल, पु० तमालवृक्ष । धुस्तूरवृक्ष ॥ श्यामतमाल धत्तूरावृक्ष ।
खल, न० कुङ्कुम ॥ केशर ।
खलति, पु० इन्द्रलुप्तरोग ।
खलमूर्त्ति, पु० पारद ॥ पारा ।
खलि, पु० तैलकिट्ट ॥ तेलकी कीट ।
खलिनी, स्त्री० तालमूषी ॥ मूषली ।
खल्ली, स्त्री० हस्तपादावमर्द्दनरोग ।
खवल्ली, स्त्री० आकाशवल्ली–अमरवेल । अर्थात् आकाशवेल ।
खशा, स्त्री० मुरानामक गन्धद्रव्य ॥ एकाङ्गी, कपूरकचरी ।
खस, पु० खसखस ॥ खसखस, पोस्तकेदाने । पामारोग ।
खसकन्द, पु० क्षीरीशवृक्ष ॥ क्षीरकक्षकी ।
खसातिल, पु० खाखस ॥ पोस्तकेदाने ।
खसम्भवा, स्त्री० आकाशमांसी ॥ छोटीजटामांसी ।
खसखस, पु० वृक्षविशेष ॥ पोस्तकेदाने ।
खसखसरस, पु० अहिफेन ॥ अफीम ।
खाखस, पु० बीज–विशेष ॥ पोस्तकेदाने, खसखस ।
खाजिक, पु० लाजा ॥ खीलै ।
खादिरसार, पु० खदिरवृक्षनिर्यास ॥ कत्था, खैरसार ।
खानोदक, पु० नारिकेल ॥ नारियल ।
खारी, स्त्री० परिमाण–विशेष ॥ ५१२ सेर ।
खिङ्खिर, पु० गन्धद्रव्य–विशेष ॥ वारिवालक ।

खिराहिट्टी, स्त्री० महासमङ्गा ॥ कगहिया ।
खुज्जक, पु० देवताडवृक्ष ॥ देवताडवृक्ष ।
खुर, पु० नखीनामगन्धद्रव्य ॥ नखी ।
खुरक, पु० तिलवृक्ष ॥ तिलवृक्षका पेड ।
खुल्ल, न० नखी नाम गन्धद्रव्य ॥ नखी ।
खेचर, पु० पारद ॥ पारा ।
खेदिनी, स्त्री अशनपर्णी वृक्ष ॥ पटशण ।
खोटी, स्त्री० पालङ्कीवृक्ष ॥ पालकाशाक ।
इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृते शालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने खकाराक्षरेद्वितीयस्तरङ्ग ॥ २ ॥

ग.

गगन, न० अभ्रक ॥ अभ्रक ।
गङ्गापत्री, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ गङ्गापत्री ।
गज, पु० परिमाण-विशेष । औषधपाकार्थ गर्त्त-विशेष ॥ दोहाथपरिमाण। औषधबनानेका गर्त्त अर्थात् दोहाथ गहरा गढ़ा ।
गजकन्द, पु० हस्तिकन्द ॥ हस्तिकन्द ।
गजकुसुम, न० नागकेशर ॥ नागकेशर ।
गजचिर्भिटा, स्त्री० इन्द्रवारुणी ॥ इन्द्रायण ।
गजचिर्भिट, पु० डोडुम्बा॥ एकप्रकारकी ककडी।
गजचिर्भिटा, स्त्री० महेन्द्रवारुणी ॥ बडीइन्द्रायण।
गजदन्तफला, स्त्री० डङ्गरीलता ॥ एकप्रकारकी ककडी ।
गजपादप, पु० स्थालीवृक्ष ॥ बेलियापीपल ।
गजपिप्पली, स्त्री० पिप्पलीभेद ॥ गजपीपल ।
गजपुट, पु० औषधपाकार्थगर्त्त ॥ गजपुट ।
गजप्रिया, स्त्री० शल्लकीवृक्ष ॥ शालईवृक्ष ।
गजभक्षक, पु० अश्वत्थवृक्ष । पीपलकापेड ।
गजभक्षा, स्त्री० शल्लकीवृक्ष ॥ शालईवृक्ष ।
गजभक्ष्या, स्त्री० ऐ ।
गजवल्लभा, स्त्री० गिरिकदली । शल्लकी ॥ पर्वती-केला, पहाडीकेला । शालइका पेड ।
गजाख्य, पु० चक्रमर्दवृक्ष ॥ पमारकावृक्ष ।
गजाण्ड, न० पिण्डमूल ॥ सलगम ।
गजारि, पु० वृक्ष-विशेष ॥
गजाशन, पु० अश्वत्थवृक्ष ॥ पीपलका पेड ।
गजाशना, स्त्री० भङ्गा । शल्लकीवृक्ष । पद्ममूल । शाल्मलिवृक्ष ॥ भाङ्ग । शालईका पेड। कमलकन्द । सेमरकापेड ।
गजाह्वा, स्त्री० गजपिप्पली ॥ गजपीपल ।
गजेष्टा, स्त्री० बिदारी । गजपिप्पली ॥ विदारीकन्द गजपीपल ।
गजोपकुल्या, स्त्री० गजपिप्पली ॥ गजपीपल ।
गजोषणा, स्त्री० ऐ ।
गडलवण, न० सम्बरदेशोद्भवलवण ॥ सामरलवण।
गजदेशज, न० ऐ ।
गडु, पु० गलगण्ड । पृष्ठगुड । कुब्ज ॥ गलगण्डरोग । एकप्रकारका फोडा ॥ कुबडा ।
गडोत्थ, न० गड़लवण ॥ सामरनोन ।
गडचालक, न० चतुष्षष्टिगुञ्जापरिमाण । परिमाण-विशेष ॥ ६४ रत्तिपरिमाण । ४८ रत्तिपरिमाण ।
गणकर्णिका, स्त्री० इन्द्रवारुणी ॥ इन्द्रायण ।
गणरूप, पु० अर्कवृक्ष ॥ आकका पेड ।
गणरूपक, पु० राजार्क ॥ राजअर्कवृक्ष ।
गणरूपी, [न्] पु० श्वेतार्क ॥ सफेद आकका-पेड ।
गणहास, पु० धनहरनामक गन्धद्रव्य ॥ भटेउर नेपालदेशीय भाषा ।
गणहासक, पु० ऐ ।
गणिका, स्त्री० यूथिका । गणिकारिवृक्ष ॥ जुहीवृक्ष । गणियारीका वृक्ष ।
गणिकारिका, स्त्री० अग्निमन्थ । क्षुद्राग्निमन्थ ॥ अरणी वा अगेथुवृक्ष । छोटीअरणी ।
गणिकारी, स्त्री० पुष्पवृक्ष-विशेष ॥ मदन मादनी।
गणेरु, पु० कर्णिकारवृक्ष ॥ कनेर ।
गणेशकुसुम, पु० रक्तकरवीर ॥ लालकनेर ।
गणेशभूषण, न० सिन्दूर ॥ ईंगुर ।
गण्डकारी, स्त्री० लज्जालुलता । वराहक्रान्ता ॥ लज्जावन्ती । वराहक्रान्ता ।
गण्डकाली, स्त्री० लज्जालुवृक्ष ॥ खैरीशाक वङ्ग-भाषा ।
गण्डगात्र, न० फलविशेष ॥ सरीफा ।
गण्डदूर्वा, स्त्री० दूर्वा-विशेष ॥ गाँडरदूब ।
गण्डमाला, स्त्री० स्वनामख्यातगलरोग ॥ गण्ड-मालारोग अर्थात् कण्ठमाला ।
गण्डमालिका, स्त्री० लज्जालुवृक्ष ॥ लुई मुई ।
गण्डारि, पु० कोविदारवृक्ष । कचनारवृक्ष ।
गण्डाली, स्त्री० श्वेतदूर्वा । सर्पाक्षी । गण्डदूर्वा ॥ सफेददूब । सरहटी गंडनी । गाँडरदूब ।
गण्डीर, पु० समष्ठिलावृक्ष ॥ शुण्डियाशाक केचित् भाषा ।
गण्डीरी, स्त्री० सेहुण्डवृक्ष ॥ सेंडकावृक्ष ।
गण्डूपद, पु० किञ्चुलुक ॥ केंचुवाकीडा ।
गण्डूपदभव, न० सीसक ॥ सीसा ।

गण्डेरी, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ ।
गण्डोल, पु० गुड ॥ गुड कच्ची मिठाई ।
गद, न० विष ॥ जहर ।
गद, पु० रोग । कुष्ठौषध ॥ रोग । कुठ औषधी ।
गदा, स्त्री० पाटलावृक्ष ॥ पाडरका पेड ।
गदाख्य, न० कुष्ठौषध ॥ कूठ ।
गदाराति, पु० औषध ॥ दवा ।
गदाह्व, न० कुष्ठौषध ॥ कूठ ।
गद्यानक, न० गद्यालक । चतुष्षष्टिगुञ्जापरिमाण ॥ ४८ रत्ति । ६४ रत्ति ।
गन्ध, न० कृष्णागुरु ॥ काली अगर ।
गन्ध, पु० शोभाञ्जनवृक्ष । गन्धक ॥ सैजिनेकावृक्ष। गन्धक ।
गन्धक, पु० स्वनामख्यातउपधातु-विशेष । शोभाञ्जनवृक्ष ॥ गन्धक । सैजिनेका वृक्ष ।
गन्धकन्दक, पु० कशेरु ॥ कशेरुकन्द ।
गन्धकाष्ठ, न० अगुरु काष्ठ । शम्बर चन्दन ॥ अगर । शम्बरचन्दन ।
गन्धकुटी, स्त्री० मुरानामक गन्धद्रव्य ॥ एकाङ्गी ।
गन्धकुसुमा, स्त्री० गणिकारीवृक्ष ॥ मदनमादनी-मोतीयाभेद ।
गन्धकेलिका, स्त्री० कस्तूरी ॥ कस्तूरी ।
गन्धकोकिला, स्त्री० गन्धद्रव्य-विशेष ॥ गन्ध-कोकिला ।
गन्धखेड, न० गन्धवीरण ॥ एक प्रकारकी सुगंध घास ॥
गन्धखेडक, न० गन्धतृण ॥ रोहिसतृण ।
गन्धचन्दन, श्वेतचन्दन ॥ सफेदचन्दन ।
गन्धचेलिका, स्त्री० कस्तूरी ॥ कस्तूरी ।
गन्धजात, न० पत्रज ॥ तेजपात ।
गन्धतृण, न० सुगन्धितृण-विशेष ॥ शखान ।
गन्धत्वक्, न० एलवालुक ॥ एलुआ ।
गन्धदला, स्त्री० अजमोदा ॥ अजमोद ।
गन्धधूमज, पु० स्वादुनाम गन्धद्रव्य ॥ स्वादु ।
गन्धधूलि, स्त्री० कस्तूरी ॥ कस्तूरी ।
गन्धनाकुली, स्त्री० नाकुली । नाकुलीकन्द ॥ नाई । नकुलकन्द ।
गन्धनामा [न्], पु० रक्ततुलसी ॥ लालतुलसी ।
गन्धनाम्नी, स्त्री० क्षुद्ररोग-विशेष ॥ एकप्रकार-का रोग।
गन्धनिलया, स्त्री० नवमल्लिकापुष्प ॥ नेवारी ।
गन्धनिशा, स्त्री० गन्धपत्रा ॥ वनशटी, वनकाकचूर ।
गन्धपत्र, पु० तेजपत्र ॥ तेजपात ।
गन्धपत्र, पु० श्वेततुलसी । मरुबकवृक्ष । बब्बर । नारङ्ग । बिल्व ॥ सफेदतुलसी । मरुआवृक्ष । कालीवनतुलसी । नारङ्गीवृक्ष । बेलका वृक्ष ।
गन्धपत्रा, स्त्री० शठीभेद ॥ वनशठी, वनकचूर ।
गन्धपत्रिका, स्त्री० गन्धपत्रा । अजमोदा ॥ वन-शटी । अजमोद ।
गन्धपत्री, स्त्री० अम्बष्ठा । अश्वगन्धा । अजमोदा ॥ मोईया पोदीना । असगन्ध । अजमोद,बन-अजमायन ।
गन्धपलाशिका, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
गन्धपलाशी, स्त्री० शठी ॥ छोटाकचूर ।
गन्धपाषाण, पु० गन्धक ॥ गन्धक ।
गन्धपीता, स्त्री० गन्धपत्रा ॥ वनशठी ।
गन्धपुष्प, पु०वेतसवृक्ष । अङ्कोटवृक्ष। बहुवारवृक्ष॥ वेतकावृक्ष । ढेरावृक्ष । लिसोडावृक्ष ।
गन्धपुष्पा, स्त्री० नीलीवृक्ष । केतकीवृक्ष । गणिकारीवृक्ष ॥ नीलकापेड़ । केतकीका पेड। मदन-मादनी, मोतियाभेद ।
गन्धफणिज्जक, पु० रक्ततुलसी ॥ लालतुलसी ।
गन्धफल, पु० कपित्थ । बिल्व । तेजफलवृक्ष ॥ कैथवृक्ष । बेलकावृक्ष । तेजबलवृक्ष ।
गन्धफला, स्त्री० प्रियङ्गुवृक्ष । मेथिका । विदारी । शल्लकी॥फूलप्रियङ्गु । मेथी । विदारीकन्द । शाल-ईवृक्ष ।
गन्धफली, स्त्री० चम्पककलिका । प्रियङ्गुवृक्ष ॥ चम्पाकी कली । फूलप्रियङ्गु ।
गन्धबन्धु, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमका पेड ।
गन्धभद्रा, स्त्री० लता-विशेष ॥ प्रसारणी, पसरन ।
गन्धभाण्ड, पु० गर्दभाण्डवृक्ष ॥ गजहंदुवृक्ष ।
गन्धमांसी, स्त्री० जटामांसीभेद ॥ बालछडभेद ।
गन्धमातृक, न० पु० गन्धमात्रा ॥ एकप्रकारका-सुगंधिद्रव्य ।
गन्धमादन, पु० गन्धक ॥ गन्धक ।
गन्धमादनी, स्त्री०मदिरा । वन्दाक । चीडानामक गन्धद्रव्य ॥ सुरा, दारु । बाँदा । चीड ।
गन्धमादिनी, स्त्री० लाक्षा । पुरा ॥ लाख । कपूरकचरी ।
गन्धमालती, स्त्री० गन्धद्रव्य-विशेष ॥ गन्धमालती ।
गन्धमालिनी, स्त्री० मुरा ॥ कपूरकचरी ।
गन्धमुण्ड, पु० प्रसारणी ॥ पसरन ।
गन्धमूल, पु० कुलञ्जनवृक्ष ॥ कुलञ्जनवृक्ष ।

गन्धमूलक, पु० शठी ॥ आमियाहलदी ।
गन्धमूला, स्त्री० शल्लकी । शठी ॥ शालईकापेड । कचूर ।
गन्धमूलिका, स्त्री०शठीविशेष ॥ गंधपलासी वा-छोटाकचूर ।
गन्धमूली, स्त्री० गन्धमूलिका ॥ छोटाकचूर ।
गन्धमोदन, पु० गन्धक ॥ गन्धक ।
गन्धरस, पु० वणिग्द्रव्य-विशेष । वोर ।
गन्धरसाङ्गक, पु० श्रीवेष्टनामक गन्धद्रव्य ॥ वि-रोजा ।
गन्धराज, न० चन्दन । जवादिनामकगन्धद्रव्य । स्वनामख्यात शुक्लवर्णपुष्प ॥
गन्धराज, पु०मुद्गरवृक्ष । कणगुग्गुलु। स्वनामख्या-त शुक्लवर्णपुष्प॥ मोगरावृक्ष। कणगूगल । गन्ध-राजपुष्पवृक्ष ।
गन्धराजी, स्त्री० नखी ॥ नखीनामगन्धद्रव्य ।
गन्धर्व्वतैल, न० एरण्डतैल ॥ अण्डकातेल ।
गन्धर्व्वहस्त, पु० एरण्डवृक्ष ॥ अण्डकापेड ।
गन्धर्व्वहस्तक, पु० ऐ ।
गन्धवती, स्त्री० वनमल्लिका । सुरा ॥ वनजाति-मल्लिका, काठमल्लिका । कपूरकचरी ।
गन्धवधू, स्त्री० चीडा । शटी ॥ चीड । छोटाक-चूर ।
गन्धवल्कल, न० त्वच ॥ दालचीनी ।
गन्धवल्लरी, स्त्री० सहदेवी ॥ सहदेई ।
गन्धवल्ली, स्त्री० दण्डोत्पलभेद ॥ पीलेफूलकाद-ण्डोत्पल ।
गन्धवहल, पु० सितार्जक ॥ सफेदतुलसी ।
गन्धवहुला, स्त्री० क्षुद्रक्षुप-विशेष ॥ गोरक्षी ।
गन्धाविह्वल, पु० गोधूम गेहूँ ।
गन्धबीजा, स्त्री० मेथिका ॥ मेथी ।
गन्धवृक्षक, पु० शालवृक्ष ॥ सालका वृक्ष ।
गन्धव्याकुल, न० कक्कोल ॥ शीतलचीनी ।
गन्धशटी, स्त्री० शटी-विशेष ॥ गंधपलाशी ।
गन्धशाक, न० गौरसुवर्णशाक ॥ यह शाक चित्र-कूटदेशमें प्रसिद्ध है ।
गन्धशालि, पु० शालिधान्य-विशेष ॥ हंसराज, वासमती इत्यादि ।
गन्धशेखर, पु० कस्तूरी ॥ कस्तूरी ।
गन्धसार, पु० चन्दनवृक्ष । मुद्गरवृक्ष ॥ चन्दनका पेड । मोगरावृक्ष ।
गन्धसारण, पु० बृहन्नखी ॥ बडी नखी ।
गन्धसोम, न० कुमुद ॥ कमोदनी ।

गन्धा, स्त्री० शटी । शालपर्णी । चम्पककलिका ॥ गन्धपलासी । शालवन । चम्पाकी कली।
गन्धांशुमती, स्त्री० शालपर्णी । शालवन ।
गन्धाढ्य, न० चन्दन । जवादिनामक गन्धद्रव्य॥ चन्दन । जवादिनामक कस्तूरी ।
गन्धाढ्य, पु० नारङ्गवृक्ष ॥ नारङ्गीवृक्ष ।
गन्धाढ्या स्त्री० गन्धपत्रा स्वर्णयूथी । गन्धाली आरामशीतला । घृतकुमारी वनसटी । सोना-जुही । प्रसारणी । आरामशीतला ॥ घीकुआर ।
गन्धाधिक, न० तृणकुङ्कुम ॥ तृणकेशर ।
गन्धाम्ला, स्त्री० वनबीजपूरक ॥ वनजातविजो-रानींबु ।
गन्धाला, स्त्री० वृक्षविशेष ।
गन्धाली, स्त्री० प्रसारणीलता ॥ पसरन ।
गन्धालीगर्भ, पु० सूक्ष्मेला ॥ छोटीइलायची ।
गन्धाश्मा [न्] पु० गन्धक ॥ गन्धक ।
गन्धाष्टक, न० चन्दन, अगरु, कर्पूर, चोरक, कुङ्कुम, रोचना, जटामांसी, शिल्हक ॥ चन्दन, अगर, कपूर, भटेउर, केशर, गोलोचन, बालछड, शिलारस ।
गन्धि, न० तृणकुङ्कुम ॥ तृणकेशर ।
गन्धिक, पु० गन्धक ।
गन्धिनी, स्त्री० मुरा ॥ कपूरकचरी ।
गन्धिपर्ण, पु० सप्तच्छदवृक्ष ॥ सतिवन ।
गन्धोत्कटा, स्त्री० दमनकवृक्ष ॥ दवनावृक्ष ।
गन्धोत्तमा, स्त्री० मदिरा ॥ दारु ।
गन्धोलि, स्त्री० शटी ॥ छोटाकचूर ।
गन्धोली, स्त्री० ऐ ।
गभोलिक, पु० मसूर ॥ मसूरधान ।
गम्भारिका, स्त्री० गम्भारी ॥ कम्भारी ।
गम्भारी, स्त्री० काश्मरी ॥ गम्भारी, कुम्भेर ।
गम्भीर, पु० जम्बीर । पङ्कज ॥ जमिरिनींबु । क-मल ।
गर, न० विष । वत्सनाभविष ॥ विष । वच्छनाभ-विष ।
गर, पु० विष । उपविष ।
गरघ्न, पु० कृष्णार्जक । बर्बर ॥ कालीबर्बरीतुल-सी । वनतुलसी ।
गरद, न० विष ॥ जहर ।
गरल, न० विष । सर्पविष । कृष्णसर्पविष ॥ विष । साँपकाविष । कालेसाँपका विष ।
गरा, स्त्री० देवदालीलता ॥ घघरबेल, सोनैया ।
गरागरी, स्त्री० देवताडवृक्ष ॥ देवताड़वृक्ष ।

गरात्मक, न० शोभाञ्जनबीज ॥ सैजिनेकाबीज ।
गराजिका, स्त्री० लाक्षा । लाख ।
गरी, स्त्री० देवताडवृक्ष ॥ देवताड ।
गरुत्मान् [त्], पु० स्वर्णमाक्षिक । सोनामाखी।
गर्जर पु० मूल-विशेष ॥ गाजर ।
गर्जाफल, पु० विकण्टकवृक्ष ॥ विकण्टकवृक्ष।
गर्द्दभ, न० श्वेतकुमुद । विडङ्ग ॥ सफेदकमोदनी। वायभृङ्ग । विडङ्ग ।
गर्द्दभगद, पु० जालगर्द्दभरोग ॥ जालगर्द्दभरोग ।
गर्द्दभशाक, पु० ब्रह्मयष्टि ॥ भारङ्गी ।
गर्द्दभशाका, स्त्री० ऐ।
गर्द्दभशाखी, स्त्री० ऐ ।
गर्द्दभाण्ड, पु० वृक्ष-विशेष । प्लक्षवृक्ष ॥ पारसपीपल, गजहंडु । पाखरवृक्ष ।
गर्द्दभाह्वय, पु० कुमुद ॥ कमोदनी ।
गर्द्दभिका, स्त्री० क्षुद्ररोग-विशेष ।
गर्द्दभी, स्त्री० अपराजिता । श्वेतकण्टकारी । कटभी । ज्योतिष्मती । क्षुद्ररोग-विशेष ॥ कोयललता, विष्णुक्रान्ता । सफेदकटेहरी । कटभी । मालकाङ्गनी । गर्द्दभिकारोग ।
गर्द्ध, पु० गर्द्दभाण्डवृक्ष ॥ पारिसपीपल ।
गर्भकर, पु० पुत्रजीववृक्ष ॥ जियापोतावृक्ष ॥
गर्भघातिनी, स्त्री० लाङ्गलिकावृक्ष ॥ कलिहारीवृक्ष ।
गर्भद, पु० पुत्रजीववृक्ष ॥ जियापोता ।
गर्भदात्री, स्त्री० क्षुप-विशेष ॥ पुत्रदा ।
गर्भनुत्. [द्] ’ पु० कलिकारीवृक्ष ॥ कलिहारीवृक्ष ।
गर्भपातक, पु० रक्तशोभाञ्जनवृक्ष ॥ लालसैजिनेकावृक्ष ।
गर्भपातन, पु० अरिष्टकवृक्ष ॥ रीठा ।
गर्भपातनी, स्त्री० कलिकारीवृक्ष ॥ कलिहारीवृक्ष ।
गर्भपातिनी, स्त्री० विशल्यावृक्ष ॥ अग्निशिखावृक्ष।
गर्भशय्या, स्त्री० गर्भोत्पत्तिस्थान ॥ गर्भकी उत्पत्तिका स्थान ।
गर्भस्त्रावी, [न्] पु० हिन्तालवृक्ष ॥ एक प्रकारका ताड़ ॥
गर्भागार, न० गर्भाशय ॥ गर्भस्थान ।
गर्भाशय, पु० गर्भागार ॥ गर्भस्थान ।
गर्भिणी, स्त्री० क्षीरीवृक्ष ॥ क्षीरवृक्ष ।
गर्मुत्, स्त्री० तृणधान्य-विशेष ॥ एक प्रकारके तृणधान्य ।
गर्म्मुटिका, स्त्री० व्रीहिभेद ॥ एक प्रकारके व्रीहिधान ।
गर्म्मोटिका, स्त्री० जरडीतृण ॥ जरडीतृण ।
गल, पु० कण्ठ । सर्जरस ॥ गला । रल।
गलगण्ड, पु० स्वनामख्यात गलरोग ॥ गलगण्डरोग ।
गलशुण्डिका, स्त्री० तालूर्द्धजिह्वा ॥ तालूके ऊपर एक छोटी जीव ।
गला, स्त्री० अलम्बुषा ॥ लज्जालुभेद ।
गलाङ्कुर, पु०गलरोग-विशेष ॥ एक प्रकारका गलरोग ।
गवादनी, स्त्री० इन्द्रवारुणी । नीलापराजिता ॥ इन्द्रायण निलीकोयललता, कृष्णक्रान्ता ।
गवाषिका, स्त्री– लाक्षा ॥ लाख ।
गवाक्षी, स्त्री० गोडुम्बा । इन्द्रवारुणी । शाखोटवृक्ष । अपराजिता ॥ एक प्रकारकी ककडी । इन्द्रायण । सहोरावृक्ष । कोयललता, विष्णुक्रान्ता।
गवेडु, पु० धान्य-विशेष ॥ गरहेडुआ ।
गवेधु, पुं० ऐ ।
गवेधुक, न० गैरिक ॥ गेरु ।
गवेधुका, स्त्री० तृणधान्य-विशेष । नागबला ॥ गरहेडुवा । गंगेरन, गुलसकरी ।
गवेरुक, न० गैरिक ॥ गेरु ।
गवेशका, स्त्री० नागबला ॥ गुलसकरी ।
गव्या, स्त्री० गोरोचना ॥ गोरोचन, गौलोचन।
गाङ्गेय, न० स्वर्ण । धुस्तूर कशेरु । मुस्तक ॥ सोना । धतूरा । कशेरु । मोथा ।
गाङ्गेय, पु० भद्रमुस्ता । नागरमुस्ता ॥ भद्रमोथा । नागरमोथा ।
गाङ्गेरुकी, स्त्री० नागबला ॥ गुलसकरी, गंगेरन ।
गाङ्गेष्टी, स्त्री० कटशर्करालता ॥ एक प्रकारकी वनस्पति ।
गाण्डीवी, [न्] पु० अर्जुनवृक्ष ॥ कोहवृक्ष ।
गात्रभङ्गा, स्त्री० शूकशिम्बी ॥ कौंछ ।
गानिली, स्त्री० वचा ॥ वच ।
गान्धार, न० गन्धरस ॥ वोर ।
गान्धार, पु० सिन्दूर ॥ सिन्दूर ।
गान्धारी, स्त्री० यवास । सम्विदामञ्जरी ॥ जवासा । गाँजा ।
गाम्भारी, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ कम्भारी, खुमेर ।
गायत्री [न्], पु० खदिरवृक्ष ॥ खैरकावृक्ष ।

गायत्री, स्त्री० खदिरवृक्ष । विट्खदिर ॥ खैर । दुगँधखैर ।

गारुड, न० स्वर्ण ॥ सोना ।

गारुडी, स्त्री० पातालगारुडीलता ॥ छिरहिटा ।

गारुत्मतपात्रिका, स्त्री० पाचीलता ॥ पच्चेवेल ।

गालव, पु० लोध्रवृक्ष । श्वेतलोध्र । केन्दुकवृक्ष ॥ लोध । पठानी वा सफेदलोध । तैन्दुवृक्ष ।

गालोड्य, न० पद्मबीज ॥ कमलगट्टा ।

गिरि, पु० चक्षुरोग-विशेष । नेत्ररोग ।

गिरिकदम्ब, पु० बाराकदम्ब । कदम्बवृक्ष ॥ कदमभेद । कदमवृक्ष ।

गिरिकदली, स्त्री० पर्वतीयकदली ॥ पहाडीकेला।

गिरिकर्णिका, स्त्री० श्वेतकिणिँहीवृक्ष । अपराजिता ॥ सफेदकिणहीवृक्ष।कोयललता,विष्णुक्रान्ता।

गिरिकर्णी, स्त्री० अपराजिता । यवास ॥ कोयल । जवासा ।

गिरिज, न० अभ्रक । शिलाजतु । लौह । गैरिक। शैलेय ॥ अभ्रक । शिलाजीत । लोहा । गेरू । भूरिछरीला ।

गिरिज, पु० मधूकवृक्षविशेष ॥ पर्वतीमहुआवृक्ष ।

गिरिजा, स्त्री० मातुलुङ्गा । क्षुद्रपाषाणभेदा । त्रायमाणा । कारिवृक्ष । मल्लिका । गिरिकदली । श्वेतवुहा ॥ चकोतरा । छोटापाखानभेद । त्रायमान । आकर्षकारी । मल्लिका पुष्पवृक्ष । पहाडीकेला । सफेदवोना ।

गिरिजामल, न० अभ्रक ॥ अभ्रक ।

गिरिजाबीज, न० गन्धक ॥ गन्धक ।

गिरिधातु, पु० गैरिक ॥ गेरू ।

गिरिनिम्ब, पु० महारिष्टनिम्ब ॥ बकायननीम ।

गिरिपीलु, पु० पुरुषकवृक्ष ॥ फालसा ।

गिरिपुष्पक, न० शैलेय ॥ पत्थरकाफूल ।

गिरिभित [द्], पु० पाषाणभेदकवृक्ष ॥ पखानभेद ।

गिरिभू, स्त्री० क्षुद्रपाषाणभेदा ॥ छोटापाखानभेद ।

गिरिमल्लिका, स्त्री०कुटजवृक्ष ॥ कुड़ावृक्ष ।

गिरिमृत, [द्] स्त्री० गैरिक ॥ गेरू ।

गिरिमृद्भव, न० ऐ ।

गिरिमेद, पु० विट्खदिर ॥ दुर्गंधखैर ।

गिरिवासी, [न्] पु० हस्तिकन्द ॥ हस्तिकन्द।

गिरिशालिनी, स्त्री० अपराजिता ॥ कोयललता। विष्णुक्रान्ता ।

गिरिसार, पु० लौह । रङ्ग ॥ लोहा । राङ्ग ।

गिल, पु० जम्बीर ॥ जम्भीरीनीबु ।

गीर्लता, स्त्री० महाज्योतिष्मती॥ बड़ीमालकांगुनी।

गीर्वाणकुसुम, न० लवङ्ग ॥ लौंग ।

गुग्गुल, पु० शिलाजतु ॥ शिलाजीत ।

गुग्गुलु, पु० रक्तशोभाञ्जनवृक्ष। स्वनामख्यातवृक्ष । अस्वनिर्य्यासगुन्धिद्रव्य ॥ लालसैंजिनेकापेड । गुग्गुलुकापेड । इसका गोंद गूगल है ॥

गुच्छक, न० ग्रन्थिपर्ण ॥ गंठिवन ।

गुच्छक, पु० रीठाकरञ्ज ॥ रीठाकरञ्ज ।

गुच्छकरञ्ज, पु० करञ्ज-विशेष ॥ एकप्रकारकी करञ्ज ।

गुच्छदन्तिका, स्त्री० कदली ॥ केला ।

गुच्छपत्र, पु० तालवृक्ष ॥ ताडवृक्ष ।

गुच्छपुष्प, पु० सप्तच्छदवृक्ष । अशोकवृक्ष ॥ सतिवन । अशोककापेड ।

गुच्छपुष्पक, पु० रीठाकरञ्ज । राजादनीवृक्ष । गुच्छकरञ्ज ॥ रीठाकरञ्ज । खिरनीवृक्ष । गुच्छकरञ्ज करञ्जभेद ।

गुच्छपुष्पी, स्त्री० धातकी ॥ धायकेफूल ।

गुच्छफल, पु० रीठाकरञ्ज । राजादनी । कतक । रीठाकरञ्ज । खिरनीवृक्ष । निर्म्मलीफल ।

गुच्छफला, स्त्री० काकमाची । निष्पावी । द्राक्षा। कदली । अग्निदमनी ॥ मकोय । हरीनिष्पावी । दाख । केला । अग्निदमनी ।

गुच्छवध्रा, स्त्री० क्षुद्रक्षुप-विशेष ॥ गुण्डालावृक्ष ।

गुच्छमूलिका, स्त्री० गुण्डासिनीतृण ॥ गुण्डासिनीघास ।

गुच्छाल, पु० तृण-विशेष ॥ भूतृण ।

गुच्छाह्वकन्द, पु० गुलञ्चकन्द ॥ कुली,वङ्गभाषा ।

गुच्छी, स्त्री० करञ्ज-विशेष । गुच्छकरञ्ज ।

गुञ्जा, स्त्री० लता-विशेष । त्रियवपरिमाण ॥ घुंघुची, चोंटली, चिरमिठी, गुँजइत्यादि। १ रत्तिपरिमाण ।

गुञ्जाकिनी, स्त्री० गुञ्जा ॥ चोंटली ।

गुञ्जिका, स्त्री० गुञ्जा । त्रियवपरिमाण ॥ घुघूंची । ३ जोकी बराबर अर्थात् १ रत्ति ।

गुड़, पु० स्वनामख्यातमिष्टद्रव्य, इक्षुपाक। खर्ज्जूररसक्काथ । कार्पासी ॥ गुड । खर्ज्जूरकेरसकाबनायाहुवा गुड । कपास ।

गुड़क, पु० गुड़द्वारापक्कौषध-विशेष ॥ गुडसैबनाई हुई पक्की औषधी ।

गुड़ची, स्त्री० गुडूची ॥ गिलोय ।

गुड़तृण, पु० इक्षु ॥ ईख ।

गुड़त्रिण, न० ऐ ।

गुडत्वक् (च्), न० स्वनामख्यातगन्धद्रव्य ॥ दालचीनी ।
गुडत्वच, न० गुडत्वक् । जातीपत्री ॥ दालचीनी। जावित्री ।
गुडदारु, न० इक्षु ॥ ईख ।
गुडपुष्प, पु० मधुकवृक्ष ॥ महुआवृक्ष ।
गुडफल, पु० पीलुवृक्ष ॥ पीलूकापेड ।
गुडभा, स्त्री० यावनालशर्करा ॥ शीरखिस्त ।
गुडमूल, पु० अल्पमारिषशाक ॥ चौलाईकाशाक।
गुडल, न० गौडी मदिरा ॥ गुडकी मदिरा, गुडकी शराव ।
गुडबीज, पु० मसूर ॥ मसूरअन्न ।
गुडशिग्रु,पु०रक्तशोभाञ्जनवृक्ष॥लाल सैजिनेकावृक्ष।
गुडा, स्त्री० स्नुहीवृक्ष । उशीरी ॥ सेहुण्डवृक्ष । छोटेकांस । छोटे थूँड ।
गुडाशय, पु० आखोटवृक्ष ॥ अखरोटकापेड । ।
गुडिका, स्त्री० गुटिका । बृहद्वटिका ॥ गोली । बडीगोली ।
गुडुची, स्त्री० गुडूची ॥ गिलोय ।
गुडूची, स्त्री० स्वनामख्यातलता ॥ गिलोय ।
गुडोद्भवा, स्त्री० शर्करा ॥ चीनी ।
गुणा, स्त्री० दूर्वा । मांसरोहिणी ॥ दूब । रोहिनी, मांसरोहिनी ।
गुण्ड, पु० स्वनामख्याततृण ॥ गुंडतृण । इसका कन्द कशेरु है ।
गुण्डकन्द, पु० कशेरु ॥ कशेरुकन्द ।
गुण्डा, स्त्री० कम्पिल्लक ॥ कवीला ।
गुण्डारोचनिका, स्त्री० ऐ ।
गुण्डाला, स्त्री० क्षुद्रक्षुप-विशेष ॥ गुण्डालावृक्ष ।
गुण्डासिनी, स्त्री० तृण-विशेष ॥ गुण्डासिनीतृण ।
गुण्डिकेरी, स्त्री० बिम्बीफल ॥ कन्दूरी ।
गुत्थ, पु० गवेधुका ॥ गरहेडुआ ।
गुत्थक, न० ग्रन्थिपर्ण ॥ गठिवन ।
गुत्स, पु० ऐ ।
गुत्सपुष्प, पु० सप्तच्छदवृक्ष ॥ सतिवन ।
गुद, न० अपान । मलद्वार । गुह्यदेश ॥ विष्ठानिकलनेकास्थान ।
गुदकील, पु० अर्शोरोग ॥ बवासीर ।
गुदभ्रंश, पु० मलद्वारनिर्गमरोग ॥ एकप्रकारकागुदरोग ।
गुदाङ्कुर,पु० अर्शोरोग ॥ बवासीर ॥
गुन्द्र, पु० शर । वृक्ष-विशेष ॥ सरपता । पटेर ।
गुन्द्रक, पु०ऐ ।
गुन्द्रमूला, स्त्री० एरकातृण ॥ मोथीतृण । कोई ग्रन्थकार पटेरीकोभीलिखतेहैं ।
गुन्द्रा, स्त्री० भद्रमुस्तक । प्रियङ्गुवृक्ष । गवेधुका । एरका॥भद्रमोथा।फूलप्रियङ्गु।गरहेडुआ । मोथीतृण।
गुप्तस्नेह, पु० अङ्कोठवृक्ष ॥ ढेरावृक्ष ।
गुप्ता, स्त्री० कपिकच्छु ॥ कोंछ ।
गुरु, पु० ऐ ।
गुरुघ्न, पु० गौरसर्षप ॥ सफेदसर्सों ।
गुरुपत्र, पु० रङ्ग ॥ राङ्ग ।
गुरुपत्रा, स्त्री० तिन्तिडीवृक्ष ॥ इमलीकावृक्ष ।
गुरुवर्च्चोघ्न, पु० लिम्पाक ॥ नीबु, कागजीनीबु ।
गुलञ्चकन्द,पु० कन्द-विशेष ॥ कुली वङ्गभाषा।
गुला, स्त्री० स्नुहीवृक्ष ॥ थूहरकापेड ।
गुली, स्त्री० स्नुहीवृक्ष । गुटिका । रोगभेद ॥ सेहुंड कापेड । गोली । वसन्तरोग ।
गुल्फ, पु० वादग्रन्थि ॥ पाँवकीगाँठ ।
गुल्मकेतु, पु० अम्लवैतस ॥ अम्लवैत ।
गुल्ममूल, न० आर्द्रक ॥ अदरख ।
गुल्मवल्ली, स्त्री० सोमवल्ली ॥ सोमलता ।
गुल्मशूल, पु० रोग-विशेष ॥ गुल्मशूलरोग ।
गुल्मी, स्त्री० एला । आमलकी । गृध्रनखीवृक्ष ॥ इलायची । आमला ।
गुवाक, पु० वृक्ष-विशेष ॥ सुपारीकावृक्ष ।
गुहा, स्त्री० सिंहपुच्छीलता । शालपर्णी ॥ पिठवन । शारिवन,सालवन ।
गुहाबदरी, स्त्री० वृक्ष-विशेष । शालपर्णी ॥ रुमीमस्तगीकावृक्ष । शालवन ।
गुह्यपुष्प, पु० अश्वत्थवृक्ष ॥ पीपलकापेड़ ।
गुह्यबीज, पु० भूतृण ॥ शरवाण ।
गूढपत्र, पु० करीरवृक्ष । अङ्कोठवृक्ष ॥ करीलकापेड । ढेरावृक्ष ।
गूढपुष्पक, पु० बकुलवृक्ष ॥ मौलसिरीकावृक्ष ।
गूढफल, पु० बदर ॥ बेर ।
गूढवल्लिका, स्त्री० अङ्कोठवृक्ष ॥ ढेरावृक्ष ।
गूवाक, पु० गुवाक ॥ सुपारी ।
गृञ्जन, न० मूल-विशेष ॥ सलगम ।
गृञ्जन, पु० रसोन । रक्तलशुन ॥ लहशन । लाललहशन ।
गृध्रनखी, स्त्री० कुलिकवृक्ष । कोलिकवृक्ष ॥ काकादनीवृक्ष । बेरीकापेड ।
गृध्रपत्रा, स्त्री० धूम्रपत्रावृक्ष ॥ तमाखुकापेड ।
गृध्रसी, स्त्री०वातरोगविशेष ॥ वायुरोगभेद ।
गृध्राणी, स्त्री० धूम्रपत्रावृक्ष ॥ तमाखुकावृक्ष ।

गृष्टि, स्त्री० वराहक्रान्ता । बदरीवृक्ष । काश्मरी ॥ वराहक्रान्तावृक्ष । बेरीकापेड । कम्भारी, खुमेरकापेड । वाराहीकन्द ।
गृह, न० शैलेय ॥ पत्थरकाफूल ।
गृहकन्या, स्त्री० घृतकुमारी ॥ घीकुआर ।
गृहद्रुम, पु० मेढ़शृङ्गिवृक्ष ॥ मेढाशिङ्गी ।
गृहणी, स्त्री० काञ्जिक ॥ कांजी ।
गृहपुत्रिका, स्त्री० घृतकुमारी ॥ घीकुआर ।
गृहाम्ल, न० काञ्जिक ॥ काँजी ।
गृहाशया, स्त्री० ताम्बूली ॥ पान ।
गैरिक, न० स्वर्ण । रक्तवर्णधातु-विशेष ॥ सोना । गेरुमाटी ।
गैरिकाक्ष, पु० जलमधूकवृक्ष । जलमहुआवृक्ष ।
गैरी, स्त्री० लाङ्गलिकीवृक्ष ॥ कलिहारीकापेड ।
गैरेय, न० शिलाजतु ॥ शिलाजीत ।
गोकण्ट, पु० गोक्षुरवृक्ष ॥ गोखुरूकापेड ।
गोकण्टक, पु० गोक्षुरकवृक्ष । विकण्टकवृक्ष ॥ गोखुरुकापेड । गर्जाफल ।
गोकर्णी, स्त्री० मूर्व्वालता ॥ चुरनहार ।
गोकृत, न० गोमय ॥ गोबर ।
गोखुर, पु० गोक्षुरवृक्ष ॥ गोखुरूवृक्ष ।
गोखुार, पु० ऐ ।
गोच्छाल, पु० भूकदम्ब ॥ कुलाहलवृक्ष ।
गोजल, न० गोमूत्र ॥ गायकामूत ।
गोजा, स्त्री० गोलोमिकावृक्ष ॥ पांथरी पश्चिमदेशकीभाषा ।
गोजागरिक, पु० कण्टकारिका ॥ कटेहरी ॥
गोजापर्णी, स्त्री० पयःफेनीवृक्ष ॥ दूधफेनीवृक्ष ।
गोजिह्वा, स्त्री० क्षुप-विशेष । गेवधुका ॥ गोभी-वनपती । गरहेडुआ ।
गोजिह्विका, स्त्री० गोजिह्वालता ॥ गोभी । कोई वैद्य गावजवाँ कोभी कहते हैं ।
गोडुम्ब, पु० शीर्णावृन्त ॥ तरबूज ।
गोडुम्बा, स्त्री० गवादनी ॥ गोमाककडी ।
गोडुम्बिका, स्त्री० गोडुम्बा ॥ गोमाककडी ।
गोणी, स्त्री० द्रोणीपरिमाण ॥ १२८ सेरपरिमाण ।
गोत्रवृक्ष, पु० धन्वनवृक्ष ॥ धामिनवृक्ष ।
गोत्थ, पु० गोमय ॥ गोबर ।
गोदन्त, न० स्वनामख्यात श्वेतवर्णहरितालभेद । हरिताल ॥ गोदन्ती । हरताल ।
गोदन्तिका, स्त्री० गोदन्त ॥ गोदन्ती ।
गोदुग्धदा, स्त्री० चणिकातृण ॥ चणिकाघास ।
गोद्रव, पु० गोमूत्र ॥ गायकापिसाव ।
गोधा, स्त्री० स्वनामख्यात चतुपष्द नकुलसदृशजन्तु-विशेष ॥ गोयसाँप ।

गोधापादिका, स्त्री० गोधापदीलता ॥ हंसपदी ।
गोधापदी, स्त्री० हंसपदी ॥ लज्जालुभेद । तालमूली ॥ मूसली ।
गोधावती, स्त्री० ऐ ।
गोधास्कम्ब, पु० विट्खदिर ॥ दुर्गंधखैर ।
गोधि, पु० गोधिका ॥ गोय ।
गोधिनी, स्त्री० क्षविकावृक्ष ॥ एकप्रकारकी कटेहरी ।
गोधुम, पु० गोधूम ॥ गेहू ।
गोधूम, पु० व्रीहिभेद । नागरङ्ग । औषधी-विशेष ॥ गेंहू । नारङ्गीकावृक्ष । एक औषधी ।
गोधूमचूर्ण, न० चूर्णीकृत गोधूम ॥ मयदा, चून, सूजी इत्यादि ।
गोधूममण्डव, न० सौवीर ॥ एकप्रकारकी काँजि ।
गोधूमी, स्त्री० गोलोमिका ॥ पाथरी पश्चिमदेशीयभाषा ।
गोनर्द्द, न० कैवर्ती मुस्तक ॥ केवटीमोथा ।
गोनिष्यन्द, पु० गोमूत्र ॥ गायकापिसाव ।
गोप, गोपक, पु० गन्धरस ॥ बोल ।
गोपकन्या, स्त्री० शारिवा औषधी ॥ गौरीसर ॥
गोपघोण्टा, स्त्री० हस्तिकोलि । विकङ्कतवृक्ष ॥ पैंडावेर । कण्टाई ।
गोपति, पु० ऋषभनामकौषधी ॥ ऋषभऔषधी ।
गोपदल, पु० गुवाक ॥ सुपारी ।
गोपन, न० तमालपत्र ॥ तेजपात ।
गोपभद्र, न० कुमुदकन्द ॥ कमोदनीकीजड़ ।
गोपभद्र, पु० पद्मकन्द, भसींडा, कमलकन्द ।
गोपभद्रा, स्त्री० काश्मरीवृक्ष ॥ कम्भारीकापेड ।
गोपभद्रिका, स्त्री० गम्भारीवृक्ष ॥ कम्भारी कुम्मेर ।
गोपरस, पु० गन्धरस ॥ बोल ।
गोपवधु, स्त्री० शारिवा ॥ गौरीसर ।
गोपवल्ली, स्त्री० मूर्वा । शारिवा । श्यामालता ॥ चुरनहार । गौरीसर । कालीसर ।
गोपा, स्त्री० श्यामालता ॥ कालीसर ।
गोपाल, पु० ऐ ।
गोपाकर्कटी, स्त्री० कर्कटीभेद । गोपालककाकडी ।
गोपाली, स्त्री० गोपालकर्कटी ॥ गोरक्षी ॥ गोपालकाकडी । गोरक्षी ।
गोपवित्त, न० गोरोचना ॥ गौलोचन ।
गोपी, स्त्री० श्यामालता ॥ गौरिआवासाऊं ।
गोपुटा, स्त्री० स्थूलेला ॥ बडीइलायची ।
गोपुर, न० कैवर्त्ती मुस्तक ॥ केवटीमोथा ।
गोपुरक, पु० कुन्दुरुक ॥ कुन्दुरु । लोवानफार्सी ।
गोमय, न० पु० स्वनामख्यातद्रव्य ॥ गोबर ।

गोमयच्छत्र, न० करक ॥ भूमिछाता ।
गोमयच्छत्रिका, स्त्री० ऐ ।
गोमयप्रिय, न० भूतृण ॥ शरवान ।
गोमयोद्भव, पु० आरग्वध ॥ अमलताल ।
गोमरी, स्त्री० वार्त्ताकुभेद ॥ रामवैगन, रक्तवैगन ।
गोमूत्र, न० गोमय ॥ गायकापिसाव ।
गोमूत्रिका, स्त्री० तृण-विशेष ॥ गोमूत्रतृण ।
गोमेदक, न० गोमेदमणि । काकोल । पत्रक ॥ गोमेदमणि । काकोलविष तेजपात ।
गोमेदक पु० स्वनामख्यातमणि ॥ गोमेदमणि ।
गोरट, पु० दुष्खदिर ॥ दुर्गंधखैर ।
गोरस, पु० दुग्ध । दधि । तक्र ॥ दूध । दही । छाछ, घोल, मठ्ठा ।
गोरसज, न० तक्र ॥ छाछ ।
गोरक्ष, पु० ऋषभनामकऔषधी ॥ ऋषभक ।
गोरक्षकर्कटी, स्त्री० चिर्भिटा ॥ गुरुभींहुं ।
गोरक्षजम्बु, स्त्री० गोधूम । गोरक्षतण्डुला । घोण्टाफल ॥ गेहुं । गुलसकरी । बडावेर ।
गोरक्षतण्डुला, स्त्री० क्षुद्रलता-विशेष ॥ गंगेरन, गुलसकरी ।
गोरक्षतुम्बी, स्त्री० कुम्भतुम्बी ॥ गोलतुम्बी ।
गोरक्षदुग्धा, स्त्री० क्षुद्रक्षुप-विशेष ॥ अमृतसञ्जीवनी ।
गोरक्षी, स्त्री० क्षुद्रक्षुप-विशेष । गोरक्षदुग्धा । कुम्भतुम्बी ॥ गोरक्षीवृक्ष । अमृतसञ्जीवनी । गोलकद्दू, गोलतोम्बी ।
गोराच, न० हरिताल ॥ हरताल ।
गोरोचना, स्त्री० स्वनामख्यातपीतवर्णद्रव्य ॥ गौलोचन ।
गोर्द, न० मस्तिष्क ॥ मस्तककाघृत ।
गोल, पु० बोल । मदनवृक्ष ॥ बोर । मैनफल वृक्ष ।
गोलक, पु० गन्धरसनामकवणिग्द्रव्य । कलाय ॥ बोल । मटर ।
गोला, स्त्री० कुनटी ॥ मनशिल ।
गोलास, पु० गोमयच्छत्रिका ॥
गोलिह, पु० घण्टापाटलि ॥ कठपाडर ।
गोलीढ, पु० ऐ ।
गोलोमिका, स्त्री० क्षुद्रक्षुप-विशेष ॥ गोधूमा, पाथरी पश्चिमदेशकी भाषा ।
गोलोमी, स्त्री० श्वेतदूर्वा । वचा । स्वनामख्यातवृक्ष ॥ सफेद दूब । वच । भुँईकेश वङ्गभाषा ।
गोवन्दनी, स्त्री० प्रियङ्गुवृक्ष । पतिदण्डोत्पल ॥ फूलप्रियङ्गु । पीलादण्डोत्पल ।
गोवर, न० गोक्षुरक्षुण्ण गोष्ठस्थशुष्क गोमयचूर्ण ॥ गायके खुरोंसे चूरन किया हुवा गोवर ।
गोविट्, [श्] पु० गोमय ॥ गोवर ।
गोशकृत्, न० ऐ ।
गोशीर्ष, न० चन्दन । हरिचन्दन ॥
गोशीर्षक, पु० द्रोणपुष्पीवृक्ष ॥ गोमा, गूमेका पेड ।
गोशृङ्ग, पु० वर्बूरवृक्ष ॥ बबूरका पेड ।
गोस, पु० बोल ॥ बोल ।
गोसम्भवा, स्त्री० श्वेतदूर्वा ॥ सफेददूव ।
गोसशश, पु० ऐ ।
गोस्तना, स्त्री० द्राक्ष ॥ दाख ।
गोस्तनी, स्त्री० द्राक्ष । कपिलद्राक्षा ॥ दाख भूरे रङ्गकी दाख ।
गोहन्न, न० गोमय ॥ गोवर ।
गोहरीतकी, स्त्री० बिल्ववृक्ष ॥ बेलका वृक्ष ।
गोहालिया, स्त्री० लताविशेष ॥ गोयालेलता वङ्गभाषा ।
गोहित, पु० घोषालता । बिल्व ॥ तोरई भेद । बेल ।
गोक्षुर, पु० गोक्षुरक ॥ गोखुरू ।
गौड़वास्तूक, पु० चिल्लीशाक ॥ चिल्लीका शाक ।
गौडिक, न० मद्य-विशेष ॥ एक प्रकारकी मद्य, मदिरा ।
गौडी, स्त्री० गुडादिकृता मदिरा ॥ गुडसेबना हुई सराव ।
गौतमी, स्त्री० गोरोचना ॥ गौलोचन ।
गौसम, पु० स्थावर-विषभेद ।
गौर, न० पद्मकेशर । कुङ्कुम । स्वर्ण ॥ कमलकेसर । केशर । सोना ।
गौर, पु० श्वेतसर्षप । धववृक्ष ॥ सफेदसर्सों । धोंवृक्ष ।
गौरजीरक, पु० शुक्लजीरक ॥ सफेद जीरा ।
गौरत्वक्, पु० इङ्गुदीवृक्ष ॥ गोंदिनीका वृक्ष ।
गौरशाक, पु० मधूकवृक्ष-विशेष ॥ महुआभेद ।
गौरसर्षप, पु० श्वेतसर्षप ॥ सफेद सर्सों ।
गौरसुवर्ण, न० पत्रशाक-विशेष ॥ यह इसीनामसे चित्रकूटदेशमें प्रसिद्ध है ।
गौरार्द्रक, पु० स्थावर-विषभेद॥ सङ्खिया अफीम कनेर इत्यादि ।
गौरा, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
गौरिल, पु० श्वेतसर्षप । लौहचूर्ण ॥ सफेदसर्सों । लोहेका चूरण ।
गौरी, स्त्री० हरिद्रा । दारुहरिद्रा । गोरोचना ।

प्रियङ्गु वृक्ष । मञ्जिष्ठा । श्वेतदूर्वा । मल्लिका । तुलसी । सुवर्णकदली । आकाशमांसी ॥ हलदी । दारुहलदी । गौरोचन । फूलप्रयङ्गु । मजीठ । सफेददूव । मल्लिका पुष्पवृक्ष । तुलसी । पीला केला । आकाशमांसी, सूक्ष्मजटामांसी ।
गौरीज, न० अभ्रक ॥ अभ्रक ।
गौरीपुष्प, पु० प्रियङ्गुवृक्ष ॥ फूलप्रियङ्गु ।
गौरीललित, न० हरिताल ॥ हरताल ।
गौलिक, पु० मुष्ककवृक्ष ॥ मोखा वृक्ष ।
ग्रन्थि, पु० रोग-विशेष । भद्रमुस्ता । पिण्डालु । ग्रन्थिपर्णवृक्ष ॥ ग्रन्थिरोग । भद्रमोथा । पिण्डालवा पिडालु अर्थात् गोलआलु । गठिवन वृक्ष ।
ग्रन्थिक, न० पिप्पलीमूल । ग्रन्थिपर्ण । गुग्गुलु ॥ पीपरामूल । गठिवन । गूगल ।
ग्रन्थिक, पु० करीरवृक्ष ॥ करीलवृक्ष ।
ग्रन्थिदला, स्त्री० मालाकन्द ॥ मालाकन्द ।
ग्रन्थिदूर्वा, स्त्री० दूर्वा-विशेष ॥ मालादूव । गांडरदूव ।
ग्रन्थिपर्ण, न० वृक्ष-विशेष ॥ गठिवन ।
ग्रन्थिपर्ण, पु० धनहरनामक सुगंधद्रव्य ॥ भटेउर नेपालदेशीय भाषा ।
ग्रन्थिपर्णा, स्त्री० जतुकालता ॥ पपरी, पद्मावती ।
ग्रन्थिपर्णी, स्त्री० गण्डदूर्वा ॥ गांडरदूव ।
ग्रन्थिफल, पु० साकुरुण्डवृक्ष । कपित्थवृक्ष । मदनवृक्ष ॥ सकुरुण्डर गुजरातीभाषा । कैथकावृक्ष । मैनफलवृक्ष ।
ग्रन्थिमत्फल, पु० लकुचवृक्ष ॥ वडहर ।
ग्रन्थिमान् [त्], पु० अस्थिसंहारवृक्ष ॥ हडसन्धारी ।
ग्रन्थिमूल, न० गृञ्जन ॥ सलगम, गाजर ।
ग्रन्थिमूला, स्त्री० मालादूर्वा ॥ मालादूव ।
ग्रन्थिल, न० पिप्पलीमूल ॥ आर्द्रक ॥ पीपलामूल । अदरख ।
ग्रन्थिल, पु० विकङ्कतवृक्ष । तण्डुलीयशाक । विकण्टकवृक्ष । पिण्डालु । चोरक ॥ कण्टाईचौलाईकाशाक । गर्जाफलवृक्ष । पिडालु । धनहर नेपालदेशकीभाषा ।
ग्रन्थिला, स्त्री० भद्रमुस्ता गण्डदूर्वा । मालादूर्वा ॥ भद्रमोथा । गाँडरदूव । मालादूव ।
ग्रथिबर्हि [न्], पु० ग्रन्थिपर्ण वृक्ष ॥ गठिवन ।
ग्रन्थीक, न० ग्रन्थिक ॥ पीपलामल ।
ग्रहणि, स्त्री० ग्रहणीरोग ॥ संग्रहणीरोग ।
ग्रहणी, स्त्री० अग्न्यधिष्ठाननाडी । स्वनामख्यात रोग ।
ग्रहणीहर, न० लवङ्ग ॥ लोङ्ग ।
ग्रहद्रुम, पु० शाकवृक्ष । कर्कटशृङ्गी । अजशृङ्गी ॥ सागकावृक्ष । काकडा सिंङ्गी, । मेढासिङ्गी ।
ग्रहनाश, पु० वृक्ष-विशेष ॥ सतिवन ।
ग्रहनाशन, पु० ऐ ।
ग्रहपति, पु० अर्कवृक्ष ॥ आककावृक्ष ।
ग्रहभीतिजीत्, [द्] पु० चीडानामकगन्धद्रव्य ॥ चीड ।
ग्रहाशी [न्], पु० ग्रहनाशवृक्ष ॥ सतिवन ।
ग्रहाह्वय, पु० भूताङ्कुशवृक्ष ॥ भूतराज केचित्भाषा ।
ग्रामजनिष्पावी, स्त्री० नखनिष्पावी ॥ निष्पावीभेद ।
ग्रामणी, स्त्री० नीलिका ॥ नीलकावृक्ष ।
ग्रामिणी, स्त्री० ऐ ।
ग्रामीणा, स्त्री० नीलीवृक्ष । पालङ्कचशाक ॥ नीलकापेड । पालककाशाक ।
ग्राम्यकन्द, पु० ग्रामजातओल ॥ देशीजमीकन्द ।
ग्राम्यकर्कटी, स्त्री० कूष्माण्ड ॥ पेठा ।
ग्राम्यकुङ्कुम, न० कुसुम्भ ॥ कसूमकावृक्ष ।
ग्राम्यवल्लभा, स्त्री० पालङ्कचशाक ॥ पालगकाशाक ।
ग्राम्या, स्त्री० नीली । नखनिष्पावी ॥ नीलकावृक्ष । निष्पावी ।
ग्राहक, पु० सितावरशाक ॥ शिरिआरीवा, चौपतिआशाक ।
ग्राहिणी, स्त्री० क्षुद्रदुरालभा । ताम्रमूलावृक्ष ॥ छोटाधमासा । क्षीरवृक्ष ।
ग्राहिफल, पु० कपित्थवृक्ष कैथकावृक्ष ।
ग्राही, [न्] पु० ऐ ।
ग्राही, [न्] स्त्री० मलबन्धक, ॥ सोंठ जीरा गजपीपलइत्यादि ।
ग्रीष्मजा, स्त्री० लवणी ॥ लोनाफल ।
ग्रीष्मपुष्पी, स्त्री० करुणी पुष्पवृक्ष ॥ ककर खिरुणी कोकणदेशकीभाषा ।
ग्रीष्मभवा, स्त्री० नवमल्लिका ॥ नेवारी ।
ग्रीष्मसुन्दरक, पु० क्षुद्रशाक-विशेष ॥ गूमाशाक ।
ग्रीष्मी, स्त्री० नवमल्लिका, ॥ नेवारी ।
ग्रीष्मोद्भवा, स्त्री० ऐ ।
ग्रैष्मी, स्त्री० ऐ ।

ग्लौ, पु० कर्पूर ॥ कपूर।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृते शालिग्रामौषधशब्द-सागरे द्रव्याभिधाने गकाराक्षरे तृतीयस्तरङ्गः ॥ ३ ॥

घ.

घट, पु० द्रोणपरिमाण। ३२ सेर।
घटालाबु, स्त्री० कुम्भतुम्बी ॥ गोलतोम्बी।
घण्टक, पु क्षुप–विशेष ॥ घण्टावृक्ष।
घण्टकर्ण, पु० पाटलावृक्ष ॥ पाड़रवृक्ष।
घण्टकर्णक, पु० कृष्णचित्रक ॥ कालेचीताकावृक्ष।
घण्टा, स्त्री० घण्टापाटलीवृक्ष अतिबला। नागबला ॥ कठपाड़र, मोखावृक्ष। ककहिया। गंगेरन।
घण्टाक, पु० घण्टापाटलिवृक्ष ॥ कठपाड़र, मोखावृक्ष।
घण्टाकर्ण, पु० घण्टकक्षुप ॥ घण्टावृक्ष।
घण्टापाटली, स्त्री० पाटलि–विशेष ॥ मोखावृक्ष।
घण्टारवा, स्त्री० शणपुष्पी-विशेष ॥ वनशन, गुनझुनिया।
घण्टाली, स्त्री० कोषातकी ॥ तोरई।
घण्टाबीज, न० जयपाल ॥ जमालगोटा।
घण्टिनीबीज, न० ऐ।
घन, न० लौह। त्वच ॥ लोहा। दालचीनी।
घन, पु० मुस्ता। अभ्रक। कर्पूर ॥ मोथा। अभ्रक। कपूर।
घनद्रुम, पु० विकण्टकवृक्ष ॥ गर्ज्जाफल।
घनपत्र, पु० पुनर्नवा ॥ विषखपरा।
घनफल, पु० विकण्टकवृक्ष ॥ गर्ज्जाफलवृक्ष।
घनमूल, पु० मोरट ॥ क्षीरमोरटवेल।
घनरस, पु० मोरट। जल। कर्पूर। पीलुपर्णी ॥ क्षीरमोरट। जल। कपूर। चुरनहार।
घनवल्ली, स्त्री० अमृतस्रवालता ॥ अमृतवल्ली।
घनवास, पु० कूष्माण्ड ॥ पेठा।
घनसार, पु० कर्पूर। वृक्षभेद। जल ॥ कपूर। वृक्षभेद। जल।
घनस्कन्ध, पु० कोशाम्रवृक्ष ॥ कोशामवृक्ष।
घनस्वन, पु० तण्डुलीयशाक ॥ चौलाईकाशाक।
घना, स्त्री० माषपर्णी। रुद्रजटा ॥ मषवन। शंकरजटा।
घनामय, पु० खर्जूरवृक्ष ॥ खजूरकावृक्ष।
घनामल, पु० वास्तूकशाक ॥ वथुआशाक।
घर्म्म, पु० रौद्र ॥ घाम, धूप, सूर्यकातेज।
घर्म्मविचर्च्चिका, स्त्री० घर्म्मविचर्च्ची ॥ घर्म्मचर्च्चिका, चर्च्चिका।
घर्षणी, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी।
घस्र, न० कुङ्कुम ॥ केशर।
घाटा, स्त्री० ग्रीवापश्चाद्भाग ॥ गलेकेपीछेकाभाग।
घाण्टिका, स्त्री० धुस्तूरवृक्ष ॥ धत्तूरेकावृक्ष।
घास, पु० स्वनामतृण ॥ घास जिसको गाय, घोडे बकरी इत्यादि खाते हैं।
घुटि, स्त्री० गुल्फ ॥ पाँवकीगाँठ।
घुनप्रिया, स्त्री० अतिविषा ॥ अतीस।
घुनवल्लभा, स्त्री० ऐ।
घुण्ट, पु० गुल्फ ॥ घुटना।
घुण्टिक, न० वनकरीष ॥ अन्नेउपले।
घुलञ्च, पु० गवेधुका ॥ गरहेडुआ।
घुसृण, न० कुङ्कुम ॥ केशर।
घूकावास, पु० शाखोटवृक्ष ॥ सिहोरावृक्ष।
घूर्ण, पु० ग्रीष्मसुन्दरक ॥ गूमाशाक।
घृणावास, पु० कूष्माण्ड ॥ पेठा।
घृत, पु० न० स्वनामख्यातद्रव्य ॥ घी।
घृतकरञ्ज, पु० करञ्जभेद ॥ घीकरञ्ज।
घृतकुमारिका, स्त्री० घृतकुमारी घीकुवार।
घृतकुमारी, स्त्री० स्वनामख्यातगुल्म ॥ घिकुवार।
घृतपर्णक, पु० घृतकरञ्ज ॥ घीकरञ्ज।
घृतपूर, पु० पिष्टक-विशेष ॥ घेवर।
घृतपूर्णक, पु० करञ्जवृक्ष ॥ कञ्जाकावृक्ष।
घृतमण्डलिका, स्त्री० हंसपदीवृक्ष ॥ लालाङ्गकालज्जालु।
घृतमण्डा, स्त्री० वायसोली ॥ माकड़हाता वङ्गभाषा
घृता, स्त्री० ऐ।
घृताचीगर्भसम्भवा, स्त्री० स्थूलैला ॥ बडीइलायची।
घृताह्व, पु० सरलद्रव ॥ सरलकागोंद।
घृष्टि, स्त्री० वाराही। अपराजिता ॥ वाराहीकन्द चर्म्मकारालुक। कोयलपुष्पलता।
घृष्टिला, स्त्री० चित्रपर्णिका। पृश्निपर्णी ॥ पिठवनभेद। पिठवन।
घोटिका, स्त्री० वृक्षभेद ॥ घोटिकावृक्ष।
घोण्टा, स्त्री० शृगालकोलि ॥ एक प्रकारका बेर।
घोर, न० विष। गुवाकवृक्ष ॥ विष। सुपारीकावृक्ष।
घोरपुष्प, न० कांस्य ॥ कांसी।
घोरा, स्त्री० देवदालीलता ॥ घघरवेल, सेनैया।
घोल, न० तक्र ॥ एक प्रकारका मट्ठा।

घोली, स्त्री० पत्रशाक-विशेष ॥ घोलीशाक ।
घोष, न० काँस्य ॥ काँसा ।
घोष, पु० घोषकलता । काँस्य ॥ तोरईभेद।काँसा।
घोषक, पु० तिक्तरसफललता-विशेष ॥ बडीतोरई । तोरई ।
घोषा, स्त्री० मधुरिका । कर्कटशृङ्गी ॥ सोंफ, सोया । काकडाशिङ्गी ।
घोषातकी, स्त्री० श्वेतघोषक ॥ घियातोरई ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृते शालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने घकाराक्षरे चतुर्थस्तरङ्गः ॥ ४ ॥

च.

चक्र, न० तगरपुष्प ॥ तगर ।
चक्रकारक, न० व्याघ्रनखनामकगन्धद्रव्य ॥ व्याघ्रनख ।
चक्रकुल्या, स्त्री० चित्रपर्णीलता ॥ पिठवन ।
चक्रगज, पु० चक्रमर्दवृक्ष ॥ चकवड, पमार ।
चक्रगुच्छ, पु० अशोकवृक्ष ॥ अशोककापेड ।
चक्रदन्ती, स्त्री० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष ।
चक्रदन्तीबीज, न० जयपाल ॥ जमालगोटा ।
चक्रनख, पु० व्याघ्रनखनामकगन्धद्रव्य ॥ वाघनुह।
चक्रनामा [न्] पु० माक्षिकधातु ॥ सोनामाखी।
चक्रनायक, पु० व्याघ्रनख ॥ वाघनुह ।
चक्रपद्माट, पु० चक्रमर्दक वृक्ष ॥ चकवड, पमार।
चक्रपरिव्याध, पु० आरग्वध वृक्ष ॥ अमलतास।
चक्रपर्णी, स्त्री० चक्रकुल्यालता ॥ पिठवन।
चक्रमर्द, पु० स्वनामख्यात वृक्ष ॥ चकवड, पमार, ।
चक्रमर्दक, पु० ऐ ।
चक्रलताम्र, पु० बद्धरसाल वृक्ष ॥ मालदये आम।
चक्रलक्षण, स्त्री० गुडूची ॥ गिलोय ।
चक्रला, स्त्री० उच्चटा ॥ निर्विषीघास ।
चक्रवर्तिनी, स्त्री० जनीनामक गन्धद्रव्य । रजनीगन्धा । अलक्तक । जटामांसी । पर्पटी ॥ चकवत औषधी । रजनीगन्धा पुष्पवृक्ष । लाखकारङ्ग । बालछड, कनुचर । पद्मावती, पपरी ।
चक्रवर्ती, [न्], पु० वास्तूक ॥ वथुआ ।
चक्रशल्या, स्त्री० काकतुण्डी । श्वेतगुञ्जा ॥ कौआठोडी । सफेदघुघुची ।
चक्रश्रेणी, स्त्री० अजशृङ्गीवृक्ष ॥ मेढाशिङ्गी ।
चक्रसंज्ञ, न० वङ्ग ॥ राङ्ग ।
चक्रा, स्त्री० नागरमुस्ता । कर्कटशृङ्गी ॥ नागरमोथा । काकडाशिङ्गी ।
चक्राङ्गा, स्त्री० सुदर्शना ॥ सुदर्शनलता ।
चक्राङ्गी, स्त्री० कटुरोहिणी । हिलमोचिका । मञ्जिष्ठा । कर्कशृङ्गी । सुदर्शना ॥ कुटकी । हुरहुरशाक । मजीठ । काकडाशिङ्गी । सुदर्शन ।
चक्राधिवासी, [न्], पु० नागरङ्ग वृक्ष। नारंगीका वृक्ष ।
चक्राह्व, पु० चक्रमर्द ॥ पमाड ।
चक्रिका, स्त्री० जानु ॥ पांवका घुटना ।
चक्री, [न्], पु० चक्रमर्द । तिनिश । व्यालनख॥ चकवड, पमार । तिरिच्छ वृक्ष । वाघनुह ।
चचेण्डा, स्त्री० फललताविशेष ॥ चिचैंडा-चचैंडा ।
चञ्चला, स्त्री० पिप्पली ॥ पीपर ।
चञ्चु, पु० क्षुद्रचञ्चुवृक्ष । एरण्डवृक्ष रक्तैरण्ड वृक्ष। नाडीचशाक ॥ छोटा चञ्चुका वृक्ष । अरण्डका पेड । लालअरण्डका वृक्ष । नाडीका शाक ।
चञ्चु, स्त्री० पत्रशाक-विशेष ॥ चेवुनाशाक ।
चञ्चुपत्र, पु० चञ्चुशाक ॥ चेवुनाशाक ।
चञ्चुर, पु० ऐ ।
चटका, स्त्री० पिप्पलीमूल ॥ पीपरालमूल ।
चटकाशिर [स्] न० ऐ ।
चटिका, स्त्री० ऐ।
चणक, पु० क्षुद्रपत्रशस्य-विशेष ॥ चनाअन्न ।
चणकाम्लक, न० चणकलवण ॥ चनाखार ।
चणद्रुम, पु० क्षुद्रगोक्षुर ॥ छोटे गोखुरु ।
चणपत्री, स्त्री० रुदन्तीवृक्ष ॥ रुदन्ती ।
चणिका, स्त्री० तृण-विशेष ॥ चणिका घास ।
चणीद्रुम, पु० क्षुद्रगोक्षुर ॥ छोटा गोखुरु ।
चण्ड, पु० तिन्तिडीवृक्ष । वृक्का ॥ इमलीका वृक्ष । असवरग ।
चण्डा, स्त्री० शंखपुष्पी । लिङ्गिनीलता । कपिकच्छु । आखुकर्णी । श्वेतदूर्वा । धनहरगन्धद्रव्य ॥ * ॥ शंखाहूली । पश्चगुरिया । कौंछ । मूसाकानी । सफेददूव । चोरनामगन्धद्रव्य, भटेउर नेपालकी भाषा ।
चण्डात, पु० करवीर पुष्पवृक्ष ॥ कनेरका वृक्ष ।
चण्डालकन्द, पु० कन्द-विशेष ॥ चण्डालकन्द।
चण्डालिका, स्त्री० औषधी-विशेष ॥ चण्डालवृक्ष ।
चण्डिल, पु० वास्तूक ॥ वथुआशाक ।
चण्डीकुसुम, पु० रक्तकरवीरवृक्ष ॥ लाल कनेरका वृक्ष ।
चतुष्पत्री, स्त्री० क्षुद्रपाषाणभेदी ॥ छोटापाखानभेद ।

चतुष्पर्णी, स्त्री० क्षुद्राम्लिका ॥ आवतिशाक ।
चतुष्पला, स्त्री० नावबला ॥ गंगेरन ।
चतुष्पुण्ड्र, पु० भिण्डावृक्ष,॥ भिण्डीका वृक्ष ।
चतुरङ्गा, स्त्री० घोटिकावृक्ष ॥ घोटिका वा-घोडी वृक्ष ।
चतुरङ्गुल, पु० आरग्वधवृक्ष ॥ अमलतास-का वृक्ष ।
चतुरम्ल, न० अम्लवेतसवृक्षाम्लबृहत्जम्बीर-निम्बुकैः ॥ अम्लवेत १ विषाविल २ बडी ज-म्बीरी ३ नीबु ४ यह चतुरम्ल हैं ।
चतुरूषण, न० पिप्पलीमूलसंयुक्तत्रिकुटा ॥ सोंठ १ मिरच २ पीपल ३ पीपलामूल ४ यह चतुरूषण है ।
चतुर्थिका, स्त्री० पलपरिमाण ८ तोले ।
चतुर्लवण, न० सैन्धव १ सौवर्चल २ विड३सामु-द्रलवण ४॥ सैंधानोन १ चोहारकोडा २ विरियासंचरनोन ३ समुद्रनोन ४ ।
चतुर्बीज, न० मेथिकाचन्द्रशूरश्वकालाजाजीयवा-निका ॥ मेथी १ हालों २ कालाजीरा ३ अज-मायन ४ यह चतुर्बीज हैं ।
चतुःसम, न० मिलितचन्दनागरुकस्तूरीकुङ्कुम-रूपम्॥ मिली हुईचन्दन, अगर, कस्तूरी, केशर इनको चतुःसम कहते हैं ।
चदिर, पु० कर्पूर ॥ कपूर ।
चन्दन, न० स्वनामख्यात सुगंध सहित वृक्ष ॥ चन्दनका पेड ।
चन्दगोपी, स्त्री० सारिवा-विशेष ॥ कालीसर ।
चन्दनपुष्प, न० लवङ्ग ॥ लौंग ।
चन्दनशा, पु० वज्रक्षार वज्रखार ।
चन्दना, स्त्री० शारिवा-विशेष ॥ गौरीसर ।
चन्दनापा, स्त्री० गोरोचना ॥ गौलोचन ।
चन्द्र, न० स्वर्ण । चुक्र । काम्पिल्ल ॥ सोना।चूक । कवीलाऔषधी ।
चन्द्र, पु० कर्पूर । स्वर्ण । जल । रौप्य । कम्पि-ल्ल । सोना । जल । रूपा । कवीला ।
चन्द्रक, न० श्वेतमरिच ॥ सफेदमिरच ।
चन्द्रक, पु० मयूरपुच्छ गोलाकारचन्द्र ॥ मोरकी-पूछकागोलाकार चांद ।
चन्द्रकान्त, न० श्रीखण्डचन्दन । शुक्लोत्पल ॥ मलयागिरि चन्दन ॥ सफेदकुमुद ।
चन्द्रकान्त, पु० कैरव । स्वनामख्यातमणि ॥ स-फेदकुमुद । चन्द्रकान्तमणि ।
चन्द्रपुष्पा, स्त्री० श्वेतकण्टकारी ॥ सफेदकटे-हरी ।
चन्द्रप्रभा, स्त्री० वाकुची ॥ बावची ।
चन्द्रभूति, न० रौप्य ॥ चाँदी ।
चन्द्ररेखा, स्त्री० बाकुची ॥ बावची ।
चन्द्रलेखा, स्त्री० ऐ ।
चन्द्रलोहक, न० रौप्य ॥ रूपा ।
चन्द्रवल्लरी, स्त्री० सोमवल्लरी । ब्राह्मी ॥ सोम-लता । ब्रह्मीघास ।
चन्द्रवल्ली, स्त्री० प्रसारणी । माधवीलता । सोम-वल्ली ॥ पसरन । माधवीपुष्पलता । सोमलता ।
चन्द्रवाला, स्त्री० बृहदेला ॥ बडीइलायची ।
चन्द्रशूर, न० फल-विशेष ॥ हालों ।
चन्द्रसंज्ञ, पु० कर्पूर ॥ कपूर ।
चन्द्रसम्भावा, स्त्री० सूक्ष्मैला ॥ गुजरातीइला-यची, छोटीइलायची ।
चन्द्रहास, न० रौप्य ॥ चांदी रूपा ।
चन्द्रहासा, स्त्री० गुडूची ॥ । गिलोय ।
चन्द्रा, स्त्री०एला । गुडूची ॥ इलायची, गिलोय ।
चन्द्रिका, स्थूलैला । कर्णस्फोटा । मल्लिका । श्वे-तकण्टकारी । मेथिका । सूक्ष्मैला । चन्द्रशूर ॥ बडीइलायची । कनफोड़ावेल । मल्लिकापुष्पलता। सफेदकटेहरी। मेथी। छोटी वा सफेदइलायची । हालों ।
चन्द्रिकाम्बुज, न० सितोत्पल ॥ सफेदकमल ।
चन्द्रिल, पु० वास्तूक ॥ बथुआशाक ।
चन्द्री, स्त्री० बाकुची ॥ बावची ।
चन्द्रेष्टा, स्त्री० उत्पलनी ॥ कुमुदनी ।
चपल, पु० पारद । प्रस्तर-विशेष ॥ पारा । पत्थ-रभेद ।
चपला, स्त्री० पिप्पली । मदिरा । विजया ॥ पी-पल । सुरा । भाङ्ग । भङ्ग ।
चमत्कार, पु० अपामार्ग ॥ चिरचिटा ।
चमरिक, पु० कोविदारवृक्ष ॥ कचनारकावृक्ष ।
चम्प, पु० ऐ ।
चम्पक, न० कदलीविशेष । चम्पकपुष्प ॥ सुव-र्णकेला । चम्पाकेफूल ।
चम्पक, न० स्वनामख्यातपीतपुष्पवृक्षविशेष ॥ चम्पावृक्ष ।
चम्पकरम्भा, स्त्री० सुवर्णकदली ॥ पीलाकेला ।
चम्पकालु, पु० पनस ॥ कठैल, कटहर ।
चम्पकोष, पु० ऐ ।
चम्पालु, पु० ऐ ।
चर, पु० कपर्दक ॥ कौड़ी ।
चरणग्रन्थि, पु० गुल्फ ॥ पाँवकीगाँठ ।
चरणायुध, पु० कुक्कुट ॥ मुरगा ।

चरित्रा, स्त्री० तिन्तिडीवृक्ष ॥ तेंतुल वङ्गभाषा ।
चर्म्मकषा, स्त्री० गन्धद्रव्य-विशेष ॥ सातला, थूहरकाभेद ।
चर्म्मकसा, स्त्री० ऐ ।
चर्म्मकारी, स्त्री० ऐ ।
चर्म्मकील, पु० अर्श ॥ बवासीर ।
चर्म्मचित्रक, न० श्वेतकुष्ठ, ॥ सफेदकोढ़ ।
चर्म्मण्वती, स्त्री० कदली ॥ केला ।
चर्म्मदूषिका, स्त्री० दद्रुरोग । दाद्रोग ।
चर्म्मद्रुम, पु० भूर्जवृक्ष ॥ भोजपत्रकावृक्ष ।
चर्म्मरङ्गा, स्त्री० आवर्त्तकीलता ॥ भगवतवल्ली-कोंकणदेशीयभाषा ।
चर्म्मसम्भवा, स्त्री० एला ॥ इलायची ।
चर्म्मी [न्], पु० भूर्जवृक्ष । कदलीवृक्ष ॥ भोजपत्रवृक्ष । केलावृक्ष ।
दलदल, पु० अश्वत्थवृक्ष ॥ पीपलकावृक्ष ।
चलपत्र, पु० ऐ ।
चला, स्त्री० पीप्पली । सिह्लक ॥ पीपल । शिलारस ।
चलातङ्क, पु० वातरोग ॥ वायुरोग ।
चवि, स्त्री० चविका ॥ चव्य ।
चविक, न० ऐ ।
चविका, स्त्री० ऐ ।
चवी, स्त्री० ऐ ।
चव्य, न० ऐ ।
चव्यक, न० ऐ ।
चव्यजा, स्त्री० गजपिप्पली ॥ गजपीपल ।
चव्यफल, न० ऐ ।
चव्या, स्त्री० चविका । वचा । कार्पासी ॥ चव्य । वच । कपास ।
चशेरुका, स्त्री० अजशृङ्गी ॥ मेढाशिङ्गी ।
चषक पु० न० मद्यभेद । मधु ॥ एकप्रकारकी मदिरा । सहत ।
चक्षु, [स्] न० मेषशृङ्गीवृक्ष ॥ मेंढाशिङ्गी ।
चक्षुर्वहन, न० ऐ ।
चक्षुष्य, न० प्रपौण्डरीक । सौवीराञ्जन । खर्परीतुत्थ ॥ पुण्डरिया । श्वेतसुर्म्मा । खपरियातुत्थ ।
चक्षुष्य, पु० कतकवृक्ष । पुण्डरीकवृक्ष । सोभाञ्जनवृक्ष । रसाञ्जन ॥ निर्म्मलीकल । पुण्डरिया। सैजिनेकावृक्ष । रसोत ।
चक्षुष्या, स्त्री० कुलत्थिका । अजशृङ्गी । अरण्यकुलत्थिका॥कुल्थीपत्थर । मेढाशिङ्गी । वनकुल्थी।
चाकचिक्या, स्त्री० श्वेतमुद्रा ॥ सफेदबोना ।
चाङ्ग, पु० चाङ्गेरी । अम्ललोना ।
चाङ्गेरी, स्त्री० अम्ललोणिका अम्लिलोना ।
चाणक्यमूलक, न० मूलक-विशेष ॥ छोटीमूली।
चाण्डाली, स्त्री० लिङ्गिनी ॥ पञ्चगुरिया ।
चातुर्जातक, न० गुड़त्वक् १ एला २ तेजपत्र ३ नागकेशर ४ ॥ दालचीनी १ इलायची २ तेजपात ३ नागकेशर ४ ।
चातुर्थकज्वर, पु० प्रतिचतुर्थदिनभवज्वर॥४ चौथिया अर्थात् चार दिन पीछे जो ज्वर आवै ।
चातुर्भद्र, न० नागरादिद्रव्यचतुष्टयम्॥ सोंठ १ अतीस २ नागरमोथा ३ गिलोय ४ ।
चान्द्रक, न० शुण्ठी ॥ सोंठ ।
चान्द्राख्य, न० आर्द्रक ॥ अदरख ।
चान्द्री, स्त्री० श्वेतकण्टकारी ॥ सफेदकटेहरी ।
चायपट, पु० प्रियालवृक्ष चिरोंजीकावृक्ष ।
चामरपुष्प, पु० गुवाक । आम्र । काश । केतक॥ सुपारी । आम । काँस । केवरा ।
चामरपुष्पक, पु० ऐ ।
चामीकर, न० स्वर्ण । धुस्तूर ॥ सोना । धत्तूरा ।
चाम्पेय, पु० चम्पक । नागकेशर ॥ चम्पावृक्ष । नागकेशर ।
चाम्पेयक, न० किञ्जल्क । नागकेशरपुष्प ॥ कमलकेशर । नागकेशर ।
चार, न० कृत्रिमविष ॥ कृत्रिमविष ।
चार, पु० प्रियालवृक्ष ॥ चिरौंजीकावृक्ष ।
चारक, पु० ऐ ।
चारटिका, स्त्री० नलीनामगन्धद्रव्य ॥ नलिका ।
चारटी, स्त्री० पद्मचारणीवृक्ष । भूम्यामलकी ॥ गेंदेकावृक्ष । भुईआमला ।
चारिणी, स्त्री० करुणीवृक्ष॥ ककरखिरुणी कोंकणदेशकीभाषा ।
चारित्रा, स्त्री० तिन्तिड़ीवृक्ष ॥ इमलीकावृक्ष ।
चारुक, पु० शरबीज ॥ सरपतेकेबीज ।
चारुकेशरा, स्त्री० भद्रमुस्ता । तरुणीपुष्प ॥ नागरमोथा । सेवतीकेफूल ।
चारुनालक, न० रक्तपद्म ॥ लालकमल ।
चारुपर्णी, स्त्री० प्रसारणी ॥ पसरन ।
चारुफला, स्त्री० द्राक्षा ॥ दाख । मुनक्का, फारसी भाषा ।
चिकित्सा, स्त्री० रोगप्रतिकार ॥ रोगका नाश करना ।
चिकुर, पु० वृक्ष-विशेष ।

चिक्कण, पु० पूगवृक्ष ॥ सुपारीकावृक्ष।
चिक्कणा, स्त्री० पूगफल ॥ सुपारी।
चिक्कणी, स्त्री० ऐ।
चिक्कस, पु० यवचूर्ण ॥ जौकाचून।
चिक्का, स्त्री० पूगफल ॥ सुपारी।
चिचिण्ड, पु० फल-विशेष ॥ चचैंडा।
चिञ्चा, स्त्री० तिन्तिडीवृक्ष ॥ इमलीकावृक्ष।
चिञ्चाटक, पु० चिञ्चोटक ॥ चिञ्चोटकतृण।
चिञ्ची, स्त्री० गुञ्जा ॥ घुघुची।
चिञ्चाम्ल, न० अम्लशाक ॥ चूका।
चिञ्चासार, पु० ऐ।
चिञ्चोटक, पु० तृण-विशेष ॥ चिञ्चोटकतृण।
चित्र, न० कुष्ठरोग-विशेष ॥ एक प्रकारका कोढ़।
चित्र, पु० एरण्डवृक्ष। अशोकवृक्ष। चित्रकवृक्ष ॥ अण्डकापेड। अशोककावृक्ष। चीतेकावृक्ष।
चित्रक, पु० स्वनामख्यातवृक्ष। एरण्डवृक्ष ॥ चीतावृक्ष। अण्डकापेड़।
चित्रकर्म्मा [न्], पु० तिनिशवृक्ष॥तिरिच्छवृक्ष।
चित्रकृत, पु० तिनिशवृक्ष ॥ तिरिच्छवृक्ष।
चित्रगन्ध, न० हरिताल ॥ हरताल।
चित्रतण्डुल, न० विडङ्ग ॥ वायविडङ्ग।
चित्रतण्डुला, स्त्री० ऐ।
चित्रत्वक्, [च्], पु० भूर्जवृक्ष ॥ भोजपत्रवृक्ष।
चित्रदण्डक, पु० ओलवृक्ष ॥ शूरन, जमीकन्द।
चित्रदेवी, स्त्री० महेन्द्रवारुणी ॥ बडी इन्द्रायण।
चित्रपत्रिका, स्त्री० कपित्थपर्णी। द्रोणपुष्पी ॥ कपित्थपर्णी। गूमावृक्ष।
चित्रपत्री, स्त्री० जलपिप्पली ॥ जलपीपल।
चित्रपदा, स्त्री० गोधापदीलता ॥ हंसपदी, लज्जालु लाल रङ्गका।
चित्रपर्णिका, स्त्री० पृश्निपर्णीभेद ॥ पिठवनभेद।
चित्रपर्णी, स्त्री० पृश्निपर्णी। कर्णस्फोटा। जलपिप्पली। द्रोणपुष्पी। मञ्जिष्ठा ॥ पिठवन। कनफोडालता। जलपीपल, पनिसिगा। गूमा। मजीठ।
चित्रपुष्प, पु० शर ॥ रामशर।
चित्रपुष्पी, स्त्री० अम्बष्ठा ॥ पाठ।
चित्रफला, स्त्री० चिर्भिटा। मृगेर्वारु। लिङ्गिनी। महेन्द्रवारुणी। वार्त्ताकी। कण्टकारी ॥ गुरुभीहूं। सँधिनी। पञ्चगुरिया। बडी इन्द्रफल। वैगुना कटेहरी। कटेहरी।
चित्रभानु, पु० चित्रकवृक्ष। अर्कवृक्ष। चीतावृक्ष ॥ आकका वृक्ष।
चित्रवीर्य्य, पु० रक्तैरण्ड ॥ लाल अण्ड।
चित्रा, स्त्री० मूषिकपर्णी। गोडुम्बा। सुभद्रा दन्तिका। मृगेर्वारु। गण्डदूर्वा। मञ्जिष्ठा ॥ मूसाकानी। गोडुम्बाककडी गम्भारी। दन्तीवृक्ष। सेंधिनी। गांडरदूब। मजीठ।
चित्रांग, न० हिङ्गुल। हरिताल ॥ सिंगरफ। हरिताल।
चित्राङ्ग, पु० चित्रक। रक्तचित्रक॥ चीतेका पेड। लाल चीतेका पेड।
चित्राङ्गी, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ।
चित्रायस, न० तीक्ष्ण लौह ॥ इसपातलोहा।
चित्राक्षुप, पु० द्रोणपुष्पी ॥ गूमा।
चिन्तिडी, स्त्री० तिन्तिडी ॥ इमलीका वृक्ष।
चिन्न, पु० शस्य-विशेष ॥ चना।
चिपिट, पु० धान्यविकारज भक्षद्रव्य-विशेष ॥ चौला, चिउरा।
चिपिटक, पु० ऐ।
चिपिटा, स्त्री० गुण्डसिनीतृण ॥ गुण्डासिनी घास।
चिप्प, पु० नखरोग-विशेष ॥ नखरोग।
चिमी, पु० पट्टवृक्ष ॥ पटुआशाक।
चिरजीवक, पु० जीवकवृक्ष ॥ जीवक औषधी।
चिरजीवी [न्], पु० जीवकवृक्ष। शाल्मलिवृक्ष ॥ जीवक औषधी। सेमरका वृक्ष।
चिरञ्जीवी [न्], पु० ऐ।
चिरतिक्त, पु० भूनिम्ब ॥ चिरायता।
चिरबिल्व, पु० करञ्जवृक्ष ॥ कञ्जाका वृक्ष।
चिरपाकी [न्], पु० कपित्थ ॥ कैथका वृक्ष।
चिरपुष्प, पु० बकुलवृक्ष ॥ मौलसिरीका वृक्ष।
चिराटिका, स्त्री० श्वेतपुनर्नवा ॥ विषखपरा।
चिरातिक्त, पु० भूनिम्ब ॥ चिरायता।
चिरिबिल्व, पु० करञ्जवृक्ष ॥ कञ्जाका पेड।
चिर्भिटा, स्त्री कर्कटीभेद ॥ गुरुभिहूं सुकुर।
चिर्भटी, स्त्री० कर्कटी ॥ ककडी।
चिल्लभक्ष्या, स्त्री० हट्टविलासिनी ॥ छोटीनखी।
चिल्ली, स्त्री० लोध्र। पत्रशाकभेद ॥ लोध। चिल्लीशाक।
चिवुक, पु० मुचकुन्दवृक्ष ॥ मुचुकुन्द पुष्पवृक्ष।
चिह्नधारिणी, स्त्री० श्यामालता ॥ कालीसर
चीडा, स्त्री० गन्धद्रव्य-विशेष ॥ चीढ।
चीन, न० सीसक ॥ सीसा।
चीन, पु० व्रीहिभेद ॥ चीना।
चीनक, पु० धान्य-विशेष। कङ्गुनी। चीनकर्पूर ॥ चैनाधान। कङ्गुनीधान। चिनियाकपूर।
चीनकर्पूर, पु० कर्पूर-विशेष ॥ चीनीयाकपूर।

चीनज, न० लौह । तीक्ष्ण लौह ॥ लोहा । इस्पात्
चीनपिष्ट, न० सिन्दूर । सीसक ॥ सिन्दूर सीसा ।
चीनककर्पूर, पु० कर्पूर-विशेष ॥ चीनिया कपूर।
चीनवङ्ग, न० सीसक ॥ सीसा ।
चीनाकर्कटी, स्त्री० चित्रकूटदेशजकर्कटी ॥ चीनाककडी ।
चीर, न० सीसक ॥ सीसा ।
चीरपत्रिका, स्त्री० चञ्चुशाक ॥ चेंचुनाशाक ।
चीरपर्ण, पु० शालवृक्ष ॥ सालवृक्ष ।
चीरितच्छदा, स्त्री० पालङ्कयशाक ॥ पालकका शाक ।
चीरुक, न० फल-विशेष ॥ चेंउर वङ्गभाषा ।
चीर्णपर्ण, पु० निम्बवृक्ष । खर्ज्जूरवृक्ष ॥ नीमका पेड । खजूरका पेड ।
चुक्र, न० अम्लद्रव्य-विशेष । पत्रशाक-विशेष । काञ्जिक-विशेष । सन्धान-विशेष ॥ विषाविल । चूकाशाक । काञ्जिभेद । चूक ।
चुक्र, पु० अम्ल। अम्लवैतस॥ खट्टा रस । अम्लवेंत । नींबु ।
चुक्रक, न० शाक-विशेष ॥ चूकाका शाक ।
चुक्रफल, न० वृक्षाम्ल ॥ इमली ।
चुक्रा, स्त्री० चङ्गेरी । तिन्तिडी॥ अम्बिलोनाशाक। इमलीका वृक्ष ।
चुक्राम्ल, न० वृक्षाम्ल ॥ विषाविल ।
चुक्राम्ला, स्त्री० अम्ललोणिका । चिञ्चा ॥ अम्ललोणियाशाक । इमली ।
चुक्रिका, स्त्री० अम्ललोणिका । कुचाङ्गेरी ॥ चाङ्गेरी । चूकाशाक ।
चुचु, पु० सुनिष । रणकशाक ॥ शिरिआरीशाक।
चुचुक, न० स्तनाग्र ॥ स्तनका, अग्रभाग ।
चुम्बक, पु० कान्तलोहभेद ॥ चुम्बकपत्थर ।
चुल्लि, चुल्ली, स्त्री० पाकार्थ अग्निस्थान ॥ चूल्हा।
चूड़ामणि, पु० गुञ्जा ॥ घुंघुची ।
चूड़ाम्ल न० वृक्षाम्ल ॥ विषाविल ।
चूड़ाला, स्त्री० उच्चटातृण । श्वेतगुञ्जा । नागरमुस्ता ॥ निर्विषीघास । सफेदघुंघुची । नागरमोथा ।
चूत, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमकावृक्ष ।
चूतक, पु० ऐ ।
चूर्ण, न० सम्पेषणजातरज ॥ चूरन, चूर्न, चून ।
चूर्णक, पु० । सक्तु ॥ सत्तू ।
चूर्णखण्ड, न० कर्कर ॥ काँकर ।
चूर्णपारद, पु० हिङ्गुल ॥ सिङ्गरफ ।
चूर्णशाकाङ्क, पु० गौरसुवर्णशाक ॥ चित्रकूटदेशप्रसिद्ध ।
चूर्णि, स्त्री० कपर्द्दक ॥ कौड़ी ।
चूर्णिका, स्त्री० सक्तु ॥ सत्तू ।
चूर्णी, स्त्री० कपर्द्दक ॥ कौड़ी ।
चूलिक, न० घृतभृष्टगोधूमचूर्ण ॥ लुचैई ।
चूलिका, स्त्री० हस्तिकर्णमल॥हाथीकेकानकामैल।
चेतकी, स्त्री० हरीतकी । हिमाचलभवात्रिसिराहरीतकी । जातीपुष्प ॥ हड़ । हिमाचल । मेंपैदाहोनेवाली "चेतकीनामवालीहड" चमेलीकावृक्ष ।
चेतनकी, स्त्री० हरीतकी ॥ हड ।
चेतनीया, स्त्री० ऋद्धिनामऔषधी ॥ ऋद्धि ।
चेलान, पु० फलकता-विशेष ॥ तरबूज ।
चेलाल, पु० फललता-विशेष । लतापनस ।
चैत्य, पु० बिल्ववृक्ष ॥ बेलकापेड़ ।
चैत्यद्रु, पु० अश्वत्थवृक्ष ॥ पीपलकावृक्ष ।
चैत्यवृक्ष पु० ऐ ।
चोक, न० कटुपर्णीमूल ॥ चोक ।
चोच, न०गुड़त्वक् । तेजपत्र तालफल । कदलीफल, । नारियल । दालचीनी । तेजपात । ताड़काफल । केलेकीफली । नारियल ।
चोर, स्त्री० कृष्णाशटी ॥ शटीभेद ।
चोरक, पु० स्पृक्का । धनहर ॥ असवण । भटेउर नेपालदेशकीभाषा ।
चोरपुष्प, न० चोरपुष्पी ॥ चोरहुली ।
चोरपुष्पिका, स्त्री० ऐ ।
चोरपुष्पी, स्त्री० ऐ ।
चोरस्नायु, पु० काकनासालता ॥ कौआठोडी ।
चोरा, स्त्री० चोरपुष्पी ॥ चोरहुली ।
चोराख्य, पु० स्त्री० ऐ ।
चोलकी, [न्] पु० करीर । नारङ्ग॥करील । नारङ्गीकावृक्ष ।
चोपचिनी, स्त्री० वचा-विशेष ॥ चोपचीनी ।
चौर, पु० स्त्री० चोरपुष्पी ॥ चोरहुली ।
चौष, पु० पार्श्वज्वाला ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृते शालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने चकाराक्षरे षष्ठस्तरङ्गः ॥ ६ ॥

छ.

छग, पु० स्त्री० छागल ॥ बकरा ।
छगण, पु० न० करीष ॥ सूखागोबर, उपले ।
छगल, छगलक, पु० स्त्री० छाग ॥ बकरा ।
छगला, स्त्री० वृद्धदारक वृक्ष ॥ विधारावृक्ष ।

छगलायङ्घ्री, स्त्री० ऐ ।
छगलाण्डी, स्त्री० ऐ ।
छगलान्त्रिका, स्त्री० ऐ ।
छगलान्त्री, स्त्री० ऐ ।
छगली, स्त्री० ऐ ।
छटाफल, पु० गुवाकवृक्ष ॥ सुपारी ।
छत्र, पु० मूलनपत्रेण वचाकारवृक्ष ॥ छात्रिया वृक्ष ।
छत्रक, पु० रक्तवर्ण कोकिलाक्षवृक्ष ॥ लालतालमखाना ।
छत्रगुच्छ, पु० गुण्डतृण ॥ गुण्डघास ।
छत्रपत्र, न० स्थलपद्म ॥ गेंदेका वृक्ष ।
छत्रपत्र, पु० भूर्जवृक्ष । सप्तपर्ण ॥ भोजपत्र । छतिवन ।
छत्रा, स्त्री० मधुरिका । शतपुष्पा । धन्याक । मञ्जिष्ठा ॥ सोआ । सौंफ । धनिया । मजीठ ।
छत्राक, पु० जालबर्बूरवृक्ष ॥ जालबबूरका वृक्ष ।
छत्राकी, स्त्री० रास्ना ॥ रायसन ।
छत्रातिच्छत्र, पु० जलोद्भूतछत्राकार सुगंधतृण ॥ जलमें उत्पन्न होनेवाले छत्रके आकार सुगंधी तृण ।
छत्राधान्य, न० धन्याक ॥ धनिया ।
छत्रिका, स्त्री० शिलीन्ध्र ॥ भुईंफोड ।
छद, पु० ग्रन्थिपर्णीवृक्ष । तमालवृक्ष ॥ गठिवनास्यामतमाल ।
छदन, न० तमालपत्र ॥ तेजपात ।
छदपत्र, पु० भूर्जपत्रवृक्ष ॥ भोजपत्रवृक्ष ।
छद्मिका, स्त्री० गुडूची ॥ गिलोय ।
छन्द, पु० विष ॥ जहर ।
छर्द,छर्द्दन, न० वमन ॥ उल्टाकरना, कैकरना ।
छर्द्दन, पु० निम्बवृक्ष । मदनवृक्ष ॥ नीमकावृक्ष ॥ मैनफलकावृक्ष ।
छर्द्दापनिका, स्त्री० कर्कटी ॥ ककडी ।
छर्दि, स्त्री० वमिरोग ॥ कैकरना, उल्टाकरना ।
छर्द्दिका, स्त्री० विष्णुक्रान्ता ॥ कोयललताभेद ।
छर्द्दिकारिपु, पु० क्षुद्रैला ॥ छोटीइलायची ।
छर्द्दिघ्न, पु० निम्बवृक्ष ॥ नीमकावृक्ष ।
छल्लि, स्त्री० त्वक् ॥ छाल ।
छाग, छागल, पु० स्त्री० स्वनामख्यातपशु ॥ बकरा ।
छागलान्त्रिका, स्त्री० वृद्धदारक ॥ विधारावृक्ष ।
छात्र, न० मधु-विशेष ॥ एक प्रकारका मधु ।
छात्रदर्शन, न० हैयङ्गवीन ॥ एक दिनका घी ।
छादन, पु० नीलाम्लानवृक्ष ॥ नीलीकटसरैया ।

छिक्कनी, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ नाकछिकनी ।
छित्ति, पु० करञ्जवृक्ष ॥ करञ्जुआकापेड ।
छिद्रवैदेही, स्त्री० गजपिप्पली ॥ गजपीपल ।
छिद्रान्त [र्], पु० नल ॥ नरसल ।
छिद्राफल, पु० मायाफल ॥ मायिफलवङ्गभाषा ।
छिन्नग्रन्थिका, स्त्री० त्रिपर्णिका ॥ त्रिपर्णिकानामकन्द ।
छिन्नपत्री, स्त्री० अम्बष्ठा ॥ भोईयावृक्ष ।
छिन्नरुह, पु० तिलकवृक्ष ॥ तिलकपुष्पवृक्ष ।
छिन्नरुहा, स्त्री० गुडूची । स्वर्णकेतकी । शल्लकी ॥ गिलोय । केतकीकावृक्ष । शालईवृक्ष ।
छिन्नवेशिकी, स्त्री० पाठा ॥ पाठ ।
छिन्ना, स्त्री० गुडूची ॥ गिलोय ।
छिन्नोद्भवा, स्त्री० ऐ ।
छिलहिण्ड, पु० पातालगरुडवृक्ष ॥ छिरहिटा ।
छेदनीय, पु० कतकवृक्ष ॥ निर्म्मलीफलकावृक्ष ।
छेलु, पु० सोमराजी ॥ बायची ।
छोलङ्ग, पु० मातुलुङ्ग ॥ बिजोरानीबु ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृते शालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने छकाराक्षरे सप्तमस्तरङ्गः ॥ ७ ॥

ज.

जकुट, न० वार्त्ताकुपुष्प ॥ बैंगनकेफूल ।
जगत्, न० सौराष्ट्रमृत्तिका ॥ सोरटकीमिट्टी अर्थात् गोपीचन्दन ।
जगल, पु० सुराकल्क ।
जघन, न० कटि ॥ कमर ।
जघनकूपक, पु० कुकुन्दर ॥
जघनेफला, स्त्री० काकोदुम्बरिका । कठूमर ।
जङ्गल, न० विष ॥ जहर ।
जङ्घा, स्त्री० गुल्फोर्द्ध जान्वधोभाग ॥ जाङ्घ जाँघ ।
जङ्घाशूल, न० जङ्घावेदना ॥ जाँघकीपीडा ।
जटा, स्त्री० जटामांसी । रुद्रजटा । शतावरी । कपिकच्छु । वृक्षमूल ॥ जटामांसी, बालछड । शंकरजटा । शतावर । कौंछ । वृक्षकीजड ।
जटामांसी, स्त्री० स्वनामख्यातसुगन्धिद्रव्य-विशेष॥ जटमांसी, कतुचर, बालछड ।
जटायु, पु० गुग्गुलु ॥ गूगल ।
जटाल, पु० कर्पूर । वट । मुष्कक । गुग्गुलु ॥ कचूर । वडकावृक्ष । मोखावृक्ष गूगल औषधी ।
जटाला, स्त्री० जटामांसी ॥ बालछड, जटामांसी ।
जटावती, स्त्री० जटामांसी ॥ बालछड ।
जटावल्ली, स्त्री० रुद्रजटा । गन्धमांसी॥शंकरजटा।

जटामांसीभेद ।
जटि, स्त्री० प्लक्षवृक्ष ॥ पाखरकावृक्ष ।
जटिल, पु० ऐ ।
जटिला, स्त्री० जटामांसी । पिप्पली । उच्चटा । दमनकवृक्ष । वचा ॥ जटामांसी, बालछड । पीपल । उच्चटाघास । दवना, दोनावृक्ष । वच ।
जटी, स्त्री० पर्कटीवृक्ष । जटामांसी ॥ पिलखनवृक्ष, पाखरवृक्ष । जटामांसी ।
जटी [न्], पु० प्लक्षवृक्ष ॥ पाखरवृक्ष ।
जठरनुत्, पु० आरग्वधवृक्ष ॥ अमलतास ।
जठरामय, पु० जलोदररोग ॥ जलोदररोग ।
जड, न० सीसक । जल ॥ सीसा । पानी ।
जडा, स्त्री० शूकशिम्बी । भूम्यामलकी ॥ कौंछ । भुईआमला ।
जतु, न० वृक्षनिर्य्यास-विशेष ॥ लाख ।
जतुक, न० हिङ्गु । लाक्षा ॥ हींग । लाख ।
जतुका, स्त्री० गन्धद्रव्य-विशेष ॥ पर्पटी, पद्मावती, पपरी ।
जतुकारी, स्त्री० लता-विशेष ॥ जतुकारी ।
जतुकृत्, स्त्री० जनीनामकगन्धद्रव्य ॥ पनड़ी, पद्मावती ।
जतुकृष्णा, स्त्री० पर्प्पटी ॥ पपरी ।
जतुमणि, पु० क्षुद्ररोग-विशेष ॥ एकप्रकारका क्षुद्ररोग ।
जतुरस, पु० अलक्तक ॥ लाखकारङ्ग ।
जतूका, स्त्री० जनीनामकगन्धद्रव्य ॥ पपरी ।
जत्रु, जत्रुक, न० स्कन्धसन्धि ॥ कंधेऔरबगलकाजोड़ ।
जत्वश्मक, न० शिलाजतु ॥ शिलाजीत ।
जनकारी [न्] पु० अलक्तक ॥ लाखकारङ्ग, महावर ।
जननि, स्त्री० जनीनामकगन्धद्रव्य-विशेष ॥ पनडी, पद्मावती ।
जननी, स्त्री० जनीनामकगन्धद्रव्य । यूथिका । कटुका । मञ्जिष्ठा । जटामांसी ॥ अलक्तक पपरी, पद्मावती । जुहीपुष्पवृक्ष । कुटकी। मजीठा जटामांसी । महावर ।
जनप्रिय, पु० धन्याक । शोभाञ्जन ॥ धनिया । सैजिनकापेड़ ।
जनवल्लभ, पु० श्वेतरोहितवृक्ष ॥ सफेदरोहेड़ावृक्ष ।
जनि, स्त्री० जनी ॥ पपरी ।
जनिनीलिका, स्त्री० महानीली ॥ बड़ानीलका वृक्ष ।
जनी, स्त्री० गन्धद्रव्य-विशेष ॥ पर्पटी, पनड़ी, पद्मावती, ।
जनेष्ट, पु० मुद्गरवृक्ष ॥ मोगरावृक्ष ।
जनेष्टा, स्त्री० जतुका, वृद्धिनामकौषधी । जातीपुष्प । हरिद्रा ॥ पपरी । वृद्धि । चमेलीकावृक्ष । हलदी ।
जन्तुकम्बु, पु० कृमिशङ्ख ॥ शंख+घोंघा ।
जन्तुका, स्त्री० नाडीहिङ्गु । लाक्षा । नाडीहिङ्ग । लाख ।
जन्तुघ्न, न० विडङ्ग । हिङ्गु ॥ वायविडङ्ग । हीङ्ग ।
जन्तुघ्न, पु० बीजपूर ॥ बिजौरानीबु ।
जन्तुघ्नी, स्त्री० विडङ्ग ॥ वायविडङ्ग ।
जन्तुनाशन, न० हिङ्गु ॥ हीङ्ग ।
जन्तुपादप, पु० कोषाम्रवृक्ष ॥ कोशामवृक्ष ।
जन्तुफल, पु० उदुम्बर । गूलर ।
जन्तुमारी, स्त्री० निम्बुक ॥ नीबु ।
जन्तुला, स्त्री० काशतृण ॥ काँस ।
जन्तुहन्त्री, स्त्री० विडङ्ग ॥ वायविड़ङ्ग ।
जया, स्त्री० स्वनामख्यातपुष्पवृक्ष ॥ ओडहुल, गुडहर ।
जम्बाल, पु० शैवाल । केतकपुष्पवृक्ष ॥ सिवार । केवरावृक्ष ।
जम्बिर, पु० जम्बीर ॥ जम्भीरीनीबु ।
जम्बीर, पु० स्वनामख्यातनिम्बुकावृक्ष । अर्जक । सितार्जक । मरुबक ॥ चम्भीरीनीबुकावृक्ष । छोटीतुलसी । सफेदवनतुलसी । मरुआवृक्ष ।
जम्बु, स्त्री० जम्बु ॥ जामुनकावृक्ष ।
जम्बु, न० जम्बुफल ॥ जामन ।
जम्बुक, पु० जम्बुवृक्षभेद। वरुणवृक्ष।श्योनाकभेद॥ एकप्रकारकीजामनकावृक्ष । वरनावृक्ष । अरलु, टेंटु, शोनापाठा ।
जम्बुल, पु० जम्बूवृक्ष । केतकवृक्ष ॥ जामनका । वृक्ष । केवरावृक्ष ।
जम्बू वनज, न० श्वेतजपापुष्प ॥ साँझीपुष्पवृक्ष ।
जम्बु, स्त्री० नागदमनी । स्वनामख्यातवृक्ष ॥ नागदौन । जामुनकावृक्ष ।
जम्बूका, स्त्री० काकोलीद्राक्षा ॥ किसमिस ।
जम्बूल, पु० जम्बूवृक्ष । केतकावृक्ष ॥ जामुनकावृक्ष । केवरावृक्ष ।
जम्भ, पु० । जम्बीर ॥ जम्बीरीनीबु॥
जम्भक, पु० ऐ ।
जम्भर, पु० ऐ ।
जम्भल, पु० ऐ ।
जम्भा, स्त्री० जृम्भा ॥ जम्भाई ।

जम्भी [न्] पु०, जम्बीर ॥ जम्भीरीनीबु ।
जम्भीर, पु० मरुबकवृक्ष । जम्भीर ॥ मरुआ । जम्भीरीनीबु ।
जयन्तिका, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
जयन्ती, स्त्री० तिन्तिडीपत्रसदृशवृक्ष-विशेष । अग्निमन्थवृक्ष ॥ जयन्तीपुष्पवृक्ष, जैतपुष्पवृक्ष । अगेथु, अरणीवृक्ष ।
जयपाल, पु० वृक्ष-विशेष ॥ जमालगोटा ।
जया, स्त्री० जिया । शान्तावृक्ष । नीलदूर्वा । हरितकी । अग्निमन्थवृक्ष । जयन्तीवृक्ष ॥ भङ्ग । छौंकराभेद । हरीदूब । हरड । अगेथु । गणियारीवृक्ष । जैतवृक्ष ।
जयावहा, स्त्री० भद्रदन्तीवृक्ष ॥ भद्रदन्तीवृक्ष ।
जयाश्रया, स्त्री० जरड़ी तृण ॥ जरड़ीघास ।
जयाह्वा, स्त्री० भद्रदन्तिका वृक्ष ॥ भद्रदन्तीका पेड ।
जरडी, स्त्री० स्वनामख्यात तृण ॥ जरडी तृण ।
जरण, न० हिङ्गु । कुष्ठौषधी ॥ हींङ्ग । कूठ ।
जरण, पु० जीरक । कृष्णजीरक । सौवर्चल लवण । कासमर्द ॥ जीरा । कालाजीरा । कालानोन । कसोंदीका वृक्ष ।
जरणा, स्त्री० कृष्णजीरक ॥ काला जीरा ।
जरणद्रुम, पु० अश्वकर्ण वृक्ष ॥ शालभेद ।
जरा, स्त्री० वयःकृतश्लथमांसादि अवस्थाभेद ॥ बुढापा ।
जरायु, पु० गर्भवेष्टनचर्म्म, गर्भाशय । अग्निजारवृक्ष ॥ गर्भ जिसमें लिपटा रहता है वह चमडा । अग्निजार वृक्ष ।
जर्जर, पु० शैलेयनामक गन्धद्रव्य ॥ भूरिछरीला ।
जर्त्तिल, पु० वनोद्भवतिल ॥ वनतिल ।
जर्हिल, पु० ऐ ।
जल, न० ह्रीबेर । पानीय ॥ सुगंधवाला, नेत्रवाला, जल ।
जलकण्ट, जलकण्टक, पु० शृङ्गाट ॥ शिङ्गाडा ।
जलकरङ्क, पु० नारिकेलफल । पद्म । शङ्ख । जललता ॥ नारियलफल । कमल । शंख । एक प्रकारकी जलकी वेल ।
जलकर्ण, पु० वृक्ष-विशेष ॥ कर्णमोरट ।
जलकर्णा, स्त्री० ऐ ।
जलकल्क, पु० जम्बाल ॥ काई ।
जलकामुक, पु० कुदुम्बानिवृक्ष ॥ सूरजमुखी । अर्कपुष्पी, ।

जलकुन्तल, पु० शैवाल ॥ शिवार ।
जलकेश, पु० ऐ ।
जलङ्ग, पु० महाकाललता ॥ महाकालवेल ।
जलज, न० पद्म । शङ्ख ॥ कमल । शंख ।
जलज, पु० हिज्जलवृक्ष । शैवाल । वानीरवृक्ष । कुपीलु । शंख ॥ समुद्रफल । शिवार । जलवैंत । मकर तैंदुआ । शङ्ख ।
जलजन्तुका, स्त्री० जलौका ॥ जोंक ।
जलजन्म [न्], न० पद्म ॥ कमल ।
जलजम्बूका, स्त्री० क्षुद्रजम्बू ॥ छोटीजामुन ।
जलडिम्ब, पु० शम्बूक ॥ घोंघा, छोटा शंख ।
जलतिक्तिका, स्त्री० शल्लकीवृक्ष ॥ शालई वृक्ष ।
जलद, पु० मुस्ता ॥ मोथा ।
जलदाशन, पु० सालवृक्ष ॥ शालका पेड ।
जलधर, पु० मुस्तक । तिनिश वृक्ष ॥ मोथा । तिरिच्छ वृक्ष ।
जलनीली, स्त्री० शैवाल ॥ काई ।
जलपिप्पली, स्त्री० पिप्पली-विशेष ॥ पनिसगा, जलपीपल ।
जलपृष्ठजा, स्त्री० शैवाल ॥ काई ।
जलफल, न० शृङ्गाटका ॥ सिङ्घाडे ।
जलब्रह्मी, स्त्री० हिलमोचिकाशाक ॥ हुरहुरका शाक ।
जलभू, पु० कश्वट ॥ कश्वट तृण ।
जलमधूक, पु० मधूकवृक्षभेद ॥ जलमहुआ ।
जलमोद, न० उशीर ॥ खस ।
जलरस, पु० लवण ॥ नोन ।
जलरुट् [ह्], पु० पद्म ॥ कमल ।
जलरुह, न० ऐ ।
जलवल्कल, पु० कुम्भिका ॥ जलकुम्भी ।
जलवल्ली, स्त्री० शृङ्गाटक ॥ सिङ्गाडे ।
जलवास, न० उशीर ॥ खस ।
जलवास, पु० विष्णुकन्द ॥ विष्णुकन्द ।
जलबिन्दुजा, स्त्री० यावनालशर्करा ॥ शीरखिस्त ।
जलवेतस, पु० वानीरवृक्ष ॥ जलवैंत ।
जलशुक्ति, स्त्री० शम्बूक ॥ घेंघा ।
जलशूक, न० शैवाल ॥ सिवार ।
जलसर्पिणी, स्त्री० जलौका ॥ जोंक ।
जलस्था, स्त्री० गण्डदूर्वा ॥ गांडर दूब ।
जलहास, पु० समुद्रकफ ॥ समुद्रफेन ।
जलाश्वल, पु० शैवाल ॥ शिवार ।
जलायुका, स्त्री० जलौका ॥ जोंक ।

जलालु, पु० पानीयालु ॥ पानीआलु ।
जलालुक, न० पद्मकन्द ॥ मसींडा, कमलकन्द ।
जलाशय, न० उशीर । लामज्जकतृण ॥ खस । लामज्जक तृण ।
जलाशय, पु० शृङ्गाटक ॥ सिङ्घाडे ।
जलाशया, स्त्री० गुण्डालावृक्ष ॥ गुण्डाला पेड ।
जलाश्रय, पु० वृत्तगुण्ड तृण ॥ गुण्डघासभेद ।
जलाश्रया, स्त्री० शूलतृण ॥ शूलीघास ।
जलाह्वय, न० उत्पल ॥ कुमुद ।
जलाक्षी, स्त्री० जलपिप्पली ॥ जलपीपल ।
जलेच्छया, स्त्री० हस्तिशुण्डावृक्ष ॥ हाथीशूण्डवृक्ष।
जलेजात, न० पद्म ॥ कमल ।
जलेरुहा, स्त्री० कुटुम्बनीवृक्ष ॥ सूरजमुखी ।
जलोदर, न० जठरामय ॥ जलोदररोग ।
जलोद्भवा, स्त्री० लघुब्राह्मी ॥ छोटीब्रह्मीघास ।
जलोद्भूता, स्त्री० गुण्डालावृक्ष ॥ गुण्डालापेड ।
जलौका, [स्] जलौका, स्त्री० जलजन्तु-विशेष॥ जोंक ।
जवताल, न० फल-विशेष ॥ जवतालफल ।
जवनी, स्त्री० औषधी-विशेष ॥ एक प्रकारकी औषधी ।
जवस, न० घास ॥ घास ।
जवा, स्त्री० पुष्पवृक्ष-विशेष ॥ औड़हुल, गुडहर । गुडहल ।
जवादि, स्त्री० सुगन्धिद्रव्य-विशेष ॥ जवादिकस्तूरी।
जवापुष्प, पु० जपापुष्प ॥ ओड़हुल ।
जहा, स्त्री० मुण्डतिका ॥ गोरखमुण्डी ।
जागुड, न० कुङ्कुम ॥ केशर ।
जाङ्गल स्त्री० हरिणादिपशु ॥ हरिण वाघ इत्यादि पशु ।
जाङ्गली, स्त्री० शूकशिम्बी ॥ किंवाच ।
जाङ्गुल, न० विष । जालिनीफल ॥ विष । तोरई ।
जाटलि, पु० स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ एक प्रकारका पेड ।
जाड्यारि, पु० जम्बीर ॥ जम्बीरीनीबु ।
जातवेदः [स्] पु० चित्रकवृक्ष ॥ चीतेकापेड ।
जातरूप, न० स्वर्ण । धुस्तूर ॥ सोना । धत्तूरा ।
जाति, स्त्री० आमलकी । जातीफल । मालती । काम्पिल्ल । जातिपुष्पवृक्ष ॥ आमला । जायफल। मालतीपुष्पलता । कवीला । चमेलीवृक्ष ।
जातिकोश, न० जातीफल ॥ जायफल ।
जातिकोष, न० ऐ ।
जातिकोषी, स्त्री० जातीपत्री ॥ जावित्री ।
जातिफल, न० जातीफल ॥ जायफल ।
जातिसार, न० ऐ ।
जाती, स्त्री० जातीपुष्प । जातीफल ॥ चमेली-कापेड । जायफल ।
जातीकोश, न० जातीफल ॥ जायफल ।
जातीकोष, न० ऐ ।
जातीपत्री, स्त्री० जातीफलत्वक् ॥ जायफलकी छाल अर्थात् जावित्री ।
जातीपूग, पु० जातीफल ॥ जायफल ।
जातीफल, न० स्वनामख्यातगन्धफल ॥जायफल ।
जातीरस, न० बोलनामकगन्धद्रव्य ॥ बोल ।
जातुक, न० हिङ्गु ॥ हीङ्ग ।
जानु, न० ऊरुजङ्घयोर्मध्यभाग ॥ पाँवकाघुटना ।
जामाता, [ऋ] पु० सूर्य्यवर्त्तवृक्ष ॥ हुरहुर, हुलहुलका वृक्ष ।
जाम्बव, न० जम्बूफल । सुवर्ण ॥ जामन । सोना।
जाम्बती, स्त्री० नागदमनी ॥ नागदौन ।
जाम्बवी, स्त्री० ऐ ।
जाम्बूनद, न० स्वर्ण । धुस्तूर ॥ सोना । धत्तूरा ।
जायक, न० कालीयक ॥ कलम्बक, पीलाचन्दन ।
जायु, पु० औषध ॥ औषधी ।
जारणी, स्त्री० स्थूलजीरक ॥ बड़ाजीरा ।
जारी, स्त्री० औषध-विशेष ॥
जाल, न० अस्फुटकलिका, कुष्माण्डादिक्षुद्रफल ॥ नईकली ।
जाल, पु० कदम्बवृक्ष ॥ कदमका पेड़ ।
जालगर्द्दभ, रोग-विशेष ।
जालबर्ब्बूरक, पु० बर्ब्बूरवृक्ष-विशेष ॥ जालबबूर ।
जालिनी, स्त्री० कोषातकी । घोषातकी ॥ तोरई। नेनुआतोरई ।
जालिनीफल, न० घोषातकीबीज ॥ झिमनी तोरईकेबीज ।
जाली, स्त्री० पटोलिका । पटोल ॥ तोरई । परवल।
जाषक, न० कालीयक ॥ कलम्बक ।
जिङ्गिनी, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ जिङ्गनीया, जिङ्गनी ।
जिङ्गी, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ ।
जितेन्द्रियाह्व, पु० कामवृद्धिवृक्ष ॥ कामज कर्णाटकदेशकी भाषा ।
जिह्म, न० तगरवृक्ष ॥ तगरका पेड ।
जिह्मशल्य, पु० खदिर ॥ खैरकापेड ।
जिह्व, न० तगरमूल ॥ तगर ।

जिह्वा, स्त्री० रसनेन्द्रिय ॥ रसनाइन्द्री अर्थात् जीभ।
जिह्वानिर्लेखन, न० जिह्वामार्जनद्रव्य ॥ जीभके मेलनेकी वस्तु।
जिह्वाशल्य, पु० खदिरवृक्ष ॥ खैरकावृक्ष।
जीमूत, पु० मुस्तक। देवताडवृक्ष। देवदालीलता, घोषकलता ॥ मोथा। देवताडवृक्ष। घघरबेल। सोनैया। तोरईभेद।
जीमूतक, पु० देवदालीलता। देवताडवृक्ष ॥ सोनैया। देवताडवृक्ष।
जीमूतमूल, न० शठी ॥ कचूर, अम्बिया हलदी।
जीर, पु० जीरक ॥ जीरा।
जीरक, पु० ऐ।
जीरण, पु० ऐ।
जीरिका, स्त्री० वंशपत्रीतृण ॥ वंशपत्रीघास।
जीर्ण, न० शैलेय ॥ भूरि छरीला।
जीर्ण, पु० जीरक ॥ जीरा।
जीर्णज्वर, पु० पुरातन ज्वर ॥ पुरानाज्वर।
जीर्णदारु, पु० वृद्धदारकभेद ॥ विधाराभेद।
जीर्णपत्रिका, स्त्री० वंशपत्री तृण ॥ वंशपत्री घास।
जीर्णपर्ण, पु० कदम्ब ॥ कदमका वृक्ष।
जीर्ण वज्र, न० वज्र–विशेष ॥ वैक्रान्तमणि।
जीर्णबुध्न, पु० पट्टिका लोध्र ॥ पठानी लोध।
जीर्णबुध्नक, न० परियेल ॥ केवटी मोथा।
जीर्णा, स्त्री० स्थूल जीरक ॥ बडा जीरा।
जीव, पु० वृक्ष–विशेष ॥ बकायन वृक्ष।
जीवक, पु० अष्टवर्गान्तर्गत औषधी–विशेष ॥ जीवक औषधी।
जीवन,न०जल। ह्यंगवीन॥जल। एकदिनका घी।
जीवन, पु० जीवकौषध। क्षुद्रफल वृक्ष ॥ जीवक औषधी। छोटे फलका वृक्ष।
जीवनी, स्त्री० जीवन्ती। काकोली। डोडी। मेदा। महामेदा। यूथीजुही,।
जीवनीयगण, पु० औषध समूह विशेष ॥ जीवक ऋषभक, मेदा, महामेदा, काकोली, क्षीरकाकोली, मुगवन, मषवन, जीवन्ती, मुलहठी। औरभी ॥ + ॥ जीवक, ऋषभक, मेदा, महामेदा, ऋद्धि, वृद्धि, काकोली, क्षीरकाकोली, मुगवन, मषवन, जीवन्ती, मुलहठी यह जीवनीय गण है।
जीवनीया, स्त्री० जीवन्ती ॥ डोडी।
जीवनेत्री, स्त्री० सैंहली ॥ सिंहली पीपल।
जीवन्त, पु० जीवशाक। औषधी ॥ जीवशाक। औषधी।
जीवन्तिका, स्त्री० वन्दा। वृक्षोपरिजात वृक्ष। गुडूची। जीवाख्यशाक। जीवन्ती। हरीतकी ॥ बांदा। वृक्षके ऊपर वृक्ष जो उत्पन्न हो जाते हैं। गिलोय। एक प्रकारका शाक। डोडी। हर, हर्ड, हर्र।
जीवन्ती,स्त्री० सौराष्ट्रदेशजा स्वर्णवर्णाहरीतकी। गुडूची। वन्दा। शमीवृक्षाहरीतकी। लता-विशेष ॥ सोरठदेशमें उत्पन्न होनेवाली स्वर्णवर्णकी हर्ड। गिलोय। बाँदा। छौंकरावृक्ष। हरड। डोडीवृक्ष, जीवन्ती।
जीवपुत्रक, पु० इङ्गुदीवृक्ष। पुत्रजीववृक्ष ॥ गोंदीकावृक्ष। जियापोतावृक्ष।
जीवपुष्पा, स्त्री० बृहज्जीवन्ती ॥ बडीजीवन्ती।
जीवप्रिया, स्त्री० हरीतकी ॥ हर्ड, हर्र।
जीवभद्रा, स्त्री० जीवन्तीलता। वृद्धिनामकौषधी ॥ डोडी। वृद्धि।
जीवला, स्त्री० सैंहली ॥ सिंहलीपीपल।
जीववल्ली, स्त्री० क्षीरकाकोली ॥ क्षीरकाकोली।
जीवशाक, पु० मालवेप्रसिद्धशाक ॥ जीवशाक।
जीवशुक्ला, स्त्री० क्षीरकाकोली ॥ क्षीरकाकोली।
जीवश्रेष्ठा, स्त्री० बृद्धिनामकौषध ॥ ऋद्धिऔषधी।
जीवसंज्ञ, पु० कामवृद्धिवृक्ष ॥ कामज कर्णाटकदेशकी भाषा।
जीवसाधन, न० धान्य ॥ अन्न।
जीवस्थान, पु० मर्म्मस्थान ॥ कण्ठादिक।
जीवा, स्त्री० वचा। जीवन्तीवृक्ष ॥ वच। जीवन्ती।
जीवाला, स्त्री० सैंहली ॥ सिंहलीपीपल।
जीविका, स्त्री० जीवन्ती ॥ डोडी।
जीव्या, स्त्री० गोरक्षदुग्धा। जीवन्ती। हरातकी ॥ अमृतसञ्जीवनी। जीवन्ती। हर्ड।
जुङ्ग, पु० वृद्धदारकवृक्ष ॥ विधारावृक्ष।
जुङ्गक, पु० ऐ।
जुङ्गा, स्त्री० ऐ।
जूतिका, स्त्री० कर्पूरभेद ॥ एक प्रकारका कपूर।
जूर्णाख्य, पु० तृण-विशेष ॥ उलपतृण।
जूर्णाह्य, पु० देवधान्य ॥ जुआर।
जूषण, पु० वृक्ष-विशेष ॥ धायकेफूल।
जृम्भ, पु० जृम्भण, जृम्भा, जृम्भिका ॥ जम्भाई।
जृम्भिणी, स्त्री० एलापर्णी ॥ इलायचीतरहकेपत्ते जिसके ऐसी औषधी।
जैत्र, न० औषध ॥ औषधी।
जैत्र, पु० पारद ॥ पारा।
जैत्री, स्त्री० जयन्तीवृक्ष ॥ जैतवृक्ष।
जैपाल, पु० जयपालवृक्ष ॥ जमालगोटा।

जैवातृक, पु० कर्पूर । औषधि॥ कपूर । औषधी ।
जोङ्गक, न० अगुरु ॥ अगर ।
जोन्ताला, स्त्री० देवधान्य ॥ पुनेरा ।
ज्येष्ठवला, स्त्री० सहदेवी ॥ सहदेई ।
ज्येष्ठाम्बु, न० तण्डुलाम्बु ॥ चावलोंकाजल ।
ज्योतिः [स्], पु० मेथिका ॥ मेथी ।
ज्योतिष्क, पु० चित्रकवृक्ष । मेथिकाबीज । गणिकारिकावृक्ष ॥ चीतेकावृक्ष । मेथिकाबीज । अरणी, अगेथु ।
ज्योतिष्का, स्त्री० ज्योतिष्मतीलता॥ मालकाङ्गनी।
ज्योतिष्मती, स्त्री० स्वनामख्यातलता ॥ मालकाङ्गनी ।
जोत्स्ना, ज्योत्स्निका, स्त्री० पटोलिका ॥ सफेदफूलकी तोरई ।
ज्योत्स्नी, स्त्री० पटोलिका । रेणुकानामगन्धद्रव्य। पटोल ॥ सफेद फूलकी तोरई । रेणुका । परवल।
ज्यौत्स्नी, स्त्री० ज्योत्स्नी ॥ सफेद फूलकी तोरई।
ज्वर, पु० स्वनामख्यातरोग ॥ ज्वररोग ।
ज्वरघ्न, पु० गुडूची । वास्तूक ॥ गिलोय । वथुआ।
ज्वरहन्त्री, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ ।
ज्वराङ्गी, स्त्री० भद्रदन्तिका ॥ भद्रदन्ती ।
ज्वरान्तक, पु० नेपालनिम्ब । आरग्वध ॥ नेपालदेशकानीम । अमलतास ।
ज्वरापहा, स्त्री० बिल्वपत्री ॥ बेलपत्री ।
ज्वलन, पु० चित्रकवृक्ष ॥ चीतावृक्ष ।
ज्वलिनी, स्त्री० मूर्वालता ॥ चुरनहार ।
ज्वालागर्द्दभक,पु० रोग-विशेष ॥ जालगर्द्दभरोग।
ज्वालामुख्या, स्त्री० अग्निशिखा ॥ कलिहारी ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृते शालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने जकाराक्षरे अष्टमस्तरङ्गः ॥ ८ ॥

झ.

झटा, स्त्री० भूम्यामलकी ॥ भुई आमला ।
झषा, स्त्री० नागबला ॥ गुलसकरी ।
झाटल, पु० घण्टापाटलीवृक्ष ॥ मोखावृक्ष ।
झाटा, स्त्री० भूम्यामलकी । यूथीवृक्ष ॥ भुईआमला। जुहीवृक्ष ।
झाटिका, स्त्री० ऐ ।
झावु, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ झाऊकापेड ।
झावुक, पु० ऐ ।
झिङ्गाक, न० फल-विशेष ॥ तोरई ।
झिङ्गिनी, स्त्री० जिङ्गिनीवृक्ष ॥ जिङ्गनिया,जियल ।
झिङ्गी, स्त्री० ऐ ।
झिझिरिष्टा, स्त्री० क्षुप-विशेष ॥ झिंझिरीठा ।
झिण्टी, स्त्री० पुष्पवृक्ष-विशेष ॥ कटसरैयावृक्ष ।
झूणि, पु०क्रमुकभेद ।
झोड, पु० गुवाकवृक्ष ॥ सुपारीकावृक्ष ॥

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृते शालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने झकाराक्षरे नवमस्तरङ्गः ॥ ९ ॥

ट.

टक्कदेशीय, पु० वास्तूकशाक ॥ वथुआकाशाक ।
टगर, पु० टङ्कणक्षार ॥ सुहागा ।
टङ्क, पु० नीलकपित्थ । चतुर्माषकपरिमाण ॥ राजआमवृक्ष । चारमासे ।
टङ्कण, पु० क्षार-विशेष ॥ सुहागा ।
टङ्कानक, पु० ब्रह्मदारुवृक्ष ॥ सहतूतकापेड ।
टङ्कारी, स्त्री० क्षुप-विशेष ॥ टंकारी ।
टङ्ग, पु० टङ्गण ॥ सुहागा ।
टङ्गण, पु० न० ऐ ।
टङ्गिनी, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ पाठ ।
टिण्टिका, स्त्री० अम्बुशिरीषिका ॥ जलसिरस अर्थात् ढाढोन ।
टिण्डिश, पु० वृक्ष-विशेष ॥ ढेंडस, टिण्डे ।
टुण्टुक, पु० श्योनाकवृक्ष । कृष्णखदिरवृक्ष । श्योनाकभेद ॥ टैंटुकवृक्ष । कालीखैर । श्योनापाठाभेद ।
टुण्टुका, स्त्री० टङ्गिनवृक्ष ॥ पाठ ।
टुनाका, स्त्री० तालमूली ॥ मुसली ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृते शालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने टकाराक्षरे दशमस्तरङ्गः ॥ १० ॥

ड

डङ्गरी, स्त्री० लताफल-विशेष ॥ एक प्रकारकी ककडी ।
डङ्गारी, स्त्री० डङ्गरीफल ॥
डहु, पु० वृक्ष-विशेष ॥ वडहर ।
डहू, स्त्री० ऐ ।
डाङ्गरी, स्त्री० डङ्गरीफल ॥
डालिम, पु० दाडिम ॥ अनार ।
डिण्डिम, पु० कृष्णापाकफल ॥ करौंदा ।
डिण्डिर, पु० समुद्रफेन ॥ समुद्रफेन ।
डिण्डिरमोदक, पु० गृञ्जन ॥ लहशन ।
डिण्डिश, पु० टिण्टिश ॥ ढेंडश ।
डिम्ब, न० कलल।फुप्फुस ॥ जरायु । फेफडा ।

डिम्ब, पु० अण्ड । फुप्फुस । प्लीहा ॥ अण्ड । फेफडा । प्लीहारोग ।
डिम्बिका, स्त्री० श्योनाकवृक्ष ॥ शोनापाठा ।
डुली, स्त्री० चिल्लीशाक ॥ चिल्लीशाक ।
डोडी, स्त्री० क्षुप-विशेष ॥ डोंडी ।
डोरडी, स्त्री० बृहती ॥ वैंगुनाकटेहरी ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृते शालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने डकाराक्षरे त्रयोदशस्तरङ्गः ॥ १३ ॥

त.

तक्र, न० पादाम्बुसंयुक्तदधि ॥ छाछ ।
तक्रकूर्च्चिका, स्त्री० आमिक्षा ।
तगर, न० वृक्ष-विशेष ॥ तगरकावृक्ष ।
तगरपादिक, न० तगरवृक्ष ॥ तगरकापेड ।
तर्ज्जी, स्त्री० हिङ्गुपत्री ॥ हीङ्गपत्री ।
तडित्वान् [त्], पु० मुस्तक ॥ मोथाघास ।
तण्डरीण, पु० तण्डुलोदक ॥ चावलोंकापानी ।
तण्डुल, पु० विडङ्ग । तण्डुलीयशाक । धान्यादिनिकर ॥ वायविडङ्ग । चौलाईकाशाक । चावल ।
तण्डुला, स्त्री० विडङ्ग । महासमङ्गा ॥ वायविडङ्ग । कगहिया ।
तण्डुलाम्बु, न० तण्डुलोदक ॥ चावलोंकाजल ।
तण्डुली, स्त्री० यवतिक्तालता । शशाण्डुलीकर्कटी । तण्डुलीयशाक ॥ यवेची देशान्तरीयभाषा । शशाण्डुली, एक प्रकारकी ककड़ी । चौला(रा)ईका शाक ।
तण्डुलीक, पु० तण्डुलीयशाक ॥ चौराईकाशाक ।
तण्डुलीय, पु० स्वनामख्यातपत्रशाक–वि० ॥ चौलाई, अल्पमरसा ।
तण्डुलीयक, पु० तण्डुलीयशाक । विडङ्ग ॥ चौलाईकाशाक । वायविडङ्ग ।
तण्डुलीयिका, स्त्री० विडङ्गा ॥ वायविडङ्ग ।
तण्डुलु, स्त्री० ऐ ।
तण्डुलेर, पु० तण्डुलीयशाक ॥ चौलाईकाशाक ।
तण्डुलोत्थ, न० तण्डुलाम्बु, चावलोंकाजल ।
तण्डुलोदक, न० ऐ ।
तण्डुलौघ, पु० वेष्टवंश ॥ एक प्रकारका बाँस ।
ततपत्री, स्त्री० कदलीवृक्ष ॥ केलेकापेड ।
तत्फल, पु० कुवलय । कुष्ठौषध । चौरनामकगन्धद्रव्य ॥ बेरीकाफल, बेर । कूठ औषधी । भटेउर, नेपालदेशकी भाषा ।
तनया, स्त्री० चक्रकुल्यालता ॥ पिठवन ।
तनुच्छाय, पु० जालबर्बूरवृक्ष ॥ जालबबूरकावृक्ष ।
तनुत्वचा, स्त्री० क्षुद्राग्निमन्थ ॥ छोटीअरणी ।
तनुपत्र, पु० इङ्गुदीवृक्ष ॥ गोंदनीवृक्ष ।
तनुबीज, पु० राजबदर ॥ राजबेर ।
तनुव्रण, पु० वल्मीकरोग ॥
तनुक्षीर, पु० आम्रातक ॥ अम्बाडावृक्ष ।
तनूनप, न० घृत ॥ घी ।
तनूनपात् [द्], पु० चित्रकवृक्ष ॥ चीतेकापेड़ ।
तन्तुक, पु० सर्षप ॥ सर्सों ।
तन्तुकी, स्त्री० नाडी ॥ नाडी ।
तन्तुनिर्य्यास, पु० तालवृक्ष ॥ ताड़वृक्ष ।
तन्तुभ, पु० सर्षप ॥ सर्सों ।
तन्तुर, न० मृणाल ॥ नाल, भसींडा ।
तन्तुल, न० ऐ ।
तन्तुविग्रहा, स्त्री० कदली ॥ केला ।
तन्तुसार, पु० गुवाकवृक्ष ॥ सुपारीकापेड ।
तन्त्रिका, स्त्री० गुडूची ॥ गिलोय ।
तन्त्री, स्त्री० ऐ ।
तन्द्रा, स्त्री० निद्रावत्क्लान्ति ॥ तन्द्रा, आलस्य ।
तन्नि, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन ।
तन्वी, स्त्री० शालपर्णी ॥ शालवन, सरिवन ।
तपन, पु० भल्लातकवृक्ष । अर्कवृक्ष । ताम्र । क्षुद्राग्निमन्थवृक्ष । सूर्य्यकान्तमणि ॥ भिलावेकापेड । आककावृक्ष । तांबा । छोटीअरणी । आतशीसीसा फार्सीभाषा ।
तपनच्छद, पु० आदित्यपत्रवृक्ष ॥ अर्कपत्रवृक्ष ।
तपनतया, स्त्री० शमीवृक्ष ॥ छौंकरवृक्ष ।
तपनमणि, पु० सूर्य्यकान्तमणि ॥ आतशीसीसा, फार्सी भाषा ।
तपनीय, न० स्वर्ण ॥ सोना ।
तपनीयक, न० ऐ ।
तपनेष्ट, न० ताम्र ॥ तांबा ।
तपस्य, न० कुन्दपुष्प ॥ कुन्दके फूल ।
तपस्विनी, स्त्री० जटामांसी । कटुरोहिणी । महाश्रावणिका ॥ बालछड़, जटामांसी । कुटकी । बडी गोरखमुण्डी ।
तपस्विपत्र, पु० दमनकवृक्ष ॥ दौना, दवनावृक्ष ।
तपस्वी [न्], पु० घृतकरञ्जवृक्ष ॥ घृतकञ्जावृक्ष ।
तपोधन, पु० दमनकवृक्ष ॥ दवनावृक्ष ।
तपोधना, स्त्री० मुण्डितिका ॥ गोरखमुण्डी ।
तप्तरूपक, न० रौप्य ॥ चांदी ।
तम, पु० तमालवृक्ष ॥ श्यामतमाल ।
तमर, न० वङ्ग ॥ राङ्गकी भस्म ।

तमराज, पु० शर्करा-विशेष ॥ एक प्रकारकी खांड ।

तमस्विनी, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।

तमा, स्त्री० तमालवृक्ष ॥ श्यामतमाल ।

तमाल, न० पत्रक ॥ तेजपात ।

तमाल, पु० स्वनामख्यात वृक्ष । वरुणवृक्ष । कृष्ण-खदिर ॥ श्यामतमाल । वरनावृक्ष । काली खैर ।

तमाल, पु० न० वृक्ष-विशेष । वंशत्वक् ॥ एक वृक्ष । वांसकी छाल ।

तमालक, न० सुनिषण्णकशाक । तेजपत्र ॥ शिरिआरीवा चौपतियाशाक । तेजपात ।

तमालक, पु० न० तमालवृक्ष । वंशत्वक् ॥ श्यामतमाल । वाँसकी त्वचा ।

तमालपत्र, न० तमालवृक्ष । तेजपत्र ॥ श्यामत-माल । तेजपात ।

तमालिका, स्त्री० ताम्रवल्ली । भूम्यामलकी ॥ ताम्रवल्ली-चित्रकूटदेशे प्रसिद्ध । भुई आमला ।

तमालिनी, स्त्री० भूम्यामलकी ॥ भुई आमला ।

तमाली, स्त्री० वरुणवृक्ष । ताम्रवल्ली ॥ वरना वृक्ष । ताम्रवल्ली । चित्रकूटदेशमें प्रसिद्ध ।

तमी, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।

तरणि, स्त्री० घृतकुमारी ॥ घीकुवार ।

तरणि, पु० अर्कवृक्ष ॥ आकका पेड ।

तरणी, स्त्री० पद्मचारिणी । घृतकुमारी ॥ गैंदेका वृक्ष । घीकुवार ।

तरदी, स्त्री० कण्टकी वृक्ष-विशेष ॥ एक प्रकार-का कांटेवाला वृक्ष ।

तरम्बुज, न० फललता-विशेष ॥ तरबूज ।

तरला, स्त्री० यवागू । सुरा । मधुमक्षिका ॥ यवा-गू अर्थात् जौके आटेका बनता है । मदिरा । मधुमक्खी ।

तरिता, स्त्री० गृञ्जन ॥ गांजा ।

तरुण, न० कुब्जपुष्प ॥ कूजेके फूल ।

तरुण, पु० स्थूलजीरक । एरण्ड ॥ कालाजीरा । अण्डका पेड ।

तरुणज्वर, पु० सप्ताहावधिज्वर ॥ सात दिनके उपरान्त जो ज्वर आवै है ।

तरुणदधि, न० पञ्चदिनातीतदधि ॥ पांच दिनका दही ।

तरुणी, स्त्री० घृतकुमारी । दन्तीवृक्ष । चीडानामक गन्धद्रव्य । स्वनामख्यातपुष्पवृक्ष-विशेष ॥ घीकुवार । दन्तीका पेड । चीड । सेवतीका पेड ।

तरुणीकटाक्षमाल, पु० तिलकवृक्ष ॥ तिलक-का पेड ।

तरुभुक्, [ज्], पु० वन्दाक ॥ वाँदा ।

तरुराज, पु० तालवृक्ष ॥ ताडका पेड ।

तरुरुहा, स्त्री० वन्दाक ॥ वांदा ।

तरुरोहिणी, स्त्री० वन्दाक ॥ वाँदा ।

तरुवल्ली, स्त्री० जतुकालता ॥ मालवे प्रसिद्ध जतुका ।

तरुसार, पु० कर्पूर ॥ कपूर ।

तरुस्था, स्त्री० वन्दाक ॥ वाँदा ।

तरूट, पु० उत्पलकन्द ॥ भसींडा ।

तर्कारी, स्त्री० गणिकारिका वृक्ष । जयन्ती वृक्ष ॥ अगेथु वृक्ष । जयन्ती, जैत वृक्ष ।

तर्कारु, पु० कुष्माण्ड ॥ पेठा ।

तर्किण, पु० चक्रमर्द वृक्ष ॥ चकवड, पमार (ड)।

तर्किल, पु० ऐ ।

तर्जनी, स्त्री० अङ्गुष्ठसमीपाङ्गुली ॥ अँगूठेके समी-पकी उंगली ।

तर्पणी, स्त्री० गुरुस्कन्ध वृक्ष । खिरनीका पेड ।

तर्पिणी, स्त्री० पद्मचारिणी वृक्ष ॥ गैंदा वृक्ष । गुला-ब वृक्ष ।

तर्वट, पु० चक्रमर्द वृक्ष ॥ चकवड ।

तर्क्ष्य, पु० यवक्षार ॥ जवाखार ।

तल, पु० तालवृक्ष ॥ ताडका पेड ।

तलित, न० भ्रष्टमांस ॥ भुनामांस ।

तवराज, पु० यवास शर्करा ॥ शीरखिस्त ।

तवराजोद्भवखण्ड, पु० यवासशर्करासम्भूत खण्ड ॥ शीरखिस्तका कंद ।

तवक्षीर, न० क्षीरजल ॥ तवाखीर ।

तवक्षीरी, स्त्री० गन्धपत्रा ॥ वनशटी ।

तवीष, पु० स्वर्ण ॥ सोना ।

तस्कर, पु० स्पृक्का । मदनवृक्ष । चोरनामकगन्ध-द्रव्य ॥ असवरग, पुरी । मैनफलवृक्ष । भटेउर, नेपालदेशकी भाषा ।

तस्करस्नायु, पु० काकनासालता ॥ कौआठोड़ी ।

ताड़क, पु० देवदालीलता ॥ घघरवेल, सोनैया ।

ताड़काफल, न० बृहदेला ॥ बड़ीइलायची ।

ताड़कीफल, न० ऐ ।

ताड़ि, पु० पत्रद्रुम ॥ ताड़ी ।

ताड़ी, स्त्री० ऐ ।

तापस, न० तमालपत्र ॥ तेजपात ।

तापस, पु० दमनकवृक्ष ॥ दवनावृक्ष ।

तापसतरु, पु० इङ्गुदीवृक्ष ॥ हिङ्गोटवृक्ष, गोंदी-वृक्ष ।

तापसद्रुम, पु० ऐ।
तापसद्रुमसन्निभा, स्त्री० गर्भदात्रीवृक्ष ॥ पुत्रदा।
तापसप्रिय, पु० प्रियालवृक्ष। इङ्गुदीवृक्ष ॥ चिरोंजीकापेड़। गोंदीवृक्ष।
तापसप्रिया, स्त्री० द्राक्षा ॥ दाख।
तापिञ्ज, न० माक्षिकधातु ॥ सोनामाखी।
तापिञ्ज, पु० तमालवृक्ष ॥ श्यामतमाल।
ताप्य, न० स्वर्णमाक्षिक। धातुमाक्षिक ॥ सोनामाखी। धातुमाखी।
ताप्यक, न० धातुमाक्षिक ॥ धातुमाखी।
ताप्युत्थसंज्ञक, न० ऐ।
तामर, न० जल। घृत ॥ पानी। घी।
तामरस, न० पद्म। स्वर्ण। ताम्र ॥ कमल। सोंना। तांबा।
तामलकी, स्त्री० भूम्यामलकी ॥ भूई आमला।
तामसी, स्त्री० जटामांसी ॥ बालछड, जटामांसी।
ताम्र, न० स्वनामख्यातधातु ॥ तांबा।
ताम्र, पु० कुष्ठरोग-विशेष ॥ एकप्रकारका कोढरोग।
ताम्रक, न० ताम्र ॥ तांबा।
ताम्रकूट, पु० क्षुप-विशेष ॥ तमाखु।
ताम्रगर्भ, न० तुत्थ ॥ तूतिया।
ताम्रचूड़, पु० कुक्कुरद्रु ॥ कुकरोंदावृक्ष।
ताम्रदुग्धा, स्त्री० गोरक्षदुग्धा ॥ अमृतसञ्जीवनी।
ताम्रपत्र, पु० जीवशाक ॥ जीवशाक।
ताम्रपर्णी, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ।
ताम्रपल्लव, पु० अशोकवृक्ष ॥ अशोककापेड़।
ताम्रपाकी [न्], पु० गर्दभाण्डवृक्ष ॥ पारिसपीपल।
ताम्रपादी, स्त्री० हंसपदी ॥ लालरङ्गकालज्जालु।
ताम्रपुष्प, पु० रक्तकाञ्चनपुष्पवृक्ष ॥ लालकचनारकावृक्ष।
ताम्रपुष्पिका, स्त्री० रक्तत्रिवृत् ॥ लालनिसोत।
ताम्रपुष्पी, स्त्री० धातकीपुष्प। पाटलावृक्ष ॥ धायकेफूल। पाड़रवृक्ष।
ताम्रफल, पु० अङ्कोठवृक्ष ॥ ढेरा, टेरावृक्ष।
ताम्रमूला, स्त्री० दुरालभा। लज्जालु। कच्छुरा ॥ धमासा। लज्जावन्ती। क्षीराईवृक्ष।
ताम्रवर्ण, पु० पल्लिवाहतृण ॥ पल्लिवाहतृण।
ताम्रवर्णा, स्त्री० ओड्रपुष्पवृक्ष ॥ ओडहुल, गुडहल।
ताम्रवल्लि, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ। चित्रकूटदेशमें प्रसिद्ध ताम्रवल्लीनामवालीलता-विशेष।

ताम्रबीज, पु० कुलत्थ ॥ कुल्थी।
ताम्रवृन्त, पु० ऐ।
ताम्रवृन्ता, स्त्री० कुलत्थिका ॥ एकप्रकारका शुम्मी।
ताम्रवृक्ष, पु० रक्तचन्दन। कुलत्थ ॥ लालचन्दन। कुलथी।
ताम्रसार, न० रक्तचन्दन ॥ लालचन्दन।
ताम्रसारक, न० ऐ।
ताम्रसारक, पु० रक्तखदिर, ॥ लालखैर।
ताम्रा, स्त्री० सैंहली ॥ सिंहलीपीपल।
ताम्राभ, पु० रक्तचन्दन ॥ लालचन्दन।
ताम्रार्द्ध, न० कांस्य ॥ काँसी।
ताम्रिका, स्त्री० गुञ्जा ॥ घुँघुची।
ताम्बूल, न० पर्ण। क्रमुक ॥ पान। सुपारी।
ताम्बूलपत्र, पिण्डालु ॥ पिड़ालु।
ताम्बूलराग, पु० मसूर ॥ मसूरअन्न।
ताम्बूलवल्लिका, स्त्री० ताम्बूली ॥ पानोंकी वेल।
ताम्बूलवल्ली, स्त्री० ताम्बूललता ॥ पानोंकी वेल।
ताम्बूली, स्त्री० ऐ।
तार, न० रूप्य। मुक्ता ॥ चाँदी मोती।
तार, पु० शुद्धमौक्तिक ॥ शुद्धमोती।
तारक, न० स्त्री० कनीनिका ॥ आंखका तारा।
तारका, स्त्री० न० ऐ।
तारका, स्त्री० इन्द्रवारुणी ॥ इन्द्रायण।
तारतण्डुल, पु० धवलयावनाल ॥ सफेदज्वार।
तारदी, स्त्री० तरदीवृक्ष ॥ तरदीवृक्ष।
तारपुष्प, पु० कुन्दपुष्पवृक्ष ॥ कुन्देका वृक्ष।
तारविमला, स्त्री० धातुविशेष ॥ सीसा।
तारशुद्धिकर, न० ऐ।
तारा, स्त्री० पु० चक्षुमध्यस्थान ॥ आँखका तारा।
तारा, स्त्री० चीडा। मुक्ता ॥ चीढ। मोती।
ताराभ्र, पु० कर्पूर ॥ कपूर।
तारारि, पु० विड्माक्षिकधातु।
तारिका, स्त्री० तालरस ॥ ताडी।
तार्क्षी, स्त्री० पातालगरुडीलता ॥ छिरहिंटा।
तार्क्ष्य, न० रसाञ्जन ॥ रसोत।
तार्क्ष्य, पु० शालवृक्ष। अश्वकर्णवृक्ष। स्वर्ण ॥ शालकावृक्ष। सालकाभेद। सोना।
तार्क्ष्यज, न० रसाञ्जन ॥ रसोत।
तार्क्ष्यप्रसव, पु० अश्वकर्णवृक्ष ॥ एक प्रकारका साल।
तार्क्ष्यशैल, न० रसाञ्जन ॥ रसोत।
तार्क्ष्यी, स्त्री० वनलता–विशेष ॥

ताल, न० हरिताल । तालीसपत्र । तालफल ॥ हरताल । तालीसपत्र । ताडका फल ।

ताल, पु० स्वनामख्यात वृक्ष ॥ ताड़का पेड ।

तालक, न० हरिताल । तुवरिका ॥ हरताल । गोपीचन्दन ।

तालकी, स्त्री० तालरस ॥ ताडी ।

तालपत्रिका, स्त्री० मुसली ॥ मूसली ।

तालपत्री, स्त्री० मूषिकपर्णी ॥ मूसाकानी ।

तालपर्ण न० स्त्री० मुरानामकगन्धद्रव्य ॥ कपूरकचरी ।

तालपर्णी, स्त्री० मधुरिका । मुरा । तालमूली । मिश्रेया ॥ सौंफ । कपूरकचरी । मुसली । सोआ ।

तालपुष्पक, न० प्रपौण्डरीक ॥ पुण्डरिया ।

तालप्रलम्ब, न० तालजटा ॥ ताडकी जटा ।

तालमूलिका, स्त्री० तालमूली ॥ मुसली ।

तालमूली, स्त्री० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ मुसली, तालमूली ।

तालवृन्त, न० व्यजन ॥ ताडका पंखा ।

तालक्षीरक, न० तालसम्भूत, तवक्षीर ॥ तवाखीर ।

तालाख्या, स्त्री० मुरानामकगन्धद्रव्य ॥ कपूर कचरी ।

तालाङ्क, पु० शाकभेद ।

तालाङ्कुर, पु० मनशिला ॥ मैनशिल, मनशिल ।

तालि, स्त्री० भूम्यामलकी । तालमूली ॥ भुईआमला । मुषली ।

तालिका, स्त्री० तालमूली । ताम्रवल्ली ॥ मुषली । ताम्रवल्लीलता ।

ताली, स्त्री० ताडी । भुम्यामलकी । तुवरिका । तालमूली । ताम्रवल्ली ॥ सुराभेद । खजूर । तालीशपत्र ॥ ताडी । भुईआमला । गोपीचन्दन । मुसली । ताम्रवल्लीनामवाली चित्रकूटमें प्रसिद्धलता । ताडी । खजूर । तालीशपत्र ।

तालीपत्र, न० तालीशपत्र ॥ तालीशपत्र ।

तालीश, न० ऐ ।

तालीशपत्र, न० स्वनामख्यातवृक्ष । भुम्यामलकी ॥ तालीशपत्र । भुईआमला ।

तालु, **तालुक**, न० जिह्वेन्द्रियाधिष्ठान ॥ तालु ।

तावीष, पु० स्वर्ण ॥ सोना ।

तिक्त, न० पर्पट ॥ पित्तपापडा ।

तिक्त, पु० रस-विशेष । कुटजवृक्ष । वरुणवृक्ष ॥ तिक्तरस । कुडेकापेड । वरनावृक्ष ।

तिक्तक, पु० पटोल । चिरातिक्त । कृष्णखदिर । इङ्गुदीवृक्ष ॥ परवल । चिरायता । कृष्णखैर । हिङ्गोटवृक्ष, गोंदनीवृक्ष ।

तिक्तकान्दिका, स्त्री० गन्धपत्रा ॥ वनशटी ।

तिक्तका, स्त्री० कटुतुम्बी ॥ कडवीतोम्बी ।

तिक्तगन्धिका, स्त्री० वराहक्रान्ता ॥ वराहक्रान्तावृक्ष ।

तिक्तगुञ्जा, स्त्री० करञ्ज ॥ कञ्जा ।

तिक्ततण्डुला, स्त्री० पिप्पली ॥ पीपल ।

तिक्ततुण्डी, स्त्री० कटुतुण्डीलता ॥ कडवीतोरई ।

तिक्ततुम्बी, स्त्री० कटुतुम्बी ॥ कडवीतोम्बी ।

तिक्तदुग्धा, स्त्री० क्षीरिणीवृक्ष ॥ एक प्रकारकी कटेरी । अजशृङ्गी ॥ मेढाशिङ्गी ।

तिक्तधातु, पु० पित्त ॥ पित्त ।

तिक्तपत्र, पु० कर्कोटक ॥ ककोडा ।

तिक्तपर्वा [न्], पु० दूर्वा । हिलमोचिका । गुडूची । यष्टिमधु ॥ दूवघास । हुलहुलशाक । गिलोय । मुलहटी ।

तिक्तपुष्पा, स्त्री० पाठा । पाठ ।

तिक्तफल, पु० कतकवृक्ष ॥ निर्म्मलीफल ।

तिक्तफला, स्त्री० यवतिक्तालता । वार्त्ताकी । षड्भुजा ॥ यवेची देशान्तरीयभाषा । वैगुनाकटेहरी । खरबूजा ।

तिक्तभद्रक, पु० पटोल ॥ परवल ।

तिक्तमरिच, पु० कतकवृक्ष ॥ निर्म्मलीफल ।

तिक्तरोहिणिका, स्त्री० कटुका ॥ कुटकी ।

तिक्तरोहिणी, स्त्री० ऐ ।

तिक्तवल्ली, स्त्री० मूर्वालता ॥ चुरनहार ।

तिक्तबीजा, स्त्री० कटुतुम्बी ॥ कड़वीतोम्बी ।

तिक्तशाक, पु० खदिरवृक्ष । वरुणवृक्ष । पत्रसुन्दरशाक ॥ खैरकापेड । वरनाकावृक्ष । पत्रसुन्दरशाक, गिमा वङ्गभाषा ।

तिक्तसार, न० दीर्घरोहिषकतृण ॥ बडेरोहिसतृण ।

तिक्तसार, पु० खदिरवृक्ष ॥ खैरकापेड़ ।

तिक्ता, स्त्री० कटुरोहिणी । पाठा । यवतिक्तालता । षड्भुजा । छिक्कनी । लताकस्तूरी ॥ कुटकी । पाठ । यवेची देशान्तरीयभाषा । खरबूजा । नाकछिकनी । मुशकदाना ।

तिक्ताख्या, स्त्री० कटुतुम्बी ॥ कड़वीतोम्बी ।

तिक्ताङ्गा, स्त्री० पातालगरुड़लता ॥ छिरहिंटा ।

तिक्तिका, स्त्री० कटुतुम्बी ॥ कडवीतोम्बी ।

तिराटी, स्त्री० त्रिवृत् ॥ निसोत ।

तित्तिर, **तित्तिरि**, पु० पक्षि-विशेष ॥ तीतर ।

तिनाशक, पु० तिनिशवृक्ष ॥ तिरिच्छवृक्ष ।

तिनिश, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ तिरिच्छवृक्ष ॥
तिन्तिड़, पु० चिञ्चा ॥ इमलीकापेड़।
तिन्तिड़िका, स्त्री० तिन्तिडी ॥ ऐ।
तिन्तिड़ी, स्त्री० वृक्ष-विशेष। वृक्षाम्ल ॥ इमली-कापेड़ विषाविल।
तिन्तिड़ीक, न० वृक्षाम्ल ॥ विषाविल।
तिन्तिड़ीका, स्त्री० तिन्तिडी ॥ इमलीकावृक्ष।
तिन्तिलिका, स्त्री० ऐ।
तिन्तिली, स्त्री० ऐ।
तिन्तिलीका, स्त्री ऐ।
तिन्दिश, पु० टिण्डिशवृक्ष ॥ ढेंड़शकापेड़।
तिन्दु, पु० तिन्दुकवृक्ष ॥ तेंदुकापेड़।
तिन्दुक, न० कर्षपरिमाण ॥ २ तोले।
तिन्दुक, पु० स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ तेंदुकापेड़।
तिन्दुकि, स्त्री० ऐ।
तिन्दुकिनी, स्त्री० आवर्त्तकी ॥ भगवतवल्ली कोंकणीभाषा।
तिन्दुकी, स्त्री० तिन्दुक ॥ तेंदुकापेड।
तिन्दुल, पु० ऐ।
तिमिर, न० पु० नेत्ररोग-विशेष ॥ मन्ददृष्टि।
तिमिष, पु० ग्राम्यकर्कटी ॥ पेठा।
तिरिम, पु० शालिभेद ॥ एकप्रकारके शालिधान।
तिरिय, पु० शालिविशेष ॥ एकप्रकारकेधान।
तिरीट, पु० लोध्र ॥ लोध।
तिल, पु० स्वनामख्यातशस्य ॥ तिल।
तिलक, न० क्लोम। कृष्णवर्णसौवर्च्चल। सौबर्च्चल ॥ पेटमें जलरहनेका स्थान। चोहारकोडा, कालानोन।
तिलक, पु० पुष्पवृक्ष-विशेष। मरुबक। क्षुद्ररोग-विशेष। तिलकपुष्पवृक्ष। मरुआवृक्ष। कालातिलरोग।
तिलकालक, पु० क्षुद्ररोग-विशेष ॥ शरीरमें कालातिल।
तिलचित्रपत्रक, पु० तैलकन्द ॥ तैलकन्द।
तिलतैल, न० तिलस्नेह ॥ तिलोंकातेल।
तिलपर्ण, न० चन्दन। तिलवृक्षपत्र ॥ चन्दन। तिलकेपत्ते।
तिलपर्ण, पु० श्रीवेष्ट ॥ सरलकागोंद।
तिलपर्णिका, स्त्री० रक्तचन्दन ॥ लालचन्दन।
तिलपर्णी, स्त्री० ऐ।
तिलपिच्चट, न० तिलपिष्टक ॥ तिलकुटा।
तिलपिञ्ज, पु० निष्फलतिलवृक्ष ॥ तिलरहित तिलकापेड।
तिलरस, पु० तिलतैल ॥ तिलकातेल।
तिलाङ्कितदल, पु० तैलकन्द ॥ तैलकन्द।
तिलातप्या, स्त्री० कृष्णजीरक ॥ कालाजीरा।
तिलौदन, न० कृशर ॥ तिलोंकी खिचडी।
तिल्व, पु० लोध्र। श्वेतलोध्र। रक्तलोध्र ॥ लोध। सफेद, पठानी लोध। लाल लोध।
तिल्वक, पु० लोध्र ॥ लोध।
तिष्यपुष्पा, स्त्री० आमलकी ॥ आमला।
तिष्यफला, स्त्री० ऐ।
तिष्या, स्त्री० ऐ।
तीर्णपदा, स्त्री० तालमूली ॥ मूषली।
तीव्र, न० लौह ॥ लोहा।
तीव्रकण्ठ, पु० सूरण ॥ जमीकन्द।
तीव्रगन्धा, स्त्री० यवानी ॥ अजवायन।
तीव्रज्वाला, स्त्री० धातकी ॥ धायके फूल।
तीव्रा, स्त्री० कटुरोहिणी। गण्डदूर्वा। राजिका। महाज्योतिष्मती। तरदीवृक्ष। तुलसी ॥ कुटकी। गांडरदूब। राई। बडी मालकाङ्गनी। तरदीवृक्ष। तुलसी।
तीक्ष्ण, न० विष। लौह। सामुद्रलवण। मुष्कक। चविका ॥ विष। लोहा। समुद्रनोन। मोखावृक्ष। चव्य।
तीक्ष्ण, पु० यवक्षार। श्वेतकुश। कुन्दुरुक ॥ जवाखार। सफेदकुशा। लोवान–फासीभाषा।
तीक्ष्णक, पु० मुष्कक। गौरसर्षप ॥ मोखावृक्ष। सफेदसर्सों।
तीक्ष्णकण्टक, पु० धुस्तूर। बब्बूर। इङ्गुदी। करीर ॥ धतूरेका पेड। बबूरका पेड। हिङ्गोटवृक्ष। करील।
तीक्ष्णकण्टका, स्त्री० कन्थारी वृक्ष ॥ कन्थारी।
तीक्ष्णकन्द, पु० पलाण्डु ॥ प्याज।
तीक्ष्णकल्क, पु० तुम्बुरुवृक्ष ॥ तुम्बरू वृक्ष।
तीक्ष्णगन्ध, पु० शोभाञ्जन। रक्ततुलसी। कुन्दरुनामकगन्धद्रव्य ॥ सैजिनेका पेड। लाल तुलसी। लोवान–फार्सी भाषा।
तीक्ष्णगन्धक, पु० शोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैजिनेका वृक्ष।
तीक्ष्णगन्धा, स्त्री० श्वेतवचा। कन्थारी। राजिका वचा। जीवन्ती। सूक्ष्मैला ॥ सफेदवच। कन्थारी वृक्ष। राई। वच। जीवन्ती। छोटी इलायची।
तीक्ष्णतण्डुला, स्त्री० पिप्पली ॥ पीपल।
तीक्ष्णतैल, न० सर्जरस। स्नुही क्षीर। सुरा।

कटुतैल ॥ राल । सेहुण्डका दूध । मदिरा । कडवा तेल ।

तीक्ष्णपत्र, पु० तुम्बुरुवृक्ष ॥ तुम्बरू वृक्ष ।

तीक्ष्णपुष्प, न० लवङ्ग ॥ लोंग ।

तीक्ष्णपुष्पा, स्त्री० केतकी ॥ केतकीका पेड ।

तीक्ष्णफल, पु० तुम्बुरुवृक्ष ॥ तुम्बरुका पेड ।

तीक्ष्णमूल, पु० शिग्रु । कुलञ्जन ॥ सैजिनेका वृक्ष, कुलञ्जन वृक्ष ।

तीक्ष्णरस, पु० यवक्षार ॥ जवाखार । सोरा । वङ्गभाषा ।

तीक्ष्णशूक, पु० यव ॥ जो ।

तीक्ष्णसारा, स्त्री० शिंशपा ॥ सीसोंका वृक्ष ।

तीक्ष्णा, स्त्री० वचा । सर्पकङ्कालिकावृक्ष । कपिकच्छू । महाज्योतिष्मती । अत्यम्लपर्णी ॥ वच । सर्पकङ्काली वृक्ष । कौंछ । बडी मालकाङ्गनी । अत्यम्लपर्णी लता ।

तीक्ष्णायस, न० लौह–विशेष ॥ तीक्ष्ण इसपात ।

तीक्ष्णक्षीरी, स्त्री० वंशलोचना ॥ वंशलोचन ।

तुगा, स्त्री० ऐ ।

तुगाक्षीरी, स्त्री० वंशलोचना । वंशलोचन-विशेष॥ वंशलोचन । एक प्रकारका वंशलोचन ।

तुङ्ग, न० किञ्जल्क ॥ फूलकी केसर ।

तुङ्ग, पु० पुन्नागवृक्ष । नारिकेल ॥ नागकेशरका पेड । नारियल ।

तुङ्गक, पु० पुन्नागवृक्ष ॥ पुन्नागका पेड ।

तुङ्गा, स्त्री० वंशलोचना । शमी ॥ वंशलोचन । छोंकर वृक्ष ।

तुङ्गिनी, स्त्री० महाशतावरी ॥ बडीशतावर ।

तुङ्गी, स्त्री० हरिद्रा । बर्बरा ॥ हलदी । वनतुलसी ।

तुच्छद्रु, पु० एरण्डवृक्ष ॥ अरण्डका पेड ।

तुच्छधान्यक, न० पुलाकधान्य ॥ पुलाकधान ।

तुच्छा, स्त्री० नीलीवृक्ष ॥ नीलका पेड ।

तुणि, पु० तुन्नवृक्ष ॥ तुनका पेड ।

तुण्डकेरिका, स्त्री० कार्पासी ॥ कपास ।

तुण्डकेरी, स्त्री० बिम्बिका ॥ कन्दूरी ।

तुण्डिका, स्त्री० ऐ ।

तुण्डिकेरी, स्त्री० कार्पासी । बिम्बिका ॥ कपास-कन्दूरी ।

तुण्डकेशी, स्त्री० बिम्बिका ॥ कन्दूरी ।

तुत्थ, न० खर्परी तुत्थ । अञ्जनभेद । उपधातु-विशेष ॥ खर्परी तुत्थ । रसोत । तूतियां ।

तुत्थक, न० तुत्थ ॥ तूतिया ।

तुत्था, स्त्री० नीलीवृक्ष । क्षुद्रैला । महानीली वृक्ष ॥ नीलका पेड । छोटी इलायची । बडा नीलका पेड ।

तुत्थाञ्जन, न० उपधातु–विशेष । तुत्थ ॥ तूतिया ।

तुन्दिलफला, स्त्री० त्रपुषी ॥ खीरा ।

तुन्न, पु० नन्दीवृक्ष ॥ तुनका पेड ।

तुमुल, पु० कलिवृक्ष ॥ बहेडेकापेड ।

तुम्ब, पु० स्त्री० अलाबु ॥ तोम्बी ।

तुम्बक, पु० अलाबु । राजालाबु ॥ तोम्बी । मीठीतोम्बी-कद्दू ।

तुम्बा, स्त्री० अलाबु ॥ तोम्बी, कद्दू ।

तुम्बि, स्त्री० ऐ ।

तुम्बिका, स्त्री० अलाबु । कटुतुम्बी ॥ तोम्बी । कडवी तोम्बी ।

तुम्बिनी, स्त्री० कटुतुम्बी ॥ कडवी तोम्बी ।

तुम्बी, स्त्री० अलाबु । कुलिकवृक्ष । कटुतुम्बी । बिम्बिका॥ तोम्बी । काकादनीवृक्ष । कडवी तोम्बी । कन्दूरी ।

तुम्बीपुष्प, न० लताम्बुज । अलाबुपुष्प ॥ तरबूज । कद्दूके फूल ।

तुम्बुक, न० अलाबुफल ॥ तोम्बी ।

तुम्बुक, पु० अलाबु ॥ कद्दू, तोम्बीकीवेल ।

तुम्बुरी, स्त्री० धन्याक ॥ धनिया ।

तुम्बुरु, न० धन्याक ॥ धनिया ।

तुम्बुरु, पु० न० फलवृक्ष-विशेष ॥ तुम्बुरूकापेड ।

तुम्बुरु, न० तुम्बुरुफल॥ तुम्बुरुकाफल । यह काली मिरचके समान फटे मुखका होता है ।

तुरगगन्धा, स्त्री० अश्वगन्धाक्षुप ॥ असगन्धकापेड ।

तुरगी, स्त्री० ऐ ।

तुरङ्ग, पु० सैन्धव ॥ सेंधानोंन ।

तुरङ्गक, पु० हस्तिघोषा ॥ बडीतोरई ॥

तुरङ्गप्रिय, पु० यव ॥ जो ।

तुरङ्गारि, पु० करवीर ॥ कनेरकापेड ।

तुरङ्गिका, स्त्री० देवदालीलता ॥ घघरवेल ।

तुरङ्गी, स्त्री० अश्वगन्धा । घोटिकावृक्ष ॥ असगन्ध । घोटिकावृक्ष ।

तुरुष्क, पु० गन्धद्रव्यभेद । श्रीवास ॥ शिलारस । सरलकागोंद ।

तुलसी, स्त्री० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ तुलसीकापेड ।

तुलसीद्वेषा, स्त्री० बर्बरी ॥ वनतुलसी ।

तुला, स्त्री० पलशत परिमाण ॥ ८०० तोले अर्थात् दश १० सेर ।

तुलाबीज, न० गुञ्जा ॥ घुघुची ।
तुलिनी, स्त्री० शाल्मली ॥ सेमरकापेड ।
तुलिफला, स्त्री० ऐ।
तुवर, पु० कषायरस ॥ कसेलारस ।
तुवरयावनाल, पु० धान्य-विशेष ॥ लालज्वार ।
तुवरिका, स्त्री० सौराष्ट्रमृत्तिका । आढकी ॥ सोरटकी मिट्टि । गोपीचन्दन । अडहर ।
तुवरी, स्त्री० ऐ ।
तुवरीशिम्ब, पु० चक्रमर्द्दकवृक्ष ॥ चकवड, पमार ।
तुवि, स्त्री० तुम्बी ॥ तोम्बी ।
तुष, पु० धान्यत्वक् । विभीतकवृक्ष ॥ धानोकीभूसी। बहेडाकापेड ।
तुषार, पु० कर्पूर-विशेष । हिमभेद ॥ चीनियाकपूर । बरफ ।
तुषोत्थ, तुषोदक, न० काञ्जिक । काञ्जिकभेद ॥ काँजि । काँजिभेद ।
तुहिनांशुतैल, न० कर्पूरतैल ॥ कपूरकातेल ।
तूणी [न्], पु० नन्दीवृक्ष ॥ तुनकापेड।
तूणीक, पु० ऐ ।
तूतक, न० तुत्थ ॥ तूतिया ।
तूद, पु० तूलवृक्ष ॥ सहतूत ।
तूरी, स्त्री० धुस्तूरवृक्ष ॥ धत्तूरेकापेड ।
तूल, न० अश्वत्थाकारवृक्ष-विशेष ॥ सहतूतकापेड।
तूलवृक्ष, पु० शाल्मली ॥ सेमरकापेड ।
तूलशर्करा, स्त्री० कार्पासीबीज ॥ कपासकेबीज । अर्थात् बिनोले ।
तूला, स्त्री० कार्पासी ॥ कपास ।
तूलिनी, स्त्री० लक्ष्मणकन्द । शाल्मलिवृक्ष ॥ लक्ष्मणाकन्द । सेमरकापेड ।
तूलिफला, स्त्री० शाल्मलि ॥ सेमरकापेड ।
तूली, स्त्री० नीलीवृक्ष ॥ नीलकापेड ।
तूवरिका, स्त्री० तुवरिका ॥ गोपीचन्दन ।अडहर।
तूवरी, स्त्री० सौराष्ट्रमृत्तिका ॥ सोरटकीमाटी ।
तृख, न० जातीफल ॥ जायफल ।
तृण, न० सामान्यतृण । गन्धतृण ॥ साधारणतृण । सुगन्धितृण ।
तृणकुङ्कुम, न० सुगन्धिद्रव्यभेद ॥ तृणकेसर ।
तृणकूर्म्म, पु० तुम्बी ॥ तोम्बी।
तृणकेतु, पु० वंश ॥ वाँस ।
तृणकेतुक, पु० ऐ ।
तृणग्रन्थि, पु० स्वर्ण जीवन्ती ॥ सोनाजीवन्ती ।
तृणद्रुम, पु० ताल । गुवाक । ताली । केतकी । खर्जूर । नारिकेल । हिन्ताल ॥ ताड़कापेड । सुपारीकापेड । ताडीकापेड । केतकीकापेड । खजूरकापेड । नारिलकापेड । एक प्रकारका छोटा ताड ।
तृणधान्य, न० धान्य-विशेष ॥ समा, धानइत्यादि।
तृणध्वज, पु० वंश ॥ वाँस ।
तृणनिम्ब, पु० नेपालनिम्ब ॥ नेपालदेशकाचिरायता ।
तृणपत्रिका, स्त्री० इक्षुदर्भातृण ॥ इक्षुदर्भतृण ।
तृणपुष्प, न० तृणकुङ्कुम । ग्रन्थिपर्ण ॥ तृणकेशर । गठिवन ।
तृणपुष्पी, स्त्री० सिन्दूरपुष्पी ॥ सिन्दूरिया ।
तृणबल्वजा, स्त्री० बल्वजा ॥ सावेबागे, केचित् भाषा ।
तृणराज, तृणराजक, पु० तालवृक्ष । नारिकेलवृक्ष ॥ ताड़कापेड़ । नारियलकापेड़ ।
तृणबीज, पु० श्यामाक ॥ समाक ।
तृणबीजोत्तम, पु० ऐ ।
तृणशीत, न० कत्तृण । गन्धतृण रोहिषसोधियाँ । गँधेलघास ।
तृणशीता, स्त्री० जलपिप्पली ॥ जलपीपल ।
तृणशून्य, न० मल्लिका । केतकीफल नागरङ्ग ॥ मल्लिका पुष्पवृक्ष । केतकीकाफल । नारङ्गीका वृक्ष ।
तृणसारा, स्त्री० कदली ॥ केला ।
तृणांघ्रिप, मन्थाकतृण ॥ मन्थानकतृण ।
तृणाढ्य, न० पर्वततृण ॥ तृणाख्य ।
तृणाम्ल, न० लवणतृण ॥ लवणतृण ।
तृणास्रक्, पु० तृणकुङ्कुम ॥ तृणकेशर ।
तृणेक्षु, पु० बल्वजा ॥ सावेवागे, केचित्भाषा ।
तृणोत्तम, पु० उखर्वलतृण, ॥ उखर्वलतृण ।
तृणोद्भव, पु० नीवार ॥ नीवारधान ।
तृणौषध, न० एलवालुकानामगन्धद्रव्य ॥ एलुआ।
तृपला, स्त्री० त्रिफला । हड़, बहेडा, आमला ।
तृप्र, पु० घृत ॥ घी ।
तृफला, स्त्री० त्रिफला ॥ हरडा, बहेडा आमला ।
तृषा, स्त्री० लाङ्गलिकावृक्ष ॥ कलिहारीकापेड़ ।
तृषाभू, स्त्री० क्लोम ॥ पेटमें जलरहनेकास्थान ।
तृषाहा, स्त्री० मधुरिका ॥ सौंफ ।
तृषितोत्तरा, स्त्री० असनपर्णी ॥ घटशन ।
तृष्णा, स्त्री० स्वनामख्यातरोग-विशेष ॥ तृष्णा ।
तृष्णारि, पु० पर्प्पट ॥ पित्तपापड़ा ।
तेजः [स्], न० रेतः । नवनीत । स्वर्ण । मज्जा । पित्त ॥ शुक्र । नौनीघी । सुवर्ण । सोना । मज्जाधातु । पित्त ।

तेजःफल, पु० वृक्ष-विशेष ॥ तेजफल ।
तेजन, पु० वंश । मुञ्ज । भद्रमुञ्ज । शर ॥ बाँस । मूज । रामसर । सरपता ।
तेजनक, पु० शर ॥ कोंडातृण + सरदरीतृण ।
तेजनी, स्त्री० मूर्वा । ज्योतिष्मती । चव्य ॥ चुरनहार । बडीमालकाङ्गुनी । चव्य ।
तेजपत्र, न० वृक्ष-विशेष ॥ तेजपात ।
तेजस्विनी, स्त्री० ज्योतिष्मती । महाज्योतिष्मती । मालकाङ्गुनी । बडीमालकाङ्गुनी ।
तेजिका, स्त्री, ज्योतिष्मती ॥ मालकाङ्गुनी ।
तेजोमन्थ, पु० गणिकारिका ॥ अरणीवृक्ष ।
तेजोवती, स्त्री– गजपिप्पली । चविका । महाज्योतिष्मती । स्वनामख्यातवृक्ष ॥ गजपीपल, चव्य । बडीमालकाङ्गुनी । तेजबल, तेजवल्कल ।
तेजोवृक्ष, पु० क्षुद्राग्निमन्थ ॥ छोटी अरणी ।
तेजोह्वा, तेजोवती । चविका तेजबल । चव्य ।
तैजस, न० धातुद्रव्य ॥ घी । धातुद्रव्य ।
तैजसावर्त्तनी, स्त्री० मूषा ॥ सुवर्ण इत्यादि धातु गलानेकी घडिया ।
तैरणी, स्त्री० क्षुपविशेष ॥ तैरणी ।
तैल, न० तिलादिस्नेह ॥ शिह्लक ॥ तिल, अलसी, सर्सों इत्यादिकातेल । शिलारस ।
तैलकन्द, पु० कन्दविशेष ॥ तेलकन्द ।
तैलकिट्ट, न० तैलमल ॥ तेलकीकीट ।
तैलद्रोणी, स्त्री० कण्ठपर्यन्तमज्जनार्थ तैलपूर्ण काष्ठादिनिर्म्मित पात्र–विशेष ॥ तेलका बरतन जिसमें एकसौअठाईस सेर तेल आता है ।
तैलपर्णक, न० ग्रन्थिपर्ण वृक्ष ॥ गठिवन ।
तैलपर्णिक, न० हरिचन्दन । चन्दन-विशेष ॥ हरिचन्दन । एकप्रकारकाचन्दन ।
तैलपर्णी, स्त्री० श्रीवास । चन्दन । शिह्लक ॥ सरलकागोंद । चन्दन । शिलारस ।
तैलफल, पु० इङ्गुदी । विभीतक ॥ हिङ्गोट । बहेडावृक्ष ।
तैलभाविनी, स्त्री० जातीपुष्पवृक्ष ॥ चमेलीका पेड ।
तैलवल्ली, स्त्री० शतमूली ॥ शतावर ।
तैलसाधन, न० गन्धद्रव्य-विशेष ॥ शीतलचीनी ।
तैलागरु, न० दाहागरुनामसुगन्धद्रव्य ॥ दाहअगर ।
तोक्म, पु० हरितयव । अपक्कयव ॥ हरेजो । कच्चेजो ।
तोद, पु० वेदना ॥ वेदना, पीडा ।
तोमरिका, स्त्री० तुवरिका ॥ गोपीचन्दन ।
तोय, न० जल ॥ पानी ।

तोयकाम, पु० जलवेतस ॥ जलबेंत ।
तोयडिम्ब, पु० घनोपल, करका, मेघसम्भूत शिला ॥ ओला ।
तोयद, पु० मुस्तक ॥ मोथा ।
तोयधर, पु० मुस्तक सुनिषण्णकशाक ॥ मोथा । शिरिआरीशाक ।
तोयधिप्रिय, न० लवङ्ग ॥ लोंग ।
तोयपिप्पली, स्त्री० जलजशाक–विशेष ॥ जलपीपल ।
तोयपुष्पी, स्त्री० पाटलावृक्ष ॥ पाढर(ल)का वृक्ष ।
तोयप्रसादन, न० कतक ॥ निर्म्मली ।
तोयप्रसादनफल, न० कतकफल ॥ निर्म्मलीफल ।
तोयफला, स्त्री० फललता–विशेष । इर्व्वारु ॥ तरबूज । ककडी ।
तोयवल्ली, स्त्री० कारवेल्ल॥ करेला ।
तोयशुक्तिका, स्त्री० जलशुक्ति ॥ जलकी सीप ।
तोयादिवासिनी, स्त्री० पाटलावृक्ष ॥ पाडरका वृक्ष ।
तोयाधिवासिनी, स्त्री० ऐ ।
तोल, तोलक, न० पु० तोलकपरिमाण । शाणद्वय परिमाण । षण्णवतिरत्तिपरिमाण ॥ एक तोला परिमाण । ८० रत्तिका परिमाण । ९६ रत्तिका परिमाण ।
तौतिक, न० मुक्ता ॥ मोती ।
तौतिक, पु० शुक्ति ॥ सीप ।
तौषार, न० तुषारजल ॥ तुषारका जल अर्थात् ओस ।
त्रपु, न० सीसक । रङ्ग ॥ सीसा । रांग ।
त्रपुः [स्] न० रङ्ग ॥ राङ्ग ।
त्रपुकर्कटी, स्त्री० त्रपुषी ॥ खीरा ।
त्रपुटी, स्त्री० सूक्ष्मैला ॥ छोटी इलायची ।
त्रपुल, न० रङ्ग ॥ राङ्ग ।
त्रपुष, न० रङ्ग । त्रपुषीफल ॥ राङ्ग । खीरा ।
त्रपुषी, स्त्री० कर्कटी । फललता–विशेष ॥ ककडी । खीरा ।
त्रपुस, न० रङ्ग ॥ राङ्ग ।
त्रपुसी, स्त्री० महेन्द्रवारुणी । कर्कटी । लता-विशेष ॥ बडी इन्द्रफला । ककडी । खीरा ।
त्रयी, स्त्री० सोमराजी ॥ वायची वृक्ष ।
त्राण, न० त्रायमाणालता ॥ त्रायमान ।
त्राणा, स्त्री० ऐ ।
त्रायन्ती, स्त्री० त्रायमाणालता ॥ त्रायमानलता ।

त्रायमाणा, स्त्री० स्वनामख्यात लता ॥ त्रायमान।
त्रिंशत्पत्र, न० कुमुद ॥ कमोदिनी।
त्रिक, पु० पृष्ठवंशाधर। त्रिफला। त्रिकटु। त्रिमद। पीठके बांसके नीचेका वह जोड जहां तीन हाड मिले हैं। हरड, बहेडा, आमला ॥ सोंठ, मिरच, पीपल। मोथा, चीता, वायविडङ्ग।
त्रिकट, पु० गोक्षुरक ॥ गोखुरू।
त्रिकटु, न० मिश्रितशुण्ठीमरिचपिप्पल्यः ॥ सोंठ, मिरच, पीपल।
त्रिकण्ट, न० मिलितबृहत्यग्निदमनीदुस्पर्शात्रय-रूपम् ॥ बृहती, अग्निदमनी, जवासा।
त्रिकण्ट, पु० गोक्षुरक। पत्रगुप्त वृक्ष ॥ गोखुरु। तिधाराथूहर।
त्रिकण्टक, पु० गोक्षुरक वृक्ष ॥ गोखुरुका पेड।
त्रिकत्रय, न० त्रिकटु, त्रिफला, त्रिमद ॥ सोंठ १ मिरच २ पीपल ३, हरड १ बहेडा २ आमला ३, मोथा १ चीता २ वायविडङ्ग ३।
त्रिकार्षिक, न० शुण्ठी, अतिविषा, मुस्ता ॥ सोंठ, अतीस, मोथा।
त्रिकूट, न० सिन्धुलवण। सामुद्रलवण ॥ सैंधानोन। समुद्रनौन।
त्रिकूटलवण, न० द्रोणीलवण ॥ द्रोणीलवण। वरतनका नोन।
त्रिकोणफल, न० शृङ्गाटक ॥ सिङ्घाडा।
त्रिख, न० त्रपुष ॥ खीरा।
त्रिजटा, स्त्री० बिल्ववृक्ष ॥ बेलका पेड।
त्रिजातक, न० मिलिततुल्यत्वगेलापत्राणि ॥ दारचीनी, इलायची, तेजपात।
त्रिदला, स्त्री० गोधापदीलता ॥ हंसपदी।
त्रिदलिका, स्त्री० चर्म्मकषा ॥ सातला।
त्रिदशपुष्प, न० लवङ्ग ॥ लोंग।
त्रिदशमञ्जरी, स्त्री० तुलसी ॥ तुलसी।
त्रिदिवोद्भवा, स्त्री० स्थूलैला ॥ बडी इलायची।
त्रिदोष, न० वातपित्तकफरूपदोषत्रय ॥ वात पित्त कफ।
त्रिधारक, पु० गुण्डतृण ॥ कशेर। गुंडतृण।
त्रिधारस्नुही, स्त्री० स्नुही-विशेष ॥ तिधाराथूहर।
त्रिनेत्र, न० स्वर्ण ॥ सोना।
त्रिनेत्रा, स्त्री० वाराहीकन्द ॥ गेंठी, चर्मकारालुक।
त्रिपत्र, पु० बिल्ववृक्ष ॥ बेलका पेड।
त्रिपत्रक, पु० पलाशवृक्ष ॥ ढाककावृक्ष।
त्रिपदा, स्त्री० हंसपदीवृक्ष ॥ लालरङ्गका लज्जालु।
त्रिपदी, स्त्री० गोधापदीलता ॥ हंसपदी।
त्रिपर्ण, पु० पलाशवृक्ष ॥ ढाकका पेड।
त्रिपर्णिका, स्त्री० कन्द-विशेष ॥ त्रिपर्णीकन्द।
त्रिपर्णी, स्त्री० शालपर्णी। वनकार्पासी। पृश्निप-र्णीभेद ॥ शालवन। वनकपास। पिठवनभेद।
त्रिपादिका, स्त्री० हंसपदीलता ॥ लालरङ्गकाल-ज्जालु।
त्रिपुट, पु० गोक्षुरवृक्ष। सतीलक। निष्पिडका ॥ गोखरूकापेड। मटर। खेसारी।
त्रिपुटा, स्त्री० मल्लिका। सूक्ष्मैला। त्रिवृत्। कर्ण-स्फोटा। स्थूलैला। रक्तत्रिवृत्। मल्लिकापुष्पवृक्ष। वेलाकापेड। छोटीइलायची। निसोत। कन-फोडवेल। बडीइलायची। लालनिसोत।
त्रिपुटी [न्], पु० एरण्डवृक्ष ॥ अण्डकापेड।
त्रिपुटी, स्त्री० त्रिवृता ॥ निसोत।
त्रिपुटीफल, पु० एरण्डवृक्ष ॥ अण्डकापेड।
त्रिपुरमल्लिका, स्त्री० पुष्पवृक्ष-विशेष ॥ त्रिपुर-माली।
त्रिपुष, पु० फललता-विशेष। गोधूम। कर्कटी। खीरा। गेंहू। ककडी।
त्रिपुषा, स्त्री० कृष्णात्रिवृत् ॥ श्यामपनिलर, का-लानिसोत।
त्रिफला, स्त्री० मिलितहरीतकीविभीतक्यामलकी-फलानि ॥ हरड, बहेडा, आमला।
त्रिफली, स्त्री० ऐ।
त्रिवलीक, न० वायु ॥ मलद्वार।
त्रिभण्डी, स्त्री० त्रिवृता ॥ निसोत।
त्रिमद, पु० मुस्ताचित्रकविडङ्गानि ॥ मोथा चीता वायविडङ्ग।
त्रिमधु, न० घृत, मधु, शर्करा ॥ घी, सहत, चीनी।
त्रिमृत, स्त्री० त्रिवृत् ॥ निसोत।
त्रिमृता, स्त्री० ऐ।
त्रियष्टि, पु० क्षेत्रपर्प्पटी ॥ पित्तपापडा, दवनपा-पडा।
त्रियामा, स्त्री० हरिद्रा। नीली। कृष्णात्रिवृत् ॥ हलदी। नीलकापेड। कालानिसोत।
त्रिरेख, पु० शङ्ख ॥ शंख।
त्रिलवण, न० सैन्धव, बिड, सौवर्च्चल ॥ सैंधानो-न, चोहारकोडा, विरियासंचरनोन।
त्रिलोहक, न० स्वर्ण, रजत, ताम्र ॥ सोना, चाँ-दी, तावाँ।
त्रिवर्ग, पु० त्रिफला। त्रिकटु ॥ हड, बहेडा, आ-मला ॥ सोंठ मिरच पीपल।

त्रिवर्णक, न० गोक्षुरक। त्रिफला । त्रिकटु ॥ गोखुरुकापेड । हड, बहेडा, आमला । सोंठ, मिरच, पीपल ।
त्रिबीज, पु० श्यामाक ॥ समाक ।
त्रिवृत्, स्त्री० लता-विशेष ॥ पनिलर, निसोथ ।
त्रिवृत्पर्णी, स्त्री० हिलमोचिका ॥ हुरहुर ।
त्रिवृता, स्त्री० त्रिवृत् ॥ निसोथ ।
त्रिवेला, स्त्री० ऐ ।
त्रिशाखपत्र, पु० बिल्व ॥ बेलकापेड ।
त्रिशिख, पु० ऐ ।
त्रिशिखिदला, स्त्री० मालाकन्द ॥ मालाकन्द-नामक मूल ।
त्रिसन्धि, पु० पुष्प-विशेष ॥ त्रिसन्धिपुष्प ॥
त्रिसम, न० हरीतकी, शुण्ठी, गुड ॥ हड, सोंठ । गुड़ ।
त्रिसुगन्धि, न० त्रिजातक ॥ इलायची, दालचीनी, तेजपात ।
त्रिक्षार, न० क्षारत्रय ॥ जवाखार, सज्जीखार, सुहागा ।
त्रिक्षुर, पु० कोकिलाक्ष वृक्ष ॥ तालमखाना ।
त्रुटि, स्त्री० क्षुद्रैला ॥ छोटी इलायची ।
त्रुटिबीज, पु० कचु ॥ अरुई ।
त्रैलोक्यविजया, स्त्री० विजया ॥ भङ्ग ।
त्रोटि, स्त्री० कट्फल ॥ कायफल ।
त्र्यञ्जन, न० अञ्जनत्रय ॥ कालाञ्जन, कालाशुर्म्मा। पुष्पाञ्जन, कुसुमाञ्जन । रसाञ्जन, रसोत ।
त्र्युषण, न० त्रिकटु ॥ सोंठ, मिरच, पीपल ।
त्र्यूषण, न० ऐ ।
त्वक्, न० गुडत्वक् । वल्कल । चर्म्म ॥ दालचीनी । वल्कल, छाल । तज । चमडा ।
त्वक्छद, पु० क्षीरीकावृक्ष ॥ क्षीरकश्रुकी वङ्ग-भाषा ।
त्वक्पत्र, न० उत्कट ॥ तज ।
त्वक्पत्री, स्त्री० हिंगुपत्री ॥ हींङ्गपत्री ।
त्वक्पुष्प, न० रोमाञ्च । किलास ॥ सेंहुवारोग ।
त्वक्पुष्पिका, स्त्री० किलास ॥ सेंहुवारोग ।
त्वक्पुष्पी, स्त्री० ऐ ।
त्वक्सार, पु० वंश । गुडत्वक् । शणवृक्ष ॥ बाँस । दालचीनी । सनकावृक्ष ।
त्वक्सारा, स्त्री० वंशलोचना, ॥ वंशलोचन ।
त्वक्सारभेदिनी, स्त्री० क्षुद्रचञ्चुवृक्ष ॥ छोटा-चञ्चुकापेड ।
त्वक्सुगन्ध, पु० नारङ्ग ॥ नारङ्गीकापेड ।
त्वक्सुगन्ध, पु० लवङ्ग ॥ लौंग ।
त्वक्सुगन्धा, स्त्री० एलवालुका ॥ एलुआ ।
त्वक्क्षीरा, स्त्री० वंशलोचना ॥ वंशलोचन ।
त्वक्क्षीरी, स्त्री० ऐ ।
त्वगाक्षीरी, स्त्री० ऐ ।
त्वग्गन्ध, पु० नागरङ्ग ॥ नारङ्गीकापेड ।
त्वग्दोष, पु० कोढरोग ॥ दाद् ।
त्वग्दोषावहा, स्त्री० वाकुची । बापची
त्वग्दोषारि, पु० हस्तिकन्द ॥ हस्तिकन्द ।
त्वच, न० वृक्ष-विशेष ॥ तज । दालचीनी ।
त्वचापत्र, न० त्वक्पत्र ॥ तज ।
त्वचिसार, पु० वंश ॥ बाँस ।
त्वचिसुगन्धा, स्त्री० क्षुद्रैला ॥ छोटीइलायची ।

इतिश्रीशालिग्रामवैश्यकृतेशालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधानेतकाराक्षरेषोडशस्तरङ्गः ॥ १६ ॥

द.

दंशमूल, पु० शिग्रु ॥ सैंजिनेकापेड़ ।
दग्ध, न० कत्तृण ॥ गंधेजघास ।
दग्धरुह, पु० तिलकवृक्ष ॥ तिलकपुष्पवृक्ष ।
दग्धरुहा, स्त्री० दग्धावृक्ष ॥ दग्धावृक्ष ।
दग्धा, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ कुरुइ देशान्तरीयभाषा ।
दग्धिका, स्त्री० ऐ ।
दण्डकन्दक, पु० धरणीकन्द ॥ धरणीकन्द ।
दण्डरी, स्त्री० डङ्गरीफल ॥ डङ्गरी ।
दण्डवृक्षक, पु० स्नुही ॥ थूहरकापेड़ ।
दण्डहस्त, न० तगरपुष्प ॥ तगरकेफूल ।
दण्डाहत, न० घोल ॥ छाछ, मठा ।
दण्डिनी, स्त्री० दण्डोत्पला ॥ दण्डोत्पल ।
दण्डीनि, पु० दमनवृक्ष ॥ दवनावृक्ष ।
दण्डोत्पल, न० वृक्ष-विशेष ॥ डानिकुनिशाक बङ्गभाषा ।
दण्डोत्पला, स्त्री० श्वेतदण्डोत्पल॥सफेददण्डोत्पल।
दद्रु पु० रोग-विशेष ॥ दाद ।
दद्रुघ्न, पु० चक्रमर्दवृक्ष ॥ चकवड, पमाड ।
दद्रू, पु० दद्रु ॥ दाद ।
दद्रूघ्न, पु० दद्रुघ्न ॥ पमाड ।
दधि, न० क्षीरविकार-विशेष ॥ दही ।
दधिकूर्चिका, स्त्री० आमिक्षा ।
दधिज, न० नवनीत ॥ नैनीघी मक्खन ।
दधित्थ, पु० कपित्थ ॥ कैथकापेड ।
दधित्थाख्य, पु० सरलद्रव ॥ लोबान-कुत्राचित् भाषा ।

दधिनामा [न्], पु० कपित्थवृक्ष ॥ कैथकापेड ।
दधिपुष्पिका, स्त्री० अपराजिता ॥ कोयल ।
दधिपुष्पी, स्त्री० कोलशिम्बी ॥ सुअरासेम ।
दधिफल, पु० कपित्थवृक्ष ॥ कैथकापेड ।
दधिमण्ड, पु० मस्तु ।
दधिसार, न० नवनीत ॥ नैनीघी, मक्खन ।
दधिस्नेह, पु० दधिसर ॥ दहीकी मलाई ।
दधिस्वेद, पु० घोल ॥ घोल ।
दधीच्यस्थि, न० हीरक ॥ हीरा ।
दध्यानी, स्त्री० सुदर्शना ॥ सुदर्शन ।
दध्युत्तर, **दध्युत्तरग**, न० दधिस्नेह दहीकी मलाई ।
दन्तकर्षण, पु० जम्बीर ॥ जम्बीरीनीबु ।
दन्तकाष्ठ, न० विकङ्कतवृक्ष । दन्तधावन काष्ठिका ॥ कण्टाई । दतोनकरने योग्य काठ, लकडी ।
दन्तकाष्ठक, न० आहुल्यवृक्ष ॥ तरवट काश्मीरदेशीय भाषा ।
दन्तच्छद, पु० ओष्ठ ॥ होठ ।
दन्तच्छदोपमा, स्त्री० बिम्बी ॥ कन्दूरी ।
दन्तधावन, पु० खदिरवृक्ष । गुच्छकरञ्ज । बकुल ॥ खैरकापेड । गुच्छकरञ्ज । मौलसिरीकापेड।
दन्तपत्रक, न० कुन्दपुष्प ॥ कुन्दकेफूल ।
दन्तपुष्प, न० कतकफल ॥ निर्म्मली ।
दन्तफल, न० कतक ॥ निर्म्मली ।
दन्तफल, पु० कपित्थ ॥ कैथवृक्ष ।
दन्तफली, स्त्री० पिप्पली ॥ पीपल ।
दन्तमूलिका, स्त्री० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष ।
दन्तरोग, पु० रदनामय ॥ दन्तरोग ।
दन्तबीजक, पु० दाडिम ॥ अनार ।
दन्तशठ दन्तशठ, पु० जम्बीर । कपित्थ कर्म्मरङ्ग । नागरङ्ग । अम्ल ॥ जम्बीरीनीबु ॥ कैथका वृक्ष । कमरख । नारङ्गीकापेड । अम्ल। खट्टा ।
दन्तशठा, स्त्री० चाङ्गेरी ॥ चाङ्गेरी ।
दन्तशर्करा, स्त्री० दन्तरोग–विशेष ॥ दांतोंका किरना ।
दन्तशूल, पु० दशनवेदना ॥ दांतोंकी वेदना ।
दन्तहर्ष, पु० दन्तरोग–विशेष ॥ दन्तहर्ष रोग दांत खट्टे रहैं ।
दन्तहर्षक, पु० जम्बीर ॥ जम्भीरी नीबु ।
दन्तहर्षण, पु० ऐ ।
दन्ताघात, पु० निम्बूक ॥ नीबू ।
दन्तार्बुद, न० पु० दन्तरोग–विशेष ॥ जिसके मसूडेमें गाठसी होय और चेप निकलतारहै ।
दन्तिका, स्त्री० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष ।
दन्तिजा, स्त्री० ऐ ।
दन्तिनी, स्त्री० ऐ ।
दन्ती, स्त्री० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष ।
दन्तीबीज, न० जयपाल ॥ जमालगोटा ।
दन्तुरच्छद, पु० बीजपूर ॥ बिजोरानीबु ।
दमन, पु० पुष्प-विशेष । कुन्दपुष्प ॥ दोनावृक्ष । कुन्दकेफूल ।
दमनक, पु० स्वनामख्यातपुष्पवृक्ष ॥ दवनावृक्ष ।
दमनी, स्त्री० अग्निदमनीवृक्ष ॥ अग्निदमनी ।
दमयन्तिका, स्त्री० भद्रमाल्लिका ॥ मदनबाण पुष्पवृक्ष ।
दमयन्ती, स्त्री० ऐ ।
दर, न० शङ्ख ॥ शंख ।
दरकण्टिका, स्त्री० शतावरी ॥ शतावर ।
दरद, न० हिङ्गुल ॥ सिङ्गरफ ।
दर्दू, **दर्द्रु**, **दद्रू**, पु० दद्रुरोग ॥ दाद ।
दर्द्रूघ्न, पु० चक्रमर्द्दवृक्ष ॥ चकवड ।
दर्प, पु० कस्तूरी ॥ कस्तूरी, मृगमद ।
दर्पण, न० चक्षु ॥ नेत्र ।
दर्भ, पु० कुश । काश । उलपतृण ॥ कुशा । काँस। दाभ, डाभ ।
दर्भाह्वय, पु० मुञ्ज ॥ मूज ।
दर्भपत्र, पु० काश ॥ काँस ।
दल, न० तमालपत्र ॥ तेजपात ।
दलकोष, पु० कुन्दपुष्पवृक्ष ॥ कुन्दपुष्पवृक्ष ।
दलनिर्म्मोक, पु० भूर्जवृक्ष ॥ भोजपत्रवृक्ष ।
दलप, पु० स्वर्ण ॥ सोना ।
दलपुष्पा, स्त्री० केतकी ॥ केतकी ।
दलसारिनी, स्त्री० केमुक ॥ केओंआ ।
दलसूचि, पु० कण्टक ॥ काँटा ।
दलाढक, पु० स्वयंजाततिल । पृश्नी । गैरिक । फेन । नागकेशर । कुन्द । करिकर्ण । शिरीष ॥ अपने आपही उत्पन्न हुवा तिलकापेड । जलकुम्भी । गेरू । झाग । नागकेशर । कुन्दपुष्पवृक्ष । हस्तिकर्णपलासवृक्ष । सिरसकापेड ।
दलामल, न० मरुबक । दमनकवृक्ष । मदनवृक्ष । मरुआवृक्ष ॥ दवनावृक्ष । मैनफलवृक्ष ।
दलाम्ल, न० चुक्र ॥ चूका ।
दलगन्धि, पु० सप्तपर्णवृक्ष ॥ सतिवन ।
दवथु, पु० परिताप ॥ नेत्रादिदाह ।

दशनाढ्या, स्त्री० चुक्रिका ॥ चूकाशाक ।
दशपुर, न० कैवर्त्ती मुस्तक ॥ केबटीमोथा ।
दशमूत्रक, न० हस्ती, महिष, उष्ट्र, गो, छाग, मेष, अश्व, गर्दभ, मानुष, मानुषी ॥ हाथी १ भैंस २ ऊंट ३ गाय ४ बकरा ५ मेंढा ६ घोडा ७ गधा ८ मनुष्य ९ स्त्री १० दशमूत्र हैं ।
दशमूल, न० बिल्व, श्योनाक, गम्भारी, पाटला, गणिकारिका, शालपर्णी, पृश्निपर्णी, बृहती, कण्टकारी, गोक्षुर ॥ बेल १ शोनापाठा २ कम्भारी ३ पाढल ४ अरणी ५ शरिवन ६ पिठवन ७ छोटी कटेरी ८ बडीकटेरी ९ गोखरु १० ।
दशाङ्गुल, न० खर्बूज ॥ खर्बूज ।
दशानिक, पु० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष ।
दशारुहा, स्त्री० कैवर्त्तिका ॥ मालवेप्रसिद्ध ।
दहन, पु० चित्रक । भल्लातक ॥ चीता । भिलावा।
दहनागरु, न० दाहागरु ॥ दाहअगर ।
दक्ष, पु० कुक्कुटपक्षी ॥ मुरगा ।
दक्षिणावर्त्तकी, स्त्री० वृश्चिकाली ॥ वृश्चिकाली ।
दाड़िम, पु० स्वनामप्रसिद्धफलवृक्ष । एला ॥ अनार वा दाडिमकापेड । इलायची ।
दाड़िमपुष्पक, पु० रोहितकवृक्ष ॥ रोहेडावृक्ष ।
दाड़िमीसार, पु० दाडिम ॥ अनार ।
दाड़िम्ब, पु० ऐ ।
दान्त, पु० दमनकवृक्ष ॥ दवनावृक्ष ।
दारुण, न० कतक ॥ निर्म्मली ।
दारद पु० पारद । हिङ्गुल । विषभेद ॥ पारा । सिङ्गरफ । दारद-विष ।
दारी, स्त्री० क्षुद्ररोग-विशेष ॥ बिवाई ।
दारु, न० देवदारु । पित्तल ॥ देवदार । पीतल ।
दारुक. न० देवदारु ॥ देवदार ।
दारुकदली, स्त्री० वनकदली ॥ वनकेला ।
दारुगन्धा, स्त्री० चीडागन्धद्रव्य ॥ चीढ ।
दारुण, पु० चित्रक ॥ चीता ।
दारुणक, न० मस्तकजातक्षुद्ररोग-विशेष ॥रुङ्गी ।
दारुनिशा, स्त्री० दारुहरिद्रा ॥ दारहलदी ।
दारुपत्री, स्त्री० हिङ्गुपत्री ॥ हीङ्गपत्री ।
दारुपीता, स्त्री० दारुहरिद्रा ॥ दारहलदी ।
दारुसिता, स्त्री० गुडत्वक् ॥ दालचीनी ।
दारुमुच, न० स्थावर-विषभेद ॥ दारुमुचाविष ।
दारुहरिद्रा, स्त्री० स्वनामख्यातद्रव्य ॥ दारुहलदी।
दार्व्वि, पत्रिका, स्त्री० गोजिह्वा ॥ गोभी ।
दार्व्विका, स्त्री० क्वाथोद्भवतुल्य । गोजिह्वा ॥ एक प्रकारका नेत्रका अञ्जन । गोभी ।
दार्व्वी, स्त्री० दारुहरिद्रा । गोजिह्वा । देवदारु । हरिद्रा । दारुहलदी । गोभी । देवदारु । हलदी ।
दार्व्विकाथोद्भव, न० रसाञ्जन । कृत्रिमरसाञ्जन ॥ रसोत । कृत्रिमरसोत ।
दाल, न० वन्यमधु ॥ एक प्रकारका मधु ।
दाल, पु० कोद्रव ॥ कोदों ।
दालव, पु० स्थावर-विषभेद ॥ शंखिआ, अफीम इत्यादि ।
दाला, स्त्री० महाकाललता ।
दालिका, स्त्री० ऐ ।
दालिम, पु० दाडिम ॥ अनार ।
दाली, स्त्री० देवदालीलता ॥ घघरवेल, सोनैया, वंदाल ।
दासपूर, न० कैवर्त्तीमुस्तक ॥ केवटीमोथा ।
दासी, स्त्री० काकजङ्घावृक्ष । नीलाम्लानपुष्पवृक्ष पीताम्लानवृक्ष ॥ मसी, काकजङ्घा । नीलीकटसरैया । पीलीकटसरैयावृक्ष ।
दाह, पु० रोग-विशेष ॥ ज्वालारोग ।
दाहक, पु० चित्रक । रक्तचित्रक ॥ चीता। लालचीता ।
दाहज्वर. पु० गात्र । गात्र । ज्वालायुक्तज्वर ।
दाहहरण, न० वीरणमूल ॥ खस ।
दाहागुरु, न० सुगन्धिद्रव्य-विशेष ॥ दाह अगर ।
दाक्षायणी, स्त्री० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष ।
दाक्षिणात्य, पु० नारिकेल ॥ नारियल ।
दिलीर, न० शिलीध्रक ॥ भुईफोड ।
दिवाकर, पु० अर्कवृक्ष । पुष्पविशेष ॥ आकका पेड । दिवाकरपुष्प ।
दिवोद्भवा, स्त्री० एला ॥ इलायची ॥
दिव्य, न० लवङ्ग । हरिचन्दन॥लोंग। हरिचन्दन ।
दिव्य, पु० यव । गुग्गुल ॥ जौ । गूगल ।
दिव्यगन्ध, न० लवङ्ग ॥ लोंग ।
दिव्यगन्ध, पु० गन्धक ॥ गन्धक ।
दिव्यगन्धा, स्त्री० स्थूलैला । महाचञ्चुशाक ॥ बडीइलायची । बडाचेंचुनाशाक ।
दिव्यचक्षु [स्], न० उपचक्षु ॥ चसमा अर्थात् ऐनक ।
दिव्यतेज [स्], स्त्री० ब्राह्मी ॥ ब्रह्मीघास ।
दिव्यपुष्प, पु० करवीर ॥ कनेर ।
दिव्यपुष्पा, स्त्री० महाद्रोण ॥ बडीद्रोणपुष्पी ॥ बडागूमा ॥
दिव्यपुष्पिका, स्त्री० लोहितार्क ॥ लोहितवर्ण ॥ आककावृक्ष ।
दिव्यरस, पु० पारद ॥ पारा ।

दिव्यलता, स्त्री० मूर्धालता ॥ चुरनहार।
दिव्यसार, पु० शालवृक्ष ॥ सालवृक्ष।
दिव्या, स्त्री० धात्री। वन्ध्याकर्कोटकी। महामेदा। ब्राह्मी। स्थूलजीरक। श्वेतदूर्वा। हरीतकी। पुरा। शतावरी ॥ आमला। बाँझखखसा। महामेदा। ब्रह्मीघास। बडाजीरा। सफेददूब। हरहरड। कपूरकचरी। शताबर।
दिष्ट, पु० दारुहरिद्रा ॥ दारहलदी।
दीन, न० तगर ॥ तगर।
दीपक, न० कुङ्कुम ॥ केशर।
दीपक, पु० यवानी ॥ अजमायन। मोरशिखा।
दीपन, न० तगरमूल। कुङ्कुम ॥ तगरमूला। केशर।
दीपन, पु० मयूरशिखा। शालिश्वशाक। कासमर्द। पलाण्डु ॥ मोरशिखा। शान्तिशाक। कसौंदी। प्याज।
दीपनी, स्त्री० मेथिका। पाठा। यवानी ॥ मेथी। पाठ। अजमायन।
दीपनीय, पु० यवानी। औषधवर्ग-विशेष ॥ अजवायन। पीपल, पीपलामूल, चव्य, चीता, सोंठ।
दीपपुष्प, पु० चम्पकवृक्ष ॥ चम्पाकापेड।
दीप्त, न० स्वर्ण। हिङ्गु ॥ सोना। हींङ्ग।
दीप्त, पु० निम्बक ॥ नीबु।
दीप्तक, न० स्वर्ण ॥ सोना।
दीप्तरस, पु० किञ्चुलुक ॥ केंचुवा।
दीप्तलोह, न० कांस्य ॥ कांसा।
दीप्ता, स्त्री. लाङ्गलिकावृक्ष ॥ ज्योतिष्मती ॥ कलिहारी। मालकाङ्गनी।
दीप्ति, स्त्री० लाक्षा। कांस्य। सातला ॥ लाख। काँसा। सातला, सेहुण्डभेद।
दीप्तिक, पु० दुग्धपाषाणवृक्ष ॥ शिरगोला वङ्गभाषा।
दीप्य, पु० यवानी। जीरक। मयूरशिखा ॥ अजमायन। जीरा। मोरशिखा।
दीप्यक, न० अजमोदा। यवानी ॥ अजमोद। अजमायन।
दीप्यक, पु० यवानी। लोचमस्तकवृक्ष ॥ अजमायन। रुद्रजटा।
दीर्घ, पु० शालभेद। इत्कट ॥ सालभेद। रामसर।
दीर्घकणा, स्त्री० गौरजीरक ॥ सफेदजीरा।
दीर्घकण्टक, पु० बब्बूर ॥ बबूरकावृक्ष।
दीर्घकन्दक, न० मूलक ॥ मूली।
दीर्घकन्दिका, स्त्री० मूषली ॥ मुषली।
दीर्घकाण्ड, पु० गुण्डतृण ॥ गुण्डतृण—कसेर।
दीर्घकाण्डा, स्त्री० पातालगरुड ॥ छिरहिटा।
दीर्घकील, पु० अङ्कोठवृक्ष ॥ ढेरा, ढेरा।
दीर्घकीलक, पु० ऐ।
दीर्घकोशिका, दीर्घकोषिका, स्त्री० शुक्ति ॥ सीप, वा जलजन्तु।
दीर्घग्रन्थि, पु० गजपिप्पली ॥ गजपीपल।
दीर्घतरु, पु० ताल ॥ ताड।
दीर्घतिमिषा, स्त्री० कर्कटी ॥ ककडी।
दीर्घतृण, पु० पल्लिवाह ॥ पल्लिवाहतृण।
दीर्घदण्ड, पु० एरण्डवृक्ष ॥ अण्डकापेड।
दीर्घदण्डक, पु० ऐ।
दीर्घदण्डी, स्त्री० गोरक्षी ॥ गोरक्षी।
दीर्घद्रु, पु० तालवृक्ष ॥ ताडकापेड।
दीर्घद्रुम, पु० शाल्मली ॥ सेमर।
दीर्घनाद, पु० शङ्ख ॥ शंख।
दीर्घनाल, न० दीर्घरोहिषक ॥ बडेरोहिस।
दीर्घनाल, पु० वृत्तगुण्ड। यावनाल ॥ वृत्तगुण्डतृण। जुआर।
दीर्घनिखन, न० कांस्य ॥ काँसी।
दीर्घपटोलिका, स्त्री० लताफल—विशेष ॥ गलका तोरई।
दीर्घपत्र, पु० राजपलाण्डु। विष्णुकन्द। हरिदर्भ। कुन्दर। ताल। कुपीलु ॥ राजपलाण्डु, लालप्याज। विष्णुकन्द। एक प्रकारका कुशा। कुन्दरतृण। ताडकापेड। कुचिला।
दीर्घपत्रक, पु० रक्तलशुन। एरण्ड। वेतस। हिजल। करीरवृक्ष। जलजमधूक। लशुन ॥ लालहशन। अण्डकापेड। बेत। समुद्रफल। करीलवृक्ष। जलमहुआवृक्ष। लशुन।
दीर्घपत्रा, स्त्री० चित्रपर्णिका। ह्रस्वजम्बू। गन्धपत्रा। केतकी। डोडीक्षुप। शालपर्णी ॥ पिठवनभेद। छोटीजामुन। वनशठी, वनकचूर। केतकी। डोडीक्षुप। शालवन।
दीर्घपत्रिका, स्त्री० श्वेत वचा। घृतकुमारी। शालपर्णी। सफेदवच। घीकुवार। शरिवन।
दीर्घपत्री, स्त्री० पलाशीलता। महाचञ्चुशाक ॥ पलाशीलता। बडा चेचुनाशाक।
दीर्घपर्णी, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन।
दीर्घपल्लव, पु० शणवृक्ष ॥ सनकापेड।
दीर्घपादप, पु० ताल। पूग ॥ ताड। सुपारी।
दीर्घफल, पु० आरग्वधवृक्ष ॥ अमलतास।
दीर्घफलक, पु० अगस्त्यवृक्ष ॥ हथियावृक्ष।
दीर्घफला, स्त्री० जतुका। कपिलद्राक्ष ॥ जतुकालता मालवे प्रसिद्धा। अङ्गुर—भूरेरङ्गकी दाख।

दीर्घमूल, न० लामज्जक ॥ लामज्जकतृण ।
दीर्घमूल, पु० मोरटलता । बिल्वान्तरवृक्ष ॥ क्षीरमोरट । बिल्वान्तरवृक्ष ।
दीर्घमूलक, न० मूलक ॥ मूली ।
दीर्घमूला, स्त्री० श्यामालता । शालपर्णी ॥ कालीसर, सालसा । सरिवन ।
दीर्घमूली, स्त्री० दुरालभा ॥ धमासा ।
दीर्घरागा, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
दीर्घरोहिष, न० सुगन्धितृण-विशेष ॥ बडेरोहिस।
दीर्घवंश, पु० नल ॥ नरसल ।
दीर्घवल्ली, स्त्री० महेन्द्रवारुणी । पातालगरुड । पलाशी ॥ बडीइन्द्रायण । छिरहिटा । पलाशीलता ।
दीर्घवाला, स्त्री० चमरीगवी ॥ सुरहगाय ।
दीर्घवृन्त, पु० श्योनाकवृक्ष ॥ शोनापाठा ।
दीर्घवृन्तक, पु० ऐ ।
दीर्घवृन्ता, स्त्री० इन्द्रचिर्भिटा ॥ इन्द्रचिर्भिटी ।
दीर्घवृन्तिका, स्त्री० एलापर्णी ॥ काँटा आमरुलीगाछ वङ्गभाषा ।
दीर्घशर, पु० यावनाल ॥ जुआर ।
दीर्घशाख, पु० शणवृक्ष । शालवृक्ष ॥ सनकापेड । सालकापेड ।
दीर्घशिम्बिक, पु० क्षवा । राईभेद ।
दीर्घस्कन्ध, पु० तालवृक्ष ॥ ताडकापेड ।
दीर्घा, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन ।
दीर्घायु [स्], पु० शाल्मलीवृक्ष । जीवकवृक्ष ॥ सेमरकापेड । जीवक औषधी ।
दीर्घालर्क, पु० श्वेतमन्दारकवृक्ष ॥ सफेद मन्दारवृक्ष ।
दीर्घिका, स्त्री० हिङ्गुपत्री ॥ हीङ्गपत्री ।
दर्धिर्वारु, पु० डाङ्गरी ॥ चिचियाहोंपा बङ्गभाषा।
दुष्कुल, पु० चोरनामगन्धद्रव्य ॥ भटेउर नेपालकी भाषा ।
दुःसहा, स्त्री० नागदमनी ॥ नागदौन ।
दुस्पर्श, पु० दुरालभा ॥ धमासा ।
दुस्पर्शा, स्त्री० कपिकच्छू । आकाशवल्ली । कण्टकारी । यवास ॥ कौंछ । अमरवेल । कटेरी । जवासा ।
दुग्ध, न० स्वनामख्यातश्वेतवर्णसरलद्रव्य ॥ दूध।
दुग्धपाषाण, पु० वृक्ष-विशेष ॥ शिरगोला वङ्गभाषा ।
दुग्धपुच्छी, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥
दुग्धफेनी, स्त्री० क्षुद्रक्षुप-विशेष ॥ दूधफेनीवृक्ष-

दुग्धाश्मा [न्], पु० दुग्धपाषाण ॥ शिरगोला वङ्गभाषा ।
दुग्धिका, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ दुद्धी, दूधिया, दुग्धिका, दूधी ।
दुग्धिनिका, स्त्री० रक्तापामार्ग ॥ लालचिरचिरा ।
दुग्धी, स्त्री० क्षीरावी । दुग्धपाषाणवृक्ष ॥ दूधी । शिरगोला वङ्गभाषा ।
दुच्छक, पु० मुरानामकगन्धद्रव्य ॥ कपूरकचरी ।
दुद्रुम, पु० हरित्वर्णपलाण्डु ॥ हरी प्याज ।
दुरभिग्रह, पु० अपामार्ग ॥ चिरचिरा ।
दुरभिग्रहा, स्त्री० कपिकच्छू । दुरालभा ॥ कौंछ धमासा ।
दुराधर्ष, पु० गौरसर्षप ॥ सफेदसर्सों ।
दुराधर्षा, स्त्री० कुटुम्बुनीवृक्ष ॥ अर्कपुष्पी ।
दुरारुह, पु० बिल्ववृक्ष । नारिकेलवृक्ष ॥ बेलकापेड । नारियलकावृक्ष ।
दुरारुहा, स्त्री० खर्जूरी ॥ खजूरकापेड ।
दुरारोहा, स्त्री० शाल्मलीवृक्ष । भूमिखर्जूरी ॥ सेमरकापेड । देशी-छोटीखजूर ।
दुरालभा, स्त्री० स्वनामख्यातकण्टकयुक्तक्षुद्रवृक्षविशेष । कार्पासी । स्पृक्का ॥ दुरालभा, हिङ्गुया। जवासा, धमासा । कपास । असवरग ।
दुरालम्भा, स्त्री० ऐ ।
दुरितदमनी, स्त्री० शमीवृक्ष ॥ छौंकरा वृक्ष ।
दुर्ग, पु० गुग्गुल ॥ गूगल ।
दुर्गकारक, न० वृक्ष-विशेष ।
दुर्गन्ध, न० सौवर्चललवण॥ चोहारकोडा, कालानमक ।
दुर्गन्ध, पु० आम्रवृक्ष । पलाण्डु ॥ आमकापेड । प्याज ।
दुर्गपुष्पी, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥
दुर्गा, स्त्री० नीलीवृक्ष । अपराजिता ॥ नीलकापेड । कोयल ।
दुर्गाह्व, पु० भूमिजगुग्गुलु ॥ भूमिगूगल ।
दुर्जरा, स्त्री० ज्योतिष्मतीलता ॥ मालकाङ्गनी ।
दुर्द्दिता, स्त्री० लता-विशेष ।
दुर्द्रुम, पु० हरित्पलाण्डु ॥ हरीप्याज ।
दुर्धर, पु० ऋषभौषधी । पारद । भल्लातक ॥ ऋषभक औषधी । पारा । भिलावेकापेड ।
दुर्धर्षा, स्त्री० नागदमनी । कन्थारीवृक्ष ॥ नागदौन । कन्थारीवृक्ष ।
दुर्नाम [न्], न० अर्शोरोग ॥ बवासीर ।
दुर्नामक, न० ऐ ।

दुर्नामा [न्], पु० स्त्री० दीर्घकोषिका ॥ एक जलजन्तु ।
दुर्नामारि, पु० शूरण ॥ सूरन, जमीकन्द ।
दुर्बला, स्त्री० अम्बुशिरीषिका ॥ जलसिरस, ढाढोनि ।
दुर्म्मनाः [स्], स्त्री० शतमूली ॥ सतावर ।
दुर्म्मरा, स्त्री० दूर्वा । श्वेतदूर्वा ॥ दूव । सफेददूव ।
दुर्म्मोह, पु० काकतुण्डी ॥ कौआटोडी ।
दुर्लभ, पु० कर्चूर ॥ कचूर ।
दुर्लभा, स्त्री० दुरालभा । श्वेतकण्टकारी ॥ जवासा । सफेदकटेरी ।
दुर्वर्ण, न० रजत । एलवालुक ॥ चाँदी । एलुआ ।
दुर्वर्णक, न० रजत ॥ रूपा ।
दुष्कुलीन, पु० चोरनामकगन्धद्रव्य ॥ भटेउर नेपालकी भाषा ।
दुष्खदिर, पु० खदिरवृक्षभेद ॥ दुष्खैर ।
दुष्ट, न० कुष्ठ ॥ कोढ ।
दुस्स्पत्र, पु० चोरनामकगन्धद्रव्य । भटेउर नेपालकी भाषा ।
दुष्पर्श, पु० यवास ॥ जवासा ।
दुष्प्रधर्षा, स्त्री० दुरालभा । खर्जूरीवृक्ष ॥ धमासा, हिङ्गुया । खजूरकापेड ।
दुष्प्रधर्षणी, स्त्री० वार्त्ताकी ॥ वैंगुनाकटेहरी ।
दुष्प्रधर्षिणी, स्त्री० वार्त्ताकी ॥ कण्टकारी । बृहती ॥ वैंगुनाकटेहरी कटेहरी । कटाई ।
दुष्प्रवेशा, स्त्री० कन्थारीवृक्ष ॥ कन्थारीवृक्ष ।
दूतघ्नी, स्त्री० कदम्बपुष्पी ॥ गोरखमुण्डी ।
दूरमूल, पु० मुञ्जतृण ॥ मूज ।
दूर्य, न० शटी ॥ छोटाकचूर ।
दूर्वा, स्त्री० स्वनामख्याततृण ॥ दूवघास ।
दूलिका, **दूली**, स्त्री० नीलीवृक्ष ॥ नीलकापेड ।
दूषिका, स्त्री० नेत्रमल ॥ नेत्रकामैल ।
दूषीविष, न० औषधादिद्वारावीर्य्यहीनविष ।
दृक्प्रसादा, स्त्री० कुलत्था । कुलत्थाञ्जन ॥ वनकुलथी । एक प्रकारका शुर्म्मा ।
दृढ़, न० लोह ॥ लोहा ।
दृढ़कण्टक, पु० क्षुद्रफलवृक्ष ॥ ढेरावृक्ष ।
दृढ़काण्ड, न० दीर्घरोहिषक ॥ बडेरोहिसतृण ।
दृढ़काण्डा, स्त्री० पातालगरुडलता ॥ छिरहिटा ।
दृढ़गात्रिका, स्त्री० मत्स्यण्डी ॥ मिश्री ।
दृढ़ग्रन्थि, पु० वंश ॥ वाँस ।
दृढ़च्छद, न० दीर्घरोहिषक ॥ बडेरोहिषतृण ।
दृढ़तरु, पु० धववृक्ष ॥ धौंवृक्ष ।
दृढ़तृण, पु० मुञ्जतृण ॥ मूज ।
दृढ़तृणा, स्त्री० बल्वजा ॥ साबेवागे कुत्रचित् भाषा ।
दृढ़त्वक् [च्], पु० यावनालशर ॥ जौहुरली देशान्तरीय भाषा ।
दृढ़नीर, पु० नारिकेलवृक्ष ॥ नारियलकावृक्ष ।
दृढ़पत्र, पु० वंश ॥ वाँस ।
दृढ़पत्री, स्त्री० बल्वजा ॥ सबेवागे कुत्रचित् भाषा ।
दृढपादा, स्त्री० यवतिक्ता ॥ यवेची केचित् भाषा ।
दृढ़पादी, स्त्री० भूम्यामलकी ॥ भुईआमला ।
दृढ़प्ररोह, पु० प्लक्षवृक्ष ॥ पाखरवृक्ष ।
दृढ़फल, पु० नारिकेलवृक्ष ॥ नारियलकापेड ।
दृढ़बन्धिनी, स्त्री० श्यामालता ॥ कालीसर, सालसा ।
दृढ़मूल, पु० मन्थाकतृण । नारिकेल । मुञ्जतृण ॥ मन्थानकतृण । नारियलवृक्ष । मूँजतृण ।
दृढ़रङ्गा, स्त्री० स्फटी ॥ फटकरी ।
दृढ़लता, स्त्री० पातालगरुडी ॥ छिरहिटा ।
दृढ़वल्कल, पु० लकुच । पूग ॥ वडहर । सुपारी ।
दृढ़वल्का, स्त्री० अम्बष्ठा ॥ भोईयावृक्ष ।
दृढ़बीज पु० चक्रमर्द । बदर । बर्बूर ॥ चकवड, पमाड । बेरीकावृक्ष । बबूरकापेड ।
दृढ़सूत्रिका स्त्री० मूर्वा ॥ चुरनहार ।
दृढ़स्कन्ध, पु० क्षीरिकावृक्ष ॥ खिरनीकावृक्ष ।
दृढ़क्षुरा, स्त्री० बल्वजा ॥ सावेवागे कुत्राचित्भाषा।
दृढ़ाङ्ग, न० हीरक ॥ हीरा ।
दृता, स्त्री० जीरक ॥ जीरा ।
दृतिधारक, पु० वृक्ष-विशेष ॥ आकन पाता वङ्गभाषा ।
दृशाकांक्ष्य, न० पद्मपुष्प ॥ कमल ।
दृशोपम, न० श्वेतपद्म ॥ सफेदकमल ।
दृषत्सार, न० मुण्डायस ॥ एक प्रकारका लोहा ।
दृष्टिकृत, न० स्थलपद्म ॥ स्थलकमल ।
दृष्टिकृत, न० ऐ ।
देव, पु० पारद ॥ पारा ।
देवकर्द्दम, पु० सुगन्धिद्रव्य-विशेष ॥ + । यथा । चन्दनागरुकुङ्कुमकर्पूरमिश्रितपदार्थः ॥ एकत्र मिले हुवे-चन्दन, अगर, कपूर, केशर ।
देवकाष्ठ, न० देवदारु ॥ देवदार । देवदारुभेद ।
देवकुरुम्बा, स्त्री० महाद्रोणा ॥ बडी द्रोणपुष्पी अर्थात् बडागूमा, गोमा ।
देवकुसुम, न० लवङ्ग ॥ लोंग ।
देवगन्धा, स्त्री० महामेदा ॥ महामेदा अष्टवर्गकी औषधी ।

देवजग्ध, न० कत्तृण ॥ रोहिस, सोधिया ।
देवजग्धक, न० ऐ ।
देवतरु, पु० मन्दारवृक्ष । पारिजातवृक्ष । सन्तानवृक्ष । कल्पवृक्ष । हरिचन्दन । चैत्यवृक्ष ।
देवताड़, पु० वृक्ष-विशेष । घोषकलता । देवदालीलता ॥ देवताडवृक्ष । एकप्रकारकी तोरई । घघरवेल, सौनैया बंदाल ।
देवताडक, पु० देवताडवृक्ष ॥ देवताडवृक्ष ।
देवदण्डा, स्त्री० नागबला ॥ गुलसकरी, गंगेरन ।
देवदान्नी, स्त्री० हस्तिघोषा ॥ बडीतोरई ।
देवदारु, न० पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ देवदारु-देवदारवृक्ष ।
देवदालिका, स्त्री० लता-विशेष ॥ महाकाललता ।
देवदाली, स्त्री० स्वनामख्यातलता-विशेष ॥ देवदाली, घघरवेल, सोनैया, विंदाल ।
देवदासी, स्त्री० वनबीजपूर ॥ वनजाति विजोरानीबु ।
देवदुन्दुभी, पु० गन्धपर्णास ॥ लालतुलसी ।
देवदूती, स्त्री० बीजपूरक । मधुकुक्कुटिका ॥ विजोरानीबु । चकोतरा ।
देवधान्य, न० धान्य-विशेष ॥ पुनेरा ।
देवधूप, पु० गुग्गुल ॥ गूगल ।
देवन, न० पद्म ॥ कमल ।
देवनल, न० नलभेद ॥ बडानरसल ।
देवनाल, पु० ऐ ।
देवपत्नी, स्त्री० मध्वालुक ॥ एकप्रकारका कन्द ।
देवपर्ण, न० सुरपर्ण ॥ माचीपत्र ।
देवपुत्रिका, स्त्री० पृक्का ॥ असवण ।
देवपुत्री, स्त्री० ऐ ।
देवपुष्प, न० लवङ्ग ॥ लौंग ।
देवप्रिय, पु० पीतभृङ्गराज । अगस्त्यवृक्ष ॥ पीलाभङ्गरा । अगस्तिया, हथियावृक्ष ।
देवबला, स्त्री० सहदेवी । त्रायमाणा ॥ सहदेई । त्रायमान ।
देववल्लभ, पु० पुन्नागवृक्ष । पुनर्नवा ॥ पुन्नागवृक्ष । गदहपूर्ना ।
देवभवन, न० अश्वत्थ ॥ पीपलकावृक्ष ।
देवमणि, पु० महामेदा ॥ अष्टवर्गकी औषधी ।
देवलता, स्त्री० नवमाल्लिका ॥ नेवारी ।
देवलाङ्गुलिका, स्त्री० वृश्चिकाली ॥ बिछुटी वङ्गभाषा ।
देववृक्ष, पु० सप्तपर्णवृक्ष । मन्दारवृक्ष । गुग्गुलु ॥ सतिवन । करहदवृक्ष । गूगल ।
देवशेखर, पु० दमनक ॥ दवनावृक्ष ।
देवश्रेणी, स्त्री० मूर्वा ॥ चुरनहार ।
देवसर्षप, पु० सर्षपवृक्षप्रभेद ॥ एक प्रकारकी निर्जरसर्सों ।
देवसहा, स्त्री० दण्डोत्पला ॥ सफेद फूलका दण्डोत्पल ।
देवसृष्टा, स्त्री० मदिरा ॥ मद्य ।
देवा, स्त्री० पद्मचारिणी । अशनपर्णी ॥ गेंदावृक्ष । पटसण ।
देवात्मा [न्], पु० अश्वत्थ ॥ पीपलकापेड ।
देवाभीष्टा, स्त्री० ताम्बूली ॥ पान ।
देवार्ह, पु० सुवर्ण ॥ सोना ।
देवार्हा, स्त्री० सहदेवीलता ॥ सहदेई ।
देवावास, पु० अश्वत्थवृक्ष ॥ पीपलकापेड ।
देवाह्व, न० देवदारु ॥ देवदार ।
देविका, स्त्री० धुस्तूर ॥ धतूरा ।
देवी, स्त्री० मूर्वा । स्पृक्का । अतसी । आदित्यभक्ता । लिङ्गिनी । वन्ध्याककोंटकी । शालपर्णी । महाद्रोणी । पाठा । नागरमुस्ता । मृगेर्वारु । सौराष्ट्रमृत्तिका । हरीतकी । गैरिक ॥ चुरनहार । असवण, पुरी । अलसी, मसीना । हुलहुल, हुरहुरवृक्ष । पञ्चगुरिया देशान्तरीय भाषा । वाँझखखसा, वनककोडा । शरिवन, सालवन । बडीद्रोणपुष्पी, बडागूमा । पाठ । नागरमोथा । सेंधिनी । सोरठकी मिट्टी, गोपीचन्दन । हरड । गेरु ।
देवीबीज, न० गन्धक ॥ गन्धक ।
देवेष्ट, पु० गुग्गुलु । महामेदा ॥ गूगल । महामेदा ।
देवेष्टा, स्त्री० वनबीजपूरक ॥ वनजाति विजोरानीबु ।
देहद, पु० पारद ॥ पारा ।
देहला, स्त्री० मदिरा ॥ मद्य ।
दैत्य, पु० लोह ॥ लोहा ।
दैत्यमेदज, पु० भूमिजगुग्गुल ॥ भूमिगूगल ।
दैत्या, स्त्री० मुरानामकगन्धद्रव्य । मद्य । चण्डौषधी ॥ कपूरकचरी । मदिरा, दारु, सराव । चण्डाऔषधी ।
दैत्येन्द्र, पु० गन्धक ॥ गन्धक ।
दोला, स्त्री० नीलिनीवृक्ष ॥ नीलकापेड ।
दोलापत्र, न० यन्त्र-विशेष ॥ दोलायन्त्र ।
दोष, पु० वातपित्तकफ ॥ वायु, पित्त, कफ ।
दोषाक्लेशी, स्त्री० वनवर्धरिका ॥ वनतुलसी ।
दोहज, न० दुग्ध ॥ दूध ।

दोहद, पु० न० गर्भलक्षण ॥ गर्भकेचिह्न।
दोहली, पु० अशोकवृक्ष ॥ आककापेड।
द्युमणि, पु० अर्कवृक्ष ॥ आककापेड।
द्यूतबीज, न० कपर्दक ॥ कौडी।
द्रङ्क्षण, न० पु० तोलकपरिमाण ॥ एक तोला।
द्रव, पु० रस ॥ रस।
द्रवज, पु० गुड ॥ गुड।
द्रवपत्री, स्त्री० शिमृडीवृक्ष ॥ चङ्गोनि—देशान्तरीय-भाषा।
द्रवन्ती, स्त्री० मूषिकपर्णी ॥ मूसाकानी।
द्रवरसा, स्त्री० लाक्षा ॥ लाख।
द्रविन, न० काञ्चन ॥ सोना।
द्रविननाशन, पु० शोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैंजिनेका-पेड।
द्रव्य, न० औषध। पित्तल ॥ औषधी। पीतल।
द्रावक, न० शिक्थक। औषधविशेष ॥ मोम। प्लीहारोगकी औषधी।
द्रावकर, पु० श्वेतटङ्कण ॥ सफेदसुहागा।
द्रावन, न० कतकफल ॥ निर्म्मली।
द्राविड़, पु० कर्चूर ॥ कचूर, आमियाहलदी।
द्राविड़क, न० बिडलवण ॥ विरिया संचरनोन।
द्राविड़क, पु० काल्य ॥ कचियाहलदी।
द्राविड़ी, स्त्री० एला ॥ इलायची।
द्राक्षा, स्त्री० स्वनामख्यातफलविशेष ॥ दाख।
द्रुकिलिम, न० देवदारुवृक्ष ॥ देवदारवृक्ष।
द्रुघन, पु० भूमिचम्पक ॥ एक प्रकारका चम्पावृक्ष।
द्रुघण, पु० ऐ।
द्रुम, पु० वृक्ष। पारिजात ॥ पेड़। फरहद कल्प-तरु।
द्रुमकण्टका, स्त्री० शाल्मलीवृक्ष ॥ सेमरकापेड़।
द्रुमनख, पु० कण्टक ॥ काँटा।
द्रुमव्याधि, पु० लाक्षा ॥ लाख।
द्रुमर, पु० कण्टक। काँटा।
द्रुमश्रेष्ठ, पु० तालवृक्ष ॥ ताड़कापेड़।
द्रुमामय, पु० लाक्षा ॥ लाख।
द्रुमेश्वर, पु० तालवृक्ष ॥ ताड़कापेड़।
द्रुमोत्पल, पु० कर्णिकारवृक्ष। स्थलपद्म ॥ कनेरवृक्ष। स्थलकमल।
द्रुसल्लक, पु० प्रियालवृक्ष ॥ चिरोंजीकापेड़।
द्रू, पु० स्वर्ण ॥ सोना।
द्रूघण, पु० भूमिचम्पक ॥ एकप्रकारका चम्पा।
द्रेका, स्त्री० महानिम्ब ॥ बकायननीम।

द्रोण, पु० न० परिमाण-विशेष ॥ बत्तीस ३२ सेरका होता है।
द्रोण, पु० श्वेतवर्ण क्षुद्रपुष्पक्षुप-विशेष ॥ गूमा।
द्रोणगन्धिका, स्त्री० रास्ना ॥ रायसन।
द्रोणपुष्पी, स्त्री० गोशीर्षकवृक्ष ॥ गूमा, गोमा।
द्रोणा, स्त्री० ऐ।
द्रोणिका, स्त्री० नीलीवृक्ष ॥ नीलकापेड़।
द्रोणी, स्त्री० गवादनीनीलीवृक्ष। इन्द्राचिभिंटा। द्रोणीलवण। परिमाण-विशेष ॥ इन्द्रायण। इन्द्र-चिभिंटी। द्रोणलवण। एकसौ अट्ठाईस, १२८ सेरतोल।
द्रोणीदल, पु० केतकीपुष्प ॥ केतकीकाफूल।
द्रोणीलवण, न० उपकर्णाटदेशप्रसिद्ध लवण ॥ रेहगमानोन।
द्वन्द्व, पु० रोग-विशेष ॥ दो दोषका रोग, कफपित्त-का मिलाहुवा रोग।
द्वन्द्वज, पु० द्विदोषज रोग ॥ वांतपिका मिला हुवारोग।
द्वयाग्नि, पु० रक्तचित्रक ॥ लालचीता।
द्वादशात्मा [न्], पु० अर्कवृक्ष ॥ आककावृक्ष
द्वारदातु, पु० भूमिसहवृक्ष ॥ भुईं सहवृक्ष।
द्विकटुक, न० शुण्ठी, पिप्पली ॥ सोंठ, पीपल।
द्विज, पु० तुम्बुरुवृक्ष ॥ तुम्बुरुवृक्ष।
द्विजकुत्सित, पु० श्लेष्मातकवृक्ष ॥ ल्हसोड़ावृक्ष।
द्विजप्रिया, स्त्री० सोमलता ॥ सोमलता।
द्विजराज, पु० कर्पूर ॥ कपूर।
द्विजव्रण, पु० दन्तार्बुद ॥ दांतोंकी जडे सूजजाँय और राद निकलै।
द्विजसप्त, पु० राजमाष ॥ लोबिया।
द्विजा, स्त्री० रेणुकानामगन्धद्रव्य। भार्ङ्गी। पालङ्की-शाक ॥ रेणुका। भारङ्गी। पालककाशाक।
द्विजाङ्गी, स्त्री० कटुका ॥ कुटकी।
द्वितीयाभा, स्त्री० दारुहरिद्रा ॥ दारुहलदी।
द्विधात्मक, न० जातीकोष ॥ जावित्री।
द्विधालेख्य, पु० हिन्तालवृक्ष ॥ एकप्रकारकाताड़।
द्विप पु० नागकेशर ॥ नागकेशर।
द्विपर्णी, स्त्री० वनकोलिवृक्ष ॥ एकप्रकारके वन-बेर।
द्विलवण, न० सैन्धव, सौवर्च्चल ॥ सैंधा, काला-नोन।
द्विष्ट, न० ताम्र ॥ ताँबा।
द्विहरिद्रा, स्त्री० हरिद्रा, दारुहरिद्रा ॥ हलदी। दारुहलदी।

द्विक्षार, न० यवक्षार, स्वर्जिकाक्षार ॥ सोरा,सज्जी।
द्वीपकर्पूरज, पु० चीनकर्पूर ॥ चीनियाकपूर ।
द्वीपखर्जूर, न० महापारेवत ॥ बड़ा पारेवतवृक्ष ।
द्वीपज, न० ऐ।
द्वीपशत्रु पु० शतावरी ॥ सतावर।
द्वीपिका, स्त्री० ऐ।
द्वीपिशत्रु, पु० ऐ।
द्वीपी, [**न्**], पु० चित्रकवृक्ष ॥ चीतेकावृक्ष ।
द्वैषणीया, स्त्री० नागवल्लीभेद ॥ एकप्रकारकेनागरपान ।
द्व्यष्ट, न० ताम्र ॥ ताँबा।

इतिश्रीशालिग्रामवैश्यकृतेशालिग्रामौषधशब्दसागरेद्व्याभिधानेदकाराक्षरे अष्टादशस्तरङ्गः॥ १८ ॥

ध.

धत्तूर, पु० धुस्तूर ॥ धतूरा ।
धनञ्जय, पु० चित्रकवृक्ष । अर्ज्जुनवृक्ष ॥ चीता। कोहवृक्ष ।
धनद, पु० हिज्ज्वलवृक्ष ॥ समुद्रफल।
धनदाक्षी, स्त्री० लताकरञ्ज ॥ लताकरञ्ज ।
धनप्रिया, स्त्री० काकजम्बू ॥ एकप्रकारकीछोटी जामन ।
धनस्यक, पु० गोक्षुर ॥ गोखुरू ।
धनहारि, स्त्री० चोरनामक गन्धद्रव्य ॥ भटेउर। नेपालकी भाषा ।
धनिक, पु० धन्याक । धववृक्ष॥धनिया ।धोंवृक्ष ।
धनिका, स्त्री० प्रियङ्गुवृक्ष ॥ फूलप्रियङ्गु ।
धनीयक, न० धन्याक ॥ धनिया ।
धनु, पु० प्रियालवृक्ष ॥ चिरोंजीकापेड़ ।
धनु, [**स्** [पु० ऐ।
धनुष्पट, पु० ऐ।
धनुःशाखा, स्त्री० मूर्वा ॥ चुरनहार ।
धनुः श्रेणी, स्त्री० मूर्वा । महेन्द्रवारुणी ॥ चुरनहार। बड़ीइन्द्रायण ।
धनुर्गुणी, स्त्री० मूर्वा ॥ चुरनहार ।
धनुर्द्रुम, पु० वंश ॥ बाँस ।
धनुर्माला, स्त्री० मूर्वा ॥ चुरनहार।
धनुर्यास पु० धन्वयास ॥ जवासा ।
धनुर्लता, स्त्री० सोमवल्ली ॥ सोमलता ।
धनुर्वृक्ष, पु० धन्वनवृक्ष । वंश । अश्वत्थ । भल्लातक ॥ धामिनवृक्ष । बाँश । पीपलकापेड़। पीपलकावृक्ष । भिलावेकावृक्ष ।
धनुष्पट, पु० पियालवृक्ष ॥ चिरोंजीकापेड़ ।
धनेयक, न० धन्याक ॥ धनिया ।
धन्य, पु० अश्वकर्णवृक्ष ॥ सालभेद ।
धन्या, स्त्री० आमलकी । धन्याक ॥ धनिया । आमला ।
धन्याक, न० स्वनामख्यात क्षुद्रक्षुप-विशेष ॥ धनिया ।
धन्वग, पु० धन्वनवृक्ष ॥ धामिनवृक्ष ।
धन्वङ्ग, पु० ऐ ।
धन्वन, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ धामिनवृक्ष ।
धन्वन्तरिग्रस्ता, स्त्री० कटुका ॥ कुटकी ।
धन्वयवास, पु० यवास ॥ जवासा ।
धन्वयवासक, पु० ऐ।
धन्वयास, पु० ऐ।
धन्वी [**न्**] पु० यवास। अर्ज्जुनवृक्ष। बकुलवृक्ष॥ जवासा । कोहवृक्ष । मौलसिरीका पेड़ ।
धमन, पु० नलवृक्ष ॥ नरसल ।
धमनि, पु० धमनी ।
धमनी, स्त्री० महतीशिरा । हरिद्रा । पृश्निपर्णी । नलिका । हट्टविलासनी ॥ धमनीनाडी । हलदी । पिठवन । नली । नखी ।
धरण, न० पलदशमांश ॥ २४ रत्तिप्रमाण।
धरण, पु० चतुर्विंशतिरक्तिका । धान्य ॥ २४रत्ति प्रमाण । धान ।
धरणी, स्त्री० शाल्मलिवृक्ष । कन्द-विशेष । नाड़ी॥ सेमरकापेड़ । नाडी । धरणीकन्द ।
धरणीकन्द, पु० धरणीकन्द ॥ धरणीकन्द ।
धराकदम्ब, पु० धाराकदम्ब ॥ धाराकदम्ब, कदमभेद ।
धर्म्मण, पु० वृक्ष-विशेष ॥ धामिनिया देशान्तरीयभाषा ।
धर्म्मपत्तन, न० मरिच ॥ गोल, कालीमिरच ।
धर्म्मपत्र, न० यज्ञोदुम्बर ॥ गूलर ।
धर्मिणी, स्त्री० रेणुका ॥ रेणुका ।
धलण्ड, पु० दृढकण्टकवृक्ष ॥ ढेरावृक्ष ।
धव, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ धोंवृक्ष ।
धवल, पु० श्वेतमरिच ॥ सफेदमिरच ।
धवल, पु० धववृक्ष । चीनकर्पूर ॥ धोंवृक्ष । चीनियाकपूर ।
धवलपाटला, स्त्री० सितपाटलिका॥ सफेदपाडला।
धवलमृत्तिका, स्त्री० खडी ॥ खडियामाटी ।
धवलयावनाल, पु० यावनाल-विशेष॥ सफेदजुआर ।
धवलोत्पल, न० कुमुद ॥ कमोदनी ।
धातकी, स्त्री० पुष्पविशेष ॥ धायके फूल ।

धातु, पु० शरीरधारकवस्तु। जैसे। रस, रक्त, मांस-मेद, अस्थि, मज्जा, शुक्र, वात, पित्त, और कफ। स्वर्ण रौप्यादि सोनाचाँदी इत्यादिधातु।
धातुकासीस, न० कासीस ॥ कसीस।
धातुघ्न, न० काञ्जिक ॥ काँजि।
धातुनाशन, न० ऐ।
धातुप, पु० शरीरस्थ प्रथमधातु रस।
धातुपुष्पिका, स्त्री० धातकीपुष्प ॥ धवईकेफूल।
धातुपुष्पी, स्त्री० ऐ।
धातुमाक्षिक, न० माक्षिक ॥ सोनामाखी।
धातुमारिणी, स्त्री० टङ्कण ॥ सुहागा।
धातुवल्लभ, न० ऐ।
धातुवैरी, [न्] पु० गन्धक ॥ गन्धक।
धातुशेखर, न० कासीस॥ कसीस।
धातूपल, पु० खटी ॥ खडियामाटी।
धातृपुष्पिका, स्त्री० धातकी ॥ धायकेफूल।
धातृपुष्पी, स्त्री० ऐ।
धात्रिका, स्त्री० आमलकी ॥ आमला।
धात्री, स्त्री० ऐ।
धात्रीपत्र, न० तालीशपत्र। आमलकीपत्र ॥ तालीशपत्र। आमलेके पत्ते।
धात्रीफल, न० आमलकी ॥ आमला।
धानक, न० धन्याक ॥ धनिया।
धाना, स्त्री० धन्याक। भृष्टयव। सक्तु ॥ धनिया। खीलै। सत्तू।
धानाः, पु० भूम्निनिस्तुषभृष्टयव ॥ बहुरी ॥ भुनेहुए जौ।
धानी, स्त्री० पीलुवृक्ष ॥ पीलूकापेड।
धानुष्का, स्त्री० अपामार्ग ॥ चिरचिरा।
धानुष्य, पु० वंश ॥ वाँस।
धानेय, न० धन्याक ॥ धनिया।
धानेयक, न० ऐ।
धान्धा स्त्री० पृथ्वीका ॥ इलायची।
धान्य, न० धन्याक। कैवर्त्ती मुस्तक। सतूषतण्डुलादि। चतुस्तिलपरिमाण ॥ धनिया। केवटीमोथा। धान। चारतिलपरिमाण।
धान्यक, न० धन्याक ॥ धनिया।
धान्यतुषोद, न० काञ्जिक ॥ काँजि।
धान्ययूष, पु० काञ्जिक ॥ काँजि।
धान्यराज, पु० यव ॥ जौ।
धान्यबीज, न० धन्याक ॥ धनिया।
धान्यवीर, पु० माष ॥ उरद।
धान्याक, न० धन्याक। धनिया।
धान्याम्ल, न० काञ्जिक ॥ काँजि।
धान्योत्तम, पु० शालधान्य ॥ शालिधान।
धामक, पु० माषकपरिमाण ॥ १ माषा।
धामनी, स्त्री० धमनी ॥ धमनी नाडी।
धामार्गव, पु० अपामार्ग। घोषकलता ॥ चिरचिरा। तोरई। घियातोरई।
धारणीया, स्त्री० धरणीकन्द ॥ धरणीकन्द।
धाराकदम्ब, पु० कदम्बवृक्षभेद ॥ कदमभेद।
धाराकदम्बक, पु० ऐ।
धाराफल, पु० मदनवृक्ष ॥ मैनफलवृक्ष।
धारास्नुही, स्त्री० त्रिधारस्नुही ॥ तिधाराथूहर।
धारिणी, स्त्री० शाल्मलीवृक्ष ॥ सेमरकापेड।
धारी [न्], पु० पीलुवृक्ष ॥ पीलूकापेड।
धारोष्ण, न० दोहनेनोष्णधारया पतितं दुग्धम् ॥ दुहनेके समय धारोंसे गिरताहुवा गर्म दूध।
धार्त्तराष्ट्रपदी, स्त्री० हंसपदी ॥ लालरङ्गका लज्जालु।
धावनि, स्त्री० पृश्निपर्णीलता ॥ पिठवन।
धावनिका, स्त्री० कण्टकारिका। पृश्निपर्णी ॥ कटेरी। पिठवन।
धावनी, स्त्री० पृश्निपर्णी। कण्टकारी। धातकी ॥ पिठवन। कटेहरी। धवईकेफूल।
धीर, न० कुङ्कुम ॥ जाफरान फार्सी भाषा।
धीर, पु० ऋषभौषध ॥ ऋषभ औषधी।
धीरपत्री, स्त्री० धरणीकन्द ॥ धरणीकन्द, जिमीकन्द।
धीरा, स्त्री० काकोली। महाज्योतिष्मती ॥ काकोली औषधी। बडीमालकङ्गनी।
धुन्धुमार, पु० गृहधूम ॥ घरकाधुआँ।
धुरन्धर, पु० धववृक्ष ॥ धोंवृक्ष।
धुर्य्य, पु० ऋषभ ॥ ऋषभौषधी।
धुस्तुर, पु० धुस्तूर ॥ धतूरेकापेड।
धुस्तूर, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ धतूरेकापेड।
धूनक, पु० वह्निवल्लभ ॥ राल।
धूपन, पु० ऐ।
धूपवृक्ष, पु० सरलवृक्ष ॥ धूपसरल।
धूपवृक्षक, पु० ऐ।
धूपागुरु, न० दाहागुरु ॥ दाहअगर।
धूपाङ्ग, पु० श्रीवेष्ट ॥ सरलकागोंद।
धूपार्ह, न० कृष्णागुरु ॥ कालीअगर।
धूमगन्धिक, न० रोहिषतृण ॥ रोहिषसोधिया।
धूमजाङ्गज, न० वज्रक्षार ॥ नौसागर।
धूमयोनि, पु० मुस्तक ॥ मोथा।
धूमरज, [स्] न० गृहधूम ॥ घरकाधुआँ।
धूमसार, पु० ऐ।
धूमोत्थ, न० वज्रक्षार ॥ वज्रखार।

धूम्र, पु० तुरुष्क ॥ शिलारस ।
धूम्रपत्रा, स्त्री० क्षुप-विशेष ॥ तमाखूकावृक्ष ।
धूम्रमूलिका, स्त्री० शूलीतृण ॥ शूलीघास ।
धूम्रवर्ण, पु० तुरुष्क । शिलारस ।
धूम्रा, स्त्री० शशाण्डुली ॥ एकप्रकारकीककडी ।
धूम्रिका, स्त्री० शिंशपावृक्ष ॥ सीसोंकापेड ।
धूर्त्त, न० बिडलवण । लौहकिट्ट ॥ कचलौन । मण्डूरलोहा ।
धूर्त्त, पु० धत्तूरवृक्ष । चोरक ॥ धत्तूरा । भटेउर नेपालकी भाषा ।
धूर्त्तकृत, पु० धत्तूर । धत्तूरेकापेड ।
धूर्त्तमानुषा, स्त्री० रास्ना ॥ रायसन ।
धूलक, न० विष ॥ जहर ।
धूलिपुष्पिका, स्त्री० केतकी ॥ केतकीपुष्पवृक्ष ।
धूलिकदम्ब, पु० नीप । तिनिश । वरुणवृक्ष ॥ धाराकदमवृक्ष । तिरिच्छवृक्ष । वरनावृक्ष ।
धूलिकदम्बक, पु० नीप ॥ धाराकदम ।
धूसरच्छदा, स्त्री० श्वेतवुह्ना ॥ सफेदबोना ।
धूसरपत्रिका,स्त्री०हस्तिशुण्डीक्षुप॥हाथिशुण्डवृक्ष ।
धूसरा, स्त्री० पाण्डुरफलीक्षुप ॥ पाण्डूफली ।
धूस्तूर, पु० धत्तूरवृक्ष ॥ धत्तूरेकापेड ।
धेनिका, स्त्री० धन्याक ॥ धनिया ।
धेनुदुग्ध, न० चिर्भिटा ॥ गुरुभीहु, चिभडा ।
धेनुदुग्धकर, पु० गर्जर ॥ गाजर ।
धौत, न० रौप्य ॥ रूपा ।
धौतशिल, न० स्फटिक ॥ फटिकमणि ।
धौर, पु० धववृक्ष ॥ धौवृक्ष ।
ध्माङ्क्षजङ्घा, स्त्री० काकजङ्घा ॥ मसी ।
ध्माङ्क्षजम्बू, स्त्री० काकजम्बू ॥ जामुनभेद ।
ध्माङ्क्षतुण्डी, स्त्री० काकनासा ॥ कौआठोडी ।
ध्माङ्क्षदन्ती, स्त्री० काकतुण्डी ॥ काकादनी ।
ध्माङ्क्षनखी, स्त्री० ऐ ।
ध्माङ्क्षनाम्नी, स्त्री० काकोदुम्बरिका ॥ कटूम्बर ।
ध्माङ्क्षनाशिनी, स्त्री० हपुषा ॥ हाऊबेर ।
ध्माङ्क्षनासा, ध्माङ्क्षनासिका, स्त्री० काकनासा॥
ध्माङ्क्षमाची, स्त्री० काकमाची ॥ मकोय ।
ध्माङ्क्षवल्ली, स्त्री० काकनासा ॥ कौआठोडी ।
ध्माङ्क्षादनी, स्त्री० काकतुण्डी ॥ काकादनी ।
ध्माङ्क्षी, स्त्री० कक्कोलिका ॥
ध्माङ्क्षोली, स्त्री० काकोली ॥

ध्याम, न० दमनकवृक्ष । गन्धतृण ॥ दवनावृक्ष । गंधेजघास ।
ध्यामक, न० रोहिसतृण ॥ रोहिससोधिया ।
ध्रुवा, स्त्री० मूर्वा । शालपर्णी ॥ चुरनहार । सालवन ।
ध्वंसी [न्] पु० पर्वतिपन्नपीलुवृक्ष ॥
ध्वंसी, स्त्री० त्रसरेणुपरिमाण ॥
ध्वज, पु० मेढ्र ॥ पुरुषाङ्ग ।
ध्वजद्रुम, पु० तालवृक्ष । माडवृक्ष ॥ ताड़कावृक्ष माडविनौ, कोकणीभाषा ।
ध्वजभङ्ग, पु० क्लीबत्वजनकरोग-विशेष ॥ एकप्रकारका नपुंसक ।
ध्वान्तशात्रव, पु० श्योनाकवृक्ष ॥ शोनापाठा ।

इतिश्रीशालिग्रामवैश्यकृतेशालिग्रामौषधशब्दसागरेद्रव्याभिधानेधकाराक्षरेएकोनविंशतिस्तरङ्गः ॥ १९ ॥

न.

नकुलाढ्या, स्त्री० गन्धनाकुली ॥ नकुलकन्द ।
नकुली, स्त्री० मांसी ॥ शंखिनी । कुङ्कुम ॥ जटामांसी । शंखिनी । केशर ।
नकुलेष्टा, स्त्री० रास्ना ॥ रायसन ।
नक्तंचर, पु० गुग्गुलु ॥ गूगल ।
नक्तमाल, पु० करञ्जवृक्ष ॥ कञ्जावृक्ष ।
नक्ता, स्त्री० कलिकारी ॥ कलिहारी ।
नक्ताह, पु० करञ्जवृक्ष ॥ कञ्जावृक्ष ।
नख, न० स्त्री० नखीनामगन्धद्रव्य ॥ नखी, नख ।
नखनिष्पाव, पु० निष्पावीभेद ॥ अङ्गुलीफला ।
नखपर्णी, स्त्री० वृश्चिकाक्षुप ॥ विछुवाघास ।
नखपुङ्खी, स्त्री० स्पृक्का ॥ असबरग ।
नखराह्व, पु० करवीरपुष्पवृक्ष ॥ कनेरकापेड ।
नखरी, स्त्री० नखी । क्षुद्रनखी ॥ नख । नखी ।
नखवृक्ष, पु० नीलवृक्ष ॥ नीलकापेड़ ।
नखशंख, पु० क्षुद्रशङ्ख ॥ छोटाशङ्ख ।
नखाङ्क, न० व्याघ्रनखी ॥ व्याघ्रनख ।
नखाङ्ग, न० नलिका ॥ नली ।
नखालि, पु० क्षुद्रशङ्ख ॥ छोटाशङ्ख ।
नखालु, पु० नीलवृक्ष ॥ नीलकापेड़ ।
नखी, स्त्री० स्वनामख्यातगन्धद्रव्य ॥ नखी ।
नगजा, स्त्री० क्षुद्रपाषाणभेदवृक्ष॥ छोटापाखानभेद।
नगणा, स्त्री० लता-विशेष ॥ मालकाङ्गुनी ।
नगभित्, पु० पाषाणभेदन ॥ पाखानभेदवृक्ष ।
नगभू, पु० क्षुद्रपाषाणभेद ॥ छोटापाखानभेद ।
नगरोत्था, स्त्री० नागरमुस्ता ॥ नागरमोथा ।
नागरौषधि, स्त्री० कदली ॥ केला ।

नगाश्रय, पु० हस्तिकन्द ॥ हस्तिकन्द ।
नग्नहू, पु० न० नानाद्रव्यकृतसुराबीज ॥ वाखर वङ्गभाषा ।
नट, पु० श्योनाकवृक्ष । अशोकवृक्ष । किष्कुपर्वा ॥ शोनापाठा । अशोकवृक्ष । नरसल ।
नटभूषण, न० हरिताल ॥ हरताल ।
नटमण्डल, न० ऐ ।
नटसंज्ञक, पु० गोदन्ताख्यविष ॥ गौदन्ती ।
नटी, स्त्री० नखीनामगन्धद्रव्य ॥ नखी ।
नड़, पु० नल ॥ नरसल ।
नत, न० तगरमूल ॥ तगर ।
नतद्रुम, पु० लताशालवृक्ष ॥ सालभेद ।
नदीकदम्ब, पु० महाश्रावणिका ॥ बड़ीगोरखमुण्डी ।
नदीकान्त, पु० हिज्जलवृक्ष । सिन्दुवारवृक्ष ॥ समुद्रफल । सह्मालुवृक्ष ।
नदीकान्ता, स्त्री० जम्बूवृक्ष । काकजङ्घा ॥ जामुनकापेड । मसी काकजङ्घावृक्ष ।
नदीकूलप्रिय, पु० जलवेतस । जलवेंत ।
नदीज, न० स्रोतोञ्जन ॥ कालाशुर्म्मा ।
नदीज पु० अर्ज्जुनवृक्ष । हिज्जलवृक्ष । यावनालसर ॥ कोहवृक्ष । समुद्रफल । जोहुरली केचित्भाषा ।
नदीजा, स्त्री० अग्निमन्थवृक्ष ॥ अरणी ।
नदीनिष्पाव, पु० धान्यभेद ॥
नदीवट, पु० बटीवृक्ष ॥ नदीवड़ ।
नदीसर्ज, पु० अर्जुनवृक्ष ॥ कोहवृक्ष ।
नदेयी, स्त्री०भूमिजम्बु ॥ छोटीजामुन ॥
नद्याम्र, पु० समष्ठीलवृक्ष ॥ कोकुआवृक्ष ।
नन्दाकि, स्त्री० पिप्पली ॥ पीपल ।
नन्दगोपिता, स्त्री० रास्ना ॥ रायसन ।
नन्दनज, न० हरिचन्दन ॥ हरिचन्दन ।
नन्दिक, पु० नन्दीवृक्ष ॥ तुनवृक्ष ।
नन्दितरु, पु० धववृक्ष ॥ धोंवृक्ष ।
नन्दिनी, स्त्री० रेणुका जटामांसी ॥ रेणुकासुगन्धिद्रव्य । वालछड़जटामासी ।
नंदिवृक्ष, पु० नन्दीवृक्ष ॥ तुनवृक्ष ॥
नन्दी [न्] पु० गर्दभाण्डवृक्ष । वटवृक्ष ॥ पारसपीपल । बड़कापेड ।
नन्दीवृक्ष, पु० सुगन्धिवृक्ष विशेष । अश्वत्थसदृश स्वनामख्यात क्षीरीवृक्ष । मेषशृङ्गीवृक्ष ॥ तून । तुनवृक्ष । वेलियापीपरवृक्ष । मेढाशिङ्गी ।
नन्द्यावर्त्त, पु० तगरद्रुम ॥ तगरकापेड ।
नभः [स्] न. अभ्रक ॥ अभ्रक ।

नमस्कार, पु० विषभेद ॥ एकप्रकारका हालहल, वा जहर ।
नमस्कारी, स्त्री० खदिरिका । लज्जालु । वराहक्रान्ता ॥ खैरीशाक वङ्गभाषा । छुई । हिंदि । मुई-वराहक्रान्ता साधारणभाषा ।
नमेरु, पु० रुद्राक्ष । सुरपुन्नाग ॥ रुद्राक्षकापेड़ा पुन्नागभेद ।
नम्रक, पु० वेतस ॥ वेंत ।
नयनौषध, न० पुष्पकासीस ॥ पीलाकसीस ।
नर, न० सौगंधिकतृण ॥ गंधेलघास ।
नरङ्ग, पु० नागरङ्गवृक्ष ॥ नारङ्गीकापेड ।
नरप्रिय, पु० नीलवृक्ष ॥ नीलकापेड ।
नरसार, पु० श्वेतवर्ण वणिग्द्रव्यविशेष॥ नौसादर ।
नरेन्द्रद्रुम, पु० श्योनाकवृक्ष ॥ सोनापाठा ।
नर्त्तक, पु० पोटगल ॥ नरसल ।
नर्त्तकी, स्त्री० नलिकानामकसुगन्धद्रव्यविशेष॥नली
नर्म्मदा, स्त्री० स्पृक्का ॥ असवरग ।
नल, न० पद्म ॥ कमल ।
नल, पु० स्वनामख्याततृणविशेष ॥ नरसल । नल ।
नलक, न० नलकास्थि, शाखास्थि ॥ नलेकीहड्डी ।
नलकिनी, पु० जङ्घा ॥ जाङ्घा ॥
नलकी, पु० जानु ॥ पाँवकाघुटना ।
नलद, न० उशीर। मांसी । पुष्परस । लामज्जकतृण॥ खस । जटामांसी । फूलकामधु । लामज्जकघास।
नलदम्बु, पु० निम्बवृक्ष ॥ नीमकापेड ।
नलदा, स्त्री० जटामांसी ॥ वालछड, जटामांसी ।
नलिका, स्त्री० प्रवालाकृति सुगंधिद्रव्यभेद । नली ।
नलित, पु० शाकविशेष ॥ नाडीकाशाक ।
नलिन, न० पद्म । नीलिका । जल ॥ कमल । नीम । जल ।
नलिन, पु० पानीयामलकी ॥ पानीआमला।
नलिनी, स्त्री० पद्मलता । पद्म । नलिका । नारिकेलसुरा ॥ पद्मसमूह, कमलनी । कमल । नली । नारियलकी मदिरा ।
नलिनीरुह, न० मृणाल ॥ कमलकीनाल ।
नली, स्त्री० मनःशिला । नलिका ॥ मनशिल, मैनशिल । नली ।
नलोत्तम, पु० देवनल ॥ बड़ानरसल ।
नल्वण, पु० द्रोणपरिमाण ॥ ३२ सेर ।
नल्ववर्त्मगा, स्त्री० काकाङ्गी ॥ काकजङ्घावृक्ष ।
नव, पु० रक्तपुनर्नवा॥ सॉंठ, गदहपूना । गदरसट ।
नवदल, न० पद्मस्यकेशरसमीपस्थदल ॥ कमलकेनवीनपत्ते ।

नवनी, स्त्री० नवनीत ॥ नौघी ।
नवनीत, न० दुग्धभवद्रव्य ॥ नैधी । मक्खन ।
नवनीतक, न० घृत ॥ घी ।
नवमल्लिका, स्त्री० नवमालिका ॥ नेवारी ।
नवमालिका, स्त्री० स्वनामख्यातपुष्पा ॥ नेवारी ।
नवरत्न, न० नवप्रकाररत्न-विशेष ॥ मुक्ता । १ माणिक्य २ वैदूर्य ३ गोमेद ४ हीरक ५ विद्रुम ६ पद्मराग ७ मरकत ८ नीलकान्त ९ यह नवरत्न हैं ।
नववल्लभ, पु० दाहागुरु ॥ दाहअगर ।
नवाङ्गा, स्त्री० कर्कटशृङ्गी ॥ काकड़ाशिङ्गी ।
नवोद्धृत, न० नवनीत ॥ नैनीघी ।
नव्य, पु० रक्तपुर्नवा ॥ गदहपूर्ना ।
नस्य, न० नासिकादेय चूर्णादि ॥ नासलेना ।
नहुषाख्य, न० तगरपुष्प ॥ तगर ।
नक्षत्र, न० मुक्ता ॥ मोती ।
नक्षत्रकान्तिविस्तार, पु० धवलयावनाल ॥ सफैदजुआर ।
नक्षत्रेश पु० कर्पूर ॥ कपूर ।
नाकु, पु० वल्मीक ॥ कीडोंकी बनाईहुई मिट्टीवा-दीमक ।
नाकुली, स्त्री० कुकुटिकन्द । रास्ना । चविका । यवतिक्ता । श्वेतकण्टकारी । नाकुलीकन्द । कन्द-विशेष ॥ सैमरका मूसली । रायसन । चव्य । यवेची । सफेदकटेहरी । नकुलकन्द । नाई ।
नाग, पु० न० रङ्ग । सीसक ॥ राङ्ग । सीसा ।
नाग, पु० नागकेशर । पुन्नाग । मुस्तक । ताम्बूली ॥ नागकेशर । पुन्नागका वृक्ष । मोथा औषधी । पान ।
नागकन्द, पु० हस्तिकन्द ॥ हस्तिकन्द ।
नागकर्ण, पु० रक्तैरण्डवृक्ष ॥ लालअण्डकापेड़ । इसको योगिया अण्डभी कहतेहैं ।
नागकिञ्जल्क, न० नागकेशरपुष्प ॥ नागकेशर ।
नागकुमारिका, स्त्री० गुडूची । मञ्जिष्ठा । गिलोय । मजीठ ।
नागकेशर, पु० नागकेशरपुष्पवृक्ष ॥ नागकेशरकापेड़ ।
नागकेसर, पु० पुष्पवृक्ष-विशेष ॥ नागकेशर ।
नागगन्धा, स्त्री० नाकुलीकन्द ॥ नकुलकन्द । नाई ।
नागगर्भ, न० सिन्दूर ॥ सिन्दूर ।
नागच्छत्रा, स्त्री० नागदन्ती ॥ हाथीशुण्डवृक्ष ।
नागज, न० सिन्दूर । रङ्ग ॥ सिन्दूर । राङ्ग ।
नागजिह्वा, स्त्री० शारिवा ॥ सरिवन, सालसा ।
नागजिह्विका, स्त्री० मनःशिला ॥ मनशिल, मैनशिल ।
नागजीवन, न० रङ्ग ॥ राङ्ग ।
नागदन्तिका, स्त्री० वृश्चिकाली ॥ रामदूती ॥ वृश्चिकाली । रामदूती । तुलसी ।
नागदन्ती, स्त्री० श्रीहस्तिनीक्षुप ॥ हाथीशुण्डावृक्ष ।
नागदमनी, स्त्री० क्षुद्रक्षुप-विशेष ॥ नागदौन ।
नागदलोपम, न० परूषफल ॥ फालसा ।
नागद्रु, पु० स्नुहीवृक्ष ॥ सेहुण्डवृक्ष ।
नागपत्रा, स्त्री० नागदमनी पर्ण ॥ नागदौन । पान ।
नागपत्री, स्त्री० लक्ष्मणानामकन्द ॥ लक्ष्मणाकन्द ।
नागपर्णी, स्त्री० पर्ण ॥ पान ।
नागपुष्प, पु० पुन्नागवृक्ष । नागकेशर । चम्पक ॥ पुन्नागकापेड़ । नागकेशरफूल । चम्पावृक्ष ।
नागपुष्पफला, स्त्री० कुष्माण्डी ॥ पेठा ।
नागपुष्पिका, स्त्री० स्वर्णयूथी ॥ पीलीजुही ।
नागपुष्पी, स्त्री० नागदमनी वृक्ष-विशेष ॥ नागदौन । नागपुष्पी ।
नागफल, न० पटोल ॥ परवल ।
नागफेन, न० अहिफेन ॥ अफीम ।
नागबन्धु, पु० अश्वत्थवृक्ष ॥ पीपलकापेड़ ।
नागबला, स्त्री० बलाभेद ॥ गुलसकरी, गंगेरन ।
नागमाता [ऋ] स्त्री० मनःशिला ॥ मैनशिल, मनशिल ।
नागमार, पु० केशराज ॥ कुकरभाङ्गरा ।
नागर, न० शुण्ठी । मुस्ता ॥ सोंठ । मोथा ।
नागर, पु० नागरङ्ग ॥ नारङ्गी ।
नागरक्त, न० सिन्दूर ॥ सिन्दूर ।
नागरघन, पु० नागरमुस्ता ॥ नागरमोथा ।
नागरङ्ग, पु० वृक्ष-विशेष ॥ नारङ्गी, नवरङ्गीकापेड़
नागरमुस्ता, स्त्री० मुस्ताप्रभेद ॥ नागरमोथा ।
नागराह्व, न० शुण्ठी ॥ सोंठ ।
नागरी, स्त्री० स्नुही ॥ थूहरकापेड ।
नागरूक, पु० नागरङ्ग ॥ नारङ्गीवृक्ष ।
नागरेणु, पु० सिन्दूर ॥ सिन्दूर ।
नागवल्लरी, स्त्री० नागवल्ली ॥ पान ।
नागवल्लिका स्त्री० ऐ ।
नागवल्ली, स्त्री० ऐ ।
नागशुण्डी, स्त्री० डङ्गरिफल ॥ डङ्गरी ।
नागसम्भव, न० सिन्दूर ॥ सिन्दूर ।
नागसुगन्धा, स्त्री० सर्पसुगन्धा ॥ रासना, रायसन ।

नागस्तोकक, न० वत्सनाभ ॥ वच्छनाभविष ।
नागस्फोता, स्त्री० दन्ती । नागदन्तीवृक्ष ॥ दन्तीकावृक्ष । नागदन्ती अर्थात्-हाथीशूँडवृक्ष ।
नागहनु, पु० नखनामकगन्धद्रव्य ॥ नखी ।
नागहन्त्री, स्त्री० वन्ध्याकर्कोटकी ॥ बाँझखखसा, वनककोड़ा ।
नागाख्य, पु० नागकेशर ॥ नागकेशर ।
नागाराति पु० वन्ध्याकर्कोटकी ॥ वनककोड़ा ।
नागालाबू स्त्री० कुम्भतुम्बी ॥ गोलतुम्बी ।
नागाह्वा, स्त्री० लक्ष्मणाकन्द ॥ लक्ष्मणाकन्द ।
नाटाम्र, पु० चेलान ॥ तरबूज ।
नाड़िक, न० कालशाक ॥ नाडीकाशाक ।
नाड़िकेल, पु० नारिकेल ॥ नारियल ।
नाड़िपत्र, न० नाडिच ॥ नाड़ीकाशाक ।
नाड़ी, स्त्री० धमनी । गंडदूर्वा । वंशपत्री ॥ नाडी । गाँडरदुव । वंशपत्री ।
नाडीक, पु० शाक-विशेष पट्टशाक ॥ नाडीका शाक, नरिचाशाक, कालशाक । पटुआशाक ।
नाड़ीकलापक न० सर्पाक्षीवृक्ष ॥ सर्पाक्षी, सरहटी, गंडिनी, सरफोका ।
नाड़ीकेल, पु० नारिकेल ॥ नारियल ।
नाड़ीच, पु० शाक-विशेष ॥ नाडीकाशाक ।
नाड़ीतिक्त, पु० नेपालनिम्बा ॥ नेपालदेशकानीम वा । चिरायता ।
नाड़ीव्रण, पु० क्षत-विशेष ॥ नासूर ।
नाड़ीशाक, पु० नाडीकशाक ॥ पटुआशाक ।
नाड़ीहिङ्गु, न० हिङ्गुभेद ॥ कलः,पतिहीङ्ग, देशान्तरीयभाषा ।
नादेय, न० सैन्धवलवण । सौवीरञ्जन ॥ सैंधानोन। श्वेतशुर्म्मा ।
नादेय, पु० काशतृण । वानीरवृक्ष ॥ काँस । जलवैत ।
नादेयी, स्त्री० अम्बुवेतस । भूमिजम्बुका । वैजयन्तिका । नागरङ्ग । जवापुष्पवृक्ष । अग्निमन्थवृक्ष। काकजम्बू ॥ जलवैंत । छोटीजामुन।जयन्तीवृक्ष। नारङ्गीकापेड़ । ओड़हुल, गुड़हर । अगेथुवा अरणीवृक्ष । एकप्रकारकी जामुन ।
नानाकन्द, पु० पिण्डालु ॥ पिड़ालु ।
नाभि, पु० स्त्री० प्राण्यङ्ग-विशेष ॥ नाभि, टूँडी ।
नाभि, स्त्री० मृगनाभि ॥ कस्तूरी ।
नाभिकण्टक, पु० आवर्त्त ॥ स्फीतनाभि ।
नाभिका, स्त्री० कटभीवृक्ष ॥ कटभीवृक्ष ।
नाभिगुड़क, **नाभिगोलक**, पु० स्फीतनाभि ॥
नाभिनाला, स्त्री० नाभिसम्बन्धिनीनाड़ी ॥
नारङ्ग, न० गर्जर ॥ गाजर ।
नारङ्ग, पु० पिप्पलीरस । स्वनामख्यातफलवृक्ष-विशेष ॥ पीपलकारस । नारङ्गीकापेड़ ।
नाराची, स्त्री० एषणी ॥ एकप्रकारकी तराजु ।
नारायणी, स्त्री० शतमूली ॥ शतावर ।
नारिकेर, पु० नारिकेल ॥ नारियलकापेड़ ।
नारिकेल, पु० स्वनामख्यातफलवृक्ष ॥ नारियलकावृक्ष ।
नारिकेल, पु० ऐ ।
नारिकेली, स्त्री० ऐ ।
नारीच, न० शाक-विशेष ॥ नाडीकाशाक ।
नारीष्टा, स्त्री० मल्लिका ॥ वेलाकावृक्ष ।
नार्य्यङ्ग, पु० नागरङ्ग ॥ नारङ्गीकावृक्ष ।
नार्य्यतिक्त, पु० चिरतिक्त ॥ चिरायता ।
नाल, न० उत्पलादिदण्ड । हरिताल ॥ कमलइत्यादिकोंकी नाल । हरताल ।
नाल, पु० नल ॥ नरसल ।
नालवंश, पु० नल ॥ नल, नरसल ।
नालिक, न० पद्म ॥ कमल ।
नालिका, नालिताशाक। चर्म्मकषा ॥ ॥नाडीकाशाक । सातला ।
नालिकेर, पु० नारिकेल ॥ नारियलकावृक्ष ।
नालिता, स्त्री० तिक्तपट्टशाक ॥ नाडीकाशाक ।
नाली, स्त्री० पद्म ॥ कमल ।
नालीव्रण, पु० नाडीव्रण ॥ नासूररोग ।
नासा, स्त्री० नासिका । वासकवृक्ष॥ नाक । अडूसा।
नासारोग, पु० नासिकाव्याधि ॥ नाकरोग ।
नासालु, पु० कट्फलवृक्ष ॥ कायफल ।
नासासंवेदन, पु० कांडीरलता ॥ काण्डवेल ।
नास्तिद, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमकापेड ।
निःशल्या, स्त्री० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष ।
निःशूक, पु० मुण्डशालि ॥ मूडेशालिधान ।
निःश्रेणी, स्त्री० खर्जूरीवृक्ष ॥ खजूरकापेड ।
निःश्रेणिका,स्त्री० कोकणदेशे निःश्रेणीनामख्याततृण-विशेष ॥ निश्रेणीतृण ।
निःसार, पु० शाखोटवृक्ष । श्योनाकवृक्षभेद ॥ सहोरावृक्ष । सोनापाठा ।
निःसारा, स्त्री० कदलीवृक्ष ॥ केलेकापेड ।
निःस्नेहा, स्त्री० अतसी ॥ अलसी ।
निकुञ्चक, पु० वानीरवृक्ष ॥ जलवैत । १ पलपरिमाण ।
निकुञ्चिकाम्ला, स्त्री० कुञ्चिकावृक्षप्रभेद ॥ कुञ्चिका ।

निकुम्भ, पु० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष ।
निकुम्भाख्यबीज, न० जयपाल ॥ जमालगोटा ।
निकुम्भी, स्त्री० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष ।
निकेतन, पु० पलाण्डु ॥ प्याज ।
निकोचक, पु० अङ्कोठवृक्ष ॥ ढेरावृक्ष ।
निकोठक, पु० ऐ ।
निगूढ, पु० वनमुद्ग ॥ मोठ ।
निग्रह, पु० चिकित्सा ॥ रोगदमन ।
निघण्टिका, स्त्री० गुलश्वकन्द ॥ एकप्रकारका कन्द ।
निचुल,पु०हिज्जलवृक्ष । वेतसवृक्ष॥समुद्रफल। वेंत ।
निण्डिका, स्त्री० कलाय-विशेष ॥ मटर ।
नितम्ब, पु० कटिपश्चाद्भाग ॥ नितम्ब, चूतड़ ।
निद, न० विष ॥ हालाहल ।
निदान, न० रोगकारण ॥ रोगकानिर्णय ।
निदिग्धा, स्त्री० एला ॥ इलायची ।
निदिग्धिका, स्त्री० कण्टकारिका । एला ॥ कटेरी। इलायची ।
निद्रालु, स्त्री० वार्त्ताकी । वनवर्धरिका । नलिका ॥ वैंगन । वनतुलसी । नली ।
निद्रासंजनन, न० श्लेष्मा कफ ।
निधि, पु० नलिकानामकगन्धद्रव्य । जीवकौषधी ॥ नली । जीवक ।
निप, पु० कदम्बवृक्ष ॥ कदमकापेड ।
निफला, स्त्री० ज्योतिष्मती ॥ मालकाङ्गनी ।
निफेन, न० अहिफेन ॥ अफीम ।
निबन्ध, पु० निम्बवृक्ष । आनाहरोग ॥ नीमकापेड़। अनाहरोग ।
निम्ब, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ नीमकापेड़ ।
निम्बक, पु० ऐ ।
निम्बतरु, पु० मन्दारतरु ॥ मन्दारवृक्ष ।
निम्बबीज, पु० राजादनीवृक्ष ॥ खिरनीवृक्ष ।
निम्बूक, पु० वृक्ष-विशेष ॥ नीबु, कागजी नीबु ।
निरस्ना, स्त्री० निःश्रेणिकातृण ॥ निश्रेणीतृण ।
निरामालु, पु० कपित्थ ॥ कैथकावृक्ष ।
निरालम्ब, न० आकाशमांसी ॥ जटामांसीभेद ।
निरुद्धप्रकाश, पु० मेढ्जातक्षुद्ररोग-विशेष ॥ एकप्रकारकाक्षुद्ररोग ।
निर्गन्धपुष्पी, स्त्री० शाल्मलीवृक्ष ॥ सेमरकापेड ।
निर्गुण्डी, स्त्री० निर्गुण्डी ॥ निर्गुण्डी, मेउडी ।
निर्गुण्डी, स्त्री० नीलसिन्दुवारवृक्ष । शेफालिका-पुष्पवृक्ष ॥ सह्मालु, निर्गुण्डी, सेदुआरि ।
निर्जरसर्षप, पु० देवसर्षपवृक्ष ॥ निर्जरसर्सो ।
निर्जरा, स्त्री० गुडूची । तालपर्णी ॥ गिलोय । तालपर्णी ।
निर्दहन, पु० भल्लातक ॥ भिलावेकावृक्ष ।
निर्दहनी, स्त्री० मूर्वालता ॥ चुरनहार ।
निर्मध्या, स्त्री० नलिका ॥ नली ।
निर्मल, न० अभ्रक ॥ अभ्रक ।
निर्मलोपम, पु० स्फटिक ॥ फटिकमणि ।
निर्मल्या, स्त्री० स्पृक्का ॥ असवरग ।
निर्मोक, पु० सर्पकञ्चुक । विष ॥ साँपकीकैचली । विष ।
निर्यास, पु० कषाय । क्काथ । वृक्षादिक्षीर ॥ कषायरस । काढा । गोंद ।
निर्यूस, पु० निर्य्यास ॥ गोंद ।
निर्यूह, पु० निर्य्यास ॥ गोंद ।
निर्यूह, पु० क्काथ ॥ काढ़ा ।
निर्विषा, स्त्री० तृण-विशेष ॥ निर्विषीघास ।
निर्बीजा, स्त्री० काकोलीद्राक्षा ॥ किसमिस ।
निशा, स्त्री० हरिद्रा । दारुहरिद्रा ॥ हलदी । दारहलदी ।
निशाख्या, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
निशाचर, पु० चोरक ॥ भटेउर नेपालकीभाषा ।
निशाचरी, स्त्री० केशिनामगन्धद्रव्य ॥ केशिनी ।
निशाजल, न० हिम ॥ वरक । ओस ।
निशाटक, गुग्गुलु ॥ गूगल ।
निशान्धा, स्त्री० जतुकालता ॥ मालवेप्रसिद्धजनीनामवालीलता ।
निशापति, पु० कर्पूर ॥ कपूर ।
निशापुष्प, न० उत्पल ॥ कमोदनी ।
निशाहस, पु० ऐ ।
निशाह्वा, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
निशित, न० लौह ॥ लोहा ।
निशिपुष्पा, स्त्री० शेफालिका ॥ निर्गुण्डीभेद ।
निशिपुष्पिका, स्त्री० ऐ ।
निशिपुष्पी, स्त्री० ऐ ।
निश्चला, स्त्री० शालपर्णी ॥ शालवन ।
निश्चारक, पु० पुरीषक्षय ॥ प्रवाहिकारोग ।
निषण्णक, न० सुनिषण्णकशाक ॥ शिरिआरीशाक।
निष्क, पु० न० माषकचतुष्टय ॥ चार ४ मासे परिमाण ।
निष्कण्ठ, पु० वरुणवृक्ष ॥ वरना वृक्ष ।
निष्कुटि, स्त्री० एला ॥ इलायची ।
निःकुम्भ, पु० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष ।
निष्ठीवन, न० मुखद्वारा श्लेष्मादिवमन ॥ थूकना ।

निष्पत्रिका, स्त्री० करीरवृक्ष ॥ करीलवृक्ष ।
निष्पाव, पु० राजमाष । शिम्बी । श्वेतशिम्बी । राजशिम्बीबीज ॥ लोबिया । सेम । सफेद सेम । भटवासु, राजसिम्बीके बीज हैं ।
निष्पावक, पु० श्वेतशिम्बी ॥ सफेदसेम ।
निष्पावी, स्त्री० शिम्बी-विशेष ॥ बोरा, वरवटी वङ्गभाषा ।
निसिन्धु, पु० वृक्ष-विशेष ॥ सह्मालुवृक्ष ।
निसृता, स्त्री० त्रिवृता ॥ निसोथ ।
निस्तुषक्षीर, पु० गोधूम ॥ गेंहूं ।
निस्तुषरत्न, न० स्फटिक ॥ फटिकमणि ।
निस्त्रिंशपत्रिका, स्त्री० स्नुहीवृक्ष ॥ सेंडकापेड़ ।
निस्त्रैणपुष्पिक, पु० राजधत्तूरवृक्ष ॥ राजधत्तूरावृक्ष ।
निस्नेहफला, स्त्री० श्वेतकण्टकारी ॥ कटेहरी ।
निस्पृहा, स्त्री० अग्निशिखावृक्ष ॥ कलिहारीवृक्ष ।
नीक, पु० वृक्ष-विशेष ।
नीच, पु० चोरनामकगन्धद्रव्य ॥ भटेउर ।
नीचभोज्य, पु० पलाण्डु ॥ प्याज ।
नीचवज्र, न० वैक्रान्तमणि ॥ वैक्रान्तमणि ।
नीप, पु० कदम्बवृक्ष । धाराकदम्ब । बन्धूकवृक्ष । नीलाशोक ॥ कदमकापेड । धाराकदमवृक्ष । क्षुपहरियाकावृक्ष । नीलवर्ण अशोकवृक्ष ।
नीर, न० वालनामौषध ॥ सुगंधवाला ।
नीरज, न० कुष्ठौषधि । पद्म । मुक्ता ॥ कूठ । कमल । मोती ।
नीरज, पु० उशीरी ॥ छोटेकाँस ।
नीरद, पु० मुस्तक ॥ मोथा ।
नीरस, पु० दाडिम ॥ अनार ।
नीरिन्दु, पु० अश्वशाखोटवृक्ष ॥ एकप्रकारसिहोरा वृक्ष ।
नीरुज, पु० कुष्ठौषधी ॥ कूठ ।
नील, न० नीली । काचलवण । तालीशपत्र । विष । सौवीराञ्जन । तुत्थ ॥ नीलकापेड । कचियानोन । तालीशपत्र । विष । सफेदशुर्म्मा । तूतिया ।
नील, पु० इन्द्रनीलमणि । नीलवृक्ष । वटवृक्ष ॥ पन्ना । नीलम् फार्सी भाषा । नीलकापेड । वडकापेड़ ।
नीलक, न० काचलवण ॥ कचियानोन ।
नीलक, पु० असनवृक्ष ॥ विजयसार ।
नीलकण्ठ, न० मूलक ॥ मूली ।
नीलकण्ठशिखा, स्त्री० मयूरशिखा ॥ मोरशिखा ।
नीलकण्ठाक्ष, न० रुद्राक्ष ॥ रुद्राक्ष ।
नीलकन्द, पु० महिषकन्दभेद ॥ भैसाकन्दभेद ।
नीलकमल, न० नीलवर्ण पद्म ॥ नीलेकमल ।
नीलकुरण्टक, पु० नीलझिण्टी ॥ नीलीकटसरैया ।
नीलक्रान्ता, स्त्री० विष्णुक्रान्ता ॥ नीलीकोयल ।
नीलचर्म्म [न्] न० परूषक ॥ फालसा ।
नीलज, न० वर्त्तलौह ॥ एकप्रकारका लोहा ।
नीलझिण्टी, स्त्री० नीलवर्ण झिण्टीपुष्पवृक्ष ॥ नीलीकटसरैया ।
नीलतरु, पु० नारिकेल ॥ नारियलकापेड ।
नीलताल, पु० हिन्ताल । तमाल ॥ एकप्रकारकाताड़ । श्यामतमाल ।
नीलदूर्वा, स्त्री० हरितदूर्वा ॥ हरी दूब ।
नीलध्वज, पु० तमालवृक्ष ॥ श्यामतमाल ।
नीलनिर्गुण्डी, स्त्री० नीलसिन्धुवारवृक्ष ॥ नीलवर्ण सह्मालु ।
नीलनिर्य्यासक, पु० नीलासनवृक्ष ॥ विजयसारभेद ।
नीलपत्र, न० इन्दीवर ॥ नीलेकमल ।
नीलपत्र, पु० गुण्डतृण । अश्मन्तकवृक्ष । नीलासनवृक्ष । दाडिम ॥ गुण्डतृण-इनका कन्द कशेरु है । आपटा पश्चिमदेशीयभाषा । विजयसारभेद । अनार ।
नीलपत्रिका, स्त्री० नीलीवृक्ष ॥ नीलकापेड ।
नीलपद्म, न० नीलकमल ॥ नीलवर्ण कमल ।
नीलपुनर्नवा, स्त्री० कृष्णवर्ण पुनर्नवा ॥ नीली । साँठ ।
नीलपुष्प, न० ग्रन्थिपर्ण ॥ गठिवन ।
नीलपुष्प, पु० नीलवर्ण भृङ्गराज । नीलाम्लान ॥ नीला भङ्गरा । कालाकोराठा मराठीभाषा ।
नीलपुष्पा, स्त्री० विष्णुक्रान्ता ॥ नीलवर्णकोयल ।
नीलपुष्पिका, स्त्री० अतसी । नीली ॥ अलसीकापेड़ । नीलकापेड ।
नीलपुष्पी, स्त्री० नीलवुह्ना । नीलापराजिता । कालावौना । नीलीकोयल ।
नीलफला, स्त्री० जम्बू । वार्त्ताकु ॥ जामुन । वैंगन ।
नीलभृङ्गराज, पु० नीलवर्णभृङ्गराज ॥ नीला ॥ भङ्गरा ।
नीलमणि, पु० स्वनामख्यातमणि ॥ नीलम् पारस्यभाषा ।
नीलमाष, पु० राजमाष ॥ लोबिया ।
नीलमृत्तिका, स्त्री० पुष्पकासीस । कृष्णवर्णमृत्तिका ॥ पुष्पकसीस । कालीमट्टी ।
नीललोह, न० वर्त्तलोह ॥ एकप्रकारकालोहा ।

नीललोहिता, स्त्री० भूमिजम्बू ॥ एकप्रकारकी छोटीजामुन ।
नीलवर्ण, न० रसाञ्जन ॥ रसोत ।
नीलवल्ली, स्त्री० वन्दा ॥ वाँदा ।
नीलवर्षाभू, स्त्री० नीलपुनर्नवा ॥ नीलीसाँठ ।
नीलवुह्रा, स्त्री० नीलवृश्ना ॥ नीलवर्णवोना वङ्गभाषा ।
नीलवृन्तक, न० तूल ॥ रूई ।
नीलवृषा, स्त्री० वार्त्ताकी ॥ वैंगन ।
नीलवृक्ष, पु० वृक्षभेद । नीलवृक्ष ।
नीलशिग्रु, पु० शोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैंजिनेकापेड ।
नीलसार, न० तिन्दुकवृक्ष ॥ तैंदुवृक्ष ।
नीलसिन्दुवार, पु० कृष्णवर्णसिन्दुवार ॥ नीलनिर्गुण्डी ।
नीला, स्त्री० नीलपुनर्नवा । कुब्जकवृक्ष । नीली । लाक्षा ॥ नीलीसाँठ । कूजावृक्ष । नीलकापेड । लाख ।
नीलाञ्जन, न० सौवीराञ्जन । तुत्थ ॥ शुक्लशुर्मा । तूतिया ।
नीलाञ्जनी, स्त्री० कालाञ्जनीक्षुप ॥ कालीकपास ।
नीलापराजिता, स्त्री० नीलवर्ण अपराजितालता ॥ नीलीकोयल ।
नीलाब्ज, न० नीलोत्पल ॥ नीलकमल । नीलकुमुद । नीलोकर यवनिकाभाषा ।
नीलाम्बर, न० तालीसपत्र ॥ तालीशपत्र ।
नीलाम्बुजन्म [न्], न० नीलोत्पल ॥ नील कमल ।
नीलाम्लान, पु० पुष्पवृक्ष-विशेष ॥ कालाकोराठा-मराठीभाषा ।
नीलाम्ली, स्त्री० क्षुप-विशेष ॥ नल्लुडुगुडु देशान्तरीय भाषा ।
नीलालु, पु० कन्द-विशेष ॥ कृष्णवर्णआलु ।
नीलाश्मा [न्], पु० नीलमणि ॥ नीलम् पारस्यभाषा ।
नीलासन, पु० असनवृक्ष-विशेष ॥ विजयसारभेद ।
नीलिका, स्त्री० नीलसिन्दुवारवृक्ष । नीलिनी । शेफालिका । नेत्ररोग-वि० । क्षुद्ररोग-वि० ॥ नीलवर्णसह्मालुवृक्ष । नीलकावृक्ष । निर्गुण्डीभेद । एकप्रकारनेत्ररोग । क्षुद्ररोग ।
नीलिनी, स्त्री० नीलीवृक्ष ॥ नीलकापेड ।
नीली, स्त्री० वृक्षभेद ॥ नीलकापेड । लीलकापेड
नीलोत्पल, न० नीलवर्णउत्पल ॥ नीलकमल ।
नीवार, पु० तृणधान्य ॥ नीवारधान ।
नीहार, न० तुषार ॥ पाला, बरफ ।
नूद, पु० ब्रह्मदारुवृक्ष ॥ सहतूतकापेड ।
नृपकन्द, पु० राजपलाण्डु ॥ लालप्याज ।
नृपद्रुम, पु० आरग्वधवृक्ष । राजादनीवृक्ष ॥ अमलतास । खिरनीवृक्ष ।
नृपप्रिय, पु० वेष्टवंश । राजपलाण्डु । रामशर । शालिधान्य । आम्र ॥ वेड़वाँस । राजपलाण्डु । लालप्याज । रामशर, रामबाण । शालिधान । आम ।
नृपप्रियफला, स्त्री० वार्ताकी ॥ वगुन ।
नृपप्रिया, स्त्री० केतकी । राजखर्जूरी । केतकीपुष्पवृक्ष । पिण्डखजूर ।
नृपबदर, पु० राजबदरवृक्ष ॥ राजबेर ।
नृपमाङ्गल्यक, न० आहुल्यवृक्ष ॥ तरवट काश्मीर देशीयभाषा ।
नृपवल्लभ, पु० राजाम्र ॥ राजआमवृक्ष ।
नृपवल्लभा, स्त्री० केविकापुष्प ॥ केवराफूल ।
नृपात्मजा, स्त्री० कटुतुम्बी ॥ कडवीतोम्बी ।
नृपान्न, न० राजान्ननामकधान्य ॥ राजभोगधान ।
नृपामय, पु० राजयक्ष्मा ॥ राजयक्ष्मरोग ।
नृपाह्वय, पु० राजपलाण्डु ॥ लालप्याज ।
नृपोचित, पु० राजमाष ॥ लोबिया ।
नेता [ऋ], पु० निम्बवृक्ष ॥ नीमकापेड ।
नेत्र, न० बस्तिशलाका ॥ पिसाबबाहिरकरनेकी सलाई ।
नेत्रपुष्करा, स्त्री० रुद्रजटा ॥ शंकरजटा ।
नेत्रमीला, स्त्री० यवतिक्तालता ॥ यवेची ।
नेत्ररोग, पु० नेत्रोत्पन्न विविधरोग ॥ चक्षुमेंउत्पन्नभयेअनेक प्रकारकेरोग ।
नेत्ररोगहा, [न्], पु० वृश्चिकालीवृक्ष ॥ विछुटी वङ्गभाषा ।
नेत्रारि, पु० सेहुण्डवृक्ष ॥ थूहरकापेड ।
नेत्रोपफल, पु० वातादवृक्ष ॥ वादाम ।
नेत्रौषध, न० पुष्पकासीस ॥ पुष्पकसीस ।
नेत्रौषधी, स्त्री० अजशृङ्गी ॥ मेढाशिङ्गी ।
नेदिष्ठ, पु० अङ्कोटवृक्ष । ढेरावृक्ष ।
नेपालनिम्ब, पु० नेपालदेशोद्भवनिम्ब ॥ नेपालदेशका नीम ।
नेपालिका, स्त्री० मनःशिला ॥ मनशिल ।
नेमि, पु० तिनिशवृक्ष ॥ तिरिच्छवृक्ष ।
नेमी [न्], पु० ऐ ।
नैपाल, पु० नेपालनिम्ब ॥ नेपालदेशकानीम ।
नैपालिक, न० ताम्र ॥ तांबा ।

नैपाली, स्त्री० नवमल्लिका, । मनःशिला । शेफालिका । नीली ॥ नेवारी । मैनशिल, मनशिल निर्गुण्डीभेद । नीलकापेड ।
नैयग्रोध, न० न्यग्रोधफल ॥ वडकाफल ।
न्यग्रोध, पु० वटवृक्ष । शमीवृक्ष । विषपर्णी। वडकापेड । छोंकरवृक्ष । मोहनाख्यऔषधी ।
न्यग्रोधा, स्त्री० न्यग्रोधी ॥ मूसाकानी ।
न्यग्रोधादिगण, पु० द्रव्यसमूह-विशेष । यथा । न्यग्रोधोदुम्बराश्वत्थप्लक्षमधूककपीतनककुभाम्रकोषाम्रचोरकपत्रजम्बूद्वयपियालमधूकरोहिणीवञ्जुलकदम्बबदरीतिन्दुकीशल्लकीरोध्रसावररोध्रभल्लातकपलाशानन्दीवृक्षश्चेति ॥ बड, गूलर, पीपल, पाखर, महूआ, पारिसपीपल, अर्जुनवृक्ष, आमकावृक्ष, कोशम, दोजामुन, चिरोंजीकावृक्ष, मधूक, मांसरोहिणी, बैत, कदम, बेर, तेंदु, शालई, लोध, सावरलोध, भिलवेकापेडं, पलाश, ढाक । नन्दी-वेलियापील ।
न्यग्रोधी, स्त्री० उपचित्रा ॥ मूसाकानी ।
न्यङ्कुभूरुह, पु० श्योनाकवृक्ष ॥ अरलु, टेंटु, शोनापाठा ।
न्यच्छ, न० क्षुद्ररोग-विशेष ॥
न्युब्ज, न० कर्म्मरङ्गफल ॥ कमरख ।
न्युब्ज, पु० कुश । कुशा ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृतेशालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधानेनकाराक्षरेविंशस्तरङ्गः ॥ २० ॥

प

पक्तपौड, पु० वृक्ष-विशेष ॥ पखौंडा ।
पक्तिशूल, न० परिणामशूल ।
पक्वकृत्, पु० निम्बवृक्ष ॥ नीमका पेड ।
पक्वरस, पु० मद्य ॥ मदिरा ।
पक्ववारि, न० काञ्जिक ॥ काँजि ।
पक्वाशय, पु० नाभिअधःस्थ अन्तर्भाग ॥ पक्वाशय ।

पङ्कज,
पङ्कजन्म [न्],
पङ्करुद् [ह्],
पङ्करुह,
} न० पद्म ॥ कमल ।

पङ्कशुक्ति, स्त्री० दुर्नामा ॥ शुक्ति, सींप ।
पङ्कसूरण, पु० शालूक ॥ भसींड, कमलकन्द ।
पङ्कार, पु० शेवाल । जलकुब्जक ॥ सिवार। काई।
पङ्कज, न० पद्म ॥ कमल ।
पङ्केरुह, न० ए ।

पङ्क्तिबीज, पु० बब्बूरवृक्ष ॥ बबूरका पेड ।
पङ्गुलयहारिणी, स्त्री० शिम्बीक्षुप ॥ चङ्गोनी ।
पचत्पुट, पु० सूर्य्यमणिवृक्ष ॥ सूर्य्यमणिपुष्पवृक्ष
पचनी, स्त्री० वनबीजपूरक ॥ वनबिजोरा अर्थात् विहारी नींबु ।
पचम्पचा, स्त्री० दारुहरिद्रा ॥ दारहलदी ।
पञ्चकर्म्म [न्], न० पञ्चविध शारीरिकचिकित्सा ॥ जैसे, वमन, विरेचन, नस्य, निरूह और अनुवासन ।
पञ्चकृत्य, पु० पक्तपौडवृक्ष ॥ पखौंडावृक्ष ।
पञ्चकोल, न० पिप्पलीपिप्पलीमूलचव्यचित्रकनागरैः ॥ पीपल १ पीपलामूल २ चव्य ३ चीता ४ सोंठ ५ ।
पञ्चगणयोग, पु० मिलितशालपर्णी, पृश्निपर्णी, बृहती, कण्टकारी, गोक्षुर ॥ शालवन, पिठवन, भटकैटया, कटेरी, गोखुरु ।
पञ्चगव्य, न० दधि, दुग्ध, घृत, गोमूत्र, गोमय ॥ दही, दूध, घी, गोमूत्र, गोबर ।
पञ्चगुप्तरसा, स्त्री० स्पृक्का ॥ असवरग ।
पञ्चतिक्त, न० निम्ब, गुडूची, वासक, पटोल, कण्टकारी ॥ नीम, गिलोय, अडूसा, परवल, कटेहरी ।
पञ्चतृण, न० कुश, काश, शर, कृष्णेक्षु, शाली ॥ कुशा, काँस, रामसर, कालीईख, धान ।
पञ्चनिम्ब, न० "निम्बवृक्षस्यत्वक्पत्रपुष्पफलमूलानि" ॥ नीमकीछाल १ नीमकेपत्ते २ नीमके फूल ३ नीमफल, निंबोली ४ नीमकीजड ५ ॥
पञ्चपर्णिका, स्त्री० गोरक्षीक्षुप ॥ मालवे प्रसिद्धा ।
पञ्चपल्लव, न० आम्रादिपत्रपञ्चकं । जैसे । "आम्रजम्बूकपित्थानां बीजपूरकबिल्वयोः" ॥आमके पत्ते, जामनके पत्ते, कैथके पत्ते, बिजोरेके पत्ते, बेलकेपत्ते ।
पञ्चपित्त, न० वराहच्छागमहिषमत्स्यमायूरपित्तकं ॥ सूकर १ बकरा २ भैंसा ३ मच्छ ४ मोर ५ यह पाँचजीवोंके पित्तहैं।
पञ्चमुखी, स्त्री० वासक । जवापुष्प-विशेष ॥ वाँसा । साँझी वृक्ष ।
पञ्चमूत्र, न० गो, छागी, मेषी, माहिषी, गर्द्दभी ॥ गाय १ बकरी २ भैंस ३ भेड़ ४ गधी ५ इनके यह पंचमूत्रहैं ।
पञ्चमूल, न० पाचन-विशेष ॥ श्योनाक, बिल्व, गम्भारी, पाटला, गणिकारिका, शोनापाठा, बेल, कम्भारी, पाड़र, अरणी, यहांतक बृहत्पंच-

कहै। शालपर्णी, पृश्निपर्णी, बृहती, कण्टकारी, गोक्षुर ॥ सालवन, पिठवन, छोटीकटेरी, बड़ीकटेरी और गोखुरु, यह लघु पंचमूलकहै। कुश, काश, शर, दर्भ, इक्षु ॥ कुशा, कांस, रामशर, डाभ, ईख।

पञ्चमूली, स्त्री० स्वल्पपञ्चमूल लघुपञ्चमूल।

पञ्चरत्न, न० "कनकं हीरकं नीलं पद्मरागश्चमौक्तिकम्"॥ सुवर्ण १ हीरा २ नीलकान्तमणि ३ पद्मराग ४ मोती ५।

पञ्चरसा, स्त्री० आमलकी ॥ आमला।

पञ्चरक्षक, पु० पक्तपौड़वृक्ष ॥ पखौंड़ावृक्ष।

पञ्चलवण, न० लवणपञ्चक। काचसैन्धवसामुद्रविट्सौवर्चललवणं ॥ कचियानोन, सेंधानोन, समुद्रनोन विरियासंचरनोन, कालानोन।

पञ्चलोह, न० सौराष्ट्रकलोह ॥ ताँबा १ पीतल २ राङ्ग, ३ सीसा ४ और लोह।५।

पञ्चलोहक, न० सुवर्ण, रजत, ताम्र, रङ्ग, सीसक ॥ सोना, रूपा, ताँबा, राङ्ग, सीसा।

पञ्चवल्कल, न० "न्यग्रोधोदुम्बराश्वत्थप्लक्षवेतस वल्कलैः" वड़, गूलर, पीपल, पाखर, वैंत इनकी छालको पञ्चवल्कल कहतेहैं।

पञ्चशूरण, पु० पञ्चप्रकारशूरण ॥ "अत्यम्लपर्णी काण्डीरमालाकन्दद्विसूरणौ" ॥ अत्यम्लपर्णी, कांडवेल, मालाकन्द, सूरन, सफेदसूरन।

पञ्चशैरीषक, न० शिरीषवृक्षस्य पुष्पमूलफल पत्रत्वचः ॥ शिरसवृक्षकेफूल, जड़, फल, पत्ते, छाल यह पाँचसिरसहैं।

पञ्चसिद्धौषधि, पु० पञ्चप्रकार औषधि-विशेष जैसै।

श्लोक। **तैलकन्दसुधाकन्द**
क्रोडकन्दरुदन्तिकाः।
सर्पनेत्रयुताः पञ्च
सिद्धौषधिकसंज्ञकाः॥

तैलकन्द, सालममिश्री, वाराहीकन्द, रुदन्ती, सर्पाक्षी-सरहटी। यह पांच सिद्धौषधि है।

पञ्चसुगन्धक, न० पञ्चप्रकारसुगन्धिद्रव्य।यथा।श्लोक।
कुसुमानि लवङ्गस्य, तथाकङ्कोलकागुरु।
जातीफलानि, कर्पूरमेतत्पञ्चसुगन्धकम्॥
अपिच-कर्पूरकक्कोललवङ्गपुष्प-
गुवाकजातीफलपञ्चकेन॥

लोंग १ शीतलचीनी २ अगर ३ जायफल ४ कपूर। अथवा। कपूर १ शीतलचीनी २ लोंग३ सुपारी४जायफल ऐसेभी पञ्च सुगन्ध द्रव्यहै।

पञ्चाङ्ग, न० एकवृक्षस्य त्वक्पत्रपुष्पमूलफलानी ॥ एक वृक्षकी छाल, पत्ते, फूल, जड़, फल इसको पञ्चांग कहतेहैं।

पञ्चाङ्गुल, पु० एरण्डवृक्ष ॥ अण्डकापेड़।

पञ्चाङ्गुली, स्त्री० तक्राह्वाक्षुप ॥

पञ्चामृतयोग, पु पञ्चप्रकारद्रव्य-विशेष ॥ यथा

श्लोक-**गुडूचीगोक्षुरं चैव,**
मुशली मुण्डिका तथा।
शतावरीति पञ्चानां
योगःपञ्चामृताभिधः॥

गिलोय, गोखुरु, मुसली, गोरखमुण्डी, शतावर ५ यह मिले हुवे पञ्चामृतयोग कहेजातेहैं।

पञ्चाम्ल, न० पञ्चप्रकाराम्लद्रव्य।

श्लोक-**कोलदाडिमवृक्षाम्लै-**
रम्लवेतससंयुतैः॥
चतुरम्लं च पञ्चाम्लं
मातुलुङ्गसमन्वितम्॥

बेर, अनार, विषाबिल, अम्लवैत, यह चार अम्ल द्रव्य कहलातेहैं और इनमें विजोरेको मिलानेसै पञ्चाम्ल कहलातेहैं।

पञ्चोपविष, न० पञ्चप्रकार उपविष। यथा स्नुह्यर्ककरवीराणि लाङ्गली विषमुष्टिका ॥ सेहुण्ड आकका पेड़, कनेर, कलिहारी और कुचिला यह पांच उपविषहैं।

पञ्जर, न० पु० कायास्थिवृन्द ॥ शरीरके सब हाड अर्थात् कङ्काल।

पञ्चल, पु० कोलकन्द ॥ सूकरकन्द।

पट, पु० पियाल वृक्ष ॥ चिरोंजीकापेड।

पटरक, पु० गुन्द्र वृक्ष ॥ पेटर।

पटल, न० नेत्ररोग-विशेष। दृष्टेरावरक ॥ एक प्रकारका नेत्ररोग। आँखक पर्दा।

पटि, स्त्री० कुम्भिकाद्रुम ॥ जलकुम्भी।

पटीर, न० मूलक। चन्दन।खादर॥ मूली। चन्दन। खैरकापेड़।

पटु, न० लवण। पांशु लवण ॥ नोन। पांशु नोन।

पटु, पु० पटोल। पटोलपत्र। काण्डीरलता। कारवेल्ल। चोरक ॥ परवल। परवलकेपत्त। काण्डबेला। करेला। भटेउर।

पटुक, पु० पटोल ॥ परवल।

पटुतृणक, न० लवण तृण ॥ लवण तृण।

पटुपत्रिका, स्त्री० क्षुद्रचञ्चुक्षुप ॥ छोटाचञ्चुवृक्ष।

पटुपर्णिका, स्त्री० क्षीरिणी वृक्ष ॥ एक प्रकारकी कटेहरी।

पटुपर्णी, स्त्री० स्वर्णक्षीरी ॥ सत्यानाशीकटेहरी।
पटोल, पु० स्वनामख्यात लताफल-विशेष ॥ परवल।
पटोलिका, स्त्री० फल-विशेष ॥ तोरई।
पटोली, स्त्री० ज्योत्स्नी ॥ सफेद फूलकी तोरई।
पट्टरङ्ग, न० पतङ्ग ॥ पतङ्गकीलकड़ी।
पट्टरञ्जनक, न० ऐ।
पट्टशाक, न० पु० नाडीक ॥ पटुआशाक।
पट्टिका, स्त्री० पट्टिकाख्यलोध्र ॥ पठानीलोध।
पट्टिकाख्य, पु० रक्तलोध्र ॥ पठानीलोध।
पट्टिकालोध्र, पु० ऐ।
पट्टिल, पु० पूतिकरञ्ज ॥ दुर्गंधकरञ्ज।
पट्टिलोध्र, **पट्टिलोध्रक** } पु० पट्टिकालोध्र ॥ पठानीलोध
पट्टी, स्त्री० ऐ।
पट्टी [न्], पु० ऐ।
पडाशी, स्त्री० पलाश ॥ ढाककापेड।
पणास्थि, न० कपर्दक ॥ कोडी।
पणास्थिक, पु० ऐ।
पण्डित, पु० सिह्लक ॥ शिलारस।
पण्या, स्त्री० ज्योतिष्मती ॥ मालकङ्कुनी।
पण्यान्धा, स्त्री० तृण-विशेष ॥ पण्यान्धातृण।
पतङ्ग, न० पारद । चन्दनभेद ॥ पारा। पत्तङ्गकावृक्ष।
पतङ्ग, पु० जलमधूकवृक्ष। शालिधान्यभेद ॥ जलमहुआवृक्ष। शालिधानभेद।
पतिवरा, स्त्री० कृष्णजीरक ॥ कालाजीरा।
पत्तङ्ग, **पत्तरङ्ग**, न० रक्तचन्दन। वृक्ष-विशेष ॥ लालचन्दन। पतङ्गकावृक्ष।
पत्तूर, न० ऐ।
पत्तूर, पु० शालिञ्चशाक ॥ शान्तिशाक।
पत्र, न० तेजपत्र ॥ तेजपात।
पत्रक, न० ऐ।
पत्रक, पु० शालिञ्चशाक ॥ शान्तिशाक।
पत्रगुप्त, पु० त्रिकण्टवृक्ष ॥ तिधाराथूहर।
पत्रघना, स्त्री० सातलावृक्ष ॥ सातलावृक्ष।
पत्रङ्ग, न० पत्राङ्ग । रक्तचन्दन ॥ पतङ्गकापेड। लालचन्दन।
पत्रतण्डुली, स्त्री० यवतिक्ता ॥ यवेची।
पत्रतरु, पु० दुष्खदिर ॥ दुर्गंधखैर।
पत्रपुष्प, पु० रक्ततुलसी ॥ लालतुलसी।
पत्रपुष्पक, पु० भूर्जपत्र ॥ भोजपत्र।
पत्रपुष्पा, स्त्री० तुलसी। क्षुद्रपत्रतुलसी ॥ तुलसी। छोटे पत्तेकी तुलसी।
पत्रवल्ली, स्त्री० रुद्रजटा। पर्णलता। पलाशीलता ॥ शंकरजटा। पान। पलाशीलता।
पत्रशाक, पु० षड्विधशाकान्तर्गतपत्रान्तकशाक। पत्रशाक।
पत्रात्मक, पु० शाक ॥ शाक,
पत्रश्रेणी, स्त्री० द्रवन्ती ॥ मूसाकानी।
पत्रश्रेष्ठ, पु० बिल्व ॥ बेल।
पत्रसुन्दर, पु० ग्रीष्मसुन्दरशाक ॥ गिमाशाक।
पत्राख्य, न० तेजपत्र। तालीशपत्र ॥ तेजपात। तालीशपत्र।
पत्राङ्ग, न० रक्तचन्दन। पतङ्ग। भूर्जपत्र। पद्मकाष्ठ ॥ लालचन्दन। पतङ्गकावृक्ष। भोजपत्र। पद्माख।
पत्राढ्य, न० पिप्पलीमूल। पर्वततृण ॥ पीपलामूल। तृणाख्य।
पत्रान्य, न० पत्तङ्ग ॥ पतङ्ग।
पत्रालु, पु० इक्षुदर्भा। कासालु ॥ इक्षुदर्भतृण। कोकणेप्रसिद्ध चुवडीआलु।
पत्रावलि, स्त्री० गैरिक ॥ गेरू।
पत्रिकाख्य, पु० कर्पूर विशेष ॥ कपूरभेद।
पत्री, [न्] पु० तालवृक्ष। दमनवृक्ष। गङ्गापत्री। श्वेतकिणिही ॥ ताडकापेड। दवनावृक्ष। गङ्गापत्री। सफेदकिणिहीवृक्ष।
पत्रोपस्कर, पु० कासमर्द ॥ कसौंदी।
पत्रोर्ण, पु० श्योनाकवृक्ष ॥ शोनापाठा।
पथिका, स्त्री० कपिलद्राक्षा ॥ भूरीदाख। अर्थात् अंगूरी मुनक्का।
पथिद्रुम, पु० खदिरवृक्ष। श्वेतखदिर ॥ खैरकापेड। पपडियाकत्था।
पथ्य, न० सैन्धव ॥ सैंधानोन।
पथ्य, त्रि० चिकित्सादौहितकारक ॥ पथ्य।
पथ्य, पु० हरीतकीवृक्ष ॥ हडकापेड।
पथ्यशाक, पु० तण्डुलीयशाक ॥ चौलाईकाशाक।
पथ्या, स्त्री० हरीतकी। मृगेर्वारु। चिर्भिटा। वन्ध्याकर्कोटकी ॥ हरड। सैंधिनी। गुरुभींहुं वनककोडा।
पदन्यास, पु० गोक्षुर ॥ गोखुरू।
पदाङ्गी, स्त्री० हंसपदी ॥ लालरङ्गकालज्जालु।
पद्म, न० पु० स्वनामख्यातजलजपुष्प। पुष्करमूल सीसक। पद्मकाष्ठ ॥ कमलपुष्प। पोहकरमूल। सीसा। पद्माख
पद्मक, न० पद्मकाष्ठ। कुष्ठौषधि ॥ पद्माख। कूठ औषधी।

पद्मकन्द, पु० शालूक ॥ कमलकन्द. भसीडा ।
पद्मकाष्ठ, न० काष्ठ-विशेष ॥ पद्माख ।
पद्मकाह्वय, न० पद्मकाष्ठ ॥ पद्माख ।
पद्मकिञ्जल्क, न० पद्मकेशर ॥ कमलकेशर ।
पद्मकी [न्], पु० भूर्जपत्रवृक्ष ॥ भोजपत्रवृक्ष ।
पद्मकेशर, पु० किञ्जल्क ॥ कमलकेशर ।
पद्मगन्धि, न० पद्मकाष्ठ ॥ पद्माख ।
पद्मचारिणी, स्त्री० उत्तरापथेभव स्वनामख्यातवृक्ष-विशेष ॥ गैंदेकावृक्ष ।
पद्मदर्शन, पु० श्रीवास ॥ लोबान ।
पद्मतन्तु, पु० मृणाल ॥ कमलकी नाल ।
पद्मनाल, न० ऐ ।
पद्मपत्र, न० पुष्करमूल ॥ पोहकरमूल ।
पद्मपर्ण, न० ऐ ।
पद्मपुष्प, पु० कर्णिकारवृक्ष ॥ कनेरकापेड ।
पद्ममुखी, स्त्री० दुरालभा ॥ धमासा ।
पद्मराग, पु० रक्तवर्णमणिविशेष ॥ पद्मरागमणि ।
पद्मवर्णक, न० पुष्करमूल ॥ पोहकरमूल ।
पद्मबीज, न० कमलबीज ॥ कमलगट्टा ।
पद्मबीजाभ, न० मखान्न ॥ मखाना ।
पद्मा, स्त्री० पद्मचारिणी । फञ्जिका । कुसुम्भपुष्प ॥ गैंदेकावृक्ष । भारङ्गी ॥ कसूमका फूल ।
पद्माट, पु० चक्रमर्द ॥ चकवड, पमार ।
पद्मालया, स्त्री० लवङ्ग ॥ लोंग ।
पद्मावती, स्त्री० पद्मचारिणी ॥ गैंदेकावृक्ष ।
पद्माह्वा, स्त्री० ऐ ।
पद्माक्ष, न० पद्मबीज ॥ कमलगट्टा ।
पद्मिनी, स्त्री० पद्मलता । पद्म । मृणाल ॥ कमलिनी, पद्मसमूह । कमल । कमलकी नाल ।
पद्मिनीकण्टक, पु० क्षुद्ररोग-विशेष ॥ क्षुद्ररोग ।
पद्मोत्तर, पु० कुसुम्भ ॥ कसूम ।
पनस, पु० फलवृक्ष-विशेष ॥ कठैल, कटहर ।
पनसतालिका, स्त्री० कण्टकिफल ॥ कटहर ।
पनसिका, स्त्री० कर्णाभ्यन्तरजातव्रण-विशेष ॥ क्षुद्ररोग-विशेष ।
पन्नग, पु० पद्मकाष्ठ । औषधि-विशेष ॥ पद्माख । पन्नग औषधि ।
पन्नगकेशर, पु० नागकेशरपुष्प ॥ नागकेशर ।
पन्नगी, स्त्री० सर्पिणीक्षुप ॥ सर्पिणीऔषधी—फणिलता चन्द्रनाथ देशीय भाषा ।
पमरा, स्त्री० गन्धद्रव्य-विशेष ॥ शलुकी कोचित् भाषा ।
पयः [स्], न० जल । दुग्ध ॥ पानी । दूध ।
पयःकन्दा, स्त्री० क्षीरविदारी ॥ दूधविदारी ।
पयःपेटी, स्त्री० नारिकेलफल ॥ नारियल ।
पयःफेनी, स्त्री० दुग्धफेनीक्षुप ॥ दूधफेनी ।
पयस्या, स्त्री० दुग्धिका । क्षीरकाकोली । स्वर्णक्षीरी । अर्कपुष्पिका । कुडम्बुनीक्षुप। आमिक्षा ॥ दुद्धी । क्षीरकाकोली । काञ्चनक्षीरी । क्षीरवृक्ष । अर्कपुष्पी । दधिकूर्चिका ।
पयस्विनी, स्त्री० काकोली । क्षीरकाकोली । दुग्धफेनी । क्षीरविदारी । जीवन्ती ॥ काकोली । क्षीरकाकोली । दूधफेनी । दूधविदारी । जीवन्ती
पयोगत, पयोघन, पु० घनोपल ॥ मेघसम्भूतशिला, ओला ।
पयोधर, पु० नारिकेल । कशेरु ॥ नारियल । कशेरुकन्द ।
पयोधिक, न० समुद्रफेन ॥ समुद्रफेन ।
पयोर, पु० खदिर ॥ खैरकापेड ।
पयोलता, स्त्री० क्षीरलता ॥ दूधविदारी ।
परपुष्टमहोत्सव, पु० आम्र ॥ आम ।
परपुष्टा, स्त्री० वृक्षोपरिजातलता-विशेष ॥ वाँदा, वन्दा ।
परमा, स्त्री० चविका ॥ चव्य ।
परमायुः [स्], न० आयुः जीवितकाल ।
परमायुष, पु० असनवृक्ष ॥ विजयसार ।
परमेष्ठिनी, स्त्री० ब्राह्मी । ब्रह्मयष्टि ॥ ब्रह्मीघास । ब्रह्मनेटी ।
पररु, पु० केशराज ॥ कुकरभाङ्गरा ।
परवासिका, **परवासिनी**, स्त्री० वन्दा ॥ वाँदा, वन्दा ।
परश, न० रत्न-विशेष ॥ पारसपत्थर ।
परा, स्त्री० वन्ध्याकर्कोटकी ॥ वनककोडा ।
पराक्पुष्पी, स्त्री० अपामार्ग ॥ चिरचिरा ।
पराग, पु० पुष्परेणु । चन्दन ॥ पुष्पधूलि । चन्दन ।
परात्प्रिय, पु० तृण-विशेष ॥ उलपतृण ।
परापर, न० परुषक ॥ फालसा ।
परारु, पु० कारवेल्ल ॥ करेला ।
परावत, न० परुषक ॥ फालसा ।
परावेदी, स्त्री० बृहती ॥ कटाई ।
पराश्रया, स्त्री० वृक्षोपरिजातलता-विशेष ॥ वाँदा, वन्दा ।
परिणामशूल, पु० शूलरोगविशेष ।
परिपाकिनी, स्त्री० त्रिवृता ॥ निसोथ ।
परिपिष्टक, न० सीसक ॥ सीसा ।
परिपुष्करा, स्त्री० गोडुम्बा ॥ गोडुम्बककड़ी ॥

परिपेलव, न० कैवर्ती मुस्तक ॥ केवटीमोथा ।
परिपेलव, न० ऐ ।
परिस्नुता, स्त्री० मदिरा । योनिरोग–विशेष ॥ मद्य । मैथुनसमये वेदनावतीयोनि ।
परिवर्त्तिका, स्त्री० मेढ़्जात क्षुद्ररोग–विशेष ।
परिव्याध, पु० अम्बुवेतस । द्रुमोत्पल ॥ जलवेंत । कनेरवृक्ष ।
परिव्राजी, स्त्री० श्रावणी ॥ गोरखमुण्डी ।
परिस्नुत्, परिस्नुता, स्त्री० मदिरा ॥ मद्य ।
परुष, न० नीलझिण्टी । परुषफल ॥ नीलीकटसरैया । फालसा ।
परूष, न० फलवृक्षभेद ॥ परुषा, फालसा ।
परूषक, न ऐ ।
पर्कटि, **पर्कटी**, } स्त्री० प्लक्ष वृक्ष ॥पाखरका पेड़
पर्कटी [न्], पु० ऐ ।
पर्जनी **पर्जन्या** } स्त्री० दारुहरिद्रा॥दारुहलदी ।
पर्ण, न० ताम्बूल ॥ पान ।
पर्ण, पु० पलाश वृक्ष ॥ ढाक वृक्ष ।
पर्णचोरक, पु० चोरकनाम गन्धद्रव्य ॥ भटेउर ।
पर्णभेदिनी, स्त्री० प्रियङ्गु ॥ फूलप्रियङ्गु ।
पर्णमाचाल, पु० कर्म्मरङ्गवृक्ष ॥ कमरखकापेड ।
पर्णलता, स्त्री० नागवल्ली ॥ पानकीवेल ।
पर्णवल्ली, स्त्री० पलाशीलता ॥ पलाशीलता ।
पर्णसि, पु० पद्म । शाक ॥ कमल । शाक ।
पर्णास, पु० तुलसी ॥ तुलसी ।
पर्णिनी, स्त्री० माषपर्णी ॥ मषवन ।
पर्णिनीद्वय, न० मुद्गपर्णी, माषपर्णी ॥ मुगवन । मषवन ।
पर्णीचतुष्टय, न० शालपर्णी, पृश्निपर्णी, मुद्गपर्णी । माषपर्णी ॥ शालवन, पिठवन, मुगवन, मषवन
पर्णीर, न० वालक ॥ सुगंधवाला ।
पर्पट, पु० क्षुप-विशेष ॥ पित्तपापड़ा, दवनपापड़ा ।
पर्पटद्रुम, पु० कुम्भीपुष्पवृक्ष ॥ जलकुम्भी ।
पर्पटी, स्त्री० सौराष्ट्रमृत्तिका । उत्तरदेशीयसुगन्धिद्रव्य-विशेष॥सोरठीकी मिट्टी, गोपीचन्दन । पपरी। पद्मावती, पनड़ी ।
पर्यङ्कपादिका, स्त्री० कोलशिम्बी ॥ सुअरासेम ।
पर्यर्णी, स्त्री० दारुहरिद्रा ॥ दारहलदी ।
पर्व [न्], न० ग्रन्थि ॥ गाँठ ।
पर्वक, न० ऊरुपर्व ॥ पैरकाघुटना ।
पर्वततृण, न० तृणभेद ॥ पर्वततृण ।
पर्वतमोचा, स्त्री० गिरिकदली ॥ पहाडीकेला ।
पर्वतवासिनी, स्त्री० आकाशमांसी ॥ सूक्ष्मजटामांसी ।
पर्वपुष्पी, स्त्री० रामदूतीवृक्ष । नागदन्ती ॥ रामदूतीतुलसी । हाथीशुण्डवृक्ष ।
पर्वमूला,स्त्री० श्वेता ॥ कन्ने, केना च वङ्गभाषा ।
पर्वयोनि, पु० इक्ष्वादि ॥ इक्षुप्रभृति ।
पर्वरुट्, [रुह्], पु० दाड़िम ॥ अनार ।
पर्ववल्ली, स्त्री० मालादूर्वा ॥ मालादूव ।
पर्शुका, स्त्री० पार्श्वास्थि ॥ पाँजर ।
पल, न० कर्षचतुष्टय । तोलकचतुष्टय ॥ आठतोले। चारतोले ।
पलक्या, स्त्री० पालङ्कशाक ॥ पालगकाशाक ।
पलङ्कर, पु० पित्त ॥ पित्त ।
पलङ्कष, पु० कणगुग्गुलु ॥ कणगूगल ।
पलङ्कषा, स्त्री० गोक्षुरक । रास्ना । गुग्गुलु । किंशुक । मुण्डितिका । लाक्षा । क्षुद्रगोक्षुरक । महाश्रावणी ॥ गोखुरु । रायसन । गूगल । ढाककावृक्ष । गोरखमुण्डी । लाख । छोटागोखुरु । बडीगोरखमुण्डी ।
पलल, न० मांस । पङ्क । तिलचूर्ण ॥ मांस । कीचड । तिलकुट ।
पललज्वर, पु० पित्त ॥ पित्त ।
पललाशय, पु० गण्डरोग ॥ कोड़ा ।
पलाग्नि, पु० पित्त ॥ पित्त ।
पलाङ्ग, पु० शिशुमारजन्तु ।
पलाण्डु, पु० यवनप्रियमूलविशेष ॥ प्याज ।
पलान्न, न० मांसादियुक्तसिद्धान्न ॥ पोलाव ।
पलालदोहद, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमकापेड़ ।
पलाश, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ ढाक, पलासवृक्ष ।
पलाशक, न० शठी । पलाशवृक्ष ॥ छोटाकचूर । ढाकका पेड ।
पलाशपर्णी, स्त्री० अश्वगन्धा ॥ असगन्ध ।
पलाशाख्य, पु० नाडी हिङ्गु ॥ नाडी हीङ्ग ।
पलाशान्ता, स्त्री० गन्धपत्रा ॥ वनसटी ॥ वन–कचूर ।
पलाशिका, स्त्री० भूमिकूष्माण्ड ॥ विदारीकन्द ।
पलाशी [न्], पु० क्षीरिकावृक्ष ॥ खिरनीवृक्ष ।
पलाशी, स्त्री० लाक्षा । लता-विशेष ॥ लाख पलाशीलता ।
पलित, न० जराहेतुकेशादिशुक्लता । शैलेय ॥ वालोंकासफेद होजाना । भूरिछरीला ।
पल्लव, पु० नवपत्रादियुक्तशाखाग्रपर्व ॥ नवीनपत्ते-

शाखोंका अगला भाग, वा नवीनपत्ते ।
पल्लवद्रु, पु० अशोकपुष्पवृक्ष ॥ अशोकका पेड ।
पल्लिवाह, पु० तृण-विशेष ॥ पल्लिवाहतृण ।
पव, न० गोमय ॥ गोवर ।
पवनाल, पु० धान्य-विशेष ॥ पुनेरा ।
पवनेष्ट, पु० महानिम्ब ॥ बकायननीम ।
पवनोम्बुज, न० परूष ॥ फालसा ।
वपाति, न० मरिच ॥ मिरच ।
पवित्र, न० कुश । ताम्र । घृत । मधु ॥ कुशा । तांबा । सहत । घी ।
पवित्र, पु० तिलवृक्ष । पुत्रजीववृक्ष ॥ तिलवृक्ष । जियापोतावृक्ष ।
पवित्रक, पु० कुश । दमनक । अश्वत्थ । उदुम्बर ॥ कुशा । दवनावृक्ष । पीपलकापेड । गूलरका वृक्ष ।
पवित्रधान्य, न० यव ॥ जौ ।
पवित्रा, स्त्री० तुलसी । हरिद्रा । अश्वत्थीवृक्ष ॥तुलसी । हलदी । पीपलीवृक्ष ।
पशुपल्वल, न० कैवर्त्तीमुस्तक ॥ केवटीमोथा ।
पशुमेहनकारिका, स्त्री० चन्द्रशूर ॥ हालों ।
पशुमोहनिका, स्त्री० कट्वीलता ॥ कट्वीलता ।
पशुहरीतकी, स्त्री० आम्रातकफल ॥ अम्बाडा, आमडा ।
पाह्लिका, स्त्री० वारिपर्णी ॥ जलकुम्भी ।
पक्षघात, पक्षाघात, पु० स्वनामख्यातवातरोग-विशेष ॥ पक्षघातरोग । लकवा अर्थात् फालिश ।
पक्षसुन्दर, पु० लोध्र ॥ लोध ।
पांशव, पु० लवण-विशेष ॥ रेहकानोन ।
पांशु, पु० पर्प्पट । कर्पूरविशेष ॥ पित्तपापडा । एक प्रकारका कपूर ।
पांशुकासीस, न० कासीस ॥ कसीस ।
पांशुचत्वर, पु० घनोपल ॥ ओला ।
पांशुज, न० पांशवलवण । यवक्षार ॥ रेहकानोन । जवाखार ।
पांशुपत्र, न० वास्तूक ॥ वथुआशाक ।
पांशुरागिनी, स्त्री० महामेदा ॥ महामेदा ।
पांशुल, पु० पूतिक ॥ पूतिकरञ्ज ।
पांशुला, स्त्री० केतकी ॥ केतकीपुष्पवृक्ष ।
पाककृष्णा, पु० कृष्णफलपाक ॥ करौंदा ।
पाककृष्णाफल, पु० ऐ ।
पाकज, न० काचलवण ॥ काचियानोन ।
पाकफल, पु० कृष्णपाकफल ॥ करौंदा ।
पाकरञ्जन, न० तेजपत्र ॥ तेजपात ।
पाकल, न० कुष्ठौषधि ॥ कूठ ।
पाकलि, स्त्री० वृक्ष-विशेष ।
पाकली, स्त्री० कर्कटी ॥ ककडी ।
पाकशुक्ला, स्त्री० खटि ॥ खडियामाटी ।
पाकारि, पु० श्वेतकाञ्चनपुष्पवृक्ष ॥ सफेदकचनारकावृक्ष ।
पाक्य, न० विट्लवण । पांशुलवण ॥ विरियासंचरनोन । रेहगमानोन ।
पाक्य, पु० यवाक्षार ॥ जवाखार, सोरावङ्गभाषा ।
पाचक, न० पञ्चविधपित्तान्तर्गतपित्त-विशेष ।
पाचन, न० दोषपाचकक्काथौषध ॥ पाचन ।
पाचन, पु० रक्तैरण्ड । अम्लरस ॥ लालअरंड । खट्टारस ।
पाचनक, पु० टङ्कण ॥ सुहागा ।
पाचनी, स्त्री० हरीतकी ॥ हरड ।
पाची, स्त्री० लता-विशेष ॥ पचेलता, पाचीलता ।
पाटद, पु० कार्पास ॥ कपास ।
पाटल, न० पाटलीपुष्प । शतपुष्पी ॥ पाडलकेफूल । गुलाबकेफूल ।
पाटल, पु० आशुधान्य ॥ आशुधान ।
पाटलद्रुम, पु० पुन्नागवृक्ष ॥ पुन्नागवृक्ष ।
पाटला, स्त्री० रक्तलोध्र । पुष्पवृक्ष विशेष । पिच्छिलबीज विशेष ॥ लाललोध । पाडरकावृक्ष । वीदाना ।
पाटलापुष्पसन्निभ, न० पद्मकाष्ठ ॥ पद्माख ।
पाटलि, पु० स्त्री० पाटलापुष्पवृक्ष ॥ पाढरवृक्ष ।
पाटली, स्त्री० कटभीवृक्ष । मुष्ककवृक्ष । पाटलावृक्ष ॥ कटभी । मोखा । पाढल ।
पाटहिका, स्त्री० गुञ्जा ॥ घुंघुची ।
पाटी, स्त्री० बला ॥ खिरैंटी ।
पाट्य, न० पट्टशाक ॥ पटुआशाक ।
पाठा, स्त्री० लता-विशेष ॥ पाठ ।
पाठिका, स्त्री० ऐ ।
पाठी [न्], पु० चित्रकवृक्ष ॥ चीतावृक्ष ।
पाठीकुट, पु० ऐ ।
पाठीन, गुग्गुलुद्रुम ॥ गूगलकापेड ।
पाणि, पु० कालिकवृक्ष । कर्षपरिमाण ॥ काकादनीवृक्ष । दोतोले ।
पाणितल, न० कर्षपरिमाण ॥ दोतोले ।
पाणिभुक्, [ज्], पु० उदुम्बरवृक्ष ॥ गूलरवृक्ष ।
पाणिमर्द्द, पु० करमर्द्द ॥ करादों ।
पाणीतल, न० कर्षपरिमाण ॥ २ तोलेपरिमाण ।
पाण्डर, न० कुन्दपुष्प । गैरिक ॥ कुन्दके फूल । गेरु ।

पाण्डर, पु० मरुबकवृक्ष ॥ मरुआवृक्ष ।
पाण्डरपुष्पिका, स्त्री० शीतली ॥ शीतलावृक्ष ।
पाण्डु, पु० स्वनामख्यातरोग । पाण्डुरफलीक्षुप । पटोल ॥ पाण्डुरोग । पाण्डुफली । परवल ।
पाण्डुकण्टक, पु० अपामार्ग ॥ चिरचिरा ।
पाण्डुतरु, पु० धववृक्ष ॥ धोवृक्ष ।
पाण्डुनाग, पु० पुन्नागवृक्ष ॥ पुन्नागवृक्ष ।
पाण्डुपत्री, स्त्री० रेणुका ॥ रेणुका ।
पाण्डुपत्नी, स्त्री० ऐ ।
पाण्डुफल, पु० पटोल ॥ परवल ।
पाण्डुफला, स्त्री० चिर्भटा ॥ गुरुभींहुं ।
पाण्डुमृत, स्त्री० खटी ॥ खडिया ।
पाण्डुमृत्तिका, स्त्री० ऐ ।
पाण्डुर, न० श्वित्ररोग ॥ श्वित्ररोग ।
पाण्डुर, पु० धववृक्ष । धवलयावनाल । कामलारोग ॥ धोंवृक्ष । सफेदजुआर । कामलारोग ।
पाण्डुरङ्ग, पु० फलशाक-विशेष ॥ पाण्डुरङ्ग-सं ।
पाण्डुरद्रुम, पु० कुटजवृक्ष ॥ कुडावृक्ष ।
पाण्डुरफली, स्त्री० क्षुद्रक्षुप-विशेष ॥ पाण्डुफली ।
पाण्डुरा, स्त्री० माषपर्णी ॥ मषवन ।
पाण्डुराग, पु० दमनकवृक्ष ॥ दवनावृक्ष ।
पाण्डुरेक्षु, पु० श्वेतेक्षु ॥ सफेदईख ।
पाण्डुलोमशा, स्त्री० माषपर्णी ॥ मषवन ।
पाण्डुलोमा, स्त्री० ऐ ।
पाण्डुशर्करा, स्त्री० रोग-विशेष ॥ मूत्ररोधरोग-भेद ।
पाताल, पु० औषधपाकार्थयन्त्र-विशेष ॥ पातालयन्त्र ।
पातालगरुड़, पु० पातालगरुड़ीलता ॥ छिरहिटा।
पातालगरुड़ी, स्त्री० ऐ ।
पातालनृपति, पु० सीसक ॥ सीसा ।
पात्र, न० आढक ॥ आठसेर ।
पाथोज, न० पद्म ॥ कमल ।
पाद, पु० चतुर्थभाग ॥ चौथाभाग ।
पादगण्डिर, पु० श्लीपदरोग । श्लीपदरोग ।
पादपरुहा, स्त्री० वन्दाक ॥ वाँदा ।
पादरोहण, पु० वटवृक्ष ॥ वडकापेड़ ।
पादवल्मीक, पु० श्लीपदरोग ॥ श्लीपदरोग ।
पादस्फोट, पु० एकादशकुष्ठान्तर्गततृतीयकुष्ठ ॥ विपादिका ।
पानस, न० पनसभवमद्य ॥ कटहरसे बनाईहुई-मदिरा ।
पानीय, न० पानार्हद्रव्य-विशेष ॥ पन्ना, सरबत ।
पानीयपृष्ठज, पु० कुम्भी ॥ जलकुम्भी ।
पानीयफल, न० मखान्न ॥ मखाना ।
पानीयमूलक, न० सोमराजी ॥ बावची ।
पानीयामलक, न० प्राचीनामलक ॥ पानीआमला ।
पानीयालु, पु० कन्द-विशेष ॥ पानीआलु ।
पानीयाश्ना, स्त्री० बल्वजा ॥ तृणभेद ।
पापघ्न, पु० तिल ॥ तिल ।
पापचेलिका, स्त्री० पाठा ॥ पाढ ।
पापचेली, स्त्री० ऐ ।
पापरोग, पु० मसूरिका ॥ मसूरिकारोग ।
पापशमनी, स्त्री० शमीवृक्ष ॥ छोंकरावृक्ष ।
पाम [न्] न० विचर्च्चिकारोग ॥ एकप्रकारकी खुजली ।
पामघ्न, पु० गन्धक ॥ गन्धक ।
पामघ्नी, स्त्री० कटुका ॥ कुटकी ।
पामरोद्धारा, स्त्री० गुडूची ॥ गिलोय ।
पामा [न्], पु० कच्छुरोग ।
पामारि, पु० गन्धक ॥ गन्धक ।
पायस, पु० न० श्रीवास । परमान्न ॥ सरलका गोंद । खीर ।
पायु, पु० मलद्वार ॥ मलकाद्वार ।
पार, पु० पारद ॥ पारा ।
पारक् [ज्], पु० सुवर्ण ॥ सोना ।
पारत, पु० पारद ॥ पारा ।
पारद, पु० स्वनामख्यातशुभ्रवर्णधातु-विशेष॥पारा ।
पारावतपदी, स्त्री० ज्योतिष्मती । काकजङ्घा ॥ मालकाङ्गनी । मसी ।
पारावताङ्घ्रि, पु० ऐ ।
पारावती, स्त्री० लवनीफल ॥ लोनाफल ।
पारिजात, पु० पारिभद्रवृक्ष ॥ फरहद ।
पारिजातक, पु० ऐ ।
पारिभद्र, पु० पारिजात । निम्बवृक्ष । देवदारु । सरलवृक्ष ॥ फरहद । नीमकापेड । देवदार । धूपसरल ।
पारिभद्रक, न० कुष्ठौषधि ॥ कूठ ।
पारिभद्रक, पु० देवदारुवृक्ष । निम्बवृक्ष । पारिजातवृक्ष॥देवदारकापेड । नीमकापेड । फरहदवृक्ष ।
पारिभाव्य, न० कुष्ठौषध ॥ कूठ ।
पारिश, पु० वृक्ष-विशेष ॥ पारसपीपल ।
पारुष्य, न० अगुरु ॥ अगर ।
पार्थ, पु० अर्ज्जुनवृक्ष ॥ कोहवृक्ष ।
पार्थिव, न० तगरपुष्प ॥ तगरपुष्प ।
पार्वत, पु० महानिम्ब ॥ वकायननीम ।
पार्वती, स्त्री० सौराष्ट्रमृत्तिका । क्षुद्रपाषाणभेद ॥

धातकी । सैंहली । अतसी ॥ गोपीचन्दन । छोटापाखानभेद । धायकेफूल । सिंहलीपीपल । अलसी ।
पार्वतेय, न० सौवीराञ्जन ॥ सफेदशुर्म्मा ।
पार्वतेय, पु० सूर्य्यावर्तवृक्ष ॥ हुरहुरवृक्ष ।
पार्श्वपिप्पल, न० हरीतकी-विशेष ॥ गजहड ।
पार्श्वशूल, पु० न० शूलरोग-विशेष ॥
पार्श्वास्थि, न० पञ्जरास्थि ॥ पञ्जरा ।
पार्ष्णि, पु० पादग्रन्थ्यधर ॥ एडी ।
पालक, पु० चित्रकवृक्ष ॥ चीतावृक्ष ।
पालङ्क, पु० शाकभेद ॥ पालगकाशाक ।
पालङ्की, स्त्री० कुन्दुरु । पालङ्कयशाक ॥ कुन्दुरूसुगन्धिद्रव्य । पालगका शाक ।
पालङ्क्य, न० शाक-विशेष ॥ पालगका शाक ।
पालङ्क्या, स्त्री० कुन्दुरु । पालङ्कशाक ॥ कुन्दुरुसुगन्धिद्रव्य । पालगका शाक ।
पालाश, न० तमालपत्र ॥ तेजपात ।
पालिन्द, पु० कुन्दुरु ॥ कुन्दुरूसुगन्धिद्रव्य ।
पालिन्दी, स्त्री० श्यामालता । कृष्णत्रिवृता । त्रिवृता॥सरिवन, सालसा । कालानिसोथ। निसोथ।
पालिन्धी, स्त्री० कृष्णात्रिवृता ॥ कालानिसोथ ।
पावक, पु० चित्रक। भल्लातक। विडङ्ग । रक्तचित्रक । अग्निमन्थवृक्ष । कुसुम्भपुष्पवृक्ष ॥ चीतावृक्ष । भिलावेका वृक्ष। वायविडङ्ग । लालचीतावृक्ष । अरणी । कसूमका पेड ।
पावकारणि, पु० अग्निमन्थवृक्ष ॥ अरणी ।
पावन, न० रुद्राक्ष । कुष्ठौषध । चित्रक ॥ रुद्राक्ष। कूठ । चीता ।
पावन, पु० सिह्लक ॥ पीतभृङ्गराज ॥ शिलारस, पीलाभङ्गरा ।
पावनध्वनि, पु० शङ्ख ॥ शंख।
पावनी, स्त्री० हरीतकी। तुलसी ॥ हरड । तुलसी।
पाशुपत, पु० अगस्त्यपुष्पवृक्ष ॥ हथियावृक्ष ।
पाश्चात्त्याकरसम्भव, न०गडलवण॥साम्भारनोन
पाषाणगर्द्दभ, पु० क्षुद्ररोगान्तर्गतरोग-विशेष ॥ हनुसन्धिजरोग ।
पाषाणजतु, न० शिलाजतु ॥ शिलाजीत ।
पाषाणभेदन, पु० वृक्ष-विशेष ॥ पाखानभेद ।
पाषाणभेदी [न्], पु० वृक्ष-विशेष ॥ पाखानभेद।
पाहात, पु० ब्रह्मदारुवृक्ष ॥ सहतूतका पेड ।
पिकप्रिया, स्त्री० महाजम्बू ॥ बडीजामुन ।
पिकबन्धु, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमकापेड ।
पिकराग, पु० ऐ ।
पिकवल्लभ, पु० ऐ ।
पिकाक्ष, पु० कोकिलाक्षक्षुप ॥ तालमखाना ।
पिकेक्षणा, स्त्री० ऐ ।
पिङ्ग, न० हरिताल ॥ हरताल ।
पिङ्गल, न० पित्तल ॥ पीतल ।
पिङ्गल, पु० स्थावरविषभेद ।
पिङ्गललोह, न० पित्तल ॥ पीतल ।
पिङ्गला, स्त्री० शिंशपावृक्ष । राजरीति ॥ सीसोंकावृक्ष । पीतलभेद ।
पिङ्गसार, पु० हरिताल ॥ हरताल ।
पिङ्गा, स्त्री० गोरोचना । हिङ्गु । हरिद्रा । वंशरोचना । गोलोचन । हीङ्ग । हलदी । वंशलोचन ।
पिङ्गाशी, स्त्री० नीलिका ॥ नीलकापेड़ ।
पिङ्गी, स्त्री० शमीवृक्ष ॥ छोंकरवृक्ष ।
पिचु, पु० कार्पासतूल । कुष्ठभेद । कर्षपरिमाण ॥ रुई । कोढभेद । दो तोले परिमाण ।
पिचुक, पु० मदनवृक्ष ॥ मैनफलवृक्ष ।
पिचुमन्द, पु० निम्बवृक्ष ॥ नीमकापेड ।
पिचुमर्द, पु० ऐ ।
पिचुल, पु० झावुक । हिज्जल ॥ झाऊवृक्ष । समुद्रफल ।
पिच्चट, न० सीसक । रङ्ग ॥ सीसा । राङ्ग ।
पिच्चट, पु० नेत्ररोग-विशेष ।
पिच्छलदला, स्त्री० बदरीवृक्ष ॥ बरीकापेड ।
पिच्छा, स्त्री० शाल्मलिवेष्ट ॥ पूग । शिंशपावृक्ष । भक्तसम्भूतमण्ड ॥ मोचरस। सुपारी । सीसोंकापेड माडसहितभात ।
पिच्छितिका, स्त्री० शिंशपा ॥ सीसोंकापेड ।
पिच्छिल, पु० श्लेष्मान्तकवृक्ष ॥ सिसोडावृक्ष ।
पिच्छिलक, पु० धन्वनवृक्ष ॥ धामिनवृक्ष ।
पिच्छिलच्छदा, स्त्री० उपोदकी ॥ पोइकाशाक ।
पिच्छिलत्वक् [च्], पु० नागरङ्गवृक्ष । धन्वनवृक्ष ॥ नारङ्गीवृक्ष । धामिनवृक्ष ।
पिच्छिलसार, पु० शाल्मलीवेष्ट ॥ मोचरस ।
पिच्छिला, स्त्री० पोतिका । शिंशपा । शाल्मली । कोकिलाक्ष । वृश्चिकालीक्षुप । शूलीतृण । अगरुअतसी । कच्ची ॥ पोईकाशाक । सीसोंकापेड । सेमलकापेड । तालमखाना । वृश्चिकाली । शूलीघास । अगर । अलसी । अरुई ।
पिञ्ज, पु० कर्पूरभेद ॥ एकप्रकारका कपूर ।
पिञ्जट, पु० नेत्रमल ॥ आँखोका मैल, कींचड़ ।
पिञ्जर, न० हरिताल । स्वर्ण । नागकेशर ॥ हर-

ताल। सोना। नागकेशर।
पिञ्जरक, न० हरिताल॥ हरताल।
पिञ्जल, न० कुशपत्र। हरिताल॥ कुशाके पत्ते। हरताल।
पिञ्जा, स्त्री० तूला। हरिद्रा॥ तूल। हलदी।
पिञ्जान, न० स्वर्ण॥ सोना।
पिञ्जूष, पु० कर्णमल॥ कानकामैल।
पिञ्जेट, पु० नेत्रमल॥ नेत्रकामैल।
पिटङ्कोकी, स्त्री० इन्द्रवारुणी॥ इन्द्रायण।
पिठर, न० मुस्तक॥ मोथा।
पिडका, स्त्री० स्फोटक-विशेष॥
पिण्ड, पु० बोल। सिह्लक। ओंड्रपुष्प। मदनवृक्ष॥ बोल। शिलारस। ओड्रहुल। मैनफलकावृक्ष।
पिण्डक, न० पिण्डमूलक। बोल॥ पिण्डमूल, गोलमूली। बोल।
पिण्डक, पु० सिह्लकनामगन्धद्रव्य। पिण्डालु॥ शिलारस। पिडालु।
पिण्डकन्द, पु० पिण्डालु॥ पिडालु।
पिण्डकर्कटी, स्त्री० मधुकूष्माण्डी॥ विलायती-पेठा।
पिण्डखर्जूर, पु० स्वनामख्यातखर्जूर॥ पिण्ड-खजूर।
पिण्डखर्जूरी, स्त्री० ऐ।
पिण्डगोस, पु० गन्धरस॥ फूलसत्ववङ्गभाषा।
पिण्डतैलक, पु० तुरुष्क॥ शिलारस।
पिण्डपुष्प, न० अशोकपुष्प। जवापुष्प। तगर-पुष्प। पद्मपुष्प॥ अशोकपुष्प। ओडहुलपुष्प। तगरपुष्प। कमल।
पिण्डपुष्पक, पु० वास्तूक॥ वथुआ।
पिण्डफल, न० तुम्बी॥ कद्दू।
पिण्डफला, स्त्री० कटुतुम्बी॥ कड़वीतोम्बी।
पिण्डमुस्ता, स्त्री० नागरमुस्ता॥ नागरमोथा।
पिण्डमूल, न० गर्जर॥ गाजर, सलगम।
पिण्डबीजक, पु० कर्णिकारवृक्ष॥ कणेरवृक्ष।
पिण्डा, स्त्री० पिण्डायस। कस्तूरीभेद। वंशपत्री इसपात। एकप्रकारकी कस्तूरी। वंशपत्री।
पिण्डात, न० सिह्लक॥ शिलारस।
पिण्डायस, न० तीक्ष्णायस॥ इसपात।
पिण्डार, न० फलशाक-विशेष॥ पिण्डार।
पिण्डालु, पु० कन्दगुडूची॥ आलु-विशेष॥ पेडालू।
पिण्डालुक, न० ऐ।
पिण्डाह्वा, स्त्री० नाड़ीहिङ्गु॥ नाडीहीङ्ग।

पिण्डिला, स्त्री० गोडुम्बा॥ गोडुम्ब, ककडी।
पिण्डी, स्त्री० पिण्डीतगर। अलाबु। खर्जूरा-विशेष॥ कोकण देशीय तगर। कद्दु। पिण्डखर्जूर।
पिण्डीतक, पु० मदनवृक्ष। तगर। फणिज्जक वृक्ष-विशेष॥ मैनफलवृक्ष। तगर। तुलसीभेद पिण्डीतकवृक्ष।
पिण्डीतगर, पु० तगर-विशेष॥ कोकण देशीय तगर।
पिण्डीतगरक, पु० तगर॥ तगर।
पिण्डीतरु, पु० महापिण्डीतरु॥ पेडिरावृक्ष।
पिण्डीपुष्प, पु० अशोकवृक्ष॥ अशोकवृक्ष।
पिण्डीर, पु० दाडिमवृक्ष॥ हिण्डीर॥ अनारकापेड। समुद्रफेन।
पिण्या, स्त्री० ज्योतिष्मती॥ मालकाङ्गनी।
पिण्याक, पु० न० तिलखलि। सर्षपखलि। हिङ्गु। शिलाजतु। सिह्लक। कुङ्कुम॥तिलकीखाल। सर्सोंकीखल। हीङ्ग। शिलाजीत। शिलारस। केशर।
पितृप्रिय, पु० भृङ्गराज॥ भाङ्गरा।
पितृभोजन, पु० माष॥ ऊरद।
पित्त, न० शरीरस्थधातु-विशेष॥ पित्त।
पित्तघ्नी, स्त्री० गुडूची॥ गिलोय।
पित्तद्रावी [न्], पु० मधुरजम्बीर॥ मीठानींबु।
पित्तरक्त, न० रक्तपित्तरोग॥ रक्तपित्त।
पित्तल, न० धातु-विशेष। भूर्जपत्र॥ पीतल। भोजपत्र।
पित्तला, स्त्री० तोयपिप्पली॥ जलपीपल।
पित्तारि, पु० पर्प्पट। लाक्षा। बर्बरक। पित्तपापडा। लाख। चन्दनभेद।
पित्र्य, न० मधु॥ सहत।
पित्र्य, पु० माष॥ ऊडद।
पिन्यास, न० हिङ्गु॥ हीङ्ग।
पिप्पल, पु० अश्वत्थवृक्ष। पीपलकापेड।
पिप्पलक, न० स्तनवृन्त॥ स्तनमुख।
पिप्पलि, स्त्री० पिप्पली॥ पीपल।
पिप्पली, स्त्री० ऐ।
पिप्पलीका, स्त्री० अश्वत्थीवृक्ष॥ पीपलीवृक्ष।
पिप्पलीमूल, न० कणामूल॥ पीपरामूल।
पिप्पिका, स्त्री० दन्तमल॥ दाँतोंकामैल।
पियाल, पु० स्वनामख्यातवृक्ष॥ इसके बीजको चिरोंजी कहते हैं।
पिलुक, पु० पीलुवृक्ष॥ पीलुवृक्ष।

पिलुपर्णी, स्त्री० मोरटलता ॥ मोरटा ।
पिशाचक्र, पु० शाखोटवृक्ष ॥ सहोरावृक्ष ।
पिशाचवृक्ष, पु० ऐ ।
पिशाची, स्त्री० गन्धमांसी ॥ जटामांसीभेद ।
पिशित, न० मांस ॥ मांस ।
पिशिता, स्त्री० जटामांसी ॥ बालछड, जटामांसी ।
पिशी, स्त्री० ऐ ।
पिशुन, न० कुङ्कुम ॥ केशर ।
पिशुना, स्त्री० स्पृक्का ॥ असवरग ।
पिष्ट, न० सीसक । पिष्टक ॥ सीसा । एकप्रकारकी पूरी ।
पिष्टक, पु० खाद्य-विशेष । नेत्ररोग-विशेष ॥ एक प्रकारकी पूरी । नेत्ररोगभेद ।
पिष्टसौरभ, न० चन्दन ॥ चन्दन ।
पिष्टालिका, स्त्री० ऐ ।
पिष्टालिका, स्त्री० वृक्ष-विशेष ।
पिष्टात, पु० पटवासचूर्ण ॥ अबीरगुलाल ॥
पिष्टिक, न० तण्डुलोद्भवतवक्षीर ॥ चावलोंसेवनाईहुई तवाखीर ।
पिष्टोडी, स्त्री० श्वेताम्ली ॥ पिष्टोडीवृक्ष ।
पीडा, स्त्री० रोग । सरलद्रु ॥ रोग । धूपसरल ।
पीत, न० हरिताल ॥ हरताल ।
पीत, पु० कुसुम्भपुष्पवृक्ष । अङ्कोटवृक्ष । शाखोटवृक्ष । सरलद्रु ॥ कसूमकेफूलवृक्ष । ढेरावृक्ष । सहोरावृक्ष । धूपसरल ।
पीतक, न० हरिताल । कुङ्कुम । अगरु । पद्मक । माक्षिक । नन्दीवृक्ष । पीतशालवृक्ष । श्योनाकप्रभेद । हरिद्रु । किंकिरात । रीति । कालीयक । हरताल । केशर । अगर । पद्माख । सोनामाखी । तून । विजयसार । शोनापाठा । हलदुआवृक्ष । किंकिरात पुष्पवृक्ष । पीतल । पीलाचन्दन ।
पीतकदली, स्त्री० स्वर्णकदली ॥ सुवर्णकेला ।
पीतकद्रुम, पु० हरिद्रुवृक्ष ॥ हलदुआवृक्ष ।
पीतकन्द, न० गर्जर ॥ गाजर ।
पीतकरवीरक, पु० पीतवर्ण करवीरपुष्पवृक्ष ॥ पीलीकनेर ।
पीतका, स्त्री० झिण्टी । हरिद्रा॥कटसरैया । हलदी ।
पीतकावेर, न० कुङ्कुम । पित्तल ॥ केशर । पीतल ।
पीतकाष्ठ, न० पीतचन्दन ॥ कलम्बक, पीलाचन्दन ।
पीतकीला, स्त्री० आवर्त्तकीलता ॥ भगवतवल्ली , कोंकणदेशकीभाषा ।
पीतकुरुण्ट, पु० पीतझिण्टी ॥ पीलीकटसरैया ।
पीतघोषा, स्त्री० पीतपुष्पघोषकलता ॥ तोरईभेद ।
पीतचन्दन, न० द्राविड़देशीयपीतवर्णचन्दन।पीलाचन्दन + कलम्बक ।
पीतचम्पक, पु० पीतवर्ण चम्पकपुष्पवृक्ष ॥ पीलीचम्पा ।
पीततण्डुल, पु० कङ्गुनीधान्य ॥ कङ्गनीधान ।
पीततण्डुला, स्त्री० क्षविकावृक्ष ॥ बृहतीभेद ।
पीततैला, स्त्री० ज्योतिष्मतीलता । महाज्योतिष्मती । मालकाङ्गुनी । बडी मालकाङ्गुनी ।
पीतदारु, न० देवदारु । सरल । हरिद्रु ॥ देवदारुकापेड । धूपसरल । हलदुआवृक्ष ।
पीतद्रु, पु० सरलवृक्ष । दारुहरिद्रा ॥ धूपसरल । दारहलदी ।
पीतन, न० कुङ्कुम । हरिताल । सरलद्रु ॥ केशर । हरताल । धूपसरल । देवदारु ।
पीतन, पु० आम्रातक । प्लक्षवृक्ष ॥ अम्बाड़ा । पाखरवृक्ष ।
पीतनक, पु० आम्रातक ॥ अम्बाडा ।
पीतपर्णी, स्त्री० श्वित्रघ्नी ॥ वृश्चिकाली ।
पीतपुष्प, न० आहुल्यवृक्ष । कूष्माण्ड ॥ तरवटकाश्मीरदेशीयभाषा । पेठा ।
पीतपुष्प, पु० कर्णिकारवृक्ष । कोषातकीभेद । पीतपुष्पझिण्टीक्षुप । चम्पकपुष्पवृक्ष ॥ कणेरवृक्ष । तोरई । पीलेफूलकी कटसरैया।चम्पापुष्पवृक्ष ।
पीतपुष्पा, स्त्री० इन्द्रवारुणी । झिञ्झिरिष्टाक्षुप । पीतबला । आढकी ॥ इन्द्रायण झिञ्झिरीठा। सहेदेवी । अडहर ।
पीतपुष्पी, स्त्री० शङ्खपुष्पी । सहदेवी । महाकोषातकी । त्रपुषी ॥ शंखाहुली । सहदेई । बडीतोरई । खीरा ।
पीतफल, पु० शाखोटवृक्ष । कर्म्मारवृक्ष ॥ सहोरावृक्ष । कमरख ।
पीतफलक, पु० शाखोटवृक्ष ॥ सहोरावृक्ष ।
पीतवालुका, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
पीतभृङ्गराज, पु० पीतवर्णभृङ्गराज ॥ पीलाभङ्गरा ।
पीतमाक्षिक, न० माक्षिक ॥ सोनामाखी ।
पीतमुद्ग, पु० मुद्ग-विशेष ॥ पीलीमूग ।
पीतमूलक, न० गर्जर ॥ गाजर ।
पीतयूथी, स्त्री० स्वर्णयूथी ॥ सुनहरीजुही ।
पीतराग, न० किञ्जल्क । सिक्थक ॥ फूलका जीरा । मोम ।

पीतरोहिणी, स्त्री० काश्मरी ॥ गम्भारी, कुम्भेर।
पीतफल, न० पित्तल ॥ पीतल।
पीतलोह, न० पित्तलभेद ॥ पीतलभेद।
पीतबीजा, स्त्री० मेथिका ॥ मेथी।
पीतवृक्ष, पु० श्योनाकवृक्षभेद। सरलवृक्ष ॥ शोनापाठा। धूपसरल।
पीतशाल, पु० असनवृक्ष ॥ विजयसार।
पीतसार, न० पीतवर्णचन्दन। हरिचन्दन ॥ कलम्बक। हरिचन्दन।
पीतसार, पु० मलयज। अङ्कोटवृक्ष। तुरुष्क। बीजक ॥ चन्दन। टेरावृक्ष। शिलारस। विजयसार।
पीतसारक, पु० निम्बवृक्ष। अङ्कोटवृक्ष ॥ नीमकापेड। टेरावृक्ष।
पीतसारि, न० स्रोतोञ्जन ॥ कालासुर्मा।
पीतसाल, **पीतसालक**, } पु० पीतशालवृक्ष ॥ विजयासार हिन्दी भाषा। पेयासाल वङ्गभाषा।
पीता, स्त्री० हरिद्रा। दारुहरिद्रा। महाज्योतिष्मती। कपिलशिंशपा। प्रियङ्गु। गोरोचना। अतिविषा। सुवर्णकदली ॥ हलदी। दारहलदी। बडीमालकाङ्गनी। भूरेरङ्गकासीसोकावृक्ष। फूलप्रियङ्गु। गौलोचन। अतीस। पीलाकेला।
पीताङ्ग, पु० श्योनाकप्रभेद ॥ शोनापाठा।
पीतिका, स्त्री० हरिद्रा। दारुहरिद्रा। स्वर्णयूथी ॥ हलदी। दारहलदी। सुनहरीजुही।
पीनस, पु० नासिकारोग-विशेष ॥ पीनसरोग।
पीनसा, स्त्री० कर्कटी ॥ ककडी।
पीपरि, पु० ह्रस्वप्लक्ष ॥ छोटापाखर।
पीयूष, न० अमृत। दुग्ध ॥ अमृत। दूध।
पीलु, पु० स्वनामख्यातफलवृक्ष-विशेष ॥ पीलुवृक्ष।
पीलुनी, स्त्री० मूर्वा ॥ चुरनहार।
पीलुपत्र, पु० मोरटलता ॥ क्षीरमोरट।
पीलुपर्णी, स्त्री० मूर्वा। बिम्बिका ॥ चुरनहार। कन्दूरी।
पीवरा, स्त्री० अश्वगन्धा। शतावरी ॥ असगन्ध। शतावर।
पीवरी, स्त्री० शतमूली। शालपर्णी ॥ शतावर। सालवन।
पुंसवन, न० दुग्ध ॥ दूध।
पुंस्त्व, न० शुक्र ॥ तेज वङ्गभाषा।
पुंस्त्वविग्रह, पु० भूतृण ॥ शरबान।
पुक्कसी, स्त्री० नीली ॥ नीलकापेड।

पुङ्गव, पु० औषधभेद। ऋषभौषध ॥ ऋषभऔषधी।
पुच्छदा, स्त्री० लक्ष्मणकन्द ॥ लक्ष्मणाकन्द।
पुच्छी, [न्] पु० अर्कवृक्ष ॥ आककापेड।
पुट, न० जातीफल। औषधपाकपात्र ॥ जायफल। पुट-गजपुट। इत्यादि।
पुटक, न० पद्म ॥ कमल।
पुटकन्द, पु० कोलकन्द ॥ सूकरकन्द।
पुटकिनी, स्त्री० पद्मिनी ॥ कमलिनी।
पुटपाक, पु० औषधपाक-विशेष।
पुटालु, पु० कोलकन्द ॥ पुटालु काश्मीर देशीय भाषा।
पुटिका, स्त्री० एला ॥ इलायची।
पुटोदक, पु० नारिकेल ॥ नारियल।
पुण्डरी [न्], पु० शालपर्णीपत्रतुल्यपत्रविशिष्टवृक्ष-विशेष ॥ पुण्डरिया।
पुण्डरीक, न० शुक्लपद्म। पद्ममात्र ॥ सफेदकमल। कमल।
पुण्डरीक, पु० सहकार। दमनकवृक्ष। कुष्ठरोग-विशेष ॥ एक प्रकारके आम। दवनावृक्ष। एक प्रकारका कोढ।
पुण्डरीकाक्ष, न० पुण्डर्य्य ॥ पुण्डरिया।
पुण्डरीयक, न० स्थलपद्म। प्रपौण्डरीक ॥ स्थल-कमल। पुण्डरिया।
पुण्डर्य्य. न० प्रपौण्डरीक ॥ पुण्डरीया।
पुण्ड्र, पु० इक्षुभेद। अतिमुक्तक। पुण्डरीक। ह्रस्वप्लक्ष। तिलकवृक्ष ॥ एक प्रकारकी ईख। अतिमुक्तक पुष्पवृक्ष। पुण्डरीक। छोटापाखर। तिलकपुष्पवृक्ष।
पुण्ड्रक, पु० माधवीलता। तिलकवृक्ष। इक्षुभेद ॥ माधवीलता। तिलकपुष्प। एक प्रकारकी ईख।
पुण्यगन्ध, पु० चम्पक ॥ चम्पावृक्ष।
पुण्यतृण, पु० श्वेतकुश ॥ सफेतकुशा।
पुण्या, स्त्री० तुलसी ॥ तुलसी।
पुत्रक, पु० वृक्ष-विशेष ॥ पुत्रक।
पुत्रकन्दा, स्त्री० लक्ष्मणाकन्द ॥ लक्ष्मणाकन्द।
पुत्रजीव, पु० वृक्ष-विशेष ॥ जियापोता।
पुत्रञ्जीवक, पु० ऐ।
पुत्रदा, स्त्री० वन्ध्याकर्कोटकी। लक्ष्मणाकन्द। गर्भदात्रीक्षुप। वाँझखखसा। लक्ष्मणाकन्द। गर्भदात्री
पुत्रदात्री, स्त्री० मालवेप्रसिद्धलता-विशेष ॥ पुत्र-दात्री।
पुत्रप्रदा, स्त्री० क्षविका ॥ बृहतीभेद।

पुत्रभद्रा, स्त्री० बृहज्जीवन्ती ॥ बडीजीवन्ती ।
पुत्रशृङ्गी, स्त्री० अजशृङ्गी ॥ मेढाशिङ्गी ।
पुत्रश्रेणी, स्त्री० मूषिकपर्णी ॥ मूसाकानी ।
पुत्री, स्त्री० वृक्ष-विशेष ।
पुनर्नवा, स्त्री० स्वनामख्यातशाक-विशेष ॥ विषखपरा ।
पुनर्नव, पु० रक्तपुनर्नवा ॥ गदहपूर्ना, सोंठ ।
पुन्नाग, पु० स्वनामख्यातबृहत्पुष्पवृक्ष-विशेष॥पुन्नाग वृक्ष ।
पुन्नाट, पुन्नाड़, पु० चक्रमर्द ॥ चकवड, पमार ।
पुफ्फुस, पु० वक्षोभ्यन्तरस्थकोष्ठ-विशेष॥फुफ्फुस्-फेफडा ।
पुर, न० नागरमुस्ता ॥ नागरमोथा ।
पुर, पु० गुग्गुलु । पीतझिण्टी॥ गूगल । पीले फूलकी कटसरैया ।
पुरट, न० सुवर्ण ॥ सोना ।
पुरन्दर, न० चविक ॥ चव्य ।
पुरश्छद, पु० तृण-विशेष ॥
पुरा, स्त्री० सुगन्धिद्रव्य-विशेष ॥ कपूरकचरी ।
पुरासिनी, स्त्री० सहदेवीलता ॥ सहदेई ।
पुरीमोह, पु० धुस्तूर ॥ धतूरा ।
पुरीष, न० विष्ठा॥ विष्ठा, गू ।
पुरीषम, पु० माष ॥ उडद ।
पुरुष, पु० पुन्नागवृक्ष । स्वर्ण ॥ पुन्नाग वृक्ष।सोना॥
पुरुषदन्तिका, स्त्री० मेदा ॥ मेदा ।
पुरोद्भवा, स्त्री० महामेदा ॥ महामेदा ।
पुलक, न० कङ्कुष्ठ । पु० हरिताल ॥ मुरदासिङ्ग । हरताल ।
पुलकी (न्), पु० धाराकदम्बवृक्ष ॥ धाराकदम वृक्ष ।
पुषा, स्त्री० लाङ्गलिकी वृक्ष॥ करिहारीवृक्ष ।
पुष्कर, न० पद्म । कुष्ठौषध ॥ कमल । कूठ ।
पुष्कर, पु० रोग-विशेष ॥ रोग-विशेष ।
पुष्करकर्णिका, पुष्करनाड़ी, स्त्री० स्थलपद्मिनी ॥ स्थलकमल-स्थलपद्म, वेटतामर देशान्तरीय भाषा ।
पुष्करमूल, न० पुष्कर देशीय औषधि-विशेष ॥ पोहकरमूल ।
पुष्करमूलक, न० ऐ ।
पुष्करशिफा, स्त्री० ऐ ।
पुष्करबीज, न० पद्मबीज ॥ कमलगट्टा ।
पुष्कराह्वय, न० पुष्करमूल ॥ पोहकरमूल ।
पुष्करिणी, स्त्री० स्थलपद्मिनी । पुष्करमूल ॥ स्थलपद्म । पोहकरमूल ।

पुष्टि, स्त्री० अश्वगन्धा ॥ असगन्ध ।
पुष्टिका, स्त्री० जलशुक्ति ॥ जलकीसीप ।
पुष्टिदा, स्त्री० अश्वगन्धा ॥ असगन्ध ।
पुष्प, न० स्त्रीरजः । नेत्ररोग-विशेष । कुसुम । नागकेशर ॥ स्त्रीका रज । नेत्ररोगभेद । फूल । नागकेशर ॥
पुष्पक, न० नेत्ररोग-विशेष । रसाञ्जन । लोह । काँस्य ॥ कासीस । नेत्ररोगभेद । रसोत । लोहा कांसी । कसीस ।
पुष्पकासीस, न० पीतवर्णकासीस॥ पुष्पकसीस।
पुष्पचामर, पु० दमनकवृक्ष । केतकवृक्ष ॥ दवना । केवरावृक्ष ।
पुष्पपथ, पु० योनि ॥ भग ।
पुष्पप्रियक, पु० पीतशालवृक्ष ॥ विजयसार ।
पुष्पफल, पु० कपित्थ । कूष्माण्ड ॥ कैथ । कोहडा, कुह्मडा, पेठा ।
पुष्परक्त, पु० सूर्य्यमणिपुष्पवृक्ष ॥ सूर्यमणिवृक्ष ।
पुष्परस, पु० मधु ॥ सहत ।
पुष्परसाह्वय, न० ऐ ।
पुष्पराज, पुष्पराग, पु० पीतवर्णमणि-विशेष ॥ पुखराज ।
पुष्परोचन, पु० नागकेशर ॥ नागकेशर ।
पुष्पशून्य, पु० उदुम्बर ॥ गूलर ।
पुष्पश्रेणी, स्त्री० इन्दुकर्णी ॥ मूसाकानी ।
पुष्पसौरभा, स्त्री० कलिकारीवृक्ष ॥ कलिहारीवृक्ष
पुष्पहीना, स्त्री० उदुम्बरवृक्ष ॥ गूलरकापेड ।
पुष्पाञ्जन, न० अञ्जनभेद ॥ कुसुमाञ्जन ।
पुष्पासव, न० मधु ॥ सहत ।
पुष्पाह्वा, स्त्री० शतपुष्पा ॥ सौंफ ।
पुष्पिका, स्त्री० दन्तमल । लिङ्गमल ॥ दाँतकामैल । लिङ्गकामैल ।
पूग, न० गुवाकफल ॥ सुपारी ।
पूग, पु० गुवाकवृक्ष ॥ सुपारीकापेड । तूल ॥ सहतूतकापेड ।
पूगफल, न० गुवाकफल ॥ सुपारी ।
पूगरोट, पु० हिन्तालवृक्ष ॥ हिन्ताल, एक प्रकारका ताड ।
पूत, पु० शङ्ख । श्वेतकुश । विकङ्कतवृक्ष ॥ शंख । सफेदकुशा । विकङ्कतवृक्ष, कराटाईवृक्ष ।
पूतगन्ध, पु० बर्बर ॥ काली बर्बरी तुलसी ।
पूततृण, पु० श्वेतकुश ॥ सफेदकुशा ।
पूतद्रु, पु० पलाशवृक्ष ॥ ढाककावृक्ष ।
पूतधान्य, न० तिल ॥ तिल ।
पूतना, स्त्री० हरीतकी । हरीतकीभेद । गन्धमांसी ।

बालरोग-विशेष ॥ हरड, हरडभेद, पूतनाहड। जटामांसीभेद। बालग्रहभेद।

पूतफल, पु० पनस ॥ कटहर।

पूता, स्त्री० दूर्वा ॥ दूब।

पूति, न० रोहिषतृण ॥ रोहिषसोंधिया।

पूतिक, पु० पूतिकरञ्ज ॥ पूतिकरञ्ज, दुर्गंधकरञ्ज+कांटाकरञ्ज।

पूतिकरज, पु० ऐ।

पूतिकरञ्ज, पु० ऐ।

पूतिकर्ण, पु० कर्णरोग-विशेष ॥ एक प्रकारका कानरोग।

पूतिकर्णक, पु० ऐ।

पूतिका, स्त्री० उपोदकी । मधुमक्षिका-विशेष ॥ पोईकाशाक। एक प्रकारकी सहतकी मक्खी।

पूतिकाष्ठ, न० देवदारु । सरलवृक्ष ॥ देवदारु। सरलका पेड।

पूतिकाष्ठक, न० सरलवृक्ष ॥ धूपसरल।

पूतिगन्ध, न० रङ्ग ॥ राङ्ग।

पूतिगन्ध, पु० गन्धक । इङ्गुदीवृक्ष ॥ गंधक। गोंदीवृक्ष।

पूतिगन्धिका, स्त्री० बाकुची ॥ बावची।

पूतितैला, स्त्री० ज्योतिष्मती ॥ मालकाङ्गुनी।

पूतिनस्य, पु० नासारोग-विशेष।

पूतिपत्र, पु० श्योनाकभेद ॥ सोनापाठा।

पूतिपत्रिका, स्त्री० प्रसारणीलता ॥ पसरन।

पूतिपर्ण, पूतिपर्णक, पु० पूतिकरञ्ज ॥ पूतिकरञ्ज।

पूतिपुष्प, पु० इङ्गुदीवृक्ष ॥ गोंदीवृक्ष।

पूतिपुष्पिका, स्त्री० मातुलुङ्गा ॥ चकोतरा।

पूतिफला, स्त्री० सोमराजी ॥ बावची।

पूतिफली, स्त्री० ऐ।

पूतिमयूरिका, स्त्री० अजगन्धा ॥ बब्बरी।

पूतिमेद, पु० अरिमेद ॥ दुर्गंधखैर।

पूतिवात, पु० बिल्ववृक्ष ॥ बेलका पेड।

पूतिवृक्ष, पु० श्योनाक ॥ शोनापाठा।

पूतीक, पु० पूतिकरञ्ज ॥ पूतिकरञ्ज-काँटाकरञ्ज।

पूतीकरञ्ज, पु० पूतिकरञ्ज ॥ पूतिकरञ्ज।

पूतीका, स्त्री० पूतिका ॥ पोईकाशाक।

पूय, न० पक्वव्रणादिसम्भूत घनीभूत शुक्लवर्ण विकृत रक्त।

पूयरक्त, पु० नासारोग-विशेष ॥

पूयारि, पु० निम्बवृक्ष ॥ नीमकापेड।

पूयालस, पु० सन्धिगतरोग-विशेष।

पूर, न० दाहागुरु ॥ दाहअगर।

पूरक, पु० बीजपूर ॥ बिजोरानीबु।

पूरण, न० कुटन्नट ॥ केवटीमोथा।

पूरणी, स्त्री० शाल्मलीवृक्ष ॥ सेमरकापेड।

पूराम्ल, न० वृक्षाम्ल ॥ विषाविल।

पूरिका, स्त्री० पिष्टकभेद ॥ पूरी, कचोरी।

पूर्णकोष्ठा, स्त्री० नागरमुस्ता ॥ नागरमोथा।

पूर्णबीज, पु० बीजपूर ॥ बिजोरानींबु।

पूर्व्वरूप, न० भाविव्याधिबोधक चिह्न ॥ पूर्व्वलक्षण।

पूष, पूषक, पु० ब्रह्मदारुवृक्ष ॥ सहतूतका पेड।

पृक्का, स्त्री० शाक-विशेष ॥ असवरग, पुरी।

पृथक्चक्षु, [स्] पु० ?

पृथक्त्वचा, स्त्री० मूर्व्वा ॥ चुरनहार।

पृथक्पर्णी, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन।

पृथग्बीज, पु० भल्लातक ॥ भिलावेकापेड।

पृथाज, पु० अर्ज्जुनवृक्ष ॥ कोहवृक्ष।

पृथिवीपति, पु० ऋषभक ॥ ऋषभौषधी।

पृथु, स्त्री० कृष्णजीरक । हिङ्गुपत्री । अहिफेन ॥ कालाजीरा। हीङ्गपत्री। अफीम।

पृथुक, पु० न० चिपिटक ॥ चिउरा, चौला।

पृथुका, स्त्री० हिङ्गुपत्री ॥ हीङ्गपत्री।

पृथुकोल, पु० राजबदर ॥ राजबेर।

पृथुच्छद, पु० हरिदर्भ ॥ एक प्रकारका डाभ।

पृथुपत्र, पु० रक्तलशुन ॥ लाल लहशन।

पृथुपलाशिका, स्त्री० शठी ॥ गंधपलाशी, छोटाकचूर। कचूर।

पृथुला, स्त्री० हिङ्गुपत्री ॥ हीङ्गपत्री।

पृथुशिम्ब, पु० श्योनाकभेद ॥ सोनापाठा।

पृथ्वी, स्त्री० हिङ्गुपत्री । कृष्णजीरक । पुनर्नवा। स्थूलैला ॥ हीङ्गपत्री। कालाजीरा। सोंठ। बडीइलायची।

पृथ्वीका, स्त्री० बृहदेला । सूक्ष्मैला । कृष्णजीरक। हिङ्गुपत्री ॥ बडीइलायची । छोटीइलायची। कालाजीरा। हीङ्गपत्री।

पृथ्वीकुरबक, पु० श्वेतमन्दारकपुष्पवृक्ष ॥ सफेदमन्दार।

पृथ्वीज, न० गडलवण ॥ सामरनोन वङ्गभाषा।

पृश्निका, स्त्री० कुम्भिका ॥ जलकुम्भी।

पृश्निपर्णी, स्त्री० लता-विशेष ॥ पिठवन।

पृश्नी, स्त्री० वारिपर्णी ॥ जलकुम्भी।

पृष्ठ, न० शरीरपश्चाद्भाग ॥ पीठ।

पृष्ठवंश, पु० पृष्ठास्थि ॥ पीठकाडंडा।

पेचुली, स्त्री० शाकभेद ॥ एक प्रकारका शाक

पेटिका, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ पेटारीवृक्ष ।
पेय, न० जल । दुग्ध ॥ जल । दूध ।
पेया, स्त्री० शिक्थकयुक्तपेयद्रव्य ॥ मोमसहित एक प्रकारकी खानेकी वस्तु ।
पेशी, स्त्री० जटामांसी ॥ जटामांसी, बालछड । मांसपिण्डी ।
पेषण, न० पञ्चगुप्तावृक्ष ॥ तिधाराथूहर ।
पैष्टिक, न० विविधधान्यविकारज मद्य ।
पैष्टी, स्त्री० ऐ ।
पोटगल, पु० नलतृण । काशतृण ॥ नरसल । काँस ।
पोतकी, स्त्री० पूतिका ॥ पोईका शाक ।
पोतास, पु० कर्पूर-विशेष ॥ एक प्रकारका कपूर ।
पोतिका, स्त्री० पूतिका । शतपुष्पा । मूलपोति ॥ पोईकाशाक । सौंफ । बनपोई ।
पोष्टा, स्त्री० पूतीक ॥ करञ्जभेद ।
पौण्डरीक, न० प्रपौण्डरीक ॥ पुण्डरिया ।
पौण्डर्य्य, न० पुण्डर्य्य ॥ पुण्डारिया ।
पौण्ड्र, पु० इक्षु-विशेष ॥ सफेदपौंडे ।
पौण्ड्रक, पु० ऐ ।
पौण्ड्रिक, पु० ऐ ।
पौतिक, न० मधु-विशेष ॥ एकप्रकारका मधु ।
पौर, न० रोहिषतृण ॥ रोहिससोंधिया ।
पौष्कर, न० पुष्करमूल ॥ पोहकरमूल ।
पौष्करमूल, न० ऐ ।
पौष्पक, न० कुसुमाञ्जन ॥ पुष्पाञ्जन ।
प्रकर, न० अगुरु ॥ अगर ।
प्रकाश, न० काँस्य ॥ काँसी ।
प्रकीर्ण, पु० पूतिकरञ्ज ॥ दुर्गंधवाली करञ्ज ।
प्रकीर्य्य, पु० पूतिकरञ्ज । फेनिल ॥ दुर्गंधवाली करञ्ज । रीठाकरञ्ज ।
प्रकुञ्च, पु० पलपरिमाण ॥ आठतोले ।
प्रकोष्ठ, पु० कफोण्यवधिमणिबन्धपर्य्यन्त हस्त भाग ॥ कोनीके नीचेका भाग ।
प्रगन्ध, पु० पर्पट ॥ दवनपापड़ा ।
प्रग्रह, पु० कर्णिकारवृक्ष ॥ अमलतासभेद ।
प्रचण्ड, पु० श्वेतकरवीर ॥ सफेदकनेर ।
प्रचण्डमूर्ति, स्त्री० वरुणवृक्ष ॥ वरनावृक्ष ।
प्रचण्डा, स्त्री० श्वेतदूर्वा ॥ सफेददूब ।
प्रचेतसी, स्त्री० कटुफला । कायफल ।
प्रचेल, न० पीतचन्दन ॥ पीलाचन्दन ।
प्रचोदनी, स्त्री० कण्टकारी ॥ कटेहरी ।
प्रच्छर्दिका, स्त्री० वमि ॥ कै करना ।
प्रजादा, स्त्री० गर्भदात्रीक्षुप ॥ गर्भदा ।
प्रजादान, न० रजत ॥ चांदी ।
प्रणाद, पु० कर्णनादरोग ।
प्रतान, पु० अपतानक नामक वायुरोग-विशेष ।
प्रतापस, पु० शुक्लार्कवृक्ष ॥ सफेद आकका वृक्ष ।
प्रतिजिह्वा, स्त्री० अलिजिह्वा ॥ तालूकी जड़में छोटीजीभ ।
प्रतिपत्रफला, स्त्री० क्षुद्रकारवेल्ली ॥ करेली ।
प्रतिपर्णशिफा, स्त्री० द्रवन्ती ॥ मूसाकानी ।
प्रतिफला, स्त्री० सोमराजी ॥ बावची ।
प्रतिवात, पु० बिल्ववृक्ष ॥ बेलका पेड़ ।
प्रतिविषा, स्त्री० अतिविषा ॥ अतीस ।
प्रतिविष्णुक, पु० मुचकुन्दपुष्पवृक्ष ॥ मुचकुन्द पुष्पवृक्ष ।
प्रतिश्याय, पु० पीनसरोग । नासारोग- विशेष ॥ पीनस सर्दी ।
प्रतिसोमा, स्त्री० महिषवल्ली ॥ छिरहिट्टी ।
प्रतिहास, पु०करवीर ॥ कनेर ।
प्रतीहास, पु० ऐ ।
प्रत्यक्पर्णी, स्त्री० अपामार्ग । द्रवन्ती ॥ चिरचिरा। मूसाकानी ।
प्रत्यक्पुष्पी, स्त्री० अपामार्ग ॥ चिरचिरा ।
प्रत्यक्श्रेणी, स्त्री०दन्तीवृक्ष । मूषिकपर्णी ॥ दन्तीवृक्ष । मूसाकानी ।
प्रत्यङ्ग, न० अवयव-विशेष ॥ कर्ण, नासिकादि अंग ।
प्रत्यङ्गिरा, स्त्री० शिरीषवृक्ष । श्वेतपुनर्नवा ॥ सिरसकापेड़ । विषखपरा ।
प्रत्यश्म [न्], न० गैरिक ॥ गेरु ।
प्रत्यध्मान, पु० वातव्याधि-विशेष ।
प्रदर, पु० स्त्रीरोग-विशेष ॥ प्रदररोग ।
प्रदीपन, पु० स्थावर-विषभेद ।
प्रदेशनी, प्रदेशिनी, स्त्री० तर्जनीअंगुलि ॥ अंगूठेके निकटकी अंगुली ।
प्रदेह, पु० प्रलेप ॥ लेप ।
प्रपथ्या, स्त्री० हरीतकी ॥ हरड़ ।
प्रपन्नाड, पु० चक्रमर्दवृक्ष ॥ चकवड़ ।
प्रपुनाड़, **प्रपुन्नड़**, पु० ऐ ।
प्रपुन्नाट, पु० ऐ ।
प्रपुन्नाड़, पु० ऐ ।
प्रपुन्नाल, पु० ऐ ।
प्रपूरिका, स्त्री० कण्टकारी ॥ कटेरी ।
प्रपौण्डरीक, न० शालपर्णी पत्रतुल्यपत्रविशिष्ट वृक्ष-विशेष ॥ पुण्डेरि, पुण्डरिया ।

प्रबला, स्त्री० प्रसारणी ॥ पसरन, प्रसारणी।
प्रवाल, पु० स्वनामख्यातरत्न ॥ मूंगा।
प्रवालिक, पु० जीवशाक ॥ मालवेप्रसिद्ध।
प्रवालफल, न० रक्तचन्दन ॥ लालचन्दन।
प्रबोधनी, स्त्री० दुरालभा ॥ धमासा।
प्रबोधिनी, स्त्री० ऐ।
प्रभद्र, पु० निम्ब ॥ नीम।
प्रभद्रा, स्त्री० प्रसारणी ॥ पसरन।
प्रभाकर, पु० अर्कवृक्ष ॥ आककापेड।
प्रभाञ्जन, पु० शोभाञ्जन ॥ सैंजिनेकापेड।
प्रभु, पु० पारद ॥ पारा।
प्रमथा, स्त्री० हरीतकी ॥ हरड।
प्रमथित, न० निर्ज्जलतक्र ॥ जलरहिततक्र।
प्रमद, पु० धत्तूरफल ॥ धतूरेकेफल।
प्रमुख, पु० पुन्नागवृक्ष ॥ पुन्नागकापेड।
प्रमेह, पु० स्वनामप्रसिद्धरोग ॥ प्रमेहरोग।
प्रमोचनी, स्त्री० गवाक्षी ॥ गोडुम्बा।
प्रमोदिनी, स्त्री० जिङ्गनिया।
प्रलम्ब, पु० शाखा। त्रपुष ॥ डाल। खीरा।
प्रलम्बा, स्त्री०दीर्घालाबु ॥ लम्बीतोम्बी।
प्रलाप, पु० प्रलापकसन्निपातरोग। वातव्याधि-विशेष।
प्रलापक, पु० त्रयोदशसन्निपातान्तर्गतसन्निपात-वि० ॥
प्रलापहा [न्], पु० कुलत्थाञ्जन ॥ एक प्रकारका अञ्जन।
प्रवर, न० अगरु ॥ अगर।
प्रवाहिका, स्त्री० उदरामय-विशेष।
प्रविर, पु० न० पीतकाष्ठ ॥ पीलाकाठ।
प्रविषा, स्त्री० अतिविषा ॥ अतीस।
प्रवेट, पु० यव ॥ जो।
प्रवेल, पु० पीतमुद्ग ॥ पीलीमूग।
प्रव्रजिता, स्त्री० मांसी ॥ मुण्डिरी।
प्रश्नी, स्त्री० कुम्भिका ॥ जलम्कुभी।
प्रसङ्ग, पु० मैथुन ॥ स्त्रीसंसर्ग।
प्रसन्ना, स्त्री० सुरा। मदिरा-विशेष ॥ एक प्रकारकी मद्य।
प्रसन्नेरा, स्त्री० मदिरा ॥ मद्य-शराब, दारु।
प्रसरा, स्त्री० प्रसारणी ॥ पसरन।
प्रसव, पु० गर्भमोचन ॥ जनना। सन्तानहोना।
प्रसवक, पु० पियालवृक्ष ॥ चिरौंजीकापेड।
प्रसह, पु० आरेवतवृक्ष ॥ अमलतासकापेड।
प्रसहा, स्त्री० बृहती ॥ कटाई।
प्रसातिका, स्त्री० अणुव्रीहि ॥ एक प्रकारके धान।

प्रसादन, न० अन्न ॥ अन्न।
प्रसाधिका, स्त्री० नीवार ॥ नीवारधान।
प्रसारणी, स्त्री० दुर्गन्धपत्र स्वनामख्यातलता-विशेष ॥ लज्जालु ॥ पसरन, प्रसारनी, कुब्जप्रसारनी। छुईमुई।
प्रसारिणी, स्त्री० प्रसारणी। लज्जालु लता। पसरन। लज्जावन्ती, छुईमुई, लज्जालु।
प्रसू, स्त्री० कदली ॥ केला।
प्रसूका, स्त्री० अश्वगन्धा ॥ असगन्ध।
प्रसृत, न० पु० पलद्वयपरिमाण ॥ १६ तोले।
प्रस्तरिणी, स्त्री० गोलोमिका ॥पाथरी दक्षिणदेशीयभाषा।
प्रस्ताप्यर्म्म, [न्] , न० नेत्ररोग-विशेष।
प्रस्थ, पु० परिमाण- विशेष ॥ २ सेर।
प्रस्थपुष्प, पु० मरुबक। स्वल्पपत्रतुलसी। जम्बीरभेद। जम्बीरीमात्र। मरुआवृक्ष। छोटेपत्तेकी तुलसी। जम्भीरीभेद। जम्भीरी नींबु।
प्रस्थिका, स्त्री० अम्बष्ठा ॥ मोईया।
प्रस्वेद, पु० अतिशयघर्म्म।
प्रहरकुटवी, स्त्री० कुटुम्बिनीक्षुप ॥—अर्कपुष्पी।
प्रहर्षणी, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी।
प्रहसन्ती, स्त्री० यूथी। वासन्ती॥ जुही। वासन्ती।
प्रहारवल्ली, स्त्री० मांसरोहिणी ॥ रोहिणी, मांसरोहिणी।
प्रक्षेप, पु० औषधादिषु देयद्रव्य।
प्राक्फल, पु० पनस ॥ कटहर।
प्राग्राट, न० अधनदधि।
प्राचीनपनस, पु० बिल्व ॥ बेल।
प्राचीना, स्त्री० पाठा। रास्ना ॥ पाठ। रायसन।
प्राचीनामलक, न० पानीयामलक ॥ पानी आमला।
प्राणक, पु० जीवकद्रुम ॥ जीवकवृक्ष।
प्राणद, न० जल। रक्त ॥ जल। रुधिर।
प्राणद, पु० जीवकवृक्ष ॥ जीवकवृक्ष।
प्राणदा, स्त्री० ऋद्धि-वृद्धि। हरीतकी ॥ ऋद्धि औषधी। वृद्धि औषधी। हरड़।
प्राणन्त, पु० रसाञ्जन ॥ रसोत।
प्राणप्रदा, स्त्री० ऋद्धिनामौषधी ॥ ऋद्धि।
प्राणहारक, न० वत्सनाभ ॥ बच्छनाभ विष।
प्राणिमाता, स्त्री०गर्भदात्रीक्षुप ॥गर्भदा केचित्भाषा
प्रातिका, स्त्री० जवा ॥ ओडहुलपुष्पवृक्ष।
प्रावट, पु० यव ॥ जौ।
प्रावृषायणी, स्त्री० कपिकच्छु। पुनर्नवा ॥ कौंछ। विषखपरा।

प्रावृषेण्य, पु० कदम्बवृक्ष । कुटजवृक्ष । धाराकदम्ब ॥ कदमकापेड । कुडाकापेड़ । धाराकदम

प्रावृषेण्या, स्त्री० कपिकच्छु । रक्तपुनर्नवा ॥ कौंछ । गदहपूर्ना ।

प्रावृष्य, पु० कुटज । धाराकदम्ब । विकण्टक ॥ कुड़ा धाराकदम । गर्जाफल ।

प्रिय, पु० ऋद्धि । जीवकमुद्गरवृक्ष ॥ ऋद्धि औषधी । जीवकवृक्ष । मोगरावृक्ष ।

प्रियक, पु० नीप । पीतशाल । प्रियंगु । कुंकुम । धाराकदम्ब ॥ कदमवृक्ष । विजयसार । फूलप्रियंगु । केशर । धारा कदम्बवृक्ष ।

प्रियंकरी, स्त्री० श्वेतकण्टकारी । बृहज्जीवन्ती । अश्वगन्धा ॥ सफेदकटेरी । बड़ीजीवन्ती । असगन्ध ।

प्रियंगु, स्त्री० स्वनामख्यातवृक्ष । राजिका । पिप्पली । कंगु । कटुका ॥ फूलप्रियंगु । राई । पीपल । कंगुनीधान । कुटकी ।

प्रियजीव, पु० श्योनाकवृक्ष ॥ सोनापाठा ।

प्रियतम, पु० मयूरशिखावृक्ष ॥ मोरशिखावृक्ष ।

प्रियदर्शन, पु० क्षीरिकावृक्ष ॥ खिरनीकापेड़ ।

प्रियवर्णी, स्त्री० प्रियंगु ॥ फूलप्रियंगु ।

प्रियवल्ली, स्त्री० ऐ ।

प्रियसख, पु० खदिर ॥ खैरकापेड ।

प्रियसन्देश, पु० चम्पक वृक्ष ॥ चम्पाकापेड ।

प्रियसालक, पु० असनवृक्ष ॥ विजयसार ।

प्रिया, स्त्री० एला । मल्लिका । मदिरा । प्रियंगु ॥ इलायची । मल्लिका वा वेला पुष्पवृक्ष । दारु । फूलप्रियंगु ।

प्रियाम्बु, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमकापेड ।

प्रियाल, पु० वृक्षभेद ॥ चिरोंजीका पेड ।

प्रियाला, स्त्री० द्राक्षा ॥ दाख ।

प्रेतराक्षसी, स्त्री० तुलसी ॥ तुलसी ।

प्रोत्फल, पु० वृक्ष—विशेष ॥

प्लव, न० कैवर्त्तीमुस्तक । गन्धतृण ॥ केवटी मोथा । सुगंधतृण ।

प्लव, पु० पर्कटीवृक्ष ॥ पाखरकापेड ।

प्लवक, पु० ऐ ।

प्लवग, पु० शिरीषवृक्ष ॥ सिरसकापेड ।

प्लवंग, पु० प्लक्षवृक्ष ॥ पाखरकापेड ।

प्लक्ष, पु० वृक्ष—विशेष । कन्दरालवृक्ष । अश्वत्थवृक्ष ॥ पाखरकापेड । पारिसपीपल । पीपलकापेड ।

प्लाक्ष, न० प्लक्षवृक्षस्य फल । पाखरके फल ।

प्लीहा [न्], पु० प्लीहा । प्लीहारोग ।

प्लीहघ्न, पु० रोहितक वृक्ष ॥ रोहेडावृक्ष ।

प्लीहशत्रु, पु० ऐ ।

प्लीहा, स्त्री० प्लीहा [न्] ,पु०कुक्षिवामपार्श्वस्थ मांसखण्ड ॥ पलैया, प्लीहा, तापतिल्ली ।

प्लीहारि, पु० अश्वत्थवृक्ष ॥ पीपलकापेड ।

प्लीहाशत्रु, पु० रोहितक ॥ रोहेडा ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृते शालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने पकाराक्षरे एकविंशस्तरंगः ॥ २१ ॥

फ.

फञ्जिका, स्त्री० ब्राह्मणयष्टिका । देवताड वृक्ष । दुरालभा ॥ भारंगी । देवताडवृक्ष । धमासा ।

फञ्जिपत्रिका, स्त्री० आखुकर्णी ॥ मूसाकानी ।

फञ्जी, स्त्री० भार्ङ्गी ॥ भारंगी ।

फणिकेशर, पु० नागकेशर ॥ नागकेशर ।

फणिजिह्वा, स्त्री० महाशतावरी । महासमंगा ॥ बड़ीशतावर । कगहिया ।

फणिज्ज, **फणिज्जक**, पु० क्षुद्रपत्रतुलसी । जम्बीरभेद । जम्बीरमात्र ॥ छोटे पत्तेकी तुलसी । जम्भीरीभेद । जम्भीरी ।

फणिफेन, पु० अहिफेन ॥ अफीम ।

फणिवल्ली, स्त्री० नागवल्ली ॥ पानभेद ।

फणिहन्त्री, स्त्री० गन्धनाकुलीनामकन्द ॥ नकुलकन्द ।

फणिहृत, स्त्री० क्षुद्रदुरालभा ॥ लघुधमासा ।

फणि, [न्], पु० सर्पिणी ॥ सर्पिणी औषधी ।

फल, न० जातीफल । त्रिफला । कक्कोल । मदनफल । सस्य । मुष्क ॥ जायफल । हरड, बहेडा, आमला । शीतलचीनी । मैनफल । फल । अण्डकोष ।

फल, पु० कुटजवृक्ष । मदनवृक्ष ॥ कुडावृक्ष । मैनफलवृक्ष ।

फलक, न० जातीफल ॥ जायफल ।

फलक, पु० नागकेशर ॥ नागकेशर ॥

फलकर्कशा, स्त्री० वनकोलि ॥ वनबेर ।

फलकृष्ण, पु० करमर्दवृक्ष ॥ करौंदा ।

फलकेशर, पु० नारिकेलवृक्ष ॥ नारियलका पेड़ ।

फलकोश, पु० अण्डकोष ॥ अण्डकोष ।

फलकोषक, पु० ऐ ।

फलचोरक, पु० चोरकनामगन्धद्रव्य ॥ भटेउर ।

फलत्रय, न० त्रिफला । परुषफल । काश्मर्य्य । द्राक्षा ॥ हरड़, बहेडा, आमला । फालसा । कम्भारी । दाख ।

फलत्रिक, न० त्रिफला। त्रिकटु ॥ हरड, बहेडा, आमला। सोंठ, मिरच, पीपल।
फलपाक, पु० करमर्द्दक। पानीयामलक ॥ करोंदा। पानी आमला ॥
फलपाकी [न्], पु० गर्द्दभाण्ड ॥ पारिसपीपल, गजहंदु।
फलपुच्छ, पु० एरण्डवृक्ष ॥ अरण्डकापेड।
फलपुष्पा, स्त्री० पिंडखर्जूरी ॥ पिण्डखजूर।
फलपूर, पु० बीजपूर ॥ बिजोरानींबु।
फलपूरक, पु० ऐ।
फलप्रिया, स्त्री० प्रियंगु ॥ फूलप्रियंगु।
फलमुख्या, स्त्री० अजमोदा ॥ अजमोद।
फलमुद्गरिका, स्त्री० पिण्डखर्जूर ॥ पिण्डखजूर।
फलवर्तुल, न० कालिंग ॥ तरबूज।
फलवृक्षक, पु० पनस ॥ कटहर।
फलशाक, न० षड्विधशाकान्तर्गत फलरूपशाक॥ पेठा, तोम्बी, तोरई, वैंगुन, करेला इत्यादि।
फलशाड्ष, पु० दाड़िम ॥ अनार।
फलशैशिर, पु० बदरवृक्ष ॥ बेरीकापेड़।
फलश्रेष्ठ, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमकापेड़।
फलस, पु० पनसवृक्ष ॥ कटहरवृक्ष।
फलस्नेह, पु० आखोटवृक्ष ॥ अखरोट वृक्ष।
फला, स्त्री० झिंझिरिष्टाक्षुप। प्रियंगु ॥ झिंझिरीठा। फूलप्रियंगु।
फलाढ्या, स्त्री० काष्ठकदली ॥ काठकेला।
फलाध्यक्ष, न० राजादनवृक्ष ॥ खिरनीकापेड।
फलान्त, पु० वंश ॥ वाँस।
फलाम्बु, न० त्रिफलाम्बु ॥ त्रिफलेका जल।
फलाम्ल, न० वृक्षाम्ल ॥ विषाविल।
फलाम्ल, पु० अम्लवेतस ॥ अम्लवेत।
फलिका, स्त्री० हरित् वर्ण निष्पावी॥ निष्पावीभेद।
फलिन, पु० पनस ॥ कटहर।
फलिनी, स्त्री० अग्निशिखावृक्ष। प्रियंगु ॥ कलिहारी। फूलप्रियंगु।
फली, स्त्री० प्रियंगुवृक्ष ॥ फूलप्रियंगु।
फलूप, पु० लता-विशेष।
फलेन्द्र, पु० बृहज्जम्बू ॥ बडीजामुन।
फलेपुष्पा, स्त्री० क्षुद्रक्षुप-विशेष॥ गूमा।
फलेरुहा, स्त्री० पाटलिवृक्ष ॥ पाड़रकापेड़।
फलोत्तमा, स्त्री० काकलीद्राक्षा ॥ किसमिस।
फलोत्पत्ति, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमकापेड़।
फल्गु, स्त्री० काकोदुम्बरिका। रेणुभेद ॥ कठूमर। अबीर।
फल्गुपी, स्त्री० काकोदुम्बरिका ॥ कठूमर।
फल्गुवाटिका, स्त्री० ऐ।
फल्गुवृन्ताक, पु० श्योनाकभेद ॥ शोनापाठा
फाटकी, स्त्री० स्फटी ॥ फटकरी।
फाणित, न० अर्द्धावर्तितेक्षुरस ॥ राब।
फाण्ट, पु०न० कषाय-विशेष ॥ एकप्रकारक काढ़ा।
फालिनी, स्त्री० अग्निशिखावृक्ष ॥ कलिहारी।
फाल्गुन, पु० अर्जुनवृक्ष ॥ कोहवृक्ष।
फिरङ्गरोग, पु० मेढ्रोगविशेष ॥ आतशक।
फिरङ्गरोटी, स्त्री० रोटीका-विशेष ॥ एकप्रकारकी रोटी।
फुप्फुस, पु० वक्षोभ्यन्तरस्थकोष्ठविशेष ॥ फेफड़ा
फेन, पु० डिण्डीर ॥ समुद्रफेन।
फेण, पु० ऐ।
फेनक, पु० ऐ।
फेनदुग्धा, स्त्री० दुग्धफेनी क्षुप ॥ दूधफेनीक्षुप।
फेना, स्त्री० सातलावृक्ष ॥ सातलावृक्ष।
फेनाश्मभस्म, [न्], न० शंख-विशेष।
फेनिका, स्त्री० पक्कान्न-विशेष ॥ फेनी। खजला।
फेनिल, न० कोलिफल। मदनफल ॥ बेर। मैनफल। रीठाकरञ्ज।
फेनिल, पु० अरिष्टवृक्ष। बदरवृक्ष ॥ रीठाकेपेड बेरीकापेड।

इतिश्रीशालिग्रामवैश्यकृतेशालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने फकाराक्षरे द्वाविंशस्तरङ्गः ॥ २२ ॥

ब-व

वणिग्बन्धु, पु० नीलीवृक्ष ॥ नीलकापेड।
वदर, न० सेविफल। कार्पासफल। कोलपरिमाण। कोलिविशेष। कोलिमात्र ॥ सेव। कपासकाफल। २ तोले। एकप्रकारका बेर। बेर।
वदर, पु० कोलिवृक्ष। देवसर्षपवृक्ष। कार्पासबीज॥ बेरीकापेड। निर्जरसर्सों। कपासकेबीज अर्थात् विनोले।
वदरफली, वदरवल्ली, स्त्री० भूबदरी ॥ झडबेर।
वदरा, स्त्री० वराहक्रान्ता। कार्पासी। एलापर्णी। विष्णुक्रान्ता ॥ वराहक्रान्तावृक्ष। कपास। एलापर्णी औषधी। कोयल।
वदरामलक, न० प्राचीनामलक ॥ पानीआमला।
वदरि, स्त्री० कोलिवृक्ष ॥ बेरीकापेड।
वदरी, स्त्री० कोलिवृक्ष। कार्पासी। कपिकच्छु ॥ बेरीकापेड। कपास। कौंछ।
वदरीच्छदा, स्त्री० हस्तिकोलिवृक्ष ॥ एकप्रकारका बेर।

वदरीपत्र, पु० नखी ॥ नखीगन्धद्रव्य ।
वदरीपत्रक, पु० ऐ ।
वदरीफला, स्त्री० नीलशेफालिका ॥ नीलसह्मालुवृक्ष ।
वद्धगुद, न० उदररोग-विशेष ।
वद्धफल, पु० करञ्जवृक्ष ॥ कञ्जाकापेड ।
वद्धरसाल, पु० त्रिविधराजाम्रान्तर्गतश्रेष्ठआम्र ॥ एकप्रकारके उत्तमआम ।
वधू, स्त्री० पृक्का । शारिवा । शठी ॥ असवरग । गौरीसर । कचूर ।
वध्र, न० सीसक ॥ सीसा ।
वध्रक, न० ऐ ।
वन्धुक, पु० बन्धूकवृक्ष ॥ दुपहरियाकावृक्ष ।
वन्धुजीव, पु० ऐ ।
वन्धुजीवक, पु० ऐ ।
वन्धुर, पु० स्त्रीचिह्न । तिलकल्क । बन्धूक । विडङ्ग । ऋषभक ॥ स्त्रीका चिह्न, योनि । तिलकुट । दुपहरियावृक्ष । वायविडङ्ग । ऋषभौषधी ।
वन्धुल, पु० बन्धूकपुष्पवृक्ष ॥ दुपहरियाकावृक्ष ।
वन्धूक, पु० पीतशाल । स्वनामख्यातपुष्पवृक्ष ॥ विजयसार । दुपहरियाकावृक्ष, गेजुनियाकावृक्ष ।
वन्धूकपुष्प, पु० पीतशाल ॥ विजयसार ।
वन्धूलि, पु० वन्धूकवृक्ष ॥ दुपहरियाकावृक्ष ।
वन्ध्या, स्त्री० योनिरोग-विशेष । वन्ध्याकर्क्कोटकी॥ वालाख्यगन्धद्रव्य ॥ एकप्रकारकायोनिरोग । बाँझखखसा, । एकप्रकारकासुगन्धद्रव्य ।
वन्ध्याकर्क्कोटकी, स्त्री० तिक्तकर्क्कोटकी ॥ बाँझखखसा, वनककोडा ।
वभ्रु, पु० सितावरशाक ॥ चौपतियाशाक ।
वभ्रुधातु, पु० सुवर्णगैरिक ॥ पीलामाटी, गजनी ।
वर, न० कुंकुम । गुडत्वक् । वालक । आर्द्रक ॥ केशर । दालचीनी । सुगंधवाला । अदरख ।
वरा,स्त्री०त्रिफला गुडूची । मेदा । ब्राह्मी । विडङ्ग । पाठा।हरिद्रा ॥ हड़, बहेड़ा, आमला । गिलोय । मेदा । ब्रह्मीघास । वायविडङ्ग । पाठ । हलदी ।
वरी, स्त्री० शतावरी ॥ शतावर ।
वर्वट, पु० राजमाष ॥ लोविया ।
वर्वटी, स्त्री० ऐ ।
वर्ह, न० मयूरपिच्छ ॥ मोरकी पूंछका चाँद ।
वल, न० गन्धरस । शुक्र । पल्लव । रक्त ॥ बोल । वीर्य्य । पल्लव । पत्र । रुधिर ।
वल, पु० वरुणवृक्ष ॥ वरनावृक्ष ।
वलजा, स्त्री० यूथी ॥ जुही ।
वलद, न० जीवक ॥ जीवकौषधी ।
वलदा, स्त्री० अश्वगन्धा ॥ असगन्ध ।
वलदेवा, स्त्री० त्रायमाणा ॥ त्रायमान ।
वलभद्र, पुं० लोध्र ॥ लोध ।
वलभद्रा, स्त्री० त्रायमाणा । घृतकुमारी ॥ त्रायमान । घिकुवार ।
वलभद्रिका, स्त्री० त्रायमाणा ॥ त्रायमान ।
वलवर्द्धिनी, स्त्री० जीवक ॥ जीवकऔषधी ।
वलहा, [न्] पु० श्लेष्मा ॥ कफ ।
वला, स्त्री० क्षुप-विशेष ॥ खिरैंटी ।
वलाट, पु० मुद्ग ॥ मूँग ।
वलात्मिका, स्त्री० हस्तिशुण्डीवृक्ष ॥ हाथीशुण्डवृक्ष ।
वलाढ्या, स्त्री० वला ॥ खिरैंटी ।
वलामोटा, स्त्री० नागदमनी ॥ नागदौन ।
वलाय, पु० वरुणवृक्ष ॥ वरनावृक्ष ।
बलायक, पु० पानीयामल ॥ पानीआमला ।
बलास, पु० श्लेष्मा ॥ कफ ।
बलाहक, पु० मुस्तक ॥ मोथा ।
बलाह्वकन्द, पु० गुलश्वकन्द ॥ गुलश्वकन्द ।
बलि, पु० गन्धक ॥ गन्धक ।
बलि, स्त्री० गुदाङ्कुर । अर्शोवलि ॥ जराहेतु चर्म्मश्लथता ।
बलिका, स्त्री० अतिबला ॥ कंगई । कंघी ।
बलिनी, स्त्री० वाटचालक ॥ खिरैंटी ।
बलिपोदकी, स्त्री० उपोदकी ॥ पोईका शाक ।
बलिप्रिय, पु० लोध्रवृक्ष ॥ लोधकापेड ।
बली [न्], पु० कुन्दवृक्ष । माष ॥ कुन्दकापेड । लोविया ।
बल्य, न० प्रधानधातु ॥ शुक्र ।
बल्या, स्त्री० अतिबला । अश्वगन्धा । शिम्बीडीक्षुप । प्रसारणी ॥ कंघी। असगन्ध । चङ्गोनि देशान्तरीय भाषा । पसरन ।
बहुकण्टक, पु० क्षुद्रगोक्षुर । यवास । हिन्ताल ॥ छोटागोखुरु । जवासा । एक प्रकारका ताड़ ।
बहुकण्टका, स्त्री० अग्निदमनी ॥ अग्निदमनी ।
बहुकण्टा, स्त्री० कण्टकारी ॥ कटेरी ।
बहुकन्द पु० शूरण ॥ जमीकन्द ।
बहुकन्दा, स्त्री० कर्कटी ॥ ककडी ।
बहुकर्णिका, स्त्री० आखुकर्णी ॥ मूसाकानी ।
बहुकूर्च्च, पु० मधुनारिकेल ॥ मधुनारियल ।
बहुगन्ध, न० गुडत्वक् ॥ दालचीनी ।
बहुगन्ध, पु० कुन्दरुक ॥ कुन्दुरु ।
बहुगन्धदा, स्त्री० कस्तूरी ॥ कस्तूरी ।

बहुगन्धा, स्त्री० यूथिका । कृष्णजीरक ॥ जुही । कालाजीरा ।
बहुग्रन्थि, पु० झाबुक ॥ झाऊ ।
बहुच्छिन्ना, स्त्री० कन्दगुडूची ॥ कन्दागिलोय ।
बहुतरकणिश, पु० रागीधान्य ॥ रागीधान ।
बहुतिक्ता, स्त्री० काकमाची ॥ मकोय । कवैया ।
बहुत्वक् [**च्**], पु० भूर्जवृक्ष ॥ भोजपत्रवृक्ष ।
बहुत्वक, पु० ऐ ।
बहुदुग्ध, पु० गोधूम ॥ गेंहु ।
बहुदुग्धिका, स्त्री० स्नुही वृक्ष ॥ सेंडकापेड ।
बहुधार, न० वज्र ॥ हीरा ।
बहुनाद, पु० शङ्ख ॥ शंख ।
बहुपत्र, न० अभ्रक ॥ अभ्रक ।
बहुपत्र, न० पलाण्डु ॥ प्याज ।
बहुपत्रा, स्त्री० तरुणीपुष्प ॥ सेवतीका फूल ।
बहुपत्रिका, स्त्री० भूम्यामलकी । मेथिका । महाशतावरी ॥ भुईआमला । मेथी । बडी शतावर ।
बहुपत्री, स्त्री० लिङ्गिनीलता । घृतकुमारी । तुलसी । जतुका । बृहती । गोरक्षदुग्धा । पश्चगुरिया कुत्रचित्भाषा । घीकुवार । तुलसी । जतुका । मालवे प्रसिद्ध लता । कटाई । अमृतसञ्जीवनी ।
बहुपर्ण, पु० सप्तच्छदवृक्ष ॥ सतौना ।
बहुपर्णिका, स्त्री० आखुकर्णी ॥ मूसाकानी ।
बहुपर्णी, स्त्री० मेथिका ॥ मेथी ।
बहुपात्, [**द्**], पु० वटवृक्ष ॥ वडकापेड ।
बहुपाद, पु० ऐ ।
बहुपुत्र, पु० सप्तपर्णवृक्ष ॥ सतिवन ।
बहुपुत्री, स्त्री० शतमूली ॥ शतावर ।
बहुपुष्प, पु० पारिभद्रवृक्ष ॥ फरहद ।
बहुपुष्पिका, स्त्री० धातकी ॥ धायकेफूल ।
बहुप्रज, पु० मुञ्जतृण ॥ मूँज ।
बहुफल, पु० कदम्बवृक्ष । विकंकत । तेजःफल ॥ कदमकापेड । कण्टाई, विकंकत । तेजवल ।
बहुफला, स्त्री० क्षविका । माषपर्णी । काकमाची । त्रपुसी । शशाण्डुली । क्षुद्रकारवेल्ली । भूम्यामलकी ॥ बृहतीभेद । मषवन । मकोय । खीरा । शशाण्डुली, एकप्रकारकी ककडी । छोटाकरेला । भुईआमला ।
बहुफलिका, स्त्री० भूबदरी ॥ झडबेर ।
बहुकली, स्त्री० मृगेर्व्वारु । आमलकी ॥ सेंधिनी । आमला ।
बहुफेना, स्त्री० सातला ॥ सातला ।
बहुमञ्जरी, स्त्री० तुलसी ॥ तुलसी ।
बहुमल, पु० सीसक ॥ सीसा ।

बहुमूर्त्ति, स्त्री० वनकार्पास ॥ वनकपास ।
बहुमूल, पु० शिग्रु । स्थूलशर ॥ सैंजिनेका पेड । एकप्रकारकी शर ।
बहुमूलक, न० उशीर ॥ खस ।
बहुमूला, स्त्री० शतावरी ॥ शतावर ।
बहुमूली, स्त्री० माकन्दी ॥ माद्राणी ।
बहुरन्ध्रिका, स्त्री० मेदा ॥ मेदा ।
बहुरसा, स्त्री० महाज्योतिष्मती ॥ बडीमालकाङ्गनी ।
बहुरुहा, स्त्री० कन्दगुडूची ॥ कन्दगिलोय ।
बहुरूप, पु० सर्जरस ॥ राल ।
बहुल, न० श्वेतमरिच ॥ सफेदमिरच ।
बहुलगन्धा, स्त्री० एला ॥ इलायची ।
बहुलच्छद, पु० रक्तशिग्रु ॥ लालसैंजिनेका पेड।
बहुलवण, न० औषरक ॥ खारीनोन ।
बहुला, स्त्री० नीलिका । एला ॥ नीलकापेड । इलायची ।
बहुवल्क, पु० पियाल ॥ चिरौंजीका पेड ।
बहुवल्ली, स्त्री० डोडिक्षुप ॥ डोडिरुखडी ।
बहुवार, पु० फलवृक्ष-विशेष ॥ लिसोडा ।
बहुवारक, पु० ऐ ।
बहुविस्तीर्णा, स्त्री० कुचिका, रिपुघातिनी ॥ कुचईकाँठा वङ्गभाषा ।
बहुबीज, न० गण्डगात्र ॥ सरीफा ।
बहुबीजा, स्त्री० गिरिकदली ॥ पर्वतीकेला ।
बहुवीर्य्य, पु० बिभीतक । तण्डुलीयशाक । शाल्मलीवृक्ष । मरुबकवृक्ष ॥ बहेडेकापेड़ । चौलाईका शाक । सेमरकापेड़ । मरुआवृक्ष ।
बहुवीर्य्या, स्त्री० भूम्यामलकी ॥ भुई आमला ।
बहुशल्य, पु० रक्तखदिर ॥ लालखैर ।
बहुशाल, पु० स्नुही ॥ सैंडकापेड ।
बहुशिखा, स्त्री० जलपिप्पली ॥ जलपीपर ।
बहुसन्तति, पु० ब्रह्मयष्टि ॥ भारङ्गी ।
बहुसम्पुट, पु० विष्णुकन्द ॥ विष्णुकन्द ।
बहुसार, पु० खदिर ॥ खैर ।
बहुसुता, स्त्री० शतमूली ॥ शतावर ।
बहुस्रवा, स्त्री० सल्लकी ॥ सालईकापेड ।
बाडिङ्गन, पु० वार्त्ताकु ॥ वैंगुन ।
बाणा, स्त्री० पु० नीलझिण्टी ॥ नीलीकटसरैया ।
बादर, पु० कार्पासवृक्ष ॥ कपासका पेड ।
बादरा, स्त्री० ऐ ।
बाधक, पु० स्त्रीरोग-विशेष ॥ ऋतुदोष ।
बाधिर्य्य, न० बधिरता ॥ बहरापन ।

बाल्र्वटीर, पु० आम्रास्थि । त्रपु ॥ आमकी गुठली । सीसा ।

बाल, न० पु० गन्धद्रव्यविशेष ॥ नेत्रवाला, सुगंधवाला ।

बाल, पु० नारिकेल । केश ॥ नारियल । वाल ।

बालक, न० पु० ह्रीबेर ॥ सुगन्धवाला ।

बालकप्रिया, स्त्री० इन्द्रवारुणी। कदली ॥ इन्द्रायण । केला ।

बालटानय, पु० खदिरवृक्ष ॥ खैरकापेड ।

बालदलक, पु० ऐ।

बालपत्र, पु० खदिरवृक्ष । यवास ॥ खैरकापेड । जवासा ।

बालपत्रक, पु० खदिर वृक्ष । खैरकापेड ।

बालपुष्पिका, स्त्री० यूथी ॥ जुही ।

बालपुष्पी, स्त्री० ऐ ।

बालभद्रक, पु० विषभेद ॥ शाम्भव ।

बालभैषज्य, न० रसाञ्जन ॥ रसोत ।

बालभोज्य, पु० चणक ॥ चने ।

बालरोग, पु० बालकस्यरोग ॥ बालरोग ।

बाला, स्त्री० नारिकेल । हरिद्रा । मल्लिकाभेद । घृतकुमारी । ह्रीवेर । अम्बष्ठा । नीलझिण्टी । एला । चीनाकर्क्कटी ॥ नारियल । हलदी । मोतियापुष्पवृक्ष । घीकुवार । सुगंधवाला । चित्रकूटदेशकी ककडी । मोईया । नीलीकटसरैया ।

बालाक्षी, स्त्री० केशपुष्टावृक्ष ॥

बालिका, स्त्री० एला ॥ इलायची ।

बालीश, पु० मूत्रकृच्छ्ररोग ॥ सुजाक ।

बालु, स्त्री० एलावालुक नामगन्धद्रव्य ॥ एलुआ ।

बालुक, पु० पानीयालु ॥ पानीआलु।

बालुक, न० एलवालुक ॥ एलुआ ।

बालुका, स्त्री० रेणु–विशेष ॥ कर्पूर–विशेष । कर्कटी ॥ वालु, रेता । कपूरभेद । ककडी ।

बालुकात्मिका, स्त्री० शर्करा ॥ चीनी ।

बालुकायन्त्र, न० औषधपाकार्थ यन्त्र–विशेष ॥ वालुकायन्त्र ।

वालुकास्वेद, पु० तप्तवालुकाद्वारास्वेद क्रिया ।

बालुकी, स्त्री० कर्कटीभेद ॥ वालुकीककडी ।

बालुङ्की, स्त्री० कर्कटी ॥ ककड़ी।

बालुङ्किका, स्त्री० ऐ ।

बालुङ्गी, स्त्री० ऐ ।

बालुक, पु० विषभेद ।

बालेय, पु० अङ्गारवल्लरी । चाणक्यमूलक ॥ भारङ्गी । छोटीमूली ।

बालेयशाक, पु० ब्राह्मणयष्टिका ॥ ब्रह्मनेटि ।

बालेष्ट, पु० बदर ॥ बेर ।

बाहु, पु० कक्षादङ्गुलाग्रपर्य्यन्तावयव-विशेष॥बाहु ।

बाहुमूल, न० कक्ष ॥ बगल, काँख ।

बुक्क, त्रि० वक्षोभ्यन्तरमांस- विशेष ॥ कलेजा ।

बुक्काग्रमांस, न० हृदय ॥ हृदय ।

बुधा, स्त्री० जटामांसी ॥ जटामांसी, बालछड़ ।

बोधनी, स्त्री० पिप्पली ॥ पीपल ।

बोधि, पु० अश्वत्थवृक्ष ॥ पीपलकापेड़ ।

बोधितरु, पु० ऐ।

बोधिद्रुम, पु० ऐ ।

बोधिवृक्ष, पु० ऐ।

ब्रध्न, पु० अर्कवृक्ष । ब्रध्ननामकरोग ॥ आककापेड। एकप्रकारकारोग ।

ब्रह्मकन्यका, स्त्री० ब्राह्मी ॥ ब्रह्मी ।

ब्रह्मकोशी, स्त्री० अजमोद ॥ अजमोद ।

ब्रह्मगर्भा, स्त्री० आदित्यभक्ता ॥ हुरहुर ।

ब्रह्मघ्नी, स्त्री० घृतकुमारी ॥ घीकुवार ।

ब्रह्मचारणी, स्त्री० भार्ङ्गी ॥ भारङ्गी ॥

ब्रह्मचारिणी, स्त्री० ब्राह्मी । करुणीवृक्ष ॥ ब्रह्मीघास । ककुर खिरुणी कोकणदेशीयभाषा ।

ब्रह्मजटा, स्त्री० दमनक वृक्ष ॥ दवनावृक्ष ।

ब्रह्मण्य, पु० ब्रह्मदारुवृक्ष ॥ सहतूतकापेड ।

ब्रह्मतीर्थ, न० पुष्करमूल ॥ पोहकरमूल ।

ब्रह्मदण्ड, पु० ब्राह्मणयष्टिका ॥ ब्रह्मनेटि ।

ब्रह्मदण्डी, स्त्री० स्वनामख्यात क्षुद्रक्षुप-विशेष ॥ ब्रह्मदण्डी औषधी ।

ब्रह्मदर्भा, स्त्री० यवानी ॥ अजवायन ।

ब्रह्मदारु, न० स्वनामख्याताश्वत्थाकारवृक्ष ॥ सहतूतकापेड़ ।

ब्रह्मपत्र, पु० पलाशपत्र ॥ ढाककेपत्ते ।

ब्रह्मपर्णी, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन ।

ब्रह्मपवित्र, पु० कुश ॥ कुशा ।

ब्रह्मपादप, पु० पलाशवृक्ष ॥ ढाकका पेड़ ।

ब्रह्मपुत्र, पु० विषभेद ॥ ब्रह्मपुत्रविष ।

ब्रह्मपुत्री, स्त्री० वाराहीकन्द ॥ गेंठी, चर्मकारालुक ।

ब्रह्मभूमिजा, स्त्री० सैंहली ॥ सिंहलीपीपल ।

ब्रह्ममेखल, पु० मुञ्ज ॥ मूज ।

ब्रह्मयष्टी, स्त्री० भार्ङ्गी ॥ भारङ्गी ।

ब्रह्मरीति, स्त्री० पित्तलभेद ॥ पीतलभेद ।

ब्रह्मवर्द्धन, न० आम्र ॥ आम ।

ब्रह्मबीज, न० पलाशबीज ॥ ढाककेबीज ।

ब्रह्मवृक्ष, पु० पलाशवृक्ष । उदुम्बर ॥ पलास, ढाक । गूलर ।

ब्रह्मशल्य, पु० सोमवल्कवृक्ष ॥ पपडियाकत्था।
ब्रह्माणी, स्त्री० रेणुका । राजरीति ॥ रेणुक । पीतलभेद ।
ब्रह्मादनी, स्त्री० हंसपदी ॥ लालरङ्गका लज्जालु ।
ब्रह्मी, स्त्री० फञ्जिका । ब्राह्मी ॥ भारङ्गी । ब्रह्मी ।
ब्रह्मोपनेता, [ऋ] पु० पलाशवृक्ष॥ढाककापेड ।
ब्राह्मणयष्टिका, स्त्री० ब्राह्मणयष्टी ॥ ब्रह्मनेटि, भारङ्गी ।
ब्राह्मणयष्टी, स्त्री० ऐ ।
ब्राह्मणी, स्त्री० फञ्जिका । पृक्का ॥ ब्रह्मनेटि । असवरग ।
ब्राह्मिका, स्त्री० भार्ङ्गी ॥ भारङ्गी ।
ब्राह्मी, स्त्री० जलसमीपस्थ तिक्तरस क्षुद्रपत्रशाकविशेष । ब्राह्मणयष्टिका । सोमवल्ली । महाज्योतिष्मती । मत्स्याक्षी । वाराही । हिलमोचिका ॥ ब्रह्मी । भारङ्गी । सोमलता । बडीमालकाङ्गनी मछेछी । वाराहीकन्द । हुलहुलशाक ।
ब्राह्मीकन्द, पु० वाराहीकन्द ॥ गेंठी, वाराहीकन्द ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृते शालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधाने बकाराक्षरे त्रयोविंशस्तरङ्गः ॥ २३ ॥

भ.

भक्त, न० पञ्चगुणजलस्यसिद्धतण्डुल ॥ भात ।
भक्तमण्ड, पु० न० अन्नमण्ड ॥ भातका माड ।
भग, न० पु० स्त्रीचिह्न ॥ योनि ।
भगन्दर, पु० अपानदेशजव्रणरोग-विशेष॥ भगन्दरोग ।
भग्न, न० रोग-विशेष ॥ चोट लगनेसे हड्डीका टूटजाना ।
भग्नसन्धि, पु० रोग-विशेष ॥ टूटी हुई हड्डी का जोडना ।
भङ्ग, पु० रोग-विशेष ॥ रोग ।
भङ्गवासा, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
भङ्गा, स्त्री० वृक्षविशेष । त्रिवृता । त्रैलोक्यविजया ॥ मातुलानी । निसोत । भङ्ग ।
भङ्गुरा, स्त्री० अतिविषा । प्रियङ्गु । धूनराज ॥ अतीस । फूलप्रियङ्ग । मस्तगी ।
भञ्जनक, पु० मुखरोग-विशेष ।
भटा, स्त्री० इन्द्रवारुणी ॥ इन्द्रायण ।
भटित्र, न० शूलपक्वमांसादि ॥ कबाब, फारसी भाषा ।
भण्टाकी, स्त्री० वार्त्ताकी । बृहती । तालमूली । कण्टकारी ॥ बेंगुन । कटाई । मुसली । कटेहरी ।
भण्टुक, पु० श्योनाकवृक्ष ॥ टेंटु ।
भण्डिका, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ ।
भण्डिर, पु० शिरीषवृक्ष ॥ सिरसकापेड ।
भण्डिल, पु० ऐ ।
भण्डी, स्त्री० मञ्जिष्ठा । शिरीषवृक्ष ॥ मजीठ । सिरसकापेड ।
भण्डीतकी, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ ।
भण्डीर, पु० समष्ठीलवृक्ष । तण्डुलीयशाक । शिरीषवृक्ष ॥ कोकुयावृक्ष । चौलाईकाशाक । सिरसकापेड ।
भण्डीरलतिका, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ ।
भण्डीरी, स्त्री० ऐ ।
भण्डील, पु० ऐ ।
भण्डुक, **भण्डूक**, } पु० श्योनाकवृक्ष ॥ शोनापाठा ।
भद्र, न० मुस्त । काञ्चन ॥ मोथा । सोना ।
भद्र, पु० कदम्ब । स्नुही ॥ कदमकापेड । सैंडकापेड ।
भद्रक, न० भद्रमुस्तक ॥ नागरमोथाभेद ।
भद्रक, पु० देवदारु ॥ देवदार ।
भद्रकण्ट, पु० गोक्षुर ॥ गोखरू ।
भद्रकाली, स्त्री० प्रसारणी ॥ प्रसारनी, पसरन ।
भद्रकाशी, स्त्री० भद्रमुस्ता ॥ नागरमोथाभेद ।
भद्रगन्धिका, स्त्री० मुस्तक ॥ मोथा ।
भद्रचूड़, पु० लङ्कास्थायी ॥ लङ्कासिज वङ्गभाषा।
भद्रज, पु० इन्द्रयव ॥ इन्द्रजौ ।
भद्रतरुणी, स्त्री० कुब्जकवृक्ष ॥ कूजावृक्ष ।
भद्रतिक्ता, स्त्री० महातिक्ताक्षुप ॥ मिसमितिता देशान्तरीय भाषा ।
भद्रदन्तिका, स्त्री० दन्तीवृक्षभेद ॥ भद्रदन्ती ।
भद्रदारु, न० पु० देवदारुवृक्ष । सरलवृक्ष ॥ देवदारुवृक्ष । धूपसरल ।
भद्रदार्वादिक, पु० औषधगण-विशेष ॥ देवदारु, कूठ, हलदी, बरना, मेढाशिङ्गी, खिरैंटी, गुलसकरी, नीलीकटसरैया, कौंछ, सालई, पाढल, कोह, पियावाँसा, अरणी, गिलोय, अण्ड, पाखानभेद, सफेदआक, आक, शतावर, विषखपरा, गदहपूर्ना, बथुआ, गजपीपर, कचनार, भारङ्गी, कपास, वृश्चिकाली, शालिञ्चाशाक, बेर, जौ, कुल्थी, छोटाबेर,। यह सर्व द्रव्य भद्रदार्वादि गण नामसे प्रसिद्धहै ।

भद्रनामिका, स्त्री० त्रायन्तीवृक्ष ॥ त्रायमान ।
भद्रपर्णी, स्त्री- कटम्भरावृक्ष ॥ पसरन ।
भद्रपर्णी, स्त्री० गम्भारी । प्रसारणी ॥ कुम्भेर । पसरन ।
भद्रमल्लिका, स्त्री० गवाक्षी । मल्लिकाविशेष ॥ एक प्रकारकी ककडी वेलाका वृक्ष ।
भद्रमुञ्ज, पु० मुञ्जभेद ॥ रामशर, सरयता ।
भद्रमुस्तक, पु० नागरमुस्तक ॥ नागरमोथा । भद्रमोथा ।
भद्रमुस्ता, स्त्री० ऐ ।
भद्रयव, न० इन्द्रयव ॥ इन्द्रजौ ।
भद्रवत्, न० देवदारु ॥ देवदारु ।
भद्रवती, स्त्री० भद्रपर्णी ॥ पसरन ।
भद्रवर्म्मा [न्], पु० नवमल्लिका ॥ नेवारी ।
भद्रबला, स्त्री० लताविशेष । बला ॥ प्रसारणी । खिरैंटी ।
भद्रवल्लिका, स्त्री० गोपवल्ली ॥ गौरीसर, गौरीआसाऊ ।
भद्रवल्ली, स्त्री० मल्लिका । माधवीलता । अष्टपादिका ॥ वेलावृक्ष । माधवीवेल । मदनमाली ।
भद्रश्रिय, न० चन्दन ॥ चन्दन ।
भद्रश्री, पु० चन्दनवृक्ष ॥ चन्दनका पेड ।
भद्रा, स्त्री० रास्ना । पिप्पली । प्रसारणी । कट्फल अपराजिता । अनन्ता । जीवन्ती । नीली । हरिद्रा । श्वेतदूर्वा । काश्मरी । शारिवा-विशेष । काकोदुम्बरिका । बला । शमी । वचा । दन्ती॥ रायसन । पीपल । पसरन । कायफल । कोयल। गौरीसर । जीवन्ती । नीलकापेड । हलदी । सफेददूब । गम्भारी, कुम्भेर । श्यामालता । कठूम्बर । खरैंटी । छोंकरवृक्ष । वच । दंती ।
भद्रालपत्रिका, स्त्री० गन्धाली ॥ पसरन ।
भद्रालपत्री, **भद्राली**, स्त्री० ऐ ।
भद्रावती, स्त्री० कट्फलवृक्ष ॥ कायफल ।
भद्राश्रय, पु० चन्दन ॥ चन्दन । सन्दल, फारसी भाषा ।
भद्रैला, स्त्री० स्थूलैला ॥ बडी इलायची ।
भद्रोत्कट, पु० प्रसारणी ॥ पसरन ।
भद्रोदनी, स्त्री० बला । नागबला ॥ खरैंटी । गुलसकरी ।
भय, न० कुब्जकवृक्ष ॥ कूजावृक्ष ।
भयनाशिनी, स्त्री० त्रायमाणा ॥ त्रायमान ।
भरणी, स्त्री० घोषकलता ॥ तोरई ।
भरण्याह्वा, स्त्री० रामदूती ॥ तुलसीभेद ।
भरु, पु० स्वर्ण ॥ सोना ।
भर्त्सपत्रिका, स्त्री० महानीली ॥ बडा नीलकापेड
भर्म्म, न० स्वर्ण ॥ सोना ।
भर्म्म [न्], न० स्वर्ण । धत्तूर ॥ सोना । धतूरा ।
भलता, स्त्री० राजबला ॥ प्रसारणी ।
भल्लपुच्छी, स्त्री० गवेशका ॥ नागबलाभेद ।
भल्लात, पु० भल्लातकवृक्ष ॥ भिलावेकापेड ।
भल्लातक, पु० ऐ ।
भल्लातकी, स्त्री० ऐ ।
भल्लिका, स्त्री० ऐ ।
भल्लीका, स्त्री० ऐ ।
भल्लूक, पु० श्योनाकप्रभेद ॥ सोनापाठा ।
भव, न० भव्यफल ॥ भव्यफल ।
भवदारु, न० देवदारु ॥ देवदारु ।
भवबीज, न० पारद ॥ पारा ।
भवाभीष्ट, न० गुग्गुलु ॥ गूगल ।
भव्य, न० फल-विशेष ॥ भव्यफल ।
भव्य, पु० कर्म्मरङ्गवृक्ष ॥ कमरखकापेड ।
भव्या, स्त्री० गजपिप्पली ॥ गजपीपल ।
भषा, स्त्री० स्वर्णक्षीरी ॥ एक प्रकारकी कटेहरी ।
भस्म [न्], न० शिवाङ्गभूषण ॥ भस्म । क्षार ।
भस्मक, न० रोग-विशेष । विडङ्ग । स्वर्ण । रौप्य ॥ भस्मकीट रोग । वायविडङ्ग । सोना । चाँदी ।
भस्मगन्धा, स्त्री० रेणुका ॥ रेणुका सुगन्धि द्रव्य ।
भस्मगन्धिका, स्त्री० ऐ ।
भस्मगन्धिनी, स्त्री० ऐ ।
भस्मगर्भ, पु० तिनिशवृक्ष ॥ तिरच्छवृक्ष ।
भस्मगर्भा, स्त्री० कपिलशिंशपा । रेणुका ॥ कपिलरङ्गकासीसा । रेणुकागन्धद्रव्य ।
भस्मरोहा, स्त्री० दग्धावृक्ष ॥ कुरुह मराठीभाषा
भस्मवेधक, पु० कर्पूर ॥ कपूर ।
भस्माह्वय, पु० ऐ ।
भक्षटक, पु० क्षुद्रगोक्षुर ॥ छोटेगोखुरु ।
भक्ष्यपत्रा, स्त्री० नागवल्ली ॥ पान ।
भक्ष्यालाबु, स्त्री० राजालाबु ॥ मीठी तोम्बी ।
भाजन, न० आढकपरिमाण ॥ आठसेर ।
भाण्ड, पु० गर्दभाण्डवृक्ष ॥ गजहंदु ।
भाण्डीर, पु० वटवृक्ष ॥ वडकापेड ।
भानु, पु० अर्कवृक्ष ॥ आककापेड ।
भानुफला, स्त्री० कदली ॥ केला ।

भार, पु० विंशतितुलापरिमाण । दोसे २००तोले ।
भारता, स्त्री० ब्राह्मी ॥ ब्रह्मी ।
भारद्वाजी, स्त्री० वनकार्पासी ॥ वनकपास ।
भारवाही, स्त्री० नीली ॥ नीलका पेड ।
भारवृक्ष, पु० काक्षीनामकगन्धद्रव्य ॥ काक्षी ।
भार्गवप्रिय, पु० हीरक ॥ हीरा ।
भार्गवी, स्त्री० दूर्वा । नीलदूर्वा । श्वेतदूर्वा॥ दूब । नीलीदूब। सफेद दूब ।
भार्ङ्गी, स्त्री० क्षुप -विशेष ॥ भारङ्गी, ब्रह्मनेटि ।
भार्द्वाजी, स्त्री० वनकार्पासी ॥ वनकपास।
भार्य्यावृक्ष, पु० पतङ्गवृक्ष ॥ पतङ्गकापेड ।
भाल, न० भ्रूद्वयोर्द्ध्वभाग॥दोनोभौंहकेऊपरकाभाग ।
भालदर्शन, न० सिन्दूर ॥ सिन्दूर ।
भालाङ्क, पु० शाकभेद । एकप्रकारका शाक ।
भावन, न० भव्य ॥ भव्यफल ।
भासुर, न० कुष्ठौषध ॥ कूठ ।
भासुर, पु० स्फटिक ॥ फटिक ।
भासुरपुष्पा, स्त्री० वृश्चिकाली ॥ वृश्चिकाली ।
भास्कर, न० स्वर्ण ॥ सोना ।
भास्कर, पु० अर्कवृक्ष ॥ आककापेड ।
भास्करेष्टा, स्त्री० आदित्यभक्ता ॥ हुरहुर ।
भास्वर, न० कुष्ठौषध ॥ कूठ ।
भास्वान् [त्], पु० अर्कवृक्ष ॥ आककापेड़ ।
भिण्ड पु० भिण्डाक्षुप ॥ भिण्डीकापेड ।
भिण्डक, पु० ऐ ।
भिण्डा, स्त्री० ऐ ।
भिण्डीतक, पु० ऐ ।
भिदा, स्त्री० धन्याक ॥ धनिया ।
भिदुर, पु० प्लक्षवृक्ष ॥ पाखरकापेड ।
भिन्न, न० क्षतरोग-विशेष ।
भिन्नगात्रिका, स्त्री० कर्कटी ॥ ककड़ी ।
भिन्नभिन्नात्मा [न्], पु० चणक ॥ चने ।
भिन्नयोजनी, स्त्री० पाषणभेदकवृक्ष ॥ पाखानभेद वृक्ष ।
भिरिण्टिका, स्त्री० श्वेतगुञ्जा ॥ सफेद घुघुची ।
भिल्लतरु, पु० लोध्र ॥ लोध ।
भिल्ला, स्त्री० ऐ ।
भिषक्प्रिया, स्त्री० गुडूची ॥ गिलोय ।
भिषग्जित, न० औषध ॥ औषधी ।
भिषग्भद्रा, स्त्री० भद्रदन्तिका ॥ भद्रदन्ती ।
भिषग्माता [ऋ], स्त्री० वासक ॥ वांसा ।
भिक्षु, पु० श्रावणीक्षुप । कोकिलाक्ष ॥ गोरखमुण्डी । तालमखाना ।
भीमा, स्त्री० रोचनाख्यगन्धद्रव्य ।
भीरु, स्त्री० शतावरी । कण्टकारी ॥ शतावर । कटेहरी ।
भीरु पु० इक्षु-विशेष ॥ एकप्रकारके पौंडे ।
भीरुक, पु० इक्षुभेद ॥ भौरवी।
भीरुपत्री, स्त्री० शतमूली ॥ शतावर ।
भीरुभूषण, स्त्री० गुञ्जा ॥ घुघुची ।
भीषण, पु० कुन्दुरुक । हिन्ताल शल्लकी ॥ कुन्दुरु । एकप्रकारकाताड़ । शालई वृक्ष ।
भुक्तिप्रद, पु० मुद्ग ॥ मूग ।
भुजङ्गघातिनी, स्त्री० वृक्ष--विशेष ॥ कंकालिका वनस्पति ।
भुजङ्गजिह्वा, स्त्री० महासमङ्गा ॥ कगहिया ।
भुजङ्गम, न० सीसक ॥ सीसा ।
भुजंगलता, स्त्री० नागवल्ली ॥ पान ।
भुजङ्गवल्ली, स्त्री० ऐ ।
भुजङ्गाख्य, पु० नागकेशर ॥ नागकेशर ।
भुजङ्गाक्षी, स्त्री० रास्ना । सर्पाक्षी ॥ रायसन । सरहटी, मंडनी ।
भूकदम्ब, पु० कुलाहलवृक्ष ॥ कोकूसिम, वङ्ग भाषा ।
भूकदम्बक, पु० यवानी ॥ अजमान ।
भूकदम्बिका, स्त्री० महाश्रावणिका ॥ बड़ी गोरखमुण्डी ।
भूकन्द, पु० महाश्रावणिका । वासक । अलम्बुष॥ बडी गोरखमुण्डी । अडूसा । वनमूलवङ्गभाषा ।
भूकर्बुदारक, पु० वृक्ष-विशेष ॥ छोटालिसोडा । अर्थात् लभेरा ।
भूकुम्भी, स्त्री० भूपाटली ॥ भुईपाडर ।
भूकूष्माण्डी, स्त्री० विदारी ॥ विदारीकन्द ।
भूकेश, पु० शैवाल । वट ॥ सिवार । वडकापेड
भूकेशी, स्त्री० सोमराजी ॥ बावची ।
भूखर्जूरी, स्त्री० क्षुद्रखर्जूरी ॥ छोटी वा देशी खजूर ।
भूगर, न० विष ॥ जहर ।
भूजम्बु, स्त्री० गोधूम । विकङ्कतफल । भूमिजम्बु॥ गेहू । विकङ्कतकाफल । भूईजामुन, छोटीजामुन ।
भूतकेश, पु० स्वनामख्याततृण ॥ भूतकेशतृण ।
भूतकेशी, स्त्री० भूतकेश । शेफालिका । नालसिन्दुवार ॥ भूतकेशतृण । निर्गुण्डीभेद । नीलसह्मालु ।
भूतगन्धा, स्त्री० मुरा ॥ कपूरकचरी ।

भूतघ्न, पु० लशुन । भूर्ज्जपत्रवृक्ष ॥ लहशन । भोजपत्रवृक्ष ।
भूतघ्नी, स्त्री० तुलसी । मुण्डतिका ॥ तुलसी । गोरखमुण्डी ।
भूतजटा, स्त्री० जटामांसी । गन्धमांसी ॥ बालछड । जटामांसी । जटामांसिभेद ।
भूतद्रावी, [न्], पु० भूताङ्कुशवृक्ष । रक्तकरवीर॥ भूतराजदेशान्तरीय भाषा । लालकनेर ।
भूतद्रुम, पु० श्लेष्मान्तकवृक्ष ॥ लिसोडावृक्ष ।
भूतनाशन, न० रुद्राक्ष ॥ रुद्राक्ष ।
भूतनाशन, पु० भल्लातक । सर्षप ॥ भिलावेका पेड । सर्सों ।
भूतपत्री, स्त्री० तुलसी ॥ तुलसी ।
भूतपुष्प, पु० श्योनाकवृक्ष ॥ शोनापाठा ।
भूतमणि, स्त्री० चीडानामकगन्धद्रव्य ॥ चीढ् ।
भूतलिका, स्त्री० पृक्का ॥ असवरग ।
भूतवास, पु० कलिद्रुम ॥ बहेड़ावृक्ष ।
भूतविक्रिया, स्त्री० अपस्माररोग ॥ मृगीरोग ।
भूतवृक्ष, पु० शाखोटवृक्ष । श्योनाकवृक्ष ॥ सहोरावृक्ष । शोनापाठा ।
भूतवेशी, स्त्री० श्वेतशेफालिका ॥ कर्त्तरीनिर्गुण्डी।
भूतसञ्चार, पु० भूतोन्मादरोग ।
भूतसार, पु० श्योनाकभेद ॥ शोनापाठा ।
भूतहन्त्री, स्त्री० नीलदूर्वा । वन्ध्याकर्कोटकी ॥ नीलीदूब । वांझखखसा ।
भूतहर, पु० गुग्गुलु ॥ गूगल ।
भूतहारि, [न्] न० देवदारु ॥ देवदारु ।
भूताङ्कुश, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ भूतांकुश ।
भूतारि, न० हिङ्गु ॥ हीङ्ग ।
भूताली, स्त्री० भूपाटली । मुसली ॥ भुईपाडर । मुसली ।
भूतावास, पु० विभीतकवृक्ष ॥ बहेड़ावृक्ष ।
भूति, स्त्री० वृद्धिऔषध । रोहिषतृण । भूतृण ॥ वृद्धि । रोहिससोंधिया । शरवाण ।
भूतिक, न० भूनिम्ब । कत्तृण । कट्फल । यवानी। कर्पूर ॥ चिरायता । गंधेजघास । कायफर । अजवायन । कपूर ।
भूतिक, पु० यवानी ॥ अजमायन ।
भूतीक, न० भूनिम्ब । यमानी । भूस्तृण । कत्तृण॥ चिरायता । अजवायन । शरबाण । गंधेजघास ।
भूतृण, न० गन्धतृण ॥ सुगंधतृण।गंधेजघास ।
भूतृण, पु० भूस्तृण । रोहिषतृण, शरवान । रोहिससोंधिया ।
भूत्तम, न० सुवर्ण । सोना ।

भूदरीभवा, स्त्री० आखुकर्णी ॥ मूसाकानी ।
भूधात्री, स्त्री० भूम्यामलकी ॥ भुई आमला ।
भूनिम्ब, पु० किराततिक्त ॥ चिरायता ।
भूनिम्बादिगण, पु० " शुण्ठीगुडूचीचिरतिक्त मुस्ता" ॥ सोंठ, गिलोय, चिरायता, मोथा यह भूनिम्बादि गण है ।
भूपति, पु० ऋषभ ॥ ऋषभक औषधी ।
भूपदी, स्त्री० मल्लिका ॥ मल्लिका ।
भूपलाश, पु० वृक्षभेद ॥ विशाली ।
भूपाटली, स्त्री० वृक्ष-विशेष॥भूपातली, लेनवादरी। भुई पाढ़ल दक्षिण देशीयभाषा ।
भूपेष्ट, पु० राजादनीवृक्ष ॥ खिरनीकापेड़ ।
भूमिकदम्ब, पु० कदम्ब-विशेष ॥ भुईकदम ।
भूमिकूष्माण्ड, पु० भूमिजातकूष्माण्ड ॥ बिदारी कन्द ।
भूमिखर्जूरिका, स्त्री० क्षुद्रखर्ज्जूरी॥देशीखजूर ।
भूमिखर्जूरी, स्त्री० ऐ ।
भूमिचम्पक, पु० पुष्पवृक्ष-विशेष ॥ भुईं चम्पा ।
भूमिज, न० गौरसुवर्ण ॥ यह चित्रकूटदेशमें प्रसिद्ध है ॥
भूमिज, पु० भूमिकदम्ब ॥ भुईकदम ।
भूमिजगुग्गुलु, पु० गुग्गुलु-विशेष॥ भूमिजगूगल ।
भूमिजम्बु, स्त्री० क्षुद्रजम्बु । भुईजामुन, छोटीजामुन ।
भूमिजम्बु, स्त्री० } ऐ ।
भूमिजम्बूका, स्त्री० }
भूमिपिशाच, पु० तालवृक्ष ॥ ताड़कापेड ।
भूमिमण्ड, पु० अष्टपादिका ॥ मदनमाली ।
भूमिमण्डपभूषणा, स्त्री० माधवीलता ॥ माधवी पुष्पलता ।
भूमीसह, पु० वृक्ष--विशेष ॥ भुईसह ।
भूम्यामलकी, स्त्री० क्षुप--विशेष ॥ भुईआमला-
भूम्यामली, स्त्री० ऐ ।
भूम्याहुल्य, न० क्षुप--विशेष ॥ भुअितरवड पश्चिमदेशीयभाषा ।
भूयुक्ता, स्त्री० भूमिखर्ज्जूरी ॥ देशीखजूर ।
भूरि, न० स्वर्ण ॥ सोना ।
भूरिगन्धा, स्त्री० पुरानामकगन्धद्रव्य ॥ एकाङ्गी ।
भूरिदुग्धा, स्त्री० वृश्चिकाली ॥ वृश्चिकाली ।
भूरिपत्र, पु० उखर्वलतृण ॥ उखलतृण ।
भूरिफलितदा, स्त्री० पाण्डुरफली ॥ पाण्डुफली वृक्ष ।
भूरिफेना, स्त्री० सतलावृक्ष ॥ सातलावृक्ष ।

भूरिमल्ली, स्त्री० अम्बष्ठा ॥ मोईया।
भूरिबला, स्त्री० अतिबला ॥ कंघी।
भूरुण्डी, स्त्री० श्रीहस्तिनीवृक्ष ॥ हाथीशुण्डवृक्ष।
भूर्ज, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ भोजपत्रवृक्ष।
भूर्जपत्र, **भूर्जपत्रक**, पु० ऐ।
भूलग्ना, स्त्री० शङ्खपुष्पी ॥ शंखाहुली।
भूवदरी, स्त्री० क्षुद्रकोलि ॥ झडबेर।
भूशेलु, पु० भूकर्बुदारक ॥ लभेरा।
भूस्तृण, न० भूतृण ॥ शरवाण।
भृङ्ग, न० त्वच। अभ्रक ॥ दालचीनी। अभ्रक।
भृङ्ग, पु० भृङ्गराज ॥ भङ्गरा।
भृङ्गज, न० अगरु ॥ अगर।
भृङ्गजा, स्त्री० भार्ङ्गी ॥ भारङ्गी।
भृङ्गपर्णिका, स्त्री० सूक्ष्मैला ॥ छोटीइलायची।
भृङ्गप्रिया, स्त्री० माधवीलता ॥ माधवीलता।
भृङ्गमाणि, स्त्री० भ्रमरमणि ॥ भ्रमरमणि पुष्पवृक्ष
भृङ्गमूलिका, स्त्री० भ्रमरच्छली ॥ भ्रमरच्छल्ली ॥
भृङ्गरज, पु० भृङ्गराज ॥ भाङ्गरा।
भृङ्गरजा, [स्], पु० ऐ।
भृङ्गराज, पु० स्वनामख्यातक्षुप ॥ भाङ्गरा।
भृङ्गवल्लभ, पु० धाराकदम्ब। भूमिकदम्ब ॥ धारा कदम। भुईकदम।
भृङ्गवल्लभा, स्त्री० भूमिजम्बू। तरुणीपुष्प ॥ छोटीजामुन। सेवतीके फूल।
भृङ्गसोदर, पु० केशराज ॥ कुकुरभाङ्गरा।
भृङ्गानन्दा, स्त्री० यूथिका ॥ जुही।
भृङ्गाभीष्ट, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमकापेड।
भृङ्गार, न० लवङ्ग ॥ लोंग।
भृङ्गार, पु० भृङ्गराज ॥ भङ्गरा।
भृङ्गारि, स्त्री० केतिकीपुष्प ॥ केवडेकाफूल।
भृङ्गाह्व, पु० जीवक। भृङ्गराज ॥ जीवक। भङ्गरा।
भृङ्गाह्वा, स्त्री० भ्रमरच्छली ॥ भ्रमरच्छली।
भृङ्गिणी, स्त्री० वटीवृक्ष ॥ नदीवड।
भृङ्गी, स्त्री० अतिविषा ॥ अतीस।
भृङ्गी, [न्] पु० वटवृक्ष ॥ वडकापेड।
भृङ्गीफल, पु० आम्रातकवृक्ष ॥ अम्बाडेका वृक्ष।
भृङ्गेष्टा, स्त्री० घृतकुमारी। भार्ङ्गी। तरुणी। काकजम्बु ॥ घिकुवार। भारङ्गी। सेवती। एक प्रकारकी जामुन।
भेकपर्णी, स्त्री० मण्डूकपर्णी ॥ मण्डुकपानी-ब्रह्ममण्डुकी।
भेकी, स्त्री० ऐ।

भेदक, त्रि० विरेचक औषधादि ॥
भेदन, न० हिङ्गु ॥ हीङ्ग।
भेदन, पु० अम्लवेतस ॥ अम्लवैंत।
भेदी, [न्] पु० ऐ।
भेषज, न० औषध ॥ औषधीं।
भैषज्य, न० ऐ।
भोगिवल्लभ, न० चन्दन ॥ चन्दन।
भोज्यसम्भव, पु० शरीरस्थ रस धातु ॥ शरीर में रसधातु।
भौत्तिक, न० मुक्ता ॥ मोती।
भौम, पु० रक्तपुनर्नवा ॥ गदहपूर्ना।
भौमरत्न, न० प्रवाल ॥ मूगा।
भ्रमरच्छल्ली, स्त्री० लता-विशेष ॥ भ्रमरच्छली।
भ्रमरप्रिय, पु० धाराकदम्ब ॥ धाराकदम।
भ्रमरमरी, स्त्री० मालवदेशप्रसिद्धपुष्पवृक्ष-विशेष ॥ भ्रमरमारी।
भ्रमरा, स्त्री० भ्रमरच्छली ॥ भ्रमरच्छली।
भ्रमरातिथि, पु० चम्पक ॥ चम्पा।
भ्रमरानन्द, पु० बकुल। रक्ताम्लान ॥ मौलसिरीकापेड। रक्तकोराटा मराठीभाषा।
भ्रमरानन्दा, स्त्री० अतिमुक्तकपुष्पवृक्ष ॥ अतिमुक्तक।
भ्रमरी, स्त्री० जतुकालता। पुत्रदात्री।
भ्रमरेष्ट, पु० श्योनाकभेद ॥ शोनापाठा।
भ्रमरेष्टा, स्त्री० भार्ङ्गी। भूमिजम्बू ॥ भारङ्गी। छोटीजामुन।
भ्रमोत्सवा, स्त्री० माधवीलता ॥ माधवीवेल।
भ्राजक, न० पित्तविशेष।
भ्रान्त, पु० राजधुस्तूर ॥ राजधुतूरा।
भ्रामक, पु० अयस्कान्तभेद ॥ चुम्बकपत्थर।
भ्रामर, न० भ्रमरजातमधु ॥ भौंरोका मध।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृतेशालिग्रामौषधशब्दसागरे द्रव्याभिधानेभकाराक्षरेचतुर्विंशस्तरङ्गः ॥२४॥

व्यञ्जनतरङ्गसमाप्त।

म

म, पु० विष ॥ जहर।
मकरन्द, पु० पुष्परस। कुन्दपुष्पवृक्ष ॥ मधु। कुन्देकावृक्ष।
मकरन्दवती, स्त्री० पाटलपुष्प ॥ पाडरका फूल।
मकराकार, पु० षड्ग्रन्थ॥ एकप्रकारकी करञ्ज।
मकुर, पु० बकुल ॥ मोलसिरीकापेड।

मकुष्ठ, पु० धान्यभेद + वनमुद्ग ॥ वनमूंग अर्थात् मोठ।

मकुष्ठक, पु० ऐ।

मकूलक, पु० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीकापेड।

मक्कुल्ल, न० शिलाजतु ॥ शिलाजीत।

मक्कोल, पु० खटिका।

मखान्न, न० खाद्यबीजभेद ॥ मखाना।

मगधा, स्त्री० पिप्पली ॥ पीपर।

मगधोद्भवा, स्त्री० पिप्पली। पीपल।

मघी, स्त्री० धान्यभेद ॥

मङ्गलच्छाय, पु० प्लक्षवृक्ष ॥ पाखरका पेड।

मङ्गलप्रदा, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी।

मङ्गला, स्त्री० शुक्लदूर्वा। करञ्जभेद। हरिद्रा। नीलदूर्वा॥सफेददूब। एकप्रकारका करञ्ज। हलदी। नीलीदूब।

मङ्गलागुरु, न० अगुरु-विशेष ॥ मङ्गलागर।

मङ्गल्य, न० दधि। चन्दन। मङ्गल्यागुरु। स्वर्ण। सिन्दूर ॥ दही। चन्दन। मङ्गल्यागर। सोना। सिन्दूर।

मङ्गल्य, पु० त्रायमाणा। अश्वत्थ। बिल्व। मसूरक। जीवक। नारिकेल। कापित्थ। रीठाकरञ्ज ॥ त्रायमान। पीपलकापेड। बेलकापेड। मसूर-अन्न। जीवक। नारियलकापेड। कैथलका पेड। रीठाकरञ्ज।

मङ्गल्यक, पु० मसूर ॥ मसूर।

मङ्गल्यकुसुमा, स्त्री० शङ्खपुष्पी ॥ शंखाहुली।

मङ्गल्यनामधेया, स्त्री० जीवन्ती॥ डोडीका शाक।

मङ्गल्या, स्त्री० मल्लिकागन्धयुक्तागुरु। शमीवृक्ष। अधःपुष्पी। मिसी। शुक्लवचा। गोरोचना। प्रियङ्गु। शङ्खपुष्पी। माषपर्णी। जीवन्ती। ऋद्धि। वचा। हरिद्रा। चीडा। दूर्वा ॥ मल्लिकाकेफूलोकीसी सुगंधवालीअगर।छोंकरावृक्ष।अधःपुष्पीतृण। सौंफ। सफेदवच। गोरोचन। फूलप्रियङ्गु। शंखाहुली। मषवन। जीवन्ती। डोडीकाशाग। ऋद्धिऔषधी। वच। हलदी। चीढ। दूब।

मज्जफल, न० फल-विशेष ॥ माजुफल।

मज्जसमुद्भव, न० शुक्र ॥ वीर्य्य।

मज्जा, [न्] पु० अस्थिमध्यस्थस्नेह-विशेष ॥ मज्जा अर्थात् हड्डीके भीतरकी चिकनै।

मज्जा, स्त्री० ऐ।

मज्जाज पु० भूमिजगुग्गुलु ॥ भूमिजगूगल।

मज्जासार, पु० जातीफल ॥ जायफल।

मञ्जर, न० मुक्ता। तिलकवृक्ष ॥ मोती। तिलक-पुष्पवृक्ष।

मञ्जरी, स्त्री० मुक्ता। तिलकवृक्ष। तुलसी॥मोती। तिलकवृक्ष। तुलसी।

मञ्जरीनम्र, पु० वेतसवृक्ष ॥ वेंतका पेड।

मञ्जुफला, स्त्री० कदली ॥ केला।

मञ्जिष्ठा, स्त्री० स्वनामख्यातरक्तवर्णलता ॥ मजीठ।

मंजूषा, स्त्री० ऐ।

मड़क, पु० शस्यभेद ॥ मडुआ।

मणि, पु० स्त्री० मुक्तादि। मेढ़ाग्र। योन्यग्रभाग। मणिबन्ध ॥ मोती, रत्नइत्यादि॥ लिङ्गका अगलाभाग। योनिका अगलाभाग। हाथका गट्टा तथा कबजा।

मणिच्छिद्रा, स्त्री० मेदानामकौषधी॥ऋषभौषधि॥ मेदा औषधी। ऋषभक औषधी।

मणिबन्ध, पु० प्रकोष्ठपाण्योः सन्धिस्थान ॥ हाथका गट्टा।

मणिमन्थ, न० सैन्धवलवण ॥ सेंधानोन।

मणिराग, न० हिंगुल ॥ सिङ्गरफ।

मणिबीज, पु० दाड़िमवृक्ष ॥ अनारका पेड़।

मणीचक, न० चन्द्रवर्णरूप्य ॥ चन्द्रवर्णचांदी।

मण्टपी, स्त्री० क्षुद्रापोदकी ॥ छोटापोईका शाक।

मण्ड, न० पु० अन्नादिना मन्नरस ॥ माड।

मण्ड, पु० एरण्डवृक्ष। शाकभेद ॥ भक्तादिभवरस। अण्डका पेड। एकप्रकारका शाक। भातका माड।

मण्डपा, स्त्री० निष्पावी ॥ सेम।

मण्डलक, न० कुष्ठरोगभेद ॥ मण्डलकोढ।

मण्डलपत्रिका, स्त्री० रक्तपुनर्नवा ॥ गदहपूर्ना।

मण्डली, [न्] पु० वटवृक्ष ॥ वडका पेड।

मण्डली, स्त्री० दूर्वा ॥ दूबघास।

मण्डा, स्त्री० मदिरा। आमलकी ॥ सुरा। आमला।

मण्डूक, पु० श्योनाक ॥ शोनापाठा।

मण्डूकपर्ण, पु० श्योनाकवृक्ष। श्योनाकभेद ॥ शोनापाठा। दूसरा शोनापाठा।

मण्डूकपर्णी, स्त्री० मञ्जिष्ठा। आदित्यभक्ता। औषधि-विशेष ॥ मजीठ। हुरहुर, हुलहुल। मण्डुकपानी, ब्रह्ममण्डुकी।

मण्डूकमाता, [ऋ], स्त्री० ब्राह्मी ॥ ब्रम्हीघास

मण्डूका, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ।

मण्डूकी, स्त्री० मण्डूकपर्णी। आदित्यभक्ता। ब्राह्मी ॥ मण्डुकपानी, ब्रह्ममण्डुकी। हुलहुलवृक्ष। ब्रम्हीघास।

मण्डूर, पु० न० लोहमल ॥ लोहेका मैल।

मति, न० शाकभेद।

मतिदा, स्त्री० ज्योतिष्मती। शिम्बीक्षुप ॥ मालकाङ्गनी। चङ्गोनि चक्षौणोदेशभिन्नभाषा।

मत्कुणारि, पु० इन्द्राशन ॥ भङ्ग।
मत्त, पु० धुस्तूर ॥ धत्तूरा।
मत्ता, स्त्री० मदिरा ॥ सुरा, दारु,--शराप।
मत्स्यगन्धा, स्त्री० लाङ्गली। हपुषा। मत्स्याक्षी ॥ जलपीपर। हाऊबेर। मछेछी।
मत्स्यण्डिका, स्त्री० शर्करा--विशेष ॥ मिश्री।
मत्स्यण्डी, स्त्री० खण्ड--विकार। मत्स्यण्डिका ॥ राब। मिश्री।
मत्स्यपित्ता, स्त्री० कटुरोहिणी ॥ कुटकी।
मत्स्यविन्ना, स्त्री० ऐ।
मत्स्याङ्गी, स्त्री० हिलमोचिका ॥ हुरहुरशाक।
मत्स्यादनी, स्त्री० जलपिप्पली ॥ जलपीपर।
मत्स्याक्षी, स्त्री० स्वनामख्यात शाक। सोमलता। ब्राम्ही। गण्डदूर्वा। हिलमोचिका ॥ मछेछी-औषधी। सोमलता। ब्रम्हीघास। गाँडरदूब। हुलहुलशाक।
मथन, पु० गणकारिकावृक्ष ॥ अरणी।
मथित, न० निर्जलघोल ॥ विनाजलका,गट्ठा, छाछ।
मद, पु० कस्तूरी। मद्य ॥ कस्तूरी। मदिरा।
मदगन्ध, पु० सप्तच्छदवृक्ष ॥ छतिवन, सतोना।
मदगन्धा, स्त्री० मदिरा। अतसी ॥ मदिरा। अलसी।
मदघ्नी, स्त्री० पूतिका ॥ पोईका शाक।
मदन, **मदनक**, पु० धुस्तूर। खदिरवृक्ष। अंकोटवृक्ष। बकुलवृक्ष। सिक्थक। स्वनामख्यात वृक्ष ॥ धतूरा। खैरका वृक्ष। ढेरावृक्ष। मौलसिरीकापेड। मोम। मैनफलवृक्ष।
मदना, स्त्री० सुरा ॥ मदिरा।
मदनाग्रक, पु० कोद्रव ॥ कोदोधान।
मदनाङ्कुश, पु० लिंग ॥ लिंग।
मदनायुध, पु० योनि ॥ भग।
मदनायुष, पु० कामवृद्धिक्षुप ॥ कामज कर्णाटदेशीयभाषा।
मदनालय, पु० योनि ॥ भग।
मदनी, स्त्री० कस्तूरी। अतिमुक्तकपुष्पवृक्ष। मदिरा ॥ कस्तूरी। अतिमुक्तकपुष्पवृक्ष। सुरा।
मदनेच्छाफल, पु० बद्धरसाल ॥ कलमी आम।
मदभञ्जिनी, स्त्री० शतमूली ॥ शतावर।
मदयन्तिका, स्त्री० मल्लिका ॥ मल्लिका।
मदयन्ती, स्त्री० मल्लिका। मल्लिकाभेद ॥ मोतीया। वेला।
मदयित्नु न० मद्य ॥ मदिरा।
मदशाक, पु० उपोदकी ॥ पोईका शाक।
मदसार, पु० तूलवृक्ष ॥ सहतूतका पेड़।
मदहस्तिनी, स्त्री० महाकरञ्ज ॥ बड़ी करञ्ज।
मदहेतु, पु० धातकी ॥ धायके फूल।
मदाढय, पु० तालवृक्ष ॥ ताडका पेड़।
मदाढ्या, स्त्री० लोहितझिण्टी ॥ लोहितकटसरैया ॥
मदातङ्क, पु० मद्यपान जनितरोग ॥ मदिराके पीनेसे जो रोग उत्पन्न होताहै।
मदात्यय, पु० ऐ।
मदाह्व, पु० कस्तूरी ॥ कस्तूरी।
मदिर, पु० रक्तखादिर वृक्ष ॥ लालखैरका पेड़।
मदिरा, स्त्री० मादकद्रव्य–विशेष ॥ मद्य, सुरा, शराब।
मदिरासख, पु० आम्रवृक्ष ॥ आम्रका पेड़।
मदिष्ठा, स्त्री० मदिरा ॥ मद्य।
मदोत्कटा, स्त्री० ऐ०।
मद्य, न० मदिरा ॥ सुरा।
मद्यद्रुम, पु० माड़वृक्ष ॥ माड़ीवन कोंकणदेशीय भाषा।
मद्यपङ्क, पु० सुराकल्क ॥ जगल।
मद्यपुष्पा, स्त्री० धातकी ॥ धायके फूल।
मद्यवासिनी, स्त्री० धातकी ॥ धायकेफूल।
मद्यबीज, न० किण्व ॥ वाखरवङ्गभाषा।
मद्यामोद, पु० बकुलवृक्ष ॥ मोलसिराका पेड।
मधु, न० स्वनामख्यातद्रव्य। मद्य॥सहत। मादर।
मधु, पु० मधुद्रुम। अशोकवृक्ष। यष्टिमधु ॥ मौआवृक्ष। अशोकवृक्ष। मुलहटी।
मधु, स्त्री० जीवंतीवृक्ष ॥ जीवन्तीवृक्ष।
मधुक, न० यष्टिमधु त्रपु॥ मुलहटी। राङ्ग।
मधुक, पु० यष्ट्याह्व ॥ मुलहटी।
मधुकर, पु० भृङ्गराजवृक्ष ॥ भाङ्गरावृक्ष।
मधुकर्कटिका, स्त्री०, **मधुकर्कटी**, स्त्री० मधु जम्बीर–विशेष। मधुखर्जूरिका॥चकोतरा।मीठा खजूर।
मधुका, स्त्री० यष्टिमधु। कृष्णवर्ण कङ्गुनी ॥ मुलहटी। काली कङ्गुनी।
मधुकुक्कुटिका, मधुकुक्कुटी, स्त्री० जम्बीर–विशेष ॥ एक प्रकारका नींबु।
मधुकूष्माण्डी, स्त्री० पिण्डकर्कटी ॥ विलायती पेठा।
मधुखर्ज्जूरिका, स्त्री० मधुखर्जरी, खर्जूर-विशेष॥ एकप्रकारकी खजूर।

मधुगृञ्जन, पु० शोभाञ्जन ॥ सैंजिनेका पेड़ ।
मधुज, न० सिक्थक ॥ मोम ।
मधुजम्बीर, पु० मधुजम्बीर ॥ मीठानींबु ।
मधुजा, स्त्री० मधुजातशर्करा ॥ मधुरचीनी ।
मधुतृण, न० पु० इक्षु ॥ ईख ।
मधुत्रय, पु० मधुरत्रय ॥ चीनी, मधु घृत ।
मधुदूत, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमका पेड़ ।
मधुदूती, स्त्री० पाटलावृक्ष ॥ पाड़रका पेड़ ।
मधुद्रव, पु० रक्तशिग्रु ॥ लालसैंजिना ।
मधुद्रुम, पु० मधूकवृक्ष ॥ महुआका पेड़ ।
मधुधातु, पु० माक्षिक ॥ सोनामाखी ।
मधुधूलि, स्त्री० खण्ड ॥ खाँड ।
मधुनारिकेरिकः **मधुनारिकेलः** **मधुनालिकेरिकः** } पु० नारिकेल–विशेष ॥ एरनारिकेलकोंकणदेशकी भाषा । मौआनारियल कुत्रचित् भाषा ।
मधुनी, स्त्री० क्षुप–विशेष ॥ घृतमण्डा ।
मधुपर्णिका, स्त्री० गम्भारी । नीलीवृक्ष । वराहक्रान्ता । गुडूची । सुदर्शना ॥
कम्भारी । नीलकापेड । वराहक्रान्ता । गिलोय । सुदर्शना ।
मधुपर्णी, स्त्री० गुडूची । गम्भारी । नीली । मधुबीजपूर ॥ गिलोय । गम्भारी । खुमेर । नीलकापेड । चकोतरा ।
मधुपाका, स्त्री० षड्भुजा ॥ खरभुजा ।
मधुपालिका, स्त्री० गम्भारी ॥ खुमेर ।
मधुपीलु, पु० महापीलु ॥ बडापीलु ।
मधुपुष्प, पु० मधुद्रुम । शिरीषवृक्ष । अशोकवृक्ष । बकुलवृक्ष । महुवेकापेड । सिरसकापेड । अशोककापेड । मौलसिरीकावृक्ष ।
मधुपुष्पा, स्त्री० दन्तीवृक्ष । नागदन्तीवृक्ष । दन्तीकापेड । हाथीशुण्डावृक्ष ।
मधुप्रिय, पु० भूमिजम्बु ॥ भूँईजामुन ।
मधुफल, पु० मधुनारिकेल । विकङ्कतवृक्ष ॥ मधुजातनारियल । कण्टाई-विकङ्कतवृक्ष ।
मधुफला, स्त्री० षट्भुजा । कपिलद्राक्षा ॥ खजभूजा । किसमिस ।
मधुफलिका, स्त्री० मधुखर्जूरिका ॥ मोठीखजूर ।
मधुबहुला, स्त्री० वासन्तीलता ॥ वसंतीलता ।
मधुमज्जा [न्] पु० आखोटवृक्ष ॥ अखरोटका पेड ।
मधुमती, स्त्री० काश्मरीवृक्ष । महाकरञ्ज ॥ कुम्भेर । बडीकरञ्ज ।
मधुमल्ली, स्त्री० मालतीपुष्पलता ॥ मालतीपुष्पलता ।
मधुमूल, न० आलुक-विशेष ॥ मधुआलु ।
मधुमाध्वीक, न० मद्य ॥ मदिरा ।
मधुयष्टि, स्त्री० इक्षु ॥ ईख ।
मधुयष्टिका, स्त्री० यष्टिमधु ॥ मुलहटी ।
मधुयष्टी, स्त्री० ऐ ।
मधुर, न० रङ्ग । विष ॥ राङ्ग । विष ।
मधुर, पु० मिष्टरस । जीवक । रक्तशिग्रु । राजाम्र । रक्तेक्षु । गुड़ । शालिधान्य ॥ मीठारस । जीवकौषधी । लालसैंजिनेकापेड । राज आम । लालईख । गुड । शालिधान ।
मधुरक, पु० जीवकवृक्ष ॥ जीवक औषधी ।
मधुरजम्बीर, पु० मधुजम्बीर ॥ मीठानींबु ।
मधुरत्वच, पु० धववृक्ष ॥ धोंवृक्ष ।
मधुरत्रय, न० सितामाक्षिकसर्पींषि ॥ खाँड-चीनी १ मधु-सहत २ घृत-घी ३ ।
मधुरात्रिफला, स्त्री० द्राक्षा, गम्भारीफल, खर्ज्जूरी ॥ दाख । कुम्भेरकाफल । खजूर ।
मधुरफल, पु० राजबदर ॥ राजबेर, पौंडाबेर ।
मधुरवल्ली, स्त्री० मधुबीजपूर ॥ मीठाबिजोरा ।
मधुरस,, पु० इक्षु । ताल ईख । ताडकापेड ।
मधुरसा, स्त्री० मूर्व्वा । द्राक्षा । दुग्धिका । गम्भारी ॥ चुरनहार । दाख । दूधिया । कुम्भेर ।
मधुरस्रवा, स्त्री० पिण्डखर्ज्जूरी ॥ पिण्डखजूर ।
मधुरा, स्त्री० शतपुष्पा । मधुकर्कटिका । मेदा । मधुयष्टिका । काकोली । शतावरी ॥ बृहज्जीवन्ती । पालङ्क्य शाक । मधुरिका । कपिलद्राक्षा ॥ सौंफ । मधु काकडी, चकोतरा । मेदाऔषधी । मुलहठी । काकोली । शतावर । बडीजीवन्ती । पालकका शाक । सोआ भूँररङ्गकी किसमिस ।
मधुराम्लक, पु० आम्रातक ॥ अम्बाडा ।
मधुराम्लफल, पु० रेफल ॥ आलुबुखारा ।
मधुरालाबुनी, स्त्री० राजालाबु ॥ मीठीतोम्बी ।
मधुरिका, स्त्री० मिश्रेया । शतपुष्पा ॥ सोआ । सौंफ ।
मधुरेणु, पु० कटभीवृक्ष ॥ कटभीवृक्ष ।
मधुल, न० मद्य ॥ मदिरा ।
मधुलग्न, पु० रक्तशोभाञ्जन ॥ लालसैंजिनेकापेड ।
मधुलता, स्त्री० शूलीतृण ॥ शूलीघास ।
मधुलिका, स्त्री० राजिका ॥ राई ।
मधुवल्ली, स्त्री० यष्टीमधु ॥ मुलहठी ।
मधुबीज, पु० दाडिम ॥ अनार ।
मधुबीजपूर, पु० मधुकर्कटिका ॥ मीठाबिजोरा । चकोतरा ।

मधुशर्करा, स्त्री० मधुजातशर्करा ॥सहतकी बनी-हुई चीनी ।
मधुशाख, पु० मधुष्ठील ॥ मौआवृक्ष ।
मधुशिग्रू, पु० रक्तशोभाञ्जन वृक्ष ॥ लालसैंजिने कापेड ।
मधुशेष, न० सिक्थक । मोम ।
मधुश्रेणी, स्त्री० मूर्व्वा ॥ चुरनहार ।
मधुश्वासा, स्त्री० जीवन्तीवृक्ष ॥ जीवन्ती ।
मधुष्ठील, पु० मधूकवृक्ष ॥ महुवेकापेड ।
मधुसिक्थक, पु० स्थावरविषभेद ।
मधुसूदनी, स्त्री० पालङ्कचशाक ॥पालगका शाक।
मधुस्रव, पु० मधूकवृक्ष । मोरटलता ॥ महुवेका पेड । क्षीरमोरट ।
मधुस्रवा, स्त्री० मधुयष्टिका । । जीवन्ती । मूर्वा हंसपदी ॥ मुलहठी। जीवन्ती । चुरनहार । लालरङ्गका लज्जालु ।
मधुस्रवाः, [स्] पु० मधूकवृक्ष॥ मौआवृक्ष ।
मधुक्षीर, पु० खर्ज्जूर वृक्ष ॥ खजूरकापेड ।
मधूक, न० यष्टीमधु ॥ मुलहठी ।
मधूक, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ महुआवृक्ष ।
मधूच्छिष्ट, न० सिक्थक ॥ मोम ।
मधूत्थ, न० ऐ ।
मधूत्थित, न० ऐ।
मधूल, पु० जलजातमधूक।पर्व्वतजात मधुकवृक्ष ॥ जलमहुआ । पहाडीमहुआ ।
मधूलक, पु० जलजमधूक ॥ जलमहुआ ।
मधूलिका, स्त्री० मूर्व्वा ॥ चुरनहार ।
मधूली, स्त्री० मधुककटी । आम्र । यष्टिमधु । गोधूम – विशेष ॥ मधकाकडी । आम । मुलहठी । एकप्रकारके गेहूँ ।
मध्यगन्ध, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमका पेड ।
मध्यन्दिन, पु० बन्धूकवृक्ष ॥ दुपहरियाकावृक्ष ।
मध्यपश्चमूलक, न० मध्यमपश्चमूल ॥ खिरैंटी, सौंठ, अण्ड, मुगवना मषवन ।
मध्ययव, पु० षट् श्वेतसर्षपपरिमाण ॥ ६ सफेदसरसों परिमाण।
मध्वालु, न० आलुविशेष ॥ महुआलु ।
मध्वालुक, न० ऐ ।
मध्वासव, पु० मधूकपुष्पकृतमद्य ॥ महुवेकेफूलोंसे बनायाहुवा मधु ॥
मध्विजा, स्त्री० मदिरा ॥ सराब ।
मनः, पु० जटामांसी ॥ बालछड़, जटामांसी ।
मनःशिल, पु० मनः शिला ॥ मनशिल, मैनशिल।
मनःशिला, स्त्री० रक्तवर्ण धातु–विशेष ॥ मनशिल
मनाक्कर, न० मङ्गल्या ॥ मङ्गल्यागर ।
मनु, स्त्री० पृक्का ॥ असबरग ।
मनोगुप्ता, स्त्री० मनःशिला ॥ मैनशिल ।
मनोजवा, स्त्री० अग्निजिह्वावृक्ष ॥ करियारीवृक्ष ।
मनोजवृद्धि, स्त्री० कामवृद्धिक्षुप ॥ कामज कर्णाट देशकी भाषा ।
मनोज्ञ, न०सरल ॥ धूपसरला ।
मनोज्ञा, स्त्री० मनःशिला । आवर्त्तकी । वन्ध्याककर्कोटकी । स्थूलजीरक । मदिरा । जाती । मनःशिल । भगवतवल्ली कोंकणे प्रसिद्धा। वनककोड़ा-बडाजीरा । सुरा चमेली ।
मनोरमा, स्त्री० गोरोचना ॥ गौलोचन ।
मनोहर, न० सुवर्ण ॥ सोना ।
मनोहर,पु० कुन्दपुष्पवृक्ष ॥ कुंदवृक्ष ।
मनोहरा, स्त्री० जाती । स्वर्णयूथी ॥ चमेली ।सुनहरी जुही ।
मनोह्वा, स्त्री० मनःशिला ॥ मनशिल ।
मन्थज, न० नवनीत ॥ नौनी, मक्खन ।
मन्था, स्त्री० मेथिका ॥ मेथी ।
मन्थान, पु० आरग्वध, ॥ अमलतास ।
मन्थानक, पु० तृण–विशेष ॥ मन्थानक तृण ।
मन्दट, पु०पारिभद्र वृक्ष ॥ फरहद ।
मन्दर, पु० ऐ ।
मन्दाग्नि, पु० कफद्वारा स्वल्प जठराग्नि ॥ अग्निमन्द रोग ।
मन्दार, पु० पारिभद्र वृक्ष ।अर्कवृक्ष । श्वेतार्कवृक्ष स्वनामख्यातवृक्ष ॥ फरहद । आककापेड़ । सफेदआक । मन्दारवृक्ष ।
मन्मथ, पु० कपित्थवृक्ष ॥ कैथका पेड़ ।
मन्मथफला, स्त्री० सुरभिफल ॥ खोवानि वङ्गभाषा ।
मन्मथानन्द, पु० महाराजाम्र ॥ उत्तम आम ।
मन्मथालय, पु० आम्र ॥ आम ।
मन्युमणि, मण्डूकपर्णी ॥ ब्रह्ममण्डुकी ।
मयष्ट, पु० वनमुद्ग ॥ मोठ ।
मयष्टक, पु० ऐ ।
मयुष्टक, पु० ऐ ।
मयूर, पु० मयूरशिखाक्षुप । अपामार्ग । अजमोदा ॥ मोरशिखा । चिरचिरा । अजमोद ।
मयूरक, न० अञ्जन–विशेष । तूँतिया ।

मयूरक, पु० अपामार्ग । तुत्थक । मयूरशिखा ॥ चिरचिटा । तूतिया । मोरशिखा ।
मयूरग्रीवक, न० तुत्थ ॥ तूतिया ।
मयूरचूड, न० स्थौणेयक ॥ थुनेर ।
मयूरचूडा, स्त्री० मयूरशिखा ॥ मोरशिखा ।
मयूरजङ्घ, पु० श्योनाक ॥ शोनापाठा ।
मयूरजटा, स्त्री० अपामार्ग ॥ चिरचिटा ।
मयूरतुत्थ, न० तुत्थ ॥ तूतिया ।
मयूरविदला, स्त्री० अम्बष्ठा ॥ मोईया ।
मयूरशिखा, स्त्री० स्वनामख्यातक्षुप-विशेष ॥मोरशिखा ।
मयूरिका, स्त्री० अम्बष्ठा ॥ मोईयावृक्ष ।
मरकत, न० हरित् वर्णमणि-विशेष॥मरकतमणि । पन्ना ।
मरकतपत्री, स्त्री० पाचीलता ॥ पाची।
मरण, न० वत्सनाभ॥वच्छनाभ विष ।
मराकाली, स्त्री० वृश्चिकाली ॥ वृश्चिकाली ।
मरिच, न० स्वनामख्यात कटुद्रव्य । कक्कोलक ॥ गोलमिरच । कालीमिरच । शीतलचीनी ।
मरिच, पु० मरुबकवृक्ष ॥ मरुआवृक्ष ।
मरिचपत्रक पु० सरलवृक्ष ॥ सरलकापेड़ ।
मरीच, न० मारिच , ॥ कालीमिरच ।
मरु, पु० मरुवकवृक्ष, ॥ मरुआवृक्ष ।
मरुज, पु० नखीनामक गन्धद्रव्य ॥नखी ।
मरुजा, स्त्री० मृगेर्वारु ॥ सेंधनी ।
मरुत्, पु० घण्टापाटली वृक्ष ॥ सोखावृक्ष ।
मरुत्, न० ग्रन्थिपर्ण ॥ गठिवन ।
मरुत्, स्त्री० पृक्का ॥ असवरग ।
मरुत्, पु० मरुबक, ॥ मरुआवृक्ष ।
मरुत्कर, पु० राजमाष ॥ लोबिया।
मरुत्तक, पु० मरुवक ॥ मरुआ ।
मरुदिष्ट, पु० गुग्गुलु ॥ गूगल ।
मरुद्भवा, स्त्री० ताम्रमूलाक्षुप ॥ खिराई ।
मरुद्रुम, पु० विट्खदिर ॥ दुर्गंध युक्त खैर ।
मरुन्माला, स्त्री० पृक्का ॥ असवरग ।
मरुभूरुह, पु० करीरवृक्ष ॥ करीलवृक्ष ।
मरुव, पु० वृक्ष-विशेष । मदनवृक्ष । झिण्टी । स्वल्पपत्रतुलसी । मरुआवृक्ष । मैनफलवृक्ष । पियावासाँ । छोटे पत्तेकी तुलसी ।
मरुबक, पु० ऐ ।
मरुसम्भव, न० चाणक्यमूलक ॥ एक प्रकारकी छोटी मूली ।
मरुसम्भवा, स्त्री० महेन्द्रवारुणी । क्षुद्रदुरालभा ॥ बडीइन्द्रायण । छोटाधमासा ।
मरुस्था, स्त्री० क्षुद्रदुरालभा ॥ छोटधमासा ।
मरुक, पु० शठी ॥ कचूर ।
मरुद्भवा, स्त्री० कार्पासी । यवास । दुर्खदिर ॥ कपास । जवासा । दुर्गंधखैर ।
मर्कट, पु० स्थावर-विशेष ।
मर्कटतिन्दुक, पु० कुपीलु ॥ मकरतेंदुआ ।
मर्कटपिप्पली, स्त्री० अपामार्ग ॥ चिरचिरा ।
मर्कटप्रिय, पु० क्षीरिका ॥ खिरनीकापेड ।
मर्कटशीर्ष, न० हिङ्गुल ॥ हिङ्गुल ।
मर्कटास्य, न० ताम्र ॥ ताँबा ।
मर्कटी, स्त्री० कपिकच्छु । अपामार्ग । अजमोदा । करञ्जभेद ॥ कौंछ । चिरचिरा । अजमोद । एक प्रकारकी करञ्ज ।
मर्कटेन्दु, पु० काकतिन्दुकवृक्ष ॥ मकरतेंदुआ ।
मर्कर, पु० भृङ्गराज ॥ भङ्गरा ।
मर्त्यवासिनी, स्त्री० धातकीपुष्प ॥ धायके फूल ।
मर्म्म [न्], न० सन्धिस्थान ॥ जीवस्थान ।
मर्म्मरी, स्त्री० दारुहरिद्रा ॥ दारुहलदी ।
मल, पु० न० विष्ठा । किट्ट । कर्पूर । वातपित्तकफ॥ विष्ठा । कीट । कीट । कपूर । वातपित्तकफ ।
मलघ्न, पु० शाल्मलीकन्द ॥ सेमरकी मूली ।
मलघ्नी, स्त्री० नागदमनी ॥ नागदौन ।
मलद्रावी [न्], पु० जयपाल ॥ जमालगोटा ।
मलपू, स्त्री० काकोदुम्बरिका ॥ कठूमर ।
मलभेदिनी, स्त्री० कटुका ॥ कुटकी ।
मलयज, पु० न० चन्दन ॥ चन्दन ।
मलया, स्त्री० त्रिवृता ॥ निसोथ ।
मलयू, स्त्री० मलपू ॥ कठूमर ।
मलयोद्भव, न० चन्दन ।
मलविनाशिनी, स्त्री० शंखपुष्पी ॥ शंखाहुली ।
मलहन्ता [ऋ], पु० शाल्मलीकन्द ॥ सेमरकी-मूली ।
मलहर, न० जयपालबीज ॥ जमालगोटा ।
मला, स्त्री० भूम्यामलकी ॥ भुई आमला ।
मलारि, पु० सर्वक्षार ॥ साबुन ।
मलिन, न० टङ्कण । घोल ॥ सुहागा । घोल ।
मलीमस, न० लौह । पुष्पकासीस ॥ लोहा । पुष्पकसीस ।
मल्लज, न० मरिच ॥ कालीमिरच ।
मल्ला, स्त्री० पत्रवल्ली । मल्लिका ॥ पत्रवल्ली, पलासी रुद्रजटा, पान । मल्लिकापुष्पवृक्ष ।

माल्लि,
माल्लिका, } स्त्री० स्वनामख्यातपुष्पवृक्ष ॥ मोतियाभेद।
माल्लिकाख्या, स्त्री० त्रिपुरमालीपुष्प ॥ त्रिपुरमालीपुष्पवृक्ष।
माल्लिकागन्ध, न० मङ्गलागुरु ॥ मङ्गलागर।
माल्लिकापुष्प, पु० कुटजवृक्ष। करुणवृक्ष। स्वनामख्यातपुष्प ॥ कुडाकावृक्ष। कन्नानींबु। वेलाकेफूल।
मल्लिगन्धि, न० अगुरु ॥ अगर।
मल्लिनी, स्त्री० अतिमुक्तक ॥ अतिमुक्तकपुष्पलता।
मल्ली, स्त्री० मल्लिका ॥ मल्लिका।
मशक, पु० क्षुद्ररोग-विशेष ॥ मसाररोग।
मशकी, [न्] पु० उदुम्बरवृक्ष ॥ गूलरकापेड।
मषीलेख्यदल, पु० श्रीतालवृक्ष ॥ श्रीताड्वृक्ष।
मसक, पु० क्षुद्ररोग-विशेष ॥ मशकरोग।
मसन, न० सोमराजी ॥ बावची।
मसरा, स्त्री० मसूर ॥ मसूरअन्न।
मसिका, स्त्री० शेफालिका ॥ निर्गुण्डीभेद।
मसीना, स्त्री० अतसी ॥ अलसी।
मसूर, पु० स्वनामख्यातधान्य ॥ मसूरअन्न।
मसुर, पु० ऐ।
मसूरा, स्त्री० ऐ।
मसूरविदला, स्त्री० कृष्णत्रिवृत्। श्यामाळता॥ कालानिसोथ। कालीसर, करिआवासाऊं।
मसूरा, स्त्री० मसूर ॥ मसूर।
मसूरिका, स्त्री० स्वनामख्यातरोग ॥ माता, वसन्तरोग।
मसूरी, स्त्री० त्रिवृत्। रक्तत्रिवृत्। मसूरिकारोग ॥ पनिलर। स्यामपनिलर। मातारोग।
मसृणा, स्त्री० उमा ॥ अलसी,मसीना।
मस्क+स्नेह, पु० मस्तिष्क ॥ माथेमें एक प्रकारका घी।
मस्तकी, स्त्री० गुहावदरी फलशस्य। रूमीमस्तकी।
मस्तदारु, न० देवदारु ॥ देवदारु।
मस्तिष्क, न० मस्तकस्थ घृतवत् स्नेहद्रव्य ॥ माथेकां घी, मगज।
मस्तु, न० दधिभवमण्ड ॥ दहीका पानी।
मस्तुलुङ्ग
मस्तुलुङ्गक, { पु० मस्तिष्क ॥ मगज।
महती, स्त्री० बृहती। वार्त्ताकी ॥ कटाई बैगन।
महर्षभी, स्त्री० कपिकच्छु ॥ कौंछ।
महा, स्त्री० नागवला ॥ गुलसकरी।

महाकण्टकिनी, स्त्री० विदरवृक्ष। विश्वसारक॥
महाकन्द, पु० रसोन। मूलक। चाणक्यमूलक। रक्तलशुन। राजपलाण्डु॥ लहशन। मूली। छोटीमूली। लाललहशन। लालप्याज।
महाकपित्थ, पु० बिल्ववृक्ष ॥ बेलकापेड़।
महाकरञ्ज, पु० करञ्ज–विशेष ॥ बडीकरञ्ज।
महाकर्णिकार, पु० आरग्वध ॥ अमलतास।
महाकाल, पु० लता–विशेष ॥ महाकाललता।
महाकुमुदा,
महाकुमुदिका, { स्त्री० काश्मरी ॥ कुम्भेर
महाकुम्भी, स्त्री० कट्फल ॥ कायफर।
महाकुष्ठ, न० बृहत्कुष्ठरोग ॥ सातप्रकारका बडा कोढ।
महाकोशफला, स्त्री० देवदालीलता ॥ सोनैया।
महाकोशातकी, स्त्री० हस्तिघोषा ॥ बड़ीतोरई। नेनुआतोरई।
महागद, पु० ज्वर ॥ ज्वर, बुखार।
महागन्ध, न० हरिचन्दन। गन्धबोल॥हरिचन्दन। बोल।
महागन्ध, पु० कुटजवृक्ष। जलवेतस ॥ कुडाकापेड़। जलवैंत।
महागन्धा, स्त्री० नागबला। केविकापुष्प ॥ गंगेरन। केवरेका फूल।
महागुल्मा, स्त्री० सोमवल्ली ॥ सोमलता।
महागुहा, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन।
महागोधूम, पु० बृहद्गोधूम ॥ बड़े गेहूं।
महाघूर्णा, स्त्री० मदिरा ॥ सुरा।
महाघोषा, स्त्री० कर्कटशृङ्गी। ॥ काकड़ाशिङ्गी।
महाङ्ग, पु० गोक्षुरक। रक्तचित्रक ॥ गोखुरु। लालचीता।
महाचञ्चु, पु० शाक-विशेष ॥ बडाचञ्चुशाक।
महाच्छद, पु० देवताडवृक्ष। देवताड़।
महाच्छाय, पु० वटवृक्ष ॥ वड़का पेड।
महाच्छिद्रा, स्त्री० महामेदा ॥ महामेदा औषधी।
महाजटा, स्त्री० रुद्रजटा ॥ शंकरजटा।
महाजम्बु, स्त्री० बृहज्जम्बू ॥ बडीजामुनकावृक्ष फरेद।
महाजम्बू, स्त्री० ऐ।
महाजाति, स्त्री० वासन्तीलता ॥ वसन्तीपुष्पलता।
महाजाली, स्त्री० पीतवर्णघोषा। राजकोशातकी ॥ पीलेफूलकी तोरई। घियातोरई।
महाज्योतिष्मती, स्त्री०लताविशेष॥बड़ी मालकाङ्गनी।

महाढ्य, पु० कदम्ब ॥ कदम ।
महातरु, पु० स्नुहीवृक्ष ॥ थूहरकापेड ।
महाताली, स्त्री० आवर्तकीलता ॥ भगवतवल्लीको कणीभाषा ।
महातिक्त, पु०महानिम्ब ॥ बडानीम अर्थात् बकायननीम ।
महातिक्ता, स्त्री०पाठा यवतिक्ता॥ पाठ । यवेची ।
महातीक्ष्णा, स्त्री०भल्लातकवृक्ष ॥ भिलावेकापेड ।
महातुम्बी, स्त्री० राजालाबु ॥ मीठीतोम्बी ।
महातेजः [स्] क्ली० पारद ॥ पारा ।
महादारु, क्ली० देवदारुवृक्ष । देवदारु ।
महादूषक, पु० शालिधान्यभेद ॥ एकप्रकारके शालिधान ।
महाद्रावक, पु० प्लीहघ्न औषध-विशेष ॥ प्लीहाको नाशकरनेवाली औषधी ।
महाद्रुम, पु० अश्वत्थवृक्ष ॥पीपलकापेड ।
महाद्रेका, स्त्री० महानिम्बवृक्ष ॥ बकायननीम ।
महाद्रोणा, स्त्री०वृक्ष-विशेष ॥बडीद्रोणपुष्पी, बड़ागोमा ।
महाद्रोणी, स्त्री० ऐ ।
महाधन, क्ली०स्वर्ण । सिह्लक, ॥ सोनाशिलारस ।
महाधातु, पु० सुवर्ण ॥ सोना ।
महानन्दा, स्त्री० सुरा । आरामशीतला ॥ मद्य । आरामशीतला ।
महानल, पु० देवनल ॥ बड़ानरसल ।
महानार्ड़ी, स्त्री० कण्डरा ॥ कण्डरा ।
महानिम्ब, पु० निम्बवृक्ष-विशेष ॥ बकायननीम ।
महानील, पु० भृङ्गराज ॥ भङ्गरा ।
महानीला, स्त्री० महाजम्बू ॥ बड़ीजामुन ।
महानीली, स्त्री० नीलापराजिता । बृहन्नीली ॥ नीलीकोयल । बड़ानीलका पेड ।
महापञ्चमूल, न० बृहत्पञ्चमूल । बिल्वोऽग्निमन्थः श्योनाकः काश्मर्यः पाटलातथा ॥ बेल, अरणी, शोनापाठा, कुम्भेर, पाड़ल यह महापञ्चमूल हैं ।
महापञ्चविष, न० बृहद्विषपञ्चक ॥ शृङ्गी, कालकूट, मुस्तक, वत्सनाभ और शङ्खकर्णी ।
महापत्रा, स्त्री० महाजम्बू ॥ बड़ीजामुन ।
महापद्म, न० शुक्लपद्म, ॥ सफेदकमल ।
महापारेवत, न० फलवृक्ष-विशेष ॥ बड़ापारेवत, द्वीपखर्जूर ।
महापिण्डीतक, पु० कृष्णवर्ण महामदनवृक्ष ॥ कृष्णवर्ण बड़ा मैनफल ।
महापिण्डीतरु, पु० वृक्ष-विशेष ॥ पेड़िरा ।
महापीलु, पु० पीलुवृक्ष-विशेष ॥ बडापीलु ।
महापुरुषदन्ता, स्त्री० शतावरी ॥ शतावर ।
महापुरुषदन्तिका, स्त्री० महाशतावरी ॥ बडीशतावर ।
महापुष्पा, स्त्री० अपराजिता ॥ कोयल ।
महाफल, पु० बिल्ववृक्ष ॥ बेलकापेड ।
महाफला, स्त्री० इन्द्रवारुणी ॥ इन्द्रायण ।
महाफेना, स्त्री० डिण्डीर ॥ समुद्रफेन ।
महाबल, न० सीसक ॥ सीसा ।
महाबला, स्त्री० बलाभेद ॥ सहदेई ।
महाभद्रा, स्त्री० काश्मरी ॥ कुम्भेर ।
महाभीता, स्त्री० लज्जालुवृक्ष ॥ छुईमुई ।
महाभृङ्ग, पु० नीलभृङ्गराज ॥ नीलभङ्गरा ।
महामाष, पु० राजमाष ॥ लोबिया ।
महामुनि, न० धान्याक ॥ धनिया ।
महामूल, पु० राजपलाण्डु ॥ राजप्याज ।
महामेद, पु० अष्टवर्गप्रसिद्धऔषधी-विशेष ॥ महा मेदा ।
महामेदा, स्त्री० ऐ ।
महाम्ल, न० तिन्तिडीक ॥ विषाविल ।
महारजत, न० सुवर्ण । धत्तूर ॥ सोना । धत्तूरा ।
महारजन, न० कुसुम्भपुष्प । स्वर्ण ॥ कसूमकेफूल । सोना ।
महारम्भ, न० गडलवण ॥ सामरनोन ।
महारस, न० काञ्जिका ॥ काँजि ।
महारस, पु० खर्ज्जूरवृक्ष । कशेरु । कोषकारनामेक्षु । इक्षु । पारद ॥ खजूरकापेड । कशेरु । सागरीगन्ने । ईख । पारा ।
महाराजचूत, पु० उत्तमआम्र ॥ मालदयेआम ।
महाराजद्रुम, पु० आरग्वधवृक्ष ॥ अमलतासका पेड ।
महाराजफल, पु० महाराजचूत ॥ मालदयेआम ।
महाराजाम्रक, पु० ऐ ।
महाराष्ट्री, स्त्री० जलपिप्पली । शाक-विशेष ॥ जलपीपर । मण्ठी शाक ।
महारिष्ट, पु० महानिम्बवृक्ष ॥ बकायननीम ।
महारोग, पु० पापरोग । सो आठप्रकारका है । जैसे । उन्माद १ त्वग्दोष २ राजयक्ष्मा ३ श्वास ४ मधुमेह ५ भगन्दर ६ उदर ७ अश्मरी ८
महार्द्र, पु० वृक्ष-विशेष ॥ माहाजावृक्ष ।
महार्द्रक, न० वनार्द्रक ॥ वनअदरख ।
महार्ह, न० श्वेतचन्दन ॥ सफेदचन्दन ।
महालिकटभी, स्त्री० श्वेतकिणिहीवृक्ष ॥ सफेद किणिहीवृक्ष ।
महालोध्र, पु० लोध्र-विशेष ॥ पठानीलोध ।

महालोह, न० अयस्कान्त ॥ कान्तलोह।
महावरा, स्त्री दूर्वा ॥ दूबघास।
महावरोह, पु० ह्रस्वप्लक्ष ॥ छोटापाखर।
महावल्ली, स्त्री० माधवीलता। कढीलता ॥
महावीर, पु० एकवीरवृक्ष ॥ एकवीर।
महावीरा, स्त्री० क्षीरकाकोली ॥ क्षीरकाकोली।
महावीर्य्य, पु० वाराहीकन्द ॥ गेंठी।
महावीर्य्या, स्त्री० वनकार्पासी। महाशतावरी ॥ वनकपास। बडीशतावर।
महाबृहती, स्त्री० वार्त्ताकी ॥ वैंगुन।
महावृक्ष, पु०स्नुहीवृक्ष। महापीलुवृक्ष। प्लक्षवृक्ष। बृहद्वृक्ष ॥ थूहरकापेड। बडापीलुवृक्ष। पाखर कापेड। बडापेड।
महाव्याधि, पु० महारोग ॥ कोढादिक।
महाव्रण, न० दुष्टव्रण ॥
महाशठ, पु० राजधत्तूर ॥ राजधतूरा।
महाशणपुष्पिका, स्त्री० बृहच्छणपुष्पी ॥ बडी-शनपुष्पी।
महाशतावरी, स्त्री० बृहच्छतावरी॥बडीशतावर।
महाशर, पु० स्थूलशर ॥ मोटाशर।
महाशाक, न० बृहच्छाक–विशेष ॥
महाशाखा, स्त्री० नागबला ॥ गंगेरन।
महाशालि, पु० स्थूलशालि ॥ बडेधान।
महाशीता, स्त्री० शतमूली ॥ शतावर।
महाशुक्ति, स्त्री० मुक्तामाता ॥ मोतीकीसीप।
महाशुभ्र, न० रजत ॥ चाँदी।
महाशौण्डी, स्त्री० श्वेतकिणिहीवृक्ष ॥ सफेदकिणहीवृक्ष।
महाशौषिर, पु० मुखरोगान्तर्गत दन्तवेष्टरोग-विशेष ॥
महाशौषिरसंज्ञक, पु० ऐ।
महाश्यामा, स्त्री० श्यामालता। शिंशपावृक्ष ॥ कालीसर। सीसोंकापेड।
महाश्रावणिका, स्त्री० क्षुप-विशेष ॥ बड़ी गोरख मुण्डी।
महाश्वास, पु०श्वासरोग ॥ बहुतहाँपना।
महाश्वेतघण्टी स्त्री० महाशणपुष्पिका ॥ बडीशणपुष्पी ॥
महाश्वेता, स्त्री० महाशणपुष्पिका। श्वेतकिणिहीवृक्ष। श्वेतापराजिता। मधुजा। क्षीरविदारी। चीनी। बडीशणपुष्पी। सफेदकिणहीवृक्ष। सफेदकोयल। दूधविदारी।
महासमङ्गा, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ कगहिया।
महासर्ज्ज, पु० पनस। असनवृक्ष ॥ कटहर। विजयसार।
महासह, पु० कुब्जकवृक्ष ॥ कूजावृक्ष।
महासहा, स्त्री० माषपर्णी। अम्लानवृक्ष। कुब्जकवृक्ष ॥ मषवन। बाणपुष्प। कूजा वृक्ष।
महासार, पु० दुष्खदिर ॥ दुर्गंधखैर।
महासिता, स्त्री० महाशणपुष्पिका ॥ बडी शनपुष्पी।
महासुगन्धा, स्त्री० गन्धनाकुलीनामकन्द ॥ नकुलकन्द।
महास्कन्धा, स्त्री० जम्बूवृक्ष ॥ जामुनकापेड।
महास्नायु, पु० कण्डा ॥ महानाडी।
महाहिगन्धा, स्त्री० गन्धनाकुली ॥ नाकुलीकन्द
महाह्रस्वा, स्त्री० कपिकच्छु ॥ कौंछ।
महिला, स्त्री० प्रियङ्गु। रेणुका ॥ फूलप्रियङ्गु। रेणुका।
महिलाह्वया, स्त्री० प्रियङ्गु ॥ फूलप्रियङ्गु।
महिषकन्द, पु० महाकन्द-विशेष ॥ शुभ्रालु, भैसाकन्द।
महिषवल्ली, स्त्री० लता-विशेष ॥ छिरहिट्टी।
महिषासुरसम्भव, पु० भूमिजगुग्गुलु ॥ भूमिजगूगल।
महिषाक्ष, पु० गुग्गुलु ॥ गूगल।
महिषाक्षक, पु० ऐ।
महिषी, स्त्री० औषधिभेद।
महिषीप्रिया, स्त्री० शूलीतृण ॥ शूलीघास।
मही, स्त्री० हिलमोचिका ॥ हुलहुलशाक।
महीज, न० आर्द्रक ॥ अदरख।
महीरुह, पु० शाकतरु ॥ शेगुनवृक्ष।
महेन्द्रकदली, स्त्री० कदलीभेद ॥ एक प्रकारका केला।
महेन्द्रवारुणी, स्त्री० लता-विशेष ॥ बडी इन्द्रफला।
महेरणा, महेरुणा, स्त्री० शल्लकीवृक्ष ॥ शालईवृक्ष।
महेशबन्धु, पु० श्रीफलवृक्ष ॥ बेलकापेड।
महेश्वर, न० स्वर्ण ॥ सोना।
महेश्वरी, स्त्री० अपराजिता। काँस्य। राजरीति। कोयल। कांस। पीतलभेद।
महैरण्ड, पु० स्थूलैरण्ड ॥ बडाअण्ड।
महैला, स्त्री० स्थूलैला ॥ बडी इलायची।
महोटिका, स्त्री० बृहती ॥ कटाई।
महोटी, स्त्री० ऐ।

महोत्पल, न० पद्म ॥ कमल ।
महोदया, स्त्री० नागबला ॥ गुलसकरी, गंगेरन ।
महोदरी, स्त्री० महाशतावरी ॥ बडीशतावर ।
महोन्नत, पु० तालवृक्ष ॥ ताडकापेड ।
महोरग, न० तगरमूल ॥ तगर ।
महौषध, न० भूम्याहुल्य । शुण्ठी । लशुन । वाराहीकन्द । वत्सनाभ । पिप्पली । अतिविषा ॥ भुंजितरवड । सोंठ । लहशन । गेंठी । वच्छनाभविष । पीपल अतीस ।
महौषधि, स्त्री० दूर्वा । लज्जालुक्षुप ॥ दूब । लज्जावन्ती ।
महौषधी, स्त्री० श्वेतकण्टकारी । ब्राह्मी । कटुका । अतिविषा । हिलमोचिका ॥ सफेदकटेरी । ब्रह्मीघास । कुटकी । अतीस । हुलहुल ।
मक्षवीर्य्य, पु० प्रियालवृक्ष ॥ चिरोंजीकापेड ।
मांसच्छदा, स्त्री० मांसरोहिणीविशेष ॥ मांसच्छदा
मांसज, **मांसतेजः** [स्], न० मेदः ॥ मेद ।
मांसदलन, पु० प्लीहघ्नवृक्ष ॥ रोहेडावृक्ष ।
मांसद्रावी [न्], पु० अम्लवेतस ॥ अम्लवेंत ।
मांसपेशी, स्त्री० देहस्थमांसखण्डसमुदाय ।
मांसफला, स्त्री० वार्त्ताकी ॥ बैंगन ।
मांसमाला, स्त्री० माषपर्णी ॥ मषवन ।
मांसरोहिणी, स्त्री० सुगन्धिद्रव्य-विशेष ॥ मांसरोहिणी, रोहिनी ।
मांसरोही, स्त्री० ऐं ।
मांसलफला, स्त्री० वृन्ताकी ॥ बैंगन ।
मांसिनी, स्त्री० जटामांसी ॥ वालछड ।
मांसी, स्त्री० जटामांसी । कक्कोली । मांसच्छदा ॥ जटामांसी । काकोली । मांसच्छदा ।
माकन्द, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमकापेड ।
माकन्दी, स्त्री० आमलकी । पीतचन्दन ॥ वृक्षविशेष । आमला । पीलाचन्दन । माद्राणी ।
मागध, पु० शुक्लजीरक ॥ सफेदजीरा ।
मागधी, स्त्री० यूथिका । पिप्पली । सूक्ष्मैला । शर्करा ॥ जूही । पीपल । छोटी इलायची । चीनी ।
माध्य, न० कुन्दपुष्प ॥ कुन्देकेफूल ।
माङ्गल्याह्वा, स्त्री० त्रायमाणालता ॥ त्रायमान ।
माचिका, स्त्री० अम्बष्ठा ॥ मोईया ।
माचीपत्र, न० सुरपर्ण ॥ माचीपत्री ।
माटाम्रक, पु० वृक्ष-विशेष ।
माटीक, न०देवदारु ॥ देवदार ।
माड़, पु० वृक्ष-विशेष ॥ माड़विन । कोकणदेशीयभाषा ।

माढी, स्त्री० दन्तशिरा ।
माणक, न० कन्द-विशेष ॥ मानकन्द ।
माणिका, स्त्री० अष्टपलपरिमाण ॥ ६४ तोले ।
माणिबन्ध, न० सैन्धवलवण ॥ सैंधानोन ।
माणिमन्थ, न० ऐं ।
माण्डूक, न० अहिफेन ॥ अफीम ।
मातङ्ग, पु० अश्वत्थवृक्ष । पलाशवृक्ष । हस्तिशुण्डवृक्ष ॥ पीपलकापेड़ । ढाककापेड़ । हाथीशुण्डावृक्ष ।
मातुल, पु० धत्तूर । व्रीहिभेद । मदनवृक्ष॥ धत्तूरा । व्राहिभेद । मैनफलवृक्ष ।
माता, [ऋ] स्त्री० आखुकर्णी । इन्द्रवारुणी । जटामांसी । मूसाकानी । इन्द्रायण । वालछड़, जटामांसी ।
मातुलक, पु० धत्तूरवृक्ष ॥ धतूरेकापेड़ ।
मातुलपुत्रक, पु० धत्तूरफल ॥ धत्तूरेकाफल ।
मातुलानी, स्त्री० कलाय । शण । प्रियङ्गु । भङ्गा । मटरअन्न । शनकापेड । फूलप्रियङ्गु । भाङ्ग ।
मातुलुङ्ग, पु० बीजपूर ॥ बिजोरानींबु ।
मातुलुङ्गक, पु० निम्बूक-विशेष ॥ छोलङ्गलेवुवङ्गभाषा ।
मातुलुङ्गा, स्त्री० मधुकुक्कुटी ॥ चकोतरा ।
मातुलुङ्गिका, स्त्री० वनबीजपूर ॥ विहारीनींबु ।
मातुसिंही, स्त्री० वासक ॥ वाँसा ।
मादन, न० लवङ्ग ॥ लोङ्ग ।
मादन, पु० मदनवृक्ष । धत्तूरवृक्ष ॥ मैनफलवृक्ष । धतूरेकावृक्ष ।
मादनी, स्त्री० विजया । माकन्दी । सम्बिदामञ्जरी॥ भङ्ग । माद्राणी । गाँजा ।
माद्री, स्त्री० अतिविषा ॥ अतीस ।
माधव, पु० मधूकवृक्ष । कृष्णमुद्ग ॥ महुआवृक्ष । कालीमूंग ।
माधविका, स्त्री० माधवीलता ॥ माधवीलता ।
माधवी, स्त्री० स्वनामख्यातपुष्पलता । मिसि । मधुशर्करा । मदिरा । तुलसी ॥ माधवीलता । सोंफ, सोआ । मधुसे बनाईहुईचीनी । मद्य । तुलसी ।
माधवेष्टा, स्त्री० वाराहीकन्द ॥ गेंठी ।
माधवोचित, न० कक्कोलक ॥ शीतलचीनी ।
माधवोद्भव, पु० राजादनी ॥ खिरनी ।
माधुर, न० मल्लिका ॥ मल्लिकापुष्पवृक्ष ।
माधुरा, स्त्री० मद्य ॥ मदिरा ।
माध्वक, न० माध्वीक ॥ महुवेकेफूलोसे बनाईहुईमदिरा ।

माध्वी, स्त्री० मद्य । मध्वादिकृतसुरा ॥ मदिरा । मदिराभेद ।
माध्वीक, न० मधूकपुष्पकृतमद्य । मधु महुवेकेफू-लोंसेबनाईहुईमदिरा । सहत ।
माध्वीकफल, पु० मधुनारिकेल ॥ महुवेनारियल ।
माध्वीमधुरा, स्त्री० मधुरखर्जूरिक ॥ मीठीखजूर ।
मानक, न० पु० माणक ॥ मानकन्द ।
मानधानिका, स्त्री० कर्कटी ॥ ककड़ी ।
मानिका, स्त्री० शरावपरिमाण । मद्य ॥ एकसेर । मदिरा ।
मानिनी, स्त्री० फलीवृक्ष ॥ फूलप्रियङ्गु ।
मायाफल, न० फलविशेष ॥ मायफल ॥
मायिक, न० ऐ ।
मायु, पु० पित्त ॥ पित्त ।
मायूरी, स्त्री० अजमोदा ॥ अजमोद ।
मार, पु० धत्तूर ॥ धतूरा ।
मारिष, पु० तण्डुलीयशाक-विशेष ॥ मरसाशाक ।
मारुतापह, पु० वरुणवृक्ष ॥ वरनावृक्ष ।
मार्क, पु० भृङ्गराज ॥ भङ्गरा ।
मार्कण्डिका, स्त्री० लता-विशेष ॥ भुईंखखसा ॥
मार्कण्डी, स्त्री० भार्ङ्गी । मार्कण्डिका ॥ भारङ्गी । भुईंखखसा ।
मार्कण्डीय, न० भूम्याहुल्य ॥ भुञ्जितरवड़ देशा-न्तरीयभाषा ।
मार्कर, पु० भृङ्गराज ॥ भङ्गरा ।
मार्कव, पु० केशराज ॥ कुकुरभाङ्गरा ।
मार्ग, पु० कस्तूरी । अपामार्ग॥कस्तूरी । चिरचिरा ।
मार्जन, पु० लोध्रवृक्ष । श्वेतलोध्र । रक्तलोध्र ॥ लोधकापेड । सफेद लोध । लाललोध ।
मार्जार, पु० रक्तचित्रक ॥ लालचीता ।
मार्जारगन्धा, स्त्री० मुद्गपर्णी ॥ मुगवन ।
मार्जारगन्धिका, स्त्री० ऐ ।
मार्जारी, स्त्री०मृगनाभि ॥ कस्तूरी ॥
मार्तण्ड, पु० अर्कवृक्ष ॥ आककापेड ।
मार्तण्डवल्लभा, स्त्री० आदित्यभक्ता ॥हुरहुरवृक्ष ।
मार्ष, पु० मारिषशाक ॥ मरसा ।
मार्षिक, पु० ऐ ।
माल, पु० मालती ॥ मालती ।
मालक, न० स्थलपद्म ॥ पुण्डरिया ।
मालक, पु० निम्बवृक्ष ॥ नीमकापेड ।
मालती, स्त्री० स्वनामख्यातपुष्पलता । जाती । ज्योत्स्ना ॥ मालतीपुष्पलता । चमेली । चाँदनी-कापेड ।
मालतीतीरज, पु० टङ्कण ॥ सुहागा ।
मालतीतीरसम्भव, न० श्वेतटंकण ॥ सफेद-सुहागा ।
मालतीपत्रिका, स्त्री० जातीपत्री ॥ जावित्री ।
मालतीफल, न० जातीफल ॥ जायफल ।
मालय, पु० चन्दनवृक्ष ॥ चन्दनका पेड ।
मालविका, स्त्री० त्रिवृत् ॥ निसोथ ।
मालसी, स्त्री० केशपुष्टवृक्ष ॥ केशपुष्टावृक्ष ।
माला, स्त्री० पृक्का ॥ असवरग ।
मालाकण्ट, पु० अपामार्ग ॥ चिरचिरा ।
मालाकन्द, पु० मूल-विशेष ॥ मालाकन्द ।
मालाग्रन्थि, पु० मालादूर्वा ॥ मालादूब ।
मालातृण, न० भूस्तृण ॥ सुगन्धरौहिसअन्धदेशी-यभाषा ।
मालातृणक, न० ऐ ।
मालादूर्वा, स्त्री० दूर्वा-विशेष ॥ गठीलीदूब । मालादूब ।
मालारिष्टा, स्त्री० पाचीलता॥पच्चे देशभिन्नभाषा ।
मालालिका, स्त्री० पृक्का ॥ असवरग ।
मालाली, स्त्री० ऐ ।
मालिका, स्त्री० क्षुमा । सुरा ॥ अलसी । मदिरा ।
मालिनी, स्त्री० अग्निशिखावृक्ष। दुरालभा ॥ कलि-हारी । धमासा ।
मालुधानी, स्त्री० लताविशेष ॥
मालूक, पु० कृष्णार्जक ॥ कालीतुलसी ।
मालूर, पु० बिल्ववृक्ष । कपित्थवृक्ष ॥ बेलकापेड, कैथकापेड ।
मालेया, स्त्री० स्थूलैला ॥ बड़ीइलायची ।
माल्यपुष्प, पु० शणवृक्ष ॥ सनकापेड ।
माल्यपुष्पिका, स्त्री० शणपुष्पी, शणपुष्पी ।
माष, पु० व्रीहिभेद । परिमाण विशेष ॥ उडद । एकमाषापरिमाण । सोबहुतप्रकारहै ॥ मागध औ-रसुश्रुतके मतसे५रत्तिकाहै । चरकके मतसे६+८ रत्तिका है । कालिंग प्रमाणसे ५।७ । ८ रत्तिका है । वैद्यककेमतसे १० रत्तिका है । ज्योतिष स्मृ-तिके मतसे १२ रत्तिका है । मशकनाम क्षुद्ररोग॥ मशकरोग ।
माषक, पु० माषकपरिमाण ॥ १ मासा ।
माषकलाय, पु० माष ॥ उडद अन्न ।
माषपर्णी, स्त्री० वनमाष ॥ मशवन ।
मास, पु० माषपरिमाण ॥ १ मासा ।
मासक, पु० ऐ ।
मासन, न० सोमराजी ॥ बावची ।

माहेश्वरी, स्त्री० यवतिक्ता ॥ यवेची ।
माक्षिक, न० मधु । धातु–विशेष ॥ सहत । सोना-माखी । रूपामाखी ।
माक्षिकज, न० शिक्थक ॥ मोम ।
माक्षिकफल, पु० मधुनारिकेल ॥ महुवेनारियल ।
माक्षीक, न० मधु ॥ सहत ।
माक्षीकशर्करा, स्त्री० सिताखण्ड ॥ मधुरचीनी ।
मिन्मिन, त्रि० सानुनासिकवाक्यविशिष्ट ॥
मिशि, स्त्री० मधुरिका । शतपुष्पा । जटामांसी ॥ सोआ । सौंफ । जटामांसी, बालछड़ ।
मिशी, स्त्री० जटामांसी । मधुरिका ॥ जटामांसी, बालछड़ । सोआ ।
मिश्र, न० चाणक्यमूलक ॥ छोटीमूली ।
मिश्रक, न० औषरलवण ॥ खारीनोन ।
मिश्रपुष्पिका, स्त्री० मेथिका ॥ मेथी ।
मिश्रवर्ण, न० कृष्णागरु ॥ कालीअगर ।
मिश्रवर्णफला, स्त्री० वार्त्ताकी ॥ बैंगुन ।
मिश्रेया, स्त्री० मधुरिका । शतपुष्पा। सोआ।सोंफा।
मिषि, स्त्री० जटामांसी । मधुरिका । शतपुष्पा ॥ जटामांसी सोआ । सौंफ ।
मिषिका, स्त्री० जटामांसी ॥ बालछड़, जटामांसी
मिष्टपाक, पु० शर्करारसपक्कफलादि ॥ मुरब्बा ।
मिष्टनिम्बू, स्त्री० निम्बु-विशेष ॥ मीठानींबु ।
मिसि, स्त्री० मधुरिका । जटामांसी । शतपुष्पा । अजमोदा । उशीरी ॥ सोआ । जटामांसी । सौंफ। अजमोद । छोटेकाँस ।
मिसी, स्त्री० ऐ ।
मिहिर, पु० अर्कवृक्ष ॥ आकका पेड ।
मीननेत्रा, स्त्री० गण्डदूर्वा ॥ गाँडरदूब ।
मीनाण्डी, स्त्री० शर्करा ॥ चीनी ।
मीनाक्षी, स्त्री० मत्स्याक्षी । गण्डदूर्वा ॥ मछेछी । सोमलता । गाँडरदूब ।
मुकन्दक, पु० पलाण्डु ॥ प्याज ।
मुकुन्द, पु० कुन्दुरु । पारद॥ कुन्दुरु-लोबान फार्सी । पारा ।
मुकुन्दक, पु० पलाण्डु । यष्टिकव्रीहि ॥ प्याज । साठी ।
मुकुन्दु, पु० कुन्दुरु ॥ कुन्दुरु ।
मुकुर, पु० बकुलवृक्ष । मल्लिकापुष्पवृक्ष॥मौलसिरी कापेड । बेलकावृक्ष ।
मुकुष्ट, पु० वनमुद्ग ॥ मोठ ।
मुकुष्टक, पु० ऐ ।
मुकूलक, पु० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष ।
मुक्तरसा, स्त्री० रास्ना ॥ रायसन ।
मुक्ता, स्त्री० रास्ना । स्वनामप्रसिद्धशुक्तिसम्भूतरत्न॥ रायसन । सीपकामोती ।
मुक्तागार, न० शुक्ति ॥ सीप ।
मुक्तागृह, न० ऐ ।
मुक्तापुष्प, पु० कुन्दपुष्पवृक्ष कुन्दवृक्ष ।
मुक्ताप्रसू, स्त्री० शुक्ति ॥ सीप ।
मुक्ताफल, न० कर्पूर । लवलीफल । मौक्तिक ॥ कपूर । हरपारेवडी । मोती ।
मुक्तास्फोट, पु० शुक्ति ॥ सीप ।
मुक्तास्फोटा, स्त्री० ऐ ।
मुक्तिमुक्त, पु० सिल्हक ॥ शिलारस ।
मुख, न० शरीरावयव-विशेष ॥ मुख ।
मुख, पु० लकुच ॥ बडहर ।
मुखगन्धक, पु० पलाण्डु ॥ प्याज ।
मुखदूषण, पु० ऐ ।
मुखदूषिका, स्त्री० मुखजातक्षुद्ररोग-विशेष ॥ मुहासे ।
मुखधौता, स्त्री० ब्राह्मणयष्टिका ॥ भारङ्गी ।
मुखपूरण, न० गण्डूष ॥ कुल्ला ।
मुखप्रिय, पु० नारङ्ग ॥ नारङ्गीकापेड ।
मुखभूषण, न० ताम्बूल ॥ पान ।
मुखमण्डनक, पु० तिलकवृक्ष ॥ तिलकवृक्ष ।
मुखमोद, पु० शोभाञ्जन ॥ सैंजिनेकापेड ।
मुखरोग, पु० ओष्ठदन्तमूलदन्तवेष्टादिअङ्गसप्तक-सम्भूतरोग-विशेष ॥ मुखरोग ६७ प्रकार ।
मुखवल्लभ, पु० दाडिमवृक्ष ॥ अनारकापेड ।
मुखवाचिका, स्त्री० अम्बष्ठा, ॥ मोईया ।
मुखवास, पु० गन्धतृण ॥ गंधेजघास ।
मुखशोधन, न० त्वच ॥ दालचीनी ।
मुखशोधी, [न्] पु० जम्बीर ॥ जम्भीरीनींबु ।
मुखसुर, न० तालसुरा ॥ ताडी ।
मुखस्राव, पु० लाला ॥ थूक, लार, श्लेष्म ।
मुखार्जक, पु० अर्जक ॥ बर्बरीभेद ।
मुचकुन्द, पु० पुष्पवृक्ष–विशेष ॥ मुचकुन्द ।
मुश्चक, पु० मुष्ककवृक्ष ॥ मोखावृक्ष ।
मुञ्ज, पु० तृणविशेष ॥ मूज ।
मुञ्जर, न० शालूक ॥ शालूक, भसीडा ।
मुञ्जातक, पु० पुष्पशाकभेद ॥
मुण्ड, न० बोल । लोह ॥ बोल । लोहा ।
मुण्डचणक, पु० कलाय॥मटर ।
मुण्डफल, पु० नारिकेलवृक्ष ॥ नारियलकापेड ।
मुण्डशालि, पु० शालिविशेष ॥ निःशूकशालि ।

मुण्डा, स्त्री० मुण्डतिका ॥ गोरखमुण्डी ।
मुण्डाख्या, स्त्री० महाश्रावणिका ॥ बड़ीगोरखमुण्डा ।
मुण्डायस, न० लौह । तीक्ष्णायस ॥ लोहा । ईसपात ।
मुण्डित, न० ऐ ।
मुण्डितिका, स्त्री० वृक्ष--विशेष ॥ गोरखमुण्डी ।
मुण्डीरिका, स्त्री० ऐ ।
मुत, स्त्री० वृद्धिनामौषध ॥ वृद्धि औषधी ।
मुद्ग, पु० शमीधान्यभेद ॥ मूग ।
मुद्गपर्णी, स्त्री० वनमुद्ग ॥ मुगौन मुगवन ।
मुद्गमोदक, पु० मिष्टान्न-विशेष॥ मोतीचूरकेलड्डू।
मुद्गर, न० मल्लिकाभेद ॥ मोगरावृक्ष ।
मुद्गर, पु० कर्म्मारवृक्ष । पुष्पवृक्ष-विशेष ॥ कमरख । मोगरावृक्ष ।
मुद्गरक, पु० कर्म्मार ॥ कमरख ।
मुद्गल, न० रोहिषतृण ॥ रोहिससोधिया ।
मुद्गष्ट, पु० वनमुद्ग ॥ मोठ ।
मुद्गष्टक, पु० ऐ ।
मुनि, पु० प्रियाल वृक्ष । पलाशवृक्ष । दमनकवृक्ष । अगस्त्यवृक्ष ॥ चिरोंजीकापेड । ढाककापेड । दवनावृक्ष । अगस्तियावृक्ष ।
मुनिखर्जूरिका, स्त्री० खर्ज्जूरीवृक्ष भेद ॥ मुनिखजूर ।
मुनिच्छद, पु० सप्तच्छदवृक्ष, सतिवन ।
मुनितरु, पु० मुनिद्रुम ॥ हथियावृक्ष ।
मुनिद्रुम, पु० श्योनाकवृक्ष । अगस्त्यवृक्ष ॥ शोनापाठा । हथियावृक्ष ।
मुनिनिर्म्मित, पु० डिण्डिशवृक्ष ॥ ढेडसवृक्ष ।
मुनिपित्तल, न० ताम्र ॥ ताबाँ ।
मुनिपुत्र, पु० दमनकवृक्ष ॥ दवनावृक्ष ।
मुनिपुष्प, न० अगस्त्यवृक्ष ॥ अगस्तियावृक्ष ।
मुनिपूग, पु० गुवाकविशेष-चिकनीसुपारी । रामसुपारी ।
मुनिफल, न० हारिद्रीज ॥ पिस्ता ।
मुनिभेषज, न० अगस्त्य । हरीतकी । लंघन ॥ हथियावृक्ष । हरड । लंघन ।
मुरजफल, पु० पनसवृक्ष ॥ कटहर ।
मुरा, स्त्री० स्वनामख्यातगन्धद्रव्य ॥ कपूरकचरी, एकांगी ।
मुशटी, स्त्री० श्वेतकंगु ॥ सफेदकंगुनी ।
मुशली, स्त्री० तालमूली ॥ मुसली ।
मुषली, स्त्री० ऐ ।
मुष्क, पु० मोक्षकवृक्ष । अण्डकोष॥ मोखावृक्ष। अण्डकोष ।
मुष्कक, पु० वृक्ष-विशेष ॥ कठपाडर । मोखावृक्ष।
मुष्टि, पु० स्त्री० पलपरिमाण ॥ आठतोले ।
मुष्टक, पु० राजसर्षप ॥ राई ।
मुष्टिप्रमाण, न० सेवीफल ॥ सेव ।
मुसली, स्त्री० तालमूली ॥ मुसली ।
मुस्त, पु० मुस्तक ॥ मोथा ।
मुस्तक, पु० न० ऐ ।
मुस्तक, पु० स्थावरविषभेद ।
मुस्ता, स्त्री० मुस्तक ॥ मोथा ।
मुस्ताभ, न० मुस्तक-विशेष ॥ नागरमोथा ।
मूत्रकृच्छ्र, न० मूत्ररोधरोग-विशेष ॥ मूत्रकृच्छ्ररोग ।
मूत्रपुट, पु० मूत्राशय ॥ मूत्राशय ।
मूत्रफला, स्त्री० कर्कटी । त्रपुसी ॥ ककड़ी । खीरा ।
मूत्रल, न० त्रपुष ॥ खीरा ।
मूत्रला, स्त्री० कर्कटी । वालुकी ॥ ककड़ी । वालुकीककड़ी ।
मूत्राघात, पु० मूत्रावरोधकरोग-विशेष ॥ पिसाबबन्धहोना ।
मूत्राशय, पु० मूत्रपुट ॥ मूत्राशय ।
मूर्ख, पु० माष । ऊड़द ।
मूर्च्छा, स्त्री० संज्ञानाशक रोगविशेष ॥ मूर्च्छारोग ।
मूर्द्धपुष्प, पु० शिरीषवृक्ष॥ सिरसकापेड ।
मूर्व्वा, स्त्री० स्वनामख्यात लता ॥ चुरनहार, मरोरफली ।
मूल, न० शिफा । पिप्पलीमूल । पुष्करमूल । शूरण जड़ । पीपरामूल । पोहकरमूल । जमीकन्द ।
मूलक, न० पु० कन्द विशेष ॥ मूली ।
मूलक, पु० स्थावरविषभेद ।
मूलकपर्णी, स्त्री० शोभाञ्जन ॥ सैंजिनेका पेड ।
मूलकमूला, स्त्री० क्षीरक की ॥ क्षीरकक्षुकीवृक्ष
मूलज, न० आर्द्रक ॥ अदरख ।
मूलज, पु० उत्पलादि ॥ कमलइत्यादि ।
मूलपर्णी, स्त्री० मण्डूकपर्णी ॥ मण्डूकपानी ।
मूलपुष्कर, न० पुष्करमूल ॥ पोहकरमूल ।
मूलपोती, स्त्री० पोतिकाशाकभेद ॥ पोईशाकभेद।
मूलफलद, पु० पनसवृक्ष ॥ कटहरवृक्ष ।
मूलरस, पु० मोरटलता ॥ क्षीरमोरट ।
मूला, स्त्री० शतावरी ॥ शतावर ।
मूलाधार, पु० गुह्यलिङ्गयोर्मध्येअङ्गुलीद्वयमितस्थान ।

मूलाह्व, न० मूलक ॥ मूली ।
मूषककर्णी, स्त्री० आखुकर्णी ॥ मूसाकानी ।
मूषकमारी, स्त्री० सुतश्रेणी ॥ मूसाकन्नी ।
मूषा, स्त्री० तैजसावर्त्तनी ॥ धातुगलानेकीघरिया ।
मूषाकर्णी, स्त्री० आखुकर्णी ॥ मूसाकानी ।
मूषातुत्थ, न० नीलतुत्थ ॥ नीलाथोथा ।
मूषिकपर्णी, स्त्री० आखुकर्णी ॥ मूसाकानी ।
मूषिका, स्त्री० ऐ ।
मूषिकाह्वय, पु० ऐ ।
मूषिपर्णिका, स्त्री० ऐ ।
मूषीककर्णी, स्त्री ऐ ।
मृग, पु० मृगनाभि ॥ कस्तूरी ।
मृगगामिनी, स्त्री० विडङ्गा ॥ वायविडङ्ग ।
मृगघर्म्मज, न० जवादिनामकगन्धद्रव्य ॥ जवादिकस्तूरी ।
मृगनाभि, पु० कस्तूरी ॥ कस्तूरी ।
मृगनाभिजा, स्त्री० कस्तूरी ॥ कस्तूरी ।
मृगप्रिय, न० पर्वततृण ॥ तृणाख्य ।
मृगभक्षा, स्त्री० जटामांसी ॥ जटामांसी ।
मृगमद, पु० कस्तूरी ॥ कस्तूरी ।
मृगमदवासा, स्त्री० कस्तूरीमल्लिका ॥
मृगरसा, स्त्री० सहदेवी ॥ सहदेई ।
मृगराटिका, स्त्री० जीवन्ती ॥ डोडीशाक ।
मृगवल्लभ, पु० कुन्दरतृण ॥ कुन्दरा कालिङ्गदेशीय भाषा ।
मृगा, स्त्री० सहदेवीलता ॥ सहदेई ।
मृगाङ्क, पु० कर्पूर ॥ कपूर ।
मृगांडजा, स्त्री० मृगनाभि ॥कस्तूरी ।
मृगादनी, स्त्री० इन्द्रवारुणी । सहदेवी । मृगेर्वारु ॥ इन्द्रायण, । सहदेई । सेंधिनी ।
मृगारि, पु० रक्तशिग्रु ॥ लालसैंजिनेकापेड ।
मृगाक्षी, स्त्री० विशाला । मृगेर्वारु ॥ इन्द्रायण । सेंधिनी ।
मृगेन्द्राणी, स्त्री० वासक ॥ अडूसा ।
मृगेर्वारु, स्त्री० श्वेतइन्द्रवारुणी ॥ सफेदइन्द्रायण अर्थात् सेंधिनी ।
मृगेष्ट, पु० मुद्गरवृक्ष ॥ मोगरावृक्ष ।
मृगेक्षणा, स्त्री० मृगेर्व्वारु ॥ सेंधिनी ।
मृणाल, न० पु० पद्ममूल ॥ कमलकीनाल ।
मृणाल, न० वीरणमूल ॥ खस ।
मृणाली, स्त्री० मृणाल ॥ कमलकीनाल ।
मृणाली [न्], पु० पद्म ॥ कमल ।
मृत, [द], स्त्री० तुवरी ॥ सोरठकीमिट्टी, गोपीचन्दन ।
मृतजीव, पु० तिलकवृक्ष ॥ तिलकवृक्ष ।
मृतसञ्जीवनी, स्त्री० गोरक्षदुग्धा ॥ अमृतसञ्जीवनी ।
मृतामद, न० तुत्थ ॥ तूतिया ।
मृतालक, न० आढकी ॥ अडहर ।
मृत्खलिनी, स्त्री० चर्म्मकषा ॥ सातला ।
मृत्ताल, न० आढकी ॥ अडहर ।
मृत्तालक, न० तुवरिका । सौराष्ट्रमृत्तिका॥अडहर। गोपीचन्दन ।
मृत्तिका, स्त्री० तुवरी ॥ सोरठकीमाटी, गोपीचन्दन ।
मृत्फली, स्त्री० कुष्ठौषध ॥ कूठ ।
मृत्क्षार, न० मूलक ॥ मूली ।
मृत्युनाशक, पु० पारद ॥ पारा ।
मृत्युपुष्प, पु० इक्षु ॥ ईख ।
मृत्युफल, पु० महाकालफल॥ माकालफल वङ्गभाषा ।
मृत्युफला, स्त्री० कदली ॥ केला ।
मृत्युवञ्चन, पु० बिल्ववृक्ष ॥ बेलका पेड ।
मृत्युबीज, पु० वंश ॥ बाँस ।
मृत्स्ना, स्त्री० काक्षी ॥ गोपीचन्दन ।
मृदंगफल, पु० पनसवृक्ष॥ कटहर ।
मृदंगफलिनी, स्त्री० कोशातकी ॥ तोरई ।
मृदंगी, स्त्री० घोषातकी ॥ तोरईभेद ।
मृदुकृष्णायस, न० सीसक ॥ सीसा ।
मृदुचर्म्मी, [न्] पु० भूर्ज्जवृक्ष ॥ भोजपत्रवृक्ष ।
मृदुच्छद, पु० भूर्ज्जवृक्ष । गिरिजपीलुवृक्ष । कुक्कुरद्रु । श्रीताल ॥ भोजपत्रवृक्ष । पर्व्वतीपीलुवृक्ष । ककरोंदा । श्रीताड़वृक्ष ।
मृदुताल, पु० श्रीतालवृक्ष ॥ श्रीताड़वृक्ष ।
मृदुत्वक्, [च्] पु० भूर्ज्जवृक्ष ॥ भोजपत्रवृक्ष ।
मृदुत्वच, पु० ऐ ।
मृदुन्नक, न० सुवर्ण ॥ सोना ।
मृदुपत्र, पु० नल ॥ नरसल ।
मृदुपत्री, स्त्री० चिल्लीशाक ॥ चिल्लीकाशाक ।
मृदुपर्व्वक, पु० वेत्र ॥ वैंत ।
मृदुपुष्प, पु० शिरीषवृक्ष ॥ सिरसकापेड़ ।
मृदुफल, पु० विकंकत । मधुनारिकेल । विकण्टकवृक्ष ॥ कण्टाई, विकंकत । महुवेनारियल । गर्जाफल ।
मृदूत्पल, न०नीलपद्म ॥ नीलकमल ।
मृद्वङ्ग, न० वङ्ग ॥ राङ्ग ।
मृद्वी, स्त्री० कपिलद्राक्षा ॥ भूरीदाख ।

मृद्वीका, स्त्री० द्राक्षा । कपिलद्राक्षा ॥ दाख । किसमिस । अंगूरीदाख ।
मृषालक, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमकापेड ।
मृष्ट, न० मरिच ॥ कालीमिरच ।
मेखला, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन ।
मेघ, पु० मुस्तक ॥ मोथा ।
मेघनाद, पु० पलाशवृक्ष । तण्डुलीयशाक ॥ढाक-कापेड़ । चौलाईका शाक ।
मेघनामा, [न्] , पु० मुस्तक ॥ मोथा ।
मेघपुष्प, न० पिण्डाभ्र ॥ ओला ।
मेघवर्णा, स्त्री० नीलीवृक्ष ॥ नीलकापेड ।
मेघक्षार, पु० चीनकर्पूर ॥ चीनियाकपूर ।
मेघस्तनितोद्भव, पु० गर्जाफल ॥ विकण्टक वृक्ष ।
मेघाख्य, न० मुस्तक ॥ मोथा ।
मेचक, न० स्रोतोञ्जन । नीलाञ्जन ॥ शुर्म्मा । नीलशुर्म्मा ।
मेचक, पु० शोभाञ्जन ॥ सैंजिनेकापेड़ ।
मेचकाभिधा, स्त्री० पातालगरुडलता॥ छिरहिटा ।
मेदुला, स्त्री० आमलकी ॥ आमला ।
मेढ्र, पु० शिश्न ॥ लिंग ।
मेढ़शृङ्गी, स्त्री० मेषशृंगी ॥ मेढ़ाशिंगी ।
मेथिका, स्त्री० क्षुप--विशेष ॥ मेथिकाशाक ।
मेथिनी, स्त्री० ऐ ।
मेथी, स्त्री० ऐ ।
मेदः [स्] , न० मांससम्भूतधातुविशेष । रोग-विशेष ॥ चरबी । मेदरोग-शरीरकामोटा हो जाना ।
मेद, पु० अलम्बुषा । मेदः ॥ लज्जालुभेद । चरबी ।
मेदक, पु० जगल ॥
मेदज, पु० भूमिजगुग्गुलु ॥ भूमिजगूगल ।
मेदःसारा, स्त्री० मेदा ॥ मेदा औषधि ।
मेदा, स्त्री० अष्टवर्गान्तर्गतऔषधी-विशेष ॥ मेदा औषधी ।
मेदिनी, स्त्री० काश्मरी । मेदा ॥ कम्भारी । मेदा औषधी ।
मेदुरा, स्त्री० काकोली ॥ काकोली ।
मेदोद्भवा, स्त्री० मेदा ॥ मेदाऔषधी ।
मेदोवती, स्त्री० मेदा ॥ मेदाऔषधी ।
मेधाकृत, न० सितावरशाक ॥ शिरिआरीशाक ।
मेधावती, स्त्री० महाज्योतिष्मती बडी मालकांगुनी
मेधावी, [न्] पु० मदिरा ॥ मद्य ।
मेध्य, पु० खदिर । यव ॥ खैर । जौ ।
मेध्या, स्त्री० रक्तवचा । गोरोचना । केतकी । ज्योतिष्मती । शंखपुष्पी । ब्राह्मी । श्वेतवचा । शमी । मण्डूकी॥ लालवच । गौलोचन । केतकी । मालकांगुनी । शंखाहुली । ब्रह्मीघास । सफ़ेदवच । छोंकरावृक्ष । माण्डुकपानी ।
मेन्धिका, स्त्री० क्षुप-विशेष ॥ मेहदीकापेड ।
मेन्धी, स्त्री० ऐ ।
मेरुक, पु० यक्षधूप ॥ राल ।
मेलकलवण, न० औषरलवण ॥ खारी नोन ।
मेला, स्त्री० महानीली ॥ बडा नीलका पेड ।
मेषक, पु० जीवशाक ॥ मालवे प्रसिद्ध ।
मेषलोचन, पु० चक्रमर्द ॥ चकवड ।
मेषवल्ली, स्त्री० अजशृङ्गी ॥ मेढाशिङ्गी ।
मेषविषाणिका, स्त्री० ऐ ।
मेषशृङ्ग, न० स्थावर-विषभेद ॥ अमृत विष वङ्ग-भाषा ।
मेषशृङ्गी, स्त्री० अजशृङ्गी ॥ मेढाशिङ्गी ।
मेषा, स्त्री० त्रुटि ॥ गुजराती इलायची ।
मेषान्त्री, स्त्री० वस्त्रान्त्रीवृक्ष ॥ विधाराभेद ।
मेषालु, पु० बर्बरावृक्ष ॥ बर्बरवृक्ष ।
मेषाह्वय, पु० चक्रमर्द ॥ चकवड ।
मेषाक्षिकुसुम, पु० ऐ ।
मेषिका, मेषी, स्त्री० जटामांसी । तिनिशवृक्ष॥बालछड । जटामांसी । तिरिच्छवृक्ष ।
मेह, पु० प्रमेह ॥ प्रमेहरोग ।
मेहघ्नी, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
मेहन, पु० मुष्ककवृक्ष ॥ कठपाडर ।
मैरेय, न० मद्य-विशेष ॥
मोघा, स्त्री० पाटलावृक्ष । विडङ्गा ॥ पाडर । वायविडङ्ग ।
मोच, न० कदलीफल ॥ केलेकी फली ।
मोच, पु० शोभाञ्जनवृक्ष । शाल्मलीवेष्ट ॥ सैंजिनेका पेड । मोचरस ।
मोचक, पु० कदली । शिग्रु । मुष्ककवृक्ष ॥ केला । सैंजिना । कठपाडर ।
मोचनी, स्त्री० कण्टकारी ॥ कटेरी ।
मोचरस, पु० शाल्मलीनिर्य्यास ॥ सेमलका गोंद अर्थात् मोचरस ।
मोचा, स्त्री० शाल्मलीवृक्ष । कदलीवृक्ष । नीलीवृक्ष॥सेमरका पेड । केलाका पेड । नीलका पेड ।
मोचाट, पु० कृष्णजीरक ॥ कालाजीरा ।
मोची, स्त्री० हिलमोचिका ॥ हुलहुलशाक ।
मोटा, स्त्री० बला ॥ खिरैंटी ।

मोदक, पु० न० खाद्य-विशेष । गुड । यवासशर्करा । शर्करादिद्वारा पक्वौषध-विशेष ॥ मिष्टान्नभेद । गुड । सीराखिस्ता । लड्डू ।
मोदन, न० सिक्थक ॥ मोम ।
मोद, मोदिनी, स्त्री० जम्बू ॥ जामुन ।
मोदयन्ती, स्त्री० वनमल्लिका ॥ मल्लिकाभेद ।
मोदा, स्त्री० अजमोदा ॥ अजमोद ।
मोदाख्य, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमका पेड ।
मोदाढ्या, स्त्री० अजमोदा ॥ अजमोद ।
मोदिनी, स्त्री० अजमोदा । मल्लिका । यूथिका । कस्तूरी । मदिरा । मल्लिकापुष्पवृक्ष-विशेष ॥ अजमोद । वेलाकापेड । जुही । कस्तूरी । मदिरा-सुरा । मदनबाणभेद ।
मोरट, न० इक्षुमूल । अङ्कोटपुष्प ॥ ईखकीजड । ढेराकेफूल ।
मोरट, पु० लताभेद ॥ क्षीरमोरट ।
मोरटक, न० इक्षुमूल ॥ ईखकी जड ।
मोरटा, स्त्री० मूर्वा ॥ चुरनहार ।
मोह, पु० मूर्च्छा ॥ अज्ञान ।
मोहन, पु० धत्तूरवृक्ष ॥ धतूरेकापेड ।
मोहना, स्त्री० त्रिपुरमालीपुष्प ॥ त्रिपुरमालीपुष्प ।
मोहनी, स्त्री० उपोदकी । वटपत्रा॥ पोईकाशाक । त्रिपुरमाली ।
मोहिनी, त्रिपुरमालीपुष्प ॥ त्रिपुरमाली ।
मोक्ष, पु० पाटलिवृक्ष । पाटलि-विशेष ॥ पाडरका वृक्ष । मोखावृक्ष ।
मोक्षक, पु० मुष्ककवृक्ष । घण्टापाटलि ॥ मोखावृक्ष । कठपाडर ।
मौक्तिक, न० मुक्ता ॥ मोती ।
मौक्तिकतण्डुल, पु० धवलयावनाल॥ सफेदज्वार-मक्का ।
मौक्तिकप्रसवा, स्त्री० मुक्ताशुक्ति ॥ मोतीकी सीप ।
मौञ्जीतृणाख्य, पु० मुञ्ज ॥ मूज ।
मौञ्जीपत्रा, स्त्री० बल्वजा ॥ सावे बागे कुत्रचित् भाषा ।
मौर्वी, स्त्री० अजशृङ्गी ॥ मेढाशिङ्गी ।
मौलि, पु० अशोकवृक्ष ॥ अशोककापेड ।
म्रक्षण, न० तैल ॥ तेल ।
म्रातन, न० कैवर्त्तीमुस्तक ॥ केवटीमोथा ।
म्लेच्छ, न० हिङ्गुल । ताम्र ॥ सिङ्गरफ । तांबा ।
म्लेच्छकन्द, पु० लशुन ॥ लहशन ।
म्लेच्छभोजन, पु० गोधूम ॥ गेहूं ।
म्लेच्छफल, न० फल-विशेष ॥ काफि ।
म्लेच्छमुख, न० ताम्र ॥ तांबा ।
म्लेच्छाख्य, न० ताम्र ॥ तांबा ।
म्लेच्छाश, पु० गोधूम गेहूं ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृतशालिग्रामौषधशब्दसागरे मकारादिद्रव्यवर्णनं नाम पञ्चविंशस्तरङ्गः ॥ २५ ॥

य

यकृत्, न० कुक्षेर्दक्षिणभागस्थस्वनामख्यातमांसखण्ड ॥ कलेजेकेसामनेकाएकमांसकापिण्डहृदयके दाहिनीओर ।
यकृद्वैरी, [न्] रोहितकवृक्ष ॥ रोहेडावृक्ष ।
यकृन्मर्द, पु० ऐ ।
यज्ञभूषण, पु० श्वेतदर्भ ॥ सफेदकुशा । कुशा ।
यज्ञयोग्य, पु० उदुम्बरवृक्ष ॥ गूलरकापेड ।
यज्ञवल्ली, स्त्री० सोमवल्ली ॥ सोमवेल ।
यज्ञवृक्ष, पु० वटीवृक्ष ॥ नदीवड ।
यज्ञश्रेष्ठा, स्त्री० सोमवल्ली ॥ सोमवेल ।
यज्ञसार, पु० यज्ञोदुम्बरवृक्ष ॥ गूलरकापेड ।
यज्ञाङ्ग, पु० उदुम्बर । खदिरवृक्ष । ब्राह्मणयष्टिका॥ गूलरकापेड । खैरकापेड । बह्मनेटि ।
यज्ञाङ्गा, स्त्री० सोमवल्ली ॥ सोमवेल ।
यज्ञिक, पु० पलाशवृक्ष ॥ ढाककापेड ।
यज्ञीय, पु० उदुम्बरवृक्ष ॥ गूलरकापेड ।
यज्ञीयब्रह्मपादप, पु० विकङ्कतवृक्ष ॥ कण्टाई-विकङ्कतवृक्ष ।
यज्ञेष्ट, पु० दीर्घरोहिषतृण ॥ बडेरोहिस ।
यज्ञोदुम्बर, पु० उदुम्बरवृक्ष ॥ गूलरकापेड ।
यतुका, **यतूका**, स्त्री० वृक्ष-विशेष ।
यन्त्रगोल, पु० कलाप-विशेष ॥ मटर ।
यमदूतिका, स्त्री० तिन्तिडीवृक्ष ॥ इमलीकापेड ।
यमद्रुम, पु० शाल्मलिवृक्ष ॥ सेमरकापेड ।
यमप्रिय, पु० वटवृक्ष ॥ वडका पेड ।
यमलपत्रक, पु० अश्मन्तकवृक्ष । कोविदारवृक्ष ॥ आपटा पश्चिमदेशीयभाषा । कचनारवृक्ष ।
यमानिका, स्त्री० यवानी ॥ अजमाय ।
यमानी, स्त्री० ऐ ।
यव, पु० स्वनामख्यातशूकधान्य । इन्द्रयव ।यवक्षार षट्सर्षपपरिमाण ॥ जौ । इन्द्रजौ । जवाखार । ६ सरसोंपरिमाण ।
यवक, पु० यव ॥ जौ ।

यवकल्क, न० यवस्यकल्क ॥ जौकीभूंसी।
यवज, पु० यवक्षार। यवानी ॥ जवाखार। अजमायन।
यवज, न० तवक्षीर ॥ तवाखीर।
यवतिक्तक, न० महातिक्तक ॥ कालमेघवङ्गभाषा।
यवतिक्ता, स्त्री० लताप्रभेद ॥ शङ्खिनी, यवेची। दक्षिणदेशीयभाषा।
यवन, पु० गोधूम। गर्जरतृण। तुरुष्क ॥ गेहूँ। गर्जरतृण। शिलारस।
यवनद्विष्ट, पु० गुगुलु ॥ गूगल।
यवनप्रिय, न० मरिच ॥ कालीमिरच। लालमिरच।
यवनाल, पु० धान्य-विशेष ॥ देवधान्य।
यवनालज, पु० यवक्षार ॥ जवाखार-हिन्दी। सोर वङ्गभाषा।
यवनी, स्त्री० यवानी ॥ अजवायन।
यवनेष्ट, न० सीसक। मरिच। गृञ्जन॥ सीसा। मिरच। सलगम।
यवनेष्ट, पु० लशुन। राजपलाण्डु। निम्ब। पलाण्डु ॥ लहशन। लालप्याज। नीमकापेड। प्याज।
यवनेष्टा, स्त्री० खर्जूरी ॥ खजूर।
यवप्रख्या, स्त्री० क्षुद्ररोग-विशेष।
यवफल, पु० वंश। जटामांसी। कुटज।प्लक्षवृक्ष ॥ वाँस। जटामांसी ॥ कुडाकापेड। पाखरवृक्ष।
यवलास, पु० यवक्षार ॥ जवाखार।
यवशूक, पु० ऐ।
यवशूकज, पु० ऐ।
यवसूर, न० यवजातसुरा ॥ जौकीसराबजोवनाई जातीहै। रम, अंग्रेजीभाषा।
यवक्षार, पु० यवतृणभस्मजातक्षार-विशेष ॥ जवाखार-हिन्दी। सोरा वङ्गभाषा।
यवक्षोद, पु० यवचूर्ण ॥ जौका चून।
यवागू, स्त्री० षड्गुणजलपक्कतण्डुलादि ॥ यवागू।
यवाग्रज, पु० यवक्षार। यवानी ॥ जवाखार। अजवायन।
यवानिका, स्त्री० यवानी ॥ अजवायन।
यवानी, स्त्री० ऐ।
यवापत्य, न० यवक्षार ॥ जवाखार।
यवाम्लज, न० सौवीरक ॥ जौसेबनाईहुईकांजी।
यवास, पु० क्षुपविशेष ॥ जवासा।
यवासक, पु० ऐ।
यवासशर्करा, स्त्री० यवासरसघटितशर्करा॥ शीरखिस्त।
यवसा, स्त्री० गुण्डासिनीतृण ॥ गुण्डालातृण।
यवाह्व, पु० यवक्षार ॥ जवाखार।
यवोत्थ, न० सौवीरक ॥ जौकी काँजि।
यशद, न० धातु-विशेष ॥जस्त।
यशस्या, स्त्री० जीवन्ती। ऋद्धि ॥ डोडीकाशाक। ऋद्धि औषधी।
यशस्विनी, स्त्री० वनकार्पासी। यवतिक्ता। महाज्योतिष्मती ॥ वनकपास। यवेची। बडीमालकाङ्गनी।
यशोद, पु० पारद ॥ पारा।
यष्टि, पु० स्त्री० यष्टिमधु। भार्ङ्गी ॥ मुलहटी। भारङ्गी।
यष्टिका, स्त्री० ऐ।
यष्टिमधु, न० स्वनामख्यातमिष्टस्वादवणिग्द्रव्य विशेष ॥ मुलहटी हिन्दी-जेठीमधु दक्षिणदेशीयभाषा।
यष्टिमधुका, स्त्री० ऐ।
यष्टी, स्त्री० ऐ।
यष्टीक, न० ऐ।
यष्टीपुष्प, पु० पुत्रजीवका ॥ जियापोतावृक्ष
यष्टीमधु, न० यष्टिमधु ॥ मुलहटी।
यष्टीमधुक, न० ऐ।
यष्टीमधुका, स्त्री० ऐ।
यष्टयाह्व, न० ऐ।
यष्टयाह्वा, स्त्री० ऐ।
यष्टयाह्वका, स्त्री० ऐ।
यष्टयाह्विका, स्त्री० ऐ।
यक्षकर्दम, पु० कुंकुम, अगुरु, कस्तूरी, कर्पूर, श्वेतचन्दन ॥ केशर, अगर, कस्तूरी, कपूर, सफेदचन्दन इन सर्वद्रव्योंका बनायाहुवा एकप्रकार का सुगन्धचूर्ण।
यक्षतरु, पु० वटवृक्ष ॥ वड़कापेड़।
यक्षद्रु, पु० वृक्ष--विशेष॥इसवृक्षका गोंद विरोजाहै।
यक्षधूप, पु० सर्जरस। श्रीवास ॥ राल। गूगरी। गूगल।
यक्षफल, पु० फल-विशेष ॥ चिलगोजा।
यक्षरस, पु० पुष्पमद्य ॥ महुवेके फूलोंकी मदिरा।
यक्षामलक, न० पिण्डखर्जूरीफल ॥ पिण्डखजूर।
यक्षावास० पु० वटवृक्ष ॥ वडका पेड।
यक्षोदुम्बरक, न० अश्वत्थफल ॥ पीपलके फल।
यक्ष्मघ्नी, स्त्री० द्राक्षा ॥ दाख।
यक्ष्मा, [न्], पु० स्वनामख्यातरोग ॥ क्षयरोग।
याज, पु० अन्न ॥ अन्न। भात वङ्गभाषा।

याज्ञिक, पु० दर्भ-विशेष । रक्तखादिरवृक्ष । पलाशवृक्ष । अश्वत्थवृक्ष ॥ एकप्रकारकीडाभ । लालखैरवृक्ष । ढाककावृक्ष । पीपलकापेड़ ।
यातुघ्न, पु० गुग्गुलु ॥ गूगल ।
यामिनी, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
यामिनीपति, पु० कर्पूर ॥ कपूर ।
यामुन, न० स्रोतोञ्जन ॥ कालाशुर्म्मा ।
यामुनेष्टक, न० सीसक ॥ सीसा ।
याम्य, पु० चन्दनवृक्ष ॥ चन्दनकापेड ।
याम्योद्भूत, पु० श्रीतालवृक्ष ॥ श्रीताड ।
यावक, पु० वोरोधान्य । कुलत्थ । अलक्तक ॥ वोरोधान । कुल्थी । लाखकारङ्ग ।
यावन, पु० तुरुष्क ॥ शिलारस ।
यावनाल, पु० धान्य-विशेष ॥ जुआर ।
यावनालशर, पु० शरभेद ॥ जोहुरली--देशान्तरीयभाषा ।
यावनाली, स्त्री० यावनालशर्करा ॥ मेनाकेचित्वङ्भाषा । तुंरजवीन यवनभाषा ।
यावशूक, पु० यवक्षार ॥ जवाखार ।
यास, पु० यवास ॥ जवासा ।
युक्तरसा, स्त्री० रास्ना ॥ रासना ।
युक्ता, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ एलापर्णी ।
युग, न० वृद्धिनामकौषधि ॥ वृद्धि औषधी ।
युगपत्र, पु० कोविदारवृक्ष ॥ कचनारकापेड ।
युगपत्रक, पु० ऐ ।
युगपत्रिका, स्त्री० शिंशपावृक्ष ॥ सीसोंकावृक्ष ।
युगलाख्य, पु० बर्बूरवृक्ष ॥ बबूरकापेड ।
युग्मपत्र, पु० रक्तकाञ्चनवृक्ष ॥ कचनारकापेड ।
युग्मपत्रिका, स्त्री० शिंशपावृक्ष ॥ सीसोंकावृक्ष ।
युग्मपर्ण, पु० कोविदारवृक्ष । सप्तपर्णवृक्ष ॥कचनारवृक्ष । सतिवन ।
युग्मफला, स्त्री० इन्द्रचिर्भिटा । वृश्चिकाली ।
युञ्जातक, न० फल-विशेष ।
युवति, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
युवती, स्त्री० ऐ ।
युवतीष्टा, स्त्री० स्वर्णयूथिका ॥ पीलीजुही ।
यूक, पु० केशकीट ॥ लीख, डीङ्गर ।
यूका, स्त्री० ऐ ।
यूथिका, स्त्री० पाठा । स्वनामख्यातपुष्प-विशेष ॥ पाठा जूडीका वृक्ष ।
यूथी, स्त्री० ऐ ।
यूपद्रु, पु० खदिरवृक्ष ॥ खैरकापेड ।
यूपद्रुम, पु० खदिरवृक्ष ॥ रक्तखदिर॥खैरकापेड । लालखैर ।

यूष, पु० न० मुद्गादिक्काथरस ॥ मूंगइत्यादिकेकाढेका रस ।
योगज, न० अगरु ॥ अगर ।
योगरङ्ग, पु० नागरङ्ग ॥ नारङ्गीकापेड ।
योगवाही, स्त्री० स्वर्जिकाक्षार । पारद ॥ सज्जीखार । पारा ।
योगारङ्ग, पु० नारङ्ग ॥ नारङ्गीकापेड ।
योगेश्वरी, स्त्री० वन्ध्याकर्कोटकी ॥ वाँझखखसा ।
योगेष्ट, न० सीसक ॥ सीसा ।
योग्य, न० ऋद्धि । वृद्धि ॥ ऋद्धिअष्टवर्गमें वृद्धिअष्टवर्गकी औषधी ।
योजनगन्धा, स्त्री० कस्तूरी ॥ कस्तूरी ।
योजनगन्धिका, स्त्री० ऐ ।
योजनपर्णी, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ ।
योजनमल्लिका, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ मंदनमाली ।
योजनवल्लिका, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ ।
योजनवल्ली, स्त्री० ऐ ।
योनल, पु० सस्य-विशेष ॥ पुनेरा ।
योनि, पु० स्त्री० स्त्रीचिह्न ॥ भग, योनि ।
योनिकन्द, पु० योनिरोग-विशेष ॥ योनिकन्द ।
योनिरोग, पु० योनिसम्बन्धीयविंशतिप्रकाररोग ॥ २० वीसप्रकारके योनिरोग ।
योन्यर्श, [सु] न० योनिजातरोग-विशेष ।
योषित्प्रिया, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
यौवनपिडका, स्त्री० यौवनसमयेमुखजातक्षुद्रस्फोटक ॥ जवानीके समय मुखपर मुहासे निकलतेहैं ।

इतिश्रीशालिग्रामवैश्यकृतेशालिग्रामौषधशब्दसागरेयकारादिद्रव्याभिधानेषड्विंशस्तरङ्गः ॥ २६ ॥

र

रक्त, न० शरीरस्थसप्तधात्वन्तर्गतस्वनामख्यातधातुविशेष । कुङ्कुम । ताम्र । प्राचीनामलक। पद्मक। सिन्दूर । हिङ्गुल ॥ रुधिर, लोहू । केशर । तांबा । पानीआमला । पद्माख । सिन्दूर। सिङ्गरफ ।
रक्त, पु० कुसुम्भ । हिज्जल । रक्तचन्दनभेद ॥ कसूमका पेड । समुद्रफल । लालचन्दन ।
रक्तक, पु० अम्लानवृक्ष। बन्धूकवृक्ष । रक्तशिग्रु। रक्तैरण्ड ॥ बाणपुष्प । दुपहरियावृक्ष । लालसैंजिनेकापेड । लालअरण्डकापेड ।
रक्तकन्द, पु० विद्रुम । राजपलाण्डु । रक्तालु ॥ मूंगा । लालप्याज । रतालु ।
रक्तकन्दल, पु० प्रवाल ॥ मूँगा ।

रक्तकमल, न० रक्तोत्पल ॥ लालकमल ।
रक्तकम्बल, न० ऐ ।
रक्तकरवीर, पु० लोहितवर्णपुष्प करवीरवृक्ष ॥ लालकनेरकापेड ।
रक्तकरवीरक, पु० ऐ ।
रक्तकाश्चन, पु० कोविदारवृक्ष ॥ लालकचनार ।
रक्तकाण्ड, स्त्री० रक्तपुनर्नवा ॥ गदहपूर्ना ।
रक्तकाष्ठ, न० पत्तङ्ग ॥ पतङ्गकीलकडी ।
रक्तकुमुद, न० रक्तकैरव ॥ लालकमोदनी ।
रक्तकुसुम, पु० पारिभद्र । धन्वनवृक्ष ॥ फरहदवृक्ष । धामिनवृक्ष ।
रक्तकेशर, पु० पारिभद्रवृक्ष । पुन्नागवृक्ष ॥ फरहद । पुन्नागवृक्ष ।
रक्तकैरव, न० जलजपुष्प-विशेष ॥ लालकुमुद ।
रक्तकोकनद, न० रक्तोत्पल ॥ लालकमल । लालकुमुद ।
रक्तखदिर, पु० रक्तवर्णखदिरवृक्ष ॥ लालखैरकापेड ।
रक्तगन्धक, न० बोल ॥ बोल ।
रक्तगुल्म, पु०रक्तजगुल्मरोग॥यह रोग स्त्रियोंको होताहै,प्रसव,गर्भपात, रजस्वलाहोनेके समय अपथ्य भोजनसे वायुके कोपसे रक्तगुल्मरोग होता है।
रक्तघ्न, पु० रोहितकवृक्ष ॥ रोहेडावृक्ष ।
रक्तघ्नी, स्त्री० दूर्वा-विशेष ॥ गठीलीदूब ।
रक्तचन्दन, न० रक्तवर्ण चन्दन ॥ लालचन्दन ।
रक्तचित्रक, पु० क्षुप-विशेष ॥ लालचीतेकापेड ।
रक्तचूर्ण, न०सिन्दूर ॥ सिन्दूर ।
रक्तझिण्टी, स्त्री० रक्तवर्णझिण्टीपुष्पवृक्ष ॥ लालकटसरैया ।
रक्ततृणा, स्त्री० गोमूत्रिका ॥ गोमूत्रितृण ।
रक्तत्रिवृत, स्त्री० रक्तवर्ण त्रिवृता ॥ लालनिसोथ।
रक्तदला, स्त्री० नलिका । चिविल्लिका॥प्रवालीउत्तरदेशकीभाषा । चिविल्लिका ।
रक्तधातु, पु० गिरिमृत्तिका । ताम्र ॥ गेरू। ताँबा।
रक्तनाल, पु० जीवशाक ॥ जीवशाक ।
रक्तपत्रिका, स्त्री० नाकुली । रक्तपुनर्नवा ॥नाई । गदहपूर्ना, अर्थात् गदहसट्ट । साँठ ।
रक्तपदी, स्त्री० क्षुद्रवृक्ष-विशेष ॥ लज्जावन्ती ।
रक्तपद्म, पु० न० रक्तवर्णपद्म ॥ लालकमल ।
रक्तपल्लव, पु० अशोकवृक्ष ॥ अशोकवृक्ष ।
रक्तपा, स्त्री० जलौका ॥ जोंक ।
रक्तपाकी, स्त्री० बृहती ॥ कटाई ।
रक्तपादी, स्त्री० लज्जालु । हंसपदी ॥ लज्जावन्ती । लाललज्जालु ।
रक्तपारद, न० हिङ्गुल ॥ सिङ्गरफ ।
रक्तपिण्ड, न० जपापुष्प ॥ ओंड्हुलपुष्प ।
रक्तपिण्डक, पु० रक्तालु ॥ रतालु ।
रक्तपित्त, न० स्वनामख्यातरोग ॥ यह रोग वात, पित्त, कफ, तीनों दोषोंसे होता है ।
रक्तपित्तहा, स्त्री० रक्तघ्नी ॥ गँठीलीदूब।
रक्तपुनर्नवा, स्त्री० रक्तवर्ण पुनर्नवा ॥ गदहपूर्नासोंठ ।
रक्तपुष्प, पु० करवीर । रोहितकवृक्ष । कोविदारवृक्ष । दाडिमवृक्ष । अगस्त्यवृक्ष । बन्धूकवृक्ष । पुन्नागवृक्ष ॥ कनेरकावृक्ष । रोहेडावृक्ष । लालकचनार । अनारकापेड । अगस्तकावृक्ष । दुपहरियावृक्ष । पुन्नागवृक्ष ।
रक्तपुष्पक, पु० पलाशवृक्ष । रोहितकवृक्ष । शाल्मलिवृक्ष । पर्पट ॥ ढाक-पलास-टेसूकावृक्ष । रोहेडावृक्ष । सेमरकापेड । पित्तपापडा । दवनपापरा ।
रक्तपुष्पा, स्त्री० शाल्मलिवृक्ष ॥ सेमलकापेड ।
रक्तपुष्पिका, स्त्री० लज्जालु । रक्तपुनर्नवा । भूपाटलिवृक्ष । छुईमुई, लजालु, लज्जावन्ती । गदहपूर्ना । भूपातली ।
रक्तपुष्पी, स्त्री० पाटलिवृक्ष । जवा । आवर्त्तकीलता । नागदमनी । करुणी । उष्ट्रकाण्डी ॥ पाढरवृक्ष । गुडहर । भगवतवल्ली कोंकणे प्रसिद्ध । नागदौन । ककरखिरुणी कोंकणदेशीय भाषा । ऊंटाटी ।
रक्तपूरक, न० वृक्षाम्ल ॥ विषाविल ।
रक्तप्रसव, पु० रक्तकरवीर । रक्ताम्लान ॥ लालकनेर । रक्तअम्लान ।
रक्तमूत्रफल, पु० वटवृक्ष ॥ वडकापेड ।
रक्तफला, स्त्री० बिम्बिका । स्वर्णवल्ली । वार्त्ताकु । कन्दूरी । सोनवेल । बैंगन ।
रक्तवालुक, न० सिन्दूर ॥ सिन्दूर ।
रक्तमञ्जर, पु० हिज्जलवृक्ष ॥ समुद्रफल ।
रक्तमूलक, न० देवसर्षपवृक्ष ॥ निर्जरसरसो ।
रक्तमूला, स्त्री० लज्जालुवृक्ष ॥ लज्जावन्ती ।
रक्तमेह, पु० प्रमेहरोग-विशेष ।
रक्तयष्टि, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ ।
रक्तयष्टिका, स्त्री० ऐ ।
रक्तयावनाल, पु० तुवरयावनाल ॥ लालजुआर ।
रक्तरेणु, पु० सिन्दूर । पलाशकलिका । पुन्नाग ॥ सिन्दूर । ढाककीकली । पुन्नागवृक्ष ।
रक्तरेणुका, स्त्री० पलाशकालिका ॥ टेसूके फूलकी कली ।

रक्तरैवतक, न० महापारेवत ॥ बडापारेवत ।
रक्तलशुन, पु० रक्तवर्ण मूल-विशेष ॥ सलगम× गाजर ।
रक्तला, स्त्री० काकतुण्डी ॥ कौआठोडी ।
रक्तवटी, रक्तवरटी, स्त्री० मसूरिका॥मातारोग ।
रक्तवर्ग, पु० दाडिम । किंशुक । लाक्षा । हरिद्रा । दारुहरिद्रा । बन्धूक । कुसुम्भपुष्प । मञ्जिष्ठा ॥ अनारकावृक्ष । ढाककावृक्ष । लाख । हलदी । दारुहलदी । दुपहरिआकापेड । कसूमपुष्प । मजीठ ।
रक्तवर्द्धन, पु० वार्त्ताकु ॥ बैंगन ।
रक्तवर्षाभू, पु० रक्तपुनर्नवा ॥ गदहपूर्ना ।
रक्तवात, पु० रोग-विशेष ॥ वातरक्त ।
रक्तवालुका, स्त्री० सिन्दूर ॥ सिन्दूर ।
रक्तबीज, पु० दाडिम ॥ अनार ।
रक्तबीजका, स्त्री० तरदीवृक्ष ॥ तारदी कण्टक युक्तवृक्ष ।
रक्तबीजा, स्त्री० सिन्दूरपुष्पी ॥ सिन्दूरिया ।
रक्तवृन्ता, स्त्री० शेफालिका ॥ निर्गुण्डीभेद ।
रक्तशालि, पु० रक्तवर्ण शालिधान्य-विशेष ॥ दल बादल इत्यादि ।
रक्तशासन, न० सिन्दूर ॥ सिन्दूर ।
रक्तशिग्रु, पु० रक्तशोभाञ्जनवृक्ष ॥ लाल सैंजिनेका पेड ।
रक्तशीर्षक, पु० सरलद्रव ॥ सरलकागोंद ।
रक्तशृङ्गिक, न० विष ॥ विष ।
रक्तसंज्ञ, न० कुङ्कुम ॥ जाफरान यवनिका भाषा ।
रक्तसन्ध्यक, न० ह्लक ॥ लालकह्लार ।
रक्तसरोरुह, न० रक्तपद्म ॥ लालकमल ।
रक्तसर्षप, पु० राजिका ॥ राई ।
रक्तसहा, स्त्री० रक्तप्रसव ॥ रक्ताम्लानवृक्ष ।
रक्तसार, न० रक्तचन्दन । पत्तङ्ग ॥ लालचन्दन । पतङ्ग । काठ ।
रक्तसार, पु० अम्लवेतस । रक्तखदिर ॥ अम्लवेंत । लालखैर ।
रक्तसौगन्धिक, न० रक्तसन्ध्यक ॥ लालकह्लार ।
रक्तस्राव, पु० वेतसाम्ल ॥ अम्लवेंत ।
रक्ता, स्त्री० गुञ्जा । लाक्षा । मञ्जिष्ठा । उष्ट्रकाण्डी ॥ घुघुची । लाख । मजीठ । उडांटी ।
रक्ताकार, पु० प्रवाल ॥ मूँगा ।
रक्ताक्त, न० रक्तचन्दन ॥ लालचन्दन ।
रक्तांग, न० कुंकुम । विद्रुम ॥ केशर । मूँगा ।
रक्ताङ्ग, पु० कम्पिल्ल । प्रवाल ॥ कबीला । मूँगा ।
रक्ताङ्गी, स्त्री० जीवन्ती । मञ्जिष्ठा ॥ जीवन्ती । मजीठ ।
रक्तातिसार, पु० अतिसार रोग-विशेष ॥ रक्तातिसार पित्तातिसारमें गर्म वस्तु खानेसे होजाताहै, और लाल, काले, पीले दस्तहोनेलगतेहैं ।
रक्तापह, न० बोलनामकगन्धद्रव्य ॥ बोल ।
रक्तापामार्ग, पु० रक्तवर्ण अपामार्ग ॥ लालीचरचिटा ।
रक्ताम्र, पु० कोशाम्र ॥ कोशम ।
रक्ताम्लान, पु० रक्तवर्णपुष्पवृक्ष ॥ लालअम्लान ।
रक्ताम्भ, [न्] न० नेत्ररोग-विशेष ।
रक्तार्बुदः पु० अर्बुदरोगविशेष ।
रक्तार्श, [स्] न० अर्शरोगविशेष ॥
रक्तालु, पु० रक्तवर्णआलु-विशेष॥ रतालु । शकरकन्द आलु ।
रक्तिका, स्त्री० गुञ्जा । राजिका । गुञ्जापरिमाण । घुघुची । राई । १ रतिपरिमाण ।
रक्तेक्षु, पु० रक्तवर्ण इक्षु ॥ लालईख ।
रक्तैरण्ड, पु० रक्तवर्ण एरण्डवृक्ष ॥ लाल अण्डका पेड ।
रक्तेर्व्वारु, पु० इन्द्रवारुणी ॥ इन्द्रायण ।
रक्तोत्पल, ० रक्तोत्पल ॥ लालकमल ।
रक्तोत्पल, पु० शाल्मलीवृक्ष ॥ सेमलका पेड ।
रङ्ग, न० धातु-विशेष ॥ राङ्ग ।
रङ्ग, पु० टङ्कण । खदिरसार ॥ सुहागा । खैरसार ।
रङ्गकाष्ठ, न० पतङ्ग ॥ पत्तङ्गकी लकड़ी ।
रङ्गज, न० सिन्दूर ॥ सिन्दूर ।
रङ्गद, पु० टङ्कण । खदिरसार॥ सुहागा । खैरसार।
रङ्गदा, स्त्री० स्फटी ॥ फटकिरी ।
रङ्गदायक, न० कंकुष्ठ॥ मुरदासंग ।
रङ्गदृढा, स्त्री० स्फटी ॥ फटकिरी ।
रङ्गपत्री, स्त्री० नीलीवृक्ष ॥ नीलकापेड ।
रङ्गपुष्पी, स्त्री० ऐ ।
रङ्गमाता, [ऋ] , स्त्री० लाक्षा ॥ लाख ।
रङ्गमातृका, स्त्री० ऐ ।
रङ्गलासिनी, स्त्री० शेफालिका ॥ निर्गुण्डीभेद ।
रङ्गबीज, न० रूप्य ॥ रूपा ।
रङ्गक्षार, पु० टङ्कण ॥ सुहागा ।
रङ्गाङ्गा, स्त्री० स्फटी ॥ फटकिरी ।
रङ्गारि, पु० करवीर ॥ कनेर ।
रङ्गिनी, स्त्री० शतमूली । कैवर्त्तिका ॥ सतावर । मालवदेशे प्रसिद्ध, कैवर्त्तिका ॥
रजः [स्] , न० आर्त्तव ॥ स्त्रीका रज ।

रजत, न० रूप्य । स्वर्ण ॥ चाँदी । सोना ।
रजनी, स्त्री० हरिद्रा । नीलिनी । यतुका ॥ हलदी । नीलकापेड़ । जतुका ।
रजनीगन्धा, स्त्री० स्वनामख्यात श्वेतवर्ण पुष्प ।
रजनीजल, न० हिम ॥ वाला, ओस ।
रजनीपुष्प, पु० पूतिकरञ्ज ॥ दुर्गंधकरञ्ज ।
रजनीहासा, स्त्री० शेफालिका पुष्पवृक्ष ॥ निर्गुण्डीभेद ।
रजस्वला, स्त्री० ऋतुमती ॥ रजोयुक्त नारी ।
रञ्जक, न० हिंगुल ॥ सिङ्गरफ ।
रञ्जक, पु० कम्पिल्ल ॥ कवीला ।
रञ्जन, न० रक्तचन्दन । हिंगुल । पतङ्ग ॥ लाल चन्दन । सिङ्गरफ । पतङ्गकाठ ।
रञ्जन, पु ० मुञ्जतृण ॥ मूँज ।
रञ्जनक, पु० कट्फल ॥ कायफल ।
रञ्जनद्रु, पु० आच्छुकवृक्ष ॥ आँचगाछ वङ्गभाषा।
रञ्जनी, स्त्री० गुण्डारोचनिका । नीली । मञ्जिष्ठा । शेफालिका । हरिद्रा । पर्प्पटी ॥ कवीला । नीलकावृक्ष । मजीठ । निर्गुण्डीभेद । हलदी । पपरी। पद्मावती ।
रणप्रिय, न० उशीर ॥ खस ।
रणमुष्टि, पु० विषमुष्टिक्षुप ॥ डोडीक्षुप ।
रण्डा, स्त्री० मूषिकपर्णी ॥ मूसाकानी ।
रतिसत्वरा, स्त्री० चिरंजीवा ॥ असवरग ।
रत्न, न० अश्मजाति । मुक्ता ॥ रत्न-मोती-हीरा मणि इत्यादि ।
रत्नकन्दल, न० प्रवाल ॥ मूँगा ।
रत्नमुख्य, न० हीरक ॥ हीरा ।
रथ, पु० वेतसवृक्ष । तिनिशवृक्ष ॥ वैंतवृक्ष । तिरिच्छवृक्ष ।
रथद्रु, पु० तिनिशवृक्ष ॥ तिरिच्छवृक्ष ।
रथपर्य्याय, पु० वेतसवृक्ष ॥ वैंतवृक्ष।
रथाङ्गी, स्त्री० ऋद्धि ॥ ऋद्धिनामौषधी ।
रथाभ्र, पु० वेतसवृक्ष ॥ वैंतवृक्ष ।
रथाभ्रपुष्प, पु० ऐ ।
रथिक, न० तिनिशवृक्ष ॥ तिरिच्छवृक्ष ।
रम, पु० रक्ताशोकवृक्ष ॥ रक्तवर्णअशोकवृक्ष ।
रमठ, न० हिङ्गु ॥ हीङ्ग ।
रमठध्वनि, पु० ऐ ।
रमण, न० पटोलमूल ॥
रमण, पु० महारिष्ट ॥ मीठानीम ।
रमणी, स्त्री० वालकनामौषधी ॥ सुगंधवाला ।
रमाप्रिय, न० पद्म ॥ कमलिनी ।
रमावेष्ट, पु० श्रीवास ॥ सरलका रस, गूगल ।
रम्भा, स्त्री० कदली ॥ केला ।
रम्य, न० पटोलमूल ॥
रम्यपुष्प, पु० शाल्मलिवृक्ष ॥ सेमलकापेड ।
रम्यफल, पु० कारस्करवृक्ष ॥ कुचला ।
रम्या, स्त्री० स्थलपद्मिनी ॥ वेटतामर दक्षिणदेशीय भाषा ।
रवण, न० कांस्य ॥ कांसी ।
रवि, पु० अर्कवृक्ष । ताम्र ॥ आककापेड । ताबाँ।
रविनाथ, न० पद्म ॥ कमल ।
रविनाथ, पु० बन्धूक ॥ दुपहरियावृक्ष ।
रविपत्र, पु० आदित्यपत्रक्षुप ॥ अर्कपत्र ।
रविप्रिय, न० रक्तकमल । ताम्र ॥ लालकमल । ताबाँ ।
रविप्रिय, पु० आदित्यपत्र। रक्तकरवीर । लकुच ॥ अर्कपत्रक्षुप । लालकनेर । वडहर ।
रविलोह, न० ताम्र ॥ ताबाँ ।
रविसंज्ञक, पु० ऐ ।
रवीन्द, न० पद्म ॥ कमल ।
रश्मिपति, पु० आदित्यपत्रक्षुप ॥ सूर्य्यफूल मराठी भाषा ।
रस, न० बोल ॥ वोल ।
रस, पु०स्वनामख्यात शरीरस्थधातु । विष । गन्धरस । पारद ॥ शरीरका रस । विष । बोल । पारा ।
रसक, न० खर्पर ॥ खपरिया ।
रसकर्पूर, पु० कर्पूररस ॥ रसकपूर ।
रसकेशर, न० कर्पूर ॥ कपूर ।
रसगन्ध, न० बोल ॥ बोल ।
रसगन्ध, पु० गन्धक ॥ गन्धक ।
रसगर्भ, न० रसाञ्जन । हिङ्गुल ॥ रसोत । सिङ्गरफ ।
रसघ्न, पु० टङ्कण ॥ सुहागा ।
रसज, न० रसाञ्जन ॥ रसोत ।
रसज, पु० गुड ॥ गुड ।
रसदालिका, स्त्री० पुण्ड्रकेक्षु ॥ सफेदईख ।
रसद्रावी, [न्] पु० मधुरजम्बीर ॥ मीठानींबु ।
रसधातु, पु० पारद ॥ पारा ।
रसना, स्त्री० जिह्वा । रास्ना ॥ जीव । रासना ।
रसनाथ, पु० पारद ॥ पारा ।
रसनेत्रिका, स्त्री० मनः शिला ॥ मनशिल, मैनशिल ।
रसपाकज, पु० गुड ॥ गुड ।

रसपूर्त्तिका, स्त्री० ज्योतिष्मती । शतावरी ॥ मालकाङ्गनी । शतावर ।
रसफल, पु० नारिकेल ॥ नारियल ।
रसराज, पु० पारद । रसाञ्जन ॥ पारा । रसोत ।
रसलेह, पु० पारद ॥ पारा ।
रसशोधन, न० टङ्कण ॥ सुहागा ।
रसस्थान, न० हिङ्गुल ॥ सिङ्गरफ ।
रसा, स्त्री० पाठा । शल्लकी । कङ्गु । द्राक्षा । काकोली ॥ पाढ । शालईवृक्ष । कङ्गुनी । दाख । काकोली ।
रसाग्रज, न० रसाञ्जन ॥ रसोत ।
रसाञ्जन, न० रसजातअञ्जन-विशेष ॥ रसोत ।
रसाढ्य, पु० आम्रातक ॥ अम्बाडा ।
रसाधिक, पु० टङ्कण ॥ सुहागा ।
रसाधिका, स्त्री० काकोलीद्राक्षा । किसमिस ।
रसापवासा, स्त्री० पलाशीलता ॥ पलाशी ।
रसाम्ल, न० वृक्षाम्ला । चुक्र ॥ विषाविल । चूक
रसाम्ल, पु० अम्लवेतस ॥ अम्लवैत ।
रसायक, पु० तृण-विशेष ।
रसायन, न० तक्र । विष । जराव्याधिनाशकौषधी ।
रसायन, पु० विडङ्ग ॥ वायविडङ्ग ।
रसायनफला, स्त्री० हरीतकी ॥ हरड ।
रसायनश्रेष्ठ, पु० पारद ॥ पारा ।
रसायनी, स्त्री० गुडूची । काकमाची ।महाकरञ्ज । गोरक्षदुग्धा । मांसच्छदा । मञ्जिष्ठा ॥ गिलोय । मकोय । बडीकरञ्ज । अमृतसञ्जीवनी । मांसच्छदा । मजीठ ।
रसाल, न० सिह्लक । बोल ॥ शिलारस । बोल ।
रसाल, पु० इक्षु । आम्र । पनस । कुन्दरतृण । गोधूम । पुण्ड्रकइक्षु ॥ ईख । आम । कटहर । कुन्दरतृण । गेहूँ । सागरीगन्ने ।
रसालय, पु० आम्र ॥ आम ।
रसाला, स्त्री० दूर्वा । विदारी । द्राक्षा । शिखरणी ॥ दूब । विदारीकंद । दाख । शिखरन ।
रसालिहा, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन ।
रसाली, स्त्री० पुण्ड्रकेक्षु ॥ सफेद- सागरीगन्ने ।
रसाह्व, पु० रसलद्रव ॥ सरलकागोंद ।
रसिका, स्त्री० रसाला । इक्षुरस ॥ शिखरन । ईखकारस ।
रसुन, पु० लशुन ॥ लहशन ॥
रसेन्द्र, पु० पारद ॥ पारा ।
रसोत्तम, पु० मुद्ग ॥ मूंग ।
रसोद्भव, न० हिङ्गुल ॥ सिङ्गरफ ।
रसोन, पु० पलाण्डुशदलश्वेतवर्णकन्द ॥ लहशन ।
रसोनक, पु० ऐ ।
रसोपल, न० मौक्तिक ॥ मोती ।
रस्या, स्त्री० रास्ना । पाठा ॥ रासना । पाठा ।
रहस्या, स्त्री० ऐ ।
रक्षणारक, पु० मूत्रकृच्छ्ररोग ॥ सुजाक ।
रक्षा, स्त्री० लाक्षा ॥ लाख ।
रक्षापत्र, पु० भूर्जपत्रवृक्ष ॥ भोजपत्रवृक्ष ।
रक्षोघ्न, न० कांजिक । हिङ्गु ॥ काँजी । हीङ्ग ।
रक्षोघ्न, पु० भल्लातकवृक्ष । श्वेतसर्षप ॥ भिलावेका पेड । सफेदसरसों ।
रक्षोघ्नी, स्त्री० वचा ॥ वच ।
रक्षोहा [न्], पु० गुग्गुलु ॥ गूगल ।
रा, स्त्री० पु० स्वर्ण ॥ सोना ।
रागखांडव, प० दाडिमद्राक्षायुक्तमुद्गयूष ॥ अनारदाखयुक्तमूंगकायूष ।
रागचूर्ण, पु० खदिरवृक्ष । फल्गुचूर्ण । लाक्षारस ॥ खैरकापेड । अबीर । लाखकारस, महावर ।
रागद, पु० तैरणीक्षुप ॥ तैरणी ।
रागदालि, पु० मसूर ॥ मसूर ।
रागपुष्प, पु० बन्धूक । रक्ताम्लान ॥ दुपहरियाका वृक्ष । लाल अम्लानवृक्ष ।
रागपुष्पी, स्त्री० जवापुष्प ॥ ओडहुल पुष्प । गुडहर ।
रागप्रसव, पु० बन्धूक । रक्ताम्लान ॥ गेंजुनिया । दुपहरियावृक्ष । लालअम्लान, रक्तकोरठा मराठीभाषा ।
रागाङ्गी, रागाढ्या, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ ।
रागी [न्], पु० तृणधान्य-विशेष ॥ रागीधान ।
राङ्गण, न० स्वनामख्यात पुष्पवृक्ष-विशेष ॥ राङ्गण ।
राजकदम्ब, पु० कदम्ब-विशेष ॥ राजकदम ।
राजकन्या, स्त्री० केविकापुष्प ॥ केवरापुष्प ।
राजकर्कटी, स्त्री० चीनार्कर्कटी ॥ चित्रकूटदेशे प्रसिद्धचीनानामवाली ककडी ।
राजकशेरु, पु० भद्रमुस्ता ॥ भद्रमोथा ।
राजकूष्माण्ड, पु० वार्त्ताकी ॥ वैंगन ।
राजकोषातकी, स्त्री० धामार्गवफल-विशेष ॥ घियातोरई ।
राजखर्जूरी, स्त्री० श्रेष्ठखर्जूरी । पिण्डखर्जूरी ॥ छुहारा । पिण्डखजूर ।
राजगिरि, पु० शाकभेद ॥ एकप्रकारकाशाक ।
राजजम्बू, स्त्री० पिण्डखर्ज्जूर । महाजम्बू ॥ पिण्डखजूर । बडी जामुन, राजजामुन, करेन्द्र ।

राजतरु, पु० कर्णिकारवृक्ष। आरग्वधवृक्ष। कर्णे-रवृक्ष अमलतासवृक्ष।
राजतरुणी, स्त्री० पुष्प-विशेष॥ राजसेवती। अम्लान।
राजताल, पु० गुवाकवृक्ष॥ सुपारीका पेड।
राजद्रुम, पु० आरग्वधवृक्ष॥ अमलतासवृक्ष।
राजधत्तूरक, पु० बृहत्धत्तूर॥ राजधतूरा।
राजधान्य, पु० श्यामाक॥ श्यामाक।
राजधुस्तूरक' प० बृहत्धत्तूर॥ राजधतूरा।
राजधूर्त्त, पु० ऐ।
राजनामा [न्], पु० पटोल॥ परवल।
राजन्य, पु० क्षीरिकावृक्ष॥ खिरनीकापेड़।
राजपटोल, पु० पटोल॥ पलवल।
राजपटोली, स्त्री० मधुरपटोली॥ मीठीपटोली।
राजपर्णी, स्त्री० प्रसारणीलता॥ पसरन।
राजपलाण्डु, पु० रक्तवर्णपलाण्डु॥ लालप्याज।
राजपीलु, पु० महापीलुवृक्ष॥ बड़ापीलुवृक्ष।
राजपुत्र, पु० महाराजचूत॥ राजाम्र, कलमी आम।
राजपुत्री, स्त्री० कटुतुम्बी। रेणुका। जाती। मालती। राजरीति। कड़वीतोम्बी। रेणुका। चमेली। मालती। पीतलभेद।
राजपुष्प, पु० नागकेशरपुष्प। रोहितकवृक्ष॥ नागकेशर। रोहेड़ावृक्ष।
राजपुष्पी, स्त्री० करुणीवृक्ष। ककरखिरुणी कोकणदेशकी भाषा।
राजप्रिया, स्त्री० ऐ।
राजफणिज्जक, पु० नागरङ्गवृक्ष॥ नारङ्गीकापेड़।
राजफल, पु० पटोल॥ परवल।
राजफला, स्त्री० जम्बू॥ जामुन।
राजफल्गु, स्त्री० उदुम्बर-विशेष॥ अंजीर।
राजबदर, पु० उत्तमकोलि॥ राजबेर।
राजभद्रक, पु० कुष्ठ। निम्ब। पारिभद्रक॥ कूठ। नीमकापेड। फरहदवृक्ष।
राजभोग्य, न० जातीपत्री॥ जावित्री।
राजभोग्य, पु० प्रियालवृक्ष॥ चिरोंजीका वृक्ष।
राजमाष, पु० नृपमाष॥ लोबिया, बोरा, बखटा, रमास।
राजमुद्र, पु० मुकुष्ठक॥ मोठ।
राजयक्ष्मा [न्], पु० रोग-विशेष॥ क्षयरोग।
राजरङ्ग, न० रजत॥ चांदी।
राजरीति, पु० पित्तलभेद॥ पीतलभेद।
राजबला, स्त्री० भद्रबला॥ पसरन।
राजवल्लभ, पु० राजादनी। राजाम्र। राजबदर॥ खिरनीकापेड। उत्तमआम। राजबेर।
राजवल्ली, स्त्री० तोयवल्ली॥ करेला।
राजवृक्ष, पु० आरग्वधवृक्ष। प्रियालवृक्ष। लङ्का स्थायीवृक्ष॥ अमलतासवृक्ष। चिरोंजीका पेड। भद्रचूड़वृक्ष।
राजशण, पु० पट्टशाक॥ पटुआशाक।
राजशाक, पु० वास्तूक॥ वथुआ।
राजसर्षप, पु० सर्षप-विशेष॥ राजसर्सों-लाई लाही।
राजस्वर्ण, पु० राजधत्तूरक॥ राजधतूरा।
राजहर्षण, न० तगरपुष्प॥ तगरपुष्प।
राजक्षवक, पु० सर्षप॥ सर्सों।
राजातन, पु० प्रियालवृक्ष॥ चिरोंजीकापेड।
राजादन, न० क्षीरिका। प्रियालवृक्ष। पलाशवृक्ष-आरग्वधवृक्ष॥ खिरनीभेद। चिरोंजीकापेड़। ढाककावृक्ष। अमलतास।
राजादनी, स्त्री० वृक्ष-विशेष॥ खिरनीका पेड।
राजान्न, न० राजधान्य॥ आन्ध्रदेशीयशालिधान।
राजाम्र पु० आम्र-विशेष॥ राजआम।
राजाम्ल, पु० अम्लवेतस॥ अम्लबेंत।
राजार्क, पु० श्वेतार्कवृक्ष॥ सफेदआकका वृक्ष।
राजार्ह, न० अगुरु॥ अगर।
राजार्हा स्त्री० जम्बू॥ जामुन।
राजालाबु, स्त्री अलाबु-विशेष॥ मीठीतोम्बी।
राजालुक, पु० मूलक॥ मूली।
राजिका, स्त्री० राजसर्षप। रक्तवर्णसर्षप। सर्षप-परिमाण॥ कृष्णवर्ण सर्षप॥ राजसर्सों-लाई। सर्सोंपरिमाण। राई।
राजिकाफल, पु० गौरसर्षप॥ सफेदसर्सों।
राजिफला, स्त्री० चीनाककर्कटी॥ चीनाककड़ी।
राजी, स्त्री० राजिका॥ राई।
राजीपटोल, पु० पटोल॥ परवल।
राजीव, न० पद्म॥ कमल।
राजोद्धिजन, पु० भूतांकुशवृक्ष॥ भूतराजदेशान्त-रीयभाषा।
राज्ञी, स्त्री० नीली। कांस्य॥ नीलकावृक्ष। काँसी
राज्यक्ता, स्त्री० पिष्टराजिकादधिलवणमिश्रितसूक्ष्मै लालाबुखण्डादि॥ राईता, रायता।
रात्रि, स्त्री० हरिद्रा॥ हलदी।
रात्रिनामिका, स्त्री० ऐ।
रात्रिपुष्प, न० उत्पल॥ कमोदनी।
रात्रिहास, पु० श्वेतोत्पल॥ सफेद कमोदनी।

राधा, स्त्री० आमलकी । विष्णुक्रान्ता ॥ आमला । कोयल ।
राम, न० वास्तूक । कुष्ठ । तमालपत्र ॥ वथुआशाक । कुठ । तेजपात ।
रामकर्पूर, रामकर्पूरक, पु० तृण-विशेष॥ रोहिससोधिया-हिन्दी । रामकर्पूर वङ्गभाषा ।
रामच्छर्द्दनक, पु० मदनवृक्ष ॥ मैंनफलकावृक्ष ।
रामजननी, स्त्री० रेणुकागन्धद्रव्य ॥ रेणुका ।
रामठ, न० हिङ्गु ॥ हीङ्ग ।
रामठ, पु० अङ्कोठवृक्ष ॥ ढेरावृक्ष ।
रामठी, स्त्री० नाडीहिङ्गु ॥ हीङ्गभेद-कलपतिहीङ्ग ।
रामण पु० गिरिनिम्ब । तिन्दुक ॥ बकायननीम । तैंदुकापेड ।
रामतरुणी, स्त्री० तरुणीपुष्प ॥ सेवती ।
रामदूती स्त्री० तुलसी-विशेष ॥ रामतुलसी ।
रामपूग, पु० गुवाक-विशेष ॥ रामसुपारी ।
रामलवण, न० साम्भरिलवण ॥ सामरनोन ।
रामवल्लभ, पु० त्वच ॥ दालचीनी ।
रामशर, पु० शरभेद ॥ शरबाण ।
रामशीतला, स्त्री० आरामशीतला ॥ आरामशीतला ।
रामसेनक, पु० भूनिम्ब । कट्फल ॥ चिरायता । कायफल ।
रामा, स्त्री० हिङ्गु । हिङ्गुल । श्वेतकण्टकारी । घृतकुमारी । आरामशीतला । अशोक । गोरोचना । वालक । गैरिक ॥ हीङ्ग । सिङ्गरफ । घीकुआर । सफेदकटेहरी । आरामशीतला । अशोकपुष्पवृक्ष । गोलोचन । नेत्रवाला । गेरु ।
रामाटरूष, पु० रामवासक ॥ पिठवन ।
रामालिङ्गनकाम, पु० रक्ताम्लान ॥ रक्तकोराठा मराठी भाषा ।
राल, पु० शालवृक्षनिर्य्यास ॥ सालकागोंद-अर्थात् राल ।
रालकार्य्य, पु० शालवृक्ष ॥ सालकापेड ।
राशि, पु० द्रोणपरिमाण ॥ बत्तिश ३२ सेर ।
राष्ट्रिका, स्त्री० कण्टकारि । बृहती ॥ कटेहरी । कटाई ।
रासभवन्दिनी, स्त्री० मल्लिका ॥ मल्लिकापुष्प ।
रास्ना, स्त्री० स्वनामख्यात औषधी । नागदवनी । कण्टकारी । रासना, रायसन, रास्ना, रहसनी । नागदौन । कटेहरी ।
राहुच्छत्र, न० आर्द्रक ॥ अदरख ।
राहूच्छिष्ट, पु० लशुन ॥ लहशन ।
राहूत्सृष्ट, पु० ऐ ।
राक्षसी, स्त्री० चोरनामकगन्धद्रव्य ॥ भटेउर ।
राक्षा, स्त्री० लाक्षा ॥ लाख ।
राक्ष्या, स्त्री० ऐ ।
रिङ्गिनी, स्त्री मुद्गपर्णी ॥ मुगवन ।
रिपु, पु० चोरनामकगन्धद्रव्य ॥ भटेउर ।
रिपुघातिनी, स्त्री० कण्टकयुक्तलता-विशेष॥"कुचुइकाँटा" वङ्गभाषा ।
रिमेद, पु० विट्खदिर ॥ दुर्गंधखैर ।
रिरी, स्त्री० पित्तल ॥ पीतल ।
रिष्ट, पु० रक्तशिग्रु । फेनिल ॥ लालसैंजिनेकावृक्ष रीठाकरञ्ज ।
रिष्टक, पु० रक्तशिग्रु ॥ लालसैंजिनेकापेड ।
रीठा, स्त्री० रीठाकरञ्ज ॥ रीठाकरञ्ज ।
रीति, स्त्री०पित्तल । लौहकिट्ट । दग्धस्वर्णादिमल॥ पीतल । लोहेकामैल । जले हुवे सोनेका मैल ।
रीतक, न० पुष्पाञ्जन ॥ कुसुमाञ्जन-एक प्रकारका अञ्जन ।
रीतिका, स्त्री० ऐ ।
रीतिपुष्प, न० ऐ ।
रुक् [ज्], स्त्री० रोग ॥ रोग ।
रुक्प्रतीक्रिया, स्त्री० चिकित्सा ॥ रोगप्रतिकार ।
रुक्म, न० काञ्चन । धत्तूर । लौह । नागकेशर ॥ सोना धतूरा । लोहा । नागकेशर ।
रुग्म, न० स्वर्ण ॥ सोना ।
रुचक, न० स्वर्जिकाक्षार । सौवर्च्चल । रोचना । बीजपूरक । विडङ्ग । लवण । श्वेतएरण्ड ॥ सज्जीखार । चोहारकोडा । गोरोचन, गौलोचन । बिजोरानींबु । वायविडङ्ग । नोन । सफेदअण्ड ।
रुचक, पु० बीजपूर ॥ बिजोरानींबु ।
रुचि, स्त्री० गोरोचना ॥ गौलोचन ।
रुचिर, न० कुङ्कुम । मूलक । लवङ्ग॥ केशर । मूली । लोङ्ग ।
रुचिरा, स्त्री० गोरोचना । गोलोचन ।
रुचिराञ्जन, पु० शोभाञ्जन ॥ सैंजिनेका पेड ।
रुच्य, न० सौवर्च्चल ॥ चोहारकोडा ।
रुच्यकन्द, पु० सूरण ॥ जमीकन्द ।
रुजा, स्त्री० रोग । कुष्ठौषध । वेदना ॥ रोग । कूठऔषधी । पीडा ।
रुजासह, पु० धन्वनवृक्ष ॥ धामिनवृक्ष ।
रुदन्तिका, स्त्री० रुद्रदन्ती ॥ एक प्रकारका क्षुप चणेके पत्रकी समान हैं पत्ते जिसके ।
रुदन्ती, स्त्री० ऐ ।
रुद्र, पु० आदित्यपत्रक्षुप ॥ अर्कपत्र ।
रुद्रज, पु० पारद ॥ पारा ।

रुद्रजटा, स्त्री० लता-विशेष ॥ शंकरजटा।
रुद्रपत्नी, स्त्री० अतसी ॥ अलसी।
रुद्रप्रिया, स्त्री० हरीतकी ॥ हरड़।
रुद्राणी, स्त्री० रुद्रजटा ॥ शंकरजटा।
रुद्राक्ष, न० स्वनामख्यातवृक्षस्यबीज ॥ रुद्राक्षके दाने।
रुद्राक्ष, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ रुद्राक्षकापेड।
रुधिर, न० शरीरस्थधातु-विशेष। कुङ्कुम। गैरिक ॥ रुधिर, लोहु। केशर। गेरु।
रुबु, पु० एरण्डवृक्ष। रक्तैरण्ड ॥ अरण्ड। लाल-अरण्ड।
रुवुक, पु० ऐ।
रुवुक्, पु० ऐ।
रुवूक, पु० ऐ।
रुहा, स्त्री० दूर्वा। महासमङ्गा ॥ दूब। कगहिया।
रूपिका, स्त्री० श्वेतार्क ॥ सफेदआकका वृक्ष।
रूप्य, न० श्वेतवर्णधातु-विशेष ॥ रूपा। चाँदी।
रूप्यक, न० ऐ।
रूवुक, पु० एरण्ड ॥ अरण्डकापडे।
रूषक, पु० वासक ॥ अडूसा।
रूक्ष, पु० वरकतृण ॥ चीनातृण।
रूक्षगन्धक, पु० गुग्गुलु ॥ गूगल।
रूक्षणात्मिका, स्त्री० धान्य-विशेष ॥ लङ्काधान।
रूक्षदर्भ, पु० हरिदर्भ ॥ हरेरङ्गकाकुशा।
रूक्षपत्र, पु० शाखोटवृक्ष ॥ सिहोरावृक्ष।
रूक्षप्रिय, पु० ऋषभौषधि ॥ ऋषभक।
रूक्षस्वादुफल, पु० धन्वनवृक्ष ॥ धामिनवृक्ष।
रूक्षा, स्त्री० दन्तीवृक्ष ॥ दन्ती।
रेकणः [स्], न० स्वर्ण ॥ सोना।
रेचक, न० कङ्कुष्ठमृत्तिका ॥ मुरदासंघ।
रेचक, पु० यवक्षार। जयपालवृक्ष। तिलकवृक्ष ॥ जवाखार। जमालगोटा। तिलकपुष्पवृक्ष।
रेचनक, पु० कम्पिल्ल ॥ कवीला।
रेचना, न० स्त्री० कम्पिल्ल ॥ कवीला। पतला-दस्त लानेवाली औषधि।
रेचनी, स्त्री० काम्पिल्ल। कालाञ्जनी। दन्तीवृक्ष। श्वेतत्रिवृता ॥ कवीला। कालीकपास। दन्तीवृक्ष। सफेदनिसोथ।
रेची, स्त्री० कम्पिल्लक। अङ्कोठ ॥ कवीला। ढेरावृक्ष।
रेणु, स्त्री० पर्पट। रेणुका ॥ पित्तपापडा। रेणुका।
रेणुका, स्त्री० मरिचाकृतिसुगन्धिवणिग्द्रव्य-विशेष ॥ रेणुका।
रेणुकः, पु० मटर ॥ एकप्रकारका अन्न।
रेणुसार, रेणुसारक, पु० कर्पूर। कपूर।
रेतः [स्], न० शुक्र। पारद। वीर्य्य। पारा।
रेत्य, न० पित्तल ॥ पीतल।
रेवत, पु० जम्बीर। आरग्वधवृक्ष ॥ जम्भीरीनींबु। अमलतासका पेड।
रेवतक, न० पारेवत ॥ रैवताख्य कामरूपदेशीयभाषा।
रैवत, पु० स्वर्णालुवृक्ष॥सोनालु बङ्गदेशीय भाषा।
रैवतक, न० पारेवत ॥ रैवताख्य कामरूप देशीय भाषा।
रोग, पु० कुष्ठौषधि। पीडा ॥ कूठ औषधी। रोग-व्याधि।
रोगघ्न, पु० औषध ॥ औषधी।
रोगराज, पु० राजयक्ष्मा ॥ क्षयरोग।
रोगशिला, स्त्री० मनःशिला ॥ मनशिल।
रोगशिल्पी [न्], पु० वृक्ष-विशेष ॥ शरालु।
रोगश्रेष्ठ, पु० ज्वररोग ॥ ज्वर।
रोगितरु, पु० अशोकवृक्ष ॥ अशोकवृक्ष।
रोचक, पु० कदली। राजपलाण्डु ॥ केला। लाल प्याज।
रोचन, पु० कूटशाल्मली। श्वेतशिग्रु। पलाण्डु। आरग्वध। करञ्ज। अङ्कोठ। दाडिम ॥ कालासेमर। सफेदसैंजिनेका वृक्ष। प्याज। अमलतास। कञ्जावृक्ष। ढेरावृक्ष। अनार।
रोचनक, पु० जम्बीर ॥ जम्बीरीनींबु।
रोचनफल, पु० वीजपूरक ॥ बीजोरानींबु।
रोचनफला, स्त्री० चिर्भिटा ॥ कचरिया।
रोचना, स्त्री० रक्तकह्लार। गोपित्त ॥ लालकमल। गोलोचन।
रोचनिका, स्त्री० वंशलोचन। गुण्डारोचनी ॥ वंशलोचन। कवीला।
रोचनी, स्त्री० आमलकी। गोरोचना। मनःशिला। श्वेतत्रिधारा। श्वेतत्रिवृता। काम्पिल्ल। चुक्रिकाशाक। शाक-विशेष ॥ आमला। गौलोचन। मनशिल। सफेदनिसोथ। कवीला। चूकाशाक। पोदीना।
रोची, स्त्री० हिलमोचिका ॥ हुलहुलशाक।
रोटिका, स्त्री० पिष्टक-विशेष ॥ रोटी।
रोदनिका, स्त्री० यवास ॥ जवासा।
रोचनी, स्त्री० दुरालभा ॥ धमासा।
रोध्र, पु० लोध्र ॥ लोध।
रोध्रपुष्प, पु० मधूकवृक्ष ॥ महुवेकापेड़।
रोध्रपुष्पिणी, स्त्री० धातकी ॥ धायकेफूल।

रोमक, न॰ पांशुलवण । साम्भारलवण । अयस्कान्त-विशेष ॥ रेहगमानोन । सामरनोम । चुम्बक पत्थर ।
रोमकन्द पु॰ पिण्डालु ॥ पिड़ालु ।
रोमलवण, न॰ साम्भारलवण ॥ सामरनोन ।
रोमवल्ली स्त्री॰ शूकशिम्बी ॥ कौंच ।
रोमशपत्रिका, स्त्री॰ देवदाली ॥ घघरबेल ।
रोमशफल, पु॰ डिण्डिश ॥ ढैंड़स ।
रोमशूक, न॰ स्थौणेयक ॥ थुनेर ।
रोमसा, स्त्री॰
रोमहर्षण, न॰ बिभीतकवृक्ष ॥ बहेड़ावृक्ष ।
रोमाश्चिका, स्त्री॰ रुदन्तीवृक्ष ॥ रुदन्तीवृक्ष ।
रोमालु, पु॰ पिण्डालु ॥ पिड़ालु ।
रोमालविटपी, [न्], पु॰ कुम्भीनामपुष्पवृक्ष ॥ कुम्भीपुष्पवृक्ष कोकणेप्रसिद्ध ।
रोमाश्रयफला, स्त्री॰ झिंझिरिष्टाक्षुप ॥ झिंझिरीठा।
रोल, पु॰ पानीयामलक ॥ पानीआमला ।
रोषण, पु॰ पारद ॥ पारा ।
रोहण, न॰ शुक्र ॥ वीर्य्य ।
रोहन्त, पु॰ वृक्षभेद ।
रोहन्ती, स्त्री॰ लताभेद ।
रोहिण, पु॰ भूस्तृण । वटवृक्ष । रोहितकवृक्ष ॥ शरबाण । बड़कापेड़ । रोहेड़ावृक्ष ।
रोहिणी, स्त्री॰ कटुम्भरा । सोमवल्क । लोहिता । काश्मरी । हरीतकी । मञ्जिष्ठा। हरीतकी-विशेष । मांसरोहिणी । गलरोग-विशेष ॥ कुटुकी । कायफर । वराहक्रान्ता । कुम्भेर । हरड । मजीठ । एकप्रकारकी हरड़ । मांसरोहिणी । गलेकारोग ।
रोहित्, न॰ लताभेद ।
रोहित, न॰ कुंकुम । रक्त ॥ केशर । रुधिर ।
रोहित, पु॰ रोहितकवृक्ष ॥ रोहेड़ावृक्ष ।
रोहितक, पु॰ वृक्ष-विशेष ॥ रोहेड़ावृक्ष ।
रोहितय, पु॰ रोहितक ॥ रोहेड़ावृक्ष ।
रोही [न्], पु॰ रोहितक । वटवृक्ष ॥ रोहेड़ावृक्ष। वड़का पेड ।
रोहीतक, पु॰ रोहितकवृक्ष ॥ रोहेड़ावृक्ष ।
रौद्री, स्त्री॰ रुद्रजटा ॥ शंकरजटा ।
रौप्य, न॰ रूप्य ॥ रूपा ।
रौम, न॰ साम्भारलवण ॥ सरसामर ।
रौमक, न॰ ऐ ।
रौमलवण, न॰ ऐ ।
रौहिण, पु॰ चन्दनवृक्ष ॥ चन्दनकापेड ।
रौहिष, न॰ कत्तृण ॥ रोहिषसोधिया ।
रौहिषी, स्त्री॰ दूर्व्वा ॥ दूब ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृतौ शालिग्रामौषधशब्दसागरे रकाराद्यक्षरतरङ्गः ॥

ल

लकच, पु॰ लकुचवृक्ष ॥ वडहर ।
लकुच, पु॰ स्वनामख्यात अम्लफलवृक्ष-विशेष ॥ बडहर ।
लक्तक, पु॰ अलक्तक ॥ महावर ।
लक्तकर्म्मा [न्], पु॰ रक्तवर्णलोध्र ॥ लालरंगका लोध ।
लघु, न॰ कृष्णागुरु । लामज्जक ॥ कालीअगर । लामजकतृण ।
लघु, पु॰ पृक्का ॥ असवरग ।
लघुकाश्मर्य्य, पु॰ कट्फलवृक्ष ॥ कायफर ।
लघुचिर्भिटा, स्त्री॰ मृगेर्व्वारु ॥ सेंधिनी ।
लघुदन्ती, स्त्री॰ क्षुद्रदन्तीवृक्ष ॥ छोटीदन्ती ।
लघुद्राक्षा, स्त्री॰ काकोलीद्राक्ष ॥ किसमिस ।
लघुनाम [न्], न॰ अगरु ॥ अगर ।
लघुपञ्चमूल, न॰ क्षुद्रपञ्चमूल, लघुपञ्चमूल अर्थात् शालवन, पिठवन, कटाई, कटेहरी, गोखुरु ।
लघुपत्रक, पु॰ रोचनी ॥ कबीला ।
लघुपत्री, स्त्री॰ अश्वत्थीवृक्ष ॥ पीपलीकापेड ।
लघुपिच्छल, पु॰ भूकर्बुदारक ॥ लभेरा ।
लघुपुष्प, पु॰ भूकदम्ब ॥ भुंईकदम ।
लघुबदर, पु॰ क्षुद्रकोलि ॥ छोटाबेर ।
लघुबदरी, स्त्री॰ भूबदरी ॥ झड़बेरी ।
लघुब्राम्ही, स्त्री॰ क्षुद्रजातीयब्राह्मी ॥ छोटीब्रह्मी।
लघुमन्थ, पु॰ क्षुद्राग्निमन्थ ॥ छोटी अरणी ।
लघुमांसी, स्त्री॰ गंधमांसी ॥ जटामांसीभेद ।
लघुलय, न॰ वीरणमूल ॥ खस ।
लघुसदाफला, स्त्री॰ लघूदुम्बरिका ॥ छोटागूलर ।
लघुहेमदुग्धा, स्त्री॰ ऐ ।
लघूदुम्बरिका, स्त्री॰ ऐ ।
लघ्वी, स्त्री॰ पृक्का ॥ असवरग ।
लङ्कापिका, स्त्री॰ ऐ ।
लङ्कायिका, स्त्री॰ ऐ ।
लङ्कारिका, स्त्री॰ ऐ ।
लङ्कास्थायी [न्], पु॰ वृक्ष-विशेष ॥ भद्रचूड ।
लङ्कोपिका, स्त्री॰ पृक्का ॥ असवरग ।

लङ्कोयिका, स्त्री० ऐ। पृक्का॥ असवरग।

लङ्कोरिका, स्त्री० ऐ।

लजकारिका, स्त्री० लज्जालुलता॥ लज्जावन्ती।

लज्जा, स्त्री० ऐ।

लज्जालु, पु० स्त्री० क्षुप-विशेष। लता-विशेष॥ खैरी शाक वङ्गभाषा। लज्जावन्ती, लज्जावती, लजालु, छुईमुई।

लज्जिरी, स्त्री० ऐ।

लट्वा, स्त्री० करञ्जभेद। कुसुंभपुष्प॥ एक प्रकारकी करञ्ज। कसूमके फूल।

लता, स्त्री० प्रियङ्गु। पृक्का। अशनपर्णी। ज्योतिष्मती। लता। कस्तूरी। माधवी। दूर्वा कैवर्त्तिका। शारिवा॥ फूलप्रियङ्गु। असवरग। पटशन। मालकाङ्गनी। मुश्कदाना, लताकस्तूरी। माधवीलता। दूब। कैवर्तिकालता। श्यामालता।

लताकरञ्ज, पु० करञ्ज-विशेष॥ लताकरञ्ज।

लताकस्तूरिका, स्त्री० लताकस्तूरी॥ लताकस्तूरी मुश्कदाना।

लताकस्तूरी, स्त्री० ऐ।

लतातरु, पु० नारङ्गवृक्ष। तालवृक्ष। शालवृक्ष॥ नारङ्गीका पेड। ताडका पेड। सालवृक्ष।

लताद्रुम, पु० लताशाल॥ सालभेद।

लतापनस, पु० फललता-विशेष॥ तरबूज।

लतापृक्का, स्त्री० पृक्का॥ असवरग।

लताफल, न० पटोल॥ परवल।

लताभद्रा, स्त्री० भद्राली॥ पसरन।

लतामणि, पु० प्रवाल॥ मूँगा।

लतामरुत्, स्त्री० पृक्का॥ असवरग।

लतामाधवी, स्त्री० माधवीलता॥ माधवीलता।

लतायष्टि, स्त्री० मञ्जिष्ठा॥ मजीठ।

लतायावक, न० प्रवाल॥ मूँगा।

लतार्क, पु० हरित् पलाण्डु॥ हराप्याज।

लताशंख, पु० शालवृक्ष॥ सालवृक्ष।

लम्बकर्ण, पु० अङ्कोठवृक्ष॥ ढेरावृक्ष।

लम्बदन्ता, स्त्री० सैंहली॥ सिंहलीपीपल।

लम्बबीज, पु० यक्षफल॥ चिलगोजा।

लम्बबीजा, स्त्री० ऐ।

लम्बा, स्त्री० तिक्ततुम्बी॥ कडवीतोम्बी।

लम्बिका, स्त्री० तालूर्द्धस्थ सूक्ष्मजिह्वा॥अलिजिह्वा, तालूके ऊपर एक छोटी जीभ।

ललदम्बु, पु० लिम्पाक॥ एकप्रकारका नींबु।

ललन, पु० शालवृक्ष। प्रियाल॥ सालका पेड। चिरोंजीका पेड।

ललनाप्रिय, न० ह्रीबेर॥ सुगंधवाला।

ललनाप्रिय, पु० कदम्ब॥ कदम।

ललाट, न० अवयव-विशेष॥ ललाट, कपाल-इत्यादि अङ्ग।

ललिता, स्त्री० कस्तूरी॥ कस्तूरी, मृगमद।

लव, न० जातीफल। लवङ्ग। लामज्जक॥ जायफल। लौङ्ग। लामज्जकतृण।

लवङ्ग, न० स्वनामख्यात वणिग्द्रव्य॥लौङ्ग+लौंग।

लवङ्गक, न० ऐ।

लवङ्गकलिका, स्त्री० ऐ।

लवङ्गलता, स्त्री० पुष्प-विशेष।

लवण, न० क्षाररसयुक्तद्रव्य॥ नौन। सो पांचप्रकारकाहै। सैंधानौन सौंचरनौन, समुद्रनोन। खारीनौन, बिड़लौन अर्थात् कचलौन।

लवण, पु० स्वनाम ख्यात रस॥ नमक, नोन।

लवणकिंशुका, स्त्री० महाज्योतिष्मती॥ बडी-मालकांगुनी।

लवणखोटि, पु० सुगन्धद्रव्य-विशेष॥ लोबान फार्सीभाषा।

लवणतृण, न० तृण-विशेष॥ लवणतृण।

लवणत्रय, न० सैन्धव, विट्रुचक॥ सैंधानोन, विरिया संचरनोन, काला नोन।

लवणमद, पु० लवणक्षार॥ लोणारक्षार वङ्गभाषा खारीनौन हिन्दीभाषा।

लवणाब्धिज, न० सामुद्रलवण॥ समुद्रनोन।

लवणारज, न० लवणक्षार॥ लवणखारी।

लवणोत्तम, पु० सैन्धव। सैंधा।

लवोत्थ, न० लवणक्षार॥ लोणार। खारी।

लवणी, स्त्री० फल-विशेष॥ सीताफल।

लवली, स्त्री० फल-विशेष॥ हरपारेवड़ी।

लशुन, न० रसोन॥ लहशन।

लशून, पु० ऐ।

लसा, स्त्री० हरिद्रा॥ हलदी।

लसिका, स्त्री० लाला॥ मुखकी लार।

लसीका, स्त्री० इक्षुरस॥ ईखका रस।

लक्षपुष्पा, स्त्री० तरुणी॥ सेवती।

लक्षसुतमातृका, स्त्री० शतमूली॥ शतावर।

लक्ष्मणा, स्त्री० श्वेतकण्टकारी। स्वनामख्यात औषधि॥ सफेदकटेहरी। लक्ष्मणाकन्द।

लक्ष्मी, स्त्री० ऋद्धि। वृद्धि। फलिनीवृक्ष। स्थलपद्मिनी। हरिद्रा। शमी। मुक्ता॥ ऋद्धि औषधी। वृद्धि औषधी। कलिहारीवृक्ष। गेंदेकावृक्ष। पद्मचारिणी। हलदी। छौंकरावृक्ष। मोती।

लक्ष्मीग्रह, न० रक्तोत्पल ॥ लालकमल ।
लक्ष्मीताल, पु० श्रीतालवृक्ष ॥ श्रीताड़वृक्ष ।
लक्ष्मीपति, पु० लवङ्ग । पूग ॥ लौंग । सुपारी ।
लक्ष्मीफल, पु० बिल्ववृक्ष ॥ बेलका पेड ।
लक्ष्मीवान् [त्], पु० पनस । श्वेतरोहितकवृक्ष ॥ कटहरकावृक्ष । सफेदरोहेडा वृक्ष ।
लाङ्गल, न० तालवृक्ष । पुष्प-विशेष ॥ ताड़कापेड़ । एकप्रकारके फूल ।
लाङ्गलिक, पु० स्थावर-विषभेद ।
लाङ्गलिका, स्त्री० लाङ्गलीवृक्ष ॥ कलिहारी ।
लाङ्गलिकी, स्त्री० ऐ ।
लाङ्गली [न्], पु० नारिकेल ॥ नारियल ।
लाङ्गली, स्त्री० लाङ्गलाकारपुष्पविशिष्ट जलजशाक-विशेष । पृश्निपर्णी । कलिकारी । कपिकच्छु ॥ जलपीपर, गंगतिरिया । पिठवन । कलिहारी । कौंछ, किवाँच ।
लांगुलिका, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन ।
लांगूली [न्], पु० ऋषभक॥ ऋषभक औषधी।
लाज, न० उशीर ॥ वीरनमूल, खस ।
लाज, पु० लाजा ॥ खीलैं ।
लाज, पु० भृम्नि । भृष्टधान्य ॥ खीलैं ।
लाञ्छ, पु० रागीधान्य ॥ तृणधानभेद ।
लामज्जक, न० वीरणमूलाउशीरवत् पीतच्छवितृण-विशेष ॥ खस । लामज्जकतृण।
लाला, स्त्री० मुखभवजल ॥ मुखकीलार, थूक ।
लालामेह, पु० प्रमेहरोग-विशेष।
लावण, न० नस्य ॥ नास ।
लाबु, स्त्री० अलाबू ॥ तोम्बी ।
लाबू स्त्री० ऐ ।
लाक्षा, स्त्री० रक्तवर्णवृक्षनिर्य्यास-विशेष ॥ लाख ।
लाक्षातरु, पु० पलाशवृक्ष ॥ ढाकवृक्ष ।
लाक्षाप्रसाद, पु० पट्टिकालोध्र ॥ पठानीलोध ।
लाक्षाप्रसादन, पु० रक्तलोध्र ॥ लाललोध ।
लाक्षावृक्ष, पु० कोशाम्र । पलाशवृक्ष ॥ कोशम । ढाक वृक्ष ।
लिकुच, न० चुक्र ॥ चूकाशाक ।
लिकुच, पु० लकुच ॥ बडहर ।
लिख्या, स्त्री० परिमाण-विशेष॥ सर्सोंके छैभागोंमेंसे एकभाग । सर्सोंका छठा हिस्सा ।
लिङ्ग, न० मेढ़ ॥ पुरुषका चिन्ह ।
लिङ्गक, पु० कपित्थवृक्ष ॥ कैथका वृक्ष ।
लिङ्गवर्द्ध, पु० ऐ ।
लिङ्गवर्द्धिनी, स्त्री० अपामार्ग ॥ चिरचिटा ।
लिङ्गिनी, स्त्री० लता-विशेष ॥ लिङ्गिनीलता । पञ्चगुरिया देशान्तरीयभाषा ।
लिम्पाक, न० निम्बूक-विशेष ॥ नींबुभेद ।
लिम्पाक, पु० जम्बीर ॥ जम्भीरीनींबु ।
लिक्षा, स्त्री० लिख्या ॥ सर्सोंका छठा भाग ।
लीन, न० तगर ॥ तगर ।
लुंगुष, पु० बीजपूर ॥ बिजोरानींबु।
लुण्टुक, पु० शाक-विशेष ॥
लुलायकन्द, पु० महिषकन्द ॥ भैंसाकन्द ।
लूतारि, स्त्री० पयःफेनीक्षुप ॥ दूधफेनी ।
लेखन, न० भूर्जत्वक् ॥ भोजपत्र ।
लेखन, पु० काश ॥ काँस ।
लेखार्ह, पु० श्रीतालवृक्ष ॥ श्रीताड़वृक्ष ।
लेख्यपत्र, पु० तालवृक्ष ॥ ताड़वृक्ष ।
लेप, पु० सुधा । प्रलेप ॥ चून । लेप ।
लेपन, पु० तुरुष्कनामकगन्धद्रव्य ॥ शिलारस ।
लेहिन, पु० टङ्कण ॥ सुहागा ।
लैङ्गी, स्त्री० लिङ्गिनी ॥ शिवलिङ्गी मराठीभाषा ।
लोककान्ता, स्त्री०ऋद्धि ॥ ऋद्धिनामकऔषधी ।
लोकतुषार, पु० कर्पूर ॥ कपूर ।
लोकेश, पु० पारद ॥ पारा ।
लोचक, पु० कदली ॥ केला ।
लोचनहिता, स्त्री० तुत्थाञ्जन । तूतियेकाअञ्जन ।
लोचनी, स्त्री० महाश्रावणिका ॥ बड़ीगोरखमुण्डी ।
लोचमर्कट, पु० लोचमस्तक ॥ मोरशिखा ।
लोचमस्तक, पु० ऐ ।
लोणतृण, पु० लवणतृण ॥ लवणतृण ।
लोण, स्त्री० क्षुद्राम्लिका ॥ चाङ्गेरी, अम्बिलोना, आवन्ती ।
लोणा, न० क्षारविशेष ॥ लवणखार ।
लोणाम्ला, स्त्री० क्षुद्राम्लिका ॥ अम्बिलोना ।
लोत, पु० न० लवण ॥ नौन ।
लोध, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ लोध ।
लोध्र, पु० ऐ ।
लोध्रकवृक्ष, पु० ऐ ।
लोमकरणी, स्त्री० मांसच्छदा ॥ मांसरोहिणी-विशेष ।
लोमफल, पु० भव्यफल ॥ नीम्बमराठीभाषा ।
लोमशकाण्डा, स्त्री० कर्कटी ॥ ककडी ।
लोमशपर्णिनी, स्त्री० माषपर्णी ॥ मषवन ।
लोमशपुष्पक, पु० शिरीषवृक्ष ॥ सिरसकापेड ।
लोमशा, स्त्री० काकजङ्घा । मांसी । वचा । शूकशिम्बी । महामेदा । कासीस । अतिबला । शण-

पुष्पी। एवारु। गंधमांसी ॥ मसी, काकजङ्घा। जटामांसी, बालछड । वच । कौंछ, किवाँच। महामेदा औषधी। कसीस। कंगई। शणहुली। बडीककड़ी। जटामांसीभेद।

लोमहत्, पु० हरिताल ॥ हरताल।

लोलिका, स्त्री० चाङ्गेरी ॥ अम्बिलोना।

लोष्ट, न० लौहमल ॥ लोहेकामैल।

लोह, न० अगुरुचन्दन ॥ अगर। चन्दन।

लोह, पु० न० लौह। रुधिर। अष्टधातु ॥ लोहा। रक्त। आठधातु, सोना, चाँदी, ताँबा, जस्त, पीतल, राँग, शीशा, लोहा।

लोहकण्टक, पु० मदनवृक्ष ॥ मैनफलका वृक्ष।

लोहकान्त, पु० अयस्कान्त ॥ चुम्बकपत्थर।

लोहकिट्ट, न० लौहमल, मण्डूर ॥ लोहेकामैल, लोहकीट।

लोहचूर्ण, न० ऐ।

लोहज, न० लोहकिट्ट। कांस्य ॥ लोहकीट। काँसी।

लोहद्रावी, [न्], पु० टङ्कण ॥ सुहागा।

लोहमारक पु० शालिञ्चशाक ॥ शान्तिशाक।

लोहवर, न० स्वर्ण ॥ सोना।

लोहश्लेषण, पु० टङ्कण ॥ सुहागा।

लोहसङ्कर, न० वर्त्तलोह ॥ विद्रि वङ्गभाषा।

लोहाख्य, न० अगरु ॥ अगर।

लोहि, न० श्वेतटङ्कण ॥ सफेदसुहागा।

लोहित, न० रक्तगोशीर्ष। कुङ्कुम। रक्तचन्दन। पत्तङ्ग। हरिचन्दन। तृणकुङ्कुम। रुधिर। पलाण्डु ॥ लालगोशीर्ष चन्दन। केशर। लालचन्दन। पत्तङ्गकाठ। हरिचन्दन। तृणकेशर। रुधिर, लोहू। प्याज।

लोहित, पु० मसूर। रक्तालु। रक्तशालि। रोहितकवृक्ष। रक्तेक्षु ॥ मसूरअन्न। रतालु। लालधान। रोहेड़ावृक्ष। लालईख।

लोहितचन्दन, न० कुङ्कुम। रक्तचन्दन ॥ केशर-लालचन्दन।

लोहितपुष्पक, पु० दाडिमवृक्ष ॥ अनारकापेड।

लोहितमृत्तिका, स्त्री० गैरिक ॥ गेरूमिट्टी।

लोहितयष्टि, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ।

लोहितलता, स्त्री० ऐ।

लोहिता, स्त्री० वराहक्रान्ता। रक्तपुनर्नवा ॥ वराहक्रान्ता। गदहपूर्ना।

लोहिताङ्ग, पु० कम्पिल्लक ॥ कबीला।

लोहितायः [स्], न० ताम्र ॥ ताँबा।

लोहितोत्तम, न० स्वर्ण ॥ सोना।

लौह, न० स्वनामख्यातधातु ॥ लोहा।

लौहकिट्ट, न० मण्डूर ॥ लोहकीट।

लौहज, न० ऐ।

लौहमल, न० ऐ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृतौ शालिग्रामौषधशब्दसागरे लकाराक्षरतरङ्गः ॥

व

व, पु० शालूक ॥ कमलकन्द, भसीडा।

वंश, पु० इक्षु। शालवृक्ष। पृष्ठावयवविशेष। तृणजाति-विशेष ॥ ईख। सालवृक्ष। पीठका दण्डा। वाँस।

वंशक, न० अगुरु ॥ अगर।

वंशक, पु० इक्षु-विशेष ॥ एकप्रकारकी ईख जिसमें वाँसकी समान बडे गन्ने होते हैं।

वंशकर्पूररोचना, स्त्री० वंशलोचना ॥ वंशलोचन।

वंशज, पु० वेणुयव ॥ वाँसकेचावल।

वंशजा, स्त्री० वंशरोचना ॥ वंशलोचन।

वंशतण्डुल, पु० वेणुयव ॥ वाँसके चावल।

वंशधान्य, न० ऐ।

वंशनेत्र, न० इक्षुमूल ॥ ईखकी जड।

वंशपत्र, पु० नल ॥ नरसल।

वंशपत्रक, न० हरिताल ॥ हरताल।

वंशपत्रक, पु० श्वेतेक्षु ॥ सफेदईख।

वंशपत्री, स्त्री० नाडीहिङ्गु। तृण-विशेष ॥ नाडीहींग। वंशपत्रीतृण।

वंशपात, पु० कणगुग्गुलु ॥ कणगूगल।

वंशपुष्पा, स्त्री० सहदेवीलता ॥ सहदेई।

वंशपूरक, न० इक्षुमूल ॥ ईखकी जड।

वंशरोचना, स्त्री० स्वनामख्यात वंशपर्वस्थित श्वेतवर्ण औषध-विशेष ॥

वंशरोचन, वंशलोचन। तवाशीर, फारसीभाषा।

वंशलोचना, स्त्री० ऐ।

वंशशर्करा, स्त्री० ऐ।

वंशक्षीरी, स्त्री० ऐ।

वंशाङ्कुर, पु० वंशाग्र ॥ वाँसके छडका।

वंशिक, न० अगुरु ॥ अगर।

वंशिका, स्त्री० ऐ।

वक, पु० पुष्पवृक्ष-विशेष ॥ अगस्तकावृक्ष।

वकपुष्प, पु० ऐ।

वकुल, पु० स्वनामख्यातपुष्पवृक्ष ॥ मौलसिरीका पेड।

वक्कुला, स्त्री० कटुका ॥ कुटकी ।
वक्कुली, स्त्री० काकोली ॥ काकोली औषधि ।
वक्कूल, पु० वकुलवृक्ष ॥ मौलसिरीकापेड ।
वक्त, न० तगरमूल॥ तगरकी जड ।
वक्त्रवास, पु० नारङ्ग ॥ नारङ्गीका पेड ।
वक्त्रशोधन, न० भव्य ॥ भव्यफल ।
वक्त्रशोधी [न्], पु० जम्बीर ॥ जम्भीरीनींबु ।
वक्र, पु० पर्प्पट ॥ पित्तपापडा ।
वक्रकण्ट, पु० बदरवृक्ष ॥ बेरीकापेड ।
वक्रकण्टक, पु० खदिरवृक्ष॥ खैरका पेड ।
वक्रपुष्प, पु० बकपुष्पवृक्ष । पलाशवृक्ष ॥ अगस्तकावृक्ष । ढाकवृक्ष ।
वक्रशल्या, स्त्री० कुटुम्बिनीक्षुप ॥ अर्कपुष्पी ।
वक्राग्र, पु० कवाटवक्रवृक्ष ॥ कपाटवेगु वङ्गभाषा।
वङ्ग, न० धातु-विशेष ॥ राँग ।
वङ्ग, पु० वार्त्ताकु । कार्पास ॥ वैंगन । कपास ।
वङ्गज, न० सिन्दूर ॥ सिन्दूर ।
वङ्गण, वङ्गम, पु० वार्त्ताकु ॥ वैंगन ।
वङ्गशुल्वज, न० कांस्य ॥ काँसी ।
वङ्गसेन, पु० बकवृक्ष ॥ हथियावृक्ष ।
वङ्गसेनक, पु० ऐ ।
वङ्गारि, पु० हरिताल ॥ हरताल ।
वङ्क्षण, पु० ऊरुसन्धि ॥ जाँघोंका जोड ।
वचन, न० शुण्ठी ॥ सोंठ ।
वचा, स्त्री० औषधि-विशेष ॥ वच ।
वचाकार, पु० विष-विशेष ।
वज्र, पु० न० हीरक ॥ हीरा ।
वज्र, न० काञ्जिक । वज्रपुष्प । लोहविशेष । अभ्रविशेष ।
वज्र, पु० कोकिलाक्ष । श्वेतकुश । स्नुहीवृक्ष । तालमखाना । सफेदकुशा । सेहुण्डवृक्ष ।
वज्रक, न० वज्रक्षार ॥ वज्रखार ।
वज्रकण्टक, पु० स्नुहीवृक्ष । कोकिलाक्षवृक्ष ॥ सेहुण्डवृक्ष । तालमखाना ।
वज्रकन्द, पु० कन्द-विशेष ॥ शकरकन्द ।
वज्रद्रु, पु० स्नुहीवृक्ष ॥ सेहुण्डवृक्ष ।
वज्रद्रुम, पु० ऐ ।
वज्रपुष्प, न० तिलपुष्प ॥ तिलकाफूल ।
वज्रपुष्पा, स्त्री० शतपुष्पा ॥ सौंफ ।
वज्रमूली, स्त्री० माषपर्णी ॥ मषवन ।
वज्रवल्ली, स्त्री० अस्थिसंहारलता ॥ हड़संघारी, हडसंकरी ।
वज्रबीजक, पु० लताकरञ्ज ॥ लताकरञ्ज ।
वज्रवृक्ष, पु० सेहुण्डवृक्ष ॥ थूहरकावृक्ष ।
वज्रक्षार, न० क्षार-विशेष ॥ वज्रखार । नवसादर ।
वज्रा, स्त्री० स्नुहीवृक्ष ॥ गुडूची ॥ थूहरवृक्ष । गिलोय ।
वज्राङ्गी, स्त्री० गवेधुका । अस्थिसंहारी ॥ गरहेडुआ । हड़संघारी ।
वज्रास्थिशृङ्खला, स्त्री० कोकिलाक्षवृक्ष ॥ तालमखाना ।
वज्री, स्त्री० स्नुहीभेद । अस्थिसंहारी॥ थूहरका भेद। हड़शंकरी ।
वञ्जुल, पु०तिनिशवृक्ष । अशोकवृक्ष । वेतसवृक्ष । स्थलपद्मवृक्ष ॥ तिरिच्छवृक्ष । अशोकवृक्ष ॥ वैंतवृक्ष । स्थलकमल ।
वञ्जुलद्रुम, पु० अशोकवृक्ष ॥ अशोकवृक्ष ।
वञ्जुलप्रिय, पु० वेतसवृक्ष ॥ वैंतवृक्ष ।
वट, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ वड़का पेड़ ।
वटक, पु० अष्टमाषकपरिमाण ॥ एकतोला।
वटपत्र, पु० सितार्ज्जक ॥ सफेदवनतुलसी ।
वटपत्रा, स्त्री० त्रिपुरमालीपुष्पवृक्ष-वटपत्राकृति पत्रपुष्पवृक्ष--विशेष ॥ बटमोगरामराठीभाषा ।
वटपत्री, स्त्री० पाषाणभेदी--विशेष ॥ वटपत्री ।
वटी, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ नदीबड़ ।
वटु, पु० कुटन्नटवृक्ष ॥ शोनापाठा ।
वत्सक, न० पुष्पकासीस ॥ पुष्पकसीस ।
वत्सक, पु० कुटज । इन्द्रयव ॥ कुड़ाका वृक्ष । इन्द्रजो ।
वत्सकबीज, न० इन्द्रयव ॥ इन्द्रजो ।
वत्सनाभ, पु० विषवृक्ष-विशेष ॥ वच्छनाभ ।
वत्सादनी, स्त्री० गुडूची ॥ गिलोय ।
वत्साह्व, पु० कुटजवृक्ष ॥ कुड़ाका पेड़ ।
वत्साक्षी, स्त्री०गोडुम्बा ॥ एकप्रकारकी ककड़ी ।
वदाम, न० फलविशेष बादाम ।
वधू, स्त्री० शारिवा । शठी । पृक्का । गौरीसर । कचूर । असवरग ।
वनकदली, स्त्री० काष्ठकदली । काठकेला ।
वनकन्द, पु० वनशूरण । धरणीकन्द ॥ वनजमीकन्द । धरणीकन्द ।
वनकर्णिका, स्त्री० शल्लकीवृक्ष ॥ शालईवृक्ष ।
वनकार्पासी, स्त्री० वनोद्भवकार्पास ॥ वनकपास ।
वनकोलि, स्त्री० वनजातबदरी ॥ वनवेरी ।
वनचन्दन, न० अगरु । देवदारु ॥ अगर । देवदारु ।
वनचन्द्रिका, स्त्री० मल्लिका ॥ मल्लिकापुष्प ।

वनचम्पक, पु० वनजातचम्पकपुष्पवृक्ष ॥ वनचम्पा ।
वनज, न० पद्म ॥ कमल ।
वनज, पु० मुस्तक । वनशूरण ॥ मोथा । वनसूरन
वनजा, स्त्री० मुद्गपर्णी । वनकार्पासी । वन्योपोदकी। अश्वगन्धा । गन्धपत्रा । मधुरिका । ऐन्द्र । मुगवन । वनकपास । वनपोईशाक । असगन्ध । वनसती । सोआ । वनअदरख ।
वनजीर, पु० वनोद्भवजीरक ॥ वनजीरा ।
वनतिक्त, पु० हरीतकी ॥ हरड ।
वनतिक्ता, स्त्री० पाठा ॥ पाढ़ ।
वनतिक्तिका, स्त्री० ऐ ।
वनदमन, पु० अरण्यदमनवृक्ष ॥ वनदोना ।
वनदीप, पु० वनचम्पक ॥ वनचम्पा ।
वननिम्ब, पु० महानिम्ब ॥ बकायननीम ।
वनपल्लव, पु० शोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैंजिनेकापेड ।
वनपिप्पली, स्त्री० वनोद्भव पिप्पली ॥ वनपीपल।
वनपुष्पा, स्त्री० शतपुष्पा ॥ सौंफ।
वनपूरक, पु० वनबीजपूरक ॥ वनबिजोरानींबु ।
वनप्रिय, पु० त्वच ॥ दालचिनी ।
वनभुक् [ज्], पु० ऋषभक ॥ ऋषभौषधी ।
वनमल्लिका, स्त्री० वनोद्भवमल्लिका ॥ मोदयन्ती, वनमल्लिका ।
वनमल्ली, स्त्री० ऐ ॥
वनमालिनी, स्त्री० वाराही ॥ चर्मकारालुक ।
वनमुद्ग, पु० मुकुष्ठक ॥ मोठ।
वनमुद्गा, स्त्री० मुद्गपर्णी ॥ मुगवन ।
वनमूर्द्धजा, स्त्री० कर्कटशृङ्गी ॥ काकडाशिङ्गी ।
वनमोचा, स्त्री० काष्ठकदली ॥ वनकेला ।
वनयमानिका, स्त्री० अजमोदा ॥ अजमोद ।
वनलक्ष्मी, स्त्री० कदली ॥ केला ।
वनबर्ब्बर, पु० कृष्णार्ज्जक ॥ कालीवनतुलसी ।
वनबर्ब्बरिका, स्त्री० अरण्यज बर्ब्बरी ॥ वनवर्ब्बरी ।
वनवल्लरी, स्त्री० निःश्रेणिकातृण ॥ निःश्रेणीतृण।
वनवासी, [न्], पु० ऋषभौषध । मुष्ककवृक्ष । वाराहीकन्द । शाल्मलीकन्द । नीलमहिषकन्द ॥ ऋषभक औषधी । मोखावृक्ष । गेंठी । सेमरकी मूली । नीलवर्ण भैंसाकन्द ।
वनबीज, पु० वनजात बीजपूरक ॥ वनबिजोरानींबु ।
वनबीजक, पु० ऐ ।
वनबीजपूरक, पु० ऐ ।
वनवृन्ताकी, स्त्री० बृहती ॥ कटाई ।
वनव्रीहि, पु० नीवार ॥ नीवारधान ।
वनशूकरी, स्त्री० कपिकच्छु ॥ कौंछ ।
वनशूरण, पु० वनजात शूरण ॥ वनजमीकन्द ।
वनशृङ्गाट, पु० गोक्षुर ॥ गोखुरू ।
वनशृंगाटक, पु० ऐ ।
वनशोभन, न० पद्म ॥ कमल ।
वनसंकट, पु० मसूर ॥ मसूर ।
वनसरोजिनी, स्त्री० वनकार्पासी ॥ वनकपास ।
वनस्था, स्त्री० अश्वत्थीवृक्ष ॥ पीपलीवृक्ष ।
वनस्पति, पु० स्थालीवृक्ष ॥ वेलियापीपल ।
वनहरिद्रा, स्त्री० अरण्यजहरिद्रा ॥ वनहलदी ।
वनहास, पु० काशतृण । कुन्दपुष्पवृक्ष ॥ कांस । कुन्दवृक्ष ।
वनहासक, पु० काशतृण ॥ कॉंस ।
वनाखुग, पु० मुद्ग ॥ मूँग ।
वनामल,, पु० कृष्णपाकफल ॥ पानीआमला ।
वनाम्र, पु० कोशाम्र ॥ कोशम ।
वनारिष्टा, स्त्री० वनहरिद्रा ॥ वनहलदी ।
वनार्द्रका, स्त्री० ऐन्द्र ॥ वन अदरख ।
वनालक, पु० करमर्द्दक ॥ करोंदा ।
वनालिका, स्त्री० हस्तीशुण्डी ॥ हाथीशुण्डा ।
वनिता, स्त्री० प्रियंगु ॥ फूलप्रियंगु ।
वनेज्य, पु० बद्धरसाल ॥ उत्तमआम ।
वनेसर्ज्ज, पु० अशनवृक्ष ॥ विजयसार, आसनवृक्ष।
वनेक्षुद्रा, स्त्री० करञ्ज ॥ करंजुआ ।
वनोद्भवा, स्त्री० वनकार्पासी ॥ वनकपास ।
वन्दका, स्त्री० वन्दा ॥ बाँदा ।
वन्दनीय, पु० पीतभृंगराज ॥ पीलाभाङ्गरा ।
वन्दनीया, स्त्री० गोरोचना ॥ गौलोचन ।
वन्दा, स्त्री० वृक्षोपरिजातवृक्ष ॥ बाँदा, वन्दा ।
वन्दाक, पु० ऐ ।
वन्दाका, स्त्री० ऐ ।
वन्दाकी, स्त्री० ऐ ।
वन्द्या, स्त्री० वन्दा । गोरोचना ॥ वांदा।गौलोचन ।
वन्य, न० त्वच ॥ दालचिनी ।
वन्य, पु० वनशूरण । वाराहीकन्द । देवनल ॥ वनसूरन । गेंठी ॥ बडानरसल।
वन्या, स्त्री० मुद्गपर्णी । गोपालकर्कटी । गुञ्जा । मधुरिका । भद्रमुस्ता । गन्धपत्रा । अश्वगन्धा ॥ मुगवन । गोपाल ककडी,–गरुभादिशान्तरीयभाषा घुघुची । सोआ । भद्रमोथा । वनसटी । असगन्ध ।

वन्योपदकी, स्त्री० वनजातोपोदकी ॥ वनपोई ।
वपुषा, स्त्री० हपुषा ॥ हाऊबेर ।
वपुष्टमा, स्त्री० पद्मचारिणी ॥ गेंदाफूल ।
वप्र, न० सीसक ॥ सीसा ।
वप्रा, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ ।
वमन, पु० शण ॥ सन ।
वमनेष्ट, पु० महानिम्ब ॥ बकायननीम ।
वमि, स्त्री० स्वनामख्यातरोग ॥ छर्दि, उल्टीकरना ।
वयस्था, स्त्री० आमलकी । हरीतकी । सोमलता । गुडूची । सूक्ष्मैला । काकोली । शाल्मली । क्षीरकाकोली । अत्यम्लपर्णी।मत्स्याक्षी ॥ आमला । हरड़ । सोमलता । गिलोय । गुजराती इलायची। सेमलवृक्ष । क्षीरकाकोली । कण्डूरा । मछेछी ।
वयोरङ्ग, न० सीसक ॥ सीसा ।
वर, न० कुंकुम ॥ केशर ।
वर, पु० गुग्गुलु ॥ गूगल ।
वरक, पु० वनमुद्ग । पर्पट तृणधान्य-भेद ॥ वनमूँग, मोंठ । पित्तपापडा । चीनाधान ।
वरचन्दन, न० कालीय । देवदारु ॥ पीलाचन्दन। देवदार ।
वरट, न० कुन्दपुष्प ॥ कुन्दकेफूल ।
वरटा, स्त्री० कुसुम्भबीज ॥ कसूमके बीज, कर्र ।
वरट्टिका, स्त्री० ऐ ।
वरण, पु० बरुणवृक्ष ॥ बरनावृक्ष ।
वरण्डालु, पु० एरण्डवृक्ष ॥ अण्डकापेड ।
वरतिक्त, पु० कुटजवृक्ष ॥ कुडेकापेड ।
वरतिक्ता, स्त्री० पाठा ॥ पाढ ।
वरतिक्तिका, स्त्री० ऐ ।
वरत्करी, स्त्री० रेणुकानामकगन्धद्रव्य ॥ रेणुका ।
वरत्वच, पु० निम्बवृक्ष ॥ नीमकापेड ।
वरदा, स्त्री० अश्वगन्धा । आदित्यभक्ता ॥ असगन्ध । हुरहुर ।
वरदारु, पु० वृक्ष-विशेष ॥ भुई सह ।
वरवर्णाख्य, पु० क्षीर कञ्चुकीवृक्ष॥ क्षीरीशवृक्ष।
वरफल, पु० नारिकेलवृक्ष ॥ नारियलकापेड ।
वरमुखी, स्त्री० रेणुकानामकगन्धद्रव्य ॥ रेणुका ।
वरम्बरा, स्त्री० चक्रपर्णी ॥ पिठवन ।
वरलब्ध, पु० चम्पकवृक्ष ॥ चम्पावृक्ष ।
वरवर्णिनी, स्त्री० हरिद्रा । लाक्षा । रोचना । फलिनी ॥ हलदी । लाख । गोलोचन । फूलप्रियङ्गु।
वरबाह्लीक, न० कुङ्कुम ॥ केशर ।
वरा, स्त्री० त्रिफला । रेणुका । गुडूची । शतमूली । मेदा । ब्राह्मी । विडङ्गा । पाठा । हरिद्रा ॥ हरड १ बहेडा २ आमला ३ रेणुका । गिलोय । शतावर । मेदा औषधी । ब्रह्मीघास । बायविडङ्ग । पाठ । हलदी ।
वराङ्ग, न० गुडत्वक् । तेजपत्र ॥ दालचीनी । तेजपात ।
वराङ्गक, न० गुडत्वक् ॥ दालचीनी ।
वराङ्गी, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
वराङ्गी [न्], पु० अम्लवेतस ॥ अम्लवैत ।
वराट, पु० कपर्दक । पद्मबीज । पद्मबीजकोष ॥ कौंडी । कमलगट्टा । कमल गट्टेका घर ।
वराटक, पु० स्त्री० कपर्दक ॥ कौंडी ।
वराटक, पु० पद्मबीज ॥ कमलगट्टा ।
वराटकरजाः [स्], पु० नागकेशर ॥ नागकेशर ।
वराटिका, स्त्री० कर्पदक ॥ कौडी ।
वराण, पु० वरुणवृक्ष ॥ वरनावृक्ष ।
वरादन, पु० राजादनवृक्ष ॥ खिरनीकापेड ।
वराभिध, पु० अम्लवैतस ॥ अम्लवैंत ।
वराम्ल, न० काञ्जिक ॥ कांजी ।
वराम्ल, पु० प्राचीनामलक । अम्लवैतस ॥ पानीआमला । अम्लवेत ।
वरारक, न० हीरक ॥ हीरा ।
वरासन, न० ओड्रपुष्प ॥ गुडहरके फूल ।
वराह, पु० मुस्ता । वाराहीकन्द ॥ मोथा । गेंठी ।
वराहकन्द, पु० वाराहीकन्द ॥ गेंठी ।
वराहकान्ता, स्त्री० वाराही ॥ चर्मकारालुक ।
वराहकाली, [न्] पु० सूर्य्यमणिपुष्पवृक्ष ॥ सूर्य्यफूल मराठी भाषा ।
वराहक्रान्ता, स्त्री० स्वनामख्यातक्षुप ॥ वराहक्रान्ता ।
वराहनाम [न्], पु० वाराहीकन्द ॥ गेंठी ।
वराहिका, स्त्री० कपिकच्छु ॥ कौंछ ।
वराही, स्त्री० भद्रमुस्ता । शूकरकन्द ॥ भद्रमोथा । चर्मकारालु ।
वरिष्ठ, न० ताम्र । मरिच ॥ ताँबा । मिरच ।
वरिष्ठ, पु० नारङ्गवृक्ष ॥ नारङ्गीकापेड ।
वरिष्ठा, स्त्री० आदित्यभक्ता ॥ हुरहुर ।
वरी, स्त्री० शतावरी ॥ शतावर ।
वरुण, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ वरनावृक्ष ।
वरुणात्मजा, स्त्री० मदिरा ॥ मद्य ।
वरेण्य, न० कुङ्कुम ॥ केशर ।
वरेन्द्रपत्र, न० सुगन्धिद्रव्य-विशेष ।
वरोट, न० मरुबकपुष्प ॥ मरुआ ।

वर्च्चः [स्], न० पुरीष ॥ विष्ठा।
वर्ण, न० कुङ्कुम ॥ केशर।
वर्णक, न० हरिताल। चन्दन ॥ हरताल। चन्दन।
वर्णक, पु० न० चन्दन ॥ चन्दन।
वर्णद, न० कालीयक ॥ कलम्बक।
वर्णदात्री, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी।
वर्णपुष्पक, पु० राजतरुणीपुष्पवृक्ष ॥ अम्लान, राजतरुणी।
वर्णपुष्पी, स्त्री० उष्ट्रकाण्डी ॥ उटाटीवङ्गभाषा।
वर्णप्रसादन, न० अगुरु ॥ अगर।
वर्णरेखा, स्त्री० कठिनी ॥ खडियामाटी।
वर्णलेखा, स्त्री० ऐ।
वर्णलेखिका, स्त्री० ऐ।
वर्णवती, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी।
वर्णा, स्त्री० आढ़की ॥ अडहर।
वर्णार्ह, पु० मुद्ग ॥ मूंग।
वर्णि, न० स्वर्ण ॥ सोना।
वर्णिका, स्त्री० कठिनी ॥ खड़ियामाटी।
वर्णिनी, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी।
वर्णोज्ज्वल, न० हरिताल ॥ हरताल।
वर्त्तक, न० वर्त्तलौह ॥ नीललोह।
वर्त्ति, स्त्री० भेषज निर्म्माण।
वर्तुल, न० गृञ्जन। टङ्कण ॥ गाजर। सुहागा।
वर्तुल, पु० कलाय-विशेष ॥ मटर।
वर्तुली, स्त्री० गजपिप्पली ॥ गजपीपर।
वर्द्ध, न० सीसक ॥ सीसा।
वर्द्ध, पु० ब्राह्मणयष्टिका ॥ ब्रह्मनेटि।
वर्द्धक, पु० ऐ।
वर्द्धमान, पु० एरण्डवृक्ष ॥ अण्डकापेड।
वर्द्धमानक, पु० ऐ।
वर्म्मकण्टक, पु० पर्प्पट ॥ पित्तपापडा।
वर्म्मकषा, स्त्री० चर्म्मकषा ॥ शातला।
वर्व्वर, न० पीतचन्दन। हिङ्गुल। बोल ॥ पीला चन्दन। सिङ्गरफ। बोल।
वर्व्वर, पु० पञ्जिका। क्षुप-विशेष ॥ भारङ्गी। वाबुई तुलसीभेद।
वर्व्वरक, न० चन्दनभेद।
वर्व्वरी, स्त्री० **वर्व्वरा**, स्त्री० पुष्पभेद॥शाकभेद। तुलसी-विशेष वनतुलसी।
वर्व्व, वरीक पु० ब्राह्मणयष्टिका॥ अजगन्धिका। भारङ्गी। वनतुलसी।
वर्व्वूर, पु० वृक्ष-विशेष ॥ बबूरकापेड।
वर्षकेतु, पु० रक्तपुनर्नवा ॥ गदहपूर्ना, सोंठ।
वर्षपाक, पु० आम्रातक ॥ अम्बाडावृक्ष।
वर्षपाकी [न्], पु० ऐ।
वर्षपुष्पा, स्त्री० सहदेवीलता ॥ सहदेई।
वर्षाङ्गी, स्त्री० पुनर्नवा ॥ साठ विषखपरा।
वर्षाभव, पु० रक्तपुनर्नवा ॥ गदहपूर्ना, साँठ।
वर्षाभू, स्त्री० पु० पुनर्नवा ॥ विषखपरा—साँठ।
वर्षाभ्वी, स्त्री० ऐ।
वर्षालङ्कायिका, स्त्री० पृक्का ॥ असवरग।
वर्ह, न० ग्रन्थिपर्ण ॥ गठिवन।
वर्हि, [स्], पु० न० कुश ॥ कुशा।
वर्हि, [स्], न० ग्रन्थिपर्ण ॥ गठिवन।
वर्हिःपुष्प, न० ऐ।
वर्हिःष्ट, न० ह्रीवेर। आम्र ॥ सुगंधवाला। आम।
वर्हिकुसुम, न० ग्रन्थिपर्ण ॥ गठिवन।
वर्हिपुष्प, न० ऐ।
वर्हिष्ठ, न० ह्रीवेर ॥ नेत्रवाला, सुगंधवाला।
वलय, पु० गलरोग-विशेष।
वला, स्त्री० स्वनामख्यात औषधि-विशेष ॥ खरैंटी।
वलाहक, पु० मुस्तक ॥ मोथा।
वलूक, न० पद्ममूल ॥ कमलकन्द।
वल्क, पु० पट्टिकालोध्र ॥ पठानीलोध।
वल्कतरु, पु० पूगवृक्ष ॥ सुपारीकापेड।
वल्कद्रुम, पु० भूर्जवृक्ष ॥ भोजपत्रकावृक्ष।
वल्कल, न० त्वच ॥ दालचीनी।
वल्कलोध, पु० पट्टिकालोध ॥ पठानीलोध।
वल्गुक, न० चन्दन ॥ चन्दन।
वल्गुपत्र, पु० वनमुद्ग ॥ मोठ।
वल्गुला, स्त्री० बाकुची ॥ वायची।
वल्मीक, पु० रोग-विशेष।
वल्मीकशीर्ष, न० स्रोतोञ्जन ॥ शुर्म्मा।
वल्ल, पु० त्रिगुञ्जापरिमाण। द्विगुञ्जापरिमाण। सार्द्धगुञ्जा ॥ ३ रत्तिपरिमाण। २ रत्तिपरिमाण १॥ रत्तिपरिमाण।
वल्लकी, स्त्री० शल्लकीवृक्ष ॥ शालईवृक्ष।
वल्लर, न० कृष्णागरु ॥ कालीअगर।
वल्लरि, स्त्री० मेथिका ॥ मेथी।
वल्लिकण्टकारिका, स्त्री० अग्निदमनी ॥ अग्निदमनी।
वल्लिदूर्वा, स्त्री० मालादूर्वा ॥ मालादूब।
वल्लिवरा, स्त्री० शारिवा ॥ गौरीसर।
वल्लिशाक-पोतिका, स्त्री० मूलपोती ॥ पोईशाकभेद।

वल्लिशूरण, पु० अत्यम्लपर्णी ॥ कण्डूरा ।
वल्ली, स्त्री० अजमोदा । कैवर्त्तिका । चविका ॥ अजमोद । कैवर्त्तिकालता । चव्य ।
वल्लीज, न० मरिच ॥ मिरच ।
वल्लीबदरी, स्त्री० भूबदरी ॥ झड़बेरी ।
वल्लीमुद्ग, पु० मकुष्ठक ॥ मोठ ।
वल्लीवृक्ष, पु० शालवृक्ष ॥ सालकावृक्ष ।
वल्या, स्त्री० धात्रीवृक्ष ॥ आमलेकापेड ।
वल्वज, पु० तृण-विशेष ।
वल्वजा, स्त्री० तृण-विशेष ॥ सावेबागे ।
वव्बूल, पु० वर्व्बूरवृक्ष ॥ वबूरकापेड ।
वव्बूलनिर्य्यास, पु० वव्बूलवृक्षस्यनिर्य्यास॥ बबूरकागोंद ।
वशिका, स्त्री० अगरु ॥ अगर ।
वशिनी, स्त्री० शमीवृक्ष । वन्दा ॥ छौंकरावृक्ष । बाँदा ।
वशिर, न० सामुद्रलवण ॥ समुद्रनोन ।
वशिर, पु० गजपिप्पली । चव्य । अपामार्ग । वचा ॥ गजपीपल । चव्य । चिरचिटा । वच ।
वशीर, पु० गजपिप्पली ॥ गजपीपल ।
वश्य, न० लवङ्ग ॥ लौंग ।
वसन्तक, पु० श्योनाकभेद ॥ शोनापाठा ।
वसन्तजा, स्त्री० वासन्तीलता ॥ वासन्ती ।
वसन्तदूत, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमकापेड ।
वसन्तदूती, स्त्री० पाटलीवृक्ष । माधवीलता । गणिकारीपुष्पवृक्ष ॥ पाडरवृक्ष । माधवीलता । गणिकारी, मदनमादिनी ।
वसन्तद्रु, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमकापेड ।
वसा, स्त्री० मांससम्भूतधातु-विशेष । मांसरोहिणी ॥ चर्बी । मांसरोहिणी ।
वसिर, न० सामुद्रलवण । गजपिप्पली ॥ समुद्रनोन । गजपीपल ।
वसु, न० वृद्धिनामौषधि । स्वर्ण ॥ वृद्धि । सोना ।
वसु, पु० शिवमल्ली । शिवमल्लिका । पीतमुद्ग । पुष्पवृक्ष-विशेष ॥ बृहत् मौलसिरी । वसुपुष्पवृक्ष । पीलीमूंग एकप्रकारकावृक्ष ।
वसु, स्त्री० वृद्धिनामौषधि ॥ वृद्धिऔषधी ।
वसुक, न० साम्भारिलवण । पांशुलवण । वास्तुकशाक । कृष्णागरु ॥ सांभरनौन । रेहगमानोन । बथुआशाक । कालीअगर ।
वसुक, पु० अर्कवृक्ष । क्षारलवण । श्वेतार्कवृक्ष । स्वनामख्यातपुष्पवृक्ष ॥ आककापेड । खारी । सफेदमन्दारवृक्ष । वसुपुष्पवृक्ष ।

वसुच्छिद्रा, स्त्री० महामेदा ॥ महामेदाऔषधी ।
वसुधाखर्ज्जूरिका, स्त्री० भूखर्ज्जूरिका । देशीखजूर ।
वसुश्रेष्ठ, न० रूप्य ॥ रूपा ।
वसुहट्ट, पु० अगस्त्यवृक्ष ॥ अगस्तिकावृक्ष ।
वसुहट्टक, पु० ऐ ।
वसूक, न०साम्भरिलवण।अगस्त्यवृक्ष॥ सांभरनान । हथियावृक्ष ।
वस्तक, न० कृत्रिमलवण ॥ सलम्बानौन ।
वस्तकर्ण, पु० शालवृक्ष ॥ सालकावृक्ष ।
वस्तगन्धा, स्त्री० वृक्ष-विशेष ।
वस्तमोदा, स्त्री० ऐ ।
वस्त्रांत्री, स्त्री० छगलान्त्री ॥ अजान्त्रीक्षुप ।
वस्ति, पु० स्त्री० नाभिअधोभागक्रिया-विशेष । बस्तिकर्म्म, दस्तकरानेकीविधि ।
वस्तिकर्म्माढ्य, पु० अरिष्टवृक्ष ॥ रीठा ।
वस्तिमल, न० मूत्र ॥ मूत । पेशाब ।
वस्तुक, न० वास्तुक ॥ वथुआ ।
वस्तुकी, स्त्री० श्वेतचिल्लीशाक ॥ सफेदचिल्लीकाशाक ।
वस्त्रपञ्जल, पु० कोलकन्द ॥ सूकरकन्द ।
वस्त्रभूषण, पु० साकुरुण्डवृक्ष ॥ सकुरुण्डर गुजरातीभाषा ।
वस्त्रभूषा, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ ।
वस्त्ररञ्जन, पु० कुसुम्भ ॥ कसूम ।
वस्नसा, स्त्री० स्नायु ॥ एकप्रकारकीनस ।
वल्कलगन्ध, न० शम्बरचन्दन ॥ शबरचन्दन ।
वहलचक्षुः [स्], पु० मेषशृङ्गी ॥ मेढ़ाशिङ्गी ।
वहलत्वच, पु० श्वेतलोध्र ॥ सफेदलोध ।
वहला, स्त्री० शतपुष्पा । स्थूलैला ॥ सौंफ । बड़ी इलायची ।
वहेडुक, न० बिभीतकवृक्ष ॥ बहेडा ।
वह्नि, पु० चित्रक । भल्लातक । निम्बूक ॥ चीतेकापेड । भिलविकापेड । नींबू ।
वह्निकरी, स्त्री० धातकी ॥ धायकेफूल ।
वह्निकाष्ठ, न० दाहागरु ॥ दाहअगर ।
वह्निगन्ध, पु० यक्षधूप ॥ राल ।
वह्निगर्भ, पु० वंश ॥ वांस ।
वह्निगर्भा, स्त्री० शमीवृक्ष ॥ छौंकरावृक्ष ।
वह्निचक्रा, स्त्री० कलिकारीवृक्ष ॥ कलिहारीवृक्ष ।
वह्निज्वाला, स्त्री० धातकीवृक्ष ॥ धायकेफूल ।
वह्निदमनी, स्त्री० अग्निदमनी क्षुप ॥ अग्निदमनी ।
वह्निदीपक, पु० कुसुम्भ ॥ कसूम ।

वह्निदीपिका, स्त्री० अजमोदा ॥ अजमोद ।
वह्निनामा [न्], पु० चित्रक । भल्लातक ॥ चीतावृक्ष । भिलावेकापेड ।
वह्निनी, स्त्री० जटामांसी ॥ जटामांसी, बालछड ।
वह्निपुष्पी, स्त्री० धातकी ॥ धायके फूल ।
वह्निभोग्य, न० घृत ॥ घी ।
वह्निमन्थ, पु० अग्निमन्थ ॥ अरणी, अगेथुवृक्ष ।
वह्निलोहक, न० कांस्य ॥ काँसी ।
वह्निवर्ण, न० रक्तोत्पल ॥ लालकमल ।
वह्निवल्लभ, पु० सर्जरस ॥ राल ।
वह्निबीज, न० निम्बूक । स्वर्ण ॥ नींबु । सोना ।
वह्निशिख, न० कुसुम्भ । कुंकुम ॥ कसूम। केशर।
वह्निशिखर, पु० लोचमस्तक ॥ मोरशिखा ।
वह्निशिखा, स्त्री० फलिनी। कलिकारी। धातकी॥ फूलप्रियङ्गु । कलिहारि । धायके फूल ।
वह्निसंज्ञक, पु० चित्रक ॥ चीतावृक्ष ।
वह्निसख, पु० जीवक ॥ जीवकवृक्ष ।
वांशी, स्त्री० वंशरोचना ॥ वंशलोचन ।
वाकुची, स्त्री० सोमराजी ॥ वायची ।
वागुजी, स्त्री० ऐ ।
वागुण, न० कर्म्मरङ्ग ॥ कमरख ।
वाज, न० घृत । अन्न ॥ घी । अन्न ।
वाजिकर्ण, पु० पीतशालवृक्ष ॥ विजयसार ।
वाजिगन्धा, स्त्री० अश्वगन्धा ॥ असगन्ध ।
वाजिदन्त, पु० वासक ॥ अडूसा ।
वाजिदन्तक, पु० ऐ ।
वाजिनी, स्त्री० अश्वगन्धा ॥ असगन्ध ।
वाजिपाद, पु० गोक्षुर ॥ गोखुरु ।
वाजिपृष्ठ, पु० अम्लातवृक्ष ॥ बाणपुष्प ।
वाजिभक्ष, पु० चणक ॥ चने ।
वाजिभोजन, पु० मुद्ग ॥ मूँग ।
वाजिमान्, [त्] पु० पटोल ॥ परवल ।
वाजीकरण, न० वीर्य्यवर्द्धक औषधादि ।
वाटिका, स्त्री० वाट्यालक । हिंगुपत्री ॥ खरैटी। हीङ्गपत्री ।
वाटीदीर्घ, पु० इत्कट ॥ ओकड़ा देशभिन्नभाषा।
वाट्यक, न० भृष्टयव ॥ भुनेजौ ।
वाट्यपुष्पी, स्त्री० बला ॥ खिरैटी ।
वाट्या, स्त्री० ऐ ।
वाट्याल, पु० ऐ ।
वाट्याली, स्त्री० ऐ ।
वाण, पु० भद्रमुञ्ज ॥ सरपता ।
वाणदहन, पु० शरपुंखा ॥ सरफोका ।
वाणपुंखा, स्त्री० ऐ ।
वाणा, स्त्री० पु० नीलझिंटी ॥ नीलीकटसरैया ।
वाणांघ्रि, पु० शरपुंखा ॥ सरफोका ।
वातक, पु० अशनपर्णी ॥ पटशरा ॥
वातघ्नी, स्त्री० शालपर्णी । अश्वगन्धा । शिमृडीक्षुप ॥ शालवण । असगन्ध । चङ्गोनि ।
वातपोथ, पु० पलाशवृक्ष ॥ ढाककापेड़ ।
वातफुल्लान्त्र, न० फुप्फुस ॥ फेंफड़ा ।
वातरक्त, पु० स्वनामख्यातरोग ॥ वातरक्त ।
वातरक्तघ्न, पु० कुक्कुरवृक्ष ॥ कुकरौंदा ।
वातरक्तारि, पु० पित्तघ्नीलता॥ गिलोय ।
वातरङ्ग, पु० अश्वत्थ ॥ पीपल ।
वातरायण, पु० सरलद्रुम॥ धूपसरल ।
वातरोग, पु० स्वनामख्यातरोग ॥ वातरोग । काँपना कंठ, होंठ, मुखका सूखना ।
वातल, पु० चणक ॥ चने ।
वातवैरि, [न्] पु० वाताद ॥ बादाम ।
वातव्याधि, पु० वातरोग ॥ हड्डी और संधियोंमें पीडा, रोमांच, वृथाबकवाद, हाथ, पांव और मुखका जकडना ।
वातशोणित, पु० वातरक्तरोग ॥ अंगुलियोंकि गांठ गांठमें पीडा, शरीरका कालारंग, रुधिरके चकत्ते देहमें पडजातेहैं ।
वाताण्ड, पु० मुष्करोग-विशेष ॥
वाताद, पु० फलवृक्ष-विशेष ॥ वादाम ।
वातामोदा, स्त्री० कस्तूरी ॥ कस्तूरी ।
वातारि, पु० एरण्डवृक्ष । शतमूली । पुत्रदात्री । शेफालिका । यवानी । भार्गी । स्नुही । विड़ङ्ग-शूरण । भल्लातक । जतुका ॥ अरण्डकापेड । शतावर । पुत्रदा । निर्गुण्डीभेद । अजमायन । भारङ्गी । सेहुण्डवृक्ष । वायविडङ्ग । जमीकन्द । भिलावेकापेड । जतुकालता ।
वातिग, पु० भण्टाकी । वार्ताकु । वेगुनाकटेहरी । वैंगुन ।
वातिगम, पु० वार्त्ताकु ॥ वैंगुन ।
वातिङ्गन, पु० ऐ ।
वातीय, न० काञ्जिक ॥ काँजि ।
वातोना, स्त्री० गोजिह्वाक्षुप ॥ गोभी ।
वादरङ्ग, पु० अश्वत्थवृक्ष ॥ पीपलकापेड, गोझिया
वादरा, स्त्री० कार्पासी ॥ कपास ।
वादल, न० मधुयष्टिका ॥ मुलहटी ।
वादाम, पु० स्वनामख्यातफल । वादाम ।
वादिर, न० वदरिसदृशसूक्ष्मफलवृक्ष ॥
वानप्रस्थ, पु० मधूकवृक्ष । पलाशवृक्ष॥ महुआवृक्ष। ढाककापेड ।

वानरप्रिय, पु० क्षीरिणीवृक्ष ॥ खिरनीकापेड ।
वानराघात, पु० लोध्रवृक्ष ॥ लोधवृक्ष ।
वानरी, स्त्री० शूकशिम्बी ॥ कौंछ ।
वानल, पु० वावयवृक्ष ॥ कालीवनतुलसी ।
वानीर, पु० वेतसवृक्ष । वाञ्जुलवृक्ष ॥ वेतवृक्ष । जलवेंत ।
वानीरक, पुं० मुञ्जतृण ॥ मूंज ।
वानीरज, न० कुष्ठौषध ॥ कूठ ।
वानेय, न० कैवर्तिमुस्तक ॥ केवटीमोथा ।
वान्तिकृत्, पु० लौहकण्टकवृक्ष ॥ मैनफलवृक्ष ।
वान्तिदा, स्त्री० कटुकी ॥ कुटकी ।
वाप्य, न० कुष्ठौषध ॥ कूठ ।
वाम, न० वास्तूक ॥ वथुआशाक ।
वामन, पु० अङ्कोठवृक्ष ॥ ढेरावृक्ष ।
वामापीडन, पु० पीलुवृक्ष ॥ पीलुकावृक्ष ।
वायस, पु० अगुरु । श्रीवास ॥ अगर । गूगल ।
वायसजङ्घा, स्त्री० काकजङ्घा ॥ मसी, काकजङ्घा ।
वायसादनी, स्त्री० महाज्योतिष्मती । काकतुण्डी ॥ बडीमालकाङ्गुनी । काकादनी ।
वायसाह्वा, स्त्री० काकमाची । मकोय ।
वायसी, स्त्री० काकोदुम्बरिका । महाज्योतिष्मती । काकतुण्डी । काकमाची ॥ कठूमर । बडी मालकाङ्गुनी । कौआटोडी । मकोय ।
वायसेक्षु, पु० काश ॥ काँस ।
वायसोलिका, स्त्री० काकोली ॥ काकोली ।
वायसोली, स्त्री० ऐ ।
वार, पु० कुब्जवृक्ष ॥ कूजावृक्ष ।
वारक, न० ह्रीबेर ॥ सुगंधवाला ।
वारणपिप्परी, स्त्री० गजपिप्पली ॥ गजपीपल ।
वारणपुषा, स्त्री० कदली ॥ केला ।
वारणवल्लभा, स्त्री० ऐ ।
वारवुषा, स्त्री० ऐ ।
वारवृषा, स्त्री० ऐ ।
वारलीक, पु० बल्वजावृक्ष ॥ वाउई तुलसी वङ्गभाषा ।
वाराह, पु० महापिण्डीतकवृक्ष ॥ बडा मैनफल वृक्ष ।
वाराहकर्णी, स्त्री० अश्वगन्धा ॥ असगन्ध ।
वाराहपत्री, स्त्री० ऐ ।
वाराहाङ्गी, स्त्री० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष ।
वाराही, स्त्री० गृष्टि ॥ गेंठी ।
वारि, न० बालक ॥ सुगन्धवाला ।
वारिकण्टक, पु० शृङ्गाटक ॥ सिङ्घाडे ।
वारिकर्णिका, स्त्री० खमूली ॥ जलकुम्भी ।
वारिकुब्ज, वारिकुब्जक, पु० शृङ्गाटक ॥ सिङ्गाडे ।
वारिचत्वर, पु० कुम्भिका ॥ जलकुम्भी ।
वारिचामर, न० शैवाल ॥ शिवार ।
वारिज, न० पद्म । लवङ्ग । द्रोणी लवण । गौरसुवर्ण शाक ॥ कमल । लौङ्ग । वरतनकानिमक । गौरसुवर्णशाक ।
वारिज, पु० शंख । शम्बूक ॥ शंख । घोंघा ।
वारिद, न० वालक ॥ सुगन्धवाला, नेत्रवाला
वारिद, पु० मुस्तक ॥ मोथा ।
वारिपर्णी, स्त्री० कुम्भिका ॥ जलकुम्भी ।
वारिबदरा, स्त्री० न० प्राचीनामलक ॥ पानी आमला ।
वारिवालक, न० वालक ॥ सुगन्धवाला ।
वारिभव, न० स्रोतोञ्जन ॥ कालाशुर्म्मा ।
वारिमूली, स्त्री० वारिपर्णी ॥ जलकुम्भी ।
वारिरुह, न० पद्म ॥ कमल ।
वारिवदन, न० प्राचीनामलक ॥ पानी आमला ।
वारिवर, न० करमर्द्दकवृक्ष ॥ करौंदावृक्ष ।
वारिवल्लभा, स्त्री० विदारी ॥ विदारीकन्द ।
वारिवाह, पु० मुस्ता ॥ मोथा ।
वारिशिरीषिका, स्त्री० अम्बुशिरीषिका ॥ ढाढोनि ।
वारिसम्भव, न० लवङ्ग । उशीर । सौवीराञ्जन ॥ लोंग । खस । सफेदशुर्म्मा ।
वारिसम्भव, पु० यावनालशर ॥ जुहुरलीशर कुत्रचित् भाषा ।
वारुणी, स्त्री० सुरा । दूर्वा । गण्डदूर्वा । इन्द्रवारुणी । सुराभेद ॥ मदिरा । दूब । गाँडरदूब । इन्द्रायण । मद्यभेद-वारुणी सुरा ।
वारेन्द्र, पु० सिन्दुवारवृक्ष ॥ सह्मालुवृक्ष ।
वार्त्ता, स्त्री० वार्त्ताकु ॥ वेंगन ।
वार्त्ताक, पु० ऐ ।
वार्त्ताकी [न्], पु० ऐ ।
वार्त्ताकी, स्त्री० बृहती । वार्त्ताकु ॥ कटाई । वैंगुन ।
वार्त्ताकु, पु० स्त्री० स्वनामख्यातफलवृक्ष ॥ वैंगन, भंटा ।
वार्त्ताकु, पु० ऐ ।
वार्त्तिक, पु० ऐ ।
वार्द्दर, न० काकचिञ्चा । आम्रबीज ॥ घुँघुची । आमकी गुठली ।

वार्द्धिभव, न० द्रोणीलवण ॥ वरतनका नमक।
वार्द्धेय, न० ऐ।
वार्युद्भव, न० पद्म ॥ कमल।
वार्षिक, न० त्रायमाणा ॥ त्रायमान।
वार्षिकी, स्त्री० त्रायमाणालता। पुष्पवृक्ष विशेष ॥ त्रायमान। रायबेल, बेल।
वार्हत, न० बृहतीफल ॥ बृहतीकाफल।
वाल्कली, स्त्री० मदिरा ॥ मदिरा।
वायव, पु० तुलसी-विशेष ॥ कालीवनतुलसी।
वाशा, स्त्री० वासक ॥ वाँसा।
वाशिका, स्त्री० ऐ।
वाष्पक, पु० मारिषशाक॥ सफेदमरसा, लालमरसा।
वाष्पका, स्त्री० हिंगुपत्री ॥ हीङ्गपत्री।
वाष्पिका, स्त्री० ऐ।
वाष्पी, स्त्री० ऐ।
वाष्पीका, स्त्री० ऐ।
वासः [स्], न० तेजपत्र ॥ तेजपात।
वासक, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ वाँसा, अडूसा, विसौंटा।
वासका, स्त्री० ऐ।
वासन्त, पु० मुद्ग। कृष्णमुद्ग। मदनवृक्ष ॥ मूंग। काली मूंग। मैनफलवृक्ष।
वासन्ती, स्त्री० माधवी। यूथी। पाटला। नवमल्लिका। गणिकारी पुष्पलता-विशेष ॥ माधवी पुष्पलता। जुहीपुष्प। पाड़र। नेवारी। गणिकारि पुष्पवृक्ष। वासन्ती।
वासा, वासिका स्त्री० वासक ॥ अडूसा।
वासिनी, स्त्री० शुक्लझिण्टी ॥ सफेदकटसरैया।
वासिष्ठ, न० रुधिर ॥ रुधिर।
वासुदेवप्रियंकरी, स्त्री० शतावरी ॥ शतावर।
वास्तु, न० वास्तूकशाक ॥ वथुआशाक।
वास्तुक, न० ऐ।
वास्तुकाकारा, स्त्री० पालङ्कयशाक ॥ पालराका शाक।
वास्तुकी, स्त्री० चिल्लीशाक ॥ चिल्ली, चिलारीशाक।
वास्तूक, न० पत्रशाक-विशेष ॥ वथुआशाक।
वास्येय, पु० नागकेशर ॥ नागकेशर।
वाह, पु० परिमाण-विशेष ॥ १२८ सेर परिमाण।
वाहस, पु० सुनिषण्णक ॥ चौपतिया शिरीआरी शाक।
वाहुमूल, न० कक्ष ॥ कोख, वगल।
वाहुवार, पु० श्लेष्मान्तकवृक्ष ॥ लिसोडा, निसोरे।
वाह्लिका, स्त्री० मत्स्याक्षी ॥ मछेछी।
वाह्लिक, वाह्लीक, न० कुङ्कुम। हिङ्गु ॥ केशर। हींग।
विकङ्कट, पु० गोक्षुर ॥ गोखरू।
विकङ्कत, पु० वृक्ष-विशेष ॥ कण्टाई, विकङ्कत।
विकङ्कता, स्त्री० अतिबला ॥ कंगइ, कंघी।
विकचा, स्त्री० महाश्रावणिका॥बडी गोरखमुण्डी।
विकट, पु० विस्फोट। साकुरुण्डवृक्ष ॥ फोडा सकुरुण्डर गुजराती भाषा।
विकण्टक, पु० यवास। वृक्ष-विशेष ॥ जवासा। विकण्टकवृक्ष।
विकर्त्तन, पु० अर्कवृक्ष ॥ आककापेड।
विकषा, स्त्री० मञ्जिष्ठा। मांसरोहिणी ॥ मजीठ। रोहिणी।
विकसा, स्त्री० मञ्जिष्ठा ॥ मजीठ।
विकस्वरा, स्त्री० रक्तपुनर्नवा ॥ गदहपूर्ना। सौंठ।
विकीर्ण, पु० अर्कवृक्ष ॥ आककापेड।
विकीर्णरोम [न्], न० स्थौणेय ॥ थुनेर।
विकीर्णसंज्ञ, न० ऐ।
विगन्धक, पु० इङ्गुदीवृक्ष ॥ हिङ्गोटवृक्ष।
विगंधिका, स्त्री० हपुषा ॥ हाऊवेर।
विघस, न० शिक्थ ॥ मोम।
विघ्न, पु० कृष्णपाकफल ॥ करोंदावृक्ष।
विघ्नेशानकान्ता, स्त्री० श्वेतदूर्वा ॥ सफेददूव।
विचकिल, पु० मदनवृक्ष ॥ मैनफलवृक्ष।
विचर्च्चिका, स्त्री० स्वल्पकुष्ठरोग-विशेष ॥ एक प्रकारका छोटा कोढ।
विचक्षणा, स्त्री० नागदन्ती ॥ हाथीशुण्डवृक्ष।
विचित्रक, पु० भूर्जवृक्ष ॥ भोजपत्रवृक्ष।
विचित्रा, स्त्री० मृगेर्वारु ॥ सैंधिनी।
विजया, स्त्री० क्षुद्राग्निमन्थ। जयन्तीवृक्ष। वचा। हरीतकी। शेफालिका। मञ्जिष्ठा। शमीभेद। अग्निमन्थ। मादकद्रव्य-विशेष ॥ छोटी अरणी। जयन्तीवृक्ष, जैत्। वच। हरड। निर्गुण्डीभेद। मजीठ। छौकराभेद। अरणी। भङ्ग, भाङ्ग,-सिद्धि वङ्गभाषा।
विजुल, पु० शाल्मलीकन्द ॥ सैमलकी मूल।
विज्जुल, न० त्वच ॥ दालचीनी।
विज्जुलिका, स्त्री० जतुका नाम्नी मालवदेशीयलता ॥ जतुका।
विज्ञबुद्धि, स्त्री० जटामांसी ॥ वालछड, जटामांसी।
विट, पु० लवण-विशेष। खदिर-विशेष। नारङ्गवृक्ष

विरियासौंचरनोन । दुर्गंधखैर । नारङ्गीकापेड ।
विटप, पु० आदित्यपत्र ॥ अर्कपत्र-सूर्य्यफूल मराठी भाषा ।
विटपी, [न्] पु० वटवृक्ष ॥ वडकापेड ।
विटप्रिय, पु० मुद्गरवृक्ष ॥ मोगरावृक्ष ।
विटमाक्षिक, पु० धातु-विशेष ॥
विटलवण, न० बिड नाम लवण ॥ विरियासौंचरनौन ।
विटि, स्त्री० पीतचन्दन ॥ पीलाचन्दन ।
विट्, [स] स्त्री० विष्ठा ॥ विष्ठा, मल ।
विट्खदिर, पु० खदिर-विशेष ॥ दुर्गंधखैर ।
विड, न० विटलवण ॥ विरिया सौंचरनोन ।
विडङ्ग, न० पु० स्वनामख्यातवणिग्द्रव्य ॥ वायविडङ्ग ।
विडङ्गा, स्त्री० विडङ्ग ॥ वायविडङ्ग ।
विडालक, न० हरिताल ॥ हरताल ।
विडालपद, पु० कर्षपरिमाण ॥ २ तोले ।
विडालपदक, न० ऐ ।
विडाली, स्त्री० विदारी ॥ विलारीकन्द, विदारीकन्द ।
विडुल, पु० वेतसवृक्ष ॥ वैंतवृक्ष ।
विड् [ष्], स्त्री० पुरीष ॥ विष्ठा ।
विड्गन्ध, न० विटलवण ॥ विरिया सौंचरनोन ।
विडलवण, न० ऐ ।
वितण्डा, स्त्री० कची । शिलाह्वय ॥ अरुई । मनशिल ।
वितानक, पु० माडवृक्ष ॥ माडविन कोकण देशीय भाषा ।
वितानमूलक, न० उशीर ॥ खस ।
वितुन्न, न० सुनिषण्णक । शैवाल ॥ शिरिआरीशाक । शिवार ।
वितुन्नक, न० धान्यक । तुत्थ ॥ धनिया । तूतिया ।
वितुन्नक, पु० आमलकी ॥ आमला ।
वितुन्ना, स्त्री० भूम्यामलकी ॥ भुईआमला ।
वितुन्निका, स्त्री० ऐ ।
विथ्या, स्त्री० गोजिह्वा ॥ गायकी जीभ ।
विदर, न० विश्वसारक ॥ फणिमनसावङ्गभाषा ।
विदल, न० द्विधाकृतकलायादि । दाडिमकल्क ॥ हाल । अनारकी छाल ।
विदल, पु० रक्तकाञ्चनपुष्पवृक्ष ॥ लालकचनारका पेड ।
विदला, स्त्री० त्रिवृता ॥ निसोत ।
विदारक, न० वज्रक्षार ॥ वज्रखार ।
विदारण, पु० कर्णिकारवृक्ष ॥ कनेरका पेड ।
विदारिका, स्त्री० शालपर्णी ॥ शालवन ।
विदारिणी, स्त्री० काश्मरी ॥ खुमेर, कुम्भेर ।
विदारी, स्त्री० भूमिकुष्माण्ड । शालपर्णी । कंठरोग-विशेष ॥ विदारीकन्द । शालवन । एकप्रकारका कण्ठरोग ।
विदारीगन्धा, स्त्री० शालपर्णी ॥ सरिवन ।
विदुल, पु० वेतस । अम्बुवेतस । गन्धरस ॥ वैंत । जलवैंत । बोल ।
विद्धकर्ण, पु० पाठा ॥ पाठ ।
विद्धकर्णा, स्त्री० ऐ ।
विद्धकर्णिका, स्त्री० ऐ ।
विद्धकर्णी, स्त्री० ऐ ।
विद्या, स्त्री० गणिकारिकावृक्ष ॥ अरणी, अगेथुवृक्ष।
विद्यादल, पु० भूर्ज्जपत्रवृक्ष ॥ भोजपत्रवृक्ष ।
विद्युज्ज्वाला, स्त्री० कलिकारीवृक्ष ॥ कलिहारी वृक्ष ।
विद्युत्प्रिय, न० कांस्य ॥ काँसा ।
विद्रधि, पु० रोग-विशेष ॥ एकप्रकारका फोडा ।
विद्रधिनाशन, पु० शोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैंजिनेका पेड ।
विद्रुम, पु० न० प्रवाल । किसलय ॥ मूँगा । नवीनपत्ते ।
विद्रुमलता, स्त्री० नलिकानामगन्धद्रव्य ॥ नली ।
विद्रुमलतिका, स्त्री० ऐ ।
विधाता [ऋ], पु० मदिरा ॥ सुरा, मद्य ।
विधात्री, स्त्री० पिप्पली ॥ पीपल ।
विधु, पु० कर्पूर ॥ कपूर ।
विनद, पु० सप्तपर्णवृक्ष ॥ सतोना ।
विनम्रक, न० तगर ॥ पिण्डी तगर कोकणदेशीयभाषा ।
विनम्रा, स्त्री० वाट्यालक ॥ खरैंटी, वरियाला ।
विनारुहा, स्त्री० त्रिपर्णिका ॥ त्रिपर्णिका कन्द ।
विन्दुपत्र, पु० भूर्जवृक्ष ॥ भोजपत्रवृक्ष ।
विन्धपत्री, स्त्री० ज्वरापहा॥ बिल्वपत्री । बेलपत्री।
विन्ध्या, स्त्री० लवलीवृक्ष । एला ॥ हरपारेवडी । इलायची ।
विन्याक, पु० सप्तपर्णवृक्ष ॥ सतिवन ।
विपर्णक, पु० पलाशवृक्ष ॥ ढाकका वृक्ष ।
विपाक, पु० जठराग्नियोगे अम्ललवणादिरसपरिणाम।
विपादिका, स्त्री० कुष्ठरोग-विशेष ॥ एकप्रकारका कोढ ।

विपिनतृप, पु० स्वर्णालुवृक्ष ॥ सोनालु, रैवतवृक्ष ।
विपुलरस, पु० इक्षु ॥ ईख ।
विपुलास्रवा, स्त्री० गृहकन्या ॥ घीकुवार ।
विपूय, पु० मुञ्ज ॥ मूँज ।
विप्र, पु० अश्वत्थवृक्ष । ब्रह्मयष्टि ॥ पीपलकापेड । ब्रह्मनेटि, भारङ्गी ।
विप्रकाष्ठ, न० तूलवृक्ष ॥ सहतूतवृक्ष ।
विप्रप्रिय, पु० पलाशवृक्ष ॥ ढाककापेड ।
विप्रलोभी[न्], पु० किकिरातवृक्ष ॥ किंकिरातवृक्ष
विफला, स्त्री० केतकी ॥ केतकी ।
विबन्ध, पु० आनाहरोग । आमके बिगडनेसे होताहै।
विभाकर, पु० अर्कवृक्ष । चित्रकवृक्ष ॥ आकका पेड । चीतावृक्ष ।
विभाण्डी, स्त्री० आवर्त्तकी लता॥भगवतवल्ली कोंकणदेशीयभाषा ।
विभावरी, स्त्री० हरिद्रा । मेदा ॥ हलदी । मेदा ।
विभावसु, पु० अर्कवृक्ष । चित्रकवृक्ष ॥ आककापेड । चीतेका पेड ।
विभीत, विभीतक, विभीतकी } त्रि० वृक्ष-विशेष बहेडावृक्ष ।
विभीषण, पु० नलतृण ॥ नरसल ।
विमर्द्द, पु० कालङ्कत ॥ कसौंदी वृक्ष ।
विमर्द्दक, पु० चक्रमर्द्द ॥ पमाड, चकवड ।
विमल, न० उपरस-विशेष । स्वच्छ धातु॥ निर्म्मल ।
विमला, स्त्री० सप्तला तारमाक्षिक ॥ सातलावृक्ष । सोनामाखीभेद ।
विम्ब, विम्बक, न० विम्बिकाफल ॥ कन्दूरी ।
विम्बजा, स्त्री० ऐ ।
विम्बट, पु० सर्षप ॥ सर्सों ।
विम्बा, स्त्री० विम्बी ॥ कन्दूरी ।
विम्बिका, स्त्री० ऐ ।
विम्बी, स्त्री० ऐ ।
विम्बु, स्त्री० गुवाक ॥ सुपारी ।
विरङ्ग, न० कङ्कुष्ठ ॥ मुरदासिंग ।
विरजा, स्त्री० दूर्वा । कपित्थपर्णी ॥ दूब । कपित्थानी ।
विरण, न० वीरणतृण ॥ वीरन, खस ।
विरल, न० दधि ॥ दही ।
विरलद्रवा, स्त्री० पलक्ष्मयवागू ॥ उत्तमयवागू ।
विरूप, न० पिप्पलीमूल ॥ पीपलामूल ।
विरूप, पु० सर्ज्जरस ॥ राल ।
विरूपा, स्त्री० दुरालभा । अतिविषा ॥ धमासा । अतीस ।
विरेचक, त्रि० मलभेदक औषधादि ॥ जुलाब । अरबी भाषा ।
विरेचन, पु० पीलुवृक्ष ॥ पीलुवृक्ष ।
विरोचन, पु० अर्कवृक्ष । रोहितकवृक्ष । श्योनाकप्रभेद । घृतकरञ्ज ॥ आककापेड । रोहेडावृक्ष । शोनापाठा । घृतकरञ्ज ।
विल, पु० वेंतस ॥ वेंत ।
विलला, स्त्री० श्वेतबला ॥ खरैंटी ।
विलेपी, स्त्री० यवागू-विशेष ॥ चतुर्गुण जलमें सिद्ध अन्न ।
विलोमी, स्त्री० आमलकी ॥ आमला ।
विल्ल, न० हिङ्गु ॥ हींग ।
विल्लमूला, स्त्री० वाराहीकन्द ॥ गेंठी ।
विल्व, न० बिल्वफल । पलपरिमाण ॥ वेलफल । आठ ८ तोले ।
विल्व, पु० फलवृक्ष-विशेष ॥ वेलकापेड ।
विल्वपेषिका, स्त्री० शुष्कबिल्वखण्ड ॥ बेलका सूखा गूदा ।
विल्वा, स्त्री० हिङ्गुपत्री ॥ हीङ्गपत्री ।
विवस्वा [न्], पु० अर्कवृक्ष ॥ आककापेड ।
विवृता, स्त्री० क्षुद्ररोग-विशेष ।
विवृत्ता, स्त्री० ऐ ।
विश, न० मृणाल ॥ कमलकी नाल ।
विशल्यकरणी, स्त्री० पुष्पवृक्ष-विशेष ।
विशल्यकृत, पु० विशालीवृक्ष ॥ हापरमालीरगाछ वङ्गभाषा ।
विशल्या, स्त्री० गुडूची । कलिकारी । दन्तीवृक्ष । अजमोदा ॥ गिलोय । कलियारी । दन्तीवृक्ष । अजमोद ।
विशाकर, पु० भद्रचूड ॥ लङ्कास्थायीवृक्ष ।
विशाख, पु० पुनर्नवा ॥ सांठ ।
विशाखज, पु० नारङ्ग ॥ नारङ्गीकापेड ।
विशारद, पु० बकुलवृक्ष ॥ मौलासरीकापेड ।
विशारदा स्त्री० क्षुद्रदुरालभा ॥ छोटाधमासा ।
विशाल, पु० वृक्ष-विशेष ॥ नौसरवृक्ष ।
विशालतैलगर्भ, पु० अङ्कोठवृक्ष ॥ ढेरावृक्ष ।
विशालत्वक् [च], पु० सप्तपर्णवृक्ष ॥ सातिवन ।
विशालपत्र, पु० कासालु । श्रीताल ॥ कासआलु श्रीताड ।
विशालफलिका, स्त्री० हरित्वर्णनिष्पावी ॥ निष्पावीभेद ।
विशाला, स्त्री० इन्द्रवारुणी । महेन्द्रवारुणी । उपोदकी ॥ इन्द्रायण । बडी इन्द्रफला । पोई ।
विशालाक्षी, स्त्री० नागदन्ती ॥ हाथीशुण्ड ।

विशाली, स्त्री० अजमोदा ॥ अजमोद ।
विशिख, पु० शरतृण ॥ रामशर ।
विशीर्णपर्ण, पु० निम्बवृक्ष ॥ नीमकापेड ।
विशेषक, पु० तिलकवृक्ष ॥ तिलकवृक्ष ।
विशोक, पु० अशोकवृक्ष ॥ अशोकवृक्ष ।
विशोधिनी, स्त्री० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष ।
विशोधिनी, स्त्री० नागदन्ती ॥ हाथीशुण्डावृक्ष ।
विशोधिनीबीज, न० जयपाल ॥ जमालगोटा ।
विश्व, न० शुण्ठी । बोल ॥ सोंठ । बोल ।
विश्व, पु० शुण्ठी । परिमाण-विशेष ॥ सोंठ । २०० तोले ।
विश्वक्सेना, स्त्री० प्रियङ्गुवृक्ष ॥ फूलप्रियङ्गु ।
विश्वगन्ध, न० बोल ॥ बोल ।
विश्वगन्ध, पु० पलाण्डु ॥ प्याज ।
विश्वग्रन्थि, स्त्री० हंसपदी॥ लाल रङ्गका लज्जालु ।
विश्वदेवा, स्त्री० ह्रस्वगवेधुका । अरुणपुष्पदण्डोत्पल ॥ गंगेरन । लाल फूलका दण्डोत्पल ।
विश्वपर्णी, स्त्री० भुई आमला ।
विश्वभेषज, न० शुण्ठी ॥ सोंठ ।
विश्वरूपक न० कृष्णागरु ॥ कालीअगर ।
विश्वरोचन, पु० नाडीचशाक ॥ नाडीकाशाक ।
विश्वसारक, न० विदरवृक्ष ॥ फणिमनसा वङ्गभाषा ।
विश्वस्था, स्त्री० शतावरी ॥ शतावर ।
विश्वा, स्त्री० अतिविषा । पिप्पली । शतावरी ॥ अतीस । पीपल । शतावर ।
विश्वामित्रकलाय, न० नारिकेलफल ॥ नारियल ।
विश्वामित्रप्रिय, पु० नारिकेलवृक्ष ॥ नारियलका पेड ।
विश्वौषध, न० शुण्ठी ॥ सोंठ ।
विष, न० पु० विषमात्र । पद्मकेशर । बोल । वत्सनाभ ॥ विष । कमलकेशर । बोल गन्धद्रव्य । वत्सनाभविष ।
विषकण्टकिनी, स्त्री० वन्ध्याकर्कोटकी ॥ वाँझखखसा । वनककोडा ।
विषकन्द, पु० नीलकन्द ॥ मैंसाकन्द ।
विषघा, स्त्री० गुडूची ॥ गिलोय ।
विषघाती [न्], पु० शिरीषवृक्ष ॥ सिरसका वृक्ष ।
विषघ्न, पु० शिरीषवृक्ष । यवास । विभीतक । चम्पकवृक्ष । तण्डुलीय ॥ सिरसकापेड । जवासा । बहेडावृक्ष । चम्पावृक्ष । चौलाईका शाक ।
विषघ्नी, स्त्री० हिलमोचिका । इन्द्रवारुणी । वनबर्धिका । स्वल्पफला । भूम्यामलकी । रक्तपुनर्नवा । हरिद्रा । वृश्चिकाली । महाकरञ्ज ॥ हुलहुलशाक । इन्द्रायण । वनतुलसीभेद । हाऊबेर । भुई आमला । सोँठ । हलदी । वृश्चिकाली । बडीकरञ्ज ।
विषजिह्व, पु० देवताडवृक्ष ॥ देवताडवृक्ष ।
विषण्ड, न० मृणाल ॥ कमलकी नाल ।
विषतरु, पु० फलवृक्ष-विशेष ॥ कुचिलावृक्ष ।
विषतिन्दु, पु० कारस्करवृक्ष । कुपीलु ॥ कुचिलाकावृक्ष । मकरतैंदुआ ।
विषद, न० पुष्पकासीस ॥ पुष्पकसीस ।
विषदंष्ट्रा, स्त्री० सर्पकंकालिका ॥ सर्पकंकाली ।
विषद्रुम, पु० कारस्करवृक्ष ॥ कुचिलावृक्ष ।
विषधर्म्मा, स्त्री० कुलक्षया ॥ किवाँच ।
विषनाशन, पु० शिरीषवृक्ष ॥ सिरसकापेड ।
विषनाशिनी, स्त्री० सर्पकंकाली ॥ सर्पकंकाली वृक्ष । गन्धनाकुली । नाई ।
विषनुत, पु० श्योनाकवृक्ष ॥ शोनापाठा ।
विषपुष्प, न० नीलपद्म ॥ नीलकमल ।
विषपुष्प, पु० मदनवृक्ष ॥ मैनफलवृक्ष ।
विषपुष्पक, पु० ऐ ।
विषमच्छद, पु० सप्तच्छदवृक्ष ॥ सतिवन ।
विषमज्वर, पु० ज्वररोग-विशेष ॥ विषमज्वर ।
विषमर्द्दनिका, स्त्री० गन्धनाकुली॥नाकुलीकन्द ।
विषमर्द्दनी, स्त्री० ऐ ।
विषमुष्टि, पु० क्षुप-विशेष ॥ डोडी ।
विषरूपा, स्त्री० अतिविषा ॥ अतीस ।
विषल, न० विष ॥ विष । जहर, फारसीभाषा ।
विषलता, स्त्री० इन्द्रवारुणी ॥ इन्द्रायण ।
विषवैरिणी, स्त्री० निर्व्विषा ॥ निर्व्विषीघास ।
विषशालूक, पु० पद्मकन्द ॥ कमलकन्द ।
विषहन्त्री, स्त्री०अपराजिता । निर्व्विषा ॥ कोपल-निर्व्विषीघास ।
विषहा, स्त्री० देवदालीलता । निर्व्विषा॥घघरबेल । बंदाल । निर्व्विषीघास ।
विषा, स्त्री० अतिविषा ॥ अतीस ।
विषाख्या, स्त्री० ऐ ।
विषाण, न० कुष्ठौषध । पशुशृंग ॥ कूठ औषधी । पशुकेशींग । मेंठासींगी ।
विषाणिका, स्त्री० मेषशृङ्गी । सातला । कर्कटशृङ्गी । आवर्त्तकी ॥ मेढाशिङ्गी । सातला+थूहरभेद । काकडासिङ्गी । भगवतवल्ली । कोंकणदेशकीभाषा ।

विषाणी, स्त्री० क्षीरकाकोकी । अजशृङ्गी । वृश्चिकाली । तिन्तिडी ॥ क्षिरकाकोली । मेढाशिंगी । वृश्चिकाली औषधी । इमली ।

विषाणी, [न्]पु० ऋषभक॥शृङ्गाटक ॥ ऋषभक औषधी । सिङ्घाडे ।

विषादनी, स्त्री० पलाशीलता ॥ पलाशीलता ।

विषापह, पु० मुष्ककवृक्ष ॥ मोखावृक्ष ।

विषापहा, स्त्री० इन्द्रवारुणी । निर्विषा। नागदमनी। अर्कपत्रा । सर्पकङ्कालिका ॥ इन्द्रायण । निर्विषीघास । नागदौन । अर्कमूला । सर्पकङ्काली ।

विषाभावा, स्त्री० निर्विषा ॥ निर्विषीघास ।

विषाराति, स्त्री० कृष्णधत्तूर ॥ काला धतूरा ।

विषारि, पु० महाचञ्चुशाक । घृतकरञ्ज॥बडा चेंचुनाशाक । घृतकरञ्ज ।

विषास्या, स्त्री० भल्लातक ॥ भिलावेका पेड ।

विषौषधी, स्त्री० नागदन्ती ॥ नागदन्ती, हाथीशुण्डवृक्ष ।

विष्टम्भ, पु० आनाहरोग । आमके दस्त दर्दसे आते हैं ।

विष्टरा, स्त्री० गुण्डासिनी ॥ गुंडासिनी तृण ।

विष्टरुहा, स्त्री० स्वर्णकेतकी ॥ पीलीकेतकी ।

विष्णुकन्द, पु० मूलविशेष ॥ विष्णुकन्द ।

विष्णुक्रान्ता, स्त्री० अपराजिता ॥ कोयल, विष्णुक्रान्ता ।

विष्णुगुप्त, पु० विष्णुकन्द ॥ विष्णुकन्द ।

विष्णुगुप्तक, न० चाणक्यमूलक ॥ छोटीमूली ।

विष्णुपद, न० पद्म ॥ कमल ।

विष्णुवल्लभा, स्त्री० तुलसी । अग्निशिखा वृक्ष ॥ तुलसी । अग्निशिखा वृक्ष ।

विष्वक्सेनप्रिया, स्त्री० वाराही ॥ वाराहीकन्द ।

विष्वक्सेना, स्त्री० प्रियङ्गु ॥ फूलप्रियङ्गु ।

विस, न० मृणाल ॥ कमलकी नाल ।

विसकुसुम, न० पद्म ॥ कमल ।

विसङ्कट, पु० इङ्गुदीवृक्ष ॥ हिङ्गोट वृक्ष ।

विसज, न० पद्म ॥ कमल ।

विसप्रसून, न० ऐ ।

विसर्प, पु० रोग-विशेष ॥ विसर्प रोग । यह सात प्रकारका होता है ।

विसर्पिणी, स्त्री० यवतिक्तालता ॥ यवेची ।

विसारिणी, स्त्री० माषपर्णी ॥ मषवन ।

विसिनी, स्त्री० मृणाल ॥ कमलकीडंडी ।

विसूचिका, स्त्री० अजीर्ण रोग-विशेष । हैजा फारसीभाषा ।

विसूची, स्त्री० ऐ ।

विस्तीर्णपर्ण, न० माणक ॥ मानकन्द ।

विस्फुलिङ्ग, पु० विषभेद ।

विस्फोटक, पु० विरुद्ध स्फोटक ॥ फोडा, पिरकी । जिसको लोक माता कहतेहैं ।

विस्रगन्धा, स्त्री० हपुषा ॥ हाऊवेर ।

विस्रगंधी, पु० हरिताल ॥ हरताल ।

विस्रा, स्त्री० हपुषा ॥ हाऊवेर ।

विहङ्ग, पु० स्वर्णमाक्षिक ॥ सोनामाखी ।

विक्षीर, पु० अर्कवृक्ष ॥ आकका पेड ।

वीङ्खा,स्त्री० शूकशिम्बी ॥ कौंछ।

वीज, न० शुक्र ॥ वीर्य्य ।

वीजक, पु० मातुलुङ्गक । वृक्ष-विशेष ॥ विजयसार । विजोरा नींबु ।

वीजकोश [**ष**], पु० पद्मबीजाधार चक्रिका । शृङ्गाटक ॥ कमल गटेका घर, सिङ्घाडे ।

वीजगर्भ, पु० पटोल ॥ परवल ।

वीजगुप्ति, स्त्री० शिम्बी ॥ सेम ।

वीजधान्य, न० धन्याक ॥ धनिया ।

वीजपादप, पु० भल्लातक ॥ भिलावेका पेड ।

वीजपुष्प, न० मरुवक । मदन वृक्ष ॥ मरुआवृक्ष । मैनफल ।

वीजपुष्प, पु० यावनाल ॥ पुनेरा ।

वीजपूर, पु० फलपूर वृक्ष ॥ विजोरा नींबु ।

वीजपेशिका, स्त्री० अण्डकोश । अण्डकोश ।

वीजफलक, पु० वीजपूर ॥ विजोरानींबु ।

वीजमातृका, स्त्री० पद्मबीज ॥ कमलगट्टा ।

वीजरत्न, पु० माष ॥ उडद ।

वीजरेचन, न० जयपाल ॥ जमालगोटा ।

वीजवृक्ष, पु० अशन वृक्ष ॥ आसन वृक्ष ।

वीजसार, न० विडङ्ग ॥ वायविडङ्ग ।

वीजाम्ल, न० वृक्षाम्ल । विषाबिल ।

वीतशोक, पु० अशोक वृक्ष ॥ अशोक वृक्ष ।

वीर, न० शृङ्गी । मरिच । पुष्करमूल । काञ्जिक । उशीर । आरूक ॥सींगी । मिरिच । पोहकर मूल। काँजि । खस । आरूक वृक्ष ।

वीर, त्रि० पीतझिण्टी । तण्डुलीय । वाराहीकन्द । लताकरञ्ज । करवीर वृक्ष । अर्ज्जुन वृक्ष ॥ पीलीकटसरैया । चौलाईका शाक । वाराहीकन्द । लताकरञ्ज । कनेर वृक्ष । कोहवृक्ष ॥

वीर, पु०पीतझिण्टी । काकोली ॥ पीले फूलकी कटसरैया । काकोली औषधी ।

वीरक, पु० करवीर ॥ कनेरका पेड ।

वीरकन्द, पु० न० सुधामूली ॥ सालव मिश्री

वीरण, न० वीरतर ॥ वीरनमूल, भाँडर । खस ।
वीरतर, न० ऐ ।
वीरतर, पु० शर ॥ रामसर ।
वीरतरु, पु० अर्ज्जुन वृक्ष । कोकिलाक्ष वृक्ष । बिल्वान्तर वृक्ष । भल्लातक वृक्ष ॥ कोहवृक्ष । तालमखाना । बेलन्तर वृक्ष+वरवेल । भिलावेका पेड ।
वीरपत्रा, स्त्री० विजया ॥ भङ्ग ।
वीरपर्ण, न० सुरपर्ण ॥ माचीपत्र ।
वीरपुष्पी, स्त्री० सिन्दूरपुष्पी ॥ सिन्दूरिया ।
वीरभद्र, पु० वीरण ॥ वीरन ।
वीरभद्रक, न० ऐ० ।
वीररजः [स्], न० सिन्दूर ॥ सिन्दूर ।
वीरवती, स्त्री० मांसरोहिणी ॥ मांसरोहिणी ।
वीरवृक्ष, पु० भल्लातक । अर्ज्जुनवृक्ष । बिल्वान्तर वृक्ष । देवधान्य वृक्ष ॥
भिलावेका पेड । कोहवृक्ष । सांवा, समा, समेके चावल ।
वीरसेन, न० आरूक वृक्ष ॥ आरूवृक्ष-यह हिमालयमें होता है ।
वीरा, स्त्री० मुरा नामक गन्धद्रव्य । क्षीरकाकोली। तामलकी । एलवालुक । कदली । विदारी । दुग्धिका । मलयू । क्षीरविदारी । काकोली । महाशतावरी । घृतकुमारी । ब्राह्मी । अतिविषा । मदिरा । शिंशपा वृक्ष । गम्भारी । पृश्निपर्णी ॥ कपूर कचरी, एकाङ्गी । क्षीरकाकोली औषधी । भुई आमला । एलुआ । केला । विदारीकन्द । दूधिया । कठूमर । दूधविदारी । काकोली बडी शतावर । घीकुवार । ब्रह्मीघास । अतीस । मद्य । सीसोंका पेड । कम्भारि, कुम्भेर । पिठवन ।
वीराम्ल, पु० अम्लवेतस ॥ अम्लवेंत ।
वीरारुक, न० आरूक वृक्ष ॥ आरूक वृक्ष ।
वीरास्राव, पु० महासार ॥ कुमारीसार ।
वीर्य्य, न० चर्म्मधातु+शुक्र ॥ वीर्य-बीज ।
वृकधूप, पु० नाना सुगन्धि द्रव्यकृत दशाङ्गादि धूप । सरल वृक्षरस । तुरुष्क ॥ अनेक प्रकारके सुगन्ध पदार्थोंसे बनाई हुई दशाङ्गादि धूप । सरलका गोंद । शिलारस ।
वृका, स्त्री अम्बष्ठा ॥ पाढ ।
वृकाक्षी, स्त्री० त्रिवृत् ॥ निसोत ।
वृकी, स्त्री० पाठा ॥ पोठ ।
वृतपत्रा, स्त्री० पुत्रदात्रीलता ॥ पुत्रदात्रीलता ।
वृत्तिङ्कर, पु० विकङ्कत वृक्ष ॥ विकङ्कत कण्टाई ।

वृत्तकर्कटी, स्त्री० षड्भुजा ॥ खरबूजा ।
वृत्तगुण्ड, पु० तृण-विशेष ॥ दीर्घनाल ।
वृत्ततण्डुल, पु० यावनाल ॥ जुआर ।
वृत्तनिष्पाविका, स्त्री० नख निष्पावी ॥ एक प्रकारकी सेम ।
वृत्तपर्णी, स्त्री० महाशणपुष्पिका । पाठा ॥ बडी शणपुष्पी । पाठ ।
वृत्तपुष्प, पु० शिरीष । कदम्ब। वानीर । कुब्जक। मुद्गर ॥ शिरसका पेड । कदमका पेड । जलवेंत । कूँजावृक्ष । मोगरावृक्ष ।
वृत्तफल, न० मरिच ॥ मिरच ।
वृत्तफल, पु० दाडिम । बदर ॥ अनार । वेर ।
वृत्तफला, स्त्री०वार्ताकी । शशाण्डुली ।आमलकी॥ बैंगन । एक प्रकारकी ककडी । आमला ।
वृत्तमल्लिका, स्त्री० श्वेतार्क । मोदिनी ॥ सफेद आक वृक्ष, मोदिनी पुष्प वृक्ष, वह एकप्रकारकी मल्लिका है ।
वृत्तबीज, पु० भिण्डा ॥ भिण्डी ।
वृत्तबीजका, स्त्री० पाण्डुरफली ॥ पाण्डुफली ।
वृत्तबीजा, स्त्री० आढकी ॥ अडहर ।
वृत्ता, स्त्री० झिञ्झिरिष्टा । रेणुका । प्रियङ्गु । मांसरोहिणी ॥ झिञ्झिरीठा । रेणुका । फूलप्रियङ्गु । मांसरोहिणी ।
वृत्तेर्वारु, पु० षड्भुजा ॥ खरबूजा ।
वृद्ध, न० शैलेयनामक गन्ध द्रव्य ॥ भूरि छरीला ।
वृद्ध, पु० वृद्धदारक ॥ विधारा ।
वृद्धदारक, पु० वृक्ष-विशेष ॥ विधारा वृक्ष ।
वृद्धदारु, न० ऐ ।
वृद्धबला, स्त्री० महासमङ्गा ॥ कगहिया ।
वृद्धराज, पु० अम्लवेतस ॥ अम्लवैंत ।
वृद्धवाहन, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमका पेड ।
वृद्धविभीतक, पु० आम्रातक ॥ अम्बाडा ।
वृद्धा, स्त्री० महाश्रावणिका ॥ बडी गोरखमुण्डी ।
वृद्धि, स्त्री० अष्टवर्गान्तर्गत औषधी-विशेष ॥ वृद्धि औषधी ।
वृद्धिका, स्त्री० ऐ ।
वृद्धिद, पु० जीवक । शूकर कन्द ॥ जीवक औषधी । वाराहीकन्द ।
वृन्ताक, पु० वार्त्ताकी । बैंगन ।
वृन्ताकी, स्त्री० ऐ ।
वृन्तितत्वा, स्त्री० कटुका ॥ कुटकी ।
वृन्दा, स्त्री० तुलसी ॥ तुलसी ।
वृश, पु० वासक ॥ अडूसा । वसौंटा ।
वृशा, स्त्री० औषधि-विशेष ।

वृश्चिक, पु० औषधिभेद । मदनवृक्ष । मैनफल वृक्ष ।
वृश्चिकप्रिया, स्त्री० पूतिका ॥ पोईका शाक ।
वृश्चिककर्णी, स्त्री० आखुकर्णी, ॥ मूसाकानी ।
वृश्चिका, स्त्री० क्षुद्र क्षुप विशेष ॥ बिछुवा घास ।
वृश्चिकाली, स्त्री० क्षुप-विशेष ॥ वृश्चिकाली ।
वृश्चिपत्री, स्त्री० ऐ ।
वृश्चीर, पु० श्वेतपुनर्नवा ॥ विषखपरा ।
वृष, पु० वासक । ऋषभक ॥ अडूसा । ऋषभकौषधी ।
वृषकर्णी, स्त्री० सुदर्शना ॥ सुदर्शन ।
वृषगन्धा, स्त्री० वस्त्रान्त्री ॥ छगलान्त्री ।
वृषण, पु० अण्डकोश ॥ अण्डकोष ।
वृषणकच्छु, पु० क्षुद्ररोग विशेष ।
वृषध्वाङ्क्षी, स्त्री० नागरमुस्ता ॥ नागरमोथा ।
वृषनाशन, पु० विडङ्ग । वायविडङ्ग ।
वृषपत्रिका, स्त्री० वस्त्रान्त्री ॥ छगलान्त्री ।
वृषपर्णी, स्त्री० आखुकर्णी ॥ मूसाकर्णी ।
वृषपर्वा [न्], पु० कशेरु ॥ कशेरू ।
वृषभ, पु० ऋषभक । कर्कटक शृङ्गी ॥ ऋषभक औषधी । काकडाशिङ्गी ।
वृषभाक्षी, स्त्री० इन्द्रवारुणी ॥ इन्द्रायण ।
वृषाल, पु० गृञ्जन ॥ गाजर ।
वृषा, स्त्री० मूषिकपर्णी । कपिकच्छु ॥ मूसाकानी ॥ कौंछ ।
वृषाकपायी, स्त्री० जीवन्ती । शतावरी ॥ जीवन्ती । शतावर ।
वृषाकर, पु० माष ॥ उडद ।
वृषाङ्क, पु० भल्लातक ॥ भिलावा ।
वृष्टिघ्नी, स्त्री० भृङ्गपर्णिका ॥ छोटी इलायची ।
वृष्य, न० वाजीकर औषधादि ॥ शुक्रबढानेवाली औषधी ।
वृष्य, पु० माष ॥ उडद ।
वृष्यकन्दा, स्त्री० विदारी ॥ विदारीकन्द ।
वृष्यगन्धा, स्त्री० वृद्धदारक ॥ विधारा ।
वृष्यगन्धिका, स्त्री० अतिबला ॥ कंघई ।
वृष्यवल्लिका, स्त्री० विदारी ॥ विदारीकन्द ।
वृष्या, स्त्री० ऋद्धिनामकौषधि । शतावरी । आमलकी । कपिकच्छु । तामलकी ॥ ऋद्धिऔषधी । शतावर । आमला । कौंछ । भुई आमला ।
बृहच्चञ्चु, पु० महाचञ्चुशाक ॥ बडाचञ्चु शाक ।
बृहच्छित, पु० फलपूर ॥ अनार ।
बृहज्जीवन्ती, स्त्री० बृहत् जातीय जीवन्तीलता ॥ बडी जीवन्ती ।
बृहत्तिका, बृहती, स्त्री० क्षुद्र वार्त्ताकी । कण्टकारी ॥ कण्टाई+बरहण्टा । कटेहरी ।
बृहत्कन्द, पु० गृञ्जन । विष्णुकन्द ॥ गाजर । विष्णुकन्द ।
बृहत्ताल, पु० हिन्ताल ॥ एकप्रकारका ताड ।
बृहत्तिक्ता, स्त्री० पाठा ॥ पाठ ।
बृहत्तृण, पु० वंश ॥ बाँस ।
बृहत्त्वक् [च्], पु० ग्रहनाशन वृक्ष ॥ सतिवन ।
बृहत्पत्र, पु० हस्तिकन्द ॥ हस्तिकन्द ।
बृहत्पत्रिका, स्त्री० त्रिपर्णिका ॥ त्रिपर्णिका कन्द ।
बृहत्पाटलि, पु० धत्तूर ॥ धत्तूरा ।
बृहत्पाद, पु० वटवृक्ष ॥ वड्का पेड ।
बृहत्पारेवत, पु० महापारेवत ॥ बडा पारेवत ।
बृहत्पाली [न्], पु० वनजीरक ॥ वनजीरा ।
बृहत्पीलु, पु० महापीलु ॥ बडापीलू वृक्ष ।
बृहत्पुष्पा, स्त्री० घण्टारवा ॥ शणहुली, शणई, चणई, झनझनिया ।
बृहत्फल, पु० चचेण्डा । पनस ॥ चिचैंडा । कठैल ।
बृहत्फला, स्त्री० कटुतुम्बी । महेन्द्रवारुणी ॥ कुष्माण्डी । महाजम्बू ॥ कडवीतोम्बी । बडी इन्द्रफला । पेठा । राजजामुन ।
बृहदम्ल, पु० रुजाकर ॥ कमरख ।
बृहदेला, स्त्री० स्थूलैला ॥ बडी इलायची ।
बृहद्गोल, न० शीर्णवृन्त ॥ तरबूज ।
बृहद्दल, पु० पट्टिका लोध्र । हिन्ताल ॥ पठानी लोध । एक प्रकारका ताड ।
बृहद्भानु, पु० चित्रक वृक्ष ॥ चीतेका पेड ।
बृहद्वल्क, पु० पट्टिकालोध्र ॥ पठानी लोध ।
बृहद्वात, पु० अश्मरीहर ।
बृहद्वारुणी, स्त्री० महेन्द्रवारुणी ॥ बडीइन्द्रफला ।
बृहद्बीज, पु० आम्रातक ॥ आम्बाडा ।
बृहन्नल, पु० महापोटगल ॥ बडा नरसल ।
वृक्ष, पु० स्थावर योनि–विशेष ॥ पेड ।
वृक्षक, पु० कुटजवृक्ष ॥ कुडाका पेड ।
वृक्षधूप, पु० श्रीवेष्ट ॥ सरलका गोंद ।
वृक्षनाथ, पु० वटवृक्ष ॥ बडका पेड ।
वृक्षपाक, पु० ऐ ।
वृक्षभक्षा, स्त्री० वन्दाक ॥ बाँदा ।
वृक्षमृद्भू, पु० जलवेतस ॥ जलवेंत ।
वृक्षरुहा, स्त्री० वन्दा । अमृतस्रवा ॥ बाँदा । अमृतस्रवा ।
वृक्षादन, पु० अश्वत्थ वृक्ष । पीपल वृक्ष ॥ पीपलका पेड । चिरोंजीका पेड ।

वृक्षादनी, स्त्री० वन्दा । विदारी ॥ वाँदा । विदारीकन्द ।
वृक्षाम्ल, न० महाम्ल । चुक्रिका । अम्लवेतस । तिन्तिडी ॥ विषाविल । चूकाशाक । अम्लवैंत । इमली ।
वृक्षाम्ल, पु० आम्रातक ॥ अम्बाड़ा । आमड़ा ।
वृक्षारुहा, स्त्री० महामेदा ॥ महामेदा ।
वृक्षोत्पल, पु० कर्णिकार वृक्ष ॥ कनेर वृक्ष ।
वेजाती, स्त्री० सोमराजी ॥ वापची ।
वेणी, स्त्री० देवताड़ । देवदालीलता ॥ देवताड़-वृक्ष । सोनैया वंदाल ।
वेणीर, पु० अरिष्ट वृक्ष ॥ रीठा ।
वेणु, पु० वंश ॥ वाँस ।
वेणुकर्कर, पु० करीर वृक्ष ॥ करील वृक्ष ।
वेणुज, पु० वेणुयव ॥ वाँसके चावल ।
वेणुन, न० मरिच ॥ मिरच ।
वेणुपत्री, स्त्री० वंशपत्री वृक्ष ॥ वंशपत्री ।
वेणुयव, पु० वंशफल ॥ वांसके चावल ।
वेणुबीज, न० ऐ ।
वेत, पु० वेत्र ॥ वैंत वृक्ष ।
वैतस, पु० लता-विशेष ॥ वैंतकी वेल ।
वेतसाम्ल, पु० अम्लवेतस ॥ अम्लवैंत ।
वेतसी, स्त्री० वेतस ॥ वैंत ।
वेत्र, पु० स्वनामख्यात वृक्ष ॥ वैंतवृक्ष ।
वेदि, न० अम्बष्ठा ॥ मोईया ।
वेधक, न० धन्याक ॥ धनिया ।
वेधक, पु० कर्पूर । अम्लवेतस ॥ कपूर । अम्ल-वैंत ।
वेधिनी, स्त्री० मेथिका ॥ मेथी ।
वेधमुख्य, पु० कर्चूर ॥ कचूर ।
वेधमुख्यक, पु० हरिद्रा वृक्ष ॥ कांचाहलुद वङ्ग भाषा । अम्बाहल्दी हिन्दीभाषा ।
वेधमुख्या, स्त्री० कस्तूरी ॥ कस्तूरी ।
वेधा [स्], पु० श्वेतार्क वृक्ष ॥ सफेद आक ।
वेधिनी, स्त्री० मेथिका ॥ मेथी ।
वेधी [न्], पु० अम्लवेतस ॥ अम्लवैंत ।
वेर, न० वार्ताकु । कुङ्कुम ॥ बैंगन । केशर ।
वेरक, न० कर्पूर ॥ कपूर ।
वेल्ल, न० पु० विडङ्ग ॥ वायविडङ्ग ।
वेल्लज, न० मरिच ॥ मिरच ।
वेल्लनी, स्त्री० माला दूर्वा ॥ मालादूव ।
वेल्लन्तर, पु० वीरतरु ॥ वरवेल ।
वेल्लिकाख्या, स्त्री० वृक्षविशेष ॥ बिल्वपत्री ।

वेशवार, पु० वेसवार ॥ सैंधानिमक, धनिया, सौंठ, मिरच पीपल इत्यादिका चूर्णकर पीसना ।
वेशीजाता, स्त्री० पुत्रदात्रीलता ॥ पुत्रदात्री ।
वेश्मकूल, पु० चचेंडा ॥ चिचैंडा ।
वेश्या, स्त्री० पाठा ॥ पाठ ।
वेषण, पु० कासमर्द ॥ कसौंदी ।
वेषणा, स्त्री० वितुन्नक वृक्ष ॥ धनिया ।
वेषवार, पु० वेसवार ॥ पीसना ।
वेष्ट, पु० श्रीवेष्ट । निर्य्यास ॥ सरलका गोंद । गोंद ।
वेष्टक, न० ऐ ।
वेष्टक, पु० कूष्मांड । श्रीवेष्ट ॥ कुह्मडा पेठा । सरलका गोंद ।
वेष्टन, न० कर्णशष्कुली । गुग्गुलु ॥ कानका छिद्र । गूगल ।
वेष्टवंश, पु० कंटकिन् ॥ वेष्टवांस ।
वेष्टसार, पु० श्रीवेष्ट ॥ सरलका गोंद ।
वेसन, न० द्विदलचूर्ण ॥ चनेकी दालका चून अर्थात् वेशन ।
वेसवार, पु० पिष्टधान्याकसर्षपादि ॥ पीसाहुवाधनिया, ससौं, सैंधानोन इत्यादि ।
वैकङ्कत, पु० विकङ्कत वृक्ष ॥ कण्टाई, विकङ्कत वृक्ष ।
वैकुण्ठ, पु० सितार्जक ॥ सफेद तुलसी ।
वैक्रान्त, न० स्वनामख्यातमणि ॥ वैक्रान्तमणि ।
वैजयन्तिका, स्त्री० जयन्ती वृक्ष । अग्निमन्थ ॥ जयन्ती, जैतवृक्ष । अरणीका वृक्ष ।
वैजयन्ती, स्त्री० ऐ ।
वैजिक, न० शिग्रुतैल ॥ सैंजिनेका तेल ।
वैणव, न० वेणुफल ॥ वांसके चावल ।
वैणवी, स्त्री० वंश लोचन ।
वैतस, पु० अम्लवेतस ॥ अम्लवैंत ।
वैदल, पु० पिष्टक ॥ पिठ्ठी ।
वैदूर्य, न०मणि-विशेष ॥ वैदूर्य्यमणि । लहसुनिया ।
वैदेही, स्त्री० रोचना । पिप्पली ॥ गोलोचन । पीपल ।
वैद्य, पु० वासक वृक्ष ॥ चिकित्सक ॥ अडूसा, वांसा । चिकित्सा करनेवाला । कविराज, वङ्ग-भाषा । हकीम, फारसी भाषा, डाक्टर, अंग्रेजी भाषा ।
वैद्यबन्धु, पु० आरग्वध वृक्ष ॥ अमलतास ।
वैद्यमाता [ऋ], स्त्री० वासक ॥ वाँसा ।
वैद्यसिंही, स्त्री० ऐ ।

वैद्या, स्त्री० काकोली ॥ काकोली ।
वैधात्री, स्त्री० ब्राह्मी ॥ ब्रह्मीघास ।
वैपरीतलज्जालु, स्त्री० पु० बृहत्फल विशिष्ट क्षुद्र क्षुप-विशेष ॥ लज्जालु प्रभेद ।
वैरातङ्क, पु० अर्ज्जुन वृक्ष ॥ कोहवृक्ष ।
वैल, न० बिल्वफल ॥ वेल ।
वैशाखी, स्त्री० रक्तपुनर्नवा ॥ गदहपूर्ना ।
वैश्रवणालय, पु० वटवृक्ष ॥ वडका पेड ।
वैश्रवणावास, पु० ऐ ।
वैश्रवणोदय, पु० ऐ ।
वैश्वानर, पु० चित्रक वृक्ष ॥ चीतेका पेड ।
वैष्णवी, स्त्री० अपराजिता । शतावरी । तुलसी ॥ कोयल । शतावर । तुलसी ।
वोड़, पु० गुवाक ॥ सुपारीका पेड ।
वोरट, पु० कुन्दपुष्प ॥ कुन्दफूल ।
वोरव, पु० धान्य-विशेष ॥ वोरवधान ।
वोल, न० स्वनामख्यात वणिक् द्रव्य ॥ बोल ।
व्यङ्ग, पु० मुखजात क्षुद्ररोग-विशेष ।
व्यडम्बक, पु० एरण्डवृक्ष ॥ अण्डका पेड ।
व्यवहारिका, स्त्री० इङ्गुदीवृक्ष ॥ हिङ्गोटवृक्ष, गौदी ।
व्याघ्र, पु० रक्तैरण्ड । करञ्ज॥ लाल अण्ड । कञ्जा। करञ्जुआ ।
व्याघ्रतल, पु० रक्तैरंड ॥ लालअंड ।
व्याघ्रदल, पु० ऐ ।
व्याघ्रनख, न० नखी नाम गन्धद्रव्य । कन्द-विशेष ॥ नखगन्ध द्रव्य ।
व्याघ्रनख, पु० स्नुही वृक्ष ॥ सेहुण्ड वृक्ष ।
व्याघ्रपात [द्], पु० विकङ्कत वृक्ष । विकंटक वृक्ष ॥ कंटाई, विकङ्कत वृक्ष । गर्जाफल ।
व्याघ्रपाद, पु० ऐ ।
व्याघ्रपुच्छ, पु० एरंड वृक्ष ॥ अण्डका पेड ।
व्याघ्रादनी, स्त्री० त्रिवृता ॥ निसोथ ।
व्याघ्री, स्त्री० कण्टकारी ॥ कटेहरी ।
व्याड़ायुध, न० व्याघ्रनखाख्य गन्धद्रव्य ॥ व्याघ्रनख गन्धद्रव्य ।
व्याधिघात, पु० आरग्वध वृक्ष ॥ अमलतास ।
व्याधिहन्ता [ऋ], पु० वाराही कन्द॥ गेंठी ।
व्याधिखड्ग, पु० गन्धद्रव्य-विशेष ॥ वाघनख ।
व्यालपत्रा, स्त्री० एर्वारु ॥ ककडी ।
व्यालवल, पु० व्यालनख ॥ वाघनख ।
व्यालम्ब, पु० रक्तैरंड ॥ लाल अंड ।
व्यालायुध, न० नखी नाम गन्धद्रव्य ॥ नख ।
व्यावर्त्तक, पु० चक्रमर्द क्षुप ॥ चकवड ।
व्योम [न्], न० अभ्रक ॥ अभ्रक ।
व्योष, न० त्रिकटु ॥ सोंठ मिरच पीपल ।
व्रजभू, पु० केलिकदम्ब वृक्ष ॥ कदम भेद ।
व्रण, पु० न० क्षतरोग ॥ घाउ ।
व्रणकृत, पु० भल्लातक ॥ भिलावा ।
व्रणकेतुघ्नी, स्त्री० दुग्धफेनी क्षुप ॥ दूधफेनी ।
व्रणद्विट् [ष्], पु० ब्राह्मणयष्टिका॥ भारङ्गी ।
व्रणह, पु० एरंड वृक्ष ॥ अंडका पेड ।
व्रणहा, स्त्री० गुडूची ॥ गिलोय ।
व्रणहृत्, पु० कालिकारी वृक्ष ॥ कलिहारी वृक्ष ।
व्रणारि, पु० बोल । अगस्त्यवृक्ष ॥ बोल । हथिया वृक्ष ।
व्रीहि, पु० धान्यमात्र । आशुधान्य ॥ धान । आशुधान । व्रीहिधान ।
व्रीहिकाञ्चन, पु० मसूर ॥ मसूर अन्न ।
व्रीहिपर्णी, स्त्री० शालपर्णी ॥ शालवन ।
व्रीहिभेद, पु० धान्य-विशेष ॥ चीनाधान ।
व्रीहिराजिक, पु० कङ्गुधान्य । चीनकधान्य ॥ कङ्गुनीधान । चीनाधान ।
व्रीहिश्रेष्ठ, पु० शालिधान्य ॥ शालिधान ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृतशालिग्रामौषधशब्दसागरे वकाराक्षरतरङ्गः ॥

(श)

शकर, पु० तिनिश वृक्ष ॥ तिरिच्छ वृक्ष ।
शकरकन्द, पु० रक्तालु ॥ शकरकन्द । आलु ।
शकुलादनी, स्त्री० कटुका । जलपिप्पली । कश्चट । कट्फल । गजपिप्पली ॥ कुटकी । जलपीपर । कश्चटशाक । कायफल । गजपीपर ।
शकुलाक्षक, पु० श्वेतदूर्वा । गंडदूर्वा । सफेद दूब । गांडरदूब ।
शकृत, न० विष्ठा ॥ गू ।
शकृद्रस, पु० गोमय ॥ गोबर ।
शक्तिपर्ण, पु० सप्तपर्णवृक्ष ॥ सतिवन ।
शक्तु, पु० न० भर्जित यवादि चूर्ण ॥ भुनेहुवे जो इत्यादिका चून अर्थात् सत्तू ।
शक्तुक, पु० विषभेद ।
शक्तुफला, स्त्री० शमीवृक्ष ॥ छोंकरा वृक्ष ।
शक्तुफलिका, स्त्री० ऐ ।
शक्तुफली, स्त्री० ऐ ।
शक्र, पु० कुटज वृक्ष । अर्ज्जुन वृक्ष ॥ कुडेका पेड । कोह वृक्ष ।

शक्रद्रुम, पु० देवदारु वृक्ष ॥ देवदारु ।
शक्रपर्याय, पु० कुटजवृक्ष । कुडेकापेड ।
शक्रपादप, पु० कुटजवृक्ष । देवदारुवृक्ष ॥ कुडा वृक्ष । देवदारु वृक्ष ।
शक्रपुष्पिका, स्त्री० अग्निशिखावृक्ष ॥ कलिहारी वृक्ष ।
शक्रपुष्पी, स्त्री० ऐ ।
शक्रभूभवा, स्त्री० इन्द्रवारुणीलता ॥ इन्द्रायण ।
शक्रमाता [ऋ], स्त्री० भार्गी ॥ भारङ्गी ।
शक्रयव, पु० इन्द्रयव ॥ इन्द्रजौ ।
शक्रवल्ली, स्त्री० इन्द्रवारुणी ॥ इन्द्रायण ।
शक्रबीज, न० इन्द्रयव ॥ इन्द्रजौ ।
शक्रशाखी [न्], पु० कुटजवृक्ष ॥ कुडावृक्ष ।
शक्रसुधा, स्त्री० पालङ्की ॥ लोवान फार्सी ।
शक्रसृष्टा, स्त्री० हरीतकी ॥ हरड ।
शक्राणी, स्त्री० निर्गुंडी ॥ निर्गुंडी, सिह्मालु ।
शक्राशन, न० विजया ॥ भङ्ग ।
शक्राशन, पु० कुटजवृक्ष ॥ कुडावृक्ष ।
शक्राह्व, पु० इन्द्रयव ॥ इन्द्रजौ ।
शक्राह्वय, पु० कुटजवृक्ष ॥ कुडावृक्ष ।
शङ्करशुक्र, न० पारद ॥ पारा ।
शङ्करावास, पु० कर्पूर भेद ।
शङ्करी, स्त्री० मञ्जिष्ठा । शमी ॥ मजीठ । छौंकरा वृक्ष ।
शङ्कु, पु० नखीनाम गन्धद्रव्य ॥ नखगन्धद्रव्य ।
शङ्कुतरु, पु० शालवृक्ष ॥ सालवृक्ष ।
शङ्कुवृक्ष, पु० ऐ ।
शङ्ख, पु० न० स्वनाम प्रसिद्ध समुद्रोद्भवजन्तु ॥ शंख ।
शङ्ख, पु० ललाटास्थि । नखीनाम गन्धद्रव्य ॥ ललाटकी हड्डी, कपाल । नखीगन्ध द्रव्य ।
शङ्खक, पु० शिरोरोग-विशेष ।
शङ्खद्रावी [न्], पु० अम्लवेतस ॥ अम्लवैत ।
शङ्खधरा, स्त्री० हिलमोचिका ॥ हुलहुल शाक ।
शङ्खनख पु० नखीनामक गन्धद्रव्य । बृहन्नखी । क्षुद्रशंख ॥ छोटाशङ्ख ।
शङ्खनखा, स्त्री० शंखनखी ।
शङ्खनाभि, पु० स्त्री० नाभिशंख ॥ नाभिशंख ।
शङ्खपुष्पी, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ शङ्खाहुली ।
शङ्खमूल, न० मूलक ॥ मूली ।
शङ्खाख्य, पु० बृहन्नखी ।
शङ्खाह्वा, स्त्री० शङ्खपुष्पी ॥ शंखाहुली ।
शङ्खिका, स्त्री० तृण-विशेष ॥ चोरहुली ।
शङ्खिनी, स्त्री० चोरपुष्पी । श्वेतपुन्नागायवतिक्ता ॥ चोरहुली । सफेद पुन्नागवृक्ष । यवेची ।
शङ्खिनीफल, पु० शिरीषवृक्ष ॥ शिरसका पेड ।
शङ्खिनीवास, पु० शाखोट वृक्ष ॥ सिहोरावृक्ष ।
शटि, स्त्री० शटी ॥ कचूर ।
शटी, स्त्री० स्वनामख्यात औषधि । पलाशीशटी ॥ कचूर-आम्बियाहलदी । गंधपलाशी, छोटाकचूर ।
शठ, न० तगर । कुङ्कुम । लोह ॥ तगर । केशर । लोहा ।
शठ, पु० धतूर ॥ धतूरा ।
शठाम्बा, स्त्री० अम्बष्ठा ॥ मोईया ।
शठी, स्त्री० शठी । कचूर ।
शण, न० क्षुप-विशेष ॥ भङ्गा, मातुलानी ।
शण, पु० स्वनामख्यात क्षुप ॥ सनका पेड, जिसकी रस्सी बनती है ।
शणघण्टिका, स्त्री० शणपुष्पी ॥ शणहुली ।
शणपर्णी, स्त्री० अशणपर्णी ॥ पटशण ।
शणपुष्पिका, स्त्री० घण्टारवा ॥ शणहुली, झनझनिया वङ्गभाषा ।
शणपुष्पी, स्त्री० क्षुप-विशेष ॥ शणई, चणई, शणहुली ।
शणालुक, पु० आरेवत वृक्ष ॥ अमलतासका पेड ।
शणिका, स्त्री० शणपुष्पी ॥ शणई ।
शतकुन्द, पु० करवीर वृक्ष ॥ कनेरका पेड ।
शतखण्ड, न० सुवर्ण ॥ सोना ।
शतग्रन्थि, स्त्री० दूर्वा ॥ दूब ।
शतघ्नी, स्त्री० वृश्चिकाली । करञ्ज । गलरोग-विशेष ॥ वृश्चिकाली औषधी । कञ्जावृक्ष । एक प्रकारका गलरोग ।
शतच्छद, पु० शतदलपद्म ॥ १०० पत्तोंका कमल ।
शतदन्तिका, स्त्री० नागदन्ती ॥ हाथीशुण्डवृक्ष ।
शतदला, स्त्री० शतपत्री ॥ सेवती ।
शतधा, स्त्री० दूर्वा ॥ दूब ।
शतपत्र, न० पद्म ॥ कमल ।
शतपत्री, स्त्री० पुष्पवृक्ष-विशेष ॥ सेवती गुलाब ।
शतपत्रिका, स्त्री० ऐ ।
शतपदी, स्त्री० शतमूली ॥ शतावर ।
शतपद्म, न० श्वेतपद्म ॥ सफेदकमल ।
शतपर्व्वा [न्], पु० वंश । इक्षुभेद ॥ बांस । एक प्रकारकी ईख ।

शतपर्वा, स्त्री० दूर्वा । वचा । कटुका ॥ दूब । वच । कुटकी ।
शतपर्विका, स्त्री० दूर्वा । वचा । यव ॥ दूब । वच । जौ ।
शतपादिका, स्त्री० काकोली ॥ काकोली ।
शतपुत्री, स्त्री० शतमूली ॥ शतावर ।
शतपुष्पा, स्त्री० शाक-विशेष । क्षुप-विशेष ॥ सौंफ । सोआ ।
शतपुष्पिका, स्त्री० ऐ ।
शतप्रसूना, स्त्री० ऐ ।
शतप्रास, पु० करवीरवृक्ष ॥ कनेरका पेड ।
शतभीरु, स्त्री० मल्लिका ॥ मल्लिकापुष्पवृक्ष ।
शतमूली, स्त्री० दूर्वा । वचा । शतमूली ॥ दूब । वच । शतावर ।
शतमूलिका, स्त्री० द्रवन्ती ॥ मूसाकानी ।
शतमूली, स्त्री० शतावरी ॥ शतावर ।
शतवीर्या, स्त्री० श्वेतदूर्वा । शतावरी । कपिल-द्राक्षा ॥ सफेददूब । शतावर । भूरेरङ्गकी दाख अर्थात् अङ्गूरी मुनक्का ।
शतवेधिनी, स्त्री० चुक्रिकाशाक ॥ चूका शाक ।
शतवेधी [न्], पु० अम्लवेतस ॥ अम्लवैत ।
शताङ्ग, पु० तिनिशवृक्ष ॥ तिरिच्छवृक्ष ।
शतारु [स्], न० कुष्ठभेद ॥ एक प्रकारका छोटा कोढ ।
शतारुषी, स्त्री० ऐ ।
शतावरी, स्त्री० शतमूली । शठी ॥ शतावर । कचूर ।
शताह्वा, स्त्री० शतपुष्पा।शतावरी॥सौंफ । सतावर ।
शताक्षी, स्त्री० शतपुष्पा ॥ सौंफ ।
शनकावलि, पु० गजपिप्पली ॥ गजपीपल ।
शनपर्णी, स्त्री० कटुका ॥ कुटकी ।
शम, पु० तृण-विशेष ।
शमिर, पु० वाकुची ॥ वापची ।
शमी, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ छोंकरा वृक्ष ।
शमीधान्य, न० माषादि ॥ मूंग, उडद इत्यादि ।
शमीपत्रा, स्त्री० लज्जालु ॥ लज्जावन्ती ।
शमीर, पु० क्षुद्रशमी ॥ छोटा छोंकरावृक्ष ।
शम्याक, पु० आरग्वधवृक्ष ॥ अमलतास ।
शम्पात, पु० आरग्वधवृक्ष ॥ अमलतासभेद ।
शम्बर, पु० चित्रकवृक्ष । लोध्र । अर्ज्जुनवृक्ष ॥ चीतावृक्ष । लोध । कोहवृक्ष ।
शम्बरकन्द, पु० वाराहीकन्द ॥ गेंठी ।
शम्बरचन्दन, न० चन्दन-विशेष ॥ शंबरचन्दन ।
शम्बरी, स्त्री० आखुपर्णी ॥ मूसाकानी ।
शम्बूक, पु० स्त्री० जलजन्तुविशेष ॥ घोंघा, छोटीसीप ।
शम्भु, पु० श्वेतार्क । पारद ॥ सफेद आक।पारा ।
शम्भुप्रिया, स्त्री० आमलकी ॥ आमला ।
शम्भुवल्लभ, न० श्वेतपद्म ॥ सफेद कमल ।
शर, पु० भद्रमुञ्ज । दुग्धसर । दध्यग्रभाग ॥ राम-सर, सरपता । दूधकी मलाई । दहीकी मलाई ।
शरज, न० हैयङ्गवीन । नवनीत ॥ एक दिनका घी। नौनीघी, मक्खन ।
शरट, पु० कुसुम्भशाक ॥ कसूम ।
शरणा, स्त्री० प्रसारणीलता ॥ पसरन ।
शरणी, स्त्री० प्रसारणी । जयन्तीवृक्ष ॥ पसरन । जैत, जयन्तीवृक्ष ।
शरत्पद्म, न० श्वेतपद्म ॥ सफेद कमल ।
शरत्पुष्प, न० आहुल्य ॥ तरवट काश्मीरदेशीय-भाषा ।
शरपुङ्खा, स्त्री० नीलीवृक्ष-विशेष ॥ शरफोका, झोंझरू । झुँझरू ।
शरल, पु० सरलवृक्ष ॥ धूपसरल ।
शराव, पु० न० चतुःषष्टितोलकपरिमाण ॥ एकशेर ।
शरावार्द्ध, न० द्वात्रिंशत्तोलक ॥ आधसेर ।
शरी, स्त्री० एरकातृण ॥ मोथी तृण ।
शरिष्ट, पु० आम्र ॥ आमका पेड ।
शर्करक, पु० मधुरजम्बीर ॥ मीठा नीबु ।
शर्करजा, स्त्री० सिताखण्ड ॥ मधुकी बनाई हुई चीनी ।
शर्करा, स्त्री० खण्डविकृति । रोग-विशेष ॥ चीनी । एक प्रकारका प्रमेहरोग ।
शर्म्मरा, स्त्री० दारुहरिद्रा ॥ दारुहलदी ।
शर्वरी, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
शलङ्ग, पु० लवण-विशेष ।
शलाका, स्त्री०मदनवृक्ष।शल्य॥मैनफलवृक्ष।सलाई ।
शलाटु, त्रि० अपक्कफल ॥ कच्चेफल ।
शलाटु, पु० मूल-विशेष । बिल्ववृक्ष ॥ बेलकापेड ।
शलालु, न० सुगन्धिद्रव्य-विशेष ।
शलालुक, न० ऐ ।
शल्यदा, स्त्री० मेदा ॥ मेदा औषधी ।
शल्यपर्णिका, स्त्री० ऐ ।
शल्मलि, पु० शाल्मलीवृक्ष ॥ सेमलका पेड ।
शल्य, पु० मदनवृक्ष ॥ मैनफलवृक्ष ।
शल्यक, पु० ऐ ।
शल्लक, पु० शोणवृक्ष ॥ शोनापाठा ।
शल्लकी, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ शालईवृक्ष ।

शल्लकीद्रव, पु० सिह्लक ॥ शिलारस ।
शल्लकीरस, पु० ऐ ।
शवरलोध्र, पु० श्वेतलोध्र ॥ सफेद लोध ।
शश, पु० लोध्र । बोल ॥ लोध । बोल ।
शशक, पु० ऐ ।
शशधर, पु० कर्पूर ॥ कपूर ।
शशाशिम्बिका, स्त्री० जीवन्ती ॥ जीवन्ती, डोडी।
शशाङ्क, पु० कर्पूर ॥ कपूर ।
शशाण्डुली, स्त्री० कर्कटीभेद ॥ एक प्रकारकी ककडी ।
शशिकांत, न० कुमुद ॥ कमोदनी ।
शशिप्रभ, न० कुमुद । मुक्ता ॥ कमोदनी । मोती।
शशिरेखा, स्त्री० सोमराजी ॥ वायची ।
शशिलेखा, स्त्री० गुडूची ॥ गिलोय ।
शशिवटिका, स्त्री० पुनर्नवा ॥ साँठ, विषखपरा ।
शष्कुल, पु० धिति । करञ्ज ॥ करञ्जुआ ।
शष्कुली, स्त्री० पिष्टकविशेष ॥ मैदाकी पूरी ।
शस्त्र, शस्त्रक, न० लौह ॥ लोहा ।
शस्त्रकोशतरु, पु० महापिण्डीतरु ॥ पेंडारी देशान्तरीय भाषा ।
शस्त्रायस, न० लौह ॥ लोहा ।
शस्यघ्नी, स्त्री० चीरपुष्पी ॥ चोरहुली ।
शस्यध्वंसी [न्], पु० तुन्नवृक्ष ॥ तुन वृक्ष ।
शस्यशम्बर, पु० शालवृक्ष ॥ सालवृक्ष ॥
शस्यारु, पु० क्षुद्रशमीवृक्ष ॥ छोटा छोंकरावृक्ष।
शाक, पु० वृक्ष-विशेष ॥ शेगुनवृक्ष ।
शाक, न० पु० पत्रपुष्पादि ॥ पत्ते, फूल, नाल इत्यादि, साग भाजी ।
शाकचुक्रिका, स्त्री० तिन्तिडी ॥ इमली ।
शाकट, पु० श्लेष्मान्तकवृक्ष ॥ लिसू सोड़ावृक्ष ।
शाकटाख्य, पु० धववृक्ष ॥ धोंवृक्ष ।
शाकतरु, पु० शाकवृक्ष ॥ सेगुनवृक्ष ।
शाकपत्र, पु० शिग्रुवृक्ष ॥ सैजिनेका पेड ।
शाकवालेय, पु० ब्रह्मयष्टि ॥ भारङ्गी ।
शाकम्भरीय, न० अजमेराख्यदेशान्तर्गतशाम्भरनागरीयजलाशयविशेषोद्भवलवण ॥ अजमेरदेशके अन्तर शामरनामवाले ग्रामके सरोवरमें उत्पन्न हुवा नोन, अर्थात् सामरनोन ।
शाकयोग्य, पु० धन्याक ॥ धनिया ।
शाकराज, पु० वास्तूक ॥ वथुआशाक ।
शाकबिल्व, पु० वार्त्ताकु ॥ बैंगन ।
शाकबिल्वक, पु० ऐ ।
शाकवीर, पु० वास्तूकशाक । जीवशाक ॥ वथुआशाक । जीवशाक ।
शाकवृक्ष, पु० तरु-विशेष ॥ सेगुनवृक्ष ।
शाकश्रेष्ठ, पु० वास्तूकशाक ॥ वथुआशाक ।
शाकश्रेष्ठा, स्त्री० जीवन्ती । वार्त्ताकु ॥ जीवन्ती। बैंगन । डोडी । डोडीक्षुप ।
शाका, स्त्री० हरीतकी ॥ हरड ।
शाकाख्य, पु० शाकवृक्ष ॥ सेगुनवृक्ष ।
शाकाङ्ग, न० मरिच ॥ मिरच ।
शाकाम्ल, न० वृक्षाम्ल ॥ त्रिषाविल । इमली ।
शाकाम्लभेदन, न० चुक्रशाक ॥ चूकाशाक ।
शाकालाबु, स्त्री० राजालाबु ॥ मीठाकद्दू ।
शाखाकण्ट, पु० स्नुहीवृक्ष ॥ सेहुण्डवृक्ष ।
शाखाम्ल, पु० वानीरवृक्ष ॥ जलवेंत ।
शाखाम्ला, स्त्री० वृक्षाम्ला ॥ विषाविल ।
शाखोट, पु० वृक्ष-विशेष सहोरावृक्ष ।
शाङ्कष्ठा, स्त्री० गुञ्जा ॥ घुघुची, चोटली ।
शाटिका, स्त्री० शटी ॥ कचूर ।
शाण, पु० माषचतुष्टय ॥ मासे ।
शाणि, पु० पट्टवृक्ष ॥ पाटुवृक्ष ।
शाण्डिल्य, पु० बिल्ववृक्ष ॥ बेलकापेड ।
शात, त्रि० धत्तूर ॥ धत्तूरा ।
शातकुम्भ, न० काञ्चनपुष्प । धत्तूरवृक्ष ॥ कचनारके फूल । धत्तूरावृक्ष ।
शातकुम्भ, पु० करवीरवृक्ष ॥ कनेरकापेड ।
शातकौम्भ, न० स्वर्ण ॥ सोना ।
शातभीरु, पु० मल्लिकाभेद ॥ वेलाभेद ।
शातला, स्त्री० शातलावृक्ष ॥ सातलावृक्ष, थूहरकाभेद ।
शान, पु० शाणपरिमाण ॥ मासे ।
शाना, स्त्री० इन्द्रवारुणी इन्द्रायण ।
शान्ता, स्त्री० शमीभेद । आमलकी । नीलदूर्वा । रेणुका । शमीवृक्ष ॥ छोंकरावृक्षभेद । आमला । हरीदूव । रेणुका । छोंकरावृक्ष ।
शान्तवति, स्त्री० ब्राह्मणयष्टिका ॥ भारङ्गी ।
शाम्भव, न० देवदारु ॥ देवदारुवृक्ष ।
शाम्भव, पु० कर्पूर । शिवमल्लिका । गुग्गुलु । विषभेद ॥ कपूर । वसु । गूगल । विषभेद ।
शाम्भवी, स्त्री० नीलदूर्वा ॥ हरीदूब ।
शारद, न० श्वेतपद्म ॥ सफेदकमल ।
शारद, पु० बकुलवृक्ष । काशतृण । सप्तपर्णवृक्ष । हरिन्मुद्ग । पीतमुद्ग ॥ मोलसिरीकापेड । काँस । सतिवनवृक्ष । हरीमूग । पीलीमूग ।
शारदा, स्त्री० ब्राह्मी । शारिवा ॥ ब्रह्मीघास । सरिवन, सालसा ।

शारदी, स्त्री० तोयपिप्पली । सप्तपर्ण ॥ जलपीपर । सतिवन ।
शारिवा, स्त्री० अनन्ता । श्यामालता ॥ कालीसर । गौरीसर ।
शार्क, पु० शर्करा ॥ चीनी ।
शार्ङ्ग, न० आर्द्रक ॥ अदरख ।
शार्ङ्गष्ठा, स्त्री० महाकरञ्ज ॥ बडीकरञ्ज ।
शार्ङ्गाष्ठा, स्त्री० ऐ ।
शार्दूल, पु० चित्रक ॥ चीतावृक्ष ।
शार्दूलकन्द, पु० अरण्यपलाण्डु ॥ वनप्याज ।
शाल, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ साल, सागोन, सखुआवृक्ष ।
शालनिर्यास, पु० सर्जरस ॥ राल ।
शालपर्णी, स्त्री० क्षुप-विशेष ॥ शालवन, सरिवन।
शालपत्रसमा, स्त्री० ऐ ।
शालव, पु० लोध्र ॥ लोध ।
शालवेष्ट, पु० शालनिर्य्यास ॥ राल ।
शालयुग्म, न० शाल, पीतशाल ॥ सालवृक्ष । विजयसार ।
सालसार, पु० हिङ्गु । सर्जरस ॥ हींग । राल।
शालाश्वि, स्त्री० शाकभेद ॥ शान्ति शाक ।
शालानी, स्त्री० विदारी ॥ सालवन ।
शालि, पु० धान्य-विशेष ॥ शालिधान ।
शालिका, स्त्री० विदारिका ॥ शालवन ।
शालिञ्चु, पु० शाक-विशेष ॥ शान्तिशाक ।
शालिश्वी. स्त्री० ऐ।
शालिपर्णी, स्त्री० माषपर्णी ॥ मषवन ।
शाली, स्त्री० कृष्णजीरक ॥ काला जीरा ।
शालीना, स्त्री० मिश्रेया ॥ सोआ ।
शालु, न० कुमुदादिमूल॥कुमुद अथवा कमलकन्द ।
शालु, पु० चोरकाख्यौषधि ॥
शालुक, न० कुमुदादिमूल ॥ कमलकन्द इत्यादि ।
शालुक, न० कुमुदादिमूल । जातीफल ॥ कमलकन्द, भसीडा, कमोदनीकी जड । जायफल ।
शालूक, पु० कमलकन्दादि ॥ कमलकन्द भसीड़ा इत्यादि ।
शालेय, पु० मधुरिका ॥ सौंफ ।
शालेया, स्त्री० ऐ ।
शाल्मल, पु० शाल्मलिवृक्ष । शाल्मलिनिर्य्यास ॥ सेमल वृक्ष । मोचरस ।
शाल्मलि, पु० स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ सेमलका पेड़ ।
शाल्मलिक, पु० रोहितकवृक्ष ॥ रोहेड़ा वृक्ष ।
शाल्मलिपत्रक, पु० सप्तच्छदवृक्ष ॥ सतिवन ।
शाल्मली, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ सेमलका पेड ।
शाल्मलीकन्द, पु० शाल्मलीवृक्षस्य मूल ॥ समरकी मूली ।
शाल्मलीफल, पु० तेजःफलवृक्ष ॥ तेजबलवृक्ष ।
शाल्मलीवेष्ट, पु० शाल्मलीनिर्य्यास ॥ सेमलका गोंद, मोचरस ।
शाल्मलीवेष्टक, पु० ऐ ।
शावर, पु० लोध्रवृक्ष ॥ लोधका वृक्ष ।
शावरभेदाख्य, न० ताम्र ॥ ताँबा ।
शावरी, स्त्री० शूकशिम्बी ॥ कौंछ ।
शिंशपा, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ सीसम, सीसोंवृक्ष।
शिक्थ, न० मधूत्थ ॥ मोम ।
शिक्थक, न० ऐ ।
शिखण्डिनी, स्त्री० यूथिका । गुञ्जा ॥ जुही । घुघुची ।
शिखण्डी [न्], पु० गुञ्जा । स्वर्णयूथिका ॥ घुघुची । सुनहरी जुही ।
शिखरा, स्त्री० मूर्वा ॥ चुरनहार ।
शिखरिणी, स्त्री० मल्लिका । नवमालिका । द्राक्षाविशेष । मूर्वा । रसाला ॥ मल्लिका । नेवारी । किसमिस । चुरनहार । शिखरन ।
शिखरी [न्], पु० अपामार्ग । वन्दाक । कर्कटशृङ्गी । कुन्दुरुक । यावनाल ॥ चिरचिरा । बाँदा । काकडाशिङ्गी । कुन्दुरू सुगन्धिद्रव्य । जुआर अन्न ।
शिखलोहित, पु० वृक्ष-विशेष ॥ कुकरोंदा ।
शिखा, स्त्री० लाङ्गलिकी ॥ कलिहारी ।
शिखाकन्द, न० गृञ्जन ॥ सलगम ।
शिखामूल, पु० ऐ ।
शिखावती, स्त्री० मूर्वा ॥ चुरनहार ।
शिखालु, पु० मयूरशिखा । मोरशिखा ।
शिखावर, पु० पनसवृक्ष ॥ कटहरवृक्ष ।
शिखावला, स्त्री० मयूरशिखा ॥ मोरशिखा ।
शिखावान् [त्],पु० चित्रकवृक्ष ॥ चीतावृक्ष ।
शिखिकण्ट, न० तुत्थ ॥ तूतिया ।
शिखिग्रीव, न० ऐ ।
शिखिनी, स्त्री० मयूरशिखा ॥ मोरशिखा ।
शिखिपर्णिका, स्त्री० मुद्गपर्णी ॥ मुगवन ।
शिखिप्रिय, पु० लघुबदर ॥ छोटाबेर ।
शिखिमण्डल, पु० वरुणवृक्ष ॥ वरनावृक्ष ।
शिखिमोदा, स्त्री० अजमोदा ॥ अजमोद ।
शिखिवर्द्धक, पु० कूष्माण्ड ॥ पेठा ।

शिखी [न्] पु० चित्रकवृक्ष । मेथिका । सितावर । अजलोमा ॥ चीतावृक्ष । मेथी । शिरिआरी, चौवतियाशाक । शुयाशिम्बी वङ्गभाषा ।
शिग्रु, पु० शोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैजिनेकापेड ।
शिग्रुज, न० शोभाञ्जनबीज ॥ सैजिनेकेबीज ।
शिग्रुबीज, न० ऐ ।
शिङ्घाण, न० लौहमल । नासिकामल ॥ लोहेकामैल । नाककामैल ।
शिङ्घाणक, पु० श्लेष्मा ॥ कफ ।
शिङ्घाणक, पु० न० नासिकामल ॥ नाककामैल ।
शितशूक, पु० यव । गोधूम ॥ जौ । गेहूं ।
शिति, पु० भूर्जवृक्ष ॥ भोजपत्रवृक्ष ।
शितिवार, पु० शाक-विशेष ॥ चौपतियाशाक ।
शितिसारक, पु० तिन्दुकवृक्ष ॥ तेंदुवृक्ष ।
शिफा, स्त्री० वृक्षाणां जटाकारमूलं। शतपुष्पा । हरिद्रा । पद्मकन्द । जटामांसि ॥ वृक्षकी जड़ जटाकेसी होती है । सौंफ । हलदी । कमलकन्द । जटामांसी । वालछड़ ।
शिफाक, पु० पद्ममूल ॥ कमलकन्द ।
शिफाकन्द, पु० ऐ ।
शिफारुह, पु० वटवृक्ष ॥ वड़का पेड़ ।
शिमृडी, स्त्री० क्षुपविशेष ॥ चङ्गोनि, कुत्रचित् भाषा ।
शिम्ब, पु० चक्रमर्दक । चकवड़ वृक्ष ।
शिम्बि, स्त्री० एरका ॥ मोथीतृण ।
शिम्बिक, पु० कृष्णमुद्ग ॥ कालीमूग ।
शिम्बिपर्णिका, स्त्री० मुद्गपर्णी ॥ मुगवन ।
शिम्बिपर्णी, स्त्री० ऐ ।
शिम्बी, स्त्री० मुद्गपर्णी । कपिकच्छु । बीजगुप्ति ॥ मुगवन । कौंछ । सेम ।
शिर, पु० पिप्पलीमूल ॥ पीपरामूल ।
शिरःफल, पु० नारिकेल ॥ नारियल ।
शिरःशूल, पु० शिरोरोग-विशेष ।
शिरा, स्त्री० नाडी । धमनी ।
शिरापत्र, पु० हिन्तालवृक्ष । कपित्थवृक्ष ॥ एक प्रकारका ताड़ । कैथवृक्ष ।
शिराफल, न० अञ्जीर ॥ अञ्जीर ।
शिराल, न० कर्म्मरङ्ग ॥ कमरख ।
शिरालक, पु० अस्थिभङ्गवृक्ष ॥ हड़संधारी ।
शिरावृत, न० सीसक ॥ सीसा ।
शिरीष, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ सिरसका पेड ।
शिरीषपत्रिका, स्त्री० श्वेतकिणिही ॥ सफेद किणिहीवृक्ष ।
शिरोधरा, शिरोधि, स्त्री० ग्रीवा ॥ गरदन ।
शिरोरुजा, स्त्री० सप्तपर्णवृक्ष ॥ सतिवन ।
शिरोरोग, पु० मस्तकपीडा ॥ शिरमें पीडा ।
शिरोवृत्त, न० मरिच ॥ मिरच । लाल ।
शिरोवृत्तफल, पु० रक्तापामार्ग ॥ चिरचिटा ।
शिरोऽस्थि, न० मस्तकास्थि ॥ शिरकी हड्डी ।
शिलगर्भज, पु० पाषाणभेदन ॥ पाखानभेद ।
शिला, स्त्री० मनःशिला । कर्पूर ॥ मनशिल । कपूर ।
शिलाकर्णी, स्त्री० शल्लकीवृक्ष ॥ शालईवृक्ष ।
शिलाज, न० शैलेय । लौह ॥ पत्थरका फूल । लोहा ।
शिलाजतु, न० स्वनामख्यात उपधातु ॥ शिलाजीत ।
शिलाञ्जनी, स्त्री० कालाञ्जनीवृक्ष ॥ कालीकपास ।
शिलात्मज, न० लौह ॥ लोहा ।
शिलादद्रु, पु० शैलेय ॥ पत्थरका फूल, भूरिछरीला ।
शिलाधातु, पु० सितोपल । पीतगैरिक ॥ खडियामाटी । पीलागेरु ।
शिलापुष्प, न० शैलेय ॥ पत्थरका फूल ।
शिलाभव, न० ऐ ।
शिलाभेद, पु० पाषाणभेदीवृक्ष ॥ पाखान भेद ।
शिलारम्भा, स्त्री० काष्ठकदली ॥ काठकेला ।
शिलावल्का, स्त्री० औषधद्रव्य-विशेष ॥ शिलावाक् ।
शिलाव्याधि, पु० शिलाजतु ॥ शिलाजीत ।
शिलासन, न० शैलेय ॥ पत्थरका फूल ।
शिलासार, न० लौह ॥ लोहा ।
शिलाह्व, न० शिलाजतु ॥ शिलाजीत ।
शिली, पु० भूर्जपत्रवृक्ष ॥ भोजपत्रवृक्ष ।
शिलीन्ध्र, न० कदलीपुष्प ॥ केलेका फूल ।
शिलीन्ध्र, पु० वृक्ष-विशेष ।
शिलीन्ध्रक, न० गोमयच्छत्रिका ।
शिलीपद, पु० श्लीपदरोग ।
शिलेय, न० शैलेय ॥ पत्थरका फूल ।
शिलोत्थ, न० ऐ ।
शिलोद्भव, न० शैलेय । चन्दन-विशेष ॥ पत्थरका फूल, भूरिछरीला । एक प्रकारका चन्दन ।
शिलोद्भेव, पु० पाषाणभेदी ॥ पाखानभेद ।
शिल्पिका, स्त्री० तृण-विशेष ॥ शिल्पीतृण ।
शिव, न० सैन्धव । श्वेतटङ्कण । सामुद्रलवण ॥ सैंधानोन । सफेद सुहागा । समुद्रनोन ।

शिव, पु० गुग्गुलु। कृष्णधत्तूर। पारद। पुण्डरीकद्रुम॥ गूगल। कालाधतूरा। पारा। पुंडरिया।
शिवदारु, न० देवदारुवृक्ष॥ देवदारुवृक्ष।
शिवद्रुम, पु० बिल्ववृक्ष॥ बेलका पेड।
शिवद्विष्टा, स्त्री० केतकी॥ केतकी।
शिवधातु, पु० पारद॥ पारा।
शिवप्रिय, न० रुद्राक्ष॥ रुद्राक्ष।
शिवप्रिय, पु० अगस्त्यवृक्ष। स्फटिक। धत्तूर॥ अगस्तवृक्ष। फाटिकमणि। धत्तूरा।
शिवमल्लक, पु० अर्ज्जुनवृक्ष॥ कोहवृक्ष।
शिवमल्लिका, स्त्री० वसुक॥ वसुवृक्ष।
शिवमल्ली, स्त्री० पाशुपति॥ बृहत् मौलसिरी।
शिववल्लभा, स्त्री० शतपत्री॥ सेवती।
शिववल्लिका, स्त्री० लिङ्गिनी॥ लिङ्गिनीलता।
शिववल्ली, स्त्री० लिङ्गिनी। श्रीवल्ली॥ पञ्चगुरिया, ईश्वरी केचित् भाषा। श्रीवल्लीवृक्ष।
शिवबीज, न० पारद॥ पारा।
शिवशेखर, पु० वसुकवृक्ष। धुरत्तूरवृक्ष॥वसुवृक्ष। धतूरावृक्ष।
शिवा, स्त्री० शमीवृक्ष। हरीतकी। भूम्यामलकी। आमलकी। हरिद्रा। दूर्वा। गोरोचना॥ छौंकरावृक्ष। हरड़ा। भुई आमला। आमला हलदी। दूब। गौलोचन।
शिवाटिका, स्त्री० वंशपत्री। श्वेतपुनर्नवा॥ वंशपत्री। विषखपरा।
शिवात्मक, न० सैन्धव॥ सेंधानोन।
शिवानी, स्त्री० जयन्तीवृक्ष॥ जैत, जयन्तीवृक्ष।
शिवापीड, पु० वकवृक्ष॥ हथियावृक्ष।
शिवाफला, स्त्री० शमीवृक्ष॥ छौंकरावृक्ष।
शिवालय, पु० रक्ततुलसी॥ लाल तुलसी।
शिवास्मृति, स्त्री० जयन्तीवृक्ष॥ जयन्तीवृक्ष।
शिवाह्लाद, पु० वकवृक्ष॥ अगस्तियावृक्ष।
शिवाह्वा, स्त्री० रुद्रजटा॥ शंकरजटा।
शिवाक्ष, न० रुद्राक्ष॥ रुद्राक्ष॥
शिवि, पु० भूर्ज्जवृक्ष॥ भोजपत्रवृक्ष।
शिवेष्ट, पु० वकवृक्ष॥ अगस्तिवृक्ष।
शिवेष्टा, स्त्री० दूर्वा॥ दूब।
शिशुक, पु० शिशुवृक्ष॥ शिशुवृक्ष।
शिशुगन्धा, स्त्री०मल्लिका-विशेष॥ एक प्रकारका मोतिया।
शिशुपालक, पु०कदम्ब-विशेष॥ केलिकदम।
शिश्न, पु० मेढ्र॥ लिङ्ग।
शिह्ल, पु० शिह्लक॥ शिलारस।
शिह्लक, पु० गन्धद्रव्य-विशेष॥ शिलारस।
शिह्ला, स्त्री० श्योनाकवृक्ष॥ शोनापाठा।
शीकर, न० सरलद्रव॥ सरलका गोंद।
शीघ्र, न० लामज्जक॥ लामज्जकतृण।
शीघ्रजन्मा [न्] पु० करञ्ज-विशेष॥ एक प्रकारकी करञ्ज।
शीघ्रपुष्प, पु० अगस्त्यवृक्ष॥ अगस्तवृक्ष।
शीघ्रा, स्त्री० दन्तीवृक्ष॥ दन्तीवृक्ष।
शीत, न० गुडत्वक्॥ दालचीनी।
शीत, पु० वेतसवृक्ष। अशनपर्णी। बहुवारवृक्ष। पर्प्पट। निम्बवृक्ष। कर्पूर॥ बेंतवृक्ष। पटसन। लिसोड़ावृक्ष। पित्तपापड़ा। नीमका वृक्ष। कपूर।
शीतक, पु० अशनपर्णी॥ पटसन।
शीतकुम्भ, पु० करवीरवृक्ष॥ कनेरवृक्ष।
शीतकुम्भी, स्त्री० जलजलताविषेष॥ शिउलीछोप वङ्गभाषा।
शीतगन्ध, न० श्वेतचन्दन॥ सफेद चन्दन।
शीतपर्णी, स्त्री० अर्कपुष्पिका॥ अर्कहुली। दधियार, क्षीरवृक्ष।
शीतपल्लवा, स्त्री० भूमिजम्बू॥ छोटी जामुन।
शीतपाकिनी, स्त्री० काकोली। महासमङ्गा॥ काकोली औषधी। कगहिया।
शीतपाकी, स्त्री० वाट्यालक। काकोली। गुञ्जा॥ खिरैटी। काकोली औषधी। घुघुची।
शीतपुष्प, न० कैवर्तमुस्तक॥ केवटी मोथा।
शीतपुष्प, पु० शिरीषवृक्ष॥ सिरसकापेड़।
शीतपुष्पक, न० शैलेय॥ पत्थरका फूल।
शीतपुष्पक, पु० अर्कवृक्ष॥ आककापेड़।
शीतपुष्पा, स्त्री० अतिबला॥ कंघई।
शीतप्रभ, पु० कर्पूर॥ कपूर।
शीतप्रिय, पु० पर्पट॥ पित्तपापड़ा॥
शीतफल, पु० उदुम्बर॥ गूलर।
शीतबला, स्त्री० महासमङ्गा॥ कगहिया।
शीतभीरु, स्त्री० मल्लिका॥ मल्लिका।
शीतमञ्जरी, स्त्री० शेफालिका॥ निर्गुण्डीभेद।
शीतमयूख, पु० कर्पूर॥ कपूर।
शीतमरीचि, पु० ऐ॥
शीतमूलक, न० उशीर॥ खस।
शीतरश्मि, पु० कर्पूर॥ कपूर।
शीतल, न० पुष्पकासीस। शैलेय। श्वेतचन्दन। पद्मक। मौक्तिक। वीरणमूल॥ पुष्पकसीस।

पत्थरका फूल । सफेद चन्दन । पद्माख । मोती । खस ।
शीतल, पु० अशनपर्णी । बहुवार वृक्ष । चम्पक । कर्पूरभेद । राल ॥ पटशन । लिसौड़ावृक्ष । चम्पावृक्ष । कपूरभेद । राल ।
शीतलक, न० सितोत्पल ॥ कमोदनी ।
शीतलक, पु० मरुबक ॥ मरुआ वृक्ष ।
शीतलच्छेद, पु० चम्पक ॥ चम्पावृक्ष ।
शीतलजल, न० उत्पल ॥ कुमुदिनी ।
शीतलप्रद, पु० चन्दन ॥ चन्दन ।
शीतलवातक, पु० अशनपर्णी ॥ पटशन ।
शीतला, स्त्री० शीतलीलता । कुटुम्बुनि । आरामशीतला । मसूरिकाभेद ॥ शिउलीछोप वङ्गभाषा । अर्कपुष्पी । आरामशीतला । शीतला रोग ।
शीतली, स्त्री० शीतलीलता ॥ "शिउलीछोप" ।
शीतवल्क, पु० उदुम्बर ॥ गूलर ।
शीतवीर्यक, पु० प्लक्षवृक्ष ॥ पाखरका पेड ।
शीतशिव, न० सैन्धवलवण । शैलेयनामगन्धद्रव्य ॥ सैंधानोन । पत्थरका फूल ।
शीतशिव, पु० मधुरिका । सक्तुफलावृक्ष ॥ सोआ । छौंकरावृक्ष ।
शीतशीवा, स्त्री० शमीवृक्ष । मिश्रेया ॥ छौंकरा वृक्ष । सोआ, वनसौंफ ।
शीतशूक, पु० यव ॥ जौ ।
शीतसह, पु० पीलुवृक्ष ॥ पीलुवृक्ष ।
शीतसहा, स्त्री० नीलसिन्धुवार । वासन्तीपुष्पलता ॥ नीलसम्भालु । वासन्तीपुष्पलता ।
शीतक्षार, न० श्वेतटङ्कण ॥ सफेद सुहागा ।
शीता, स्त्री० अतिबला । कटुम्बनि । दूर्वा । शिलिपकातृण । कंघई । अर्कपुष्पी । दूव । शिल्पी तृण ।
शीतांशु, पु० कर्पूर ॥ कपूर ।
शीतांशुतैल, न० कर्पूरतैल ॥ कपूर ।
शीताङ्गी, स्त्री० हंसपदी ॥ लालरङ्गका लज्जालु ।
शीताद, पु० दन्तरोग-विशेष ।
शीतावला, स्त्री० महासमङ्गा ॥ कगहिया ।
शीधु, पु० न० मद्यविशेष ॥ ईखके रससे बनाई हुई मदिरा ।
शीधुगन्ध, पु० बकुलवृक्ष ॥ मौलसिरीका पेड ।
शीफालिका, स्त्री० शेफालिका ॥ निर्गुण्डीभेद ।
शीरि [न्], पु० हरिदर्भ ॥ हरे रङ्गका कुशा ।
शीर्ण, न० स्थौणेयक ॥ थुनेर ।
शीर्णमाला, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन ।
शीर्णपत्र, पु० कर्णिकारवृक्ष । पट्टिकालोध्र । निम्बवृक्ष ॥ कनेरवृक्ष । पठानी लोध । नीमका पेड ।
शीर्णपर्ण, पु० निम्बवृक्ष ॥ नीमका पेड ।
शीर्णपुष्पिका, स्त्री० अवाक्पुष्पी ॥ सौंफ ।
शीर्णवृन्त, न० बृहद्गोल ॥ तरबूज ।
शीर्ष, न० कृष्णागरु ॥ कालीअगर ।
शीवल, न० शैलेय । शैवाल ॥ पत्थरका फूल । शिवार ।
शुक, न० ग्रन्थिपर्ण । श्योनाकवृक्ष ॥ गठिवन । शोनापाठा ।
शुक, पु० शिरीषवृक्ष ॥ सिरसका पेड ।
शुकच्छद, न० ग्रन्थिपर्ण ॥ गठिवन ।
शुकजिह्वा, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ शुयाठोडी ।
शुकतरु, पु० शिरीषवृक्ष ॥ सिरसका पेड ।
शुकद्रुम, पु० ऐ ।
शुनामा, स्त्री० शुकजिह्वा ॥ शुआठोडी ।
शुकनाशन, पु० दद्रुघ्न ॥ चकवड ।
शुकनास, पु० श्योनाकवृक्ष ॥ शोनापाठा ।
शुकनासिका, स्त्री० ऐ ।
शुकपिण्डी, स्त्री० शूकशिम्बी ॥ कौंछ ।
शुकपुच्छ, पु० गन्धक ॥ गन्धक ।
शुकपुच्छक, न० स्थौणेयक ॥ थुनेर ।
शुकपुष्प, न० ऐ ।
शुकपुष्प, पु० शिरीषवृक्ष ॥ सिरसका पेड ।
शुकप्रिय, पु० ऐ ।
शुकप्रिया, स्त्री० जम्बु ॥ जामुन ।
शुकफल, पु० अर्कवृक्ष ॥ आकका पेड ।
शुकबर्ह, न० ग्रन्थिपर्ण ॥ गठिवन ।
शुकवल्लभ पु० दाडिम ॥ अनार ।
शुकशिम्बा, शुकशिम्बि, स्त्री० कपिकच्छु॥कौंछ, किवाच ।
शुकाख्या, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ शुयाठोडी ।
शुकादन, पु० दाड़िम ॥ अनार ।
शुकानना, स्त्री० शुकाख्यावृक्ष ॥ शुयाठोड़ी ।
शुकोदर, न० तालीशपत्र ॥ तालीश पत्र ।
शुक्त, न० मांस । काञ्जिक । द्रवद्रव्य-विशेष ॥ मांस । कांजि । सिरका ।
शुक्त, त्रि० अम्ल ॥ खट्टा ।
शुक्ता, स्त्री० चुक्रिका ॥ चूकाशाक ।
शुक्ति, कर्षद्वयपरिमाण । जलजन्तु-विशेष । शङ्ख । अर्शोरोग । नेत्ररोग-विशेष । नखीनामक गन्धद्रव्य ॥ चार ४ तोले । सीप । शंख । बवासीर । एक प्रकारका नेत्ररोग । नखनाम गन्धद्रव्य ।

शुक्तिका, स्त्री० मुक्तास्फोट । चुक्रिका ॥ सीप । चूकाशाक ।
शुक्तिज, न० मुक्ता ॥ मोती ।
शुक्तिबीज, न० ऐ ।
शुक्र, न० मज्जसम्भूतधातु । नेत्ररोगविशेष ॥ वीर्य्य । एक प्रकारका नेत्ररोग अर्थात् फूला ।
शुक्र, पु० चित्रकवृक्ष ॥ चीतावृक्ष ।
शुक्ल, न० रजत । नवनीत । नेत्ररोग-विशेष ॥ चाँदी । नैनी । एक प्रकारका नेत्ररोग ।
शुक्लकन्द, पु० महिषकन्द ॥ भैंसाकन्द ।
शुक्लकन्दा, स्त्री० अतिविषा ॥ अतीस ।
शुक्लकुष्ठ, न० श्वेतवर्णकुष्ठरोग ॥ सफेद कोढ ।
शुक्लदुग्ध, पु० शृङ्गाटक ॥ सिङ्घाडा ।
शुक्लधातु, पु० कठिनी ॥ सेलखड़ी, खड़िया ।
शुक्लपुष्प, पु० छत्रकवृक्ष । कुन्दपुष्पवृक्ष । मरुबक-वृक्ष । श्वेतवर्णकोकिलाक्षवृक्ष ॥ छातारिया । कुन्दपुष्पवृक्ष । मरुआवृक्ष । सफेद तालमखाना ।
शुक्लपुष्पा, स्त्री० नागदन्ती । शीतकुम्भी ॥ हाथीशुण्डवक्ष । "शिउली छोप" ।
शुक्लपुष्पी, स्त्री० नागदन्ती ॥ हाथीशुण्डावृक्ष ।
शुक्लपृष्ठक, पु० सिन्धुकवृक्ष ॥ सिह्मालुवृक्ष ।
शुक्लमण्डल, न० नेत्रे श्वेतांश । आखोंका सफेद भाग ।
शुक्लरोहित, पु० श्वेतरोहितकवृक्ष ॥ सफेद रोहेआ वृक्ष ।
शुक्लला, स्त्री० उच्चटा ॥ निर्विषी घास ।
शुक्लशाल, पु० गिरिनिम्बवृक्ष । श्वेतवर्णशाल ॥ पर्वतीनीमवृक्ष । सफेद सालवृक्ष ।
शुक्लक्षीरा, स्त्री० काकोली ॥ काकोली ।
शुक्ला, स्त्री० शर्करा । काकोली । विदारी । स्नुहीवृक्ष ॥ चीनी । काकोली औषधी । विदारी-कन्द । सेहुण्डवृक्ष ।
शुक्लाख्य, न० नेत्ररोगान्तर्गतशुक्लगत-रोग विशेष ।
शुक्लार्म्म, [न्] न० शुक्लनामनेत्ररोग ।
शुक्लोत्पल, न० श्वेतउत्पल ॥ सफेद कुमुद ।
शुक्लोपला, स्त्री० शर्करा ॥ चीनी ।
शुङ्ग, पु० वटवृक्ष । आम्रातक ॥ वड़का पेड़ । अम्बाड़ावृक्ष ।
शुङ्गा, स्त्री० पर्कटीवृक्ष ॥ पिलखनवृक्ष ।
शुङ्गी [न्] प्लक्षवृक्ष । वटवृक्ष । गर्दभाण्ड-वृक्ष ॥ पाखरका पेड़ । वडका पेड । पारिस पीपल ।

शुचि, पु० चित्रकवृक्ष ॥ चीतावृक्ष ।
शुचिद्रुम, पु० अश्वत्थवृक्ष ॥ पीपलका पेड ।
शुचिमल्लिका, स्त्री० नवमालिका ॥ नेवारी ।
शुटीर्य, न० वीर्य ॥ शुक्र ।
शुण्ठि, स्त्री० शुष्कार्द्रक ॥ सोंठ ।
शुण्ठी, स्त्री० ऐ ।
शुण्ठ्य, न० ऐ ।
शुण्डरोह, पु० भूतृण ॥ शरवाण ।
शुण्डा, स्त्री० मदिरा ॥ मद्य ।
शुण्डिका, स्त्री० अलिजिह्विका ॥ तालूके ऊपर एक छोटी जीव ।
शुण्डी, स्त्री० हस्तिशुण्डी ॥ हाथीशुण्डावृक्ष ।
शुद्ध, न० सैन्धवलवण । मरिच ॥ सैंधानोन। कालीमिरच ।
शुद्धवल्लिका, स्त्री० गुडूची ॥ गिलोय ।
शुनकंचुका, स्त्री० क्षुद्रचञ्चुक्षुप ॥ छोटाचञ्चु ।
शुनकचिल्ली, स्त्री० श्वचिल्लीनाम शाक ।
शुभ, न० पद्मक ॥ पद्माख ।
शुभकरी, स्त्री० शमीवृक्ष ॥ छौंकरावृक्ष ।
शुभग, पु० टङ्कण ॥ सुहागा ।
शुभगन्धक, न० बोलनाम गन्धद्रव्य ॥ बोल ।
शुभद, पु० अश्वत्थवृक्ष ॥ पीपलका पेड ।
शुभपात्रिका, स्त्री० शालपर्णी ॥ शालवन ।
शुभा, स्त्री० वंशलोचना । गोरोचना । शमीवृक्ष प्रियङ्गु । श्वेतदूर्वा ॥ वंशलोचन । गौलोचन छौंकरावृक्ष । फूलप्रियङ्गु । सफेददूव ।
शुभाञ्जन, पु० शोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैंजिनेका पेड।
शुभ्र, न० अभ्रक । गड लवण । रौप्य । कासीस ॥ अभ्रक । सामरनौन । रूपा । कसीस ।
शुभ्र, पु० चन्दनवृक्ष ॥ चन्दनका पेड ।
शुभ्रपुङ्खा, स्त्री० श्वेतवर्ण शरपुङ्खा ॥ सफेद सर-फोंका ।
शुभ्रा, स्त्री० वंशरोचना । स्फटी ॥ वंशलोचन । फटकिरी ।
शुभ्रांश, पु० कर्पूर ॥ कपूर ।
शुभ्रालु, पु० महिषकन्द । श्वेतालु ॥ भैंसाकन्द । सफेद आलु ।
शुल्ल, न० ताम्र ॥ तावाँ ।
शुल्व, पु० ऐ ।
शुल्वक, न० ताम्र ॥ तावाँ ।
शुल्वारि, पु० गन्धक ॥ गन्धक ।
शुषवी, स्त्री० कारवेल्ललता ॥ करेला ।
शुषिरा, स्त्री० नलीनामगन्धद्रव्य ॥ नलिका ।

शुषिराख्य, पु० रंध्रवंश ॥ बाँसका भेद।

शुष्कपत्र, न० आतपादिद्वारा शोषित पट्टशाक ॥ धूपसे सुखाये हुवे नाड़ीके पत्ते । चाहाके पत्ते ।

शुष्कमूलादिगण, पु० शुष्कमूलक । पुनर्नवा । देवदारु । रास्ना । शुण्ठि । मञ्जिष्ठा । मरिच । कुष्ठ ॥ सूखीमूली । साँठ । देवदारु । रायसन। सोंठ । मजीठ । मिरच । कूठ ।

शुष्कवृक्ष, पु० धववृक्ष ॥ धौंवृक्ष ।

शुष्काङ्ग, पु० ऐ।

शुष्कार्द्र, न० शुण्ठी ॥ सोंठ।

शुष्मा, [न्] पु० चित्रकवृक्ष ॥ चीतावृक्ष ।

शूकतृण, न० तृण-विशेष ॥ शूकडि तृण ।

शूकधान्य, न० शूकयुक्तसस्यमात्र ॥ जोइत्यादि ।

शूकपिण्ड, स्त्री० शूकशिम्बि ॥ कौंछ ।

शूकपिण्डी, स्त्री० ऐ।

शूकरकन्द, पु० वाराहीकन्द ॥ वाराही गेंठी ।

शूकरदंष्ट्र, पु० क्षुद्ररोग-विशेष ॥ बालकोंको यह रोग होजाता है ।

शूकरपादिका, स्त्री० कोलशिम्बी ॥ सुअरासेम ।

शूकरक्रान्ता, स्त्री० वराहक्रान्ता ॥ खैरीशाक ।

शूकरी, स्त्री० वराहक्रान्ता । वाराहीकन्द ॥ वराहक्रान्ता । गेंठी ।

शूकरेष्ट, पु० कशेरु ॥ कशेरू ।

शूकवती, स्त्री० कपिकच्छु ॥ कौंछ ।

शूकशिम्बा, स्त्री० ऐ ।

शूकाशिम्बि, स्त्री० ऐ ।

शूकशिम्बिका, स्त्री० ऐ ।

शूकाशिम्बी, स्त्री० ऐ

शूका, स्त्री० ऐ ।

शूतिपर्ण, पु० आरग्वधवृक्ष ॥ अमलतासवृक्ष ।

शूद्रप्रिय, पु० पलाण्डु ॥ प्याज ।

शूद्रार्त्ता, स्त्री० प्रिगङ्गुवृक्ष ॥ फूल प्रियङ्गु ।

शून्यगर्भ, पु० सूर्यपत्र ॥ पैपियागाछ वङ्गभाषा ।

शून्यमध्य, पु० नल ॥ नल । नरसल ।

शून्या, स्त्री० नली । महाकण्टकिनी ॥ कणिमनसा वङ्गभाषा ।

शूर, पु० चित्रकवृक्ष । शालवृक्ष । लकुच । मसूर ॥ चीतावृक्ष । सालवृक्ष । बडहरवृक्ष । मसूरअन्न ।

शूरण, पु० मूल-विशेष । श्योनाकवृक्ष ॥ शूरन, जमीकन्द । शोनापाठा ।

शूर्प, पु० न० द्रोणद्वयपरिमाण ॥ चौंसठ ६४ सेर-तोले ।

शूर्पपर्णी, स्त्री० मुद्गपर्णी ॥ मुगवन ।

शूर्पपर्णीद्वय, न० मुद्गपर्णी । माषपर्णी । मुगवन । मषवन ।

शूल, पु० न० स्वनामख्यात रोग ॥ शूलरोग ।

शूलग्रन्थि, स्त्री० मालादूर्वा ॥ मालादूव ।

शूलघातन, न० मण्डूर ॥ मण्डूर ।

शूलघ्न, पु० तुम्बुरुवृक्ष ॥ तुम्बुरु ।

शूलद्विट्, [ष्] पु० हिङ्गु ॥ हीङ्ग ।

शूलनाशन, न० सौवर्चललवण ॥ चौहार कोडा ।

शूलपत्री, स्त्री० शूलीतृण ॥ शूलीघास ।

शूलशत्रु, पु० एरण्डवृक्ष ॥ अण्डका पेड़।

शूलहन्त्री, स्त्री० यवानी ॥ अजवायन ।

शूलहृत, पु० हिङ्गु ॥ हीङ्ग ।

शूलिन, पु० भाण्डीरवृक्ष ॥ भाण्डीरवृक्ष ।

शूली, स्त्री० तृण-विशेष ॥ शूलीघास ।

शूलोत्खा, स्त्री० सोमराजी ॥ वायची ।

शूल्यपाक, पु० शूलविद्ध अङ्गारपक्व मांसादि ॥ कबाब फारसी भाषा ।

शृगालकण्टक, पु० कण्टकयुक्तक्षुप-विशेष ।

शृगालकोल, पु० क्षुद्रकोलि ॥ एकप्रकारका छोटाबेर ।

शृगालघण्टी, स्त्री० कोकिलाक्ष ॥ तालमखाना ।

शृगालजम्बु, स्त्री० शीर्णवृन्त ॥ तरबूज ।

शृगालविन्ना, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन ।

शृगालिका, स्त्री० भूमिकूष्माण्ड ॥ विदारीकन्द ।

शृगाली, स्त्री० कोकिलाक्ष । विदारी ॥ तालमखाना । विदारीकन्द ।

शृङ्खली, स्त्री० कोकिलाक्ष ॥ तालमखाना ।

शृङ्ग, न० पद्म ॥ कमल ।

शृङ्गक, पु० जीवकवृक्ष ॥ जीवकवृक्ष ।

शृङ्गकन्द, पु० शृङ्गाटक ॥ सिङ्घाडे ।

शृङ्गज, न० अगुरु ॥ अगर ।

शृङ्गमूल, पु० शृङ्गाटक ॥ सिङ्घाडे ।

शृङ्गमोही [न्], पु० चम्पकवृक्ष ॥ चम्पावृक्ष ।

शृङ्गला, स्त्री० अजशृङ्गी ॥ मेढाशिङ्गी ।

शृङ्गवेर, न० आर्द्रक । शुण्ठी ॥ अदरक ॥ सोंठ ।

शृङ्गवेरक, न० ऐ ।

शृङ्गवेराभमूलक, पु० एरक ॥ मोथीतृण । पटेर ।

शृङ्गाट, पु० जलकण्टक ॥ सिङ्घाडे ।

शृङ्गाटक, न० पु० कण्टकयुक्त जलजातफल-लता-विशेष ॥ सिंघाडे ।

शृङ्गार, न० लवङ्ग । सिन्दूर । आर्द्रक । कृष्णागरु ॥ लोंग । सिन्दूर । अदरक । काली अगर ।

शृङ्गारक, न० सिन्दूर ॥ सिन्दूर।
शृङ्गारभूषण, न० ऐ।
शृङ्गारी [न्], स्त्री०पूग ॥ सुपारी।
शृङ्गिक, न० विषभेद। एक प्रकारका जहर।
शृङ्गिका, स्त्री० प्रतिविषा ॥ अतीस।
शृङ्गिनी, स्त्री० श्लेष्मघ्नीवृक्ष। मल्लिकावृक्ष ॥ मालकाङ्गुनी। मल्लिकावृक्ष।
शृङ्गी, स्त्री० अतिविषा। कर्कटशृङ्गी। ऋषभक। प्लक्ष। विष। स्वनामख्यात विष ॥ अतीस। काकडाशिङ्गी। ऋषभौषधि। पाखरका पेड। विष। शृङ्गी विष।
शृत, त्रि० क्वथित ॥ सिद्ध।
शेखर,न०लवङ्ग। शिग्रुमूल॥लोंग।सैजिनेकी मूली।
शेखरी, स्त्री० वन्दा ॥ बाँदा।
शेपाल, पु० शैवाल ॥ शिवार।
शेफः [स्], न० शिश्न ॥ लिङ्ग।
शेफालि, स्त्री० शेफालिका ॥ निर्गुण्डी।
शेफालिका, स्त्री० पुष्पवृक्ष-विशेष ॥ निर्गुण्डी।
शेफाली, स्त्री० शेफालिका। नीलसिन्धुवार ॥ निर्गुण्डी। नीलसिह्मालु।
शेलु, पु० बहुवारवृक्ष ॥ लिसोड़ावृक्ष।
शेवल, न० शैवाल ॥ सिवार।
शेवाल, न० ऐ।
शेवाली, स्त्री० आकाशमांसी ॥ सूक्ष्मजटामांसी।
शैखरिक, पु० अपामार्ग ॥ चिरचिटा।
शैखरेय, पु० ऐ।
शैत्यबीज, न० शीतबीज ॥ ईसवगोल।
शैरीयक, पु० नीलझिण्टी ॥ नीली कटसरैया।
शैरेयक, पु० ऐ।
शैल, न० शैलेय। रसाञ्जन। शिलाजतु ॥ पत्थर-काफूल। रसोत। शिलाजीत।
शैलक, न० शैलज ॥ पत्थरका फूल।
शैलगन्ध, न० शम्बरचन्दन ॥ शम्बरचन्दन।
शैलगर्भाह्वा, स्त्री० शिलावल्का ॥ शिलावाक।
शैलज, न० शैलेय ॥ पत्थरका फूल, भूरिछरीला
शैलजा, स्त्री०सैंहली। गजपिप्पली॥ सिंहलीपीपल। गजपीपल।
शैलनिर्य्यास, न० शैलेय ॥ भूरिछरीला।
शैलपत्र, पु० बिल्ववृक्ष ॥ बेलका पेड।
शैलमूली, स्त्री० हिमालयप्रदेशोत्पन्न मूलकवत् मूल-विशेष।
शैलवल्कला, स्त्री० शिलावल्कला ॥ शिलावाक्।
शैलबीज, पु० भल्लातकवृक्ष ॥ भिलावेका पेड।
शैलसुता, स्त्री० ज्योतिष्मती ॥ मालकाङ्गुनी।
शैलाख्य, न० शैलेय ॥ भूरिछरीला।
शैलाज, न० ऐ।
शैलूष, पु० बिल्ववृक्ष ॥ बेलका पेड।
शैलेन्द्रस्थ, पु० भूर्जवृक्ष ॥ भोजपत्रवृक्ष।
शैलेय, न० गन्धद्रव्य-विशेष। तालपर्णी। सैन्धव। शिलाजतु ॥ भूरिछरीला। मुसली। सैंधानोन। शिलाजीत।
शैलेयक, न० ऐ।
शैलोद्भवा,स्त्री०क्षुद्रपाषाणभेदी॥छोटा पाखानभेद।
शैव, न० शैवाल ॥ शिवार।
शैव, पु० वसुक। धत्तूर ॥ वसुवृक्ष। धतूरा।
शैवल, न० पद्मक ॥ पद्माख।
शैवल, पु० शैवाल ॥ शिवार।
शैवाल, न० जलजद्रव्य-विशेष ॥ शिवार काई।
शोकनाश, पु० अशोकवृक्ष ॥ अशोकवृक्ष।
शोकहारी, स्त्री० वनबर्बरिका ॥ वनबर्बरी।
शोकारि,पु० कदम्बवृक्ष ॥ कदमवृक्ष ॥
शोचिष्केश, पु० चित्रकवृक्ष ॥ चीतावृक्ष।
शोण, न० सिन्दूर ॥ सिन्दूर।
शोण, पु० श्योनाकवृक्ष। रक्तेक्षु। श्योनाक प्रभेद ॥ शोनापाठा। लाल ईख। दूसरा शोनापाठा।
शोणक,पु० श्योनाकवृक्ष। श्योनाकप्रभेद ॥ शोनापाठा। दूसरा शोनापाठा।
शोणझिण्टिका, स्त्री० कुरुबकवृक्ष ॥ पीले फूल-कटसरैया।
शोणपत्र, पु० रक्तपुनर्नवा ॥ गदहपूर्ना साँठ।
शोणपद्मक, न० रक्तपद्म ॥ लाल।
शोणपुष्पक, पु०कोविदारवृक्ष॥ लाल कचनार।
शोणपुष्पी, स्त्री० सिन्दूरपुष्पी ॥ सिन्दूरिया।
शोणाक, पु० श्योनाकवृक्ष ॥ शोनापाठा।
शोणित, न० कुङ्कुम। हिङ्गुल। ताम्र। रक्त ॥ केशर। सिङ्गरफ। ताबाँ। रुधिर।
शोणितचन्दन, न० रक्तचन्दन ॥ लाल चन्दन।
शोणिताभय, न० कुङ्कुम ॥ केशर।
शोणितोत्पल, न० रक्तोत्पल ॥ लालकमल।
शोथ, पु०स्वनामख्यातरोग॥सूजनरोग,अथार्त्भाँभर। रोग।
शोथघ्नी, स्त्री० पुनर्नवा ॥ शालपर्णी ॥ साँठ। सालवन।
शोथजित्, पु० भल्लातक ॥ भिलावे।
शोधक, न० कङ्कुष्ठ ॥ मुरदासंग।
शोधन, न० कासीस ॥ कसीस।

शोधन, पु० निम्बूक ॥ नीबु ।
शोधनी, स्त्री० ताम्रवल्ली । नीली ॥ ताम्रवल्लीलता। नीलका पेड ।
शोधनीबीज, न० जयपाल ॥ जमालगोटा ।
शोक, पु० शोथ ॥ सूजन रोग ।
शोफघ्नी, स्त्री० शालपर्णी । रक्तपुनर्नवा । पुनर्नवा॥ शालवन । गदहपूर्ना । विषखपरा ।
शोफनाशन, पु० नीलवृक्ष ॥ नीलका पेड ।
शोफहृत, पु० भल्लातक ॥ भिलावेका पेड ।
शोभन, न० पद्म ॥ कमल ।
शोभनक, पु० शोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैंजिनेका पेड ।
शोभना, स्त्री० हरिद्रा । गोरोचना ॥ हलदी । गोलोचन ।
शोभा, स्त्री० ऐ ।
शोभाञ्जन, पु० वृक्ष-विशेष ॥ सैंजिनेका पेड ।
शोली, स्त्री० वनहारिद्रा ॥ वनहलदी ।
शोष, पु० यक्ष्मरोग ।
शोषण, न० शुण्ठी ॥ सोंठ ।
शोषसम्भव, न० पिप्पलीमूल ॥ पीपरामूल ।
शोषापहा, स्त्री० क्लीतनक ॥ मुलहटी ।
शौक्तिकेय, शौक्तेय, न० मुक्ता ॥ मोती ।
शौण्डी, स्त्री० पिप्पली । चव्य ॥ पीपल । चव्य ।
शौधिका, स्त्री० रक्तकङ्गु ॥ लालकाङ्गुनी ।
शौभ, पु० गुवाक ॥ सुपारी ।
शौभाञ्जन, पु० शोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैंजिनेका पेड।
शौल्किकेय, पु० विषभेद । एक प्रकारका विष।
शौल्क, न० शतपुष्पा ॥ सौंफ ।
श्याम, न० मरिच । सिन्धुलवण ॥ मिरच । सैंधानोन ।
श्याम, पु० वृद्धदारक । धत्तूरवृक्ष । पीलुवृक्ष । दमनकवृक्ष । गन्धतृण । श्यामाक ॥ विधारावृक्ष । धतूरावृक्ष । पीलुवृक्ष । दवनावृक्ष । सुगंधघास । श्यामाकघास ।
श्यामक, न० रोहिषतृण ॥ गंधेजघास ।
श्यामक, पु० श्यामाक ॥ शामाकघास ।
श्यामकन्दा, स्त्री० अतिविषा ॥ अतीस ।
श्यामकाण्डा, स्त्री० गण्डदूर्वा ॥ गांडरदूब ।
श्यामग्रन्थि, स्त्री० ऐ ।
श्यामपत्र, पु० तमालवृक्ष ॥ स्यामतमाल ।
श्यामल, पु० अश्वत्थवृक्ष ॥ पीपलका पेड ।
श्यामचूडा, स्त्री० गुञ्जा ॥ घुँघुची ।
श्यामलता, स्त्री० श्यामालता॥ कालीसर-सारिवन।
श्यामलबीज, न० कृष्णबीज ॥ कालादाना ।
श्यामला, स्त्री० अश्वगन्धा । कटभी । जम्बू। कस्तूरी ॥ असगन्ध । कटभीवृक्ष जामुन वृक्ष कस्तूरी ।
श्यामलिका, स्त्री० नीली ॥ नीलका पेड ।
श्यामलेक्षु, पु० कृष्णेक्षु ॥ कालीईख ।
श्यामा, स्त्री० श्यामालता । प्रियङ्गु । वाकुचि । कृष्णत्रिवृता नीलिका । गुग्गुल । सोमलता । गुन्द्रा । गुडूची । वन्दा । कस्तूरी । वटपत्री । पिप्पली । हरिद्रा । नीलदूर्वा । तुलसी । पद्मबीज वृद्धदारक । कृष्णसारिवा । शिंशपा ॥ शारिवा । फूलप्रियङ्गु । बावची । स्यामपनिलर । नीलका वृक्ष । गूगल । सोमलता । भद्रमोथा मोथीतृण । गिलोय । वांदा। कस्तूरी । वड़पत्री । पीपल। हलदी। नीली । दूब । तुलसी । कमलगट्टा । विधारा। कालीसर । सीसोंका वृक्ष अर्थात् लाहीं ।
श्यामाक, पु० तृणधान्यभेद ॥ समाअन्न ।
श्यामाम्ली, स्त्री० नीलाम्ली ॥ "नल्ल बुनगुड" ।
श्येनघण्टा, स्त्री० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष ।
श्योनाक, पु० वृक्ष-विशेष ॥ शोनापाठा, अरलु। टेंटू ।
श्रपिता, स्त्री० काञ्जिक ॥ कांजी ।
श्रमणा, स्त्री० सुदर्शना । मांसी । मुण्डिरी ॥ सुदर्शन । जटामांसी । गोरखमुण्डी ।
श्रवणशीर्षिका, स्त्री० श्रावणी ॥ बडी गोरखमुण्डी ।
श्रवणा, स्त्री० मुण्डितिका ॥ गोरखमुण्डी ।
श्राद्धशाक, न० कालशाक ॥ नाडीकाशाक।
श्रावणा, स्त्री० दध्यानी ॥ दधियू वृक्ष ।
श्रावणी, स्त्री० मुण्डितिका ॥ मुण्डी ।
श्री, स्त्री० लवङ्ग । सरलवृक्ष । पद्म । बिल्ववृक्ष । वृद्धिनामौषधि ॥ लौंग। धूपसरल । कमल । बेलकापेड ।
श्रीकन्दा, स्त्री० वन्ध्याकर्कोटकी ॥ बनककोड़ा ।
श्रीकर, न० रक्तोत्पल ॥ लाल कमल ।
श्रीखण्ड, पु० न० चन्दन ॥ चन्दन ।
श्रीताल, पु० तालवृक्षसदृश-वृक्षविशेष ॥ श्रीताड ।
श्रीवर्ण, न० अग्निमन्थवृक्ष ॥ अरणी ।
श्रीपर्णिका, स्त्री० कट्फलवृक्ष ॥ कायफल ।
श्रीपर्णी, स्त्री० गम्भारीवृक्ष । कट्फलवृक्ष शाल्मलीवृक्ष । हटवृक्ष । अग्निमन्थवृक्ष ॥ कम्भारी, कुम्भेर । कायफल । सेमलवृक्ष । हठवृक्ष । अरणीवृक्ष ।
श्रीपिष्ट, पु० सरलवृक्षरस । तार्पीनतैल वङ्गभाषा ।
श्रीपुष्प, न० लवङ्ग । पद्मक ॥ लौंग । पद्माख ।

श्रीफल, पु० बिल्ववृक्ष । राजादनीवृक्ष ॥ बेलका पेड । खिरनीका पेड़ ।
श्रीफला, स्त्री० नीली । क्षुद्रकारवेल्ली ॥ नीलका पेड । छोटा करेला ।
श्रीफली, स्त्री०आमलकी । नीली ॥आमला । नील-का पेड ।
श्रीभद्रा, स्त्री० भद्रमुस्तक ॥ भद्रमोथा ।
श्रीमलापहा, स्त्री० धूम्रपत्रा ॥ तमाखु ।
श्रीमस्तक, पु०रसोन ॥ ल्हशन ।
श्रीमान् [त], तिलकवृक्ष । अश्वत्थवृक्ष ॥ ति-लकवृक्ष । पीपपलका पेड़ ।
श्रीरस, पु० श्रीवेष्ट ॥ सरलका रस ।
श्रीलता, स्त्री० महाज्योतिष्मती ॥ बड़ीमालका-ङ्गनी+नवनीतखोटी वङ्गभाषा ।
श्रीवल्ली, स्त्री० कण्टकवृक्षभेद ॥ श्रीवल्लीवृक्ष ।
श्रीवाटी, स्त्री० नागवल्लीभेद ॥ एक प्रकारके पान ।
श्रीवारक, पु० सितावरशाक ॥ शिरिआरीशाक ।
श्रीवास, पु० श्वेतचन्दन । पद्मपुष्प । सरलवृक्ष-रस ॥ सफेदचन्दन । कमल । सरलकागोंद ।
श्रीवासच्छद, पु० सरलवृक्ष । श्वेतचन्दन । पद्मक ॥ सरलवृक्ष, धूपसरल । सफेदचन्दन । पद्माख ।
श्रीवासः [स्], पु० सरलद्रव ॥ सरलकागोंद।
श्रीवेष्ट, पु० ऐ ।
श्रीवेष्टक, पु० सरलवृक्ष । कुन्दुरु ॥ धूपसरल । लोवान–फार्सी भाषा ।
श्रीसंज्ञ, न०लवङ्ग ॥ लौंग ।
श्रीहस्तिनी, स्त्री० वृक्ष–विशेष ॥ हाथीशुण्डा ।
श्रुग्वारु, पु० विकङ्कतवृक्ष ॥ कण्टाई, विकङ्कः-तवृक्ष ।
श्रुघ्निका, स्त्री० स्वर्जिकाक्षर ॥ सज्जीखार ।
श्रुतश्रेणि, पु० द्रवन्ती ॥ मूसाकानी ।
श्रुतिस्फोटा, स्त्री० कर्णस्फोटालता ॥ कनफो-ड़ालता ।
श्रुवा, स्त्री० मूर्वा । शाल्मलीवृक्ष ॥ चुरनहार । सेमलकापेड़ ।
श्रुवावृक्ष, पु० विकङ्कतवृक्ष ॥ कण्टाई ।
श्रेयसी, स्त्री० हरीतकी । पाठा । गजपिप्पली । रास्ना ॥ हरड़ । पाठ । गजपीपल । रायसन ।
श्रेष्ठ, न० गोदुग्ध ॥ गायकादूध ।
श्रेष्ठकाष्ठ, पु० शाकवृक्ष ॥ शेगुनवृक्ष ।
श्रेष्ठा, स्त्री० स्थलपद्मिनी । मेदा ॥ स्थलकमल । मेदा औषधी ।
श्रेष्ठाम्ल, न० वृक्षाम्ल ॥ विषाविल ।
श्रोणा, स्त्री० काञ्जिक ॥ काँजि ।
श्रोणि, स्त्री० कटि ॥ कमर ।
श्रोणी, स्त्री० ऐ ।
श्याह्व, न० पद्म ॥ कमल ।
श्लक्ष्णक, न० पूगफल ॥ सुपारी ।
श्लक्ष्णत्वक् [च्], पु० अश्मन्तकवृक्ष ॥ आवु-टा पश्चिमदेशकीभाषा ।
श्लीपद, न० पादरोग–विशेष ।
श्लीपदप्रभव, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमकापेड ।
श्लीपदापह, पु० पुत्रजीववृक्ष ॥ जियापोता ।
श्लीपदारि, पु० काफिवृक्ष ॥ काफिवृक्ष ।
श्लेष्मघ्ना, स्त्री० मल्लिका । केतकी ॥ मल्लिका । केतकी ।
श्लेष्मघ्नी, स्त्री० ज्योतिष्मती । मल्लिका । त्रिकटु॥ मालकाङ्गनी । मल्लिका । सोंठ, मिरच, पीपल ।
श्लेष्मणा, स्त्री० वृक्ष–विशेष ॥ श्लेष्मणावृक्ष ।
श्लेष्मल, पु० वृक्ष–विशेष ॥ लिसोडावृक्ष ।
श्लेष्मह, पु० कट्फलवृक्ष । वृक्ष–विशेष ॥ कायफल । चा ।
श्लेष्मात, पु० बहुवारवृक्ष ॥ लिसोड़ावृक्ष ।
श्लेष्मातक, पु० ऐ ।
श्लेष्मान्तक, पु० ऐ ।
श्लेष्मारि, पु० वृक्ष–विशेष ॥ चा ।
श्वदंष्ट्रक, पु० गोक्षुर ॥ गोखुरु ।
श्वदंष्ट्रा, स्त्री० ऐ ।
श्वफल, पु० बीजपूर ॥ बिजोरानीबु ।
श्वयथु, पु० शोथ ॥ सूजन ।
श्वसन, पु० मदनवृक्ष ॥ मैनफलकावृक्ष ।
श्वसनेश्वर, पु० अर्ज्जुनवृक्ष ॥ कोहवृक्ष ।
श्वसुन, पु० क्षतघ्नवृक्ष ॥ ककरोंदा ।
श्वानचिल्लिका, स्त्री० शाक–विशेष ॥ शुनक-चिल्ली ।
श्वान्नति, स्त्री० ब्राह्मणयष्टिका ॥ भारङ्गी ।
श्वास, पु० स्वनामख्यातरोग ॥ श्वासरोग ।
श्वासारि, पु० पुष्करमूल ॥ पोहकरमूल ।
श्वित्र, न० श्वेतकुष्ठ ॥ सफेदकोढ ।
श्वित्रघ्नी, स्त्री० पीतपर्णी ॥ "चोकता" ।
श्वत, न० रूप्य ॥ रूपा ।
श्वेत, पु० कपर्दक । श्वेताभ्र । शङ्ख । जीवक ॥ कौडी । सफेदअभ्रक । शंख । जीवक औषधी ।
श्वेतक, न० रूप्य ॥ रूपा । पु० वराटक ॥ कौडी।
श्वेतकण्टकारी,स्त्री०शुक्लकण्टकारी ॥ सफेदकटेहरी।
श्वेतकन्दा, स्त्री० अतिविषा ॥ अतीस ।

श्वेतकिणिही, स्त्री० गिरिकर्णिकावृक्ष ॥ सफेद किणिहीवृक्ष ।
श्वेतकुश, पु० तृण-विशेष ॥ सफेदकुशा ।
श्वेतकेश, पु० रक्तशिग्रु ॥ लालसैजिनेका पेड ।
श्वेतखदिर, पु० शुक्लखदिर ॥ सफेद खैर, पपडियाकत्था ।
श्वेतगुञ्जा, स्त्री० शुक्लवर्णगुञ्जा ॥ सफेद घुँघुची ।
श्वेतचन्दन, न० श्वेतचन्दन ॥ सफेद चन्दन ।
श्वेतचिल्ली, स्त्री० शाकभेद ॥ चिलारी ।
श्वेतच्छद, पु० गन्धपत्र ॥ वनतुलसी ।
श्वेतजीकर, पु० गौरजीरक ॥ सफेद जीरा ।
श्वेतटङ्कक,न० श्वेतटङ्कण ॥ सफेद सुहागा ।
श्वेतटङ्कण, न० क्षार-विशेष ॥ सफेद सुहागा ।
श्वेतदूर्वा, स्त्री० शुक्लदूर्वा ॥ सफेद दूब ।
श्वेतधातु, पु० खटिका, ॥ खडिया ।
श्वेतधामा [न्], पु० कर्पूर । समुद्रफेन ॥ कपूर । समुद्रफेन ।
श्वेतवर्ण, न० शुक्लवर्णपद्म ॥ सफेद कमल ।
श्वेतपर्णा, स्त्री० वारिपर्णी ॥ जलकुम्भी ।
श्वेतपर्णास, पु० श्वेततुलसी ॥ सफेद तुलसी ॥
श्वेतपलाण्डु,पु० शार्दूलकन्द ॥ वनप्याज ।
श्वेतपाटला, स्त्री० शुक्लपाटलावृक्ष ॥ सफेदपाढर ।
श्वेतपिण्डीतक, पु० महापिण्डीतरु ॥ पेंडिरावृक्ष ।
श्वेतपुष्प, पु० सिन्दुवारवृक्ष ॥ सिह्मालुवृक्ष ।
श्वेतपुष्पक, पु० करवीरवृक्ष ॥ कनेरका पेड ।
श्वेतपुष्पा, स्त्री० श्वेतघोषा । नागदन्ती । मृगेर्वारु। नागपुष्पी ॥ तोरई । हाथीशुण्डावृक्ष । सेंधिनी । नागपुष्पी ।
श्वेतपुष्पिका, स्त्री० महाशनपुष्पिका । पुत्रदात्री ॥ बडीशनपुष्पी । पुत्रदात्रीलता ।
श्वेतप्रसूनक, पु० शाकवृक्ष ॥ सगुणवृक्ष ।
श्वेतफल, पु० वृक्ष-विशेष ॥ पेयारा वङ्गभाषा ।
श्वेतभण्डा, स्त्री० श्वेतापराजिता ॥ सफेद कोयल ।
श्वेतमन्दारक, पु० वृक्ष-विशेष ॥ सफेद आक, सफेद मन्दारवृक्ष ।
श्वेतमरिच, न० शोभाञ्जनबीज । शुक्लवर्णमीरच ॥ सैजिनेके बीज । सफेद मिरच ।
श्वेतमूला, स्त्री० श्वेतपुनर्नवा । विषखपरा ।
श्वेतमूली, स्त्री० मूल-विशेष ।
श्वेतरञ्जन, न० ॥ सीसक ॥ सीसा ।
श्वेतराजी, स्त्री० चचेण्डा ॥ चिचेंडा ।
श्वेतरोहित, पु० वृक्ष-विशेष ॥ सफेद रोहेडा ।
श्वेतलोध्र, पु० पट्टिकालोध्र ॥ पठानीलोध ।
श्वेतवचा, स्त्री० अतिविषा । शुक्लवचा ॥ अतीस । सफेदवच ।
श्वेतवल्कल, पु० उदुम्बरवृक्ष ॥ गूलरवृक्ष ।
श्वेतवुह्वा, स्त्री० वनतिक्ता ॥ सफेदवोना ।
श्वेतबृहती, स्त्री० शुक्लवर्ण क्षुद्रवार्त्ताकी ॥ सफेद फूलकी बृहती ।
श्वेतवृक्ष, पु० वरुणवृक्ष ॥ वरना वृक्ष ।
श्वेतशरपुङ्खा, स्त्री० क्षुप-विशेष ॥ सफेद सरपोंका।
श्वेतशिग्रु, पु० शुक्लशोभाञ्जन ॥ सफेद सैजिना ।
श्वेतशिंशपा, स्त्री० शुक्लशिंशपावृक्ष । सफेद सीसोकावृक्ष ।
श्वेतशुङ्ग, पु० यव ॥ जौ ।
श्वेतशूरण, पु० वनसूरण ॥ वनजमीकन्द ।
श्वेतसर्प, पु० वरुणवृक्ष ॥ वरनावृक्ष ।
श्वेतसार, पु०खदिर ।श्वेतखदिर ॥ खैरवृक्ष । सफेद खैरवृक्ष ।
श्वेतसुरसा, स्त्री० श्वेतशेफालिका॥ सफेद नेवारी।
श्वेतस्पन्दा, स्त्री० अपराजिता ॥ कोयल ।
श्वेता, स्त्री० वराटिका । काष्ठपाटला । शङ्खिनी । अतिविषा । अपराजिता । श्वेतबृहती। श्वेतकण्टकारी । श्वेतदूर्वा । पाषाणभेदी । वंशलोचन । पुनर्नवा । श्वेतापराजिता । शिलावल्कला। स्फटी । शर्करा । वृक्ष-विशेष ॥ कौडी । कठपाडर । शङ्खिनी । अतीस। कोयल।सफेद कटाई। सफेद कटेहरी । सफेद दूव । पाखानभेद । वंशलोचन । सोंठ । सफेद कोयल । शिलावाक् । फटकिरी । चीनि । केनावृक्ष ।
श्वेतात्रिवृत, स्त्री० शुक्ल त्रिवृता ॥ सफेदनिशोथ ।
श्वेताम्लि, स्त्री० क्षुप-विशेष ॥ अम्लिका ।
श्वेतार्क, पु० शुक्लार्कवृक्ष ॥ सफेद आकवृक्ष ।
श्वेतावर, पु० सितावरशाक ॥ शिरिआरीशाक ।
श्वेताह्वा, स्त्री० सितपाटलिका ॥ सफेद पाढर ।
श्वेतेक्षु, पु० शुक्लवर्ण इक्षु ॥ सफेद ईख ।
श्वेतैला, स्त्री० सूक्ष्मैला ॥ गुजराती इलायची ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृतशालिग्रामौषधशब्दसागरे शकाराक्षरे तरङ्गः ॥

ष.

षट्पदप्रिय, पु० नागकेशरवृक्ष ॥ नागकेशरवृक्ष ।
षट्पदातिथि, पु० आम्रवृक्ष । चम्पकवृक्ष ॥ आमका पेड । चम्पावृक्ष ।
षट्पदानन्दवर्द्धन, पु० किंकिरातवृक्ष ॥ किंकिरातवृक्ष ।

षट्पदामोद, न० पुष्पवृक्ष-विशेष।
षट्पदेष्ट, पु० कदम्बवृक्ष ॥ कदमका पेड।
षडङ्ग, पु० क्षुद्रगोक्षुर ॥ छोटे गोखुरु।
षडूषण, न० द्रव्यसमूह-विशेष ॥ सोंठ, पीपल, मिरच, पीपलामूल, चीता, चव्य यह मिलेहुवे षडूषण कहे जाते हैं।
षड्ग्रन्था, स्त्री० वचा। श्वेतवचा। शठी। महाकरञ्ज ॥ वच। सफेदवच। छोटाकचूर गंधपलाशी। बडी करञ्ज।
षड्ग्रन्थि, न० पिप्पलीमूल ॥ पीपलामूल।
षड्ग्रन्थिका, स्त्री० शठी ॥ कचूर।
षड्ग्रन्थी, स्त्री० वचा ॥ वच।
षड्भुजा, स्त्री० फललताविशेष ॥ खरभूजा।
षड्रेखा, स्त्री० ऐ।
षण्मुखा, स्त्री० ऐ।
षष्टिक पु० धान्य-विशेष ॥ षाटी, साठीधान्य।
षष्टिका, स्त्री० ऐ।
षष्टिलता, स्त्री० भ्रमरमारी ॥ भ्रमरमारी।
षोडशावर्त्त, पु० शङ्ख ॥ शंख।
षोडशिकाम्र, न० पलपरिमाण ॥ आठ तोले।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृते शालिग्रामौषधशब्दसागरे षकाराक्षरे तरङ्गः ॥

स.

संग्राही [न्], पु० कुटजवृक्ष ॥ कुडावृक्ष।
संज्ञ, न० पीतकाष्ठ ॥ पीला चन्दन।
संन्यास, पु० मूर्च्छारोग-विशेष।
संवर्त, पु० बिभीतकवृक्ष ॥ बहेडावृक्ष।
संवाटिका, स्त्री० शृङ्गाटक ॥ सिंघाडे।
संविषा, स्त्री० अतिविषा ॥ अतीस।
संस्पर्शा, स्त्री० जनीनाम गन्धद्रव्य।
संहितपुष्पिका, स्त्री० मिश्रेया ॥ सोआ।
सकट, पु० शाखोटवृक्ष ॥ सहोरावृक्ष।
सकण्टक, पु० शैवाल। करञ्ज-विशेष ॥ शिवार। एक प्रकारकी करञ्ज।
सकुरुण्ड, पु० साकुण्डवृक्ष ॥ सकुरुण्डर गुजराती भाषा।
सकृत्फला, स्त्री० कदली ॥ केला।
सकृद्वीर, पु० एकवीरवृक्ष।
सक्तु, पु० भृष्टयवादिचूर्ण ॥ सत्तू।
सक्तुक, पु० विषभेद।
सक्तुफला, स्त्री० शमीवृक्ष ॥ छौंकरावृक्ष।
सक्तुफली, स्त्री० ऐ।
सङ्कटाक्ष, पु० धववृक्ष ॥ धौंवृक्ष।
सङ्कोच, न० कुङ्कुम ॥ केशर।
सङ्कोचनी, स्त्री० लज्जालु ॥ लज्जावन्ती।
सङ्कोचपिशुन, न० कुङ्कुम ॥ केशर।
सङ्गनिर्य्यास, पु० विरेचक निर्य्यास-विशेष।
सङ्कर, न० शमीवृक्षस्य फल ॥ छौंकराका फल।
सङ्कर, पु० विष ॥ विष।
सङ्ग्रहणी, स्त्री० ग्रहणीरोग ॥ संग्रहणी।
सङ्ग्राही [न्], पु० कुटजवृक्ष ॥ कुडाका पेड।
सङ्गपुष्पी, स्त्री० धातकी ॥ धायके फूल।
सङ्घाटिका, स्त्री० जलकण्टक ॥ सिङ्घाडे।
सङ्घातपत्रिका, स्त्री० शतपुष्पा ॥ सौंफ।
सचिव, पु० कृष्णधुस्तूर ॥ कालाधत्तूरा।
सचेष्ट, पु० आम्र ॥ आम।
सञ्चारा, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी।
सञ्चारिणी, स्त्री० हंसपदी ॥ लालरङ्गका लज्जालु।
सञ्चाली, स्त्री० गुञ्जा ॥ घुँघुची।
सञ्चित्रा, स्त्री० मूषिककर्णी ॥ मूसाकानी।
सटि, स्त्री० शठी ॥ कचूर।
सटिका, स्त्री० गन्धपत्रा। सटी ॥ वनसटी। कचूर।
सटी, स्त्री० शटी ॥ कचूर, आँबाहलदी।
सठी, स्त्री० ऐ।
सती, स्त्री० सौराष्ट्रमृत्तिका ॥ गोपीचन्दन।
सतीनक, पु० सतीलक ॥ मटर।
सतील, पु० वंश। कलाय ॥ वाँस। मटर।
सतीलक, पु० कलाय ॥ मटर।
सतीला, स्त्री० कलाय-विशेष ॥ विष्णुकान्ता।
सत्कदम्ब, पु० केलिकदम्ब ॥ केलिकदम।
सत्काञ्चनार, पु० रक्तकाञ्चन ॥ लालकचनार।
सत्फल, पु० दाडिमवृक्ष ॥ अनारका पेड़।
सत्यफल, पु० बिल्ववृक्ष ॥ बेलका पेड।
सत्यसार, पु० वृक्ष-विशेष। एकप्रकारकावृक्ष।
सदञ्जन, न० कुसुमाञ्जन ॥ पुष्पाञ्जन।
सदातोया, स्त्री० एलापर्णी ॥ एलानी वङ्गभाषा।
सदापुष्प, पु० नारिकेलवृक्ष ॥ नारियलका पेड।
सदापुष्पी, स्त्री० रक्तार्कवृक्ष ॥ लालआकवृक्ष।
सदाप्रसून, पु० रोहितक। अर्कवृक्ष। कुन्दपुष्पवृक्ष ॥ रोहेडावृक्ष। आकका पेड। कुन्दकपुष्पकावृक्ष।
सदाफल, पु० नारिकेल। उदुम्बर। बिल्ववृक्ष ॥ नारियलका पेड। गूलरवृक्ष। बेलका पेड।
सदाफला, स्त्री० त्रिसन्धिपुष्प। वार्त्ताकु-विशेष ॥ त्रिसन्धिपुष्पवृक्ष। एकप्रकारके बैंगन।

सदाभद्रा, स्त्री० गम्भारीवृक्ष । कुम्भेर ।
सद्यःशोथा, स्त्री० कपिकच्छु । कौंछ ।
सन, पु० घण्टापाटलिवृक्ष ॥ मोखावृक्ष ।
सनपर्णी, स्त्री० अशनपर्णी ॥ पटसन ।
सनामक, पु० शोभाञ्जन ॥ सैंजिनेका पेड ।
सन्तर्पण, न० द्राक्षा, दाडिम, खर्ज्जूरी, शर्करा, कदली, लाजाचूर्ण, मधु, घृतसंमिश्रित पानी-आदि ॥ दाख, अनार, खजूर, चीनी, केला, खीलोंकाचूर्ण, मधु, घीसंयुक्त मिलाहुवा । इनको सन्तर्पण कहतेहैं ।
सन्तान, पु० वंश ॥ वाँस ।
सन्तानिका, स्त्री० क्षीरसर ॥ दूधकी मलाई ।
सन्दानिका, स्त्री० अरिखदिरवृक्ष ॥ एकप्रकार-का खैर ।
सन्दीप्य, पु० मयूरशिखावृक्ष ॥ मोरशिखा ।
सन्धान, न० मद्यसज्जीकरण । काञ्जिक ॥ मदिरा-का बनाना चुआना । कांजि ।
सन्धानिका, स्त्री० अम्लरस खाद्यद्रव्य-विशेष ॥ आचार ।
सन्धिबन्ध, पु० भूमिचम्पक ॥ भुई चम्पा ।
सन्ध्यापुष्पी, स्त्री० जाती ॥ चमेली ।
सन्ध्याभ्र, न० सुवर्णगैरिक ॥ पीलागेरु ।
सन्ध्याराग, न० सिन्दूर ॥ सिन्दूर ।
सन्न, पु० प्रियालवृक्ष ॥ चिरौंजीका पेड ।
सन्नकद्रु, पु० ऐ ।
सन्निपातज्वर, पु० त्रिदोषजज्वर ॥ तीनदोषों (वात पित्त कफ) से मिलकर ज्वर होताहै ।
सन्निपातनुत, पु० नैपालनिम्ब ॥ नैपालका नीम।
सन्निरुद्धगुद, पु० गुह्यद्वारोद्भवरोग-विशेष ॥ निरुद्धगुदरोग ।
सन्न्यास, पु० जटामांसी । सन्न्यासरोग ।
सपत्नारि, पु० वंश-विशेष ॥ वेष्टवांस ।
सपीतक, पु० राजकोषातकी ॥ घियातोरई ।
सपीतिका, स्त्री० हस्तिघोषा । बडीतोरई ।
सप्तच्छद, पु० सप्तपर्णवृक्ष ॥ सतौनावृक्ष ।
सप्तदल, पु० ऐ ।
सप्तधातु, पु० शरीरस्थसप्तप्रकारधातु ॥ रस, रक्त, मांस, मेदा, अस्थि, मज्जा, शुक्र ।
सप्तनामा, स्त्री० आदित्यभक्ता ॥ हुलहुलवृक्ष ।
सप्तपत्र, पु० मुद्गरवृक्ष ॥ मोगरावृक्ष ।
सप्तपर्ण, पु० सप्तच्छदवृक्ष ॥ सतिवन, सतौना, छतिवन ।
सप्तपर्णाख्य, पु० ऐ ।
सप्तपर्णी, स्त्री० लज्जालु ॥ लजावन्ती ।
सप्तभद्र, पु० शिरीषवृक्ष ॥ सिरसका पेड ।
सप्तला, स्त्री० नवमल्लिका । चर्म्मकषा । पाटला । गुञ्जा ॥ नेवारी । सातला । पाढर । घुँघुची ।
सप्तशिरा, स्त्री० नागवल्ली ॥ पान ।
सप्तार्चिः [स्], पु० चित्रकवृक्ष ॥ चीतावृक्ष ।
सप्ताश्व, पु० अर्कवृक्ष ॥ आकका पेड़ ।
सप्ताह्व, पु० सप्तपर्णवृक्ष ॥ सतिवन ।
समगन्धिक, न० उशीर ॥ खस ।
समङ्गा, स्त्री० मञ्जिष्ठा । लज्जालुलता । बला । वराहक्रान्ता ॥ मजीठ । लज्जावन्ती, छुई मुई । खिरैंटी । वराहक्रान्ता ।
समत्रय, न० मिलितसमभाग हरीतकीशुण्ठिगुड ॥ बराबरमिलेहुवे हरड़, सोंठ, गुड़ ।
समन्तदुग्धा, स्त्री० स्नुहीवृक्ष ॥ थूहरकापेड़ ।
समष्ठिल, पु० क्षुप-विशेष ॥ कोकुआवृक्ष ।
समष्ठिला, समष्ठीला, स्त्री०गण्डीर॥गण्डीरशाक।
समालम्बी, [न्], पु० भूतृण ॥ शरवाण ।
समासवान् [त], पु० तुन्नवृक्ष ॥ तुनका पेड़ ।
समाह्वा, स्त्री० गोजिह्वा ॥ गोभी ।
समिता, स्त्री० गोधूमचूर्ण ॥ गेहूंका चून, मैदा ।
समीर, पु० शमीवृक्ष ॥ छोंकरावृक्ष ।
समीरण, पु० मरुबक ॥ मरुआवृक्ष ।
समुद्रकफ, पु० समुद्रफेन ॥ समुद्रफेन ।
समुद्रकान्ता, स्त्री० पृक्का ॥ असवरग ।
समुद्रफेन, पु० न० स्वनामख्यातद्रव्य ॥ समुद्र-फेन ।
समुद्रलवण, न० समुद्रजातलवण ॥ समुद्र-नोंन, पांगा ।
समुद्रशोष, पु० हिज्जलबीज ॥ समुद्रशोख ।
समुद्रा, स्त्री० सटी । शमी ॥ कचूर । छोंकरा ।
समुद्रान्त, न० जातिफल ॥ जायफल ।
समुद्रान्ता, स्त्री० दुरालभा । कार्पासी । पृक्का । यवास ॥ जवासा । कपास । असवरग । जवासा ।
सम्पाक, पु० आरग्वधवृक्ष ॥ अमलतासवृक्ष ।
सम्पुट, पु० कुरुबक ॥ रक्ताम्लानवृक्ष ।
सम्वरी, स्त्री० शतावरी । मूषिकपर्णी ॥ शतावर । मूषाकानी ।
सम्विदा, स्त्री० विजया ॥ भङ्ग ।
सम्विदामञ्जरी, स्त्री० गञ्जा ॥ गाँजा । गाँझा ।
सम्विदासार, पु० सम्विदनिर्य्यास ॥ चरस ।
सम्भव्य, पु० कपित्थ ॥ कैथका पेड़ ।
सरज, न० नवनीत । हैयङ्गवीन ॥ एकदिनकाघी ।
सरण, न० लोहमल ॥ लोहेका मैल ।
सरणा, स्त्री० प्रसारणी । त्रिवृत् ॥ पसरन॥निसोत।

सरणि, सरणी, स्त्री० प्रसारणी ॥ पसरन।
सरपत्रिका, स्त्री० पद्मपत्र ॥ कमलकेपत्ते।
सरल, पु० स्वनामख्यातवृक्ष। धूपसरल।
सरलद्रव, पु० सरलवृक्षरस ॥ सरलका गोंद।
सरला, स्त्री० त्रिपुटा ॥ त्रिधारा।
सरलाङ्ग, पु० श्रीवेष्ट ॥ सरलका गोंद।
सरसम्प्रत, न० त्रिकण्टवृक्ष ॥ तिधारा, थूहर।
सरसा, स्त्री० श्वेतत्रिवृता ॥ सफेदपानिलर।
सरसिज, न० पद्म ॥ कमल।
सरसीरुह, न० ऐ।
सरस्वती, स्त्री० ज्योतिष्मती। ब्राह्मी। सोमलता॥ मालकाङ्गुनी। ब्रह्मीघास। सोमलता।
सरा, स्त्री० प्रसारणी ॥ पसरन।
सराव, पु० शराव ॥ एकसेर।
सरिका, स्त्री० हिङ्गुपत्री ॥ हीङ्गपत्री।
सरिषप, पु० सर्षप ॥ सर्सों।
सरोज, न० पद्म ॥ कमल।
सरोजन्म [न्], न० ऐ।
सरोजिनी, स्त्री० पद्मिनी ॥ कमलनी।
सरोरुट् [ह्], न० ऐ।
सरोरुह, न० ऐ।
सर्ज्ज, पु० शालवृक्ष। सर्जरस। पीतशाल ॥ सालवृक्ष। राल। " पियासाल "।
सर्ज्जक, पु० पीतशाल। शाल ॥ " पियासाल "। सालकापेड़।
सर्ज्जगन्धा, स्त्री० रास्ना ॥ रायसन।
सर्ज्जनिर्य्यास, पु० राल ॥ राल।
सर्ज्जमणि, पु० ऐ।
सर्ज्जरस, पु० ऐ।
सर्ज्जि, स्त्री० स्वर्जिकाक्षार ॥ सज्जी।
स्वर्ज्जिका, स्त्री० ऐ।
सर्ज्जिकाक्षार, पु० ऐ।
सर्ज्जिक्षार, पु० ऐ।
सर्ज्जी, स्त्री० ऐ।
सर्ज्ज्य, पु० सर्ज्जरस ॥ राल।
सर्प, पु० नागकेशर ॥ नागकेशर।
सर्पकङ्कालिका, स्त्री० वृक्ष-विशेष॥ सर्पकङ्काली।
सर्पकङ्काली, स्त्री० ऐ।
सर्पगन्धा, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ नाकुलीकन्द।
सर्पघातिनी, स्त्री० नाकुलीभेद ॥ सर्पकङ्कालीभेद।
सर्पदंष्ट्री, पु० दन्तीवृक्ष ॥ दन्तीवृक्ष।
सर्पदंष्ट्रा, स्त्री० वृश्चिकाली।
सर्पदंष्ट्रिका, स्त्री० अजशृङ्गी ॥ मेंढाशिङ्गी।
सर्पदण्डा, स्त्री० सैंहली ॥ सिंहली पीपल।
सर्पदण्डी, स्त्री० गोरक्षीनाम क्षुद्रक्षुप ॥ गोरक्षी।
सर्पदन्ती, स्त्री० नागदन्ती ॥ हाथीशुण्डा वृक्ष।
सर्पदमनी, स्त्री० वन्ध्याकर्क्कोटकी ॥ बाँझखखसा।
सर्पनामा, स्त्री० सर्पकङ्कालिकाभेद।
सर्पपुष्पी, स्त्री० नागदन्तीक्षुप ॥ हाथीशुण्डा।
सर्पमाला, स्त्री० सर्पकङ्कालीभेद।
सर्पलता, स्त्री० नागवल्ली ॥ पान।
सर्पसहा, स्त्री० सर्पकङ्कालिकाभेद।
सर्पाख्य, पु० नागकेशर। महिषकन्दभेद ॥ नागकेशर। भैंसाकन्दभेद।
सर्पाङ्गी, स्त्री० सर्पकङ्कालीभेद। सैंहली-सिंहली-पीपल।
सर्पादनी, स्त्री० नाकुलीकन्द ॥ नकुलकन्द।
सर्पावास, न० चन्दन ॥ चंदन।
सर्पाक्ष, न० रुद्राक्ष ॥ रुद्राक्ष।
सर्पाक्षी, स्त्री० गन्धनाकुली। भुजङ्गघातिनी। वृक्ष-विशेष ॥ नाकुलीकन्द। कङ्कालिका वङ्गभाषा। सरहटी गंडनी।
सर्पिः [स्], न० घृत ॥ घी।
सर्पिणी, स्त्री० क्षुद्रक्षुप-विशेष ॥ सर्पिणी औषधी। फणिलता चन्द्रनाथदेशीयभाषा।
सर्पीष्ट, न० श्रीखण्डचन्दन ॥ चन्दन।
सर्पेष्ट, न० ऐ।
सर्व, पु० पारद ॥ पारा।
सर्वगन्ध, न० गुडत्वक्, एला, तेजपत्र, नागकेशर, कक्कोल, लवङ्ग, अगुरु, शिह्लक ॥ दालचीनी, इलायची, तेजपात, नागकेशर, शीतलचीनी, लोंङ्ग, अगर, शिलारस।
सर्वगा, स्त्री० प्रियङ्गुवृक्ष ॥ फूलप्रियङ्गु।
सर्वग्रन्थि, पु० पिप्पलीमूल ॥ पीपरामूल।
सर्वग्रन्थिक, न० ऐ।
सर्वतःशुभा, स्त्री० प्रियङ्गुवृक्ष ॥ फूलप्रियङ्गु।
सर्वतिक्ता, स्त्री० काकमांची ॥ मकोय।
सर्वतोभद्र, पु० निम्ब। गम्भारी ॥ नीमका पेड। कुम्भेर।
सर्वतोभद्रा, स्त्री० गम्भारिवृक्ष ॥ कुम्भेर।
सर्वमूल्य, न० कपर्द्दक ॥ कौडी।
सर्वरस, पु० धूनक। लवणरस ॥ राल। नौन।
सर्वरसोत्तम, पु० लवणरस ॥ नमक, नौन।
सर्ववर्णिका, स्त्री० गम्भारीवृक्ष ॥ कुम्भेरवृक्ष।
सर्वसङ्गत, पु० षष्टिकधान्य ॥ साठीधान।
सर्वसंसर्गलवण, न० औषरक ॥ खारीनौन।

सर्वसह, पु० गुग्गुलु ॥ गूगल ।
सर्वसिद्धि, पु० श्रीफल ॥ बेलका पेड ।
सर्वहित, न० मरिच ॥ मिरच ।
सर्वक्षार, पु० क्षारभेद ॥ साबुन ।
सर्वानुकारिणी, स्त्री० शालपर्णी ॥ शालवन ।
सर्वानुभूति, स्त्री० श्वेतात्रिवृता ॥ सफेद निसोत ।
सर्वौषधि, पु० औषधिवर्ग-विशेष ॥ कूठ, जटामांसी, हलदी, वच, भूरिछरीला, चन्दन, कपूरकचरी, लालचन्दन, कपूर और मोथा ।
सर्वौषधिगण, पु० मुरादिऔषधसमूह ॥ कपूरकचरी, जटामांसी, वच, कूठ, भूरिछरीला, हलदी, दारुहलदी, कचूर, चम्पा, और मोथा ।
सर्षप, पु० स्वनामख्यातसस्य ॥ सर्सों ।
सलिलकुन्तल, पु० शैवाल ॥ शिवार ।
सलिलज, न० पद्म ॥ कमल ।
सल्लकी, स्त्री० शल्लकीवृक्ष ॥ शालईवृक्ष ।
सवहा, स्त्री० त्रिवृता ॥ निसोत ।
सविता, [ऋ], पु० अर्कवृक्ष ॥ आकका पेड ।
सशल्या, स्त्री० नागदन्ती ॥ हाथीशुण्डा ।
सस्यसम्वर, पु० शालवृक्ष ॥ सालवृक्ष ।
सस्यसम्वरण, पु० अश्वकर्णवृक्ष ॥ सालभेद ।
सह, पु० पांशुलवण ॥ रेहगमानौन ।
सहकार, पु० अतिशयसौरभयुक्त आम्र ॥ अतिसुगन्धयुक्त आम ।
सहचर, पु० स्त्री० पीतझिण्टी । नीलझिण्टी । शुक्लझिण्टी ॥ पीलीकटसरैया । नीलीकटसरैया । सफेदकटसरैया ।
सहचर, पु० झिण्टी ॥ पियावांसा, कटसरैया ।
सहचरी, स्त्री० पीतझिण्टी ॥ पीलीकटसरैया ।
सहदेव, पु० बला ॥ खरैटी ।
सहदेवा, स्त्री० बला । दण्डोत्पल । शारिवौषधि ॥ खिरैटी । दण्डोत्पल । सारिवन ।
सहदेवी, स्त्री० सर्पाक्षी । पीतदण्डोत्पल । बलाप्रभेद ॥सरहटी, गण्डनी । पीलेफूलका दण्डोत्पल। सहदेई ।
सहरसा, स्त्री० मुद्गपर्णी ॥ मुगवन ।
सहस्रकाण्डा, स्त्री० श्वेतदूर्वा ॥ सफेददूब ।
सहस्रपत्र, न० पद्म ॥ कमल ।
सहस्रमूली, स्त्री० द्रवन्ती ॥ मूसाकानी ।
सहस्रवीर्य्या, स्त्री० दूर्वा । महाशतावरी । दूब । बडी शतावर ।
सहस्रवेध, न० चुक्र । काञ्जिक-विशेष ॥ चूक । एकप्रकारकी काँजी ।
सहस्रवेधि, स्त्री० हिङ्गु ॥ हीङ्ग ।
सहस्रवेधी [न्], पु० अम्लवेतस । कस्तूरी ॥ अम्लवैत । कस्तूरी ।
सहस्रा, स्त्री० अम्बष्ठा ॥ मोईया ।
सहा, स्त्री० घृतकुमारी । मुद्गपर्णी । दण्डोत्पल शुक्लझिण्टी । बला । सर्पकङ्कालिका । रास्ना स्वर्णक्षीरी । पीतदण्डोत्पल । तरुणीपुष्प ॥ घीकुवार । मुगवन । दण्डोत्पल । सफेदफूलकी कटसरैया । सर्पकङ्काली । ककहिया । रासना । पीलेदूधकी कटेहरी । पीलेफूलका दण्डोत्पल । सेवतीफूल ।
सहाचर, पु० पीतझिण्टी ॥ पीलीकटसरैया ।
सहार, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमकापेड ।
सहास्रार, पु० वीरास्राव ।
साकुरुण्ड, पु० वृक्ष-विशेष ॥ सकुरुण्डर गुजरातीभाषा ।
साक्तुक, पु० यव ॥ जौ ।
सागरगामिनी, स्त्री० सूक्ष्मैला ॥ छोटीइलायची ।
सागरोत्थ, न० समुद्रलवण ॥ समुद्रनोन, पांगा ।
साचिवाटिका, स्त्री० श्वेतपुनर्नवा ॥ विषखपरा ।
सातला, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ सातलावृक्ष, थूहरकाभेद ।
सादनी, स्त्री० कटुकी ॥ कुटकी ।
साधुपुष्प, न० स्थलपद्म ॥ स्थलकमल ।
साधुवृक्ष, पु० कदम्बवृक्ष । वरुणवृक्ष ॥ कदमकापेड । वरनावृक्ष ।
साध्वी, स्त्री० मेदा ॥ मेदा औषधी ।
सानन्द, पु० गुच्छकरञ्ज ॥ करञ्जभेद ।
सानुज, न० प्रपौण्डरीक ॥ पुण्डरिया ।
सानुज, पु० तुम्बुरुवृक्ष ॥ तुम्बुरु ।
सान्द्रपुष्प, पु० बिभीतकवृक्ष ॥ बहेडावृक्ष ।
सान्ध्यकुसुमा, स्त्री० त्रिसन्धिपुष्पवृक्ष ॥ कान्तापुष्पवृक्ष ।
सानाय्य, न० घृत ॥ घी ।
सान्निपातिक, न० सन्निपातज्वररोग । तीनोंदोषोंका मिलाहुवा ज्वर ।
साब्दी, स्त्री० द्राक्षा-विशेष॥ एकप्रकारकी दाख ।
सामुद्र, (क) न० समुद्रलवण । समुद्रफेन ॥ पांगा । समुद्रफेन ।
साम्बर, न० गडलवण ॥ सामरनोन ।
साम्भरी, स्त्री० रक्तलोध्रवृक्ष ॥ लाललोध ।
साम्राणिकर्द्दम, न० जवादिनाम गन्धद्रव्य ॥ जवादिकस्तूरी ।
साम्राणिज, न० महापारेवत ॥ बडापारेवत ।
सारकपुङ्खा, स्त्री० शरपुङ्खा ॥ सरफोंका ।

सार, न० नवनीत। लौह ॥ नैनीघी। लोहा।
सार, पु० वज्रक्षार। मज्जा ॥ वज्रखार। मज्जा।
सारक, पु० जयपाल ॥ जमालगोटा।
सारखदिर, पु० दुषखदिर ॥ दुर्गंधखैर।
सारगन्ध, पु० चन्दन ॥ चन्दन।
सारघ, न० मधु ॥ सहत।
सारङ्ग, पु० स्वर्ण। पद्म। शङ्ख। चन्दन॥सोना। कमल। शंख। चन्दन।
सारज, न० नवनीत ॥ नैनीघी।
सारण, पु० भद्रबला।आम्रातक। अतीसार रोग ॥ प्रसारणी। आम्बाडा। अतिसार रोग।
साराणि सारणी, स्त्री० प्रसारणी ॥ पसरन।
सारतरु, पु० कदलीवृक्ष ॥ केलावृक्ष।
सारद्रुम, पु० खदिरवृक्ष ॥ खैरका पेड।
सारपादप, पु० साराम्लवृक्ष ॥ धामनिवृक्ष।
सारमूषिका, स्त्री० देवदाली ॥ घघरबेल, सोनैया, बंदाल।
सारलौह, न० लौहसार ॥ इस्पात्।
सारस, न० पद्म ॥ कमल।
सारा, स्त्री० कृष्णत्रिवृता। दूर्वा ॥ कालानिसोत। दूब।
साराल, पु० तिल ॥ तिल।
सारिणी, स्त्री० सहदेवी। कार्पासी। दुरालभा। कपिलाशिंशपा। प्रसारिणी। रक्तपुनर्नवा ॥ सहदेई। कपास। धमासा। कपिलवर्ण। सीसों वृक्ष। पसरन। सौंठ, गदहपूर्ना।
सारिवा, स्त्री० लता-विशेष। कृष्णसारिवा ॥ गौरीआसाऊँ। सरिवन,कालीसर,सालसा, करिया वासाऊं।
सारी, स्त्री० सप्तला ॥ सातला ॥
सारोष्ट्रिक, पु० विषभेद।
साल, पु० स्वनामख्यातवृक्ष। राल ॥ सखुआ वृक्ष, सालवृक्ष। राल।
सालन पु० सर्ज्जरस ॥ राल।
सालनिर्य्यास, पु० ऐ।
सालपर्णी, स्त्री० शालपर्णी ॥ सालवन, सरिवन।
सालपुष्प, न० स्थलपद्म ॥ पुण्डरिया।
सालरस, सालरेष्ट, पु० सर्ज्जरस ॥ राल।
सालेय, पु० मधुरिका ॥ सोआ।
सावर, पु० लोध्र ॥ लोध।
सिंह, पु० रक्तशिग्रु ॥ लालसैंजिनेका पेड़।
सिंहकेशर, पु० बकुल ॥ मौलसिरीका पेड़।
सिंहतुण्ड, पु० सेहुण्डवृक्ष ॥ सैंड, थूहरवृक्ष।
सिंहनादिका, स्त्री० दुरालभा ॥ धमासा।
सिंहपर्णी, स्त्री० वासक ॥ अडूसा, वांसा।
सिंहपुच्छिका, स्त्री० चित्रपर्णिका ॥ पिठवन-भेद।
सिंहपुच्छी, स्त्री० चित्रपर्णिका। पृश्निपर्णी। माषपर्णी ॥ पिठवनभेद। पिठवन। मषवन।
सिंहपुष्पी, स्त्री० पृश्निपर्णी। माषपर्णी ॥ पिठवन। मषवन।
सिंहमुखी, स्त्री० वासकवृक्ष ॥ वासा।
सिंहल, न० रङ्ग। त्वच। पित्तल ॥ राङ्ग। दालचीनी। पीतल।
सिंहलस्था, स्त्री० सैंहलीवृक्ष ॥ सिंहलीपीपल।
सिंहलाङ्गुली, स्त्री० पृश्निपर्णी ॥ पिठवन।
सिंहलास्थान, पु० तालवृक्षसदृशवृक्ष-विशेष।
सिंहविन्ना, स्त्री० माषपर्णी ॥ मषवन।
सिंहाण, न० लोहमल ॥ लोहेका मैल।
सिंहान, न० लोहमल। नासिकामल ॥ लोहेका मैल। नाककामैल।
सिंहास्य, पु० वासक ॥ अडूसा।
सिंही, स्त्री० वार्ताकी। कण्टकारी। वासक। बृहती। मुद्गपर्णी ॥ बैगन। कटेरी। अडूसा। कटाई। मुगवन।
सिंहीलता, स्त्री० बृहती ॥ कटाई।
सिक्थक, न० मधूच्छिष्ट। नीलीवृक्ष ॥ मोम। नीलका पेड।
सिङ्घण, सिङ्घाण, सिङ्घाणक, न०नासिकामल॥ नाककामैल।
सिञ्चिता, स्त्री० पिप्पली ॥ पीपल।
सित, न० रौप्य। मूलक। चन्दन ॥ रूपा। मूली। चन्दन।
सितकण्टा, सितकण्टकारिका, स्त्री० श्वेतकण्टकारी ॥ सफेद कटेहरी।
सितकर, पु०कर्पूर। कर्पूरविशेष ॥ कपूर। भीमसेनी कपूर।
सितकर्णी, स्त्री० वासकवृक्ष ॥ अडूसा।
सितगुञ्जा, स्त्री० श्वेतगुञ्जा ॥ सफेद घुँघुची।
सितच्छत्रा, स्त्री० शतपुष्पा ॥ सोंफ।
सितच्छदा, स्त्री० श्वेतदूर्वा ॥ सफेददूब।
सितदर्भ, पु० श्वेतकुश ॥ सफेदकुशा।
सितदीप्य, पु० श्वेतजीरक ॥ सफेदजीरा।
सितदूर्वा, स्त्री० श्वेतदूर्वा ॥ सफेददूब।
सितद्रु, पु० मोरट-विशेष ॥ क्षीरमोरट।
सितधातु, पु० कठिनी ॥ खडियामिट्टी।
सितपर्णी, स्त्री० अर्कपुष्पिका ॥ दधियार।

सितपाटलिका, स्त्री० शुक्लवर्णपुष्पपाटलावृक्ष ॥ सफेद पाढर।

सितपुङ्खा, स्त्री० श्वेतशरपुङ्खा ॥ सफेद सरफोंका।

सितपुष्प, न० कैवर्त्तिमुस्तक ॥ केवटी मोथा।

सितपुष्प, पु० तगरपुष्पवृक्ष। श्वेतरोहित। काश ॥ तगरपुष्पवृक्ष। सफेद रोहेडावृक्ष। काँस।

सितपुष्पा, स्त्री० मल्लिका ॥ वेलावृक्ष।

सितपुष्पी, स्त्री० श्वेतापराजिता ॥ सफेद कोयल।

सितमरिच, न० श्वेतमरिच ॥ सफेदमिरच।

सितमाष, पु० राजमाष ॥ लोबिया, चोरा, वरटा।

सितवर्षाभू, स्त्री० श्वेतपुनर्नवा ॥ विषखपरा।

सितशायका, स्त्री० श्वेतशरपुङ्खा ॥ सफेद सरफोंका।

सितशिम्बिक, पु० गोधूम ॥ गेंहू।

सितशिव, न० सैन्धवलवण ॥ सैंधानोन।

सितशिंशपा, स्त्री० श्वेतशिंशपावृक्ष ॥ सफेद सीसों वृक्ष।

सितशूक, पु० यव ॥ जौ।

सितशूरण, पु० वनशूरण ॥ वनशूरन।

सितसर्षप, पु० गौरसर्षप ॥ सफेद सर्सों।

सितसार, पु० शालिश्चशाक ॥ शान्तिशाक।

सितसारक, पु० ऐ।

सितसिंही, स्त्री० श्वेतकण्टकारी ॥ सफेदकटेरी।

सिता, स्त्री० शर्करा। मल्लिका। श्वेतकण्टकारी। वाकुची। विदारी। श्वेतदूर्वा। मद्य। त्रायमाणा। कुटुम्बुनी। पर्वतजात। अपराजिता ॥ चीनी। मल्लिकापुष्पवृक्ष। सफेद कटेहरी। बावची। विदारीकन्द। सफेद दूव। मदिरा। त्रायमान। अर्कपुष्पी। पार्वती कोयल।

सितांशु, पु० कर्पूर ॥ कपूर।

सितांशुतैल, न० कर्पूरतैल ॥ कपूरका तेल।

सिताखण्ड, पु० मधुजातशर्करा ॥ मधुकी चीनी।

सिताङ्ग, पु० श्वेतरोहितवृक्ष ॥ सफेद रोहेडावृक्ष।

सिताजाजी, स्त्री० श्वेतजीरक ॥ सफेद जीरा।

सितादि, पु० गुड ॥ गुड।

सिताब्ज, न० श्वेतपद्म ॥ सफेद कमल।

सिताभ, पु० कर्पूर ॥ कपूर।

सिताभा, स्त्री० तक्राह्वा ॥ पश्चाङ्गुलीक्षुप।

सिताभ्र, पु० कर्पूर ॥ कपूर।

सिताभ्रक, न० ऐ।

सिताम्भोज, न० श्वेतपद्म ॥ सफेद कमल।

सितार्जक, पु० श्वेततुलसी ॥ सफेदतुलसी।

सितार्कक, पु० श्वेतमन्दारकवृक्ष ॥ सफेद मन्दार।

सितालता, स्त्री० श्वेतदूर्वा ॥ सफेद दूव।

सितालिकटभी, स्त्री० श्वेतकिणिहीवृक्ष ॥ शुक्लकिणिही।

सितावर, पु० शाक-विशेष ॥ शिरिआरी, चौपतियाशाक।

सितावरी, स्त्री० वाकुची ॥ बायची।

सिताह्वय, पु० श्वेतशिग्रुवृक्ष, श्वेतरोहितवृक्ष ॥ सफेद सैंजिनेका पेड। सफेद रोहेडावृक्ष।

सितिवार, पु० सुनिषण्णकशाक ॥ चौपतियाशाक।

सितेतर, पु० श्यामशालि। कुलत्थ ॥ कालीशालीधान। कुल्थी।

सितेक्षु, पु० श्वेतेक्षु ॥ सफेद ईख।

सितोद्भव, न० श्वेतचन्दन ॥ सफेद चन्दन।

सितोपल, न० कठिनी। पु० स्फटिक ॥ खडिया। फटिकमणी।

सितोपला, स्त्री० शर्करा ॥ चीनी।

सिद्ध, न० सैन्धवलवण ॥ सैंधानोन।

सिद्ध, पु० कृष्णधुस्तूर। गुड ॥ काला धत्तूरा। गुड।

सिद्धक, पु० सिन्दुवार। सालवृक्ष ॥ सिह्मालुवृक्ष। सालका पेड।

सिद्धजल, न० काञ्जिक ॥ काँजि।

सिद्धधातु, पु० पारद ॥ पारा।

सिद्धपुष्प, पु० करवीरवृक्ष ॥ कनेरका पेड।

सिद्धप्रयोजन, पु० गौरसर्षप ॥ सफेदसर्सों।

सिद्धरस, पु० पारद ॥ पारा।

सिद्धसलिल, न० काञ्जिका ॥ काँजि।

सिद्धसाधन, पु० गौरसर्षप ॥ सफेद सर्सों।

सिद्धा, स्त्री० ऋद्धि ॥ ऋद्धिऔषधी।

सिद्धार्थ, पु० श्वेतसर्षप। वटीवृक्ष ॥ सफेदसर्सों। नदीवड।

सिद्धि, स्त्री० ऋद्धि। वृद्धि ॥ ऋद्धिऔषधी। वृद्धिऔषधी।

सिध्म, [न्], न० किलासरोग ॥ सेहुवाँ।

सिध्मा, स्त्री० ऐ।

सिध्रका, स्त्री० वृक्ष-विशेष।

सिन्दूक, पु० सिन्दुवारवृक्ष ॥ सिह्मालुवृक्ष।

सिन्दुवार, पु० }
सिन्दुवारक, पु० } वृक्ष–विशेष ॥ सिह्मालु,
सिन्दुवारिका, स्त्री० } निर्गुण्डी, मेउड़ी।
सिन्दूर, न० रक्तवर्णचूर्णद्रव्य–विशेष ॥ सिन्दूर।
सिन्दूर, पु० वृक्ष–विशेष।
सिन्दूरकारण, न० सीसक ॥ सीसा।
सिन्दूरपुष्पी, स्त्री० पुष्पवृक्ष–विशेष ॥ सिन्दूरिया।
सिन्दूरी, स्त्री० धायकी। सिन्दूरपुष्पी ॥ धायके फूल। सिन्दूरिया।
सिन्धु, पु० सिन्धुवारवृक्ष। श्वेतटङ्कण ॥ सिह्मालु-वृक्ष। सफेदसुहागा।
सिन्धुक, पु० सिन्धुवारवृक्ष ॥ सिह्मालुवृक्ष।
सिन्धुकफ, पु० समुद्रफेन ॥ समुद्रफेन।
सिन्धुकर, न० श्वेतटङ्कण ॥ सफेदसुहागा।
सिन्धुज, न० सैन्धवलवण ॥ सैंधानोन।
सिन्धुजन्म [न्], न० ऐ।
सिन्धुपुष्प, पु० शङ्ख ॥ शंख।
सिन्धुमन्थज, न० सैन्धवलवण ॥ सेंधानौन।
सिन्धुलवण, न० ऐ।
सिन्धुवार, पु० सिन्दुवार ॥ सिह्मालु, सेदुआरी, निर्गुण्डी।
सिन्धुवारक, पु० ऐ।
सिन्धुवारित, पु० ऐ।
सिन्धुवेषण, पु० गम्भारीवृक्ष ॥ कुम्भेर।
सिन्धूद्भव, न० सैन्धवलवण ॥ सेंधानोन।
सिन्धूपल, न० ऐ।
सिम्बि, स्त्री० नखीनामगन्धद्रव्य ॥ नखगन्धद्रव्य।
सिम्बिजा, स्त्री० शमीधान्य ॥ मूंग, उडद, मोठ इत्यादि।
सिम्बी स्त्री० निष्पावी ॥ सेम।
सिर, पु० पिप्पलीमूल ॥ पीपलामूल।
सिल्लकी, स्त्री० शल्लकीवृक्ष ॥ शालईवृक्ष।
सिहुण्ड, पु० स्नुहीवृक्ष ॥ सेहुण्डवृक्ष।
सिह्ल, पु० गन्धद्रव्य–विशेष ॥ शिलारस।
सिह्लक, पु० ऐ।
सिह्लकी, स्त्री० शल्लकीवृक्ष ॥ शालईवृक्ष।
सिह्लभूमिका स्त्री० ऐ।
सीता, स्त्री० मदिरा ॥ मद्य।
सीतीलक, पु० सतीलक, ॥ मटर।
सीत्य, न० धान्य ॥ धान।
सीधु, पु० मद्य। मद्यभेद ॥ मदिरा। ईखकेरससे-बनाईहुआ–सिर्का।
सीधुगन्ध, पु० बकुलपुष्पवृक्ष ॥ मौलसिरीकापेड़।
सीधुपुष्प, पु० कदम्ब। बकुल ॥ कदमकापेड। मौलसिरीका पेड।
सीधुपुष्पी, स्त्री० धातकी ॥ धायकेफूल।
सीधुरस, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमकापेड।
सीधुसंज्ञ, पु० बकुलवृक्ष ॥ मौलसिरीकापेड।
सीमन्तक, न० सिन्दूर ॥ सिन्दूर।
सीमिक, सीमीक, पु० वृक्ष–विशेष।
सीर, पु० अर्कवृक्ष ॥ आकका पेड़।
सीस, न० सीसक ॥ सीसा।
सीसक, न० स्वनामख्यातधातु ॥ सीसा।
सीसपत्रक, न० ऐ।
सीसोद्भव, न० ऐ।
सीहुण्ड, पु० सेहुण्डवृक्ष ॥ थूहरवृक्ष।
सुकण्टका, स्त्री० घृतकुमारी ॥ घीकुवार।
सुकन्द, पु० कशेरु ॥ कशेरू।
सुकन्दक, पु० पलाण्डु। वाराहीकन्द। धरणी-कन्द ॥ प्याज। गेंठी। धरणीकन्द।
सुकन्दी [न्], पु० शूरण ॥ जमीकन्द।
सुकर्णक, पु० हस्तिकन्द ॥ हस्तिकन्द।
सुकर्णिका, स्त्री० मूषिकपर्णी ॥ मूसाकानी।
सुकर्णी, स्त्री० इन्द्रवारुणी ॥ इन्द्रायण।
सुकाण्ड, पु० कारवेल्ल ॥ करेला।
सुकाण्डिका, स्त्री० काण्डीरलता ॥ काण्डवेल।
सुकामा, स्त्री० त्रायमाणा ॥ त्रायमाण।
सुकालुका, स्त्री० डोडीक्षुप ॥ डोडी।
सुकाष्ठक, न० देवकाष्ठ ॥ देवदारु।
सुकाष्ठा, स्त्री० काष्ठकदली ॥ वनकेला।
सुकुन्दुक, पु० पलाण्डु ॥ प्याज।
सुकुन्दन, पु० बर्बर ॥ कालीबर्बरीतुलसी।
सुकुमार, पु० पुण्ड्रेक्षु। वनचम्पक। क्षव। श्यामाक ॥ एकप्रकारकीईख। वनचम्पा। लाही। समाघास।
सुकुमारक, न० पत्र ॥ तेजपात।
सुकुमारक, पु० शालिधान्य ॥ शालिधान।
सुकुमारा, स्त्री० जाती। नवमालिका। पृक्का। मालती। कदली ॥ चमेली। नेवारी। असवरग। मालती। केला।
सुकुमारी, स्त्री० नवमालिका ॥ नेवारी।
सुकेशर, पु० बीजपूर ॥ बिजोरानींबु।
सुकोली, स्त्री० क्षीरकाकोली ॥ क्षीरकाकोली-औषधी।
सुकोशक, पु० कोशाम्र ॥ कोशम।
सुख, न० वृद्धि ॥ वृद्धि औषधी।
सुखङ्करी, स्त्री० जीवन्ती ॥ जीवन्ती।
सुखदर्शन, पु० वृक्ष-विशेष ॥ एकप्रकारकावृक्ष।
सुखदा, स्त्री० शमीवृक्ष ॥ छौंकरावृक्ष।

सुखमोदा, स्त्री० शल्लकीवृक्ष ॥ शालईवृक्ष ।
सुखवर्च्चक, पु० सर्जिकाक्षार ॥ सज्जीखार ।
सुखवर्च्चाः [स्], पु० ऐ ।
सुखवास, पु० फल-विशेष ॥ तरबूज ।
सुखाशक, पु० राजतिनिश ॥ तरबूज ।
सुखोर्जिक, पु० सर्जिकाक्षार । सज्जीखार ।
सुगन्ध, न० क्षुद्रजीरक । गन्धतृण । नीलोत्पल । चन्दन । ग्रन्थिपर्ण ॥ छोटाजीरा-जीरा । गंधेजघास । नीलकमल । चन्दन । गठिवन ।
सुगन्ध, पु० रक्तशिग्रु । गन्धक । चणक । भूतृण॥ लालसैंजिना । गंधक । चने । शरवण ।
सुगन्धक, पु० रक्ततुलसी । गन्धक । नागरङ्ग । कर्कोटक । लालतुलसी । गन्धक । नारङ्गी । एकप्रकारक ककोडा ।
सुगन्धतैलनिर्य्यास, न० जवादिनामगन्धद्रव्य ॥ जवादिकस्तूरी ।
सुगन्धपत्रा, स्त्री० रुद्रजटा ॥ शङ्करजटा ।
सुगन्धभूतृण, न० गन्धतृण ॥ सुगंधघास ।
सुगन्धमूला, स्त्री० स्थलपद्मिनी । रास्ता । शटी । लवलीफल ॥ स्थलकमल । रायसन । छोटाकचूर । हरपारेवडी ।
सुगन्धा, स्त्री० रास्ना । शठी । वन्ध्याकर्कोटकी । रुद्रजटा । शतपुष्पा । नाकुली । नवमालिका । स्वर्णयूथिका । पृक्का । गङ्गापत्री । सल्लकी । माधवी । अनन्ता । मातुलुङ्गा । तुलसी । रायसन । कचूरभेद । कचूर । वांझ खखसा । शंकरजटा । सौंफ । नकुलकन्द । नेवारी । पीलीजुही । असवरग । गङ्गापत्री । शालईवृक्ष । माधवीलता । गौरीआवासांऊ+करियावासांऊ । चकोतरानींबु । तुलसी ।
सुगन्धामलक, न० सर्वौषधिगण । शुष्कामलकी ।
सुगन्धि, स्त्री० एलवालुक । मुस्ता । कशेरु । गन्धतृण । धन्याक । पिप्पलीमूल ॥ एलुआ । मोथा । कशेरू । गंधेजघास । धनिया । पीपलामूल ।
सुगन्धि, पु० सहकारवृक्ष । तुम्बुरुवृक्ष । वनबर्बरिका ॥ सुगंधयुक्त आम । तुम्बुरूकापेड़ । वनबर्बरी तुलसी ।
सुगन्धिक, न० कह्लार । पुष्करमूल । गौरसुवर्ण । सुरपर्ण । उशीर ॥ सफेदकमोदिनी । पोहकरमूल। गौरसुवर्ण चित्रकूटदेशेप्रसिद्धशाक । माचीपत्र । खस ।
सुगन्धिक, पु० महाशालि । तुरुष्क । गन्धक ॥ बड़ेधान । शिलारस । गन्धक ।
सुगन्धिकुसुम, पु० पीतकरवीर । पीलीकनेर ।
सुगन्धिकुसुमा, स्त्री० पृक्का ॥ असवरग ।
सुगन्धित्रिफला, स्त्री० जातीफल १ पूगफल २ लवङ्ग ॥ जायफल सुपारी, लौङ्ग ।
सुगन्धिनी, स्त्री० आरामशीतला ॥ आरामशीतला।
सुगन्धिमूल, न० उशीर ॥ खस ।
सुग्रन्थि, पु० चोरक ॥ भटेउर ।
सुचञ्चुका, स्त्री० महाचञ्चुशाक । बड़ाचेंचुनाशाक ।
सुचर्म्मा [न्], पु० भूर्जवृक्ष ॥ भोजपत्रवृक्ष ।
सुचक्षुः [स्], पु० उदुम्बर । गूलर ।
सुचित्रबीजा, स्त्री० विडङ्गा ॥ वायविडङ्ग ।
सुचित्रा, स्त्री० चिर्भिटा ॥ कचरिया, गुरुभीहु ।
सुजल, न० पद्म ॥ कमल ।
सुजाता, स्त्री० तुवरी ॥ गोपीचन्दन ।
सुजीवन्ती, स्त्री० स्वर्णजीवन्ती ॥ पीतवर्ण जीवन्ती॥
सुजीवक, पु० पुत्रजीववृक्ष ॥ जियापोता, पिताजिया ।
सुतपादिका, स्त्री० हंसपदी ॥ लालवर्ण लज्जालु, गोधापदी ।
सुतकारी, स्त्री० देवदालीलता॥ घघरवेल, बंदाल।
सुतश्रेणी, स्त्री० मूषिकपर्णी ॥ मूसाकानी ।
सुता, स्त्री० दुरालभा ॥ धमासा ।
सुतिक्त, पु० पर्प्पट ॥ पित्तपापड़ा, दवनपापरा ।
सुतिक्तक, पु० पारिभद्र । भूनिम्ब ॥ फरहदवृक्ष । चिरायता ।
सुतिक्ता, स्त्री० कोशातकी ॥ तोरई ।
सुतीक्ष्ण, पु० शोभाञ्जन । श्वेतशिग्रु ॥ सैंजिनेका पेड़ । सफेदसैंजिनेका पेड ।
सुतीक्ष्णक, पु० मुष्ककवृक्ष ॥ मोखावृक्ष ।
सुतुङ्ग, पु० नारिकेलवृक्ष ॥ नारियलका पेड ।
सुतेजन, पु० धन्वनवृक्ष ॥ धामिनवृक्ष ।
सुतेजाः [स्], पु० आदित्यभक्ता ॥ हुरहुरवृक्ष ।
सुतैला, स्त्री० महाज्योतिष्मती ॥ बडीमालकाङ्गुनी।
सुदग्धिका, स्त्री० दग्धानामकवृक्ष ॥ दग्धावृक्ष ।
सुदण्ड, पु० वेत्र ॥ वेंत ।
सुदण्डिका, स्त्री० गोरक्षी ॥ सर्पदण्डी ।
सुदर्भा, स्त्री० इक्षुदर्भा ॥ इक्षुदर्भतृण ।
सुदर्शन, पु० जम्बूवृक्ष ॥ जामुनका पेड ।
सुदर्शना, स्त्री० सुदर्शन वृक्ष ॥ सुदर्शन ।
सुदल, पु० मोरटलता ॥ क्षीरमोरट ।

सुदला, स्त्री० सालपर्णी । तरुणी ॥ सरिवन । सालवन । सेवती ।
सुदीर्घधर्म्मा, स्त्री० अशनपर्णी ॥ पटशन ।
सुदीर्घफलिका, स्त्री० वार्त्ताकु-विशेष ॥ एक प्रकारके वैंगन ।
सुदीर्घा, स्त्री० चीनाकर्कटी ॥ चीनाककड़ी ।
सुधा, स्त्री० अमृत । मूर्वी । स्नुही । हरीतकी । आमलकी । मधु । शालपर्णी । गुडूची॥चुरनहार। सेहुण्डवृक्ष । हरड । आमला । सहत । शाल वन । गिलोय ।
सुधांशुतैल, न० कर्पूरतैल ॥ कपूरका तेल ।
सुधांशुरत्न, न० मौक्तिक ॥ मोती ।
सुधापयः [स्],न० स्नुहीक्षीर ॥ सेहुंडका दूध ।
सुधामूली,स्त्री० कन्द-विशेष ॥ सालवमिश्री ।
सुधामोदक, न० यवासशर्करा ॥ शीरखिस्त ।
सुधामोदकज॰ पु० नवराजोद्भवखण्ड ॥ शीरखिस्तकी खांड ।
सुधावासा, स्त्री० त्रपुषी खीरा ।
सुधासूति, पु०पद्म ॥ कमल ।
सुधाश्रवा, स्त्री० रुदन्तीवृक्ष । अलिजिह्विका । रुदन्तीवृक्ष । तालके ऊपरकी एकछोटी जीव ।
सुधूम्य,पु० स्वादुनाम गन्धद्रव्य ॥ अगरुसार ।
सुधोद्भवा, स्त्री० हरीतकी ॥ हरड ।
सुनन्दा, स्त्री० अर्कपत्रीवृक्ष । गोरोचना ॥ गोलोचन ।
सुनालक, पु० बकपुष्प वृक्ष ॥ अगस्तवृक्ष ।
सुनासिका, स्त्री० काकनासा ॥ कौआठोडी ।
सुनिर्य्यासा, स्त्री० जिङ्गनीवृक्ष ॥ जिङ्गनिया ।
सुनिषण्ण, सुनिषण्णक, न०पु० शाक-विशेष॥ चौपतियाशाक, शिरिआरिशाक ।
सुनील, न० लामज्जकतृण ॥ लामज्जकतृण ।
सुनील, पु० दाडिम ॥ अनारका पेड ।
सुनीलक, पु० नीलभृङ्गराज ॥ नीलाभङ्गरा ।
सुनीला, स्त्री० अतसी । विष्णुक्रान्ता । जरडी तृण ॥ अतसी । नीली कोयल । जरडी तृण ।
सुन्दर, पु० वृक्ष-विशेष ॥ सुन्दरी ।
सुन्दरी, स्त्री० हरिद्रा । तरुविशेष ॥ हलदी । एक प्रकारका वृक्ष । मकोय ।
सुपक्क, पु० सुगन्धाम्र ॥ सुगंधयुक्त आम ।
सुपत्र, न० तेजपत्र ॥ तेजपात ।
सुपत्र, पु० आदित्यपत्रवृक्ष । पल्लिवाहतृण ॥ अर्कपत्र । पलिवाहतृण ।
सुपत्रक, पु० शिग्रु ॥ सैंजिनेका वृक्ष ।
सुपत्रा, स्त्री० रुद्रजटा । शतावरी । शमी । शालपर्णी पालङ्कच ॥ शङ्करजटा । शतावर । छोंकरावृक्ष । शालवन । पालगका शाक ।
सुपत्रिका, स्त्री० जतुकालता ॥ जतुका ।
सुपथ्या, स्त्री० श्वेतचिल्ली ॥ सफेदचिल्लीशाक ।
सुपद्मा, स्त्री० वचा ॥ वच ।
सुपर्ण, न० कृतमालकवृक्ष ॥छोटी जातका अमलतासवृक्ष ।
सुपर्णक, पु० आरग्वधवृक्ष । सप्तच्छदवृक्ष ॥ अमलतास । सतिवन ।
सुपर्णाख्य, पु० नागकेशर ॥ नागकेशर ।
सुपर्णिका, स्त्री० स्वर्णजीवन्ती । शालपर्णी । पलाशी । रेणुका । वाकुची ॥ पीलीजीवन्ती - शरिवन । पलाशीलता । वायची ।
सुपर्वा [न्], पु० वंश ॥ वाँस ।
सुपर्वा, स्त्री० श्वेतदूर्वा ॥ सफेद दूर्वा ॥ सफेद दूब ।
सुपाक्य, न० विड्लवण ॥ विरियासंचरनोन ।
सुपार्श्व, पु० प्लक्षवृक्ष ॥ पाखरका पेड ।
सुपार्श्वक,पु० गर्द्दभाण्डवृक्ष ॥ गजहदु, पारिसपीपल ।
सुपिङ्गला, स्त्री० जीवन्ती । ज्योतिष्मती ॥ डोडी। मालकाङ्गुनी ।
सुपीत, न० गर्ज्जर ॥ गाजर ।
सुपुट, पु० कोलकन्द । विष्णुकन्द ॥ सूकरकन्द विष्णुकन्द ।
सुपुत्रिका, स्त्री० जतुका ॥ जतुकालता ।
सुपुष्करा, स्त्री० स्थलपद्मिनी ॥ स्थलकमल ।
सुपुष्प, न० लवङ्ग । प्रपौंडरीक । आहुल्य । तूल ॥ लौङ्ग । पुंडरिया । तरवट काश्मीर देशकी भाषा । सहतूत ।
सुपुष्प, पु० पारिभद्रवृक्ष । शिरीष । हरिद्रु । राजतरुणी ॥ फरहदवृक्ष । सिरसका पेड । हलदिया वृक्ष, हलदुआ । राजसेवती ।
सुपुष्पिका, स्त्री० पाटला ॥ पाढरवृक्ष ।
सुपुष्पी, स्त्री० श्वेतापराजिता । जीर्णकर्णी । शतपुष्पा । मिश्रेया । द्रोणपुष्पी । कदली ॥ सफेदकोयल । विधारा । सौंफ । सोआ । गूमा । केला ।
सुपूर, पु० बीजपूर ॥ बिजोरानींबु ।
सुप्रतिभा, स्त्री० मदिरा ॥ मद्य ।
सुपूरक, पु० बकपुष्पवृक्ष ॥ अगस्तियावृक्ष ।
सुप्रतिष्ठित, पु० उदुम्बरवृक्ष ॥ गूलरका पेड ।
सुप्रभा, स्त्री० वाकुची ॥ वापची ।
सुप्रसन्नक, पु० कृष्णार्ज्जक ॥ काली तुलसा ।

सुप्रसरा, स्त्री० प्रसारणीलता ॥ पसरन ।
सुफल, न० बादाम ॥ बादाम ।
सुफल, पु० कर्णिकार । दाडिम । बदर । मुद्ग । कपित्थ । जम्बीर ॥ कणेर-अमलतास भेद । अनार । बेर । मूंग । कैथ। जम्भीरी ।
सुफला, स्त्री० इन्द्रवारुणी । कूष्माण्डी । काश्मरी । कदली । कपिलद्राक्ष ॥ इन्द्रायण । पेठा, कुह्मडा । कुम्भेर । केला । अङ्गूर पारसीभाषा ।
सुफेन, न० समुद्रफेन । समुद्रफेन ।
सुबन्ध, पु० तिल ॥ तिल ।
सुभग, पु० टङ्कण । चम्पकपुष्पवृक्ष ॥ रक्ताम्लान। अशोकवृक्ष ॥ सुहागा । चम्पापुष्प । लाल अम्लानवृक्ष । अशोकपुष्पवृक्ष ।
सुभग, न० शैलेय ॥ भूरिछरीला ।
सुभगा, स्त्री० कैवर्तिका । शालपर्णी । हरिद्रा । नीलदूर्वा । तुलसी । प्रियङ्गु । कस्तूरी । सुवर्णकदली । वनमल्ली ॥ कैवर्तिका मालवेप्रसिद्ध । शालवन, सरिवन । हलदी । हरीदूब । तुलसी । फूलप्रियङ्गु । कस्तूरी । पीलाकेला । मोदयन्ती ।
सुभगाह्वया, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
सुभङ्ग, पु० नारिकेलवृक्ष ॥ नारियलका पेड ।
सुभद्रक, पु० बिल्ववृक्ष ॥ बेलका पेड ।
सुभद्रा, स्त्री० श्यामालता । घृतमण्डा । काश्मरीवृक्ष ॥ सरिवन, कालीसर । वायसोली । खुमेर ।
सुभद्राणी, स्त्री० त्रायन्ती ॥ त्रायमान ।
सुभाञ्जन, पु० शोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैंजिनेका पेड ।
सुभिक्षा, स्त्री० धातुपुष्पिका ॥ धायके फूल ।
सुभीरक, पु० पलाशवृक्ष ॥ ढाकवृक्ष ।
सुभीतिक, पु० बिल्ववृक्ष ॥ बेलका पेड ।
सुमङ्गला, स्त्री० वायसोली ॥ माकडहाता वङ्गभाषा ।
सुमदन, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमका पेड ।
सुमधुर, पु० जीवशाक ॥ जीवशाक ।
सुमन, पु० गोधूम । धुस्तूर ॥ गेहूँ । धत्तूरा ।
सुमनपत्रिका, स्त्री० जातीपत्री ॥ जावित्री ।
सुमनःफल, न० जातीफल ॥ जायफल ।
सुमनःफल, पु० कपित्थवृक्ष ॥ कैथवृक्ष ।
सुमना, स्त्री० जातीपुष्पवृक्ष ॥ चमेलीकावृक्ष ।
सुमनाः [स्], स्त्री० मालती । जाती । शतपत्री ॥ मालतीपुष्पलता । चमेलीपुष्पवृक्ष । सेवतीपुष्पवृक्ष ।
सुमनाः [स्], पु० पूतिकरञ्ज । निम्बवृक्ष । महाकरञ्ज । गोधूम ॥ दुर्गंधकरञ्ज । नीमकापेड़ । बड़ीकरञ्ज । गेहूं ।
सुमुख, पु० शाकभेद । सितार्जक । वनबर्बरिका ॥ एकप्रकारकाशाक । सफेदतुलसी । वनतुलसी ।
सुमुष्टि, पु० विषमुष्टिक्षुप ॥ कुचला ।
सुमूल, पु० श्वेतशिग्रु ॥ सफेदसैंजिना ।
सुमूलक, न० गर्जर ॥ गाजर ।
सुमूला, स्त्री० शालपर्णी । पृश्निपर्णी ॥ सारिवन । पिठवन ।
सुमेखल, पु० मुञ्ज ॥ मूंज ।
सुमेधाः [स्], न० ज्योतिष्मती॥मालकाङ्गनी ।
सुरकृता, स्त्री० गुडूची ॥ गिलोय ।
सुरक्तक, पु० कोषाम्र । स्वर्णगैरिक ॥ कोशनाम पीलागेरु ।
सुरङ्ग, न० पतङ्ग । हिङ्गुल ॥ पतङ्गकी लकड़ी सिङ्गरफ ।
सुरङ्ग, पु० नागरङ्गवृक्ष ॥ नारङ्गीका पेड ।
सुरङ्गद, न० पतङ्ग ॥ पतङ्गकाठ ।
सुरङ्गधातु, पु० गैरिक ॥ गेरु ।
सुरङ्गा, स्त्री० कैवर्त्तिका ॥ कैवर्त्तिका, मालवे प्रसिद्धलता ।
सुरङ्गिका, स्त्री० मूर्वा ॥ चुरनहार ।
सुरङ्गी, स्त्री० काकनासा । रक्तशोभाञ्जन ॥ कौआठोडी । लालसैंजिनेकापेड ।
सुरजःफल, पु० पनसवृक्ष ॥ कटहर ।
सुरजम्बीर, पु० मधुकर्कटी ॥ चकोतरानींबु ।
सुरञ्जन, पु० गुवाकवृक्ष ॥ सुपारीकापेड ।
सुरदारु, न० देवदारु ॥ देवदारु ।
सुरदुन्दुभि, स्त्री० तुलसी ॥ तुलसी ।
सुरद्रुम, पु० देवनल । देवदारु ॥ बडानरसल । देवदारु ।
सुरधूप, पु० राल ॥ राल ।
सुरनाल, पु० देवनल ॥ बडानरसल ।
सुरनिर्गन्ध, न० पत्रक ॥ तेजपात ।
सुरपर्ण, न० औषधि-विशेष ॥ माचीपत्र ।
सुरपर्णिक, पु० सुरपुन्नाग ॥ पुन्नागवृक्षभेद-छवियानाफुल वङ्गभाषा ॥
सुरपर्णिका, स्त्री० पुन्नागवृक्ष ॥
सुरपर्णी, स्त्री० पलाशीलता ॥ पलाशीलता ।
सुरपुन्नाग, पु० पुन्नागवृक्ष-विशेष ॥ छवियानाफुल वङ्गभाषा ।
सुरप्रिय, न० वृक्ष-विशेष ॥ कबाबचीनी देशान्तरीयभाषा ।
सुरप्रिय, पु० अगस्त्यपुष्पवृक्ष ॥ अगस्तियावृक्ष, हथियावृक्ष ।

सुरप्रिया, स्त्री० जाती । स्वर्णरम्भा ॥ चमेली । पीलाकेला ।
सुरभि, न० स्वर्ण । गन्धक । सोना । गन्धक ।
सुरभि, पु० चम्पकपुष्पवृक्ष । जातीफलवृक्ष । शमीवृक्ष । गन्धतृण । बकुलवृक्ष । कणगुगुल । कदम्बवृक्ष । गन्धफल । राल । रास्ना । कुन्दुरु॥ चम्पावृक्ष । जायफलका पेड । छोंकरावृक्ष । सुगंधतृण । मौलसिरीकापेड । कणगूगल । कदम्बवृक्ष । बेल*कैथ । राल । रासना । कुन्दुरुसुगंधिद्रव्य लोवान–फार्सी ।
सुरभि, स्त्री० शल्लकीवृक्ष । मुरा । रुद्रजटा । नवमालिका । तुलसी । बर्बरतुलसी । पाचीलता ॥ शालईवृक्ष । कपूरकचरी । शङ्कुरजटा । नेवारी । तुलसी । वनतुलसी । "पच्चे" ।
सुरभिका, स्त्री० स्वर्णकदली ॥ चम्पैकेला ।
सुरभिकुसुम, न० शतपत्री ॥ सेवती ।
सुरभिगन्ध, न० चातुर्जातक ॥ दालचीनी, इलायची, नागकेशर । तेजपात ।
सुरभित्रिफला, स्त्री० सुगन्धत्रिफला ॥ जायफल, सुपारी, लोंग ।
सुरभित्वक् [च्], न० बृहदेला ॥ बडीइलायची ।
सुरभिदारु, पु० सरलवृक्ष ॥ धूपसरल ।
सुरभिपत्रा, स्त्री० जम्बूवृक्ष । राजजम्बू ॥ जामुनकापेड़ । राजजामुन ।
सुरभिफल, पु० फलवृक्ष-विशेष ।
सुरभिवल्कल, न० गुड़त्वक् ॥ दालचिनी ।
सुरभिस्रवा, स्त्री० शल्लकीवृक्ष ॥ शालईवृक्ष ।
सुरभी, स्त्री० ऐ ।
सुरभीरसा, स्त्री० ऐ ।
सुरभूरुह, पु० देवदारु ॥ देवदारु ।
सुरमृत्तिका, स्त्री० तुवरी ॥ गोपीचन्दन ।
सुरमेदा, स्त्री० महामेदा ॥ महामेदा औषधी ।
सुरलता, स्त्री० महाज्योतिष्मती ॥ बड़ीमालकाङ्गुनी ।
सुरवल्लभा, स्त्री० श्वेतदूर्वा ॥ सफेददूब ।
सुरवल्ली, स्त्री० तुलसी ॥ तुलसी ।
सुरशाक, पु० शाकविशेष ॥ पोदीना ।
सुरश्रेष्ठा, स्त्री० ब्राह्मी ॥ ब्रह्मीघास ।
सुरस, न० बोल । त्वच । गन्धतृण । तुलसी ॥ बोलगन्धद्रव्य । दालचीनी । सुगंधघास ।तुलसी ।
सुरस, पु० सिन्धुवारवृक्ष । मोचरस ॥ सह्मालुवृक्ष । मोचरस ।
सुरसम्भवा, स्त्री आदित्यभक्ता ॥ हुरहुर ।
सुरसर्षप, पु० देवसर्षप ॥ निर्जरसर्सों ।
सुरसा, स्त्री० तुलसी । कृष्णातुलसी । रास्ना । मिश्रेया । ब्राह्मी । महाशतावरी । निर्गुण्डी ॥ तुलसी । कालीतुलसी । रासना । सोआ । ब्रह्मीघास । बड़ीशतावर । निर्गुण्डी, सह्मालु ।
सुरसी, स्त्री० वृक्ष–विशेष ।
सुरा, स्त्री० मदिरा ॥ मद्य ।
सुराकर, पु० नारिकेलवृक्ष ॥ नारियलका पेड़ ।
सुराजक, पु० भृङ्गराज ॥ भङ्गरा ।
सुराई, न० हरिचन्दन । स्वर्ण ॥ हरिचन्दन । सोना ।
सुराष्ट्रज, न० तुवरिका ॥ गोपीचन्दन ।
सुराष्ट्रज, पु० कृष्णमुद्ग । विषभेद ॥ कालीमूंग । विषभेद ।
सुराष्ट्रजा, स्त्री० तुवरी ॥ गोपीचन्दन ।
सुराह्व, पु० देवदारु । हरिद्रुवृक्ष । मरुबकवृक्ष ॥ देवदारु । हलदुआवृक्ष । मरुआवृक्ष ।
सुरुङ्ग, पु० शोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैंजिनेकापेड ।
सुरुङ्गी, स्त्री० रक्तशोभाञ्जन ॥ लालसैंजिनेकापेड ।
सुरूपा, स्त्री० शालपर्णी । भार्ङ्गी ॥ शालवन भारङ्गी ।
सुरेज्या, स्त्री० तुलसी ॥ तुलसी ।
सुरेभ, न० रङ्ग ॥ राङ्ग ।
सुरेवर, पु० रामवृक्ष ॥ रामसुपारी ।
सुरेष्ट, न० फल–विशेष ॥ आलुबुखारा ।
सुरेष्ट, पु० शिवमल्लिका । सुरपुन्नाग । शालवृक्ष ॥ वसुवृक्ष । सुरपुन्नागवृक्ष । सालवृक्ष ।
सुरेष्टक, पु० शालवृक्ष ॥ सालवृक्ष ।
सुरेष्टा, स्त्री० ब्राह्मी ॥ ब्रह्मीघास ।
सुरोत्तर, पु० चन्दन ॥ चन्दन ।
सुलभा, स्त्री० माषपर्णी । धूम्रपत्रा ॥ मषवन । तमाखु ।
सुलोमशा, स्त्री० काकजङ्घा ॥ मसी ।
सुलोमा, स्त्री० ताम्रवल्ली । मांसच्छदा ।
सुलोहक, न० पित्तल ॥ पीतल ।
सुवक्र, पु० वनबर्बरिका ॥ वनबर्बरी ।
सुवर्चक, पु० स्वर्जिकाक्षार ॥ सज्जीखार ।
सुवर्चला, स्त्री० अतसी । सूर्यमुखीपुष्प । आदित्यभक्ता । स्वर्जिकाक्षार । अश्वगन्धा ॥ अलसी । सूरजमुखीकेफूल । हुलहुलवृक्ष । सज्जीखार । असगन्ध ।
सुवर्चिका, स्त्री० स्वर्जिकाक्षार । यवक्षार ।जतुका सज्जीखार ॥ जवाखार । जतुकालता ।
सुवर्चिक, पु० स्वर्जिकाक्षार ॥ सज्जीखार ।
सुवर्चि [स], स्वर्जिकाक्षार॥सज्जीखार । सुवर्ण ।

सुवर्ण, न० धातु-विशेष । हरिचन्दन । स्वर्णगैरिक नागकेशर ॥ सोना । हरिचन्दन । पीलागेरु । नागकेशर ।
सुवर्ण, पु० न० कर्षपरिमाण ॥ दो तोले ।
सुवर्ण, पु० धुस्तूरवृक्ष । कणगुग्गुलु ॥ धत्तूरेका पेड । कणगूगल ।
सुवर्णक, न० पित्तल ॥ पीतल ।
सुवर्णक, पु० आरग्वधवृक्ष ॥ आमलतासवृक्ष ।
सुवर्णकदली, स्त्री० कदली-विशेष ॥ पीलाकेला। चम्पैकेला ।
सुवर्णगैरिक, न० गैरिक-विशेष ॥ पीला गेरु ।
सुवर्णनाकुली, स्त्री० महाज्योतिष्मती ॥ बडी-मालकाङ्गनी ।
सुवर्णपुष्प, पु० राजतरुणी ॥ सेवतीभेद । कूजाका फूला ।
सुवर्णप्रसव, पु० एलवालुक ॥ एलुआ ।
सुवर्णयूथी, स्त्री० पीतवर्ण यूथिका ॥ पीलीजुही ।
सुवर्णवर्णा, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
सुवर्णा, स्त्री० कृष्णागरु । वाट्यालक । स्वर्णक्षीरी हरिद्रा ॥ कालीअगर । वरियाला । पीले दूधकी कटेरी । हलदी ।
सुवर्णाख्य, पु० नागकेशर । धुस्तूरवृक्ष ॥ नागके-शर धत्तेरेका पेड ।
सुवर्णी, स्त्री० आखुकर्णी ॥ मूसाकानी ।
सुवल्लि, सुवल्ली, स्त्री० सोमराजी ॥ वायची ।
सुवन्तक, पु० वासन्ती ॥ वासन्तीपुष्पलता ।
सुवहा, स्त्री० शेफालिका । पुष्पवृक्ष । रास्ना । गोधापदीलता । एलापर्णी । तुलसी । घृतकुमारी । सर्पाक्षी । शल्लकीवृक्ष । त्रिवृता । रुद्रजटा । ग-न्धनाकुलीनामकन्द । तालमूली । सिन्दुवारवृक्ष । श्वेतवर्णत्रिवृत् ॥ निर्गुण्डीभेद । रासना । हंसपदी । कांटाअमरुल वङ्गभाषा । तुलसी । घिगुवार । सरहटी । शालईवृक्ष । निसोत । शङ्करजटा । नाकुलीकन्द । मुसली । सह्मालुवृक्ष । सफेद निसोत ।
सुवीज, पु० खसखस ॥ खसखस, पोस्तके दाने ।
सुवीरक, न० सौवीराञ्जन ॥ श्वेतशुर्म्मा ।
सुवीराम्ल, न० काञ्जिक ॥ कांजि ।
सुवीर्य्य, न० बदरीफल ॥ बेर ।
सुवीर्य्या, स्त्री० वनकार्पासी ॥ वनकपास ।
सुवृत्त, पु० सूरण ॥ जमीकन्द ।
सुवृत्ता, स्त्री० शतपत्री । काकलीद्राक्षा ॥ गुलाब । किसमिस ।
सुवेगा स्त्री० महाज्योतिष्मती ॥ बडीमालकाङ्गनी।
सुवेश, पु० श्वेतेक्षु ॥ सफेद ईख ।
सुशल्य, पु० खदिर ॥ खैरका पेड ।
सुशवी, स्त्री० कारवेल्ल । कृष्णजीरक ॥ करेला । कालाजीरा ।
सुशाक, न० आर्द्रक ॥ अदरख ।
सुशाक, पु० तण्डुलीय । चञ्चुशाक । भिण्डा ॥ चौलाईका शाक । चेंचुना, चञ्चुशाक । भि-ण्डी ।
सुशिखा, स्त्री० मयूरशिखाक्षुप ॥ मोरसिखा ।
सुशीत, न० पीतचन्दन ॥ पीलाचन्दन ।
सुशीत, पु० ह्रस्वप्लक्षवृक्ष ॥ छोटापाखरवृक्ष ।
सुशीतल, न० गन्धतृण । श्वेतचन्दन । त्रपुष ॥ सुगंधघास । सफेदचन्दन । खीरा ।
सुशीता, स्त्री० शतपत्री ॥ गुलाब, सेवती ।
सुशीविका, स्त्री० बाराहीकन्द ॥ गेंठी, चर्मका-रालुक ।
सुश्रीका, स्त्री० शल्लकीवृक्ष ॥ शालईवृक्ष ।
सुषवी, स्त्री० कारवेल्ल । कृष्णजीरक । क्षुद्रकार-वेल्ल । जीरक ॥ करेला । कालाजीरा । छोटा-करेला, करेली । जीरा ।
सुषुम्ना, स्त्री० नाडी-विशेष ।
सुषेण, पु० करमर्दकवृक्ष । वेतसवृक्ष ॥ करोंदा-वृक्ष । वैंतवृक्ष ।
सुषेणिका, स्त्री० कृष्णात्रिवृता ॥ स्यामपनिलर ।
सुषेणी, स्त्री० त्रिवृत् ॥ निसोत ।
सुसवी, स्त्री० सुषवी ॥ करेला ।
सुसार, पु० रक्तखदिर ॥ लालखैर ।
सुसिकता, स्त्री० शर्करा ॥ चीनी।
सुस्ना, स्त्री० शमीधान्यभेद ॥ खिसारी ।
सूक, पु० उत्पल ॥ कमल ।
सूकरी, स्त्री० वराहक्रान्ता ॥ वराहक्रान्ताक्षुप ।
सूचिकामुख, न० शङ्ख ॥ शंख ।
सूचिपत्रक, पु० सितावरशाक ॥ शिरिआरीशाक।
सूचिपुष्प, पु० केतकपुष्पवृक्ष ॥ केवरापुष्पवृक्ष ।
सूचिशालि, पु० सूक्ष्मशालि ॥ धान्यभेद ।
सूचीदल, पु० सितावर ॥ शिरिआरीशाक ।
सूचीपत्रा, स्त्री० गण्डदूर्वा ॥ गाँडरदूब ।
सूचीपुष्प, पु० केतकीपुष्पवृक्ष ॥ केतकी ।
सूचीमुख, न० हीरक ॥ हीरा ।
सूचीमुख, पु० श्वेतकुश ॥ सफेदकुशा ।
सूच्यग्रस्थूलक, पु० तृण-विशेष । कुशतृण ॥ एका प्रकारके तृण । कुशा ।
सूच्याह्व, पु० सितावर ॥ शिरिआरीशाक ।
सूत, पु० न० पारद ॥ पारा ।

सूतक, पु० न० ऐ।
सूतराट्[ज्], पु० ऐ।
सूतिकारोग,पु० नवप्रसूता। स्त्रीरोग-विशेष।
सूतकट, न० गुड़त्वक्॥ दालचीनी।
सूत्रपुष्प, पु०कार्पास॥ कपास।
सूद, पु० लोध्रवृक्ष॥ लोधवृक्ष।
सूनु, पु० अर्कवृक्ष॥ आकका पेड़।
सूप, पु० व्यञ्जन-विशेष॥ दाल। यूष।
सूपधूपन, न० हिङ्गु॥ हींग।
सूपपर्णी, स्त्री० मुद्गपर्णी॥ मुगवन।
सूपश्रेष्ठ, पु०मुद्ग॥ मूंग।
सूपाङ्ग, न० हिङ्गु॥ हींग।
सूम, न० क्षीर॥ दूध।
सूर, पु० अर्कवृक्ष॥ आकका पेड।
सूरण, पु० शूरण॥ जमीकन्द।
सूरी, स्त्री० राजसर्षप॥ राई।
सूर्प, पु० कुम्भपरिमाण॥ ६४ सेर।
सूर्पपत्र, पु० वृक्ष-विशेष।
सूर्य्य, पु० अर्कपर्ण। अर्कवृक्ष॥ लाल आकका वृक्ष। आककावृक्ष।
सूर्य्यकान्त, पु० स्फटिक। स्वनामख्यातमणि। पुष्पवृक्ष-विशेष। सूर्य्यावर्त्तवृक्ष॥ फटिकमणि। सूर्य्यकान्तमणि। अतसी,सीसाफार्सी। सूर्य्यमणि-पुष्पवृक्ष। हुलहुलवृक्ष।
सूर्य्यकान्ति, स्त्री० पुष्प-विशेष।
सूर्य्यपत्र, पु० आदित्यपत्र॥ अर्कपत्रवृक्ष।
सूर्य्यभक्त, बन्धूकपुष्पवृक्ष॥ दुपहरियाकावृक्ष।
सूर्य्यभक्तक, पु० ए।
सूर्य्यभक्ता, स्त्री० आदित्यभक्ताक्षुप॥ हुलहुल।
सूर्य्यमणि,पु० सूर्य्यकान्तमणि। स्वनामख्यात-पुष्पवृक्ष॥आतशीसीसा फा०। सूर्य्यमणि पुष्पवृक्ष।
सूर्य्यलता, आदित्यभक्ता॥ हुरहुर, हुलहुल।
सूर्य्यवल्ली, स्त्री० अर्कपुष्पिकावृक्ष॥ दधियार-देशान्तरीय भाषा।
सूर्य्यसंज्ञ, न० कुङ्कुम॥ केशर।
सूर्य्या, स्त्री० इन्द्रवारुणी॥ इन्द्रायण।
सूर्य्यावर्त्त,पु० क्षुप-विशेष। शाकविशेष।
सूर्य्यावर्त्ता, स्त्री० आदित्यभक्ता॥ हुलहुल।
सूर्य्याह्व, न० ताम्र॥ तांबा।
सूर्य्याह्व, पु० अर्कवृक्ष॥ आककावृक्ष।
सूर्क्ष्य, पु० माष॥ उडदअन्न।
सूक्ष्म, पु० कतकवृक्ष॥ निर्म्मली।
सूक्ष्मकृष्णफला,स्त्री० मध्यम जम्बूवृक्ष॥ जामुन-भेद।
सूक्ष्मतण्डुल, पु० खस्खस॥ पोस्तके दाने।
सूक्ष्मतण्डुला, स्त्री० पिप्पली॥ पीपल।
सूक्ष्मपत्र, पु० धन्याक। वनजरिक। देवसर्षप। लघुबदर। सुरपर्ण। वनबर्बरी। लोहितेक्षु। कुक्करद्रु। कण्टलवृक्ष॥ धनिया। वनजीरा। निर्जरसर्सों। छोटाबेर। माचीपत्र। वनबर्बरी। तुलसी। लोहितवर्ण ईख। ककरोंदा। बबूरवृक्ष।
सूक्ष्मपत्रिका, स्त्री० शतपुष्पा। शतावरी। लघु ब्राह्मी। क्षुद्रोपोदकी। दुरालभा। आकाशमांसी॥ सौंफ। शतावर। छोटी ब्रह्मीघास। छोटा पोई-काशाक। धमासा। सूक्ष्म जटामांसी।
सूक्ष्मपर्ण, स्त्री० जर्णिफञ्जी। डोडी। विधारा-भेद। डोडीक्षुप।
सूक्ष्मपर्णी, स्त्री० रामदूतीवृक्ष॥ रामतुलसी।
सूक्ष्मपिप्पली, स्त्री० वनपिप्पली॥ वनपीपर।
सूक्ष्मपुष्पी, स्त्री० यवतिक्ता॥ यवेची, शङ्खिनी देशान्तरीय भाषा।
सूक्ष्मफल, पु० भूकर्बुदारक॥ लभेरावृक्ष।
सूक्ष्मफला, स्त्री० भूम्यामलकी॥ भुईआमला।
सूक्ष्मबदरी, स्त्री० भूबदरी॥ झड़बेर।
सूक्ष्ममूला, स्त्री० जयन्तीवृक्ष॥ जैतवृक्ष, बला-मोटा-दे० शेवरी म०।
सूक्ष्मवल्ली, स्त्री० ताम्रवल्ली। जतुका॥ ताम्रवल्ली, यह चित्रकूटदेशमें होतीहै। जतुकालता-यह मा-लवेमें होतीहै।
सूक्ष्मबीज, पु०खसखस॥ पोस्तके दाने।
सूक्ष्मशाख, पु० जालवर्बूरवृक्ष॥ जालबबूर-वृक्ष।
सूक्ष्मशालि, पु० धान्य-विशेष॥ एक प्रकारका धान।
सूक्ष्मा, स्त्री० यूथिका। क्षुद्रैला। करुणी॥ जुही। गुजराती इलायची। ककर खिरुणी-को०।
सूक्ष्मैला, स्त्री० श्वैतला॥ सफेद इलायची।
सृक, पु० कैरव। पद्म॥ कुमुद। कमल।
सृक्की, स्त्री० ओष्ठयोः प्रान्तभाग।
सृजिकाक्षार, पु० स्वर्ज्जिका क्षार॥ सज्जीखार।
सृणिका, स्त्री० लाला॥ लार, थूक।
सृष्टिप्रदा, स्त्री० गर्भदात्रीक्षुप॥ गर्भदा।
सेकिम, न० मूलक॥ मूलक। मूली।
सेटु, पु० फल-विशेष॥ तरबूज।
सेतु, सेतुक, पु० वरुणवृक्ष॥ वरनावृक्ष।
सेतुभेदी[न्], पु० दन्तीवृक्ष॥ दन्तीवृक्ष।
सेतुवृक्ष, पु० वरुणवृक्ष॥ वरनावृक्ष।
सेमन्ती, स्त्री० पुष्प-विशेष॥ सेवती।

सेलु, पु० शेलुवृक्ष ॥ लिसोडावृक्ष ।
सेव, न० सेविफल ॥ सेव ।
सेवकालु, पु० निशाभङ्गावृक्ष ॥ दुग्धपेया वङ्ग० ।
सेवती, स्त्री० पुष्पवृक्ष-विशेष ॥ सेवती ।
सेवि, न० फल-विशेष ॥ सेव ।
सेवित, न० ऐ ।
सेव्य, न० वीरणमूल ॥ खस ।
सेव्य, पु० अश्वत्थवृक्ष । हिज्जलवृक्ष ॥ पीपलका पेड । समुद्रफल ।
सेव्या, स्त्री० वन्दावृक्ष ॥ वन्दा, वाँदा ।
सेहुण्ड, पु० स्नुहीवृक्ष ॥ सेंड, थूहर ।
सैंहली, स्त्री० सिंहपिप्पली ॥ सिंहली पीपल ।
सैकतेष्ट, न० आर्द्रक ॥ अदरख ।
सैन्धव, न० पु० स्वनामख्यातलवण ॥ सेंधानोन ।
सैन्धी, स्त्री० तालादिरसनिर्य्यास ॥ ताडी ।
सैमान्तिक, न० सिन्दूर ॥ सिन्दूर ।
सैरीय, पु० झिण्टी ॥ कटसरैया ।
सैरीयक, पु० ऐ ।
सैरेय, पु० ऐ ।
सैरेयक, पु० ऐ ।
सैवाल, न० शैवाल ॥ शिवार ।
सोनह, पु० लशुन ॥ लहशन ।
सोभाञ्जन, पु० शोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैंजिनेका पेड ।
सोम, न० काञ्जिक ॥ काँजी ।
सोम, पु०कर्पूर । सोमवल्ली ॥ कपूर । सोमलता ।
सोमज, न० दुग्ध ॥ दूध ।
सोमपत्र, पु० तृण-विशेष ।
सोमबन्धु, पु० कुमुद ॥ कमोदनी ।
सोमयोनि, न० चन्दन-विशेष ॥ शीतलचन्दनादि ।
सोमराजिका, स्त्री० सोमराजी ॥ बावची ।
सोमराजी [न्], पु० ऐ ।
सोमराजी, स्त्री० ऐ ।
सोमराट् [ज्], पु० ऐ ।
सोमरोग, पु० स्त्रीरोग-विशेष ।
सोमलता, स्त्री० स्वनामख्यातलता ॥ सोमलता ।
सोमलतिका, स्त्री० ऐ ।
सोमवल्क,पु० श्वेतखदिर । कट्फल । करञ्ज । रीठा करञ्ज ॥ पपरियाकत्था । कायफर । कञ्जुआ । रीठाकरञ्ज ।
सोमवल्लरी, स्त्री० सोमलता । ब्राह्मी ॥ सोमलता । ब्रह्मीघास ।
सोमवल्लिका, स्त्री० सोमराजी ॥ बावची ।
सोमवल्ली, स्त्री० गुडूची । सोमलता । सोमराजी । पातालगरुडी । ब्राह्मी । सुदर्शना ॥ गिलोय । सोमलता । बावची । छिरहिटा । ब्रह्मीघास । सुदर्शन ।
सोमवृक्ष, पु० कट्फलवृक्ष । श्वेतखदिरवृक्ष ॥ कायफर । सफेद खैर, पपडियाकत्था ।
सोमशकला, स्त्री० शशाण्डुली ॥ एक प्रकारकी ककडी ।
सोमसंज्ञ, न० कर्पूर ॥ कपूर ।
सोमसार, पु० श्वेतखदिर ॥ सफेद खैर ।
सोमाख्य, न० रक्तकैरव ॥ लालकुमुद ।
सौगन्ध, न० कत्तृण ॥ रोहिससोधिया, गंधेजघास ।
सौगन्धिक, न० कत्तृण । कह्लार । नीलोत्पल । गंधेजघास । श्वेतकुमुद । नीलकमल ।
सौगन्धिका, स्त्री० कमलभेद ।
सौण्डी, स्त्री० पिप्पली ॥ पीपल ।
सौध, पु० न० रौप्य ॥ रूपा ।
सौध, पु० दुग्धपाषाण ॥ शिरगोला वङ्ग तथा मराठी भाषा ।
सौपर्ण, न० मरकत । शुण्ठी ॥ मरकतमणि वा पन्ना । सोंठ ।
सौपर्णी, स्त्री० पातालगरुडी ॥ छिरहिटा ।
सौभद्रेय, पु० विभीतक ॥ बहेडा ।
सौभाग्य, न० सिन्दूर । टङ्कण ॥ सिन्दूर । सुहागा ।
सौभाञ्जन, पु० शोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैंजिनेका पेड ।
सौमनसा, स्त्री० जातीपत्री ॥ जावित्री ।
सौमनस्यायनी, स्त्री० मालतीपुष्पकलिका ॥ मालतीके फूलकी कली ।
सौमेरुक, न० सुवर्ण ॥ सोना ।
सौम्य, पु० उदुम्बरवृक्ष ॥ गूलर ।
सौम्यगन्धी, स्त्री० शतपत्री ॥ सेवती, गुलाब ।
सौम्यधातु, पु० कफ ॥ कफ ।
सौम्या, स्त्री० महेन्द्रवारुणी । रुद्रजटा । महाज्योतिष्मती । महिषवल्ली । गुञ्जा । शालपर्णी । ब्राह्मी । शटी । मल्लिका ॥ बडीइन्द्रफला । शंकरजटा । बडीमालकाङ्गुनी । छिरहिटी । घुँघुची । शालवन । ब्रह्मीघास । कचूर । मल्लिकापुष्प ।
सौर, पु० तुम्बुरुवृक्ष ॥ तुम्बुरुवृक्ष ।
सौरज, पु० ऐ ।
सौरभ, न० कुङ्कुम । बोल ॥ केशर । बोल ।
सौराष्ट्र, न० कांस्य ॥ कांसी ।
सौराष्ट्रक, पु० कुन्दुरु ॥ कुन्दुरु सुगंधद्रव्य ।
सौराष्ट्रा, स्त्री० तुवरी ॥ गोपीचन्दन ।
सौराष्ट्रिक, न० विषभेद ॥ एक प्रकारका विष ।
सौराष्ट्रिका, स्त्री० सौराष्ट्री ॥ गोपीचन्दन ।

सौराष्ट्री, स्त्री० सौराष्ट्रदेशीय सुगन्धिमृत्तिका ॥ सोरठकी मिट्टी अर्थात् गोपीचन्दन।
सौरि, पु० असनवृक्ष। आदित्यभक्ता ॥विजयसार। हुलहुल।
सौरेय, पु० शुक्लझिण्टीक्षुप ॥ सफेदफूलकीकटसरैया।
सौरेयक, पु० ऐ।
सौवर्च्चल, न० सुवर्च्चलदेशसम्भूतलवण। खर्जिकाक्षार ॥ चोहारकोडा, कालानोन। सज्जीखार।
सौवर्णभेदिनी, स्त्री० प्रियङ्गु ॥ फूलप्रियङ्गु।
सौवीर, न० बदर। काञ्जिक। स्रोतोञ्जन। सौवीराञ्जन। सन्धान-विशेष॥ बेर। कांजि। कालाशुर्म्मा। सफेद शुर्म्मा। सौवीर कांजि।
सौवीरक, न० काञ्जिक-विशेष ॥ सौवीरकांजि।
सौवीरक, पु० बदरवृक्ष ॥ बेरीका पेड।
सौवीरसार, न० स्रोतोञ्जन ॥ काला शुर्म्मा।
सौवीराञ्जन, न० अञ्जनप्रभेद ॥ सफेद शुर्म्मा।
स्कन्द, पु० पारद ॥ पारा।
स्कन्दांशक, पु० ऐ।
स्कन्धतरु, पु० नारिकेलवृक्ष ॥ नारियलका पेड।
स्कन्धफल, पु० नारिकेलवृक्ष। उदुम्बरवृक्ष ॥ नारियलका पेड। गूलरका पेड।
स्कन्धबंधना, स्त्री० मधुरिका ॥ सोआ।
स्कन्धरुह, पु० वटवृक्ष ॥ बडका पेड।
स्तनयित्नु, पु० मुस्तक ॥ मोथा।
स्तनितफल, पु० विकण्टकवृक्ष ॥ गर्ज्जाफल।
स्तन्य, न० दुग्ध ॥ दूध।
स्तम्भकरि, पु० धान्य ॥ धान।
स्त्रीचित्तहारी [न्], पु० शोभाञ्जनवृक्ष ॥ सैजिनेका पेड।
स्त्रीप्रिय, पु० आम्रवृक्ष ॥ आमका पेड।
स्त्रीरञ्जन, न० ताम्बूल ॥ पान।
स्त्रीरोग, पु० स्त्रीजातीयरोग-विशेष ॥ प्रदरादि।
स्थलकन्द, पु० वनोद्भव ओल ॥ वनशूरन।
स्थलकमल, न० स्थलपद्म ॥ गैंदेकावृक्ष।
स्थलकुमुद, पु० करवीरवृक्ष ॥ कनेरका पेड।
स्थलपद्म, न० स्वनामख्यातपुष्प। प्रपौण्डरीक ॥ स्थलकमल, गैंदा, गुलाब, सेवती, गुलदावदी, मौलसिरी इत्यादि। पुण्डरिया।
स्थलपद्म, पु० माणक ॥ मानकन्द।
स्थलपद्मिनी, स्त्री० स्थलपद्म ॥ वेटतामर—देशान्तरीयभाषा।
स्थलमञ्जरी, स्त्री० अपामार्ग ॥ चिरचिरा।
स्थलशृङ्गाट, पु० गोक्षुरक ॥ गोखुरू।
स्थलशृङ्गाटक, पु० ऐ।
स्थलेरुहा, स्त्री० घृतकुमारी ॥ घीकुवार।
स्थविर, न० शैलेय ॥ पत्थरकाफूल, भूरिछरीला।
स्थविरा, स्त्री० महाश्रावणिका ॥ बडीगोरखमुण्डी।
स्थानचञ्चला, स्त्री० बर्बरीवृक्ष ॥ वनतुलसी।
स्थापनी, स्त्री० पाठा ॥ पाढ़।
स्थाली, स्त्री० पाटलावृक्ष ॥ पाड़र।
स्थालीवृक्ष, पु० तरुप्रभेद ॥ वेलियापीपल।
स्थावरादि, स्त्री० वत्सनाभविष ॥ वत्सनाभविष।
स्थिर, पु० धववृक्ष ॥ धौंवृक्ष।
स्थिरगन्ध, पु० चम्पकवृक्ष ॥ चम्पावृक्ष।
स्थिरगन्धा, स्त्री० पाटला। केतकी ॥ पाडर। केतकी।
स्थिरच्छद, पु० भूर्जपत्रवृक्ष ॥ भोजपत्रवृक्ष।
स्थिरजीविता, स्त्री० शाल्मलीवृक्ष ॥ सेमलकापेड़।
स्थिरपत्र, पु० हिन्ताल। एकप्रकारकाताड़।
स्थिरपुष्प, पु० चम्पकवृक्ष। बकुलवृक्ष ॥ चम्पावृक्ष। मौलसिरीकापेड।
स्थिरपुष्पी [न्], पु० तिलकवृक्ष॥तिलकवृक्ष।
स्थिरफला, स्त्री० कूष्माण्डी ॥ पेठा, कोहडा।
स्थिररङ्गा, स्त्री० नीलीवृक्ष ॥ नीलकापेड।
स्थिररागा, स्त्री० दारुहरिद्रा ॥ दारुहलदी।
स्थिरसाधनक, पु० सिन्धुवारवृक्ष ॥ सिह्मालुवृक्ष।
स्थिरसार, पु० शाकवृक्ष ॥ शेगुनवृक्ष।
स्थिरा, स्त्री० शालपर्णी। काकोली। शाल्मलीवृक्ष। शालवन। काकोलीवृक्ष। सेमलकापेड़।
स्थिरांघ्रिप, पु० हिन्तालवृक्ष ॥ एकप्रकारकाताड।
स्थिरायु [स्], पु० शाल्मलीवृक्ष॥ सेमलकापेड।
स्थूल, पु० पनस ॥ कटहर।
स्थूलक, पु० तृण—विशेष।
स्थूलकङ्गु, पु० वरकधान्य। चीनाधान।
स्थूलकणा, स्त्री० स्थूलजीरक ॥ कलौंजी।
स्थूलकण्टक, पु० जालबब्बूर ॥ जालबबूर।
स्थूलकण्टकिका, स्त्री० शाल्मलीवृक्ष ॥ सेमलकापेड।
स्थूलकण्टा, स्त्री० बृहती ॥ कटाई।
स्थूलकन्द, पु० रक्तलशुन। शूरण। हस्तिकन्द। माणकन्द ॥ लाललहशन। जमीकन्द। हस्तिकन्द। मानकन्द।
स्थूलचञ्चु, पु० महाचञ्चुशाक। बडाचेंचुना।
स्थूलजीरक, पु० जीरकभेद ॥ कलौंजी।
स्थूलताल, पु० हिन्ताल ॥ एकप्रकारकाताड।
स्थूलत्वचा, स्त्री० काश्मरी ॥ कुम्भेर।

स्थूलदण्ड, पु० देवनल ॥ बडानरसल ।
स्थूलदर्भ, पु० मुञ्ज ॥ मूंज ।
स्थूलदला, स्त्री० घृतकुमारी ॥ घीकुवार ।
स्थूलनाल, पु० देवनल ॥ बडानरसल ।
स्थूलपट्ट, पु० कार्पास ॥ कपास ।
स्थूलपुष्प, पु० अगस्त्यवृक्ष ॥ हथियावृक्ष ।
स्थूलपुष्पा, स्त्री० पर्वतजात अपराजिता ॥ पहाडी अपराजिता अर्थात् कोइल ।
स्थूलपुष्पी, स्त्री० यवतिक्ता ॥ "शङ्खिनी"।
स्थूलफल, पु० शाल्मलीवृक्ष ॥ सेमलकापेड ।
स्थूलफला, स्त्री० शणपुष्पी ॥ शणहुली, वनसन ।
स्थूलमरिच, न० कक्कोल ॥ कंकोल ।
स्थूलमञ्जरी, स्त्री० अपामार्ग ॥ चिरचिटा ।
स्थूलमूल, न० चाणक्यमूल ॥ छोटीमूली ।
स्थूलवर्त्मकृत, पु० ब्राह्मणयष्टिका ॥ भारङ्गी ।
स्थूलवल्कल, पु० रक्तलोध्र ॥ लाललोध ।
स्थूलवृक्षफल, पु० स्निग्धपिण्डीतक । बडामैनफलभेद ।
स्थूलवैदेही, स्त्री० गजपिप्पली ॥ गजपीपर ।
स्थूलशर, पु० शर-विशेष ॥ स्थूलशर ।
स्थूलशालि, पु० शालिधान्यभेद ॥ मोटे धान ।
स्थूलस्कन्ध, पु० लकुच ॥ वडहर ।
स्थूला, स्त्री० गजपिप्पली । एरवारु । बृहदेला॥ गजपीपर । बडीककडी । बडीइलायची ।
स्थूलांशा, स्त्री० गन्धपत्रा ॥ वनमें होनेवाली शटी।
स्थूलाम्र, पु० महाराजचूत ॥ बडे आम, मालदमेआम ।
स्थूलैरण्ड, पु० बृहत्-एरण्डवृक्ष ॥ बडा अण्डका वृक्ष ।
स्थूलैला, स्त्री० बृहदेला ॥ बडी इलायची ।
स्थौणेय, स्थौणेयक, न० ग्रन्थिपर्ण । ग्रन्थिपर्णभेद ॥ गठिवन । गठिवनभेद अर्थात् थुनेर, थुनियार ।
स्नानतृण, न० कुश ॥ कुशा ।
स्नायु, स्त्री० वायुवाहिनी नाड़ी ॥ जिस्से अङ्गप्रत्यङ्गके जोड बंधे रहते हैं वह नाडी अथवा नस ।
स्नायुर्म्म, [न्] न० नेत्ररोग-विशेष ।
स्निग्ध, पु० रक्तैरण्डवृक्ष । सरलवृक्ष ॥ लाल अण्डका पेड । धूपसरल, सरलवृक्ष ।
स्निग्धतण्डुल, पु० षष्टिशालि ॥ साठीधान ।
स्निग्धदारु, पु० सरलवृक्ष । देवदारु ॥ सरलवृक्ष । देवदार ।
स्निग्धपत्रक, पु० मजरतृण । घृतकरञ्ज । गुच्छकरञ्ज ।
स्निग्धपत्रा, स्त्री० पु० बदरी । पालङ्क्य । काश्मरी ॥ बेरी । पालगकाशाक । कम्भारी, खुमेर।
स्निग्धपिण्डीतक, पु० मदनवृक्ष-विशेष ॥ मैनफलवृक्ष भेद ।
स्निग्धफला, स्त्री० वालुकी ॥ वालुकीनामवाली ककडी ।
स्निग्धा, स्त्री० मेदा ॥ मेदाऔषधी ।
स्नुक्, [ह्] स्नुहीवृक्ष ॥ सेहुण्डवृक्ष ।
स्नुक्छद, पु० क्षीरकंचुकीवृक्ष ॥ क्षीरीशवृक्ष ।
स्नुषा, स्त्री० स्नुहीवृक्ष ॥ सेहुण्डवृक्ष ।
स्नुहा, स्त्री० ऐ ।
स्नुहि, स्त्री० ऐ ।
स्नुही, स्त्री० सेहुण्डवृक्ष ॥ थूहर, सेहुण्डवृक्ष ।
स्नेहफल, पु० तिल ॥ तिल ।
स्नेहरङ्ग, पु० ऐ ।
स्नेहवती, स्त्री० मेदा ॥ मेदाऔषधी ।
स्नेहबस्ति, स्त्री० अनुवासनबस्ति ॥ तैलपिचकारी ।
स्नेहविद्ध, न० देवदारु ॥ देवदारु ।
स्नेहबीज, पु० प्रियालवृक्ष ॥ चिरोंजीका पेड ।
स्नेहक्षार, पु० क्षारविशेष ॥ साबुन ।
स्पर्शमणिप्रभव, न० स्वर्ण ॥ सोना ।
स्पर्शलज्जा, स्त्री० लज्जालु ॥ लज्जावन्ती, छुईमुई ।
स्पर्शशुद्धा, स्त्री० शतमूली ॥ शतावर ।
स्पृक्का, स्त्री० पृक्का ॥ असवरग ।
स्पृशा, स्त्री० भुजङ्गघातिनी ॥ कङ्काली वङ्गदेशीयभाषा ।
स्पृशी, स्त्री० कण्टकारी ॥ कटेहरी ।
स्पृह्य, पु० मातुलुङ्गक ॥ बिजौरानींबु ।
स्फटिक, पु० सूर्यकान्तमणि । स्वनामख्यातमणि । स्फटिकारि ॥ आतसीशीसा-फारसीभाषा। फटिकमणि । फटकिरी ।
स्फटिका, स्त्री० स्फटिकारि ॥ फटकरी ।
स्फटिकाद्रिभिद्, पु० कर्पूर ॥ कपूर ।
स्फटिकाभ्र, पु० ऐ ।
स्फटिकारि, स्त्री० श्वेतवर्ण वणिक्द्रव्य-विशेष ॥ फटकिरी ।
स्फटी, स्त्री० ऐ ।
स्फाटक, न० स्फटिक ॥ फटिक ।
स्फाटिक, न० ऐ ।
स्फाटिकोपल, पु० ऐ ।
स्फाटीक, न० ऐ ।

स्फिक् [च्], स्त्री० कटिप्रोथ ॥ कमरके मांसका पिण्ड ।
स्फिग्घातक, पु० कट्फल ॥ कायफल ।
स्फुटबन्धनी, स्त्री० पारावतपदी ॥ मालकाङ्गुनी ।
स्फुटी, स्त्री० कर्कटीफल ॥ फूट ।
स्फूर्जक, पु० तिन्दुकवृक्ष ॥ तेंदुवृक्ष ।
स्फोटक, पु० रोग-विशेष ॥ फोडा ।
स्फोटबीजक, पु० भल्लातक ॥ भिलावेकावृक्ष ।
स्मरवृद्धिसंज्ञ, पु० कामवृद्धिक्षुप ॥ कामज-कर्णाटकदेशीय भाषा ।
स्मराम्र, पु० राजाम्र ॥ श्रेष्ठ आम ।
स्मरासव, पु० मद्यभेद ।
स्यन्दनद्रुम, पु० तिनिशवृक्ष ॥ तिरिच्छवृक्ष ।
स्यन्दनि, स्त्री० ऐ ।
स्यमीका, स्त्री० नीलिका ।
स्योनाक, पु० श्योनाक ॥ अरलु, टैंटु ।
स्रंसिनीफल, पु० शिरीसवृक्ष ॥ सिरसका पेड ।
स्रंसी [न्], पु० पीलुवृक्ष ॥ पीलुवृक्ष ।
स्रवन्ती, स्त्री० औषधिभेद ।
स्रवा, स्त्री० मूर्वा ॥ चुरनहार ।
स्रावक, न० मरिच ॥ मिरच ।
स्रावनी, स्त्री० ऋद्धि ॥ ऋद्धिऔषधी ।
स्राविका, स्त्री० सर्षपिका ।
स्रुगदारु, न० व्याघ्रपादवृक्ष ॥ विकङ्कतवृक्ष ।
स्रुघ्नी, स्त्री० स्वर्ज्जिकाक्षार ॥ सज्जीखार ।
स्रुता, स्त्री० हिङ्गुपत्री ॥ हीङ्गपत्री ।
स्रुवा, स्त्री० शल्लकीवृक्ष । मूर्वालता ॥ शालईवृक्ष । चुरनहार ।
स्रुवावृक्ष, पु० विकङ्कतवृक्ष ॥ कण्टाई ।
स्रोतोञ्जन, न० यमुनानदीस्रोतोभवकृष्णवर्णाञ्जन ॥ कालाशुर्म्मा ।
स्वगुप्ता, स्त्री० शूकाशिम्बी । लज्जालु ॥ कौंछ । लज्जावती ।
स्वच्छ, न० मुक्ता । विमलानामक उपरस ॥ मोती । निर्म्मलरस ।
स्वच्छपत्र, न० अभ्रक ॥ अभ्रक ।
स्वच्छमणि, पु० स्फटिक ॥ फटिकमणि ।
स्वच्छा, स्त्री० श्वेतदूर्वा ॥ सफेददूब ।
स्वधाप्रिय, न० कृष्णतिल ॥ कालेतिल ।
स्वानिताह्वय, पु० तण्डुलीयशाक ॥ चौलाईका शाक ।
स्वपिण्डा, स्त्री० पिण्डखर्ज्जूरी ॥ पिण्डखजूर ।
स्वप्रकृत, न० सुनिषण्णक ॥ शिरीआरी शाक ।
स्वयंगुप्ता, स्त्री० शूकशिम्बी ॥ किवाँच ।
स्वयंभुवा, स्त्री० धूम्रपत्रा ॥ तमाखु ।
स्वयम्भू, स्त्री० माषपर्णीलता । लिङ्गिनीलता ॥ मषवन । पञ्चगुरिया ।
स्वरभङ्ग, स्वरभेद, पु० स्वनामख्यातरोग कण्ठमें एक प्रकारका होताहै ।
स्वरस, पु० शिलापिष्टद्रव्यरस ॥
स्वरालु, पु० वचा ॥ वच ।
स्वर्ज्जिक, पु० स्वर्जिकाक्षार । यवक्षार ॥ सज्जीखार । जवाखार ।
स्वर्ज्जिकाक्षार, पु० सज्जिकाक्षार ॥ सज्जीखार।
स्वर्ज्जिक्षार, पु० ऐ ।
स्वर्ज्जी [न्], पु० ऐ ।
स्वर्ण, न० सुवर्ण । धुस्तूर । गौरसुवर्णशाक । नागकेशर ॥ सोना । धत्तूरा । गौरसुवर्णशाक । नागकेशर ।
स्वर्णकण, पु० कणगुग्गुल ॥ कणगूगल ।
स्वर्णकेतकी, स्त्री० हरिद्रावर्णकेतकीपुष्प ॥ पीले फूलकी केतकी ।
स्वर्णगैरिक, न० सुवर्णगैरिक ॥ पीलागेरु ।
स्वर्णज, न० रङ्ग ॥ राँग ।
स्वर्णजीवन्ती, स्त्री० वृक्ष-विशेष ॥ स्वर्णजीवन्ती ।
स्वर्णदी, स्त्री० वृश्चिकाली ॥ वृश्चिकाली ।
स्वर्णद्रु, पु० आरग्वधवृक्ष ॥ अमलतासका पेड ।
स्वर्णपत्रिका, स्त्री० हेमपत्री ॥ सनाप ।
स्वर्णपाचक, पु० टङ्कण ॥ सुहागा ।
स्वर्णपारेवत, न० महापारेवत ॥ बडा पारेवत ।
स्वर्णपुष्प, पु० आरग्वधवृक्ष । चम्पकवृक्ष । बब्बुलवृक्ष ॥ अमलतासका पेड । चम्पावृक्ष । बब्बूर, कीकरवृक्ष ।
स्वर्णपुष्पा, स्त्री० कलिकारी । स्वर्णुली । सातला ॥ कलिहारीवृक्ष । हेमपुष्पी । सातलावृक्ष ।
स्वर्णपुष्पी, स्त्री० आरग्वध । स्वर्णकेतकी ॥ अमलतासका पेड । पीले फूलकी केतकी ।
स्वर्णफला, स्त्री० पीतरम्भा ॥ पीलाकेला ।
स्वर्णभृङ्गार, पु० स्वर्णभृङ्गराज ॥ पीला भङ्गरा ।
स्वर्णमाक्षिक, न० स्वनामख्यात उपधातु ॥ सोनामाखी ।
स्वर्णयूथी, स्त्री० पीतवर्णयूथिका ॥ पीलीजुही ।
स्वर्णलता, स्त्री० ज्योतिष्मती ॥ मालकाङ्गुनी ।
स्वर्णवर्णा, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
स्वर्णवल्कल, पु० श्योनाकवृक्ष ॥ शोनापाठा, अरलु, टैंटु ।
स्वर्णवल्ली, स्त्री० लता-विशेष ॥ स्वर्णवल्ली ।

स्वर्णशेफालिका, स्त्री० आरग्वधवृक्ष । पीतशेफालिका ॥ अमलतासवृक्ष । पीलीशेफालिका ।
स्वर्णक्षीरी, स्त्री० औषधि-विशेष ॥ एकप्रकारकी कटेहरी ।
स्वर्णाङ्ग, पु० आरग्वधवृक्ष ॥ अमलतास ।
स्वर्णाङ्गी, स्त्री०महाशूरादिदेशे प्रसिद्ध वृक्षविशेष।
स्वर्णारि, न० गन्धक ॥ गन्धक ।
स्वर्णुली, स्त्री० क्षुप-विशेष-हेमपुष्पी ॥ स्वर्णुली ।
स्वल्पकेशरी [न्], पु० कोविदारवृक्ष ॥ कचनारवृक्ष ।
स्वल्पकेशी [न्], पु० भूतकेशतृण ।
स्वल्पपत्रक, पु० गौरशाक ॥ मौआभेद ।
स्वल्पपत्रानिशा, स्त्री० क्षुद्रपत्रविशिष्ट हरिद्रावत वृक्ष-विशेष ।
स्वल्पफला, स्त्री० हपुषाभेद ॥ हाऊबेरभेद ।
स्वस्तिक, पु० न० सितावरशाक॥शिरिआरीशाक।
स्वस्तिक, पु० लशुन ॥ ल्हशन ।
स्वादु, पु० मधुररस । गुड । जीवक । सुगन्धिद्रव्य-विशेष ॥ मीठारस । गुड । जीवकऔषधी। अगुरुसार ।
स्वादु, स्त्री० द्राक्षा ॥ दाख ।
स्वादुकण्टक, पु० विकङ्कतवृक्ष । गोक्षुर । विकण्टकवृक्ष ॥ कण्टाई, विकङ्कतवृक्ष । गोखुरु। विकण्टक, गर्जाफल ।
स्वादुकन्दा, स्त्री० विदारी ॥ विदारीकन्द ।
स्वादुका, स्त्री० नागदन्ती ॥ हाथीशुण्डवृक्ष ।
स्वादुखण्ड, पु० गुड ॥ गुड ।
स्वादुगन्धा, स्त्री० भूमिकूष्माण्ड । रक्तशोभाञ्जन॥ विदारीकन्द ॥ लालसैंजिनेका पेड ।
स्वादुजम्बीर, पु० श्रीहट्टदेशीयजम्बीर ॥ एकप्रकारकाजम्भीरी+मीठानींबु ।
स्वादुपर्णी, स्त्री० दुग्धिका । दूधिया ।
स्वादुपाका, स्त्री० काकमाँची ॥ मकोय ।
स्वादुपिण्डा, स्त्री० पिण्डखर्ज्जूरी ॥ पिण्डखजूर।
स्वादुपुष्प, पु० कटभी । कटभी ।
स्वादुफल, न० बदरीफल ॥ बेर ।
स्वादुफला, स्त्री० कोलि । द्राक्षा ॥ बेर । दाख।
स्वादुमज्जा [न्], पु० पर्व्वतजपीलुवृक्ष ॥ अखरोटवृक्ष ।
स्वादुमांसी, स्त्री० काकोली ॥ काकोली-औषधी ।
स्वादुमूल, न० गर्ज्जर ॥ गाजर ।
स्वादुरसा, स्त्री० काकोली । आम्रातकफल । मदिरा । शतावरी । द्राक्षा॥ काकोली औषधी। अम्बाडा । मदिरा । शतावर । दाख ।
स्वादुलता, स्त्री० विदारी ॥ विलारीकन्द ।
स्वादुशुद्ध, न० सैन्धवलवण । समुद्रलवण ॥ सैंधानोन । पांगा ।
स्वाद्वम्ल, पु० दाडिमवृक्ष ॥ अनारकापेड ।
स्वाद्वी, स्त्री० द्राक्षा ॥ दाख ।
स्वायम्भुवी, स्त्री० ब्राह्मी ॥ ब्रह्मीघास ।
स्वेद, पु० धर्म्म । घर्म्मकारकक्रिया-विशेष ।
स्वेदपर्णी [न्], पु० पूतिद्रुम ।

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृतशालिग्रामौषधशब्दसागरे सकाराक्षरे तरङ्गः ॥

ह.

हंसदाहन, न० अगुरु ॥ अगर ।
हंसपदी, स्त्री० गोधापदी । गोधापदी-विशेष ॥ लालरङ्गका लज्जालु ।
हंसपाद, न० हिङ्गुल ॥ सिङ्गरफ ।
हंसपादिका, स्त्री० हंसपदी ॥ लालरङ्गकालज्जालु।
हंसपादी, स्त्री० हंसपदी-विशेष । ऐ ।
हंसमाषा, स्त्री० माषपर्णी ॥ मषवन ।
हंसलोमश, न० कासीस ॥ कसीस ।
हंसलोहक, न० पित्तल ॥ पीतल ।
हंसवती, स्त्री० हंसपदी । लालरङ्गकालज्जालु ।
हंसबीज, न० हंसडिम्ब ॥ हंसकाअण्डा ।
हंसाङ्घ्रि, न० हिङ्गुल ॥ सिङ्गरफ ।
हंसाभिख्य, न० रूप्य ॥ रूपा ।
हञ्जिका, स्त्री० भार्गी ॥ भारङ्गी ।
हटपर्णी, न० शैवाल ॥ शिवार ।
हट्टविलासिनी, स्त्री० गन्धद्रव्य-विशेष । हरिद्रा॥ नखीगन्धद्रव्य । हलदी ।
हठपर्णी, स्त्री० शैवाल ॥ शिवार ।
हठालु, स्त्री० कुम्भिका ॥ जलकुम्भी ।
हठी, स्त्री० ऐ ।
हनील, पु० केतकी ॥ केतकी ।
हनु, स्त्री० हट्टविलासिनी ॥ नखी ।
हपुषा, स्त्री० वणिग्द्रव्य-विशेष ॥ हाऊबेर ।
हवुषा, स्त्री० ऐ ।
हयकातरा, स्त्री० अश्वकातरावृक्ष ॥ घोडाकातरावृक्ष ।
हयकातरिका, स्त्री० ऐ ।
हयगन्ध, न० काचलवण ॥ कचियानोन ।
हयगन्धा, स्त्री० अश्वगन्धा । अजमोदा ॥ असगन्ध । अजमोद ।
हयपुच्छी, स्त्री० माषपर्णी ॥ मषवन ।
हयप्रिय, पु० यव ॥ जौ ।

हयप्रिया, स्त्री० अश्वगन्धा। खर्ज्जूरी॥ असगन्ध। खजूर।
हयमार, पु० करवीरवृक्ष॥ कनेरकापेड।
हयमारक, पु० ऐ।
हयमारण, पु० अश्वत्थवृक्ष॥ पीपलकापेड।
हयवाहनशङ्कर, पु० रक्तकाञ्चनपुष्पवृक्ष॥ कचनारवृक्ष।
हया, स्त्री० अश्वगन्धा॥ असगन्ध।
हयानन्द, पु० मुद्ग॥ मूंग।
हयारि, पु० करवीरवृक्ष॥ कनेरवृक्ष।
हयाशना, स्त्री० शल्लकीवृक्ष॥ शालईवृक्ष।
हयेष्ट, पु० यव॥ जौ।
हरण, न० स्वर्ण। शुक्र। कपर्द्दक। उष्णोदक॥ सोना। वीर्य्य। कौडी। गरमजल।
हरतेजः [स्], न० पारद॥ पारा।
हरबीज, न० ऐ।
हरहूरा, स्त्री० द्राक्षा॥ दाख।
हरिक्रान्ता, स्त्री० विष्णुक्रान्ता॥ कोइल।
हरिचन्दन, पु० न० चन्दन-विशेष॥ हरिचन्दन।
हरिचन्दन, न० कुङ्कुम। पद्मकेशर॥ केशर। कमलकेशर।
हरिणाक्षी, स्त्री० हट्टविलासिनीनामगन्धद्रव्य॥ नखी।
हरिणी, स्त्री० मञ्जिष्ठा। स्वर्णयूथी॥ मजीठ। पीलीजुही।
हरित्, पु० मुद्ग॥ मूँग।
हरित्, न० हरिद्रा॥ हलदी।
हरित, न० स्थौणेयक॥ थुनेर।
हरित, पु० मन्थाकतृण॥ मन्थाकतृण।
हरितपत्रिका, स्त्री० पाची॥ पाचीलता।
हरितशाक, पु० शिग्रु॥ सैंजिनेकापेड।
हरिता, स्त्री० दूर्वा। जयन्ती। हरिद्रा। कपिलद्राक्षा। पाची। नीलदूर्वा॥ दूब। जैतवृक्ष। हलदी। कपिलरङ्गकीदाख। पाचीलता। हरीदूब।
हरिताल, न० स्वनामख्यातपीतवर्णधातु॥हरताल।
हरितालक, न० ऐ।
हरितालिका, स्त्री० दूर्वा॥ दूब।
हरिताली, स्त्री० ऐ।
हरिताश्म [न्], न० तुत्थ॥ तूतिया।
हरित्पर्ण, न० मूलक॥ मूली॥
हरिदश्व, पु० अर्कवृक्ष॥ आककापेड।
हरिदर्भ, पु० हरिद्वर्णकुश॥ हरिकुशा।
हरिद्गर्भ, पु० ऐ।
हरिद्रव, पु० नागकेशरचूर्ण॥ नागकेशरकाचूरन।
हरिद्रा, स्त्री० स्वनामख्यात औषधि। हलदी।
हरिद्राद्वय, न० हरिद्रा, दारुहरिद्रा॥ हलदी, दारुहलदी।
हरिद्राभ, पु० पीतशाल। पियासालवङ्गदेशीयभाषा।
हरिद्रु, पु० दारुहरिद्रा। वृक्ष-विशेष॥ दारहलदी। हलदुआवृक्ष।
हरिद्बीज, न० मुनिफल॥ पिस्ता।
हरिन्नाम [न्], पु० मुद्ग॥ मूंग।
हरिन्नेत्र, न० श्वेतपद्म॥ सफेदकमल।
हरिन्मणि, पु० मरकतमणि॥ पन्ना।
हरिन्मुद्ग, पु० शारदमुद्ग॥ हरीमूँग।
हरिपर्ण, न० मूलक॥ मूली।
हरिप्रिय, न० कृष्णचन्दन। अगुरु। उशीर॥ कलम्बक। अगर। खस।
हरिप्रिय, पु० कदम्बवृक्ष। पीतभृङ्गराज। विष्णुकन्द। करवरिवृक्ष। बन्धूकवृक्ष। शङ्ख॥ कदमकापेड। पीलाभाङ्गरा। विष्णुकन्द। कनेरवृक्ष। दुपहरियाकापेड। शंख।
हरिप्रिया, स्त्री० तुलसी॥ तुलसी।
हरिवालुक, न० एलवालुक॥ एलुआ।
हरिभद्र, न० ऐ।
हरिमन्थ, पु० गणकारिका। चणक॥ अरणी। चने।
हरिमन्थक, पु० चणक॥ चने।
हरिमन्थज, पु० चणक। कृष्णमुद्ग॥ चने। कालीमूँग।
हरिवल्लभा, स्त्री० जया। तुलसी॥
हरिबीज, न० हरिताल॥ हरताल।
हरीतकी, स्त्री० स्वनामख्यातवृक्ष॥ हरड, हर्र, हड।
हरेणु, स्त्री० रेणुकानामक गन्धद्रव्य॥ रेणुका।
हरेणु, हरेणुक, पु० सतील॥ मटर।
हर्षयित्नु, न० स्वर्ण॥ सोना।
हर्षणी, स्त्री० सोमलताभेद॥ सालसा वङ्गदेशीय भाषा।
हर्षिणी, स्त्री० विजया। संविदामञ्जरी॥ भङ्ग। गांजा। गांझा।
हलदी, स्त्री० हरिद्रा॥ हलदी।
हलदी, स्त्री० ऐ।
हलराक्ष, न० आहुल्य॥ "तरवट" काश्मीरदेशीय भाषा।
हलाहल, पु० विषभेद॥ एक प्रकारका विष।
हलिनी, स्त्री० लाङ्गलिकीवृक्ष॥ कलिहारी।
हलिप्रिय, पु० कदम्बवृक्ष॥ कदमका पेड।

हलिप्रिया, स्त्री० मदिरा ॥ मद्य ।
हली, स्त्री० कलिकारीवृक्ष ॥ कलिहारीवृक्ष ।
हलीन, पु० शाकवृक्ष ॥ शेगुनवृक्ष ।
हलीमक, पु० रोग-विशेष ।
हल्लक, न० रक्तकल्हार ॥ लालकुमुद ।
हविः [स्], न० घृत ॥ घी ।
हविर्गन्धा, स्त्री० शमीवृक्ष ॥ छौंकरावृक्ष ।
हविर्मन्थ, पु० गणिकारिकावृक्ष ॥ अरणी ।
हविष्य, न० घृत ॥ घी ।
हसन्ती, स्त्री० मल्लिका-विशेष ॥एक प्रकारका मोतिया ।
हस्तिकर्ण, पु० एरण्ड । पलाशभेद । हस्तिकन्द । रक्तैरण्ड ॥ अण्डकापेड । हस्तिकर्ण-पलासभेद । हस्तिकन्द । लाल अण्ड ।
हस्तिकन्द, पु० बृहत्कन्द-विशेष ॥ हस्तिकन्द ।
हस्तिकरञ्ज, पु० महाकरञ्ज ॥ बडीकरञ्ज ।
हस्तिकर्णक, पु० किंशुकभेद ॥ हस्तिकर्णपलास ।
हस्तिकर्णदल, पु० ऐ ।
हस्तिकोलि, पु० बदरीभेद ॥ पौंडाबेर ।
हस्तिघोषा, स्त्री० बृहद्घोषा ॥ बडी तोरई ।
हस्तिघोषातकी, स्त्री० ऐ ।
हस्तिचारिणी, स्त्री० महाकरञ्ज ॥ बडीकरञ्ज ।
हस्तिदन्त, न० मूलक ॥ मूली ।
हस्तिदन्त, पु० ऐ ।
हस्तिदन्तक, पु० ऐ ।
हस्तिफला, स्त्री० एर्वारु ॥ ग्रीष्मकालकी ककडी ।
हस्तिनी, स्त्री० हट्टविलासिनी ॥ नखी ।
हस्तिपत्र, पु० हस्तिकन्द ॥ हस्तिकन्द ।
हस्तिपर्णिका, स्त्री० राजकोषातकी ॥घियातोरई ।
हस्तिपर्णी, स्त्री० कर्कटी ॥ ककडी ।
हस्तिरोहणक, पु० महाकरञ्ज ॥ बडीकरञ्ज ।
हस्तिलोध्रक, पु० लोध्र ॥ लोध ।
हस्तिविषाणी, स्त्री० कदली ॥ केला ।
हस्तिशुण्डा, हस्तिशुण्डी, स्त्री० क्षुप-विशेष ॥ हाथीशुण्डा ।
हस्तिश्यामाक, पु० सस्य-विशेष ॥ हथियासमा ।
हहल, न० हालाहल ॥ हालाहलविष ।
हाटक, न० स्वर्ण । धुस्तुर ॥ सोना । धत्तरा ।
हायन, पु० शालिधान्यभेद । अग्निशिखावृक्ष ॥ एक प्रकारके धान । कलिहारी ।
हारक, पु० शाखोटवृक्ष ॥ सहोरावृक्ष ।
हारहारा, स्त्री० कपिलद्राक्षा ॥ अङ्गूर यवनिका भाषा ।
हारहूर, न० मद्य ॥ मदिरा ।
हारहूरा, स्त्री० द्राक्ष ॥ दाख ।
हारिद्र, पु० कदम्बवृक्ष । विषभेद ॥ कदमका पेड । हारिद्रविष ।
हारिद्रफल, न० फल-विशेष ।
हारिद्रमूला, स्त्री० कलिङ्गशुण्ठी ॥ कलिङ्गसोंठ ।
हार्य्य, पु० विभीतकवृक्ष ॥ बहेडावृक्ष ।
हालहल, हालहाल, न० विषभेद । एकप्रकारकाविष ।
हाला, स्त्री० मद्य । तालादिनिर्य्यास ॥ मदिरा । ताडी ।
हालहल, न० पु० विषभेद । मद्य ॥ हालाहल विष । मदिरा ।
हालाहली, स्त्री० मदिरा ॥ मद्य । शराब, फारसी भाषा ।
हाहल, न० हालाहलविष ॥ विष ।
हालहाल, न० विष । एकभाँतिकाजहर ।
हिंस्रा, स्त्री० काकादनी । जटामांसी । गवेधुका ॥ काकादनीवृक्ष । वालछड, जटामांसी । गरहेडुआ ।
हिक्का, स्त्री० रोग-विशेष ॥ हुचकी ।
हिङ्गु, न० निर्य्यास-विशेष । वंशपत्री ॥ हींग । वंशपत्री ।
हिङ्गुनाड़िका, स्त्री० नाडीहिङ्गु ॥ नाडीहींग ।
हिङ्गुनिर्य्यास, पु० निम्बवृक्ष । हिङ्गुरस ॥ नीमकापेड । हींगकारस ।
हिङ्गुपत्र, पु० इङ्गुदीवृक्ष ॥ हिङ्गोट ।
हिङ्गुपत्री, स्त्री० बाष्पीका ॥ हीङ्गपत्री ।
हिङ्गुपत्री, स्त्री० वंशपत्री ॥ वंशपत्री ।
हिङ्गुल, पु० न० स्वनामख्यातरागद्रव्य-विशेष ॥ हिङ्गुलु, इङ्गुलू--सिङ्गरफ ।
हिङ्गुलि, पु० ऐ ।
हिङ्गुलिका, स्त्री० कण्टकारी ॥ कटेहरी ।
हिङ्गुली, स्त्री० वार्त्ताकी । बृहती ॥ बैगन । भटकटैया ।
हिङ्गुलु, पु० न० हिङ्गुल ॥ सिङ्गरफ ।
हिङ्गुशिराटिका, स्त्री० वंशपत्री ॥ वंशपत्री ।
हिङ्गूल, न० मधुमूल ॥ महुआलु ।
हिज्ज, हिज्जल, पु० जलसमीपस्थवृक्ष-विशेष ॥ तालके किनारेका तरुवर । समुद्रफल ।
हिण्डीर, पु० समुद्रफेन । वार्त्ताकु ॥ समुद्रफेन । बैंगन ।
हितावली, स्त्री० औषधि-विशेष ।
हिन्ताल, पु० स्वनामख्यातवृक्ष ॥ एकप्रकारका ताड ।
हिम न० चन्दन । पद्मक । रङ्ग । मुक्ता । नवनीत ॥

चन्दन। पद्माख। राँग। मोती। नैनी।
हिम, पु० चन्दनवृक्ष। कर्पूर॥ चन्दनवृक्ष। कपूर।
हिमक, पु० विकङ्कतवृक्ष॥कण्टाई, विकङ्कतवृक्ष।
हिमकर, पु० कर्पूर॥ कपूर।
हिमजा, स्त्री० शटी। क्षीरिणी॥ कचूर। काञ्चनक्षीरी।
हिमतैल, न० कर्पूरतैल॥ कपूरकातेल।
हिमदुग्धा, स्त्री० क्षीरिणी॥ काञ्चनक्षीरी।
हिमद्रुम, पु० महानिम्ब॥ बकायननीम।
हिमवालुक, पु० कर्पूर॥ कपूर।
हिमवालुका, स्त्री० ऐ।
हिमशर्करा, स्त्री० यावनालशर्करा॥ शीरखिस्त।
हिमहासक, पु० हिन्तालवृक्ष॥एकप्रकारकाताड।
हिमा, स्त्री० सूक्ष्मैला। रेणुका। भद्रमुस्ता। नागरमुस्ता। पृक्का। चणिका॥ छोटीइलायची। रेणुका गन्धद्रव्य। भद्रमोथा। नागरमोथा। असवरग। चणिकातृण।
हिमांशु, पु० कर्पूर॥ कपूर।
हिमांशुभिख्य, न० रौप्य॥ रूपा।
हिमाद्रिजा, स्त्री० क्षीरिणी॥ पीलेदूधकी कटेरी, काञ्चनक्षीरी।
हिमानी, स्त्री० हिमसंहति। यावनालशर्करा॥ तुषार। शीरखिस्त।
हिमाराति, पु० चित्रकवृक्ष। अर्कवृक्ष॥ चीतावृक्ष। आकवृक्ष।
हिमालय, पु० शुक्लखदिर॥ पपरियाकत्था।
हिमालया, स्त्री० भूम्यामलकी॥ भुईआमला।
हिमाब्ज, न० उत्पल॥ कुमुद।
हिमावती, स्त्री० स्वर्णक्षीरी। कटुपर्णी॥ काञ्चनक्षीरी। चोक—ऊँटकटीराभेद।
हिमाह्व, हिमाह्वय, पु० कर्पूर॥ कपूर।
हिमाश्रया, स्त्री० स्वर्णजीवन्ती।
हिमोत्तरा, स्त्री० कपिद्राक्षा॥ भूरेरङ्गकी दाख।
हिमोत्पन्ना, स्त्री० यावनाली॥ शीरखिस्तभेद।
हिमोद्भवा, स्त्री० शटी॥ अँबियाहलदी।
हिरण, न० स्वर्ण। वराटक॥ सोना। कौडी।
हिरण्य, न० स्वर्ण। धुस्तूर। रौप्य॥ सोना। धतूरा। रूपा।
हिरण्यद्रु, पु० द्रव्य-विशेष॥ रेवतचीनी कुत्रचित्भाषा।
हिरण्यरेताः [स्], पु० चित्रकवृक्ष॥ चीतावृक्ष।
हिलमोचि, स्त्री० हिलमोचिका॥ हुलहुलशाक।
हिलमोचिका, स्त्री० ऐ।
हिलमोची, स्त्री० ऐ।
हिन्ताल, पु० हिन्तालवृक्ष॥ एक प्रकारका ताड।
हीर, पु० न० हीरक॥ हीरा।
हीरा, स्त्री काश्मरी॥ कुम्भेर।
हीरक, पु० स्वनामख्यातरत्न॥ हीरा।
हीलुक, न० गौडीमद्य॥ गुडकी मदिरा।
हुतभुक् [ज्], चित्रकवृक्ष॥ चीतावृक्ष।
हृच्छूल, न० हृदयजातशूलरोग।
हृत्पाषाण, न० मनःशिला॥ मनासिल।
हृद्ग्रन्थ, पु० हृद्व्रण।
हृद्य, न० गुडत्वक्॥ दालचीनी।
हृद्यगन्ध, न० क्षुद्रजीरक। सौवर्चल॥ छोटाजीरा। चोहारकोडा।
हृद्यगन्ध, पु० बिल्ववृक्ष॥ बेलका पेड।
हृद्यगन्धा, स्त्री० जाती॥ चमेली।
हृद्यगन्धि, स्त्री० क्षुद्रजीरक॥ छोटाजीरा।
हृद्या, स्त्री० वृद्धिनामौषधि॥ वृद्धि।
हृद्रोग, पु० हृदयस्थरोग-विशेष।
हृद्रोगवैरी [न्], पु० अर्ज्जुनवृक्ष॥ कोहवृक्ष।
हृल्लास, पु० हिक्का। उपस्थितवमनत्व॥ हुचकी। उबकाई।
हेम, न० सुवर्ण॥ सोना।
हेम, पु० माषकपरिमाण॥ एकमाषा।
हेम [न्], न० स्वर्ण। धुस्तूर। नागकेशर॥ सोना। धतूरा। नागकेशर।
हेमकन्दल, पु० प्रवाल॥ मूँगा।
हेमकान्ति, स्त्री० दारुहरिद्रा॥ दारुहलदी।
हेमकिञ्जल्क, न० नागकेशर॥ नागकेशर।
हेमकेतकी, स्त्री० स्वर्णकेतकी॥ पीलीकेतकी।
हेमगन्धिनी, स्त्री० रेणुकाख्यगन्धद्रव्य॥ रेणुका।
हेमगौर, पु० किंकिरातवृक्ष॥ किंकिरातवृक्ष।
हेमतार, न० तुत्थ॥ तूतिया।
हेमदुग्ध, हेमदुग्धक, पु० उदुम्बरवृक्ष॥ गूलरका पेड।
हेमदुग्धा, स्त्री० स्वर्णक्षीरी॥ पीले दूधकी कटेहरी।
हेमदुग्धी [न्], पु० यज्ञोदुम्बरवृक्ष॥ गूलरका पेड।
हेमदुग्धी, स्त्री० स्वर्णक्षीरी॥ काञ्चनक्षीरी।
हेमद्युति, स्त्री० धुस्तूरबीज॥ धत्तूरेकेबीज।
हेमन्तनाथ, पु० कपित्थवृक्ष॥ कैथवृक्ष।
हेमपत्री, स्त्री० स्वर्णपत्री॥ सनाय।
हेमपुष्प, न० अशोकपुष्प। जवापुष्प॥ अशोकवृक्ष। गुडहल।

हेमपुष्प, पु० चम्पकवृक्ष ॥ चम्पावृक्ष ।
हेमपुष्पक, पु० चम्पकवृक्ष । लोध्र ॥ चम्पावृक्ष। लोध ।
हेमपुष्पिका, स्त्री० स्वर्णयूथिका ॥ पीलीजुही ।
हेमपुष्पी, स्त्री० मञ्जिष्ठा । स्वर्णजीवन्ती । इन्द्रवारुणी । स्वर्णुली । मुषली । कण्टकारी ॥ मजीठ । पीलीजीवन्ती ॥ इन्द्रायण । सोनालीवृक्ष। मुसली । कटेहरी ।
हेमफला, स्त्री० स्वर्णकदली ॥ पीलाकेला ।
हेमयूथिका, स्त्री० स्वर्णयूथिका ॥ पीलीजुही ।
हेमरागिणी, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
हेमलता, स्त्री० स्वर्णजीवन्ती ॥ स्वर्णजीवन्ती ।
हेमबल, न० मौक्तिक ॥ मोती ।
हेमबीज, न० बीज-विशेष ॥ विहदाना फारसी भाषा ।
हेमशिखा, स्त्री० स्वर्णक्षीरी ॥ ऊँटकटीलाभेद ।
हेमसार, न० तुत्थ । स्वर्ण ॥ तूतिया । सोना ।
हेमक्षीरी, स्त्री०स्वर्णक्षीरी ॥ पीले दूधकी कटेहरी।
हेमाङ्ग, पु० चम्पकवृक्ष ॥ चम्पावृक्ष ।
हेमाद्रिजरण, पु० स्वर्णक्षीरी ॥ काञ्चनक्षीरी ।
हेमाह्व, पु० वनचम्पक । धुस्तूर ॥वनचम्पा।धत्तूरा।
हेमाह्वा, स्त्री० स्वर्णजीवन्ती ॥ स्वर्णजीवन्ती ।
हेलाश्वी, स्त्री० हिलमोचिका ॥ हुलहुलशाक ।
हैम, पु० भूनिम्ब ॥ चिरायता ।
हैमन्तिक, न० शालिधान्य ॥शालिधान, हंसराज ।
हैमवत, पु० विषभेद । एकप्रकारकाविष ।
हैमवती, स्त्री० हरीतकी । स्वर्णक्षीरी । श्वेतवचा । रेणुका । कपिलद्राक्षा । अतसी । कटुपर्णी ॥ हरड । पीलेदूधकीकटेहरी । सफेदवच । रेणुका । किसमिसभेद । अलसी । चोक-सत्यानासी कटेहरी ।
हैमा, स्त्री० पीतयूथिका ॥ पीलीजुही ।
हैमी, स्त्री० ऐ ।
हैयङ्गवीन, न० सद्योजातघृत । नवनीत ॥ एकदिनका घी । नैनी—मक्खन ।
होमधान्य, न० तिल ॥ तिल ।
होम्य, न० घृत ॥ घी ।
हौम्यधान्य, न० तिल ॥ तिल ।
ह्रस्व, न० गौरसुवर्णशाक । पुष्पकासीस ॥ चित्रकूटदेशेप्रसिद्धशाक । पुष्पकसीस ।
ह्रस्वकुश, पु० श्वेतकुश ॥ सफेदकुशा ।
ह्रस्वगर्भ, पु० कुश । कुशा ।
ह्रस्वगवेधुका, स्त्री० गाङ्गेरुकी॥गुलसकी,गङ्गेरन।
ह्रस्वजम्बु, पु० क्षुद्रजम्बू ॥ छोटीजामुन ।
ह्रस्वतण्डुल, पु० राजान्न ॥ अन्धदेशमें पैदा-होनेवालेशालिधान ।
ह्रस्वदर्भ, पु० श्वेतकुश ॥ सफेदकुशा ।
ह्रस्वदा, स्त्री० शल्लकी ॥ शालईवृक्ष ।
ह्रस्वपत्रक, पु० गिरिजमधूकवृक्ष ॥ पहाडीमौआ ।
ह्रस्वप्लक्ष, पु० क्षुद्रप्लक्ष ॥ छोटापाखर ।
ह्रस्वफला, स्त्री० काकजम्बू ॥ भुईजामुन । छोटीजामुन ।
ह्रस्वमूल, पु० रक्तेक्षु ॥ लालईख ।
ह्रस्वा, स्त्री० काकजम्बू । नागबला । मुद्गपर्णी ॥ भुईजामुन । गुलसकरी । मुगबन ।
ह्रस्वाग्नि, पु० अर्कवृक्ष ॥ आककावृक्ष ।
ह्रस्वाङ्ग, पु० जीवक ॥ जीवकऔषधि ।
ह्रादिनी, स्त्री० शल्लकी ॥ शालईवृक्ष ।
ह्रिबेर, न० ह्रीबेर ॥ सुगंधवाला, नेत्रवाला ।
ह्रीकु, पु० जतुक । त्रपु ।
ह्रीबेर, न० वालक ॥ सुगंधवाला, नेत्रवाला ।
ह्रीबेल, ह्रीबेलक, न० ऐ ।
ह्लादिनी, स्त्री० शल्लकीवृक्ष ॥ शालईवृक्ष ।
ह्लीकु, पु० जतु । त्रपु ॥

इति श्रीशालिग्रामवैश्यकृते शालिग्रामौषधशब्दसागरे हकाराक्षरे तरङ्गः ॥

क्ष.

क्षणदा, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
क्षतकास, पु० कासरोग-विशेष ॥ खांसी ।
क्षतघ्न, पु० क्षुप-विशेष ॥ कुकरौंदा ।
क्षतघ्नी, स्त्री० लाक्षा ॥ लाख ।
क्षतविध्वंसी [न्], पु० वृद्धदारकवृक्ष॥विधारा ।
क्षतहर, न० अगुरु ॥ अगर ।
क्षतोदर, पु० उदररोग-विशेष ।
क्षत्र, न० तगर ॥ तगर ।
क्षत्रवृक्ष, पु० मुचकुन्दवृक्ष ॥ मुचकुन्द ।
क्षपा, स्त्री० हरिद्रा ॥ हलदी ।
क्षपाकर, पु० कर्पूर ॥ कपूर ।
क्षपापति, पु० ऐ ।
क्षमादंश, पु० शिग्रु ॥ सैंजिनेका पेड ।
क्षय, पु० यक्ष्मरोग ॥ क्षयरोग ।
क्षयतरु, पु० स्थालीवृक्ष ॥ वेलियापीपल ।
क्षयथु, पु० कासरोग ॥ खांसीरोग ।
क्षयनाशिनी, स्त्री० जीवन्ती ॥ डोडी ।
क्षव, पु० राजिकाभेद । राजिका ॥ राईभेद । राई ।
क्षवक, पु० अपामार्ग । राजिका ॥ चिरचिरा । राई ।

क्षवकृत्, न० छिक्कनी ॥ नाकछिकनी ।
क्षवथु, स्त्री० क्षुत, रोग ।
क्षवपत्री, स्त्री० द्रोणपुष्पी ॥ गोमा, गूमा ।
क्षविका, स्त्री० बृहतीभेद ॥ एक प्रकारकी कटाई।
क्षार, न० विड्लवण । यवक्षार ॥ विरिया संचर-नोन । जवाखार ।
क्षार, पु० रस-विशेष । लवण । कांच । भस्म । गुड । टङ्कण । स्वर्जिकाक्षार । यवक्षार ॥ क्षार-रस । नौन । कांच । छाई । गुड । सुहागा । सज्जीखार । जवाखार ।
क्षारत्रय, न० यवक्षार, स्वर्जिकाक्षार, टङ्कण ॥ जवाखार (सोरा), सज्जीखार । सुहागा ।
क्षारद्वय, न० यवक्षार–स्वर्जिकाक्षार ॥ जवा-खार-सज्जी ।
क्षारदला, स्त्री० चिल्लीशाक ॥ चिल्लीशाक ।
क्षारदशक, न० दशविधक्षार ॥ सैंजिना १ मूली २ ढाक ३ चूक ४ चीता ५ अदरख६नीम७ईख ८ चिरचिटा ९ केला १० ।
क्षारद्रु, पु० घण्टापाटलिवृक्ष ॥ मोखावृक्ष ।
क्षारपत्र, पु० वास्तूक ॥ बथुआशाक ।
क्षारपत्रक, पु० ऐ ।
क्षारमध्य, पु० अपामार्ग ॥ चिरचिटा ।
क्षारमृत्तिका, स्त्री० लवणमृत्तिका ॥ खारीमिट्टी।
क्षारलवण, न० लवण-विशेष ॥ खारीनोंन ।
क्षारवृक्ष, पु० मुष्ककवृक्ष ॥ मोखावृक्ष ।
क्षारवृक्षगण, पु० अपामार्ग । कदली । पलाश । शिग्रु । मुष्कक । मूलक । आर्द्रक । चित्रक ॥ चिरचिटा । केला । ढाक । सैंजिना । मोखा मूली । अदरख । चीता ।
क्षारश्रेष्ठ, पु० पलाशवृक्ष । मुष्ककवृक्ष ॥ ढाक-वृक्ष । मोखावृक्ष ।
क्षारमेलक, पु० सर्वक्षार ॥ साबुन ।
क्षाराच्छ, न० समुद्रलवण ॥ पांगा ।
क्षाराष्टक, न० अष्टप्रकारक्षार ॥ पलास- ढाक १ सैंजिना २ चिरचिटा ३ जो ४ इमली ५आक ६ तिलोंकीनाल ७ सज्जीखार ८ ।
क्षिति, स्त्री० रोचनानामगन्धद्रव्य ॥ गोरोचन ।
क्षितिबदरी, स्त्री० भूबदरी ॥ झड़बेर ।
क्षितिक्षम, पु० खदिरवृक्ष ॥ खैरवृक्ष ।
क्षिप्रपाकी [न्], पु० गर्दभाण्डवृक्ष ॥ पारस-पीपल ।
क्षीर, न० दुग्ध । सरलद्रव ॥ दूध । सरलकागोंद ।
क्षीरक, पु० क्षीरमोरटलता ॥ "गोरटा"।
क्षीरकञ्चुकी, स्त्री० क्षीरीशवृक्ष ॥ क्षीरकञ्चुकी ।
क्षीरकन्द, पु० क्षीरविदारी ॥ दूधविदारी ।
क्षीरकन्दा, स्त्री० क्षीरवल्ली ॥ विदारीकन्द ।
क्षीरकाकोलिका, स्त्री० क्षीरकाकोली ॥ क्षीर-काकोली औषधी ।
क्षीरकाकोली, स्त्री० अष्टवर्गप्रसिद्धस्वनामख्यात औषधि ॥ क्षीरविदारी ।
क्षीरकाण्डक, पु० स्नुहीवृक्ष । अर्कवृक्ष ॥ थूह-रवृक्ष । आकवृक्ष ।
क्षीरकाष्ठा, स्त्री० वटिवृक्ष ॥ नदीवट ।
क्षीरज, न० दधि ॥ दही ।
क्षीरदल, पु० अर्कवृक्ष ॥ आकवृक्ष ।
क्षीरद्रुम, पु० अश्वत्थवृक्ष । पीपलकापेड़ ।
क्षीरनाश, पु० शाखोटवृक्ष ॥ सिहोड़ावृक्ष ।
क्षीरपर्णी [न्], पु० अर्कवृक्ष ॥ आकवृक्ष ।
क्षीरमोरट, पु० लताभेद ॥ मोरटालता ।
क्षीरवल्ली, स्त्री० क्षीरविदारी । विदारी ॥ दूध-विदारी । विदारीकन्द ।
क्षीरविदारिका, स्त्री० ऐ ।
क्षीरविदारी, स्त्री० महाश्वेता ॥ दूधविदारी ।
क्षीरविषाणिका, स्त्री० वृश्चिकाली । क्षीरका-कोली ॥ वृश्चिकाली । क्षीरकाकोली ।
क्षीरवृक्ष, पु० उडुम्बरवृक्ष । राजादनीवृक्ष ॥ गू-लरकापेड । खिरनीकापेड ।
क्षीरशर्करा, स्त्री० दुग्धोत्पन्नशर्करा ॥
क्षीरशीर्ष, पु० श्रीवास ॥ सरलकागोंद ।
क्षीरशुक्ता, स्त्री० क्षीरविदारी । क्षीरकाकोली ॥ दूधविदारी । क्षीरकाकोली ॥
क्षीरशुक्र, पु० जलकण्टक । राजादनी ॥ सि-ङ्घाडे । खिरनीवृक्ष ।
क्षीरशुक्ला, स्त्री० भूमिकूष्माण्ड ॥ विदारीकन्द ।
क्षीरस, पु० क्षीरसार ॥ मलाईविशेष ।
क्षीरसन्तानिका, स्त्री० दुग्धविकारविशेष।
क्षीरस्रव पु० दुग्धपाषाण ॥ "शिरगोला" ।
क्षीरा, स्त्री० काकोली ॥ काकोलीऔषधि ।
क्षीराब्धिज, न० सामुद्रलवण । मुक्ता ॥ पांगा । मोती ।
क्षीराविका, स्त्री० क्षीरावी ॥ दूधियाऔषधि ।
क्षीरावी, स्त्री० क्षीरकाकोली । दुग्धिका ॥ क्षीर-काकोली । दुद्धि औषधि ।
क्षीराह्व, पु० सरलवृक्ष ॥ धूपसरल ।
क्षीरिका, स्त्री० क्षीरवृक्ष ॥ खिरनी-हिन्दी । क्षीर । खजूरवङ्गभाषा । पिण्डखजूर केचित्भाषा ।
क्षीरिणी, स्त्री० काञ्चनक्षीरी । वराहक्रान्ता । का-श्मरी । दुग्धिका । कुटुम्बिनी ॥ ऊँटकटीला।

वराहक्रान्ता । कुम्भेर । दुधियावृक्ष । अर्कपुष्पी ।

क्षीरिवृक्ष, पु० क्षीरयुक्तपञ्चप्रकारवृक्ष ॥ बड १ गूलर २ पीपल ३ पारिसपीपल ४ पाखर । ५

क्षीरिन् [न्], पु० क्षीरिकावृक्ष । स्नुहीवृक्ष । दुग्धिका । अर्कवृक्ष । राजादनी । दुग्धपाषाणवृक्ष । सोमलता । वटवृक्ष । प्लक्षवृक्ष । स्यालीवृक्ष ॥ खिरनीवृक्ष । सेहुण्डवृक्ष । दुद्धिवृक्ष। आकवृक्ष। राजादनीवृक्ष । शिरगोला मराठी भाषा । सोमलता । वडवृक्ष । पाखरवृक्ष । वेलियापीपल ।

क्षीरी, स्त्री० क्षीरिवृक्ष ॥ बड, गूलर, पीपल, पाखर, पारिसपीपल ।

क्षीरोश, पु० क्षीरकञ्चुकी ॥ क्षीरसागर उडीसाभाषा ।

क्षुण, पु० अरिष्टवृक्ष ॥ रीठा ।

क्षुत, स्त्री० क्षुत ॥ छींक ।

क्षुत, न० ऐ ।

क्षुतक, पु० राजिका ॥ राई ।

क्षुताभिजनन, पु० कृष्णसर्षप ॥ काली सर्सों । राई ।

क्षुत्करी, स्त्री० भुजङ्गघातिनी ॥ कङ्कालिका-वङ्गभाषा ।

क्षुद, पु० तण्डुलादिचूर्ण ॥ चावलोंका चून ।

क्षुद्र, पु० डहु ॥ बडहर ।

क्षुद्रकण्टकारिका, स्त्री० अग्निदमनी ॥ अग्निदमनी ।

क्षुद्रकण्टकी, स्त्री० बृहती ॥ कटाई ।

क्षुद्रकारवेल्ली, स्त्री० कारवेल-विशेष ॥ करेली ।

क्षुद्रकारालिका, स्त्री० क्षुद्रकारवेल्ली ॥ करेली ।

क्षुद्रकुलिश, पु० वैक्रान्तमणि ॥ वैक्रान्तमणि ।

क्षुद्रकुष्ठ, न० स्वल्पकुष्ठरोग ॥ छोटाकोढ ।

क्षुद्रगोक्षुरक, पु० गोक्षुरभेद ॥ छोटेगोखरू ।

क्षुद्रघोली, स्त्री० चिविल्लिकाक्षुप ॥ चिविल्लिका ।

क्षुद्रचञ्चु, स्त्री० क्षुप-विशेष ॥ चञ्चुशाक ।

क्षुद्रचन्दन, न० रक्तचन्दन ॥ लालचन्दन ।

क्षुद्रचिर्भिटा, स्त्री० गोपालकर्कटी ॥ गोपाल-काकडी ।

क्षुद्रजातीफल, न० आमलक ॥ आमला ।

क्षुद्रजीरक, पु० स्वल्पजीरक ॥ छोटाजीरा ।

क्षुद्रजीवा, स्त्री० जीवन्ती ॥ जीवन्ती ।

क्षुद्रतुलसी, स्त्री० अर्जक ॥ वनतुलसीभेद ।

क्षुद्रदुरालभा, स्त्री० स्वल्पदुरालभा ॥ छोटाधमासा ।

क्षुद्रदुस्पर्शा, स्त्री० अग्निदमनी ॥ अग्निदमनी ।

क्षुद्रधात्री, स्त्री० कर्कटवृक्ष ॥ काठ आमला । देशान्तरीयभाषा ।

क्षुद्रपत्रा, स्त्री० चाङ्गेरी ॥ अम्बिलोना ।

क्षुद्रपत्री, स्त्री० वचा ॥ बच ।

क्षुद्रपनस, पु० लकुच ॥ बडहर ।

क्षुद्रपर्ण, पु० अर्जक ॥ वनतुलसीभेद ।

क्षुद्रपाषाणभेदा, स्त्री० क्षुद्रपाषाणभेदी ॥ छोटा-पाखानभेद ।

क्षुद्रपिप्पली, स्त्री० वनपिप्पली ॥ वनपीपल ।

क्षुद्रपोतिका, स्त्री० मूलपोती ॥ वनपोई ।

क्षुद्रफलक, पु० जीवनवृक्ष ॥ जीवनवृक्ष ।

क्षुद्रफला, स्त्री० भूमिजम्बू । इन्द्रवारुणी । गोपालकर्कटी । कण्टकारी । अग्निदमनी ॥ छोटीजामुन । इन्द्रायण । गोपालकाकडी । कटेरी । अग्निदमनी ।

क्षुद्रमुस्ता, स्त्री० कशेरु ॥ कशेरू ।

क्षुद्ररोग, पु० अजगल्लिकादिरोगसमूह ।

क्षुद्रवंशा, स्त्री० वराहक्रान्ता ॥ वराहक्रान्ता ।

क्षुद्रवल्ली, स्त्री० मोलपोती । पोईभेद ।

क्षुद्रवार्त्ताकी, स्त्री० बृहती ॥ कटाई ।

क्षुद्रशङ्ख, पु० स्वल्पजातीयशङ्ख ॥ छोटी जातका शंख ।

क्षुद्रशर्करा, स्त्री० यावनालशर्करा ॥ शीरखिस्त ।

क्षुद्रशीर्ष, पु० मयूरशिखावृक्ष ॥ मोरशिखा ।

क्षुद्रशुक्ति, स्त्री० जलशुक्ति ॥ जलकीसीप ।

क्षुद्रश्यामा, स्त्री० कटभी ॥ कटभीवृक्ष ।

क्षुद्रश्लेष्मान्तक, पु० भूकर्बुदारक ॥ लभेडा ।

क्षुद्रश्वेता, स्त्री० भूमिकूष्माण्ड ॥ विदारीकन्द ।

क्षुद्रसहा, स्त्री० मुद्गपर्णी ॥ मुगवन ।

क्षुद्रसुवर्ण, न० पित्तल ॥ पीतल ।

क्षुद्रहिङ्गुलिका, स्त्री० कण्टकारी ॥ कटहरी ।

क्षुद्रहिङ्गुली, स्त्री० ऐ ।

क्षुद्रा, स्त्री० कण्टकारिका । चाङ्गेरिका । गवेधुका । क्षुद्रचञ्चुशाक ॥ कटेरी । अम्बिलोना । गरहेडुआ । छोटा चञ्चुशाक ।

क्षुद्राग्निमन्थ, पु० दशमूलप्रसिद्धवृक्ष-विशेष ॥ छोटी अरणी ।

क्षुद्रान्त्र, न० उदरस्थितनाडी-विशेष ।

क्षुद्रापामार्ग, पु० अपामार्ग ॥ लाल चिरचिट ।

क्षुद्रामलक, न० आमलक ॥ काठआमला ।

क्षुद्रामलकसंज्ञ, पु० कर्कटवृक्ष ॥ कर्कफल ।

क्षुद्राम्र, पु० कोषाम्र ॥ कोशम ।

क्षुद्राम्लपनस, पु० लकुच ॥ बडहर ।

क्षुद्राम्ला, स्त्री० अम्ललोणिका । शशाण्डुली ॥ अम्बिलोना । एक प्रकारकी ककडी ।

क्षुद्रेङ्गुदी, स्त्री० यवास ॥ जवासा ।

क्षुद्रेर्वारु, पु० गोपालकर्कटी ॥ गोपालकाकडी ।

क्षुद्रोदुम्बरिका, स्त्री० काकोदुम्बरिक ॥कठूमर ।

क्षुद्रोपोदकनाम्नी, स्त्री० मूलपोती ॥ पोईशाकभेद ।

क्षुद्रोपोदकी, स्त्री० स्वल्पपूतिका ॥ छोटापोईका शाक ।

क्षुधाकुशल, पु० बिल्वान्तरवृक्ष ॥ बेलन्तर ।

क्षुधाभिजनन, पु० राजिका ॥ राई ।

क्षुपालु, पु० पानीयालु ॥ पानीआलु ।

क्षुपडोडमुष्टि, पु० विषमुष्टिक्षुप ॥ डोडीक्षुप ।

क्षुमा, स्त्री० अतसी । शण । नीलिका । लताभेद ॥ अलसी । सन । नीलिकावृक्ष । एक वेल ।

क्षुर, पु० कोकिलाक्ष गोक्षुर । महापिण्डीतक। शर॥ तालमखाना । गोखरु । पेडिरावृक्ष । रामसर, काण्ड, सरपता ।

क्षुरक, पु० तिलकवृक्ष । कोकिलाक्षवृक्ष । गोक्षुर । भुताङ्कुश ॥ तिलकपुष्पवृक्ष । तालमखाना । गोखुरु । भूतराज कुत्रचित् भाषा ।

क्षुरपत्र, पु० शर ॥ रामसर ।

क्षुरपत्रिका, स्त्री० पालङ्कयशाक ॥ पालगका शाक ।

क्षुराङ्ग, पु० गोक्षुर ॥ गोखुरु ।

क्षुरिका, स्त्री० पालङ्कयशाक । पालगका शाक ।

क्षुरिकापत्र, पु० शर ॥ रामसर ।

क्षुरिणी, स्त्री० वराहक्रान्ता ॥ वराहक्रान्ता ।

क्षुल्लक, पु० क्षुद्रशङ्ख ॥ छोटाशंख ।

क्षेत्रकर्कटी, स्त्री० वालुकी ॥ एक प्रकारकी ककडी ।

क्षेत्रचिर्भिटा, स्त्री० चिर्भिटा । कर्कटी ॥ कचरिया । ककडी ।

क्षेत्रजा स्त्री० श्वेतकण्टकारी । शशाण्डुली । गोमूत्रिका । शिलिपका । चणिका॥सफेदकटेरी । एक प्रकारकी ककडी । गोमूत्रतृण । शिलिपका तृण। चणिका ।

क्षेत्रपर्पटी, स्त्री० पर्पट ॥ दवनपापरा ।

क्षेत्रदूती, स्त्री० श्वेतकण्टकारी ॥ सफेद कटेरी ।

क्षेत्ररुहा, स्त्री० बालुकी ॥ एक प्रकारकी ककडी।

क्षेत्रसम्भव, पु० चञ्चुक्षुप । भिण्डाक्षुप ॥ चेउना । भिण्डी ।

क्षेत्रसम्भूत, पु० कुन्दरतृण ॥ कुन्दरा ।

क्षेत्रामलकी, स्त्री० भूम्यामलकी ॥ भुंई आमला ।

क्षेत्रेक्षु, पु० यावनाल ॥ जुआर, मक्का ।

क्षेम पु० चोरनामकगन्धद्रव्य । चण्डानामौषधि ॥ भटेउर । चंडा ।

क्षेमक, पु० चोरनामकगन्धद्रव्य ॥ भटेउर।

क्षेमफला, क्षेमाफला, स्त्री० उदुम्बरवृक्ष ॥ गूलरका पेड ।

क्षौणीध्वज, न० पु० शैलेय ॥ पत्थरकाफूल । भूरिछरीला ।

क्षौद्र, न० मधु ॥ सहत ।

क्षौद्र, पु० चम्पकवृक्ष ॥ चम्पावृक्ष ।

क्षौद्रज, न० शिक्थक ॥ मोम ।

क्षौद्रधातु, पु० माक्षिक ॥ सोनामखी । रूपामाखी ।

क्षौद्रप्रिय, पु० जलमधूकवृक्ष ॥ जलमहुआवृक्ष ।

क्षौद्रमेह, पु० प्रमेहरोग-विशेष ।

क्षौमक, पु० चोरनामकगन्धद्रव्य ॥ भटेउर ।

क्षौमद्रु, पु ब्रह्मदारु ॥ सहतूत ।

क्षौमी, स्त्री० अतसी ॥ अलसी ।

क्षौमीन, पु० वृक्ष-विशेष ॥ सुरभिफल ।

क्ष्वेड, न० घोषापुष्प ॥ तोरईकेफूल ।

क्ष्वेड, पु० कर्णरोग-विशेष । विष । पीतघोषालता॥ एकप्रकारका कानका रोग । विष । पीलेफूलकीतोरई ।

क्ष्वेडा, स्त्री० कोषातकी ॥ तोरई ।

इति श्रीमाथुरवैश्यवंशोद्भवकविकुलकुमुदकलानिधि "**शालिग्राम**" वैद्यकृते "**शालिग्रामौषधशब्दसागरे**" हिन्दीभाषानुवादविभूषित क्षकाराक्षरे तरङ्गः सम्पूर्णः ॥

संवत्राज्येविक्रमादित्य १९५२ माघमासे कृष्णपक्षे शुभातिथौ द्वितीयायाम् ।

पुस्तक मिलनेका ठिकाना—

खेमराज श्रीकृष्णदास,

"**श्रीवेङ्कटेश्वर**" छापाखाना मुम्बई.